HRA an AINUM The Gazette of India

WINDER & WONTELL

सं• 11]

नई विस्ती, शनिवार, मार्च 15,1986 (फाल्गुन 24, 1907)

No. 11]

NEW DEL/HI, SATURDAY, MARCH 15, 1986 (PHALGUNA 24, 1907)

इस भाग में शिन पृष्ठ संख्या दी जाली है क्सिसे कि यह अलग संखलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging in given to this Part is order that it may be that as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

रच्यं न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1986

सं० ए० 32014/1/85/प्रका०-III—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री राजिन्दर सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 18-12-85 से 14-1-86 तक अथदा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री राजिन्दर सिंह कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्ती के अनुसार रु० 75/— कि मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करोंगे।

दिनांक 30 जनवरी 1986

मं० ए० 12023/1/85-प्रशा० 2:—-इस कीर्यालय की समसंख्यंक ग्रिधिसूचना दिनांक 17-7-85 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा अध्योग, एउद्द्वारा मंघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थाई अनुभाग अधिकारी सर्वंश्री वी० एन० अरोड़ा, आई० पी० तुली और के० एन०

सूरी को रु० 1100-50-1600 के वेतन मान में 1-11986 से 28-2-1986 तक अथवा आगामी आदेशों तक,
जो भी पहेले हो, उप निदेशक ग्रुप "क" राजपितत के पद
पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

उप निदेशक के एद पर इनकी नियुक्ति स्थानापन्न की शर्त पर है और इनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंतालय (व्यय विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ० 1(ii)—ई. III(बी)/75 दिनांक 7—11—1975 के उपबन्धों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 31 जनवरी 1986

सं० ए० 32014/1/85 प्रशा० 3—इस कार्यालय की अधिसुचना सं० 32014/1/85-प्रशा० 3, दिनांक 26 दिसम्बर, 1985 के अधिक्रमण में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के नियमित सहायक श्री पी० एल० भाट को दिनांक 17 दिसम्बर, 1985 से 30 जनवरी, 1986 तक तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानाएक रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० 3 ---राष्ट्रपति संघ लोक संवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित

(9819)

नियमित सहायकों को उनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रविध के लिये ग्रथवा ग्राग।मी ग्रादेशों तक इनमें से जो भी पहले हो. तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

ऋसं० नाम	तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि
सर्वश्री 1. मी० एल० भट्ट 2. के० एस० कोचर 3. पी० जोशी	31-1-86 से 28-2-1986 15-1-86 में 28-2-86 वही

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा० III-संघ लोक सेवा ग्रायोग के क० सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित नियमित ग्रानुभाग ग्रधिकारियों को राष्ट्रपित उनमें से प्रत्येद के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिये ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के नार्यालय में डेरक ग्रिधकारी के एद पर दार्य दरने के लिये सहर्ष निय्कत करते हैं —

क ₹	मं ०	नाम	3	प्रवधि	
	——— गिराजिन गीहुकम	•			28-2-86 বজ 8-2-86 বজ

2. उपर्युक्ट ग्रधिकारी कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-मी० एस० 1, दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के ग्रनुसार 75/---रु० प्र० भा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी. जैन, ग्रवर सचिव का० प्रशा**०** सब लो**क** ग्रायोग

कार्मि ह श्रीर प्रशिक्षण प्रशासन मुधार, लोकणिकायत तथा पेंगन मंत्रालय कार्मिक व प्रशासनिक विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1986

सं० 3/7/86-प्रशासन-5:—राष्ट्रपति श्री एस० बालाजी भा० पु० से० (उ० प्र०-1977) को दिनांक 31 जनवरी, 1986 ग्रपराह्म से अगले ग्रादेश होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 फ़रवरी 1986

मं० ए 19014/1/82-प्रशासन-5--ग्रौद्योगिक विकास विभाग के ग्रधीन, सीमेंट उद्योग के लिये नई दिल्ली में उप विकास ग्रायुक्त के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन होने पर, श्री ग्रार० एस० नागवाल, प्रशासन ग्रधिहारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो (केन्द्रीय सचिवालय सेवा

के श्रेणी-1) की सेव।एं दिनांक 10 फरक्री, 1986 पूर्वाह से सीमेंट उद्योग को सोंपी जाती हैं।

> के० चक्रवर्ती, उप निदेशक (प्रणासन) के० अ० ब्यूरो

नई दिल्ली दिनांक 24 फ़रवरी 1986

सं० एस-22/14 -प्रशा० 5:—विशेष ग्रन्वेषण दल (गृह मंतालय नई क्लि) से प्रत्यावतंन होने पर, के० ग्र० ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के ग्रधिकारी श्री एस० ग्रार० गुष्त, ने दिनांक 4 फ़रवरी, 86 पूर्वाह्न से के० ग्र० ब्यूरो में पुलिय उपाधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया तथा सी० ग्राई० यू० (सी०) में तैनात किया गया है।

सं ए०-19036/17/79-प्रशा 5:---निवर्तन होने पर, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनिय्क्ति श्री वाई० एन० प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 31 जनवरी, 1986 अपराह्म में उत्तर प्रदेश सरकार को मौंप दी गई हैं।

सं ० ए/19036/22/79-प्र० 5:--श्री वी० ए**म० पंडित,** पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं 3 फ़रवरी, 1986 श्रपराह्न से, प्रतिनियुक्ति पर, विशेष जांच दल (गृह मंत्रालय) को मौंपी जाती हैं।

> (ह०) ऋपठनीय प्रशासन अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण स्यूरी

गृह मंत्रालय महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 17 फ़रवरी 1986

मं० ग्रो० दो 900/76-प्रशासन-3:—इस महानिदेशालय के श्री बी० एस० राना, प्रतृक्षाग ग्रिधकारी जो वर्तमान समय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में टीम कमांडर के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं उन्हें दिनांक 30 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से के० रि० पु० बल में संयुक्त महायक निदेशक (लेखा)/लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के एद पर प्रपत्न स्थानापन्न पदोन्नति प्रदान की जाती है।

मं० ग्रो० दो-903/77-प्रशासन-3'-श्री उमराव सिंह, ग्रनुभाग ग्रिधिकारी को दिनांक 1 ग्रगस्त, 1985 से के० रि० पु० बल में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा)/लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 18 फ वरी 1986

सं० स्रो दो-1459/80-प्रणासन-3:-इस मह। निदेशालय के स्रनुभाग स्रधिकारी श्री जी० सी० शर्मा, जो वर्तमान समय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में टीम क्मांडर के रूप में प्रति- नियुक्ति पर हैं उन्ह दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 से० के•

रि॰ पु॰ बल में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा)/लेखा परीक्षा प्रधिकारी के पद पर प्रपत्न स्थानापन्न पदोन्नति प्रदान की जाती है।

किशन लाल, उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय औहोगिक सुरक्षा बल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110003, दिनंक 20 फरवरी 1983 सं० ई 16013(2)/1/83-कार्मिक -1-- अपने राज्य संवर्ग में वापस जाने और पुलिस उनायुक्त (प्रशासन), हैदराबाद के रूप में तैनात होने के फलस्वरूप, श्री एम० ए० बसीण, भा० पू० से० (आन्ध्र प्रदेश: 70) ने 11 फरवरी, 1986 (पूर्विक्ष) से के० ओ० सु० ब० में ग्रपना कार्यभार छोड़ दिया है।

महानिदेशक के० ओ० सु० **ब**०

भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली 110011, दिनांक 21 फरवरी, 1986

मं० 7/6/85 प्र०-I--राष्ट्रपति, विभागीय प्रोन्नति सिमिति की सिफारिश पर और मंघ लोक सेवा ग्रायोग के परामर्श से, भारत के महारिजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली में इस समय उप महारिजिस्ट्रार (सामाजिक ग्राय्यक) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत डा० एक जी० नाग को दिनांक 14 ग्राप्रैल, 1985 से उसी पद पर स्थाई ग्राधार पर नियक्त करने हैं।

बी० एस० वर्मा, भारत के महाराजस्ट्रार

श्रम विभाग

(श्रमा ब्यूरो)

क्रिमला-171004, दिनांक 7 मार्च 1986

संख्या 23/3/85-सी.पी.आई.—जनवरी, 1986 में श्रीसोगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1985 के स्तर 630 से एक अंक घट कर 629 (छः राौ उन्मतीस) रहा। जनवरी, 1986 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 764 (सात सौ चौसठ) आता है।

जितन्द्र नाथ शर्मा निर्देशक श्रम ब्यूरो, शिमला-171004 वित्त मंत्रालय श्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट बुद्रणालय,

देवास-455003 दिनांक 19 फरवरी, 1986

सं० घी० एन० यी/मी०/5/86—न्धी आलोक कुमार रस्तोगी, स्थाई हिन्दी अनुवादक वो "हिन्दी अधिकारी" के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-880-40-1000-दरो 40-1200 (राजपित समूह "क") में दैंक नोट मुद्रणालय देवास (म० प्र०) में दिनांक 22-2-1985 (पूर्वाह्न) से, अन्य आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार, महाप्रबन्धक,

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली 110002, दिनांक 17 फरवरी, 1986

सं 7 वा० ले० प० 109/70 स्तस्य लेखा परीक्षा कोई एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री सी० एल० तुली लेखा परीक्षा प्रधिकारी (वा०) ग्रंपनी ग्रंधिवार्षिता ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-1-86 (ग्रंपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

के० पी० लक्षमण राव, सहायक नियंत्रक महा लेखापरीक्षक (वा)०

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्त-! नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 फरवरी, 1986

सं० प्रशासन 1/का० म्रा० संख्या 397—-श्री मान निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्न-लिखित स्थाई म्रनुभाग म्रधिकारियों (भ्रव सहायक लेखा परीक्षा म्रधिकारी) को 18-2-86 पूर्वाह्न से म्रगले म्रादेश तक 840-1200 रु० के वेतनक्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा म्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋ एं० नाम

- 1. श्री बी० पी० शर्मा
- 2. श्री ग्रार० एल० चौपडा
- 3. श्री मदन मोहन गुप्ता III
- 4. श्री जी० एन० पन्त

मोहन खुराना, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०) कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) वंगलौर, दिनांक 31 जनवरी 1986

सं० म० ते० (ले० प०) 1/प्रशासन 1/ए 1/85--86/598-महालेखाकार (ले० प०) 1 निम्लिकित अनुभाग अधिकारियों
रूप में रू० 650-30-740-35-880-ई० बी० 401040 के वेतनमान में केवल अस्थाई क्षमता में उनके
वरिष्टों को बिना प्रतिवृत्त अभाव डाले विना आगामी आदेण
तक उनके कार्यभार प्रहण कंरने के विनाक में सहर्ष पदीव्रति
करते हैं।

श्रीयक्तः

- (1) बीठ जीठ जयराम
- (2) ए० मल्लिकार्ज्नयया
- (3) एस० कृष्णस्वामी

उनके सहायक लेखा रिक्षा ग्रिक्षकारी के परोक्षित होने के परिणामस्वरुप, स्वामी संकलन (7वां संकर्सण) के एक० ग्रार० 22मी के नीचे दिये गर्ध भारत सरकार के निर्णय (15) (भा० स० गृ० म० कामिक और प्रशासनिक सृधार विभाग के ज्ञा० सं० एक० 7/1/80 स्था० गी० है० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के ग्रमुसार उन्हें पदोव्हित होने के दिनांक एक महीने के ग्रम्दर विकल्प प्रकट करना होगा।

> ह० ग्रपठनीय उप महालेखाकार (प्र)

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1986

ं० ए बीं० (ए1/प्रशा० 13-7/2554--श्री श्रीनिवास प्रश्रवाल, लेखा परीक्षा, ग्रिश्विकारी, कार्यालय महालेखाकार, (लेखा परीक्षा), 11. उत्तर प्रदेश स्लाहावाद से निवर्टन की ग्रायु प्राप्त कर 31 अनवरी 1986 (ग्रप्राह्न) की सरकारी सेवा निवृत सेवा हो गये है।

वी० के० चटटोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखादार (प्र०)

लेखा परीक्षा निदेशक का अधिलय पूर्व में रेलवे मलीगांव, दिनांक 12 फरवरी 1986

सं० प्रशासन/5-16/79/35 ए/10658--26ि एन० के० दास, सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी को वेतनमान 840-40-1000-ई० बी-40-1200 रू० में दिनांक 1-6-1985 में श्रगले श्रादेश नह लेखा परीक्षा श्रिकारी के पद पर पदोश्रत किया गया है।

एन० जी० मिलक, लेखा परोक्षा निदेशक रक्षा भंतालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा, आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड, यस्लकत्ता

्राभयाता-700001, दिनांक 17 फरवरी 1986

सं० 01/86/ए/एम०:-- राष्ट्रपति महोदय डा० एम० के० दाम एवं डा० (मिस) के० सुबैया, वरिष्ठ चिकित्सा, ग्रधिकारी से प्रधान चिकित्त ग्रधिकारी वे पद पर नीचे दिये गर्ये दिनांक से नियुक्त करते हैं।

क सं० नाम तैनाती स्थान दिनांक

1. डा॰ एम॰ के॰ दाम तोप एव गोला फैक्टरी हाशीपुर 02-11-85

2. डा॰ (मिस) के॰ सुबैया गोला बास्द फैक्टरी खड़की 22-11-85

> सी० एम० माथुर, एडिशनल डी० जी० ग्रो०एफ/सदस्य/कार्मिक

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी, 1986

नं । 1/जो ०/86 - नार्बक्य निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एन० के० नेनगुप्ता, सहायक निदेशक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैंन) दिनाँग 31 जनवरी, 1986 (स्रपराह्म) से सेवा निवृत्ति हुए।

> वी० के० मेहता, उप-महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 4 फरवरी 1986 श्रायान तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

मं० 6/1166/77-प्रशासन (राज०)/1209 --इस कार्यात्रय के श्रो एन० एन० वस्सो, श्राशुलिपिक के० स० या० से० के ग्रेड "बां" सेना निवृत्ति की श्रायु प्राप्तः करलेने पर 31 जनवरी, 1986 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा में मेवा निवृत्त हो गर्थे हैं।

> णंकर चन्द, उप गुख्य नियंत्रक, आयात एंव निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनाँक 17 जनवरी 1986

सं० 3/5/86-कपास--सूती वस्त्र नियंत्रण ग्रादेण 1955 के खण्ड 5(1) में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा वस्त्र ग्रायुक्त की ग्रिधसूचना सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी II दिनाँक 19 दिसम्बर, 1974 के ग्रिध-लंघन में में एतद्दारा निर्देश देता हूं कि कोई भी निर्माता किसी भी समय भारतीय रूई की वह मात्रा जो उसके ग्रपने तकुग्रों पर उपभोग के लिये ग्रपेक्षित हो चाहे उस के ग्रिधकार में हो या किसी ग्र-य व्यक्ति द्वारा उसके पक्ष में रखी हो तथा बकाया संविदाग्रों के ग्रन्तर्गत प्रदान की जाने वाली मात्रा समेत, उसके छः महीने के ग्रीसत उपभोग से ग्रिधक हो, को ग्रपने ग्रिधकार में नहीं रखेगा।

उपरोक्त सोमा निम्नलिखित छूट के अध्यधीन रहेंगी:

- (एक) जिस निर्माता को रक्षा के ग्रभिप्राय से ग्रादेशों का निष्पादन करना हो तो ऐसी स्थिति में, वस्त्र ग्रायुक्त, इस सम्बन्ध में उन्हें किये गय ग्रावेदन पर संविदा का निष्पादन करने के लिए रूई की ग्रावश्यकता के परिमाण तक भारतीय रूई का उपरोक्त सीमा से ग्रधिक स्टाक रखने की, ऐसे निर्माताग्रों को ग्रामृति देते हैं।
 - (दो) जिस निर्माता ने पिछले कैलण्डर वर्ष में, जो 31 दिसम्बर, को समान्त होता है, अपने पैक उत्पादन की मात्रा का थोड़ा अंश या पूरी मात्रा निर्यात की हो, वस्त्व आयुक्त, इस सम्बन्ध में उन्हें किए गए आवेदन पर, जिसके साथ आवश्यक विवरण हो, नीचे दर्शाई गई सीमाओं तक भारतीय रूई को रखने की ऐसे निर्माताओं को अनुमति देते हैं।
- (ए) निर्माता, जिसमे पिछले पर ऊपर निर्दिष्ट लागू होने योग्य कैलेण्डर वर्ष में जो 31 स्टाफ की सीमा से ग्रधिक दिसम्बर को समाप्त ग्राधे महीने की ग्रौसत उपभोग होता है, ग्रपने पैक किये के बरावर माता।

 गये उत्पादन का 10% निर्यात किया हो।
- (बी) निर्माता, जिसमे पिछले कैलण्डर वर्ष में जो 31% दिसम्बर को समान्त होता होता है,कुग्रपमे पैक किय गय उत्पादन का 10% से ग्रधिक लेकिन 25% तक निर्यात किया हो

अपर निर्दिष्ट लागू होने योग्य स्टाक की सीमा से ग्रिधिक एक महीने के ग्रौसत उपभोग के बराबर मान्ना।

(सी) निर्माता, जिसने पिछले ऊपर निर्दिष्ट लागू होने योग्य कैलेण्डर वर्ष में जो 31 स्टाक की सीमा से ग्रधिक दिसम्बर को समान्त होता हेढ़ महीने के ग्रौसत उपभोग है, ग्रपने पैक किये गये के बराबर माला। उत्पादन का 25% में ग्रिधिक निर्यात किया हो।

- (तीन) भारतीय रूई की माता जो निर्माता के ग्रिधकार में हो सकतो है, जो पूर्ण रूप से या मुख्य रूप से विदेशी रूई का उपयोग करता हो, वह वस्त्र ग्रायुक्त को उक्त निर्माता द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर किए गए ग्रावेदन पत्र पर, वस्त्र ग्रायुक्त द्वारा निदिष्ट होगी।
- (चार) मिलें जो बन्द थी तथा या तो राष्ट्रीय वस्त्र निगम या प्राइवेट पार्टियों द्वारा हाल ही में पुनः चालू की गई हों, उन के मामलों पर वस्त्र स्रायुक्त को भ्रावेदन पत्र प्रस्तुत करने पर योग्यतानुरूष विचार किया जाएगा।
- (एक) इस पर ध्यान दिया जाए कि ब्रौसत मासिक उपभोग की गणना निर्माता द्वारा वस्त्र ब्रायुक्त को 31 श्रगम्त को समान्त होने वाले पिछले कपास वर्ष में लिए प्रपत्न सी० एस० टी० एच० (एम 0.2 संशोधित) में रिपोर्ट किए गए ब्राँकड़े के ब्राधार पर होगी।
 - (ब्रो) पिछले कपास वर्ष के दौरान हड़ताल, यदि कोई हो तो, के समय को विचार में किए विना काम के पूरे महोनों के आधार पर श्रौसत उपभोग की गणना होगी । वह श्रधिसूचना 17 जनवरी, 1986 से प्रभाव में रहेगी।

श्ररूण कुमार, वस्त्र श्रायुक्त, बम्बई

वम्बई 20, दिनाँक 11 फरवरी 1986

सं० सी॰ ई० ग्रार०/2/86, 2--मूती वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश 1948 के खण्ड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा ग्रिधसूचना सं० सी० ई० ग्रार , 2/77 दिनाँक 15 ग्रप्रैल, 1977 के खण्ड 5 में निम्नोक्त परन्तुक जोड़ता हूं, जो ग्रिधसूचना सं० सी० ई० ग्रार०/2/82/4 दिनाँक 23 मार्च, 1982 के ग्रधीन 31 मार्च 1987 तक विस्तारित की गई है।

"वस्त्र श्रायुक्त द्वारा उपरोक्त श्रादेश के खण्ड 21 (ए) में समय-अमय पर दिने गये निर्देश के श्रन्तर्गत उत्पादित की जाने के लिए श्रपेक्षित नियंत्रित साड़ियों के उत्पादन पर इस खण्ड में से कुछ भी लागू नहीं होगा।"

सं० सी० ई० ग्रार०/24/86/3—स्ती वस्त्र (नियंतण) ग्रादेण, 1948 के खण्ड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्हारा ग्रिधिसूचना मं० सी० ई० ग्रार०/24/77 दिनाँक 15 ग्रप्रैल, 1977 के खण्ड 3 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ता हूं, जो ग्रिधिसूचना सं०सी०ई० ग्रार०/24/32/5 दिनाँक 23-3-82 के ग्रिधीन 31 मार्च 1987 तक विस्तारित की गई है।

वस्त्र ग्रायुक्त द्वारा उपरोक्त ग्रादेश के खण्ड 21 (ए) में समय-समय पर किये गये निर्देश के ग्रन्तर्गत उत्पादित की जाने के लिये ग्रपेक्षित नियंत्रित साड़ियों के उत्पादन पर इस खण्ड में से कुछ भी लागू नहीं होगा।

> सुभाष रंजन राय संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्यौग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 13 फरवरी 1986

सं० 12 (ज० उ०)/67-प्रशा० (राज०)/खण्ड-II - विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग तथा सेवा संस्थान मद्रास के श्रधीन, सेन्ट्रल फुटवियर ट्रेनिंग सेन्टर, मद्रास के श्री एस० चिन्नादुराय, सहायक निदेशक (सा० प्रशा० प्र०) ग्रेड-II को निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर दिनाँक 31-10-1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमृति देते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 फरवरी 1986

सं० 971बी।ए।32014 (2-ए०जी०) (1)।8119 बीभारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी कार्यशाला)
श्री राम कृष्ण भौमिक को सहायक भूभौतिकीचिद (उपकरण)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी
ग्रादेश होने तक 2-12-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर
नियक्त कर रहे हैं।

सं० 984बी/ए-19012 (एस० पी० डी०)/85/19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री एस० पी०
धासमना को प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के
वेतनमान में स्थाई क्षमना में श्रागामी श्रादेश होने तक, 27-12-1985 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1986

सं० 1115 बी/ए 90121-बी एस०)/85/19 बीं०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक डा० बलदाउ सिंह को सहायक भूभीतिकीविद के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 30-10-85 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1158 बी/ए 32013/1-भूवि० (वरिष्ठ)/84-19ए (6)---राष्ट्रपतिजी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री जे० के० नन्दा को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रू० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 7-8-1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (विरष्ट) के पद पर उपर्युक्त पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 1985 के एफ० एम० ए० टी० संख्वा 507 के अन्तर्गत दिनांक 28-2-1985 को पास किए अन्तरिम आदेश अनुसार तदर्थ आधार पर है। यह आदेण श्री विदिच लस्कर एवं अन्य द्वारा भारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल किए रिट याचिका के परिणाम के अधीन दिनांक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाधीश द्वारा दिए गए अन्तरिम स्थगन आदेश को निरस्त करते हुए पास किया गया।

सं० 1163 बी/ए19011 (1-के० पी० जी०)/64-79/19 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री के० पी० गोपाल कृष्णन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार 13 अक्तूबर 1985 के अपराह्म से छोड़ दिया है ताकि वे इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) में उप सचिव के पद का कार्यभार प्रतिनियुक्ति की सामान्य धर्तों के अधीन आरम्भिक रूप से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर ग्रहण कर सकें।

दिनांक 19 फरवरी 1986

सं 1172 बी/ए-19011 (1-वाई ० आर० डी०)/75-19 ए०--भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री वाई० आर० धर ने भारतीय खान विद्यालय (इण्डियन स्कूल आफ माइन्स) धनवाद में अपनी स्थाई नियुक्ति होने के फलस्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में अपनी सेवाओं से 1-9-1984 (पूर्वीह्न) से त्यागपत दे दिया है।

श्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सुर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 फरवरी 1986

सं० 1125वी।ए-12011 (4)।79-19ए---राष्ट्रपतिजी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की खिनजिवज्ञानी (विरिष्ठ) श्रीमती लीलावती भट्टाचार्जी को निदेशक (खिनज भौतिकी) के रूप में नियमानुसार 1500-60-1800 ·100-·2000 रू० के वेतनमान में उसी विभाग में स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक, 30-12-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डीं० पीं० ढोडियाल, वरिष्ठ उप निदेशक (प्रचालन) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 22 जनवरी 1986

सं० ए० 19011 (238) / 78-स्था० ए---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिण पर श्री डी० के० कुन्दू विरुट खनन भू-विज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में विरुट खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30-12-85 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेण तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1986

सं० ए०-19011 (385)/85-स्था० ए०---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिण पर श्री रणजीत सिंह को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 27-12-1985 के पूर्वीह्न से श्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जनवरी 1986

सं० ए० 19011(96)।76-स्था० ए०---राष्ट्रपति डा० ग्रार० चक्रवर्ती, स्थाई वरिष्ठ खनन भू-विज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेतीय खनन भूचिज्ञानी के पद पर नियमित रूप से दिनांक 21 जनवरी, 1986 के पूर्वीह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी, प्रणासन ग्रधिकारी कृते महानियंत्रक

नागपूर, दिनांक 31 जनवरी 1986

सं० ए-19011(375)/85-स्था० ए--संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री बी० पी० रवी को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूपं में दिनांक 23-12-1985 के पूर्वीह्न से नियुक्त किया गया है।

दिनाँक 20 फरवरी 1986

सं० ए० 18011(188)/84-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री एन० एम० साँगोडे स्थायी उप खान नियंत्रक को भारतीय खान •यूरो मे क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनाँक 7-2-86 के ग्रपराह्म से नियमित रूप से ग्रागामी ग्रादेश तक पदोन्नति प्रदान की गयी है।

ज्ञ० चं० शर्मा प्रशासन स्रधिकार कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 17 फरवरी 1986

सं० 4/1/84-एस०-II-- आकाशवाणी महानिदेशालय की गजट श्रिधसूचना सं० 4/1/84-एस-II दिनाँक 18 जनवरी, 1985 के अनुक्रम में महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री ए० वी० शर्मा, "सरोज" वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्रण्डमान एवम् निकोबार प्रशासन सचिवालय, पोर्ट ब्लेयर जो कि इस समय प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर आकाशवाणी में कार्य कर रहे हैं की प्रतिनियुक्ति को 27-1-86 से आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

दिनांक 21 फरवरी 1986

सं० 15/7/72-सतर्कता-एस-दो (खण्ड-II--श्री चरण-जीत सिंह विस्तार ग्रधिकारी, ग्राकाशवाणी जालन्धर को एफ० ग्रार० 56 (ज) (ग्राई) के ग्रन्तर्गत 30-1-86 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से ग्रनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर दिया गया है ।

> मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाँक 20 फरवरी 1986

सं० 6/121/63-एस-I--निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेमे पर श्री डी० डी० चटर्जो, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, कलकत्ता, 31 जनवरी, 1986 (श्रपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

ईश्वर लाल भाटिया प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 18 फरवरी 1986

सं० ए० 12025/3/84-के० स० स्वा० यो० (भाग)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० एस० सेठी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली मे 28 जनवरी, 1986 पूर्वाह्न से प्रशासनिक मधिकारी के पर पर अस्थायी माधार पर नियुक्त कर दिया है ।

सं० ए०। 2025/3/84-के० ग० ग्झा० यो० (भाग) -स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जागरा सिंत, गर्याचय अधीक्षक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, वित्ली को 28 जनवरी, 1986 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार ज्वास्थ्य योजना, दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> टी० एस० राव उप निदेणक प्रणावन (के०स०स्वा० यो०)

नई दिल्ली, रिनाँक 21 फरवरी 1986

मं० ए. ० 12025/3/85-एन० आई० मी० डी०/पी० एफ० (सी० डी० एल०)—-राष्ट्रपति ने श्री जे० सुन्दरा राव को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ला मे उप सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर 31 जनवरी 1986 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक अध्यायो आधार गर नियुक्त किया है।

> जेस्सी फान्सिस उप निदेशक प्रणासन (पी० ए०)

भाभा परमाण् ग्रनुसंधान डेन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनाँक 20 फरवरी 1986

सं० पी० ए०/73(8)/85-ग्रार-4/263--नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र डा० (श्रीमिति) ज्यश्री सुबराव कोकाटे को निवासी चिकिर्दिया ग्रधिकारी पद पर भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र के श्रायुविकान प्रभाग फरवरी 3, 1986 (पूर्वाह्न) मे तीन वर्ष की ग्राविध तक ग्रस्थायी क्य मे नियुक्त करते हैं।

एन० एल० वेंकिटेश्वरन उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय ग्रौर भंडार निदेशालय

वम्वई-400 001, दिनांक 14 फरवरी 1986

सं० कमिन | 41 | 3 | 85 - प्रणा | 1278 - प्रमाण ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निदेणालय के निदेशक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापक नहायक लेखापाल, श्रीमती के ० ए० रहेजा को इसी निदेणालय में दिनाँच 2- 3-1985 (पूर्वाह्म) से 31-12-1985 (ग्रपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960- रुपए के तिनमान में महायक लेखा ग्राधिकारी के पद पर नदर्थ ग्रापार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री ए० ए० योच के स्थान पर की गयी है

जिन्हें उक्त प्रविध के लिए लेखा अधिकारी-II के पद पर पदोन्नन किया है ।

बी० जी० कुलकर्णी प्रणासन ग्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनाँक 19 फरवरी 1986

सं० प०ख० प्र०-16/8/35- भर्ती--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदहारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न लेखापाल एवं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री ग्रार० एव० गुन्ता को उसी प्रभाग में 27 दिसम्बर, 1985 से तदर्थं रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा स्रधिकारी

म्रन्तरिक्ष विभाग

इन्सैंट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा

हसन-573 201, दिनाँक 3 ग्रक्तूबर 1985

सं० जी० एन० 23--परियोजना निदेशक, इन्सेट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग, श्री जेमसन लिओनार्ड डिसूजा को इन्सैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस० बी० के पद पर दिनाँक अक्तूबर 1, 1985 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

मं० जी० एन०: 024--परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 ग्रन्तिरक्ष खण्ड परियोजना, ग्रन्तिरक्ष विभाग, श्री के० जयराम को इन्सैट-1 प्रधान नियंत्रण मुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इंजी-नियर-एस० बी० के पद पर दिनाँक श्रक्तूबर 1, 1985 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनाँक 8 ग्रक्तूबर 1985

सं० जी० एन० -25--परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 ग्रन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, ग्रन्तरिक्ष विभाग, श्री एस० एन० सत्यनारायण को इन्सैट-1 प्रधान नियंद्यण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस० वी० के पद पर दिनाँक ग्रक्तूबर 4, 1985 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी० एन०: 026--परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 ग्रन्तिरक्ष खण्ड परियोजना, ग्रन्तिरक्ष विभाग, श्री पी० ग्रर्रावद प्रकाश को इन्सैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हमन में वैज्ञानिक, इंजीनियर-एस० बी० के पद पर दिनाँक ग्रव्तूबर 4, 1985 के पूर्वीह्न मे ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

मं० जी० एन० 027—परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग श्री के० रत्नाकर को उन्मैट-1 प्रधान नियंवण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक। इंजीनियर-

एस० बी० के पद पर दिनांक अक्तूबर 7, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> वी० गोपाल राव प्रबन्धक कृते परियोजना निदेशक

हसन-573 201, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० जी० एन० 22—परियोजना निदेशक, र ट-1 अन्तिरक्ष खण्ड परियोजना, अन्तिरिक्ष विभाग, श्री पी० अच्यूतन को इन्सैंट -1 प्रधान नियंखण सुविधा, हसन में सहायक ऋय अधिकारी के पद पर दिनांक जुलाई 29, 1985 के पूर्वीह्न से आगामी आदेण तक नियुक्त करते हैं।

वी० पी० डी० नाम्बियार प्रशासन ग्रधिकारी—II कृते परियोजना निदेशक

हसन-573 201, दिनांक 7 फरवरी 1986

सं० जी० एन० 28—परियोजना निदेशक, इन्सैट-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग इस विभाग के स्थायी कर्मचारी श्रीटी० ई० जॉन को इन्सैट -1 प्रधान नियंत्रण सुविधा में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर दिनांक फरवरी 6, 1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

बी० के० नाय प्रशासन ऋधिकारी—II कृते परियोजना निदेशक

विज्ञान ग्रौर प्रौद्योगिकी मंत्रालय मारत मौसमं विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 17 फरवरी 1986

सं० ई०(1)/06271-मौसम विज्ञान के महानिदेशक खेद सिंहत श्री यश्वपाल सिंह, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "ख" (राजपतित) के एक श्रिधिकारी की दिनांक 11 नवम्बर 1985 को हुई मृत्यु की ग्रिधिसूचना जारी करते हैं। श्री सिंह, सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर मौसम विज्ञान के महानिदेशक के कार्यालय, लोदी रोड. नई दिल्ली में तैनात थे।

दिनांक 18 फरवरी 1986

सं० ए-38019/11/83-स्था०-I-डा० ए० ए० रामा-शास्त्री, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (मौसम पूर्वानुमान), पुणे, भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवा निवृद्धि की आयु प्राप्त कर दिनांक 31-1-1986 की अपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए। 2—496 GI/85

दिनां 🤉 20 फलारी 1986

सं० ई०(1)00969—मौतम विज्ञान के महानिदेशक खेद सहित श्री पुराक भट्टाचार्य, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा छमूह "क" (राजपित्रत) के एक ग्रधिकारी की दिनांक 15 जनवरी 1986 को हुई मृत्यु की ग्रिधसुचना जारी करते हैं। श्री भट्टाचार्य, मौसम विज्ञानी श्रेणी - 1, के पद पर प्रादेशिक मौसम केन्द्र, क्लवता में तैनात थे।

सं० ई०(1) 04330—मौसम विज्ञान के महानिदेशक खंद सहित श्री एस० के० साहा, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "ख" (राजपितत) के एक अधिकारी की दिनांछ 11 दिसम्बर 1984 को हुई मृत्यु की अधिसूचना जारी करते हैं। श्री साहा, सहायक मौसम विज्ञानी, के पद पर प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर में तैनात थे।

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1986

सं० ए० 32013/7/83-ई० सी०—इस विभाग की राज-पत्न ग्रिधसूचना सं० ए०-32013/7/83-ई० सी० दिनांक 26-11-84 के कृग में पष्ट्रपित निम्नलिखित सहायक तकनीकी ग्रिधकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को उनके सामने दी गयी ग्रिवधितक जारी रखने की ग्रनुमित प्रदान करते हैं:—

ऋ० नाम	स्रवधि			
सं ० ं	से	तङ		
सर्वेश्री				
1. एन० एस० खेरा	1-3-85	31-3-86		
2. टी० एन० विश्वनाथन	30-12-84	31-3-86		
 सी० एस० ग्राहलुवास्या 	29-12-84	31-3-86		
4. बलबीर सिंह	29-12-84	31-3-86		
5. के० एल० क्पूर	28-12-84	31-3-86		
6. एस० एस० ग्रेवाल	1-1-85	31-3-85		
7. जे० डी० रस्तोगी	20-1-85	31-3-86		
8. के० के० संदीलिया	28-12-84	31-3-86		
9. ग्रार० एस० एस० लोटा	28-12-84	31-3-86		
10. के० के० गंडोतरा	28-12-84	31-3-86		
11. पी० के० सरकार (एस०सी०)	30-12-84	31-3-86		
12. जी०एन०साहा (एस०सी०)	30-12-84	31-3-86		
13. डी० डी० पाटिल	9-1-85	31-3-86		
14. वी० के० भसीन	21-1-84	31-3-86		
15. एस० एन० सेन गुप्ता	30-12-84	30-9-85		

	3	4
marting before Management and	and the party was you will have been been and	
सर्वश्री		0.1 0 0.0
16. श्रार० एस० रंधावा	20-1-85	31-3-86
17. वी०सी० कुलरशता	30-12-84	31-3-86
18. विश्वनाथ दत्ता	30-12-84	31-3-86
19. एच०पी०घोष	30-12-84	31-3-86
20. पी०टी० गुजराती	30-12-84	31-3-86
21. एम० वी० नामिबयार	30-12-84	31-3-86
22. वाई०पी० कौशिक	30-12-84	31-3-86
23. गोपाल मिसरा	12-1-85	31-3-86
24. के०एम० सूर्यनारायणनन	30-12-84	31-3-86
25. एन० जयराम (एस० सी०)	30-12-84	31-3-86
26. ग्रार० के० हाजरा (एस०सी०)	36-12-84	31-3-86
27. एम० एल० सैनी	18-1-85	31-3-86
28. के० के० मनोट	9-1-85	31-3-86
29. एस० बी० पिल्ले	30-12-84	31-3-86
30. वी०एस०नन्दा	30-12-84	31-3-86
31. टी० के० घोषल	30-12-84	31-3-86
32. के०एल० बजाज	31-1-85	31-3-86
33. एम० एस० वारियर	30-12-84	31-3-86
34. टी० एस० नायर	30-12-84	31-3-86
35. एम० एस० मोतवानी	30-12-84	31-3-86
36. जे०ए०एन०मूर्ति	6-1-85	31-3-86
37. श्रार० के० वर्मी	3-1-85	31-3-86
38. एस० के० नायर	27-1-85	31-3-86
39. कें० एल० भाटिया	31-12-84	31-3-86
40. के० वेंकटारमन	30-12-84	31-3-86
41. एन० एन० सिंह	27-1-185	31-3-86
42. एम० एस० चौहान	28-12-84	31-3-86
43. डी० एस० जाहंगीरदार	4-1-35	31-3-86
44. जगजीत सिंह	28-12-84	31-3-86
45. वी० एस० सुमन	2 9- 12 -84	31-3-86
46. कें ० सी० गोस्वामी	24-1-85	31-3-36
47. भ्रमेलेन्दू दत्ता	30-12-84	31-3-86
48. डो० के० तनेजा	30-12-84	31-3-86
49. हरभजन	2 9- 12 -84	31-3-86
50. ल क्ष्मन राम (एस०सी०)	30-12-84	31-3-86
به العال الرسا الحال المساومة ومن إسما أنحاد إنحاد ومن إنحاد إنحاد إنحاد إنجاز وحراوما إنحاد إنحاد إنحاد		

2. उपरोक्त अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति की अवधि बढ़ा दिए जाने से वे तकनोकी अधिकारी के पद पर नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगें, और तदर्थ आधार पर की गयी पेवा न तो इस ग्रेड में वरीयता और नहीं अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पातता के लिए गिनी जाएगी।

सं० ए० 32013/14/84 ई० सी० (I)— राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को दिनांक 20 जनवरी 1986 से ग्रीर ग्रन्थ ग्रादेश होने तक, महायक

निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं :

01. श्री एस० के० गोविलकर -वरिष्ठ तकनीको ग्रधिकारी 02. श्रो ग्रमण तलवार -वरिष्ठ संचार अधिकारो

दिनाँक 17 फरवरी 1986

सं० ए० 32014/1/84-ई० सी० (भाग-II) -- महा-निदेशक नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के निम्न-लिखित मंचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से छः मान की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित स्राधार पर भरने तक, इनमें जो भी पहले हो, 650-1200 रुपए के वेननमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ स्राधार पर नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात करते हैं:--

 る	नाम	वर्तमान तैनाती	जिस स्टेशन पर	कार्यभार
सं०		का स्टेशन	तैनात किया	ग्रहण करने
			गया है	की तारीख

स	ार्वश्री				,
1.	विनोद कुमार	बम्बई	भोपाल	1-7-75 (q	वह्नि)
2.	ए म ०कादिरेसन	मद्राम	मद्रा ल	10-3.85	(")
3.	ग्राई० स ल धाना	वम्बई	बम्बई	163-85	(")
4.	एम० के० राय	पटना	पटना	31-3-85	(")
5.	पी० सी०				
	भट्टाचार्जी	लीला बाडी	गुवाहाटी	20-4-85	(")
6.	एस० के०		_		
	सेनगुता	पानागढ़	गुवाहाटी	31-3-85	(")
7.	मृणाल सेन	कलकत्ता	क् ल क्ता	30-5-85	(")
8.	र्पा०वी०के०				
	राव	हैदराबाद	हैदराबा	द ३०−३−85	(")
9. 1	एम० के० रतन	खजुराहो	, अमृतसर	31-8-85	(")
10.	ए० एच० वख्शी	रा ज कोट	ग्रहमदावा	ाद 30-3 -8 5	(")
11.	एन० स्नार०				
	बरधान	बे ल गाँव	नागपुर	28-3-85	<i>i</i> (")
12.	बी० के० नायर	र बम्बई	बम्बई	1-6-85	(")

उपरोक्त अधिकारियों की सहायक संचार अधिकारी के प्रेड में तदर्थ नियुक्ति हो जाने पर वे इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का कोई दावा नहीं कर सकेंगे और तदर्थ आधार पर की गयी उनकी इस सेवा की गणना नतो ग्रेड में विरिष्टता के लिए और न ही अगले उच्चतरं ग्रेड में पदोन्नित की पावता के लिए की जायगी ।

वी० जयचन्द्रन निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाँक 17 फरवरी 1986

सं० ए० 32014/2/85-ई० एस०-- महानिदेशक नागर विमानन, निम्नलिखित ग्रधीक्षकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी ग्रविध के लिए ग्रथवा पदों के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो नीचे उल्लिखित तैनाती के स्टेशन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रशासनिक ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की ग्रनुमित देते हैं।

क्र० नाम ादर्थ नियुक्ति की सं० ग्रवधि स्वीकृति

प्रशासनिक स्रिध-कारी तदर्थ पद पर

से तक

तैनाती का स्टेशन

मद्रास का कार्यालय

दिल्ली का कार्यालय

क्षेत्रीय निदेशक,

सर्वश्री--

- एस॰ ग्रार० 6-9-85 31-3-86 क्षेत्रीय निदेशक, वर्मा दिल्ली का कार्यालय
 एम॰ एल॰ 15-12-85 ज 31-3-86 क्षेत्रीय निदेशक, भसीन दिल्ली का कार्यालय
 एस॰ के॰ 30-12-85 31-3-86 क्षेत्रीय निदेशक,
- साहा 4. एम० डी० 6-1-86 31-3-86
- 4. एम॰ डी॰ 6-1-86 31-3-86 शर्मा

दिनाँक 20 फरवरी 1986

सं० ए० 38014/1/84-ई० एस०--क्षेतीय निदेशक, सफरजंग हदवा ग्रहा, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जी० एल० जुत्शी, भण्डार ग्रधिकाररी ने सेवा निवृति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनाँक 30 सितम्बर 1985 (ग्रपराह्व) से ग्रपने पद का कौर्यभार छोड़ दिया है ।

दिनाँक 21 फरवरी 1986

सं० ए०-32104/1/84-ई० एस०--प्रधानाचार्य, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय के श्री एम० चक्रवर्ती, प्रशासन ग्रधिकारी (तदर्थ) (समूह "ख" पद) ने सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनाँक 31 दिसम्बर, 1985 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

एम० भट्टाचार्जी उपनिदेशक प्रशासन

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर, दिनाँक 13 फरवरी 1986

सं० 1/86--समाहर्ताक्षय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर केश्री एम० ग्रार० शिर्लेकर सहायक समाहर्ता समृह 'क' निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनाँक 31-1-86 अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हुए ।

> रमेश कुमार **स्रादिम** उपपमाहर्ता (कार्मिक स्रौर स्थापना)

निरीक्षण महानिदेशालय,

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नयी दिल्ली, दिनाँक 21 फरवरी 1985

सी०सं० 1092/8/852/86- — वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर, श्री दामोदर प्रसाद ने, (दिनाँक 31-1-86 के ग्रपराह्म में) निरीक्षण महनिदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में सहायक निदेशक, निरीक्षण, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

बी० के० अग्रवाल निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड फरीदाबाद, दिनाँक 20 फरवरी 1986

सं० 3-735/86-मुख्य जल भू० (स्था०)--श्री विनाय रंजन को दिनाँक 29-1-86 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू-विज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह-ख, राजपितत, वेतनमान रुपए 350-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में श्रस्थायी तौर पर तियुक्त किया जाता है ।

बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जल भूमि विज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली 110066, दिनाँक 16 जनवरी 1986

सं० 62/86 फाइल संख्या 7/1/83 प्रशासन-I(ख)-ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा , निम्नलिखित
ग्रधिकारियों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, ग्रांतिरिक्त
सहायक निदेशक के ग्रेड में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप
"ख") सेवा में मौलिक स्थायी क्षमता में, प्रत्येक के नाम के
सामने लिखी तारीख से नियुक्त करते हैं :---

ক্ষণ	नाम व पदनाम	मौलिक क्षमता में ग्रतिरिक्त
सं०		सहायक निदेशक के रूप
		नियुक्ति की तारीख
	सर्वश्री	
	स०एस०याती,स हायक निदेशक	16-3-81
	० सन्थानम, उप निदेशक	27 - 9-8 2

ग्रार० शेषाद्रि श्रवर सचिव परिवहन मंत्रा<mark>लय</mark> (रेल विभाग) रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली, दिनाँक 30 जनवरी 1986

सं० 85/एम (डब्ल्यू)/964/98--श्राम जानकारी के लिए स्रिध्यूचित किया जाता है कि रेल विभाग, रेलवे बोर्ड ने रेल डिब्बों के निर्माण सम्बन्धी परियोजना के लिए एक नया संगठन स्थापित किया है। यह संगठन विशेष कार्य स्रिधकारी के अधीन कार्य करेगा और इसका मुख्यालय कपूर्थला, पंजाब में होगा नई परियोजना का नाम "रेल कोच फैक्टरो" होगा।

सं० 85/श्रार० ई०/161/6.--''पिश्चिम रेलवे'' के निम्निलिखित सेक्शनों पर स्थित रेलवे लाइनों श्रौर परिसरों के सभी उपयोगकर्ताश्रों के सूचनार्थ एतद्द्वारा श्रिधसूचित किया जाता है कि निम्निलिखित सेक्शनों के सामने विनिर्दिष्ट दिनाँक को या उससे बाद से इन लाइनों पर शिरोपरि कर्षण तारों को 25,000 बोल्ट ए० सी'० से विद्युन्मय कर दिया जायेगा। उस तारीख को श्रौर से शिरोपरि कर्षण लाइनें हर समय विद्युन्मय मानो जायगी श्रौरकोई भी अश्राधिकृत व्यक्ति उक्त शिरोपरि लाइनों के निकट न तो जायेगा श्रौरन ही कोई कार्य करेगा।

सेक्शन

दिनाँक

दाहोद से मेवनगर/एस० पो० (542 से 577 कि० मी० तक) 31-12-85

ए० एन० वाँचू जनिव, रेलवे बोर्ड

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी, ला बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार के कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और अपैक्स बैयरिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनाँक 14 फरवरी 1986

सं० जी/स्टेट/560/9326-- कम्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनाँक मे तीन (3) मान के अवसान पर अपैक्स वेंयरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इनके प्रतिकूल कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

बी० एम० जैन कम्यनियों का रजिस्ट्रार पंजाव हरियाणा व चण्डीगढ़

श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण

बम्बई, दिनाँक 17 फरवरी 1986

- सं० एफ०-71-एडी०-ए० टी०-286--मायकर ग्रिधिनियम, 1961(1961 का 43वाँ) की धारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर (ग्रिपीलीय ग्रिधिकरण) नियम 1963 में संशोधन करने के लिए, ग्रायकर ग्रिपीलीय ग्रिधिकरण एतद्द्वारा निम्न-लिखित नियम बनाते हैं।
- ये नियम आयक्र (अपीलीय अधिकरण) संशोधन नियम 1986 कहे जायेंगे और तत्काल लागू होंगे ।
- 2. ग्रायकर (ग्रपीलीय ग्रधिकरण) नियम 1963 के नियम 17-ग्र में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए।

"सदस्यों पक्षकारों के प्रतिनिधियों के ड्रेस सम्बन्धी नियम :

- गर्मी के मौसम में सदस्य सफेद पैण्ट, काला कोट और काली टाई या बटनवाला कोट पहनेंगे ।
 मदी के मौसम शें सफेद पैण्ट के स्थान पर काला पैंट (टाऊजर) पहनेंगे। स्त्री सदस्यों का ड्रेस सफेद साड़ी के ऊपर काला कोट होगा ।
- 2. अधिकरण में उन्नस्थित होने वाले पक्षकारों के प्रति-निधियों (निर्धापिती के कर्मचारी या रिक्तेदार को छोड़कर) ा ड्रेप निम्न प्रकार का होगा।
 - (क) पुरुषों का ड्रेग वटनवाला कोट या सूट, टाई सहित या राष्ट्रीय ड्रेम ग्रर्थात् धोती या चूड़ीदार पाय गमा के साथ लम्बा बटनवाला कोट। कोट का रंग ग्राधि काँगतः काला होना चाहिए।
 - (व) स्तियों का ड्रेस सफेंद्र या हलके रंग की साड़ी ग्रोर काला कोट होगा । यदि अधिकृत प्रतिनिधि व्यवसाय से वकील याटि चार्टर्ड एका उन्टेण्ट ग्रौर वे किसी न्यायालय या ग्रिध करण जहाँ वे वकालत करते हैं, वहाँ कौ निर्धारित ड्रेस पहनते हैं तो वे चाहे तो न्यायालय या ग्रिध करण द्वारा निर्धारित ड्रेस पहनें ।
- ग्रिधिकरण में उपस्थिति होने वाले ग्रन्य लोगों का ड्रेस
 ठीक होना चाहिए ।

<mark>श्रपीलीय श्र</mark>धिकरण के <mark>श्रादेशान</mark>ुसार :

जी० पी० बाजपेयी, पंजीकार निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

शुद्धिपत्न

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

सं० ए० पी० नं० 5958 से 5968- ज्यायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना दिनाँक 7-2-1986 के कालम 1 में ग्रन्तरक के नाम सर्वक्षी ग्रमृतपल सिंह, परमजीत सिंह पुत्र गुरगोपाल सिंह की बजाय पर्वक्षी ग्रमृतपाल सिंह, परमजीत सिंह ग्रौर तिजन्द्र सिंह पुत्र गुरगोपाल सिंह पढ़े जाएं।

ज० ल० गिरधर निरीक्षीय सहायक स्रायकर स्रायुक्त स्र्जन रेंज, जालन्धर

दिनाँक : 10-2-1986

Company of the Compan

बायकर विधिनियम, 1961 (१961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

धारत सरकार

कार्वासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 11 फरवरी 1986 निदेश सं० नोटिस सं० 47742/85-86---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का अग्ण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1069, है तथा जो एच० ए० एल०-II स्टेज, एक्पटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्त त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा बो बिद; कीर/या
 - (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिंदबा के लिए;

नतः जन जिन्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भे, मैं. जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिसित व्यक्तियाँ अधीत :---- 1. श्री वीर रामाचंद्रन, नं 82-बी, II ब्लाक, राजाजीनगर, वेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री नार्जारुद्दोन घौत, और नाक्रिया महमूद साले-म्राल-कुन्ही ग्रौर उपके प्रतिनिधि, श्री एप ए० महमूद, 29, हीराचन्द ले ग्राउट काक्य टाउन, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

स्त्रे वह सूचना जारी करके पृष्टिंक्स सम्परित की वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्या बन्यरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट, अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

(दस्तावेज सं० 742/85-86 ता० 6-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1069 जो एच० ए० एल० 11 स्टेन एकार्टेगन, वेंगलर में स्थित है।

> त्रार० भारद्वाज ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-2-1986

मोहरः

प्रक्रम बाड' ही एन एन .

आगाहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आगु 269-व (1) के अधीन सुचना

गाउठ चत्कार

कार्यालय, सहायक कायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० नोटिस नं० 48066/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पण्यात् 'स्थम विधियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वर्धीन सम्भाग प्राधिकारी को वह विश्वास कारने का आरण हैं कि स्थावर सम्भक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसक़ी सं० सर्वे नं० 5 में नं० 32 है तथा जो वैरसन्द्रा, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयनगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वेषित सम्मत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिकास को सिए कम्बरिती की गई और मुख्ये यह विक्यास सम्बद्धे का कारण है कि वयाप्वोंक्स सम्परित का उपित बादार मृत्य, कसको स्वमान प्रतिकास से, होसे स्वमान प्रतिकास का पम्द्रह प्रक्षिकात से जिपक है और वन्तरक (कन्तरका) और बन्दरिती (अन्तरितिका) के बीच एडे क्यारण के सिए तथ नामा गया प्रतिकास निम्मितिका उक्षेत्रम से उपन कन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) जन्तरण से हुन किसी नाम की नामत, स्वत निवित्तम के नगीन कर वोने के सम्बद्ध से अधिक्य में क्यी करने या ससने क्याने में सुविका के जिल्ह और/का
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अधिनश्यों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए.

न्यः जय, उस्त स्विनियम की भारा 269-व के खबूहरू में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निष्मिधिक व्यक्तिंत कर्मा ह—

 दि सिटिजन्स कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोवायटी लिमिटेड, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

 श्री एच० इब्राहीम, नं० 302, 39 क्रास, 8 व्लाक, जयनगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को वह क्षाना बारी करके पूर्वोक्स सम्मित के अर्थन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में काई लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्यांचिया तरकम्बन्धी व्यक्तियाँ पर क्यां की वालीब से 30 दिन की व्यक्ति, खो भी क्यांचित मां से किसी व्यक्ति हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस क्ष्यना के ज्ञापन में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन के भीतार उक्त स्थायत सम्मत्ति में हिलक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकारों के पास सिवित में किए या सकों ने ।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उपस विश्वनिषय के कथान 20-क में परिधारिक है, नहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 599/85-86, ता० 5-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे नं० 5 में नं० 32 है जो बैरसन्द्रा, बेंगलूर में स्थित है।

> त्रार० भारद्वाज स्थाम प्राधिकारी सहायक त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-2-1986

मोहर 🖫

ATTACAMENTATION AS SECULAR COMPANIES AND RECOGNIZATION OF THE CONTROL OF THE CONT

प्ररूप बाइं. डी. एन. एस. -----

याध्यात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बचीन स्पना

बारत सरकार

सार्वासव, तहावक वायकर वायुक्त (निर्शाक्त)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37--ईई/6894/85--86---ग्रतः मुझ, निसार ग्रहमद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 126, जो, 12वीं मंजिल, प्लाट नं० 215, फी प्रेस हाउस, नरीमन प्वाईन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 12-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का धन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) जोर जन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिय उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिमिल में बारस्थिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व के कसी करने या उमले बचने में सुविधा के जिला; बीर/मा
- (श) एंकी किसी बाय या किसी धन या बच्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अबोक्सार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में म्हिकेट के निए:

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :---

- मे अर्म ऐस्थटीक विल्डिस प्रायवेट लिए।
 (ग्रन्तरक)
- 2. मेमर्स ग्रणोक कर्माणयल इंटरप्रायजेस। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबीब से 30 दिन की बवीध, को भी वविध बाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंने ।

स्पट्टीकरण ह----इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, सी उन्ह अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्या क्षेत्र 3.

वन्स्थी

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 126, जो, 12वी मंजिल, प्लाट नं० 215, फ़ी प्रेस हाउस, नरीमन पाईन्ट, बम्बई-21, में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37- ईई/6465/85- 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 12- 6- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधि करो सहामक ग्रायकः ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 29-1-1986

त्रस्य बाह् दी एन सुब ् व्यानस्वत्राह्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

धारुत बरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई- 1/37-ईई/6835, 85- 86--ग्रंतः मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 48, जो, 5वी मंजिल, गीता भवन "बी", वार्डन रोड़, वम्बई-400026 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-6-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ध-

- (क) बन्तरण से शृहां किसी बाय दी वायत, उसके बहिपियम के सभीन कार दोने के बन्तरक के सामित हो किसी कार दोने के बन्तरक के सामित हों किसी कार्य या तहले सचने से कृषिका के किए। बीर/ा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

3-496 GI/85

1. श्री जयाबेन जेठालाल कपाडिया ग्रौर सरयुबेन ग्रार० कपाडिया।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंदिरा किरीट देसाई, मास्टर तेजास के० देसाई ग्रौर मास्टर ग्राशिश के० देसाई। (ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना कारी करके पृशांचत सम्मतित से नर्थन के सिव कार्यशिक्षां करता हो।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्ड मी बाक्षेप:---

- हिंदा सूचना के राज्यम में प्रकारण की दार्शिय से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की वनिभ, जो भी अविभ बाद में जनाय होती हो, के भीतर पूजीका व्यक्तियों में से खिली व्यक्ति हुए।
- (ख) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा, वभोहस्ताक्षद्री के पास विविक्त में किसे वा सकोंगे।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 48, जो, 5वीं मंजिल, गीता भवन "बी", वार्डन रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6291/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 6-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 29-1-1986

प्रस्य बाद'ः टी., एव. एस. ********

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यातय, सहायक आयकर आधुमत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्वई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6972/85-86--ग्रतः मुझ, निसार श्रहमद,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/2, इन्टरेस्ट पलैट नं० 16 में, जो, 1ली मंजिल, चंद्रलोक, बी इमारत, मानव मंदिर रोड़, वालकेश्वर, बम्बई-6 में. स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-6-1985

को पूर्वों कत सम्मित्त के उचित वाजार म्ल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का बन्द्रह शितमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय करी पबत, उक्त अधिनयम की अधीन का कोने अंतरक के बामित्व में ए पी भागने पा उसके परी में प्रीयका के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195) नव 27) के प्रसोजनार्थ जन्तरिती द्वारा इटाट नहीं किया गया धा या किया के ता विकास की किया के विकास की किया के विकास की किया के विकास की किया की कि

कतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-छ की उपधार (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत 1. श्री ग्ररुण पी० पारीख।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मिना प्रमोद पारीख।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री प्रमोद पी० पारीख।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोगं में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू उरता हूं।

सकत सरपहिल के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से कर् दिन में नीत राजपत्र मानित में विस्वद्ध किसी क्राप्त क्रांकि हात्र आहेहताधार के पान लिखत में किए जा सकेंगें।

स्पड्योक्तरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है:

अनुस्ची

1/2 इन्टरेस्ट फ्लैंट नं० 16 में, जो, 1ली मंजिल, चंद्रलोक बी-इमारत, मानव मंदिर रोड़, वम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई/6539/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 18-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-2-1986

प्रकृष् बाह्यं दी एन एस ः -----

नायकर निम्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई- 2/37-ईई 21949/85-86--ग्रतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार बृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० रामकुंज, प्लाट नं० 126, शिवाजी पार्क, बम्बई-28 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका कारानामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी; के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिक उक्षेत्र से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जींकीनयम के अभीन कर देने के बन्तरण के कावित्य में कमी करने या उससे वसने में सुविधा खे सिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कृत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियमें, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती जानकीबाई रामचन्द्र देम्उलकर (देउलकर)। (ग्रन्तरक)
- 2. जयमुखलाल गिरधरलाल वोरा। (अन्तरिती)
- 3. भाडोत्री

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए का सकतें।

स्यानिकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि । नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमो। का हिस्सा ,जो, रामकुंज, प्लाट नं० 126; डा० एम० वो० राउत रोड़, शिवाजी पार्क, वम्बई-400 028 ङ स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/21949/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुईत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

मोह्नर:

प्रारूप बाइ¹.टी.एन.एस.

अनुषकर वर्षिनियत, 1961 (1961 का 43) की **वारा** 269-व (1) के वर्षीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर बायुक्त (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई--2/37-ईई/20837/85-86-- ग्रतः मुझे, अशांत राय,

रफकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इस्के इन्के पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी बारा २६३-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1/160, केडेल रोड़, माहीम, डिवीजन, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान मितफल के लिए बंतरित की पर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकत से विभिन्न है और जन्तरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिश्वित में वास्त्रिक रूप से क्रिया नहीं किया गया है है

- (क) अस्तरण वे हुए कियी बाव की बावत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कभी करने या इससे व्यने में सुविधा के किए; बाँउ/वा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना बाहिए था खियाने में सुविधा के लिए:

बहुः क्य उक्त वीचितियम की पारा 269-म के व्यक्तरूप में, में, उक्त विधितियम की पारा 269-म की उपभारा (1) चै वधीन, निम्मसिविश व्यक्तियों, नवाति क्र--- 1. श्री कांतिलाल जेरा भाई पटेला।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स भावना कन्स्ट्रव शन की ।

(ग्रन्तरिती)

3. भाडोत्री

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूच्या जारी करके प्याँक्त कर्मित के अर्थन के विक् कार्यवाहियां करता हो।

कक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप ह-

- (क) इस स्थान के राज्यात में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की श्वमित्र में तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की क्यपि, को भी लविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उपत् स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकति।

स्वच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधियम के अध्यास 20-क में परिभाषिक है, कही वर्ध होगा जो उक्त बध्याय में दिसा वसा है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 1/160, सी० एस० नं० 106-107, केडेल रोड़, बीर पावरकर मार्ग, माहिम डिवीजन, बम्बई है।

ग्रनुसूची जैंसा कि क० सं० ग्रई- 2/37-ईई/20837/85- 86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई--3/37-ईई/21856/85-86---अतः मुझ, ए० प्रसाद,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जितकी सं० फ्लैंट नं० 603, 6ठां फ्लोर, प्रित्स अपार्टमेंटस, गोपाल लेन, घाटकोपर, (पिष्चम), वस्वई--86 में स्थित हैं (और इसमे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करायतामा आयकर अधित्यम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्य है, तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) द्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निशिखित व्यक्तितयों, अधीत् हु— 1. मै० प्रिन्स एन्टरप्राईजस।

(म्रन्तरक)

2. श्री पोपटलाल लालजी शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 603, 6बां फ्लोर, प्रिन्स श्रपार्टमेंट्स, गोपाल लेन, घाटकोपर (पश्चिम), बस्वई--86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-3/37-ईई/21856/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ंन रेंज-∙1, बम्बई

बन्नई, दि वा 13 फन्चरी 1986

निदेण मं० ाई-1/37-ईई/3052/85-86---श्रतः मुझे, निमार श्रह्मद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रुट, से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिन्हों संब कार्यान्य विमायनेम नंव 109, जो,
मकर भवा नंव 3, 21, जू नरान लाईन्स, वस्वई-20 में
स्थित हे (शोर इत्ती उत्ताबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप
से वर्णित हो), और जिन्हा करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की बादा 2396, ब के अबीन, वस्वई स्थित सक्षम
प्राविकारी के दायलिय में राजस्ट्रा हे, तार्गाख 25-6-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाएवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को सधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, सर्थात् हें— 1. डां० अमीश आर० दोशी।

(अन्तरक)

2. श्री निलेग ग्रार० दोशी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

कार्यालय प्रिमायनेस नं० 109, जो, भेकर भवन नं० 3, 21, न्यू सरी∤ लाईन्स, बस्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैमा वि कि० सं० अई-11/37-ईई/6617/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 25-6-1935 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13--2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-- 1/37--ईई/6810/85-- 86----श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रपार्टमेंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, गैरेज नं० 11, बेलमोंट, 37, एल० जगमोहतदास मार्ग, बम्बई-400006 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा शायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रविन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० टर्नर मोरिसन एण्ड कम्पनी लिमिटेड।
 (ग्रन्तरक)
- 2. मै० सिटी बैन्क एन० ए०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्बर्स

श्रपार्टमेंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, बेलमोंट, गैरेज नं० 11, जो 37, एल० जगमोहनदास मार्ग, वम्ब ξ -6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई/6268/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिन्तक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनां : 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आप्तकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई--1/37--ईई_/6784/85--86----श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

ेत्र र रिधान्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा :69-च के अधीन सक्षम निष्कारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 8, जो, ाली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लेमिंगटन रोड़. बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1985

की प्रवित्त तम्मिल के उचित बाजार मृत्य है कम के द्रम्यान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके द्रथमान प्रतिफल से एंगे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्तरितिक्षों) के बीच एमे जन्तरण के लिए तय पावा क्या विद्यूक्त, विम्निनिस्तित् उद्योग्य से उक्त बन्दरण कि सिन्दर के वास्तिवङ कम से कथित वहीं किया वसा है है—

- (क) अंतरण से हुए किसी बाव की वास्ता, उत्थत क्षीय-निवस के नभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करवे या उससे वचने में सुनिधा के निए; वॉर/ना
- (स) एसी किसी बाव या किसी अन या बन्च वास्तियों को विनह भारतीय सायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त लिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधील, निस्नितिखत व्यक्तियों, सर्वात् डिल्ल 1. श्री श्राशा शंकर चव्हण।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गोदावरी शोवकरामानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्था के ताबपत्र में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्था की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर प्रकेष
- ्ष) १स स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित्र में किए या स्कों ने ।

स्वच्छीकद्वः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त विभिन्निम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं क्षयें होगा को उस बध्याय में विभा नवा है।

जनसूची

कमरा नं० 8, जो, 1ली मंजिल, लययुग तिवास, 167, लेमिंगटन रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-1,37--ईई,6250,85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई हारा दिनांक 1--6--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ित्सार ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

1. भ्राशा शंकर चह्नाण।

घतश्याम सेवकरामानी

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

फैमिली ट्रस्ट।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1, 37--ईई, 6787, 85--86----ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 10 (1 और 2) जो, नवयुग, निवास, 167, लेमिंग्टन रोड़, बम्बई--7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4--6-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हण से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 10 (1 और 2) जो, नवयुग निवास, 167, लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1,37-ईई,6190, 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4--6--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई

दिनांक: 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, वस्बई

वस्वई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश मं० अई--1,37-ईई,6785,85-86----ग्रतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00:000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० कनरा नं० 9, जो, 1ली मंजिल, नत्रयुग निवास, 167. लेकिंग्टन रोड, बम्बई---7 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीर बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती श्राणा शंकर चहाण।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जामनोमल शेवकरामानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 9, जो, 1ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1, 37-ईई, 6188, 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1,985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहाधक क्राधकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रैंज-1, बस्वई

दिनांक: 13-2-1986

प्रकृष बाहु . की: एन . एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन्, तद्वायक भायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/6786/85-86---- ऋतः मुझे, निसार अहमद,

बावकार विभिन्निन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यों इत्यों प्रवाद 'उन्त क्षितिनमं कहा ग्या हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 10 (2'); जो, 1ली मंजिल, नवयुग निवास, लेमिंग्टन रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यानाल श्रीतफल को लिए अन्तिहा की गई आहे.

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तथ पासा गया प्रतिकल निम्नीनीचत उद्वर्षण से उक्त अन्तरण लिविस में बास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है हिन्

- (क) अन्तरण से हुई किती आप की सावत, उपस जिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ की दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिल्; कीह/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नन्त वास्तियों की , किसी आडवीय नायकड़ निभिन्यम , 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम , या भन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ क्यांडियों द्वाड़ा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्राशा शंकर चह्नाण।

(भ्रन्तरक)

2. जमनोमल फैमिली प्राथवेट ट्रस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बाडी करके पूर्वोक्त सुम्परित के नर्जन के लिये कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उचत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच वें 45 दिन की अवधि या सरक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकर्ग।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

धनुसूची

कमरा नं 10 (3), जो, 1ली मंजिल, नवयुग निचास, 107, लेमिंग्टन रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37-ईई/6189/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-2-1986

प्रक्ष बार्धः ही, ह्यः, एवः, 🗷 🗈 -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के विभीन स्पना

धारत बर्का

कार्यासय, तहायक नायक ह नायुक्त (निर्देशिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6820/85-86---ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इस्के पश्चास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबद सम्पत्ति, विस्का उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, ए-विंग, 7वी मंजिल, गैरेज के साथ; अल्टामाउंट रोड़, पृथ्वी अपार्टमेंट्स, बम्बई-400026 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एंडे स्वयमान प्रविफल का शंक्र प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत जन्तरण जिल्लित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुच्डिय के इ.स. विकास की वायक, उक्त श्रीपनियम के श्रीन कर दने के बन्तरक के वासित्य में कृती करने वा उन्नचे व्यान में ब्रुविधा के लिए; ब्राह्म/बा
- (ख) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियां को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए:

बतः व उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— 1. श्रीमती कांताबेन सोमचन्द जिवानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेश चंद्र बागरोडिया।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की बृह सूचना बा<u>टी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के विह</u> कार्यवाहियां कुछ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशािष्ड हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं [

प्रनुसुची

फ्लैंट नं० 2, जो, ए-विंग, 7वी मंजिल, गैरेज के साथ, ग्रस्टामाउन्ट रोड, पृथ्वी श्रपार्टमेंट्स, बम्बई-26 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि कि सं प्राई-1/37–ईई/6277/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई'.टी.एन.एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

.कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-अमृतसर

अमतसर दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० अमृत०/85-86/64--अतः मुझे, जे० प्रसाद आई० आर० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति, जिसका उर्जित बाबार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो आनन्द भवन, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची

स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**बत व्यक्तियों**, अर्थात् ६—

- श्रीमती इकवाल कौर पत्नी श्री हरचरण सिंह, गांव मेहर पुर, तहसील नकोदर, जिला जालंधर। (अन्तरक)
- 2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री मला सिंह, श्रीमतो दलजीत कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह, वासी कपूर नगर, सुलतान सिंह रोड़, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई ग्रौर किराएदार हो।
 (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितंबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाव षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 18, जो, आनन्द एवेन्यू, स्कीम नं० 61, अमृतसर जैसा सेल डीड नं० 2871 दिनांक 7-6-85 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रसादं सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 6-2-1986

ंप्रकल ब्राइंड टीड एव*ं* एस<u>ः</u> व्यवननन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 265 म के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक बावकर बावकर (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1986 निदेश सं० अमृत०/85-86/65--अतः मझें, जें० प्रसाद आई० आर० एस०,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव ढिलवां डेरा बाबा नानक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिनारी के कार्यालय, डेरा बाबा नानक में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दस्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूख्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबस, उन्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए? और/वा
- (स) एंसी किसी अप्रय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः बत्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलिक्षित व्यक्तियों, जनीत् 1. श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह, गांव ढिलवां डेरा बाबा नानक, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुजान सिंह, बलविन्द्र सिंह व लखिनद्र सिंह, पुतान संतोख सिंह गांव ढिलवां, डा० कोटली सूरत मली, डेरा बाबा नानक, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में ब्रौर कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यका के राजपण में भकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहत्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा बकेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उनक अधितियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि 62 कनाल 2 मरले जो गांव ढिलवां, डेरा बाबा नानक अमृतसर में है जैसा कि सेल डोड नं० 330, दिनांक 18-6-85 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, डेरा बाबा नानक, अमृतसर में दर्ज है।

ूंजे० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-1986

मोबार :

इस्य बाई .टी .एन .एस .; -----

बाह्य 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर नायुक्त (निक्केशण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० अ० एस० म्रार०/85-86/66--अत: मुझे, जे० प्रसाद', आई० आर० एस०,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' बहा गया है"), की धारा 269-व के नधीन सक्तम प्राधिकारी की यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, विसका उचित्र वाबाद मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं खेती की भूमि है तथा जो गांव खानी खुई तह्सील पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दरवमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि विचार है और सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि विचार के एसे दरवमान प्रतिकृत से, एसे दरवमान प्रतिकृत का मुख्य उसके दरवमान प्रतिकृत से, एसे दरवमान प्रतिकृत का मुख्य उसके दरवमान प्रतिकृत से, एसे दरवमान प्रतिकृत का मुख्य उसके दरवमान प्रतिकृत से, एसे दरवमान प्रतिकृत का मुख्य उसके दरवमान प्रतिकृत से, एसे वन्तरका (जन्तरका) और बन्तरित (बन्तरितवा) के बीच एसे बन्तरण के निष्ट तय पाचा च्या शितक कि निम्न निम्न सिवत सुदेश से उन्तर अन्तरण विविद्य में गास्तिक रूप से कियत महीं किया पता है है—

- (क) बन्तरण सं हुई फिली बाव की बावत उक्त वहिंपितिकव के बचीन कह दोने के बन्तरक वे वावित्य में कवी करने या उत्तर वचने यो सुविधा के लिए, कहिं/था
- (क) एंसी किसी जाय या भन या जन्य बास्तियों के।, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का क्य-कर कींचनियम, का क्य-कर कींचनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था. कियाने में क्यिया खे किए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की अभूसरक र्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रो कुलदीप सिंह पुत्र श्री पंजाव सिंह, गांव खाना खुई, तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर । (अन्तरक)
- 2. श्री दरबारा सिंह पुट श्री गोपाल सिंह, गांव चक राजे, जिला गरदासपुर।

(अन्तरिती)

- उ. जैसा क० नं० 2 पर है ग्रौर कोई किराएदार। (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 ग्रौर कोई'

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का नह सुपना बारी करके पृत्रों नत स्वयत्ति के सूर्वन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हो।

उन्द सन्दरित के वर्षन के बुब्बन्य में बोर्ड भी प्रास्त्र ::

- (क) इत सूच्या ते राज्यम में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन की प्रजीव मा तत्वंबंधी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की बनीध, वो भी स्वतीय नाद में समस्य होती हो, के भीत्र पृथ्वितर व्यक्तिया में है किसी व्यक्तिय हुवासा
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन ने पीकर उनक स्थाप्त सम्मतित में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति इतास अन्यहेस्ताक्षरी के शाद निविद में किए या सकोंचे !

न्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयक्त बब्दों जीए पदों का, जो उसके विभिन्यम क अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

बन्स्ची

खेती की भ्मि जो कि गांव खानी खूई तहसील पटानकोट में है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गुरदास पुर के सेलस डीड तिथि 11-6-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-2-1986

प्रकल काई हो, एन प्रस्ताननन

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 268-थ (1) के घषीन सुचना

बारव बहकार

कार्यातव, तहायक बायकर बाव्यत (निट्रांक्रण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 फरवरी 1986 निदेश सं० अमृतसर/85-86/67--अत: मुझे, जें० प्रसाद, आई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धाव 269-व के व्योग सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्का उचित् वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खेती योग्य भूमि है तथा जो गांव उमरा-नंगल तहसील बाबा बकाला में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून

को पूर्वोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रतिकृत के सिए अन्तिर्त की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकृत का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य प्रमा गया प्रतिकृत निम्निचित उद्देश्य से उन्त अंतरण जिल्हा मिन्निक में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण वे हुई फिटी बाद की वावत क्षत वादि। दिन्द के बधीन कर देने के बन्दरक के दानित्य में क्षती कहने वा उत्तवे वचने में स्विधा की विद्युः वीद/या
- (ब) एंडी किसी जाब वा किसी वन वा बन्च कास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुनिया वे सिक्ष:

बतः भव उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनवरण ब, क, इक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वधीन, निम्मलिवित व्यक्तिवाँ, वर्षात् ह— 1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह, गांव धालीवाल बेट, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. श्री जगीर सिंह, करम सिंह, जरनैल सिंह पुत श्री लाल सिंह श्रीमती जगीरो पुती लाल सिंह गाँव चीमा बाघ, तहसील बाबा बकाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि कि सं० 2 पर है ग्रौर कोई किराएदार अगर कोई है।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्माक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी कार्के प्रॉक्ट सम्परित के वर्षन औ तिए कार्यवाहियां करता हूं।

र क्य संपरित में वर्षन के संबंध में कोई भी वास्त्र ==

- (क) बद्ध सूचना के स्वयंपन में प्रकाशन की ताड़ीश है 45 दिन की बद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, जो भी नविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वाया;
- हैंकों इन्ह ब्रुप्ता में हायपन में प्रकायन की तार्रीय में 45 दिन को भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित-ब्रुप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के साथ किहिबत में किए वा क्योंने।

सम्बद्धीकरुणः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-पियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, यही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खेती योग्य भूमि गाँव उमरा नं गल तहसील बाबा बकाला में जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाबा बकालो के सेल डीट सं० 1849 तिथि 28-6-85 में दर्ज है।

> र्जे० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रमण गामार गामुता (तराराजा) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-2-1986

पूर्ण मार्'. टी. एवं. एवं.

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

नारस् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5970——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

्रमायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्हों सं जैंसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्वर में स्थि। है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूग से विणित है), रिजिस्ट्रीहर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शवा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसल अन्तरण सिखित में बास्तविक स्थ से किथ्त नहीं किया ग्या है कि ---

- (क) ब्लारण से हुई किसी बाय की बाबत, उबके अधिनियम के ब्लीन कर देने के ब्लार्क के दावित्व में क्यी करने या उक्के क्यने में सुविधा के जिए; बॉर्ट या
- (क) एसी किसी जाब ना किसी धन या जन्य जास्सियाँ की जिन्हों भारतीय जाब-कर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में खुविधा के लिए;

 श्रो सुधार कुमार, पुत्र मुरारी लाल वासी एस-57, इन्डस्ट्री एरिया, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रमरीक सिंह, पुत्र हीरा सिंह वासी घुमाँश मस-जिद, लाडेवाली रोड़, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्क सम्मृतिः के वृज्यं के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा स्केंगे।

नष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा ब्या हुँ।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1619, दिनाँक जून, 1985 को रिजस्टट्रीकर्ता ऋधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-2-1986

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थान

भारत बदका

कार्यालक, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० 37—ईई/दिस० 925/85—86——ग्रतः मुझे, ग्रिनिल कुमार,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 20, फ्लैंट नं० 26-ए, सेक्टर 9-ए, वासी नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई वम्बई में सहाय ह ग्राय हर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तवर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का सन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) जौर बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंबरण के निए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक इस से किस्ति नहीं किया गया है सन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनिश्चम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय मा किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा मा किमा बाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के जिए:

अत. उना, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ाक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री सखाराम एम० एवे ल।
 भटवडी बर्वे नगर, घाटकोपर, वम्बई।
 (ग्रन्तरिती)
- 2. श्रीमती इन्द्रावती एच० सिंग, फ्लैंट नं० 198, सेक्टर नं० 8, वासी नई वम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के विश् कार्यनाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त बज्यित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य म्वनित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसुची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/दिस० 925/84-85 जो ग्रक्तूबर 1984 को महायह ग्रायहर ग्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्पतर में लिखा गर्या है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन क्वन

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, पूना

नायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मूल्य 1,09,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, "नाया सर्वोदया प्लाट नं० 29 - बी०, सेक्टर नं० 4, वसई, नई वम्बई में स्थित है तथा जो नई वम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के वश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तुष्ट्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तर्शित्यों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल विल्लिखिल उन्दर्श से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक में बास्तिक रूप से कांधन नहीं किया गया है है—

- (क) जलारणं हे हुइ' किसी आय की बाबत , उनस नीपनित्रस के नधीन कर दोने के बलारक के दावित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; बॉड/या
- ्ह) एसे किसी आयं या किसी भन या अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, विश्व का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा से बिहा;

नतः नथः, उन्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के अवृतरम् में, में उन्त निर्मित्यम् की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निम्मृतिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स गृह विल्डर्स, 40-41, विशाल शापिंग सेंटर सर एम० वी० रोड़, ग्रंधेरी (ई०), बम्बई। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा शिवमणी, 15/164, गुरूकृपा गारोडिया नगर, घाटकोपर (ई०), वम्बई।

(अन्तरिती)

की वह सूचना बाही करके पूर्वोचन साश्वीतन के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उनत् स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

ल्पक्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के॰ 37-ईई/952/85-86 जो जून 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-1986

प्रस्थ बाइ', टी. एन. एस. ·----

बाबकार अभिनियम, 1951 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन स्वना

मार्व करकार्

कार्यांकम, सहायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज. पूना पूना, दिनाँक 10 जनवरी 1986

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके बश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा यथा है"), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/5, सर्वे नं० 155/1 ए/ 1 ए/1/1/1/2, मौजे ग्रौंध, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1985

स्त्रे पृवां क्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाष्वों क्ल संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे स्वस्मान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकत से बिधक है और यह कि बंदरक (बंतरकाँ) और बंतरिती दिसी (अन्तरिविवाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकत, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि स्वन्त नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक ते हुई कियों नाव की वावस्त, उक्स अभिनिक्त के कभीन कर दने के अन्वरक के दार्वित्य में कनी करने ना उससे वचने में सुनिधा के सिक्; अद्भिशा
- (न) एंसी किसी भाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-न के बनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीय, निम्नीसिकत व्यक्तियों, तथाँत रू— 1. मैं वास्तु सुन्दर सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित द्वारा वालचंदनगर इन्डस्ट्रीज लि०, 16, :एम० जीं रोड़, पूना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० वी० नाडगौडा, वी 23/ए, मेन कालोनी, वालचन्दनगर, पूना।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हू ।

वक्त कमित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- [क) इस सूचना के समपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की डाजीस से 30 दिन की जनिभ, को भी जनिभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (च) इस स्वना के ग्रवपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्त्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/2775/85-86 जो सितम्बर, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-1-1986

(अस्तरिती)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-भ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रें, पूरा

पुना, दिनांक 17 जनवरी 1986

िर्देस सं० 37 ईई/1145/85-86---≅णः मुझे, ऋनिल कुमारा,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

औं जिनकी सं० कॉर्रेन नं० 25 ए लालकी कॉर्टेन, टंगर्स्ली रोडला तिला है तथा जो लो तिला में स्थित हैं (और इसी उग्रायद्ध अनुभूकी में और पूर्ग रून से लिता है रिनाई एनी अग्रिकर्स के कार्यायय महायद्ध आयुष्ठा रिरीक्षण, अर्जन रेंज म, रिजर्स्ट्री विराण शिक्षिण, म, 1980 (1908 का 16) के अर्थात, तार्राक्ष जुलाई 1985 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिकत से विधिक्त से बीच एसे अन्तरक् के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- हैंक) कप्तप्रण से हुई जिली बाय की बाबत कपत विधिनियम के बधीप कड़ दोने की बन्दरक के इस्रियल में कभी कहने वा उत्तसे बज़ने में सुविधा के लिए; कीड़/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-१ के अनुस्रम हैं, हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार: (1) के नधीन, निम्निलिशत व्यक्तियों, नथींत :---

- (1) व्हाउ केउ दालको प्राठ लिउ 1017/1018, दालमाल दावर, सिरमन पाईट, वश्वद्रै (श्रक्तरक)
- (2) रोहिशम पारू पेरेबार और अन्य एफ/13 क्रानिगर एम० व्हाँ० रोड विले पार्ने (डक्ट्यू०) वन्वई

को यह सूचना जारी करके पृवीक्त सम्पत्ति के बर्टन के लिए कार्यमहिया करता हां।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप.:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीं धं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध क्षद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हं 45 विष के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनश्रूष किसी जन्म व्यक्ति इतारा बभोहस्ताक्षरी के गहा सिवित में किए का सकेंगे :

वन्स्क

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/1445/85-86 जो जुलाई 1985 को सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण, धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 17-1-1986

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

नारत बरकार

कार्यानय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनाक 16 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/349/85-86----प्रतः मु, श्रनिल कुमारः

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं पलैट नं 4, दिव्यलोक आपर्टमन्ट गंगापुर रोड नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रोक में प्रिकारी कार्योत्तर सहायक आयवर आयुक्त निरीक्षण आर्थार रज में रिजस्ट्री करण अधिनिधम, 1908 1908 का 16) के अर्थार वार्यक सितस्वर 1935

कं पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्का में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिष्नियन के सभीन कर दोने के अन्तर्क के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में बृत्यिम वै सिष्; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हें धारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा वै निद:

बतः । । ब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में , मूँ , उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) क वधीन, निम्निनिचित व्यक्तियों , अर्थात् ।

(1) मैसर्म थाकर अन्ड थांकर 1516 भद्रकाली नामिक।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मम सहादेव सटोद अशोक भवत दिनदयाल काम रोड डोम्बिलली (डक्स्यू०) जि० थाना (अन्तरिती)

को सह शुण्ता वारी करके पूर्वोंक्य सम्पृतित् के वर्षत् के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीं उत क० 37 ईई, 349, 85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना क दहतर में लिखा गया है।

(अनिल कुमार । सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रज, पूना

तारीख 16-1-1**98**6 मोहर :

शक्य बार्षं टी एन १६

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वयः

भारत सरकार

कार्यां नय, बहायक जायकर अन्यक्त (निरीक्षण)

धर्जन रज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई_/1368/8**5-86**च--श्रनः मुझे, श्रनिल कमारः

वायकर अधिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनिवम' कहा गर्म हैं), की भाख 269-स के अधीन तक्षम प्रधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिस-मा उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और िनकी सं० पतैट नं० बी/3, सर्वे नं० 155/1 ए/1ए/1/1/2 भौज औध पूना क्षेत्रफल: 784 चौ फुट है तथा जो पूना में स्थित है (और इसने उनाग्रह अनुभूवं: में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), किस्ट्रीकर्ना राधिकार्रा के कार्यालय सहायक प्राथकर आयुक्त रिक्षण अर्न रेंज में रिजस्ट्रीकरण प्राधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वां शत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों सभ्याति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का फल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आर. की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिष्ट; और/या
- (ध) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (19/ / का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नई किया गया था वा किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्य: अन, जक्त निधिनयम की धाद्य 269-क को जन्मरक 4. के उक्त निधिनयम की धाद्य 269-व की उपवाद्य (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, निधृति :--- (1) बाल्कु नुबर सह तरी गृह रचना संस्था सर्यादित संनुको चालचंदनगर इन्डर्स्ट्राज लि० संस्थाः 16 एमा जी० रोड पुना

(अनारक)

(2) श्री व्हीर एमा श्रीशाम जे० 2/वी पोस्ट कालनी बालचेदनगर पूरा ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में अक्शशन की तारीस स 45 दिन की बविध दा !त्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्द किसी कन्य व्यक्ति द्वार म मेहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकें / !

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

जैसा की विजन्दी ते कि 37-ईई/2778/85-86 जो सितन्बर 85 को सहायक श्रापकर श्रायुक्त निर्दक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दपार में लिखा गथा है।

> श्रतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आरयक आयुक्त (िर्दक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-1-1986

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

भार्यासय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

प्ता, विनांक 27 ज खरी 1986

निर्देश मं० 37िं3/2772/35-85 + 156ः मुझे, स्त्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की थारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी गं० ए 14 सर्वे गं० 155 / 10/ 10/ 10/11/11/11/2 मौजे औं अपा है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उभावत अनुभून में और पूर्ण कर ने प्रिंगित है), रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारों के कार्योका स्पृष्टा गांवसार आयुक्त रिर्धिण, अर्जन में जिन्दी गरण अधिस्थिन, 1908 (1903 का 16) के अर्थान, तारीक सितस्व 1985

क्षे पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि.स., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत , उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ. अधीत निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) पास्तु पुष्य सहणारी गृह राजना संस्था सर्वादित संपुत्रो बालवंदनगर इन्डस्ट्रीज लि० 16 एम० जी० रोड, पुना ।

(で::雪)

(2) श्री राजन के० क्षेत्रडे श्रीनियास, १ए,।, वेनसले रोड, णिवाजीनगर, पूरा ।

(श्रन्तिः)

को यह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लाक्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उप अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/2772/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायनार श्रायुक्त निर्दाक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गना है ।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 27-1-1986 मोहर: प्ररूप आई'.टी.एन.एस.----

अध्यक्तर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के अभीन स्वना

व्यरत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाव्क्त (निर्माण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनां ह 13 जनवरी 1986

निर्देश स॰ 37-ईई/2780/85ब86—अतः मुझं, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हराके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नांस करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार जल्ल 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० सी/3 हों नं० 155/1ए/1ए/1/1/1/2 मौजे ग्रौंछ पूना (तिकफल 580 चौ फुट) है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रौर इस्तो जनाबद्ध अनुसूची में ग्रौंर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री की अधिसारी के सर्वालय, नहासक अस्तार नायुवः (िरीक्षण) अर्जन रेज/५व जीस्ट्री में राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 से 16) के अधीन तारीख लिएक्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बे.ज ्से अन्तरण के लिए स्थ माना प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उन्तरण जनतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है

- िक) बन्तरुण संहुद्दं किसी साम की आक्ष्य, उक्क मीधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचवे में उच्चित्र के सिए; और बा/
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) रे ज्योग, जिम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— 6—496 GI/85 (1) श्री वास्तु सुन्दर सह तारी गृद रचना सस्या मर्यादिस सी/अ। वालचदनगर इन्डस्ट्रीज लि॰ 16 एम॰ जी॰ रोड, पुना।

(अन्तरक)

(2) एम० व्ही० कुलकर्णी 1303 कसबा पेठ पावले चौक० पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोयत वंगीत्त के वर्चन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाहरे :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीं व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भृ किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक निवित में किए जा सकांगे।

स्वक्ष्मिरण:--इसमें प्रबृक्त सब्दों नीर प्दों का, को जक्त विधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

वन्द्रप्

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/2780/85≢86 जो सितम्पर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में विखा गया है।

> अनिल कुमार एक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-1-1986

ब्रह्म आई' टी. एम . एस . =----

लायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना क्षायह क्षरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना पूना-1, दिनां अ 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० 37 ईई/2782/85-83---गरः मुझे, अनिल

ानदश स० 37 ईइ/2782/85-83--- शतः मुझ, आनल कुमार,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुज. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए 1/3 सर्वे नं० 155/ 1ए/ 1ए/1/1/½ माँजे ग्रौध, पूना (क्षेत्रफल: 1396 चाँ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रेंज/ सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार अन्य में क्षम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिन उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हीं आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण में, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अधीय क्रिका (1) बान्तु सुन्दर सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित सी/भ्रो वालचंदनगर इन्डस्ट्रीज लि०; 16 एम० जी० रोड, पूना।

(अन्तरक)

(2) ए० एम० णाह, सुरश्री प्लॉट, नं० 1ए, 1146-बी/सी लकाकी रोड, शिवाजीनगर, पूना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तापील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति र्भाग;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किया में किए जा सकेंगे।

स्पट किरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/2782/85-86 जो सितम्बर, 1985 को सहाया ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-1-1986

मुक्ष बाहु हो. एन. एस.----

क्रम कर अर्डिभिनयम, 1961' (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सुखना

बारव सहकात

कार्यासन,, सहायक नायकर नायकत (पिडिक्रिक)

अर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 13 जनवरी 1986 निर्देष्ट सं० 37 ईई/2781/85-86—यतः मुझे अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० ए/8, सर्वे नं० 155/1ए/1ए/1/1/1/2 मौजे स्रौध पूना है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनूसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्त्ता अधिवारी वे वार्यात्य स्हायव स्रायद स्थायद स्थायद अगयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजीस्ट्रार में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (या) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग क अनुसरण में, र्., उक्त अधिनियम की धारा 239-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मणिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) वास्तु सून्दर सहकारी गृह रचना संस्थान मर्यादित सो/ग्रो वालचंदनगर इन्डस्ट्रीज लि० 16 एम० जी० रोड, पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० व्ही० शाहानी ग्रीर अन्य बी-6 हरिकुज अपार्टमेंन्ट, 428 गोखले रोड पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाभेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से हिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिट्रोकृत कि 37-ईई/2781/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रें। पूरा के दफार में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-1-1986

मक्ष बार् : टी. प्रचा प्रचा

Principle states 4 to 10 mm to

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

बाइच सङ्ख्या

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुणा

पुष्ता, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37ईई/2777/85-80—अप: मुझे, अधिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के दानीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पत्रैट नं० सी०/4, तर्ने नं० 155/1ए/1ए/ है 1/1/1/2 मौने ग्रीर पूना में है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इनके उक्तबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण ध्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विधानिया, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्/ब रजीस्ट्रार में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वि 16) के अधीन तारीख मिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से केंद्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्फ यह विश्वास करने का जारण हैं कि यथाप्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने वा उन्तरे बचने में मुहिशा के तिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने के स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जम्सरण कें, मैं, धक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) वास्तु भूनरप लहानारी गृह रचना संस्था मर्या सी/ग्रो वालचंदनगर इन्डस्ट्रीच लिं० 16 एम० जी० रोड पूना।

The second of th

(श्रदादन)

(2) श्री रोजी बोरगत 2039 बी० बेस्ट स्ट्रीट्र, कान्य पूना, ।

(अन्तरितो)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में ओई भी जाक्षंप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट करिया होते हो के स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत म श्काशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कः 37-ईई/277/35-86 जो सित्स्बर 1935 को सहायक क्रायार क्रायुका निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> जिपल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस . -----

बाधकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-1, दित्तक 30 जनघरी 1986 निर्देश नं० 37 जीं। 245। 85-86- ⊸कतः मुझे, श्रनिल हुमार,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से बिधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो नासिक में स्थित है औ: इनने उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहापक ग्रायकर आयुका (विरीक्षण) अर्जन रेंज। सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थीन तारीख सितस्बर 1985

को पूर्नोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमन प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बालार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए जा पाया भा प्रतिफल, निम्नतिदिए उद्देश्य से उक्त करारण सिक्षिष्ठ में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय न किसी धन मा बन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयेकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीः निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:— (1) चिट्ठल रावजी खुटवाड सीओ। सोमनाथ जगनाथ देशमानकर तपसाखेर एन्टरप्राइजज सं० 37, मेघदूत शांपिंग सेटर नासिक जि० नासिक।

(अन्तरक)

(2) सोमनाथ जै० देशमानकर सी/ओ तपसारवेर एन्टरप्राईजेस, 37 मेघदूत शापिंग सेन्टर नासिक जिला नासिक।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेषु :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्तित में किए जा सकेंगे।

हर्न्स्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि विस्तान के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जैमा कि रिक्स्ट्रंहित कि 37 जी/295/85-86 जो सितम्बर 1935 को सब रिजस्ट्रार नासिक के श्राफिस में लिखा गया है।

श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. पूना

तारीख : 30-1-1986

श्ररूप बाईं.टी.एन,एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

शारत बुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्तिक)

श्चर्जन रेंज पूना पूना दिनाक 30 जनवरी 1986

िर्देश सं० 37 जीं। 244। 85-86 ⊷यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स पाल है। सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं।

और जिसकी सं है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विगत है), रिजिम्हीकर्ता अजिज्ञारी के कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरंद्रजण) अजैन रेंज, सब रजीस्ट्रार, में रिजिस्ट्रीवरण अजिन्दिम, 1908 (1908 का 16) के अजीत, ता िव सितम्बर 1985

को पूत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हूं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के संधीन कर दोने के बंतरुक के खिनल में कभी करने जा उससे ब्यने में सुविधा के दिए; बौड/मा
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय बामकर विभिन्नम्, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वाधनिवस्, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रसेजनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, कियाने में धृतिथा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री दिग-वर बापूजी काके और श्रन्य 1766 जूना लौहार गल्ली नासिक जि० नासिक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चारुशीला प्रकाशराव सन्नगके मंदार गणेश हांसिंग सोसायटी बिटको टाकीज के पास, नासिक रोड जि० नासिक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (ख) इस राज्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के जध्माय 20-क में परिभाषित हूँ, बही वर्ष होगा, जो उस मध्याय में विस्तार मया है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्री हैत कि 37 जी। 244। 85-86 जो सितन्बर 1935 को सब रजिस्ट्रार नासिक के आफिम में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 30-1-1986 मोहर : इक्ष्य बाइ'. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

मारत लक्कार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज पूना पूना दिनांक 27 जनवरी 1986 निर्देश सं० 37 जीं/175/85-86---श्चतः मुझे श्रनिल

कुमार शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 904/1/2 बम्बई आग्रा रोड ता० अन्ड जि० नासिक है तथा नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से चिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रीर नासिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से विभिक्त ही और वन्तरक (वन्तरकों) और वन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरक वे जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण जिखित के वास्त्रिक रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यादम से हुई किसी जास की बाबता, उनका अभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तादक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के नित्य; जीह/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन वा जन्य जास्तियों क जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन- कर जीधनियम, या धन- कर जीधनियम, या धन- कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) जें प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की धाता 269-ग के ननुसरण में, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीग, निम्नितिखित व्यक्तिकों है. अधीत हैं—— (1) दगुराई ए र० सो गयने पोस्ट मोरजाडी नासिक जिला नासिक।

(अन्तरक)

(2) प्रकाश डी० वागस्कर सीओ०/एम० श्राई० एस० ए० सातपुर नामिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धर्मकार्य करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव है 45 दिन की बबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविति, को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एकों कर व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वार);
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते ।

स्मा केरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पत्रा है।

मन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 जी $_{I}175_{I}85-86$ जो जुलाई 1985 को सब रजिस्ट्रार नासिक के श्राफिस में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 27-1-1986

प्रारूप बाई .टी .एन .एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ऋयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पुना पूना, दिनांक 27 जलबरी 1986 निर्देश सं० 37 जी०/212/85-86---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

बायकर निभिन्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार अस्थ 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी संग्राहित 137. तर्ने तंग 31, 34, 35, 36 तन्त्रर गाँच वसाई रोड (डब्ल्यूण जिल काम है तथा जो धाना में स्थित है (और इसने उसबद धानुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीएनी विकास के प्राथितिय सब रिजिस्ट्रीर वसाई में, रिजिस्ट्रीय ण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निम्नलिखित उक्षेत्रय से उपत अक्षरण जिल्ला कि का स्वास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वं हुइ किली आव की अव्हत, उपन विचित्रत वे वधीन कर वेने के मण्डरक से दायित्व में कमी करने वा उस्तरे अवने में स्विधा में सिए; बार्डिना
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आरिस्ता का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, बा धननर अधिनियम, बा धननर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए॥

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण म, मै, उत्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

- (1) भी जाह मेधनी साननी एन्ड कंपनी एस० व्ही० रोड, खैर नगर, शाँताकुज (डब्ल्यू०) बन्बई। (अन्तर्य)
- (2) व्हीं एस० एन्टरप्राईसेस, कोर्ट चेम्बर्स, नया सरीन लाईन्स, वम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सपत्ति के अर्जन को लिए कार्यनाहियां शुच करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिमेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कर 37 मि/212/85-86 जो जुलाई 1985 को सब रिजस्ट्रार प्रमाई है जिस्हित में दाखल किया गया है।

धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-1-1986

प्रक्ष वार्षः टी .एन .एइ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

to the spines and the control of the spines of the spines

नारत सरकार

कार्यालय, सहीयक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश मं० 37 जी/209/85-86---यतः मुझे, ग्रनिल हमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 6 सर्वे नं० 30, 31 पार्ट न० 35, 36 पार्ट नम्बर ता० वसई जिला० थाना है तथा जो थाना में हिथन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ग का से विगा है), किंग्ड्रीकर्ता अविकास के कार्यानय सब रिजिस्ट्रार वसई में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन नारीन जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त तंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अंतरण निच्चित्त में वास्त्रविक कप से कथित महीं किया गया है श--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विविध्य में बचीय कर दोने के अक्तरफ में दिगियत्द में कमी करने मा उससे वचने में सुविचा हिन्दर, सरि/बा
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) और उपराजवातम जावन और अन्य वसई में नाव नमई, जिलाव थाता।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स चंद्राविजय असीसिएटस 2 आग्नती 141 नेन्याति बहाट मार्ग मातुंगा (डक्स्यू) वस्बई। (अस्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिंध, जो औं बनिंध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस बूचना कै राज्यम में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्पत्ति में हितबहरू किसी बन्स व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के दास निरिवस में किस सा सकतें।

स्पत्त्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्कों और पक्कों का, भी उपत अभिनियम दे अध्याय 20-क में परिश्राधिक है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री इत कि 37 जी, 209, 85-86 जो जून 1985 को सब रजिस्ट्रार वसई के श्राफिस में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-1-1**986**

त्रक्ष बाद". टी. एन्. एकः --=-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-अ । । अ अध्यास संख्या

THE STATE OF THE S

THE RECEIVE

कार्यालय, सहायक बावकर बायक्त (निरीक्षण)

घटा होता होता. पुरार विकास ३१ च घरी ।**१86**

िर्देश सं० 37 शं/424/85-86 --थतः मुझे, अनिल कुमाः;

बायकर कि धिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथान जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 के बाधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य ... १६ : 100 / - एउ. से अधिक है

औं िसकी तं है तथा वी अध्यक्त में विषय है (बीर इसने उपाबद्ध स्नूसूची में बीर पूर्ण का ने चिन्त है), रिनिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्याका, सहातक भायकर धायुक्त (रिरंक्षण) धर्जन रेज् सद रजीस्ट्रीक में रिजिस्ट्रीक म स्विन्धिम, 1908 (1908 का कि) के अधीर वारीस नवस्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रात्यक्ष के जिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, तसके स्थमान प्रतिकल का अन्तर प्रतिक्त से विश्व हों और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिकल, जिन्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में अस्तरिक क्ष्य में किया रहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा ं हिन्दू, और / बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में इिंग्स के लिए;

बत्ध बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-श की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (!) तैः भाषाः ज्ञबे लाल मालानीः, भगत विल्डींग के सामने भाईकर वाइत्तर जूना दावा डवरा, श्रहमदनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) जताबाई नेमीचंद खिनसारा किमार वाजार भगत बिल्डिंग के सामने जूना डाने डबरा श्रहमदनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूच्या के राज्यम् के प्रकारम् की तारीस से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्द्रभ किसी बन्द स्पवित द्वारा, वभाहस्ताकारी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक कि भि-नियम के कथाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथें डोंगा, को उस अध्याय में दिया नदः हैं।

श्रनुसूची

जैसा कि रजिल्ट्री तेत कि 37 जी। 424/85-86 जो नवस्वर 1985 को सच रजिल्ट्रार श्रह्मदनगर के श्राफिस में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पार्ग अ 31-1-1986 माङ प्ररूप जाइ.टी. एन. एस. -----

बायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जाम्क (निरोक्षक)

अर्जन रेंज पूना

पूना-1 दिनांक 31 जनवरी 1986

िर्देश सं० 37 जीं 85-86 स्थातः मुझे प्रतिल कुमार, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० है तथा जी

नासिक में स्थित है (और इसी उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विगत है), पनिष्ट्रीकर्ना अधिकारों के दार्यालय सह्यक अधिकर आगुना (विराज्य) अर्थन रेंज सबरिक्ट्रार में, रजिट्टीकरण अधिवियम, 1908 (1908 वा 26) के अधिक तारिख नवस्बर 1985।

मों पूर्वोक्त संवित्त के उधित बाबार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिकत के तिल् नन्तरित की नहं हैं जौर मुक्कें वह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उधित बाबार सृत्य, उसके स्वयमान प्रतिक क से एसे स्वयमान प्रतिक क के प्रतिक हैं और संवरक (संवरकों) की संवरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा और/या
- (य) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए वा, छिपान ये सुविधा से विष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धत्रा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्नशिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) संघु पुडलेक चांडे 435/4 ाई प्राप्ता रोड नासिक। (भन्तरक)
- (2) श्री महम्मद हुसेन श्रनुल भाई उमरेल वाला संत्वांशी श्री संघु पुडलीक चांडे 435/4, नई श्राग्रा रोड नासिक।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन को तारीश सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अवृधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकार के हैं, वहीं अर्थ, होगा जो उस अध्याय में दिया शबा है।

अन्स्ची

जैस्थ कि राजस्ट्रीकृत कः 37 जी/413/85-86 जो नघम्बर 1985 को सब रजिस्ट्रर नामिक के आफिस में लि*श* गया है।

> श्रीतल कुमार सञ्जम प्राविकारी महायक श्रायका श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रुजैन रेंज, पून

तारीख: 31-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एनं. एवा.-----

सायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) से न्यीन स्वा

बाइस बर्कार

श्रवासव, सहायक अधकर आगुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 28 जावरी 1**98**6 निर्देश गं० 37 ईंडी 450/85-86 रखनः मुझे, श्रातिल कुमार

नाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मितयम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नभीन सक्षम प्राभिकारी को, वह विकास करने इस कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित नाबार मुख्य 100,000/- रा. से निभक हैं

और जिमकी मं० फ्लैट नं० 2 प्लाट नं० 60 एम० एम० ई० बी० रोड, दिपरी, मृत (क्षेत्रफल 855 ची० फुट) है था जी पता में हिथत है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त रिराक्षण अर्जी रेंज में, रिजस्ट्रीक ण अविविध्म, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, नार्शिव जुन 1986

कां पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अंतपल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुनोंक्त समपित्त का उचित बाजार बृत्य, असके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह कित्वतः से किथक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पासा गवा प्रति-क्का निम्मलिक्ति उद्वेषम से उक्त अन्तरण बिक्ति में अस्तिक्ति रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरुष् वं दूर्ष चिसी बाव की वावत, उपस् विकृतिवृक्ष के श्रीन कर दोने के बन्दारक के द्यीयस्य में कभी करने या उसने वचने में सुविभा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी नाम् या किसी थन या जन्य नाहित्यों कां, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बर्फ: यह उन्तर अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, वें, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निति वित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैंसर्व सुञ्जानी कल्स्ट्रकणश . 59/1 राजेंन्द्र प्रसाद रोड, पिंपरी कांलौनी पूना-17

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रामा टी० मुलनंदानी, पी० डब्ल्यू० डी० ब्लांक 23/6, पिंपरी का**लां**नी, पूना -17 I

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

डक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीय मा तरहम्बन्धी व्यक्तिकों पूर् सूचना की तानीस से 30 दिन की बनीय, सो भी समीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वतः के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश को भीतर सकत स्थावर सम्मृति में हित्वबृध्ध किसी जन्म ज्वक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकों में !

लक्कीकरणः -- दुसमें प्रमुख्य प्रकार में प्रदेश मा है। को उपय मधिनम्ब, के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्य होगा जो उस कथ्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा वि' एजिट्रें ति कर 37 ईई $_{l}$ 450_{l} 85-86 जो जून 1985 को रहायक आयक : आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

नारीख: 28-1-1986

महिर:

वरूब दाइ'. टी. एव. एव.

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वं अधीन स्वना

भारत करकार

कार्यालय, सहायव नायकर नायकत (विरोक्षक)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 28 जनवरी 1986

निदेश सं० 37 ईई। 568, 85-86—यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रश्नित् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धार 269-क के अधीन साम प्राधितियों कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ध , जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिलकी सं० फ्लैट नं० 2 बी,5 प्लाट नं० 13 से 19 सर्वे नं० 634/3ए से 5 ए से 5 बी विबवेवाडी पुना।

है तथा जो पूना में स्थित है (श्राँर इससे उपावद्ध स्नन्सूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणा है). रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रियिक स्रायक स्रायक स्रिक्ति स्वायक स्रिक्ति स्वायक स्रिक्ति स्वायक स्रिक्ति स्वायक स्रायक स्वायक स्वयक स्वायक स्यायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वायक स्वा

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के खरमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की नई है और मुम्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि यभाजुवांवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे हर रान प्रतिफल का बन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतर क (अं. १४०) और अंतरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के किए स्य पाया यसा अतिफल, निम्मतिषित उ त्रेंच से स्वत बन्दरण विश्व के पास्त विकास कर से किए स्य पासा स्था

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 4957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) नीला दोपक प्रधान 495 शनीवारपेठ पूना-30 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हेमन्त लक्ष्मण पोतनीस, 96 मंगलवार पेठ भोर जि॰ पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जां। करके पर्योक्त संपत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताराल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

वनसर्वा

जैसा कि रजिस्ट्रोजन क० 37 ईई/568/85-86 जो जून 1985 को सहायक स्रायकर स्रायक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

तारीख: 28-1-1986

प्रारूप आह^र टी. एन . ए.स.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

्श्रर्जन रेंज, पुना पूना, दिनाँक 28 जनवरी 1986 निर्देश संब 3 ईई/1461/85-86--यतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एव० व० 615 नारायणपेठ पूना-30 है, तथा जो पूना में स्थित है (धीर इसने उपाकछ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्व क्या ने जिलत है), रिनस्ट्रोकची ग्रिधिकारी के जायिलय सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण ग्राजन रेंग में, रिजिस्ट्रोकरण ग्रायितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिज्ञ के लिए अन्तरित की गर्ड और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रक्र, उतके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्योक्य में उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक कप में किशत नहीं स्था गया है:—

- (क) बन्तरण में हुंई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर तके के अस्ति के बाब दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स्—

(1) सरस्वती गजानन भोमे 615 नारायणपेठ पूना, 30

(ग्रन्तरक)

(2) मैं नर्स चाफलकर लट्ठा ग्रन्ड हुबलीकर, 215 पर्वती,-पूना 9 ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करना हो।

दक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्यष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैशा कि रिजिस्ट्रीकृत करु 37 ईई/1461/85-86 जो जुलाई 1985 को महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-1-1986

प्रस्य नाहै ही एन एक - - --

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के उभीन गणना

भारत सरकार कार्यास्य, सङ्गयक वायकर **गावकर (निरक्तिक)**

श्चर्जन रेंज पूना पूना, दिनाँक 28 जनवरी 1986 निर्देश सं० 38 ईई/994/85-86—-यतः मुझ, श्चनिल क्मार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या ग्राफिस नं० 9 ससोत भवन 16 बी-1 डॉ ग्रम्बेडकर रोड पूना-1 'क्षेत्रफल 852 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास त्रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार क्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कृष्य प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तच पामा चया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ललिख के सामतिक कृप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेगर्स तरोण श्रामार्टमेंट 16 बी-1 डा, श्राप्बेडगर रोड पूना-1।

(ग्रन्तरक)

(2) कु० उम ग्रायमन ए० कालिमुद्धीद ग्रीर ग्रन्य, ग्रल ग्रवर, सफी महल, ए० जी० बल मार्ग वम्बई।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के संबंध में कोई शाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पार्कीकरणः- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उपत जिथिमियम, के अध्याय 20-क में परिधायित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जभा कि रजिस्ट्रीलु कि 37 ईई/994/85-36 जो जुलाई 1985 को सहायक स्रायकर सायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज यूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,पूना

तारीख 28-1-1986 मोहर: 第一つとはなり選択できますがないないです。 ストラー・ストリード ちゃくままごさい はない はいまた ようなない はない

अरुप कार्ष . टी . इन ् एस . -----

भाषभर बीधांत्यम, 1961 (1961 का 43) की धार 260 ल (1) है अधीत स्थला

शास्त्र सङ्ख्या

कार्याज्य, बह्रवयः आयकर वाज्यतः (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंग पूना पूना, दिनाँक 28 जनवरी 1986 निदेण सं० 37 ईई/456/85-86---थनः मुझे श्चनित कुमार,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिको इसमें इक्के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 200-व के अधीन बक्तन प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावन उम्मौत हैं। कि जीवत उपार श्रूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हा

म्नार जिसकी सं 1299 पदारिक्षिपेठ पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इनने उनाबढ़ स्रन्भूची में सौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रो बर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्वर्ज रेंज में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन करण स्रिधिनियम, 1985

- कः व्योंकत सम्मति के उचित बाजार मृत्य से लाम के दृष्यमार प्रांतिक के लिए अन्तरित की रुक्ष हैं और मुक्के मह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का अविद्य व्यवस्था मृत्य उसके दृश्यान प्रविक्रण से एके दृष्यकान प्रतिकृत का जन्द प्रतिकृत कि कार वात्रिक (अंतरका) कार वंसरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए इव स्था क्या प्रतिकृत, निक्तिसिंसत उद्देश से उन्नत अंतरण विश्व के वास्त के कारण के विष्य के विषय के वास्त के कारण के विषय के वास्त के वास्त के कारण के वास्त के वास्त की कारण के वास्त की वास्त की वास्त की वास्त की कारण के किया की वास्त की वास्त किया की वास्त की वास्त की की वास्त की वास की वास्त की वास्त की वास्त की वास्त की वास की वास
 - (क) बन्द्राय सं मुखं त्यासः मध्य की बाध्यः, प्रक्तः विभिनिम्म की अधीन कर एते की क्रांट्रक के दर्ग एता माँ कभी व्यक्तियः नवार्ग वर्ग की स्विधा की नित्यः नीर/मा
 - (७) एंडी किटी कार या फिकी धर पा अन्थ जास्तियों को, चिन्हें धारतीय लागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, या बत-रूर अधिनियम. 1927 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ कलिएन कलान एकट नहीं किया गण भा मा किया गणा श्रीणा सा डिग्गां में स्विधा के सिह;

(1) ७४० वेस्टर्न इंडिया इस्ट्रेंट एन्ड एम्जोक्यूटर्स इयना लि० जानारा

(अन्तरह)

(2) एष० एउ० देवप्रण (एच० णू० एफ०) 1298 सामिति जि. पूना 30

(भन्तरिता)

का वह सूचना बारी करके एवॉक्ट उपस्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उच्छ सम्पत्ति के अर्जन के हम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । सूचना को तम्मील को ३० । १००० वर्ध कर्यों के भी अवस्थि भाद को शमार्थ हो है हो । १० भीतार पूर्वोक्स १४७० हो १० मो शमारी को एक ग्रह्माना
- (क) इस सुचता वे राजपण में प्रकाशन की तारीच सें त.) विभ के पीना के राज्या कारतीस में दितवद्ध किसी करण जानित दशास सभावस्थानमारी की पास रिकार को कार कर का

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्ष कर्षों और पर्दों का, थी अवस अहीशीव्यक के क्षणाय 20 के भी परिभाषित हो, बहुई कर्ष काल के कह नव्यक के दिशा क्षा है?

बन्स्धी

जैपा कि एजिस्ट्रीएन कर 37 ईई/456/56-86 जो जून 85 को नहायक प्रायपन शायका विशेषण प्रजैन रेंज पूना के दफ्तर में लिया गया है।

श्रनिल कुमार स्थम प्राधिकारी सहायक स्नाय का सायुक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रेंज, पुना

तारीख: 28-1-1986

मोहर ।

पंच्य बार'. टी. एव. एस. ----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वा

बार्ष वहन्त

शायालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज पूना पूना, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37 ईई/2692/85-86--यतः मुझे, स्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उन्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० संगमवाडी में स्थित जगह सर्वे नं० 21/5ए/1 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकार्यों के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान त्रितक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कांवत करीं।

- (क) बन्तरण हं हुई किसी माय की बावत , उपत गीधिविया के बधीन सर दोने से बन्तरण से दायित्व में कमी करने या उससे वचने से सुविधा के जिए; और/मा
- श्रि एसी किसी नाय वा किसी वन वा बन्य वास्तिकों को, जिस् भारतीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ना विधिनयम, या धनकर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिर्दी द्वारा प्रकट नहीं किया बाना बाहिए था कियाने हो स्विभा के लिए।

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, भी, धक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8-496 GI/85

(1) नवस्फूर्ति कुम्रापरेटिव्ह सोसायटी लि०, ब्लाट नं० बी-1, एफ० पी० नं० 28, सर्वे नं० 21/5/ए/1 शिवाजीनगर, पूना -5।

(स्रन्तरक)

(2) गाँरियनस सेलस कार्पोरेशन 53म मेंघदूत लिकिंग रोड, खाट बम्बई

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचन। जारी कारके पृश्तोंकत संपत्ति के वर्चन के विष् कार्यनाहियां कारता हूं।

उनत तंप्रित के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंदर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिवास में किए या सकेंचे।

स्वक्षीकरणः—इसमे प्रयुक्त सब्दों बौर पदों का, वा उक्क जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय से दिशा धशा

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/2692/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रलिन कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-पूना

तारीख: 29-1-1986

प्रमण ार्इ दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आमकर लाग्यल (निरक्षिण)

अर्जन रेंग पूना

पूना दिनाँक 28 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37 ईई/461/85-86—90ः मुझे, ग्रानिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाम् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन प्रकास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाध स्थाध, विश्वास विश्वास करने का कारण है कि स्थाध स्थाध, विश्वास विश्वास करने का 1.00 000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी संज गोडा उन नंज 5, नैणाली स्पार्टमेंन्टम 459 नारायणपठ पूना 30 है तथा जो गुता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्नृग्वी में स्रौर पूर्ण एवं एवं ल निणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता सिवकारी के कार्यात्र कार्यन साथ पर स्पान्तन निरीक्षण स्रर्जन रेंज में रिजस्ट्री करण स्रिवित्यम 1908 (1908 वा 16) के स्रातीन नारीच जून 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के एकित ग्राह्म स्ट्य में कम हो द्वर मान प्रतिकल के लिए का प्रका की गर्ज में ग्राह्म स्ट्रे विश्वास करने का कारण ह कि प्रका कि की की ग्राह्म स्ट्रे विश्वास करने का कारण ह कि प्रका कि कि ग्राह्म का अधित गर्जा मुख्य , अस्त्र के व्यक्ष प्रतिकार सं विश्व है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के वीच एसे बन्तरण के लिए तय पान क्या प्राह्मकान , निम्मिचित उद्देश्य सं तकत यापरण लिक्षित का प्राप्त का स्पाप्त के किया गर्जा है —

- (क) यात्रका भेताका किती आपम की नामता, क्लक आधिनियक के अधीर कर दोने की अन्तरक थे दाधित्क में कभी अपने या उपलेक्कन में स्विका के लिए: और/या
- (ख) एंनी किसी आय ए किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिल्हें अन्तीय अस्टिट एडिनियम, 1922 (1922 जा 11) दा सकत अधिनियम, या धनहर अधिनियम, या धनहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजमार्थ अन्तियित इंगरा बकट रहीं किया गया था दा किया जाना शाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

ब्रतः अब, उक्त क्रीशितयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियर ही शारा 269-च वी उपभारा (1) के अधीन, निरमित्सित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैनतं विज्ञाल बिन्डर्स ग्रन्ड प्रमोटर्म, 459 नारायण-पैठ पुना 30 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेंड्ना ट्रस्ट व चंद्रकाँना 1202/15-8 श्रपटरोड, पुना 4।

ज (ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उवत संपरि के कर्जन के संबंध में काई भी बाधांप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 बिन की बर्वीय वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 बिन की वविष, को भी अधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोंकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

श्रन्यूची

जैवा कि रजिस्ट्री छन क० 37 ईई/461/85-86 जो जून 1985 को पाहायक स्नायकर स्नायकत निरीक्षण सर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुनार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 28-1-1986

प्ररूप बार्ड . दी. एन. एस.----

आयक्कर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37 ईई 77/85-86--यतः मुझे ग्रनिल कुमार

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अंक्ष 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिन्नकी सं० टंगराली में स्थित जमीन ता० मावल सब प्लाट नं० 1 स्राखिर प्लाट नं० 77 लतनावला सीटी स्थित नं० 1 है तथा जो लोनावला में स्थित है (स्रौर इनसे उपाबद्ध स्रन्सूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता स्रिधि हारी के हार्यालग्न महायक स्रायकर स्रायका निरीक्षण स्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1980 (1980 का 16) के स्रधीन तारीख स्रक्तूबर 1985

को द्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविषत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित से शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उसक ब्रिधियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृतिभा क्री दिवए; ब्रीट/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था आ या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सकिधा के शिष्

अतः श्रुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरक् भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीय, निम्हतिवित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) नाधुरी ए० कोटबाल ग्रोर ग्रन्य, 103 सुमन 6 कम्बाला हिल रोड बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) डोनयार डो० भाटीना मेहर डान प्लाट नं० 151, 15 वा मंजाला फकी परेड वम्बई।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्च

जैसा कि रजिस्ट्रोक्त कः 37 ईई/5577/85-86 जो अक्टुबर 85 को सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-1-1986

प्रकथ बाद' दी एव एस . ----

शावकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्काशक)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37 ईई $_{l}$ 6487 $_{l}$ 85-86--यतः मुझे श्रनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की पाए 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का छारण हु कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उपवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर जिससे उपावद्ध ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय यहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज/सब रजीस्टार में, रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवस्बर 1985

ो पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के द्रश्यमान होतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास इने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया शतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कांचन महीं किया गया है है—

- हुंक) मन्तरण सं शुद्ध किसी वाज का बावल, उक्त वीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक से दायित्य में कमी करने वा उससे वजने में स्विधा से सिए; सौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी क्या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोचनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिधाने में सविशा खें जिल्हा

ब्दः वर्व, उक्त वीधीनयम की धारा 269-म के बनुवरण वैं, में उक्त वीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, वर्षांच् क्र—-

- (1) स्रवीनाण स्रालिस श्रीराम स्रंबादास दोले शनी रोड, सावर्डा ता० रावेर जि० जकगाव। (स्रन्तरक)
- (2) ललगुज कन्स्ट्रम्शन्स ग्रन्ड इस्टटत प्रा० लि०, 219 साई विहार शिवाकी पथ कल्याण । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि मा बत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस ब्रुवना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निवित में किए वा सकीन।

स्पष्टिमकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई/6487/85-86 जो नवम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-1-1986

सोहर:

प्रस्त बार'. हाँ . एन . एड . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कायालय, सहायक कायकर नामृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-पूना-1

पूना, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निदेश सं० 37ईई/5195/85-86- ग्रतः मझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि सभाक्षेंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री मिं ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री मिं ग्रीर पूर्णरूप से विणत है। कि कार्यालय, पूना में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्त्रण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में स्वीयधा से सिक्ष सीड़/सा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः वंद, उक्त विधिनियम की धारा 269-म कै अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स उदय लेंग्ड डेब्ह्लोपर्स 168/130 जवाहर नगर, गोरेगांव (डब्ल्यू) बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरसुख लाल ग्रार शाह ए/8 नेमोनाथ ग्रपार्टमेंट सिम्पोली रोंड, बोरीवली (डब्लयू) बबम्ई (ग्रन्तरिती)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कनेई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्काव्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

ग्रनुसूची

जेताकी रजीस्ट्रीकृत कि० 37ईई/5195/85-86 जो स्रक्तूबर 85 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **पूना**

दिनांक: 29-1-1986

प्रस्य बाह". टी. एत. एक. व्यवस्थान

नायकर गाँधनिः 1961 (1961 का 43) की ास 269-थ (1) के नधीन शृथ्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाय्कर वाय्वत (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 जनवरी 1986 निदेश सं० 37ईई/4493/85-86--श्रतः मृझे श्रनिल र

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 31 शक्तवार पेठ पूना-2 माउ महाराज गल्ली पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुनी से ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज मे रजीस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908, (1908 ा 16) के ग्रिधीन नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास असने का कारण है कि यभाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान पतिफल के एसे दृश्यमान पतिफल के एसे दृश्यमान पतिफल के पूर्व दृश्यमान पतिफल के जिए स्वास्त्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाव की बावत उक्त बिधिनयम से बधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व को कमी करने वा उससे बचने में सुविधा की लए, बीर/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आप-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए था. कियान में द्विभा के तिकः;

कतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसर्क मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (i) तूबाधान धिवराम गायकवाड 31 शक्तवार पेठ पूचा-2

(ग्रन्तरक)

(2) ऋक्ष्वमेघ प्रमोटर्स एण्ड विल्डर्स 88/1 गीत गोविंद ऋषार्टमेंट सहकार नगर नं०-2 पूना-9.

(ग्रन्तिरती)

व्हें बूचना कारी करके जुलांकर राष्ट्रीत के कवन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्क कम्परित के बर्जन के तम्यत्व में कोई भी आधेष:--

- (क) इस वृथना के राज्यत्र में प्रकारन की ताड़ीस वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद यो समाध्य हाती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यक्तितामों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना को शजगत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भागर उक्त न्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा मो किए जा सकोंगे।

स्पच्छिक्तरणः ---इसमी प्रयुद्धत शब्दों और पदों का, जो जनत श्रीभृतियम, के स्थाय 20-क में पृरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होया जो उस स्थाय में दिया श्रीम हैं।

ग्रन नुवा

जैसाकी श्रांजस्ट्रीकृत क c-37ईई/4493/85-86 जो नवम्बर 1984 को 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी यहाय ६ ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, पूना

दिनांक: 29-1-1986

प्रकण बाद टी. पृत्. एस ----

मापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मर्थान संध्या

भारत सरकाइ

कार्यालय, महायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 जनवरी 1986 निदेश सं० 37ईई/2694/85-86-ग्रतः मझे, ग्रनिल कुमार

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम सिक प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिल्हा स्वित स्वार सूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जगह जो संगमवाडी में स्थित सर्वे नं०
21/5ए/1 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीरट्रीवर्ता
ग्रजन रेंज रजीस्ट्रीकर अधिनियम 1908, (1908 ला16)

▼ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)
के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का करणमान प्रतिकृत सं, एसे इश्वमान प्रतिकृत का कर्ममान प्रतिकृत सं, एसे इश्वमान प्रतिकृत का क्वार्य प्रतिकृत से विश्व से विश्

- (क) बंतरण से हुई किन्दी बाब की समात, उनत क्षिप्तिवृद्ध के अभीत कर दोने से अन्यरक के सामित्य में कारी अपने का गांव क्षणा के शृतिका के दिए; सीह/बा
- (क) एसी किसी जाय या कि लो धन र जन्य जास्तियों को, जिल्हों भारतीय जाय-कन लीगीनयम 1922 (1922 का 11) या उछत जिथिनयम, या धन-कर जिथिनयम, श्रिक्त के प्रयोजनार्थ जन्तिरियों ह्वारा प्रकृत नहीं किया प्रया था किया भना नाहिए था, छिपाने ही वृश्विक के दिए;

बत: कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अपीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) नबस्फूर्ती कुम्राँपरेटिव्ह सोसायटी लि० सब काँट लाट नं० वी-1, नं० 28, सर्वे नं० 21, 5ए, 1 शिवाजी नगर पूना-5 ।
- (2) गिरीसन ट्रेडर्स 535, मेघदूत लिंकिंग रोड, खार बम्बई--52

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से क्रिकेट के अविध्या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्वस्ति रणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों बाहु पदों का, वा इक्त वीधीनयम के अध्याय 20-क में परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

अन्स्ची

जैसाकी रिजिस्ट्रीइन्त क 37ईई/2694/85-86--- ग्रत जो सितम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफार म लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रेज, पूना

तारीख: 29-1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एव.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुच

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पुना पूना, दिनांक 29 जनवरी 1986 निदेश सं० 37ईई_/2704/85--86---ग्रदः मुझे, ग्रनिल कुमार

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें दाबित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-न्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त लिधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिज्याने में सुविधा के लिए;

बत: विव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे प्रधीन निम्निखिखित, व्यक्तित्यों, अर्थात :---- (1) श्री **म**सर्स जोणी प्रमोटर्स 217 सदाशिवंपेठ पूना-30।

(म्रन्तरक)

(2) सुधीर महादेव गोखले 635 कमबापेठ पूना ।

(ग्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है. 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

जसाकी रजीस्ट्रीकृत क 37ईई/2704/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंग पूना के दफ्तर नें लिखा गया है।

> त्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-1-1986

श्रुक्त बाह् दी एक एक

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-य (1) के रूपीन श्वर

भारत सहस्रार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाः रेंज, पःग

पूना, दिनांक 28 जनवर 1986

निर्देण सं० 37ईई/180/85---86--श्रतः मुझे श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कारें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर नं० 283, मेन रोड, स्ट्रीट पूराना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूर्ची और पूर्ण घर ने विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता धिरागरी के कार्यालय सहायक धायक धायक (विर्धाय) की रेंज रजीस्ट्रीकरण अधित्यम 1903 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विरदाग करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (संतिर्विक्तें) के सीम एमें सक्ता के निम् तह गावा गावा महा मिल का कि निम् तह गावा गावा महा मिल का कि निम् तह गावा महा मिल का कि निम् तह गावा महा मिल का कि निम् तह गावा महा मिल का कि निम् के विस्थ में कि निम् के निम

- (क) बनारण ते हुइं किणी बाग की गावत, सकत बीधिभिया के अधीन गाँ दर्भ के उपनाप के बायिया में कमी करते हैं उसने बसते में श्रीवर्ध याँ सिए: बार/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जाय अपनिस्था को जिन्हों भारतीय जायकार जाधिनियम, 199% (1922 का 11) या जानत अधिनियम, या उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिते द्वारा प्रवास हो। जिल्ला में या या दिल्ला जाना काहिए था, दिल्ला से या विकास की सिका,

क्सः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म को अनुमरण में, में, अक्त मीधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को मधीन निम्नियमिन व्यक्तियों विश्वति । -

- (1) शरीफ कहून सभी और सम्य बनाक नं० 21 इन्द्रलोग सोमामधी--340 दाडीनाला रोड, पूना--1 (अन्तरक)
- (2) प्राधिक पी० अंजारीय। 16 क्यीनस गार्हेन रोड पृथा 1

(अन्तरिती)

को वह बुचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पर्धेश के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्बन्ति कं कर्षन के संबंध में कोई भी नामांच :---

- (का) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की त्रविध या तत्मध्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो की जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर कूचों कर उपित्तयों हैं से किसी कारित बनारा;
- (स) इस मुचना के खजनन में प्रकासन की तारिख हैं

 4 द रिन्द के जीतर उन्तर स्थावर संपरित में हितबस्थ

 किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस

 रिविश्वत में किए जा तकी।

स्पष्टिकारणः ---- इसमें प्रय्वत शब्दों और पद्धों का, को स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया नवा है।

ब्रानुस् की

नैसार्जा ा लिट्टीकृत कम० 37ईई/180/85-86-- जो जून 1985 को नगराम गामार गामा वितिरीक्षण) अर्जन रेंज, गाम के सफता में लिटा गाम है।

थनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायद्य पार प्राथक्त (िरीक्षण) श्राजीपरेंज, पना

बिनांको: - 08-1--1986 मोहार :-- प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पना

पूना, दिनांक 28 जनवरी 1986

निर्देण सं० 3*७*ईई/979/85~86---श्रतः मृझे श्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 2 सी० टी० एम० नं० 3157 बापोडी ता० हवेली जि० पूरा (क्षेत्रफल 700 ची० फुट है तथा जो पूना में लियत है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में ओर पूर्ण का से विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण प्रजीत रेंज, में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के न्तिए;

अत: उक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ह—

(1) सपर्व हार्न्सि: बिल्डर्न 80 मार्नेट रोड, किर्की पूना -- 3

(अन्तरक)

(2) श्री पंरवर्षीय वर्षीम 3 बम्बई प्रा रोड. किकी पूरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी जिन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो। के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्व्यरा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रस्वत शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसाकी रमीस्ट्री न क० 37ईई/979/85-86 जो जुलाई व 1985 को नश्यक अध्यक्तर श्रायुक्त दिशिक्षण, अर्जन ले रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयवार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रनेन रेंज, पूना

दिनांक:- 28-1-1986

मोहरः -

- ___ ______

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ======

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांच 10 फल्परी, 1986

िर्देश सं० 37ईई/ 1611/85-86-- श्रतः मुझे, **श्र**निल कु**मा**र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं जाद नं 32. एक - 2. विग उस मंजिला, महावीर कार. कान्येव में 19/1,2,3,4,5,और मर्वे नं 12/7, मानाडा रोड, डोम्पीवली. (ई), थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्णकप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अजिलाती के कार्यालय, , सहायक आयकर आयुका (विरंजा) अर्जनरें च-मा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के सर्वात, तारीख जुलाई. 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क), अन्तरण सं हुई जिसी आय की बाबत, उपछ निभिन्नम के अभीन कर देने के बन्तरक बे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृविधा के लिए; और/या
- (क) स्ति किसी बाय या किसी धन या वन्य बास्तियाँ करें. जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता वाहिए था, जियाने में स्विधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुस्रक भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जैन विल्डर्स छेडा मुबन, 4वां मंजिल, 93 स्रत स्ट्रीट बस्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नामदेव आ र सावंत, बी०आई० टी०, ब्लाक नं० 1, पहला मंजिला, रूम नं० 90, माझगांव, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियाँ भं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा एरिस् भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उद्ध अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि सं० 37ईई/1161/85-86 जो जुलाई, 1985 को सहाएक आथकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन-रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, पूना

तारीख: 10-2-1986

്രായ്ക്കുന്നു വിത്രം sank assints in in mouse into income in the second of the second interest in the second assistance where

प्ररूप आर्ड . डी . एन . एस . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज : रेंच, प्राप

पूना, विशेक 10 फड़ारी 1986

निर्देश सं० 37ईई/1491/85-84-- १७: भ्*हे.* क्रालि कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' ब्ला प्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार। को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पति, विज्ञा उचित्र कारण स्ल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्याद वं ० १. १ तम रिला में एसन ६० ए- १८ १ हैं। एसन ६० १८ १ हैं। एसन ६० १८ १ हैं। एसने ६० १८ १ हैं। एसने ६० १८ १ हैं। एसने हैं। एसन

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दान के उन्तरक के

दायित्व मं कमी करने या उससे बचन म

के लिए; और/या

सविधा

बौज एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(स) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों स्त्र, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवासनाय अत्राज्य दुलार तकर कर किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, कियान मा स्विधा के लिए;

त्रातः अतः, अक्त अधिनियम गरी भागा १८००म के अध्यस्त्रकः वा भौ प्रयोग अभिक्षेत्र प्रवेश १८०० । वर्षे १,००० हो को अभीतः विस्तृतिशिक्षरः विस्तृति अर्थाह्य

- (१) श्री एस० श्री १० ठाजुर । मार्फात तसर्व श्रम्बा अन्स्ट्रकान्स यशवंदी बिल्डिंग, राज मारूवी योड, कास लेव, नं० 4, नवपाड़ा, थाना (श्रन्तरक)
- (2) क्षेमती ज्याति एच० सम्पूरा, 11 एका निवास, एम० पी० लोड, नवपाड़ा, थाना ।

(अन्तरिती)

न्यं यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिलों शुरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अजन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींग।

्षण्डाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्सूची

होंगा हि राजिस्ट्रीकृत कर संर अहाँई, 1497, 85-86, जो तुनाई 1985 है प्रश्निक व्यायकर ऋष्युक्त निरीक्षण अर्जन-रेंग प्राके सन्दर्भ विकासमाहै।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

1.777 : 10-2-1986

सहिदः

त्रस्य बार्ड. टी. एवं, एवं विकास सम्बद्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा अधिक की भारा को अधिक क्षिण क्षिण

STED EVER

कार्यालय, गहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

बालकता, दिनांक 14 फ.चरी, 1986

िर्दोग सं० एर्सः-3.4/एक्यू-प्राट०- IV_{\parallel} कल/85-86---प्रतः नुझे शेख नईमृद्दीन

आयं कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उवत अधिनियम कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी में १ 246 (60) है, जो जी० टी० रोड़ में कलकत्ता में १४४त है (और इससे आवद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से मिलते हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय कानकता में भारतीय अजिस्ट्रीक ण अधिवियम 1908 (1908 का 16) के अधिकार सारीख 3 जून, 1985

का पूर्विव सम्पत्ति क उचित शाजार मृत्य से कम के स्रयमान अतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यभापृतीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया मृति उस जिस्सिति के अपूर्विक से स्वतरण के लिए त्य पाया ग्या प्रति उस विकास के स्थाप के स्थाप स्थाप है कि स्थाप स्थाप स्थाप है कि स्थाप स्

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यान, निस्तिविद्यत व्यक्तियाँ, मणीत द्व-

- 1. मसर्भ बजरंग्याल एन्टरश्रङ प्रा० ति.० । (अन्तरक)
- 3. श्री शि**ब** चन्द्र नुभावपन्द्र।

(शन्तिरती)

का यह स्थान बारी करके पृथा कर सम्योत्य के वर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाधार --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंद या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के सध्याय 23-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

प्लाट—6000 वर्ष फीट । प्रा—246(66) की० टी० रोड़, लिलुदा, श्वांड़ा दलिल सं० 1985 का 3079।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सह।यक धायक∹ धायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्वन रेंज-4, कलकक्ता

तारीख: 14-2-1986

The summer of th

ा. श्री: जयंतः जिलानीः।

(ग्रन्तरक)

2. डा० मिसेज कमलावुमार एवं मिसेज सजानि मुखर्जी। (अन्तरिती)

बारकर शंधारयम । 1501 (1901 की 43) की भाग्र 269-व (६) के अधीन स्थाना

भारत सरकता

कार्यालय, उहायकं अथकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्ब : रेंब-४, क्लान्त

कत्रहता, दिर्शक 😘 🥫 व 🤼 🗸 986

निर्देण मंत्र भीत्र ए०/४८५-४६ एक पत्र:160/आई० ए० नी०/एका० भारत-गामक न्यास ती, भीत ईम्हीत अयिकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें **श्वर**े पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पयः हो), की **धारा** 269-ए क वर्धन रक्षा अधिक १००० । विद्या करते क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता प्रतिस्थ बाजार मृत्य 1.00,000/- रा से अधिक हैं

और भिमार तंव अ/उए है पाताल और तिलेन, उलकत्ता-26 में स्थित है (ओं डार्ट) ावर अनुभूची में भी पर्ण कर ने वर्गित है), जिस्ट्रीयनी अनिवारी के वार्गात्य आई० ए० सं१० वर्ष: रेब-३ शलकानः वे ना तंतः तिस्ट्रीफरण श्रधित्यम, 1908 (1903 का 16) 🗦 😘 😘 वारंग 🗵

का पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उपित बाजार ग्रूप स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित *1 विश्वास करनं का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसकी हरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उनत अंतरण शिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, उक्त नां भीनरमं के भेनाल धार दल के सन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व शिष्टः क्यार प
- (स) एसी किसी आय या किसा अन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारताय का कर कर का रामिक, 1922 (1922 का 11) ने जन्म गोर्योगाय मा धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया ज्ञाना चाहिए था फियाने घा श्रीजया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सुचन। बारो करके पुवा कि सम्पत्ति की वर्जन को विष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेष् अ-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया THE KAL

वन्स्ची

8/20 जौरंगी लेन, कलकना-26 में श्रवस्थित मकान का दूसरा तल्ला में फ्लेंट नं० 2 जिसका आयतन 753 वर्ग फीट और जमीन का अधिमुक्त हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए०3 के श्रनुसार 2-6-85 तारीख में रजिस्टर्ड हथा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2-कलकता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस.-----

जायकः । अधिनियमः, । 961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देण मं० सीं०ए० 4/85-86/म०एल०-1163/आई०ए० सीं०/एकपू० ग्रार०-I कल---ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से निष्क हैं

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 28 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में
स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में (और पूर्ण कर से
विणा है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय में आई० ए०
सी० अर्जन रेंज-2 कनकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्थीत, तारीख 3 जूर, 1985
को प्रोफ्त संपत्ति के उचित बाचार मूच्य से कम के दुष्कमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा प्रोक्त सस्पति का उचित बाबार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उददोष्य से उस्त अन्तरण लिखत

में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्र/या
- (क) एसी कियी जाय यह जिली धन या जन्य जास्तियों करें, विकार नारतीय आयानक क्षितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इविभा के लिया

वृत: ग्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित स्थिकाओं, अर्थात क्र--- 1. वसर्व पुरव ितिपार विमिटहा

(अन्तरक)

2. भूपार्थ भूषा खोंसला एवं मिस ड० अनिता खोंसला। (ऋनभिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सराति के अर्थन के संबंध में कोड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्रि 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवेंक्स यहिएकों के से समाप्त होती हो, के भीतर एवेंक्स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति इवाय, अभोहस्ताक्षरी के पाड निकास में दिए वा सकेंगे।

ल्पस्टीकरण ---इसम् प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही नर्थ होगा जा लग अध्याय में दिया गया ही।

अन्सची

28 ए आई स्ट्रीट, कारणना में शवस्थित मकान का 5वी मंजित में अलाट नं 50एक दा उप का छात जी सक्षम प्राधिकारी (स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 क्लकता के पास निध्यिल नं सी ए० 4 जो 2-6-85 में रिजर्ट्ड हैं।।

शेख नईमूई।न सक्षम प्राधिकारी महायक शायकर छायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-२, कलकत्ता

तारीव: 14-9-86

मोह∵ः

प्ररूप प्रस् टी, एन, एक, ----

हायकर आधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशांस्य, सहायक अत्र अर वायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्य १२४-१ वासकत्ता-16 वासकत्ता-१६, ति एव १५ फरवरी, 1986

िर्देश नं० रील्ए - / 85-36/एम०एन०-1164/1

अतः पुझे, शेख नई मृद्दीन बाबकर अभिनियम, 196: (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के उपनि सर्वाप किया जिल्ला उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

और जिमकी नं जै ए है तथा हो मधना स्ट्रीट कलकता-17 में मियर है (और इसी उधाबद अनुभूनी में और पूर्ण का वि बिंग है), विद्यालिक को कार्यक्रा के कार्यक्रिय माई एसी, एस्ट्रू पा :-) जिन्हों के विद्यालिक आधिविम, 1908 (1908 का 16) के जोगी वार्यक्ष 3 जून, 1 85

को पूर्विकत सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह ब्बिनास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं,, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं इतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोध्य से सकत अंतरण लिखित में बास्काविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कड़े अस्तरण ते हुई किसी गाय की वायक, उपक अधिनियम के अधित कर दोने के जन्तरफ की याधिण्य मो कमी करने में उससे वचने में सविधा की शिष्ट: और/बा

सत: अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जन्तरण भो, भी उटा अधिराज्यस की भाग 260-घ की उपध्यक्ष (१) हो अधीर् विस्तिनिकत क्षानितयों अभात हु--- श्री स्वाराह्या वात्र काग-अवाल और पूचरी।
 प (श्रन्तरक)

2 श्री हरी अग चौधरी और दूसरा।

(असिन्दी:

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मास्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काछप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अपिए या तत्मम्बाधी व्यक्तियों उर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व क्या अवध के के कि कि कि का क्या अवध के के कि कि कि कि का क्या अवध
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अगर स्थायन गरमों ते में हित बहु में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकें

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं वर्ध होंगा, जो उस अध्याय में जिल्ह सवा हैं।

श्रन्युची

6/1ए, मयरा स्ट्रीट कलबना जाट यं० 601, मात तरनापर मक्षम प्राधिकारी (महायब धारकर धायुक्त निरीक्षण) यर्जन रज-1, कलकना के पास सिरियल मं० सी० ए०-७, 13 6-85 तारीख ने र्यास्ट्री हुया ।

> भेख नईमुई.न गाम पाधिकारी महायक श्रायकर श्रायूका (निरीक्षण) गर्नेन में न-1, कलकत:-16

तारीख: 14-2-1986

प्रक्ष बाह¹.टी.एन.एस.-----

वायंकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकता-16, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सीए०-5ए०। 85-86। एसएल-1165। माई एसी। एक्यू० श्रार-1/कल०----श्रतः मुझे शेख नईम्हीन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्छ अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-**थ क मधीन सक्षम** प्राधिकारी की, यह विज्ञास करने जा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० 8(8) है तथा जो आजर्य जे० सी० बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाचद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याल माई ए० सी० एक्यू० धार-1 कल में रजिस्ट्रीकरण शिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 ज्न, 1985 को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्ड से कम के दश्यज्ञान प्रतिफल के लिए अफ्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुस्त, उत्तक स्वयंत्रान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के

वन्तरक प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्वरिती (अन्तरितियारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाया गका प्रतिकल, निय्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्थ विविधत में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गयन हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में मिविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्त्रिया की, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक कैं. मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10-496 GI/85

- 1. मेसर्स डिलाईट प्रोपर्टीस प्राइवेट और दूसरी। (ग्रन्तरक)
- 2: मेसर्स कलकत्ता टिचे और फाईवार लि०। (अन्तरिती)

को बह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वान के राजधन के अकासन की तारींस से 45 दिन की नविध या तत्त्रस्वनंधी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध वाद के सवाद होती हो, के भीवर प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनास;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र के प्रकाशन की सारित्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति ब्वारा सभोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किस्स का वक्त के।

स्वयद्वीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और वदों का, जो सक्त अधिनयश के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में दिवा स्वा है।

अनुसूची

(8) 8 म्राचार्य जे० सी० वोस रोड़, कलकत्ता फ्लेट 3083 वर्ग फुट म्राठ तल्ले पर सक्षम प्राधिकारी (सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० 5ए, 7/6/85 तारीख से रजिस्ट्री हुम्रा।

शेख नईमुद्दीन, सक्षम⁶प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-1

तारीख: 14-2-1986

वक्य वार्'. डी. एन. एड. प्रत्यान

बादका विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन त्चना

कार्यास्य, बहानक नायकर मान्नव (विद्वालक)

प्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकता. दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश नं० टीश्रार-143/85-86/एसएल-1166/**ग्राई** ए० सी०/एक्यु० श्रार०-1/कल---श्रतः मुझे शेखर नईमुद्दीन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें इसकें पश्चात् 'उनत निधिवयम' बहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिल्ला उचित वाचार तक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 222 है तथा जो लेनिन सरणां कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उनावद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अस्यकान प्रतिकत के निष् बन्तरित की गई है बार मृत्रे वह विक्यास करने का कार्य है कि यमाप्योंक्त संपत्ति का अधिक वाचार ब्रुच्य, उसके अध्यमान प्रतिकत से, एसे अस्यमान प्रतिकत का बंध्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्त्रितिकों) के बीच एसे अन्तरम के सिष् तब पावा द्वा प्रतिकत, निम्मिकिंवस उद्युविक्य से उच्य बन्तरम् निष्टित में वास्त्रिक रूप से किंका महीं किया वहा है :---

- (क) क्यारम् वे हुई किसी शाव की बक्का उपक विविद्यक के अधील कर दोने के अस्ताहक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के सिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिल्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, दा बन-कर विधिनियम, दा बन-कर विधिनियम, पा बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के शिवह;

शंसः सव, उनतं निर्धानियमं की भारा 269-य के समृत्यरण को, यो उनतं निर्धानियमं की भारा 269-य की उपभारा (1) को अर्थाय, जिल्लासिसिस व्यक्तियों, समास अल्ल 1. श्रीमती पभिनी घोष।

(अन्तरक)

2. श्रो बिमात चन्द्र राय।

(अन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त बक्षरित के बर्चन के क्ष्यरूप में कोई भी नामीप :---

- (क) इस स्वान के एकपृत् में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 विश् की संबंधि वा तत्त्रकारणी व्यक्तियों पर सूचका की तासीय से 30 विन की नवधि, यो भी नवधि बाद में संबंधित कोती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वास;
- [क) इन्ह स्थान के सक्षपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के श्रीवर उक्तःस्थावर सम्मारित को दिनवर्ष किसी कन्म क्याँकत द्वाच कथाहिस्ताकारी के तिस लिखित मों किए जा सकांगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

222, लेनिन सारणि, जलकत्ता में अवस्थित जमीन तथा मकान आधा हिस्सा जो सब रिजस्ट्रार अव असूरेनसेस के दफ्तर में डीड नं० I-9209 के अनुसार 26-6ब85 में रिजस्ट्र हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

क्ष्म मार् व टीव प्रव प्रकारकार

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुखना

HILD SECTE

थार्यास्य, बहायक वायकर बायुक्त (विद्वीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सी०ए० 17/85-86/एस०एल०बा 167/1 म्राई ए० सी०/एक्यु० आर०-1/कल—अतः मुझे शेख नईमृदीन मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 28/1, है तथा जो शेकसिपयर सरणो, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसने उपावद्ध अनुसुचो में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-2 कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24, जून 1985 को पूर्वोक्श संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पूर्ते दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य दे उचत अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तरुष सं हुई विस्ती बाय की वाबस, उसा अधिनियम के अधीन कर दोने हैं बन्तरुक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) होनी किसी बाध या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने वें सुविधा वें जिए;

वतः वषः, उवतः विधिनियमं की धारा 269-ग की वनुसूरण में में में एक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उरभारा (1) वे अधीन में चिचनिविविव व्यक्तियों हा अर्थात् हिल्ल

- 1. मेंसर्स साईकोट्टा रि० को० लिमिटे। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स अन्नपूर्णा कर्मासयल को० लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो और जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में टे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्वितिस में किए दा सकेंगे।

स्वाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कः विश्वित्यम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

28/1 शेंकसिपयर सरिए, कलकत्ता में अवस्थित मकान का प्राउन्ड फ्लोर फ्लेट नं० 1,2,3 एन्ड 4 तथा 6 कार पार्किंग स्पेंस जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; कलकत्ता के पास सिरियल सी० नं० ए० 18 के अनुसार 24-6-8 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता+16

तारीख: 14-2-1986

प्रारूप आई.ट्ये.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बाव्यत (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 14 फरवरो, 1986

निर्देश सं० सी० ए० 15/85-86/एसएल 1168/आई ए० सी०/एक्यु० आर०-1/कल--अतः मुझे शेख नईमुद्दीन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धार .69-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इत्तरी उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से चिंगत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25 जून, 1985

भी पूर्वों कर सम्मिति के उचित बाबार भूल्य से कम के क्ष्यधाथ प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट उसकी क्ष्यमान प्रतिफल का लेख क्ष्यमान प्रतिफल का लेख क्ष्यमान प्रतिफल का लेख प्रयमान प्रतिफल का लेख प्रतिकात से अधिक है और . श्रेक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया गिरफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में अस्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) बन्दरम हं हुई किसी बाय की बावत , उक्क वीपनिवृद्ध के ब्रुपीन कर दोने के बंदरक के सहित्द में कृती कहते वा उन्नचे बचने में बृहित्था कोलए: बीर/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी ध्व वा बन्य वास्तियों को, बिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर व्यक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंतरिती द्वारा जकट नहीं किया यमा- वा या किया वाना वाहिए वा, क्रियान में सुविभा के किया;

क्षक्र मुंब; उक्तः विभिनियम की भारा 269-ग के वनुवरण के, में, शक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है वभीन, निम्मतिखिद व्यक्तियों, वर्थाट :---

1. श्री गिरीराज रतन सादाती।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल के०/ग्रो मेसर्स रामजुम बांडास एण्ड होलिगस लिमिटेड।

(अन्तरिती)

का नह स्थान आही कड़के पूर्वोक्द सम्परित के सर्वन से किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏗---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की नविष या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों बहु सूचना की तामीन से 30 दिन की ब्विध, को भी ब्विध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारह;
- (व) इस स्वना के एकप्त्र में प्रकासन की तार्तिक से 45 किन के भीत्र उक्त स्थावर सम्मति में हितककृष् किसी बन्य स्थावत द्वारा, बभोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्पार्काकरण :---इसमें प्रमुक्त कल्यों औड़ पदों का, वा उससे विश्वास की कथ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विवा गया हैं।

जन्सडी

20, लार्ड सिन्हा रोड़, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति फ्लेट नं ।-सी (ब्लाकसी) सरवेन्ट क्यार्टर एवं कार पाक्ति स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं सं सी ए० 15 के अनुसार 25-6-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

ो**ख** न**ईमु**द्दीन

रक्षम प्राधि गरी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मक्त्र नाइंस हीत एक एक क्व

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायका (निर्वासक)

ग्रर्जन रेंज-। कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

ग्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो श्राचार्य जे० सी० बोस रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय 1 ए० सी० एक्यू० ग्रार० 1/कल में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7 जून, 1935

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त तंपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय नावा नवा प्रतिकृत्त, विश्वतिक्षित स्वृद्धित से उस्त अन्तर्ण मिश्रित में वास्त्विक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोन के कन्तरक खें दावित्य में कभी कहने या उत्तसे वसने में ब्रुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योज्नार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

सत्तक सव, उत्तं वर्धिनियम की धारा 269-ग से बन्तरण में, मं, उत्तर विधिनियम की कारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात ु—

- 1. मेसर्स डिलाइट प्रोपटिस प्राइवेट लि० ग्रौर दूसरे। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स अनदामान टिमवार इंड्रस्ट्रीज लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यनाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के हाबपत्र में प्रकाशन की ताड़ींब से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निधित में किए जा सकी।

स्पाक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा में हैं।

अन्स्ची

(8) 8, श्राचार्य जे० सी० वोस रोड़, कलकत्ता 8 तल्ला पर प्लाट 4740 वर्ग फुट प्लाट, सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० 6 सीए-6ए 7,6/85 तारीख से रजिट्र हुस्रा।

शेख नइमुद्दीन सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1 कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रका आईं.टी. स्व .एव----

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० ए० 12/85 86/ए सएल 1170/1 ए० सी०/एक्यु० श्रार 1/कल--श्रतः मुझे शख नईमीमुद्दीन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाव 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायद सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो पाक स्ट्रीट कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ए दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिवित्र उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिविक्ष इप से किथन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें आरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा वा किया जाना जाहिए था, ज्याने में सुरुवधा के बिवह;

मक्षः स्वयं, उपते विधिनवमं की धारा 269-म को सनुबरण में, में, उपत्र विधिनवमं की धारा 269-म की स्वयारा (1) में समीका निकासिक माणियनाँ। अर्थाव ह— 1. मैसर्स कडिट कारपोरशन लिमिटेड।

(म्रन्तरक)

2. मैंसर्स युनाइटेड नेशनल एंटरप्राइसेज।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इतमें प्रयुक्त ज्ञन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के बध्याब 20-क में परिशासित है, कही वर्ष होगा, जो उन्न अध्याब में दिवा गना है।

अनुसूची

24 माक स्ट्रीट कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान ग्राउंड फ्लोर में दुकान घर नं० 6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 12 के ग्रनुसार 22-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-1 कलकत्ता 16

तारीख ! 14-2-1986 मोहर !

मुख्य बार्'.टी.प्य.एस..----

बायकर ब्धिनियुज्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सहकाह

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1; कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी, 1985

निर्देश सं० सी० ए० 1 ए/85-86/एसएल-1171/1 ए० सी०/एक्यु० ग्रार-1/कल - ग्रतः मुझे शेख नईम्हीन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्का प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 है तथा जो लार्ड सिन्हा रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई सी० म्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 जून, 1985 को बुवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है 🏻 —

- (क) अन्तरुष वे हुई किसी बाव की बावत, उपत बाध-वियम खैं बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बार्/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः कथ, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की वन्तरूष में, में उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 मैंसर्स कुन्दन एवं इंदुनाती एवं म्रन्याय । (अन्तरक)
- 2. श्री रूपचन्द छासार एवं ग्रन्थाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

एक्स् सुम्पृतिस् के मूर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी नाकोप् 1---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की वर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्बाध, जो भी वर्बाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरनः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः जिथिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

अन्सृची

1/1 लार्ड सिन्हा रोड़, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का 7वाँ तल्ला में पलाट नं० 7डी जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० 14 के श्रनुसार 24-6-85 तारीख में रिजस्टर्ड हुश्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रकृप बाइ'. टी. एव. एस.----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्राक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० ए०13/85-86/एसएल-1172/1 ए० सी०/एक्यु० ग्रार-1/कल--ग्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4%) (जिसे इसमें सब्दे पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो ग्राचार्य जगद्रीश चन्द्र बोस रोड़ कलकत्ता-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय ग्राई० ए० सो० ग्रर्जन रेंग-1 करकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-निथम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमानंत्रतिकन्ति, ऐसे दृश्यमानंत्रतिकल का पण्डही मितिश से प्रक्रिक वीर क्लार्य (अग्तरकों) और क्लार्य ती (क्लाबितियों) के बीच ऐसे क्लार्य के लिए तय पाया बया प्रक्रिक विक्लाबितियों उद्देश्य से जन्त प्रमुद्ध के लिए तय पाया बया प्रक्रिक के किया वर्ग के किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक्क, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ब्रीडि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा चा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सविधा के किए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैं उर्त डीलाइट प्रापर्टी प्राइवेट लिमिटेड एवं इंडस्ट्रीज बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैससे एस० जि॰ एस० इनम टमेंटस लिमिटड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष ह---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बहुध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्युक्तीकरण : इसमें प्रयुक्त कब्दों जीह पदों का, वो उक्त विभिनियम, के सध्याम् 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा वो उस सध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

8, ग्राचार्य जगदीश चन्द्र वोस बोड़, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 8वाँ तल्ला में 615 वर्ग फुट ग्रायुक्त का आफिस घर तथा जभीन का हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 13 के ग्रनुसार 24-6-85 में रजिस्टड हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-86

हरून बादं हों हों स्पर् देखा हरान

1 श्रीमती पद्मावती सुवान्ति।

(भ्रन्त्रक)

2 श्री श्रशोक कुमार चन्डक।

(भ्रन्तरिती)

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बर्धन सुक्ता

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सी० ए० 18/85-86/एसएल-1173/म्राई० ए० सी०/एक्यु० म्रार०-1/कल----म्रतः मुझे, शेख नईम्ई।न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 35/1 है तथा जो चौरंगी रोड़, कलकता-72 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजर्स्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकता में रिजर्स्ट्रांकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंनी किसी बाव या किसी धन या जन्य जास्तियां कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उपन शिधिनियम, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया. खाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

कर्तः अस्य, रायत कितिभियम की भारा 269-एन के अनुसरक में, भी, अक्त अधिभियम की भारा 269-क की उपधारा (1) ने स्थीन, विक्रितिशिक्त व्यक्तियों, वसीत — 11—496 GI/85

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध वें कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

बन्स्ची

35, 1 चौरंगी रोड़, कलकता-72 में श्रवस्थित मकान ''कैलास'' का दूसरा तल्ला में श्रवस्थित फ्लैंट नं० 2 (श्राई) जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकता के पास सिरियल नं० सि० ए० 28 के श्रनुसार 27-6-85 तारीख में रजिस्टर्ड हुश्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर 🖁

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बाबकः किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरंक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-2, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14. फरवरी, 1986

निर्देश सं० सी० ए० 10,85-86, स ल-1174 स्राई० ए० सी०,एक्यू० स्नार०-1,कल---अतः मुझे, शेलः नईम्हीन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित दाजार पूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी मं० 223 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकता में स्थित है (और इससे उशाबद्ध प्रतुम्ही में द्यार पूर्ण कर से वाणत है), राजियद्रीकर्ता प्रधिकार्त के कार्याक्ष्य प्रई० ए० सी० अर्जन रेंज-1 कलकता में, राजिस्ट्रीकरण प्रविनिधम, 1908 (1903 का 16) के अवीन, तार्राख ४। जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य में क्या के उश्यक्षता प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्बोंक्त सम्पत्ति का लिए तालल मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया थया है:—

- (क) बन्तरण संहूद' किसी जाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचारे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी पन मा अन्य मास्तिय को, जिस्हों भारतीय आयकर अनिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर, अधिनियम, १९५७ (1957 का २२) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, िनिकिक व्यक्तियों, अधित

- भेगर्य चे० बी० मार्केटिंग एण्ड गतमनेम लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2 भेमर्स जनप्रिय फाइनेन्स एण्ड इंड्रिस्ट्रं.यल इनवेस्ट मेन्ट (इंडीया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पृति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्थब्दीकरणः--इस्में प्रकृति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

प्रनुसूची

113, पार्क स्ट्रीट कलकता में अवस्थित महान का एवा तस्त्रा में युनिट नं० ए जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक भायक: आयुक्त निराक्षण) अर्जन रेज-१, कलकता के पाम सिरियत नं० मं० ए० 10 के अनुमार 21-6-85 तारीख़ को रजिस्टई हुआ।

शेख नईनुईःन सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्भन रोज-। कलकत्त-16

नारीख: 14-2-1986

प्रारूप बाईं.टी. एन. खस.

सायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, तहावक भावकर भावकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० टी० श्रार०-156/85-86/एसएल-1-175/आई ए०मी०/एक्वु० श्रार-1/वाल-- स्त्रतः मुझे लेख नईमुद्दीन सावकर गीभिवन, 1961 (1961 का 43) (विषे रुवरे एक्के भ्रम्भव जिन्ह विधिन्तव महा नवा है), की पर्भ 269-व के अभीन समय ग्राधिकारी के वह विस्तात काने का भावन है कि स्थादर संपत्ति, विवका स्थित वाचार न्स्य 1,00,000/- रा. ते गीधक हैं

और जिसकी सं० 2ई है तथा जो तर लाल दे स्ट्रीट, कलकार में दिया है (ओर इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने धींगा हो), रिक्स्ट्राकर्गा प्रशिक्तारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्राकरण प्रशिक्तिम 1903 (1903 वा 16) के अवीं।, सारीय 19 जूं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्छि बाबार मृत्य से कम के स्रयमान अतिकार के जिए अर्जार्स की गर्ड है और मुक्ते वह विकास अर्ज का कारण है कि स्थाप्जीवत संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके सम्बन्धन प्रिक्त है, ऐसे स्थामान अविकास का एन्स्र प्रतिवार से अधिक है और नन्तरक (अंतरकाँ) गरि अंकिस्ती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरम् के जिए तम पाम क्या प्रति-स्का निम्नक्तिवाद उप्टेश्य से उच्छ अन्तरम् निचित में बास्त-िश्क क्य से स्थित नहीं किया नवा है:—

- कि अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावस, जका सीपनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के वासिन में कभी करमें या उपले क्यमें में इतिथा के बिए: थीर/या

जन: थव, **डक्ट व्यपिनियम** की पारा 269-य के, बन्दरण भी, भी, उक्त विधिनियम की शख 269-च की उपधाय (1) के बधीन जिम्मिसिस व्यक्तियों वर्णात ह— 1. श्री वेजेन्द्र किंकर पाता।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कृष्त्र दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वीयव सम्परित से वर्षन से हिस्सू कार्ववादियां मूख करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की नवींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पद बूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीत जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्चीं

2ई, दरलाल दे स्ट्रीट कलकत्ता 2 कठे जमीन साथ मकान दिलल सं० 8338, तारीख 19-6-1985।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख :14-2-1986

प्रस्य बार्ड. टी. एन ु एस् व व्यापनावाता

बाधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म् (1) के व्यीन स्पना

PICE SERVE

शार्थांसय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० टी० आर०-151/85-86/एस० एल०-1176/ आई० ए० सी० एक्यु० आर०-1/कल०----आतः मुझे शेख नईमुद्दीन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 112 है तथा जो डा० मुन्दरी मोहन श्रभिनु' कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपावद्ध श्रनुम्ची में औ पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन तारीख

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिष्ण बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्तित बाबार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नसिवित उप्रोक्त से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक इस से किथत नहीं किया गया है है—

- (क), अन्तरम् ते हुई हैं इसी बाय की वायत क्या वाय-निवस्त से क्यीव कर दोने के बन्तरक से वायत्य में क्रमी करने वा उत्तर्व व्यवने में सुविधा के निए; ब्रोड़/या
- (व) एती किसी जाव वा किसी वन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जीधिनियम, या धन- कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे अवोचनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट वहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा वी किया वी किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा

अत् अवः उक्त बर्धिनियम की भारा 269-म में अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

- 1. (1) श्री जगचनधु देच।
 - (2) श्री प्रणव कुमार देव।

(अन्तरक)

श्री नाराथन प्रसाद अग्रघाल और दूसरे।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:---

- (क) इस त्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्र नित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिव विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

अतस की

112 डा० सुन्दरी मोहन एभिनु कलकता 2, **के०-**3पी० एच० जमीन साथ **म**कान । दलिल सं० 8336 तारीख 7-6-85।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-54, रफी ग्रहमदिकदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश मं० टी॰ ग्रार०-1 39/85-86/ एस॰ एल॰ -1 177/ ग्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰ रेंज-।/कलकत्ता--- ग्रटः मुझे, शेख नई मुद्दीन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11 है तथा जो सरोजनी नाइडू सारनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वलरत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) के। 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री वीरेन्द्र चन्द्र गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) अनुदारण प्रोपरटीज प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11, सरोजिनी नायडू सरीन, कलकत्ता । 7के-4सीएच०-जमीन के साथ मकान । दलील सं० 8693, तारीख 15-6-85

> शेख नइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर 🖁

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) थी सौमेन्ट्र चन्द्र गुप्ता ।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री प्रमोद कुमार खैतान ।

(ग्रन्तिरती)

भारत सरकार

अवालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रें ज, तलदत्ता

क्या हता, विना : 14 फ़रवरी 1986

निदेश सं० टी० म्रा२०-153/ 85-86/एस०एल०-1178/ म्राई० ए० सी०/एक्यू०रें ज-।/२लवत्ता-- म्रतः मुझं, शेख-वइमुद्दीन,

अायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंतक प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. सं अधिक है

त्रोर (ज की सं० 11, है तथा जो राजन स्ट्रीट, एलकत्ता में स्थित है ग्रांट इस उपनवद्ध अनुभूची में और पूर्णक्य से विणत है), जिस्ट्री- तो अधि एरी के ए. य्रांलय, एक. त्ता में रिजर्ट्री- ए अधिनियम, 1908 (1908 ए 16) के य्र्यांन तारीख 15-6-85 को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी काय मा किसी भव या अन्य आस्तियों को, भिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे डिए;

कतः शव, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में. परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

6के−12 सी०एच०**~जै**मीन के साथ म।कन । 11, राजन-स्ट्रीट, कुलकत्ता । दलील सं०−8725, तारीख़ 15-6-1985

> णेख नइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

वारीख: 14-2-1985

इस्प् बाइं.टी.एन्.एस .-----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्(1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, गलि ता बलकत्ता, दिनांक ाय फ़रवरी 1986

निदेश सं० टी०श्रार०--142 /85-86/ एस०एल०/1179/ श्राई० ए० सी० /एक्यू०रेंज-]/टलरत्ता —-ऋ८ मृत, शेख-नईमहीर,

कायकर कि शिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार, 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से बीधक हैं

ग्रीर जिल्हि। सं० 222, है, तथा जो लेनिन ारीन, एलकत्ता-23 में स्थित है (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुभूकी में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), शिजर में कर्ता अधिकारी के रायालय, एस०ग्रास ए० १ सर त्ता में, रिजिल्ही करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-6-1985

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंकरक (अंतरकरें) और अंतरिती (अंति सित्यों) के बीच एसे अंतर्ज के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक ल्प से किथत नहीं किया नया है है==

- (क) बन्दरण से हुइ किसी बाय की शबस, उक्स क्षितियम के सभीन कर दोने हे अन्दर्क के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था ण किया बाना चाहिये था, स्थिपने भी स्विधा के किए

सतः ४४. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यम (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति छबी रानी घोष ।

(अन्दरक्)

(2) श्री प्रभात कुमार राय।

(अन्वरिती)

्का यह सूचना चारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थर के निध् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत संपत्ति के दर्बन के संबंध में कोड़ भी जारांच

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है। 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, अं भी र पूर्वे कित विभिन्न से किसी स्वित हमाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

222 लेनिन सरीण, रुलकत्ता में औप स्थित 22 काठा 2 छिटां ह 30 वर्ग फिट जमीन तथा महान का ऋधा हिस्सा जो अब रिजिस्ट्रार अब एसुरेन्सेज एल त्ता के पास डीड नं०-1 9208 के अनुसार 26-6-1985 को नारीख में रिजिस्टर्ड हुआ।

> शेख नइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, रलकत्ता

नारीख: 14-2-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता क्लकत्ता, दिनांक 14 फ़रवरी 1986

निदेश सं० टी०ग्रार०-140/ 85- 86/एस० एल०-1180/ ग्राई० ए० सी2/एक्यू० रेंज-I/कलबत्ता-- ग्रतः मुझे, शेख-नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो ग्रक्तिण्ड, स्कोपर, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याल्य, एड ० ग्रार० ए०, कलदत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-6-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक म से किथत नहीं किया गया है:---

- अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमति सुभद्रा धर ।

(अन्तरक)

(2) सुर्य कांत मेहरा एवं श्रीमति शालिनी मेहरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से.
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

2, ग्राकलैण्ड स्कोपर, कलकत्ता में ग्रब स्थित 2 बीघा 2 छिटांक 6 वर्गफिट, जमीन तथा मकान का 2/22 हिस्सा जो सब-रजिस्ट्रार ग्रब एसुरेन्सेस कलकत्ता के पास दीड नं । I-8067 के ग्रनुसार 2-6-1985 तारीख में रजिस्ही हुग्रा।

शेख नइ^{*}मुद्दीन सक्षम प्राधिदारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निदेश सं० सी० ए० -16/85-86/एस० एल०-1182/ग्राई० ए० सी० /एक्यु० रें ज-I/कलकृता--- श्रतः मुझे, शेख नई-मुद्दीन,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्चित क्यांगर मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० 83 है तथा जो दुर्गाचरन डाक तार रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकां श्रिधकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यु० रेंज-I, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए बय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यर्थात् :---12-496 GI/85

(1) श्री विनय लाल घोष, लीला घोष।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल कुमारी देवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र तें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

83, दुर्गाचरन डाकतार रोड, कलकता 1 आई० के०: 14 सी०एच० 30 वर्गे० फिट, जमीन के साथ मकान । सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर निरीक्षण) अर्जनरें ज-1, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सीए-12, 22/6, 86 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-2, कलकत्ता

दिनांक: 14-2-1986

प्रकृप बार्ष ् टी ु एन ् एस्

भाषकड विधिनियम् (1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (१) के मुधीन सुम्बन

HIST TRUE

कारीकर् तहायक नायकर नायकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रें ज-2. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निदेश सं० टी० म्रार०—150/85-86 |सीरियल नं० 1181/म्राई० ए० सी०/एक्यु० रेंज-I/कलकत्ता —--ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्ताके पहुचाल 'उनत नींधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का महत्व हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उरित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से नींधक हैं

और जिसकी सं० 23 है तथा जो राधा माध्य णाहा लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्म से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरका को दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (म) इसी किसी अन्य या किसी भन या अन्य आस्तियां की किन्ह मास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, सर दा-कर अधिनियम, सर दा-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिस्ती क्वास प्रकट नहीं किया गया का वा दिन्या जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किस्

क्का कर, कर विभिन्निम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., कर जिपिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रीलक्षी नारायण जिउ ठकुर एवं श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्री लक्षी प्रसाद साव एवं ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन वे लिए कार्यवाहियां करुता हुई [1]

बबत संपत्ति वो बब्देन के संबंध में कोई शी जालेप ह---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीच के 46 किन की ज़र्वीय या तत्त्वम्यन्त्री व्यक्तियाँ पर सूचना की तक्त्वीत से 30 किन की ज़र्वीथ, वो भी अविध बाद में समान्त होती हो. के भीतर प्रवित्त व्यक्तियाँ में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकरेंगे।

प्रनुस्ची

23, राधा माधव साहा लेन, कलकत्ता में अब स्थित 2 काला 24 छिटांक, जमीन तथा मकान जो डीड नं ० I-8349 के अनुसार 8-6-1985 को तारीख में कलकत्ता रजिस्ट्रेंगन आफिस में रजिस्टर्ड हुआ।

शेख नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-2, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

क्ष बार्षं है टीट प्रस्तु प्रस्तु ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की नभीन सूचना

मार्ड सरका

कार्यालय, तहाबक जायकर नाम्यत (निवीक्क)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश स० 1156/अर्जन/85-86 अतः मुझे, दूर्गा प्रसांद नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धार 269-ख के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार वृष्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी स० एस० पी० 1646 खाता सं० 439 है तथा जो प्लाट सं० 21 गाहजादपुर थाना दानापुर जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजर्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए बंतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का वल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया म्या प्रतिफल निर्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में पास्तिक इप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) तरपहल ने हुइ किया का का नावता, उनक अपिहिन्दन में स्थीन कर देने में बन्दरक के दावित्त में कनी अहरे या क्या न्याने में स्विता में लिए; शर/या
- (क) होती किसी साथ वा किसी थय वा बन्ध आसित को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वे जिए।

बस्त वय, उन्त नियनिवन की धारा 269-म से सब्सहरू में. में, उन्त नियनिवन की धारा 269-म की उपधाय (1) के ब्रधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों के ब्रधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों कि (1) पटना उच्च न्यायालय युचा श्रविकता गृह | निर्माण सहयोग सिमति लि॰ पटना द्वारा श्री प्शुपति नाथ झा सिचच –।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ सदानन्द झा श्रधिनक्ता वल्द कपिलेश्वर झा, पटना हाई कोर्ट पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूखना बाडी करने पूर्वोक्त सुम्पति ने वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वर्शप ह---

- (क) इंद हुम्ता के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबभि, जो भी जब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इवाए;
- (क) इत त्यना के हायपुत्र में प्रकासन की ताडीय हैं. 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्प्रद्वित में हित्तबहुष् किसी बन्य व्यक्ति हुवाडा अधाहस्ताकडी के पास निवित में किस जा सकेंगे (8)

स्यच्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीट पूरों का, जो उक्त माधिनियम के सभाव 20-क में पीरसाबित है, वही वर्ष होगा जो उस सभाव में दिसा यस है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4719 वर्गफीट है तथा जो मौजा शहजादपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 9387 दिनांक 28-6-1985 में वर्गित है और जिसका निबन्धन रजिस्स्ट्रार औफ एसुरेन्स कलकत्ता के दवारा सम्पन्न हुम्रा है।

दूर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**)

श्रर्जन रेंज, पटना

तारी**ख:** 12--2-1986

प्रका नाहुं टो पुर पुर .----

नायकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के नुषीय सूच्या

RIVE HEAVE

कार्यासव, तहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना , दिनांक 12 फरचरी 1986

निदेश सं० ।।। 1157/अर्जन/85-86--अतः मुझे; दुर्गा प्रसाद,

नायकर मुध्तियम्, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उकत निधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थान्द सम्पत्ति, निसका उजित नावार मूख्य 1,00,000/-रा. से निधक हैं

और जिसकी सं० तौजी 5236 खाता सं० 129 प्लाट सं० 1229 है तथा जो सरिताबाद थाना गर्दनी बाग जिला पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के निए बन्तरित की नह है जोड़ मुक्के वह विस्वाद्य करने का कारण है कि यथानुवीक्त सम्मतित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितवों) के वीच ऐसे अन्तरक को लिए दश वाजा दशा हिष्क्य, विस्वीवित् उद्वेष्ट से उक्क सम्बद्ध विशिष्ट के वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- [का विश्वहरूप से हुई फिशी जान की शासक, उपक विश्वदिक्य के स्थीत कड़ दोने के बन्दूरफ से समित्य में क्सी कड़ने या बस्त व्यन में सुविधा के निए; सरि/या
- [क] द्वी कियी बाद वा कियी व्य वा क्य ब्राइस्कृष्टी को, जिन्हें भारतीय नाय-बाद वा पितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिवियम, या व्यक्त वा पितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना जाहियेथा, कियाने में सुविधा के बिहा;

वत: जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की वनुसरण कां, भीं, अक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपवास (1 क्र कं वधीन, निम्मनिसिक व्यक्तियों वर्षाह क्र— (1) रानी लक्ष्मी बाई महिला सहकारी गृह निर्माण समिति, कदम कुआँ पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर प्रसाद सिन्हा वल्द स्व० ग्रार सिंह चिरैयाटाइ थाना कंकर बाग छजिला पटना। (ग्रन्तरिती)

मा बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के विद्य कार्यवाहियां करता हों

इक्द बुम्पृतिष् के बुर्बन् के बुम्बन्य में कोई भी बाक्रोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 जिन की स्वर्टिश्व वा तरस्वत्रमा क्वृतिकृत्यों वृद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की स्वर्टिश्व को भी ब्राध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्णिक व्यक्तिस्त्रों में से किसी स्वर्णिक हुवारा?
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति इतारा वशोहस्ताक्षद्री के पास विकास किस का सकेंगे:

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस जभ्याय में दिसा स्था हैं 🗈

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 4200 वर्ग फीट है तथा जो महल्ला सरिस्तावाद थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है। एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या 9449 दिनांक 21-6-1985 में विजित है और जिसका निवन्धन रिजस्ट्रार औफ एसूरेन्मेज कलकत्ता के दवारा सम्पन्न हुआ है।

दूर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पटना

तारीब:- 12-2-1986

मस्य बाह्र टी. हर. हर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ।।। 1158|अर्जन|85-86---श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) (िष्से इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट 1381 खाता सं० 132 महल्ला चाँदपुर थाना सुल्तान गंज जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, जिल्लीमिया उपयोग विश्व के सम्बद्ध-क्षिक क्ष्य से क्षिण नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) वन्तरण में हुई किसी नाव की मानत उनत स्थि-नियम के स्थीन कर योग के ब्लाइफ के शिवत में केनी करने ना उससे म्यने में मुन्सि के जिले। मार गा/
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय वायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिन्यम, या धन-कार विधिन्यम, या धन-कार विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गृज्ञा था वा किया जाना जाहिए था, ज्याने में बुन्या की जिला

मतः वय, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-न की, अनुसरण थी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) यो सधीन, विम्मिनियस व्यक्तिकी, अधीन, अधीन, (1) राम ग्रसवतार महतो निवासी जैपुर थाना सुल्तान गंज जिला-पटना ।

(म्रन्तरक)

(2) मेनका गांधी सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वारा श्री श्रार० जे० सिंह हचिव (ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्थन की शिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द श्रम्भित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इर सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिध, वो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंग।

स्यक्करणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बीट पूर्वों का, को उसत विधिनियम के बध्याय 20-क में पेरिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा गया है।

नन्स्यी

जमीन जिसका रकवा 4 1/2 डिसमल है तथा जो महल्ला चाँदपुर थाना सुल्तान गंज जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विचरण चिसका सं० 9058 दिनांक 24-6-1995 में चर्णित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार औफ एन्पुरेन्स कलकता के द्वारा सम्बन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 12-2-1986

प्ररूप आई.डी.एन.एस.----

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ।।।/1159/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गो प्रसाद

अनयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरुषात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपेत जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना 11, तीजी सं० 303, खाता सं० 285 बेसरा सं० 751 है तथा जो ग्राम मन्दलपुर थाना सुल्तान गंज जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजर्स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 26-6-1985

को पूर्वकित संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिक्षक के लिए जतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य कि उसकी दश्यमान प्रतिफल के एक्स शिवस्त में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रसिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से अविश्व कहीं किया ग्या है अ

- (क) बंहरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत बीधिवयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, डब्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) त्ररुण कुमार भहता वल्द श्री जगु भहता निवासी सन्दलपुर थाना सुल्तानगंज पो० महेन्द्र, जिला पटना । (ग्रन्तरक)
- (2) सुल्तान गंज सहकारी निर्माण गृह समिति लिमिटेड पजीयन सं० 73/पैट/1980।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टि करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सत्त्र स्थि

जमीन जिसका रकवा 20 3/4 डिसमल है तथा जो ग्राम सन्दल पुर थाना मुल्तानपुर जिला पटना में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1 9212 दिनांक 26-6-1985 में वर्गित हे जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार और एसुरेन्सेज के दारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 12-2-1986

म्बाइंट्रवी.हन.पुर्-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में स्थीन सुचना

HIZO GEORGI

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ।।।/1160/अर्जन/85--86---श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मून्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं
और जिसकी सं ंथाना नं 11, तौजी सं 303, खाता सं 285, खेसरा सं 751 ग्राम सन्दलपुर थान सुल्जान गंज जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिथिकारी के कार्यालय कलकता में ररिजस्ट्रीकरण ग्रिथिकारी के कार्यालय कलकता में ररिजस्ट्रीकरण ग्रिथिक्यम 1908, (1908 का 16) के ग्रिथीन दिनांक 21-6-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-का, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-का, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-का स्थम से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त स्थिनियस के अधीन फर देने के सन्तरक के वाक्तिय के कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के जिल्हा महिन्द्रा
- (क्) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अहिसाओं को, जिन्हीं आर्सीय बाद-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तर्रिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अच्चन, निम्निसिख अधिनारों अधिक क्यांचा

(1) मिथिलेश कुमार वल्द श्री सीता राम महतो निवासी सन्दलपुर थाना सुल्तानगंज पो० महेन्द्र जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) सुल्तानगंज सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड पटना पंजीयन सं० 73/पैट/80 दवारा मो० सागिर स्रहमद सचिव, दरगाह रोड, पी० महेन्द्र, थाना सुल्तान गंज, जिला- पटना

(अन्तरिती)

को बह सुचना बादी करके पृक्षिकत सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित के वर्षन के उध्यन्य में कोई भी साक्षेप ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौछ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वी नत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए वा सकेंचे।

स्यक्ष्मीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कव्यों और वद्यों का, क्षों स्वरु विभिन्नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन जिसका रकवा 9 कट्ठा 18 घूर 8 धुरकी है तथा जो ग्राम सन्दलपुर थाना सुल्तान गंज जिला पटना में स्थित है, एवं जिसका पूर्ण विवरण, सिका इसंख्या 9213 दिनांक 26-6-1985 में विणित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार औफ सुरेन्सेज कलकत्ता के दवारा सम्पन्न हूआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक:- 12-2-1986 मोहर 2 ______

अक्त बाई टॉ. एन. एस . ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारक तरकार

कार्बाक्य, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986 पुरुष्टार्गिक्ष स्थानी स्थानिक स्थानी स्थानिक स्थानी स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स

निदेश स० ।।।|1161|म्रर्जन|85-∙86----म्रतः मुझे, स्मार

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उधित बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० तौजी 5400, थाना 21. खाता स० 331, खेसरा सं० 1610, प्लाट सं० 1614, 1615, 1616, 1617, 1625. 1628 है तथा जो दानापुर, शहजादपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यावध कलकता मेरिजर्स्ट्राकरण अधिनयम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-6-1985

को वृत्रोंक्स संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथामृत्रोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिस्थत से सिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्ते) के बीच एसे अन्तरण के सिए तव वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से कार्य मन्तरण

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वावता, उन्तर अभिनिवन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्टृ और/वा
- (स) एंबी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नवः सन्त निमित्यम की भारा 269-ग के जन्तरण में में, उसत निभित्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राम लखन राय निचासी शहजादपुर थाना दानापुर जिला पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) जनकपुरी सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, दानापुर, पटना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्मत्ति के वर्षन के संदंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि सह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीत जिसका रकवा 29 डिसमल है तथा जो ग्राम दातापुर शहजादपुर, थाना दातापुर जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं० I 8841 दिनांक 7-6-1985 में वर्णित है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार आँफ एस्टेन्सेन कवकता के दवारा सस्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ज्ञायकर क्रायुक्त, क्रजैन रेज, पटना

दिनांक : 12-2-1936

प्ररूप बार्'. टी. एत. एस.

बायक्य वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

बार्स सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० 111-1162/म्रर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से बिधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ध्लाट सं० 2520, खाला सं० 1436 है, तथा जो ग्राम धो, थाना दिधा, मुमतापुर जिला-पटाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान लिए बन्तिरत गर्इ है प्रतिफल के की और म्भे यह **बि**श्वास करने कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान त्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बाधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनयम के अधीन कर दोने के संतरफ के नां उप के पानी कारने या तससे बचते में सुविधा में लिए: बीर/बा
- (क) एरी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य आस्तियी का, विन्हुं भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सै सिष्ट:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों. अर्थात क्रिका विश्व विष

1. श्री सिपाही राय, (2) एस० राय, निवासी रामजी चक दिधा, पटना।

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० गाँधी सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस स्थान के राष्ट्रम में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामीज से 30 दिन की ज्वधि, को भी ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाशः;
- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाह निवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्यीकरणः ---इसमें प्रयुक्त वस्यों जौर पद्यों का, आरे उत्यह वीधनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन जिसका रकबा 10 कट्ठा 3 घूर 4 घुरकी है तथा जो ग्राम धो थाना दिधा, मुम्तापुर जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1 9084 दिनाँक 24-6-85 में विणित है ग्रौर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ग्राफ एस्रेन्सेस गटना कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख ु: 11-2-1986

प्रकष् बार् ु टाँ । एन् । एक् -----

बायकरं विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के विभीन स्थाना

मारत वरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III 1163/म्रर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकों मं० प्लाट सं० 279, खाता नं० 296, तौजी सं० 303, थाना सं० 11 है, तथा जो मौजा सन्दलपुर, थाना सुल्तान गंज, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विश्व में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्हें के के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो संविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें अर्थान :--- श्री सकलदेव प्रमाद, (2) श्रीमती सुधा महता निवासी मौजा सन्दलपुर थाना सुल्तान गंज, जिला पटना ।

(अन्तरक)

 मैं० कम्तुरवा सहकारी गृह निर्माण गमिति लि०, दुर्गा भवानी, चौधरी टोला, थाना मुलतान गंज, जिला पटना ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के वर्षन के सम्बन्ध में की इंभी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीकर उकत स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए वा नकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन जिपका रक्त्वा 15 डिनमल है तथा जो मौजा सन्दलपुर थाना मुल्तान गंज, जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विकिश संठ I 8499 दिनांक 12-6-85 में विणित है और जिनका निवन्धन रिजस्ट्रार स्राफ एमुरेन्सेम कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रभाद मक्षम प्राधिकारी महायंक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

भाहर 🛭

प्रक्ष बार्क टी ह एवं ह एक्टूडरूव

बावकर ब्रोपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1164/म्रर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० थाना सं० 14, तौजी सं० 5281, खाता सं० 151 प्लाट सं० 503 है तथा जो मौजा पहारपुर थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्य लिय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकत सं अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अविकक्ष, विश्वतिविद्य उद्देश्य से उसर अन्तरण सिवित दें बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अटि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या बन्च कास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिगों, अवित्र मन्न श्री लक्ष्मी राय वल्द श्री काली राय काली राय वल्द स्वारथ महतो राम नारायण राय वल्द काली राय, सभी निवासी सरिस्ताबाद, थाना गर्दनीवाग, जिला पटना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बशिष्ट सहकारी गृह निर्माण सिमिति लिमिटेड पटना द्वारा श्री गिरीश मिश्रा, ग्राम फुलगंज पो० थर्ब जिला गोपालगंज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में मकाधन की तारीख वे 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की सामील से 30 दिन की नविध, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

न्यच्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीट पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशाचित्र हूँ, वहीं वर्ष होया को उस अध्याय में दिया स्या हैं!

वनस्वी

जमीन जिसका रकबा 12 डिसमल है तथा जो मौजा पहारपुर थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं I 9054 दिनाँक 24-6-85 में विणित है ग्रौर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ग्रौर एसुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

मोहरः

शक्य भार् . टी . एन . व्य , -----

बायकर बर्टिश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बधीन सूचना

बाख करकार

कार्यास्य , बहायक भावकार आयुक्त (विर्योक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं॰ III 1165/ग्रर्जन/85-86---ग्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रार्टिंगकारी को यह दिख्याद करने का कारण हैं कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० थाना 14 तौजी सं० 5281 खाता 151 ज्लाट सं० 503 है तथा जो मौजा पहाइपुर थाना गर्डनी बाग जिला पटना म स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के ङ्गार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 24-6-1985

को प्वास्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के जिए कन्तरित की गईं और मृत्रे वह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके अवनान प्रतिफल से एवं अवनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के विष के कर्ति के क्षेत्र क

- हुँकों कलरण ने हुइ किया थाय को नावर; जनक बहुँबहैंगवन के वार्थित कर दोने के बन्धरण कें बहिंगर को कभी करने वा बबने वसने के बुक्तिया को स्तिए; और/वा
- (क) एती किसी बाव वा किसी पन वा बच्च अस्तियों को है बिन्हें आखीय बाव-कर विशित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर विशित्तियम, वा भन-कर विशित्तियम, वा भन-कर विशित्तियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया बाबा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृष्या के बिहर;

बतः वन, उक्त विधित्यम की धारा 269-ग के बनुबरण को, मी, उक्त विधित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् ः—

शि विश्वन दयाल राय वल्द स्व० विवेणी राय खुद ग्रौर कन्स्टिच्यूटेड पावर ग्राफ ग्रटानीं सीता देवी जीजे स्व० विवेणी राय ग्रौर श्रीमती मीना देवी जोजें स्व० सूर्यनाथ प्रसाद सभी निवासी मिस्नाबाद थाना गर्द्रनीबाग जिला पटना ।

(ग्रन्तरक)

2. मै० विशिष्ठ सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वारा श्री गिरीश मिश्रा, सचिव ग्राम फुलगाँव थाना थबई, जिला गोपाल गंज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्मित के वर्चन के हैंकर कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताजील से 30 दिन की बविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के गस निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उभत विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 12 िसमल है तथा जो मौजा पहाड़पुर थाना गर्दनीवाग जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विस्का सं 9053 दिनाँक 24-6-85 में विणित है स्रौर जिसका निवन्धन रिजस्ट्रार स्राफ एस्रेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुस्रा।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 11-2-1986

MATTER A PROMETE THE TOTAL PROMETER TO STREET THE PROMETER OF THE PROMETER THE PROMETER TO THE

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट 4896 खाता सं० 733 है तथा जो रानीपुर थाना चैन जिला पटना में खियत है (और इसये उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजण्ट्रीयाती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में विजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28.6-1985

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नतिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विकित में बास्तु-विक क्य से क्यित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्यहण सं हुई निक्ती बाय की वायल, उक्ट विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य भें कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; श्रीह्र/या
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन का जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ जन्मरिकी द्वारा प्रकट वहुनें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बता बन', उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रो जानकी अरणा मिह् निवानी रानीपुर विकिया थाना योश पटना।

(স্থান্ত্রা

 श्री प्रिन्द्र नापायण सिंह (2) गैलेन्द्र नापायण सिंह सन्दलपुर थाना गुल्तानगण जिला पटना। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्ॅाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्टब्स्थ में कोई भी प्राक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 रिवर की वबिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावृत सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास किस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 36 1/2 डिसमल है तथा जो रानीपुर थाना चीक पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका संव I-9396 दिनांक 28-6-85 में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ध्राफ एसुरेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, पटना

तारोख: 12-2-1986

प्ररूप बाइ टी. एन. एस : -----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंग, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट 4896. खाता सं० 738 है. तथा जो खास रानीपुर थाना चैन, जिला पटना में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुभूती में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता शिधवारी के वार्यालय, कलकत्ता में रिजर्ट्री-करण अधिनिधम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारिख 28-6-1985

को पूर्वोवत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रित्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाधत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की खपधारा (1) को अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जानकी शरण मिह निवासी रानीपुर चिकथा, श्राना चौक, पटना।

(अन्तरक)

2. श्री रनधीर कुमार, मुल्तानगंज, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए वाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

जमीन जिसका रकवा 36 1/2 डिसमल है तथा जो रानीपुर थाना चौक, पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं । 9400 दिनांक 29-6-85 में विजित है और जिसका निवन्धन रिजस्ट्रार आफ एस्रेन्सिस कलकत्ता के द्वारा सम्पंत्र हुआ है।

दुर्गा प्रमाद राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

वारीब: 12 -2 -1986

THE RESERVE AND ASSESSMENT OF THE PARTY OF T

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-थ (1) के वासीय क्यांग

मारत उज्जयन

काबीलय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 फरवरी 1986

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्याधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का जारक हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से वधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 358, खाना सं० 101 है तथा जो महल्ला कुम्हमार थाना सुल्तान गंज, जिला घटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, वालक्ता में, जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21--6--1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्स से कम के इरयमान प्रिक्किल के लिए अन्तरित की मई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानपूर्णें का सम्पत्ति का उचित बादार मृत्य, उद्यक्ते स्थामान प्रतिफल से एसे स्थानान प्रतिकल का पंद्रह प्रविश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गया इतिफल, विम्निचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में वान्तिविक रूप से क्षियत नहीं किया गया है ——

- (क) बर/रण ने हुन्हें किनी बाय की दार त, उक्क जी अनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अर्र/या
- (क) एखी किसी नाम या किसी भन वा तन्त नासिसवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधिनार्थ कर रिसी युषा रा प्रकट नहीं किया नवा वा किया नामा पहिल् था. जिलाहे में स्विना के स्विद्

मै० चेलतालथ सहकारी गृह निर्माण समिति
पटना।

(अन्।रकः)

2. श्री जोतिन्द्र कुमार, नियास वोलरा पी० बोधारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट संपत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन जिसका रकवा 3397 वर्ग फिट है तथा जो महल्ला कुम्भरार, थाना सुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका मं० I, 9001 दिलांक 21-6-85 में विणित है और जिसका निवन्धन रिजिस्ट्रार आफ एस्ट्रेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 11-2-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस------

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रे.. पटना

पटना, दिनांक 12 फन्वरी 1986

निदेश मं० III/ 1169|यर्शश/85--86---अत: मुझे, दुर्गा प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 5296 खाता नं० 324 है, तथा जो दीधा थाना दीधा जिला पटना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध धनुभूनी में और जो पूर्ण रूप ने घणित है) एजिस्ट्री हती अविदारी के वार्याका, एकदाना में विस्ट्री हरण स्रिवित्यम, 1908 (1908 हा। 16) के अवीन, नारीख 23-6-1935

को पूर्णेक्ख तम्पत्ति को हिंचत बाजार नृल्य से कम के दरवजान प्रशिक्क को लिए बन्सिर की गई है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिक्षल से, एसे दरयमान प्रतिक्षल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिजा) के बीच एसे अक्सरण के किए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निच्चित में वास्तिबन्ध रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपान में मूलिया के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० अअस्ता निकेत सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, नेहरू नगर, पटना द्वारा थी हआरी प्रसाद भगत परुद स्व०पी० सी० भगत, राजीव नगर, पटना-13।

(अन्तरक)

2. श्री वितय कुमार सिंह, पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पन्द्रीकरणः -- इसमें प्रकृषत श्रव्यां और पर्दों का, जो उपल अधिनियम, को अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

जन्सू ची

जमीत जिमका रकता 3154 वर्गफिट है तथा जो दीधा थाता, दीधा, जिला घटता में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1/9292 दिनाँक 27-6-85 में विगत है और जिसका तिवन्यत रिजस्ट्रार ग्राफ एस्रेन्सेस क्राकता के द्वारा सम्बन्न हुन्ना है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

नारीख: 12-2-1986

प्ररूप बाह्रं,टी.एन,एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निज्ञीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III/ 1170/अर्जन/85-86---ग्रतः मझे, दुर्गा प्रसाद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 303, थाना नं० 11, खाता-न० 903, खेसरा नं० 1562, वार्ड नं० 24/18, सीट नं० 157, प्लाट नं० 3134 है तथा जो मौजा सदलपुर, थाना प्रालमगंज, जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना सिटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-6-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिअपाने में मृविभ्र है लिए;

 श्री विश्व तथ प्रसाद, पे॰ श्री राम भज्जू महतो मो० गुड़ की मण्डी, थाना श्रालमगंज, जिला पटना।

(अन्तरक)

 श्रीमती वीणा देवी पुत्ती श्री सुखदेव दास, ग्राम-संग्रामपुर, डा० संग्रामपुर, जिला मुंगेर।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सञ्चित्त के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी क्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम, के जभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन जिसका रकबा 2 कट्ठा 15 धूर है जो मौजा संदलपुर, थाना म्रालमगंज, जिला पटना में स्थित है एव जो पूर्णरूप से वसिका सं० 2868 दिनांक 14-6-85 में विणित है तथा जिसका निवन्धन अवर निबंधक पटना सिटी के द्वारा समान्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप नाहै, टी. एत. एस. - - -

भागकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-घ (1) के अभीन सुखना

बारत सरकार

कार्यातय, वदायक वःयकर आयुक्त (निरीक्षक)

धर्ज : जेंत्र, उटा प

पटना, दिनांक 🗆० फ वरी 1986

िदेश सं० 3 / 1 । f^{**} ि 785-86 +266: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 12, ताँजी नं० 26 खाता नं० 37, खसरा नं० 1308 है तथा जो मौजा कुम्हराय, थाना सुनता गंज, जिला पटना में स्थित है (औं: इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण हम ने प्रणित है), विश्वद्भीवर्ता हाहि-कार्रा के कार्यालय,ज पटना पिटी में, िष्ट्रं वरण हाटि यम, 1908 (1908 का 16) के प्रशित, तार्राण 28 5-85 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अवस्ति की एई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है

कि वंशा पूर्वोक्त सम्पर्धि का उचित शाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-तिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण निबित में बास्तिबक रूप चै किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुद्द निया गाँग शी अवस्त, उक्क बीधिनियम की अध्यान कर बान का बन्तरक की दाबित्य मां कमी करने या उससे बचने में बुविधा औ नियए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का.11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निक्किनियत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. (1) मौ० तथिया देवी पित स्व० विकत महतो (2) मौ० प्यारी देवी पित स्व० लखन महतो सा० प्रभुतापुर, श्राता मासलामी, जिला पटना, (3) श्रीमती कमला देवी जाँजे श्री ललन महतो, सा० टानापुर, पटना (4) श्रीमती सोना देवी गाँजे, संखा महता, मा० णाहगंज, श्राता महता, मा० णाहगंज, श्राता महता.

(अन्तरक)

2. मैं० श्रादर्श किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वास-चिच, श्री संजय कुमार लेन नं० ।, सालामपुर शहरा, श्रात-गांधी मैदान, जिला- पटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के रिष्

अबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को अप अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रें व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस्त गया हैं।

बन्स् ची

जर्मा: ित्तका रकवा 3 कट्ठा 5 थूर है जो मौजा कुट्डा, पान, सुला गंध्र, जिल नाटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्य से प्रसिक्षा संब 3205, दिनांक 28-6-85 में प्रित है तया जिसका निवन्ध्रत प्रदेश निवंध्रत पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाधक आधकर द्वायुक्त (निरीक्षण) द्वापक प्राधिक प्रसाद

तारीख: +2--2--1**98**6

प्रारूप कार्ड . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्व, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० /172/म्रर्जन/85-86--म्प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकड विशित्तन, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्वे बबके वस्तात् 'उनता विशित्तन' कहा गया हैं) की पास 269-य के वंगीन सकत प्रतिकारी को नह निकास करने का कारन है कि स्थापत बंपीता, जिल्ला उचित बाबाद मूक्य 1-20,000/-क. से वंगीन है

और जिसकी सं० तौजी नं० 5070 खाता नं० 13, खसरा नं० 5414 है, तथा जो मौजा हमीदपुर दीधा, थाना-दीधा, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पटना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-1985

को पूर्वेक्त तम्मित के उचित बाबार मून्य से कर के कारवाम प्रतिकास के लिए जन्मित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करून का कारण है कि वथापूर्वोक्त बम्मित का उचित्र वाबार बून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एोडे कार्यान प्रविकास का कार्य प्रतिकास से विश्व है और बंदारक (बंतरकों) और बंद्याकी (अक्ट्रीरिसमों) के बीच एसे जन्तरण के लिए एव पासा गया विकास, निम्मितियां उद्देशिय से क्षया अक्ट्रेस जिवाद में बास्ट्रीयक रूप से क्षिया मुद्दी किया क्या है हु---

- (क) बन्तद्वन वं हुई किसी बाव की बाब्द_{ाः} उत्तव वीर्यानवन में बभीन कर देने में बन्तरफ में बहुँबल में की करने वा उत्तवे बलने में सुविधा के विद्यु; बीहा/बा
- (व) देवी कियी वास वा कियी सम वा कुछ सरिसकी को, जिन्हों भारतीय वास-कर स्थितिकन, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्मातक, वा क्य-कर स्थितिकम, वा क्य-कर स्थितिकम, 1957 (1957 का 27) के प्रकृषिनियम, विस्ति क्याया प्रकृष्ट नृष्टी किया वास था वा कियी बाना वाहिए था, कियान में स्थिता के स्थान के स्थ

ककः। वस्त्र, उक्त विधिविषम की धारा 269-व के बज्बहुक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व वर्षाम_ा निज्**तिकालिक व्यक्तिकों**। संबंधि क्रिक् 1. श्री नथमल जलान वरुद बाबू लाल जलान, सा॰ वो थाना-मोतीहारी, जिला-चम्पारण।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राजेन्द्र प्रसाद राठी, (2) श्री हिर प्रसाद राठी, वल्दान श्री नन्दलाल राठी, सा० वो थाना-बरौनी, जिला बेगुसराय।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बादी करने पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्थन के हैक्क् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में मुक्किन की तहाँक हैं 45 दिन की स्पृति ना तरहान्यानी व्यक्तिकारी पृष्ठ सूचना की क्षामील से 30 दिन की स्वधिम, को भी क्षामित में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकारी में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (क) क्व क्कंस के समयन में जनावन की तारीम से 45 किन के भीचर उपन स्मापर स्थापित में हितनकृष क्रिकी कृष्य व्यक्तित हुपारा म्योक्शाकरी से गत विकित में किस सा स्केंगे।

स्वकाकरणः—इसने प्रयुक्त बन्दों नौर वदों का, वो उक्त निवित्तन, के सम्बाद 20-क में परिभावित हैं, कहीं वर्ष होता, वो उस सम्बाद में दिका पका हैं।

वन्स्ची

्र जमीत जिसका रकवा 6 1/3 डीसमल है जी मौजा-हमीदपुर दीघा, थाना दीघा, जिला:पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वासीका सं० 3859 दिनां रु 1-6-85 में विणत है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**थकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 10--2--1986

क्ष्य नाइ o डॉ o एन . एस . -----

भागकाह विभिनियम्। 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) को अभीन सुकता

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1173/अर्जन, 85-86--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 12, सिंकल नंव 29 स, प्लाट नंव 126-की, होल्डिंग नंव 91 है, तथा जो मोहल्ला राजेन्द्र नगर, थाना-कदमकुआ, जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्र महिश्त से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्नतिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वत से बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बनारण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उक्षसे बचने के सुविधा के भेनए; ब्रौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की बन्हरक् में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के वभीन, निक्तिवित व्यक्तियों, वर्षात क्रान्स (1) श्री चिन्तामणि शर्मा जौजे स्व०श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद शर्मा (2) श्रीकांत शर्मा उर्फ सी० पी० शर्मा पे० श्री चन्द्रेश्वर शर्मा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री केशरी चन्द्र अग्रवाल पे० स्व० श्री गौड़ी शंकर अग्रवाल (2) श्रीमती जीवनी देवी अग्रवाल जगत नारायण रोड़, थाना-कदम कुआ पटना। (अन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक् सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, वो उक्त विश्वित्यम् के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

भ्रनुसूची

जमीन जिसका रकका 625.15 वर्ग गज है जो मोहल्ला राजेन्द्र नगर, थाना कदम कुंग्रा, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 4092 दिनांक 10-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निवन्धन जिला ग्रवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

मोहर 🕧

प्रकृप बाइं.टी.एग.,एस. -----

नावभर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्कना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बिहार पटना
पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं ० III/1174/ग्रर्जन/85-86—यतः मुझे दुर्गा-प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० थाना नं० 137, प्लाट नं० 762; शीट नं० 31, सिंकल नं० 6, बार्ड नं० 2, होल्डिन्ग नं० 567/ 401 तथा जो न्यू डाकबंगला रोड, थाना-गाँधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 13-6-1985

की प्रशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिक ज के निए अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विस्वास करने का कारण हैं कि वधामृत्यें वस सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक ल से ऐसे दश्यमान प्रतिक न के बन्द्र प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिता अन्तरिता (अन्तरिक्षितों) के बीच एसे अन्तरण के हिनए तम पाया गया प्रतिक त, निम्मिनिवित उद्देश्य से उचत अन्तरण विवित में पास्तविक कम से किंग्स महीं किया नवा है अ-------

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वाबद्ध, उक्त बिधिनयम के बधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उच्छ वधने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जाकिसों का चिन्हें भारतीय आयक ए जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त जिथिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सरदार ग्रमरीक सिंह पे० स्व० सरदार लाभ सिंह सा० न्यू डाक बंगला रोड; थाना-गाँधी मैदान, जिला पटना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीजगदम्बा साह पे० श्री विश्वम्भर लाल साह मो० सरैयागंज-थाना-डा० जिला-मुजफ्फरपुर (ग्रन्तरिती)

को यह बुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पन्तिः के वर्षन के निष्

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी ज्यानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, यो जी अविंध वाद में समाप्त होती हों, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाद्य;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्नारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये सा सकने।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

जमीन जिसका रकवा 840 वर्ग फिट है जो मोहल्ला न्यू डाक बंगला रोड, थाना-गाँधी मैदान जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 4187 दिनाँक 13-6-1985 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनाँक: 12-2-1986

प्रकार काइ. टी. एन. एस.------

बाबकर बॉथनियम्, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देज सं० III/1175/ग्रर्जन/85-86--यतः मुझे दुर्गा प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि धरण 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाणार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० थाना नं० 137, प्लौट नं० 762, शीट नं० 31, वार्ड नं० 2, सिकल नं० 6, होस्डींग नं० 567/ 401 है, तथा जो न्यू डाक बंगला रोड, थाना गाँधी मैंदान, जिला-पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1809 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-6-1985

की पूर्वीकत सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम की अवसान जरि लिए जन्तरित की गर्इ प्रतिफल के विष्वास का कारण करन पुर्वोक्त सुम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्रयुमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफन के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एचे बन्तुरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित्वित उद्देश्य वे जनत कमारण निष्ति में नास्तृतिक रूप से करियत नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आधा की कावत, उपत नियम के रूधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/शः
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों को, बिन्हें भारतीय जाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (19 का 27) के प्रयोखनार्थ बन्तरिती ब्तारा प्रकट प्रां किया गया था या किया बाना चाहिए था, खियाने में बुनिधा को खिलुह

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीक जिल्लाकित व्यक्तियों, वर्धात:— (1) श्री सरदार ग्रमरीक सिंह पे० स्व० सरदार लाभ सिंह सा० न्यू डाक बंगला रोड, थाना गाँधी मैदान, पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विश्वम्भर लाल साह पे० स्व० राम कुदण दास साह, सा० सरैयागंज थाना जिला-मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, बहुी वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में दिवा वया है।

ग्रमुसूची

जमीन जिसका रकबा 840 वर्ग फीट है जो मोहल्ला-न्यू डाक बंगला रोड, थाना गाँधी मैंदान, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 4188 दिनांक 13-6-1985 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 12-2-1986 मोहरः

प्रस्प बाई.टी.एर.एस. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्पना

बारत सरकाह

कार्गालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० III/1176/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लौट नं० 762, होल्डिंग नं० 722/401 (न्यू०) एवं 316 (पुराना वार्ड 2, सिंकल नं० 6 है तथा जो एक्जीविशन रोड, थाना गाँधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के फिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खान, पे० स्व० रेयाजव श्रली खां होटल ग्रेन्ड प्रेमिसेज, थाना-कोतवाली, जिला⊶-पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रंजनी कुमार हरलालका पे० श्री रामानन्द हरलालका, सा० रमना, थाना-जिला-मुजफरपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धः किसी कन्य त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

अनुसूची

दुकान नं०-3 जिसका रुख दक्षिण की श्रोर जो गगन श्रर्पाटमेन्ट का ग्राउन्ड फ्लोर का हिस्सा है एवं जो एक्जीविशन रोड, थाना गाँधी मैदान, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका सं० 4348 दिनाँक 19-6-85 में विणत है तथा जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राय कर ग्रायुक्त, (निरीक्षी) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 10-2-1986

मोहर

प्रस्य बाइ .टी. एन. एस -----

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वता

FIGH STANK

भागिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्तण) अर्जन परक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसवै इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के वशीन सक्तम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का बारण है कि स्थाबर सम्पत्ति.. जिल्ला उचित बाबार मृस्य 1,00,000, रु. पे विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० व्लॉट नं० 762 होत्डिंग नं० 722/401, वार्ड नं० 2, सिंकल नं०-6 है, तथा जो एक्जीवीशन रोड, थाना गाँधी मैदान, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 26-6-86

का पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मुल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उत्तक स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया क्या प्रदिक्त का विश्वासित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में वास्त्विक क्य के स्थित महीं कि यो क्या क्या है स्वरूप

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग का बावत, उक्त श्रीविनियम के जभीव कार दोने के अन्तरक के शायित्व में कामी कारने या उन्ने विवन में सुविका जो जिला; प्रीक्र/मा
- (क) इसे किसी आय या किसी अन मा बन्य बास्त्वों की, जिन्हें भारतीय जाब-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण दं, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के रूधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिकारों, अर्थान :—

(1) गगन भहकारी गृह निर्माण यमिति बिम्प्टिड, पटना द्वारा—सिविब, मो० रियाजुद्दीन खान, सा० ग्रेन्ड होटल प्रीमिमेज, फेजर रोड, थाना-कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रमर चन्द्र ग्रग्नवाल पे० स्व० श्री गौरी शंकर ग्रग्नवाल, बोरींग रोड, थाना श्रीकृष्णापुरी, जिला, पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रुक्तित के वर्षन के राजन्य में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की जनिभ या तत्मंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी नदिभ बंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (ब) इस स्थान के राज्या में श्रेमाणन की तारीब रें 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विकित में किए का महींचे

लक्कोकरणः-इतमे प्रयुक्त वन्नों सूर रही का, को तनक व्यक्तिप्रिक्त, से वध्याय 20-क वें परिजापित वृक्ति वहीं वर्ष होना तो उस सध्याय में दिया वसा है!

अनुस्ची

गगन ग्रपार्टमेन्ट के तृतीय मंजील का 307 नं० का सम्पूर्ण फ्लैट जिसका रकवा 1112 वर्गफीट है जो एक्जीविशन रोड, थाना गाँधी बैदान, जिला, पटना में स्थित है एवं जो पूर्णका से विश्वका संख्या 4335 दिनाँक 26-6-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निवंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद पक्षप प्राधि कारी सहायक द्याय कर स्वायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन परिक्षेत्र, बिहार,पटना

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ध (1) के बधीन सुधना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० III/1178/अर्जन/85-86 - अतः मुझे, दुर्गाप्रसाद.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निविनयमं' क्क्स नया ही, की धारा 268-स ते नथीन समय प्रतिपकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका स्वित्त वाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 11 सर्वे प्लाट नं० 304, 306, पार्ट खाता नं० 23, 57, तोजी नं० 303, 40, है, तथा जो एलोटेड प्लाट न० 36 मीजा संदलपुर थाना सुलतानगंज, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ग रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि गरी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-85

- (क) मन्तर्य से हुई चित्री बाव की श्रम्य क्वत मिन-विषय की वर्षान कर दोन के वन्तरक के दायित्य में कभी कहने या उन्तर्स बन्नर्य में स्विधा की विद्य; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्यांचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बाग था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सिष्धा के लिए;

का क्ष्म, उन्द क्षिनियम की भारा 269-म के अमृत्याप मं, मं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपल्यार (-) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अधीक क्ष्मि (1) जय महावीर सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰, पटना द्वारा-सचिव, श्री राम नाथ सिंह, सा॰ जय महावीर कालौनी, सुल्तानगंज पटना-6

(अन्तरक)

(2) राखेल सेठ, द्वारा हरिदेव प्र० सेठ सा० हसनपुर रोड, समस्तीपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वचाहिल करतः हुं।

क्या समित के नवीन में सम्मन्य में कीई भी वास्तेय हन्न-

- (क) इस क्ष्मना के समस्य में प्रकारण की बारीय से 45 दिन की नकींग ना क्ष्मंत्री न्यानित्यों पर सूचना की सानीय से 30 दिन की सर्वाम, को भी क्यांग नाम में सनान्य होती हो, के दौरार पूर्वीयप न्यापतार्थ में से विजती न्यानित क्यापत
- (क) इस सूचरा से राजपण में प्रकाशन की कारीक के 45 दिन के शीवर क्यक स्थापर सम्पत्ति में द्वित-स्कृप कि.की मान व्यक्ति द्वारा समोहस्ताकरी के गढ़ सिविक में किए या स्कॉर्प!

रनक्तीक्ष प्रमान स्थान क्षेत्र क्षेत्

वन्स्पी.

जमीत जिसका रकवा 41654 वर्गफीट है जो मौजा तंदलपुर, थाता सुलतानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वंसिका सं० 4423 दिनांक 22-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 12-2-1986

शक्य वारं . टॉ. प्रन. पुरुष ॥ = = ====

बावकर जिन्दियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के नधीन स्वता

बारत बहुकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० III/1179/अर्वन/85-86 -- अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके परचात् 'उनतं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० तौणी नं० 320, खाता नं० 301, खसरा नं० 517, म्यूनीसीपल प्लाट नं० 1721, 1722 तथा जो मौजा सैंदपुर सुनतानगंज जिला पटाा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटाा में रिपर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख 22-6-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है बीर मृद्धें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित्त को बास्तिक रूप से कान्तरण कि किया नवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई कि छी आब कौ बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन उन हुँ अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए अधिन्याः
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्च बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए:

कतः अव, उन्त निधिनयम की भारा 269-न के वनुवरक कैं, मैं, उन्त निधिनयम की शारा 269-व की उपधारा (1) के निधन निधनिविद्या व्यक्तिये निधार क्रिक (1) श्री जेम ग्रहोरा बल्द श्री हंसराज श्रहोरा, बाइट हाँजरी नं० 17, लालजी मार्केट पटना, भाना वादमगुत्रां जिला पटता।

(अन्।रक)

(2) श्री नौरंग राथ नंगा वल्द स्व० अर्जुन दास बंका विवर्ता—कदमकुशां, पटता ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियं शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :- -

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया एक ही।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3कट्ठा है जो मौजा सैंदपुर, थाना सुलतानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से धिसका सं० 4427 दिनांक 22-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 12-2-1986

क्ष्म बार् ् हीं. पुर ् पुर ह ॥ - - ----

भावकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-म (1) के नचीन स्थान

eiza alaiz

कार्यालय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना पटना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० III 1180/म्रर्जन 85-86---म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर निर्मात मानित्य में 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात जिल्हा का मिनियन कहा नवा हैं), की मान्य 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिल्हा छित्रत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

और जिसकी सं० तौणी नं० 5164 थाना नं० 40, खाता नं० 320, खसरा नं० 2499 है, तथा जो मौजा मूसानल दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपागद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-85

कां पूर्वेक्त तज्यक्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के निष् अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वों कर्त संपरित का उचित्त बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से क्ष्मित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से हुई किशी नाम की नामतः, उक्त वीधीनमान के जभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में क्वी कड़ने वा उससे वचने में मुविधा के लिए नीड़/वा
- (व) ऐसी किसी जान ना किसी धन या जन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोध-नार्थ अक्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था वा विश्वा कावा चाहिए था क्रियाचे में स्विधा के विश्वा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जे क्यीन, निम्मिलिवित स्योक्तिकों, अर्थाव ह

- (1) (1) श्रीमती मो० रइसा खातून जोजे मो० वसी श्रीलम, श्रीभभावक नाबालिंग, समसाद श्रालम खां नजहत बखीन (2) मौ० श्मीम श्रालम (3) मो० नौसाद श्रालम पे० मोहम्मद वसी श्रालम
 - (4) बीबी जहाना पखीन जौजे अनवारलहक
 - (5) बीबी रोक्साना पखीन जाजे प्रब्दुल हनान
 - (6) बीबी साहीना परवीन जौजे खुरशीद ग्रालम
 - (7) बीबी नीखत परवीन परवीन जौजे शमीम हुसैन, करौरीयक, थाना, डा० फुलवारी, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री श्रम्बिका राय पे० हरिद्वार राय

(2) श्रीमती चन्द्रेश्वरी देवी जौजे अम्बिका राय, सा० करोरीचक, थाना फुलवारी, जिला पटना (अन्तरिती)

को वह सुभना बारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के वर्षन के जिए कार्वनिहिंस कुरू करता हुं।

दक्त सम्पृतित् के क्यान् के संबंध वे कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की जनिए मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्दीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति प्राप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस क 45 किन के जीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्व्यं किसी बन्द व्यक्ति द्वास वभाहरताक्षरी के पास विकास में किए का संस्थें ।

स्वयावस्य — इसमें प्रमुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त कीधीनवस के वंध्याय 20-क में पृष्टिभाविक हा, वहीं वर्ष होंगा, को उस वध्याय में दिया पत्रा है।

वम्सूची

जभीन जिसका रकबा 0.98 डीएमल है जो मौजा भूसावल दानापुर जिला० पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 4526 दिनांक 25-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ, है।

दुर्गा प्रसाद संक्षम पदाधिकारी (निरीक्षी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत बिहार, पटना

तारीख : 10-2-1986

प्ररूप बाइ 0 टी अ हम . एस .-----

बावकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन सूजना

भारत सरुकार

कार्यातयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, पटना
पटना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश स० III/1181/अर्जन/85-86-अतः मुझे दुर्गा प्रसाद,

साबकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० खाता नं० 286, है, तथा जो लाट नं० 1036 है मौजा बेलवा, किंटहार, जिला, किंटहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय किंटहार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-5-1985

को प्रोंचत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मृझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती नाक की बाबस, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्तिबों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अव, उन्ह अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, को, उन्हा अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन,, निम्निन्दित व्यक्तियों, अधित् ह— (1) श्री सुनील चन्द्र साहा सुबोध चन्द्र शाहा पे०-गोपाल चन्द्र साहा, सा० श्रमला टोला, श्र० जिला कटिहार ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मो० मिनजुद्दीन पे० मो० फखरूर्दीन साफ० कुलोपाडा कटिहार, जिला-कटिहार ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन जिसका रकबा 6.71 डीसमल है जो मौजा बेलवा, किटहार, जिला-किटहार में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 8704 दिनांक 17-6-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक किटहार के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद स**क्षम** पदाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन परिक्षेत्र, **बिहा**र, **पटना**

तारीख : 10-2-1986

इक्ष्य ब्राह् . टी. एव : व्या. -----

.बावकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269 (व) (1) वे वधीन स्था

क्षारत सरकार

कार्यात्रव, ग्रहायक बावकर बाव्क्स (निरीक्क्न)

ग्रर्जन रेंज पटना

पटना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० ^{III}/1152/ग्रर्जन/85-86---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कृतके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नको सं० वार्ड नं० 518 होल्डींग नं० 62 प्लाट नं० 858/1 है तथा जो मौजा मधुबनी थाना खजांची हाट जिला पूर्णिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीक्ति श्रधिकारी के कार्यालय पूर्णिया में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-6-1985

भी पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अवमान शितकान के लिए अंतरित की नह है और मुखें वह विश्वास करने का कारण हैं कि वसायुर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाधार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिकाल में, एसे स्रमान प्रतिकाल का श्रमह प्रतिकात से जीवक हैं और अंतरण के लिए तय पावा श्रीत का प्रतिकात से अविक हैं और अंतरण के लिए तय पावा श्रीत का प्रतिकात निम्नतिकात उद्योक्त से उत्तरण के लिए तय पावा श्रीत का प्रतिकात कर से अविक नहीं किया गया है द—

- (को मंतरण है हुई किसी मान की वासत, सनत अधिनियम के सभीन कर दोने के संतरक के अधिक में कमी करने या उसमें बचने में सुनिया
- ्हें पृथि किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन्त अधिनियम, या जन्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा भा या किया जाए चाहिए था, क्रियाने में स्मिन्ट के लिए,

नतः क्य, उन्त विभिन्यम, की धारा 269-ग के बन्तरम का, माँ उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीम, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् :---

- श्रीमती लक्ष्मो सिन्हा जौजे सरजू सिंहा सा० विलासी थाना बीरगंज जिला पूर्णिया।
 - (ग्रन्त रक)
- 2. श्रीमती दमयंती सिंह जौजे डा० एच० बी० सिंह सा० मधुबनी थाना खजांची हाट जिला पूर्णिया। (अन्तरिती)

भी सू इसना नाड़ी कुछने शृजनिय सम्पत्ति से नर्जन से निय कार्यगाहिमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकों थे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यस्पी

जमीन जिसका रक्षका 2 कट्ठा 18 धूर है जो मौजा मधुबनी थाना खजांची हाट जिला पूर्णिया में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 6159 दिनांक 7-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला भ्रवर निबंधक पुर्णिया के द्वाा सम्पन्न हुम्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पटना

तारीख: 10-2-1986

प्रक्ष बाइ तो एन . शस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1183/ग्रर्जन/85-86---ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव होस्डिंग नंव 62 प्लाट नंव 858/1 वार्ड नंव 518 है, तथा जो मौजा मधुबनी, उत्तरभट्टा, थाना खजांची हाट, जिव पुणिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय पुणिया में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के रहममान प्रतिफल के लिए मन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उक्द थे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप सं कि अख नहीं किया गया है के किया गया है

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत्ध बब्, डक्त वॉशिनियम की भारा 269-ग के वमुबरण वं, मं, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) चे सभीन, निम्नविधित व्यक्तिवाँ, वर्णांट ठ-∞

- श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा जौजे सम्जू सिंहा, सा० विलासी, थाना बीरगंज, जिला पुणिया। (अन्तरक
- 2. श्रीमती दमयंती सिंह जौजे डा० हर विजय सिंह, सा० रुपौली, थाना रुपौली, जिला पूर्णिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

जमीन जिसका रकबा 2 कट्टा, 18 धूर है जो भीजा मधुबनी उत्तर मट्टा थाना खजांची हाट, जिला पूर्णिया में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 6106, दिनांक 10-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पूर्णिय के द्वारा सम्पन्न हुम्मा है।

> दुर्गा प्रकाद स्थास प्राधिकारी स्ट्रायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पटना

तारी**ख:** 10-2-1986

प्ररूप बाइ .टी.एव.एस: -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० III 1184/ग्रर्जन/85-86--ग्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि वशाप्तोंका सम्परित का उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अगैर जिसकी सं वार्ड 8115, होस्डिंग नं 10, फ्लैंट नं 302 है, तथा जो मौजा मधुबनी भंग खजानची हाट, जिला पुणिया में स्थित है (और इससे अपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1985

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कन के क्रयमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गर्इ है बौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति- फ्ला, विभनिस्ति उद्देश्य से उक्त क्लास्त मिस्ति में वास्तिवक क्ला से किस्त वहीं किला स्वा है इ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्डिक्स में कभी करने दा उसके जाने के सुधिया के किए; बारि/का
- (च) इंसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियनव, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीरती द्वारा प्रकट नहीं किया वश वा वा किया बाना चाहिए था, जियाने में स्विका के लिए;

बत: वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुवारण में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्निजित व्यक्तियों, बर्भीत् :--- 1. श्री भगन सिंह ै स्व० वडीहारा सिंह, सा० भट्टा, थाना खजान्ची हाट, पुणिया, जिजा पूणिया। (अन्तरक)

अीमती चन्द्र मणी देवी, जौजे नथुनी प्र० भगत सा० वैसी, थाना वैसी, पुणिया, जिला पुणिया। (म्रन्तरिती)

हो यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के किए कार्ववाहियां करता हो।

सकत सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेष :---

- (क) इस त्या के यवपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की वविष या तत्त्रावनभी व्यक्तियों पर त्या की गामील से 30 दिन की वविष, यो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

चक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त बन्दों नीर पदों का, को उक्त नीर्थांगयन के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स्यी

जमीन जिसका फार्म 37-जी० में वर्णित नहीं है जो मौजा मधुबनी, थाना खजांची हाट, जिला पुणिया में स्थित है एवं जो पूणिया से विशिका सं० 6340, दिनांक 19-6-85 में विणित है तथा जो जिसका निअंधन जिला ग्रवर निबंधक पुणिया के द्वारा सम्पक्त हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंअ, पटना

तारीख: 10-2-1986

प्रस्प बाहु हो एम एस , -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 2675-च (1) फंबधीन सचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० 111 1185/म्रर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 37-जी फार्म में वर्णित नहीं है तथा जो पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और धूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित प्रवृद्धिय से उस्त सन्तरण है किया म्या प्रतिफल, निम्निशित प्रवृद्धिय से उस्त सन्तरण है किया के सास्तिक स्थ से किया नहीं किया गया है है

- (व) अन्तरण म हाई किसी नाम की वासत, उक्क बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिष्ट; बीड/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भग या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के किए;

बतः बद, ६वत विभिन्तियम, की भाग 269-व की वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की जपधाया (1) वे अधीय, निकालिसित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिक्त श्री सीता राम सिंह वल्द सीदागरमल वगैरह, पटना।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० मिनाक्षी पुरम सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेंड, पटना पंजीयन सं० 50/83। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में लोड़ी भी आर्क्षण 🦠

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं

 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स
 को को में किसी व्यक्तिस स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबब्ध
 हिस्सी बन्य व्यक्ति द्वारा संबोहस्ताक्षरी के शस
 विविद्य में किए वा सकों ने ।

स्थानिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धाः अभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाविष्ठ है, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया व्या है।

ग्रन्स्ची

जमीन जिसका रकबा 37-जी फार्म में वर्णित नहीं है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं o I-9291 दिनांक 27-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार ग्राफ एसूरेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सक्पन हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पटना

तारीख: 12 · 2-1986

मोइर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

धारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० 111-1186/म्रर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खाता 43, प्लाट सं० 290 है, तथा जो थाना फुलवारी शरीफ जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिगस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ब से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्षक्षे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों. अर्थात् :—
16—496 GI/85

- 1. मैं॰ मीनाक्षी पुरम सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना पजीयन सं॰ 50/83। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो सीता राम सिंह ,निवासी नाला रोड़, पटना-1। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संबुक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सञ्चत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

जमीन जिसका रकबा 8132 वर्गफिट है तथा जो पटना थाना फुलवारी शरीफ जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं० 1 9424 दिनाँक जून, 1985 में विणत है स्रौर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार स्राफ एसूरेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुस्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

श्रुक्य , बार्य , टी , एम , एक , ----

मायकार मिश्रीयम, 1961 (1961 का 43) क्याँ पाडा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (गिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० 111-1187/म्रर्जन/85-86--म्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर बाधिवियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका दिवत वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट 5176, सर्वे प्लाट सं० (एस०) 2652, खाता सं० 1090 है, तथा जो पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10-6-1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से क्य में क्यमान व्रतिकत के लिए बंतरित की नहीं है और मृत्रे यह विश्वास करने कको का कारण है कि यथाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का मंद्रह प्रतिकृत से विभिन्न ही और बंतरिकों (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, विश्वतिविक स्य से कियत बहुदिय से उच्य अन्तरण विविद्त में वास्तिक स्य से कियत नहीं किया यदा है है—

- (क) बन्धरण से हुई सिसी बाय की बावत उक्त सिक् निवस के बचील कर दोनें के बन्दरक के दायित्व में कमी कर्ना वा दक्त क्लाने में सुविधा के लिए धीर/या
- (क) एंसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृश्विनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना अधिकृष् था कियाने में सुविधा के विद्युः

अतः ब्रबः, उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण है, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० करपून चन्द्र सहकारी गृह निर्माण सिमिति लिमिटेड, पटना -20।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सबा श्रमीर, सुल्तानगंज पटना- 6:। (स्रन्तरिती)

का वह सूचना जाएँ। करके पृत्रों कत सम्परित के जर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उच्छ सम्मति के दर्धन के सम्बन्ध में कोई भी दाखें।

- (क) इस सुवता के राजपण में प्रकारत की सारीच से 45 दिव की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणा की तामील से 30 दिन की नवधि, को भी क्षप्रिय कर में समान्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-यद्भ किसी कच्य व्यक्ति द्वास अभोहस्ताक्षरी है पास सिरीवत में किए जा सकोंगे।

क्यक्टोकरणः --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितिकम, से वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होता, जो उस कध्याय में दिका वक्षा हैं।

अनुस्ची

जमीन जिसका रकबा 4004 वर्गफिट है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं 1-8437 दिनाँक 10-6-1985 में विणित है ग्रौर जिसका निबन्धन रिजिस्ट्रार ग्राफ एस्रेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० 111-1188/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे प्लाट सं० 423 तौजी सं० 26 खाता सं० 91 थाना सं० 12 है तथा जो पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विक्रमादित्य नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड पटना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सरयुग प्रसाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पाई सिविद में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त निधिनयम के अध्याय 20-क में परिमाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्ची

जमीन जिसका रकवा 3061 वर्गफिट है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० I-8796 दिनाँक 17-6-1985 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार स्राफ एसुरेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

प्रक्ष वार्ष दी पुरं एष .-----

कार्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III 1189/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2053 खाता सं० 506 तौजी सं० 16 थाना सं० 40 है, तथा जो पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से: बिधक है और अंतरिक (अंतरिका) बीच अंतरिती (अंतरिक्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन महीं किया गया है :—

- (क) कन्सरण से हुई किसी नाव की बावत्, उस्त जीवनियंस के नगीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निष्; गीर/सा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य अस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवाजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा धा या किया खाना जाहिए था, छिपाने बें सुविधा की शिक्ष;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्री राम परेखा पासवान, गोसाई मैठ, नावाि ह, फुलवारी शरीफ, पटना-1।
 (ग्रन्तरक)
- ग्राधुनिक सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि०, बेली रोड़, पटना-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राखपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अभि काई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ
 फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यां की प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में शिका गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 17.5 िसमल है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं \circ -I-8767 दिनाँक 17-6-1985 में विणित है ग्रीर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ग्राफ एसूरेन्सेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-2-1986

मोहरः

प्ररूप आइ .टी.एनं.एस .-----

आयकंर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) कौ 269-ष(1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहावक मायकार नावृक्त (निद्धीलण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश नं ० 5/जून/85—अतः मुझे, एस०एस० एन० मृति,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के जरण है कि संधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसघी सं० टी० एस० नं० 26 तिरुच्चि है तथा जो मदुरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार, वोरियार में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

त्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास त्रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- श्री एस० चन्द्र सेकरन, 120 अलिवेन गार्डन स्ट्रीट, केवल एवेन्यू, मद्रास-4।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० आयिशा अम्माल, 8 नेट्टु स्ट्रीट, वरगनेरि, तिरुच्चि।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बन्स्ची

जमीन ग्रौर मकान, न्यू ब्लाक ई-20/टी०/एस० नं० 27, वोरैयूर।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्रकर बाई ु टी ु एन ु एस ुननना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्तिक)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश स० 6/जून/85---अतः मुझे, एस० एस० एन०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/ रूपये से अधिक है

म्राँगर जिसकी स० सर्वे नं० 202, टी० एस० नं० 52, तिरुच्चि है, तथा जो मदुरै में स्थित है (म्राँगर इससे जिपाबद्ध अनुसुची में म्राँगर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीम्त्रा अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्राप, वोरैयूप, डाक्मेंट नं० 2042/85 में भारतीय रिजस्ट्रीमरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया अतिफल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरफें लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाय की बावत उक्त विध-विधिनयम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बज़ने में स्ट्रीयधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में स्विभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्कासिक क्यिकाकों, अर्थात् म— 1. श्री आर० कुमार, बेंगलूरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सिवकायमी पत्नी अरुनाचलम पिल्लै, सी/ 37, तिल्लै नगर, तिरुच्चि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिव गया हैं।

श्चुन्

बेंकट जमीन, करु सं० 202, वार्ड, डी क्लाक नं० 15, टी० एस० सं० 52।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 7/जून/85—अतः मुझे, एस० एस० एन० मृति,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० टी० एस० 1578 से 1582, 1591, 1592, 1594, 1597 व 1598, पुतुर विलेज, है जो मदुरै में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार, वोरैयर विलेज/10 नं० 2080/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

जे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास उतने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए:

कतः वन, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरक , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती आर० कर्पगम, 9 गनम कालोनी, राम-लिंगम नगर, तिरुच्चि।

(अन्तरक)

2. श्री के० एन० के० आसात एण्ड अदर्स, नं० 9 ग्राम कालोनी, रामिलगम नगर, तिरुच्चि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भी वाश्रेष 🚁 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

जमीन और बिल्डिंग टी० एस० नं० 1578 से 1582, 1591, 1592, 1594, 1597 व 1598।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्रकार बार्ड : टी : एन : एक : -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के नधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मद्रै, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश मं० 8/जून/85--अतः मुझे, एस० एस० एन० मिति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुल्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, सिलाप्निड ग्राम, दिन्डुगल है, जो मदुरे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, जे० एस० आर० दिन्डुगल, डाक्मेंट सं० 825/ 85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, ऐसे उपयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिसत से विधिक है और वंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न्हीं किया गया है:---

- (क) बुन्तरण से हुई किसी बाय कर्त बाबत्, अबस विधिनियम के वधीन कर दोने थे जन्तर्क से दावित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; थीर/बा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर बॉर्भीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मतक अथ, उक्त अधिनियम की शार, 269-म को अनुसर्ग में, में, उस्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

- 1. श्री आर० मनोहरन, गांधी नगर, तिरुच्चि, दिन्डुगल, (अन्तरक)
- 2. श्री आर० गनेशन धांधी नगर, तिरुच्चि रोड़, दिन्डुगल ।

(अन्तरिती)

की वह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपोक्त के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोष्टं भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्रांक्तया व सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो । अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीन व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वादाः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के प लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, प्लाट सं० 1, सिलप्पडि ग्राम दिन्डुगल।

> एस० एस० एन० मूर् सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, मत

तारीख. 10-2-1986 मोहर:

शक्य भाष', डी. एवं, एक: ----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ने धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 9/जून/85--ग्रतः मुझे, एस० एस० एन० र्ित,

पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69 ख के व्यीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करते का रिण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित बाजार मूल्य .00,000/- रु. से विधिक हैं

गैर जिपनी सं० 4 डी-2, नायकर न्यू स्ट्रीट, दिन्हुगल , जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पृर्ण क्ल से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० श्रार० एक, दिन्हुगल (डाईकूमेंट सं० 364/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 ना 16) के श्रधीन, तारीख जून 1985

1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

पृश्वित सम्पत्ति के उनित नाजार मृत्य में कन के स्वयमम

तंकाल के लिए अंतिक्ति की मर्ड है और मुझे यह विकास करने

कारण हैं कि सथापूर्वित सम्पत्ति का उनित बाजार मृज्य,

को स्थमान स्विक्ति है, ऐसे रुक्षमान अंतिफल का पत्यह

तसित से अभिक है की रूप जन्तरण के लिए तय पाया नवा

तफल, निम्निवित रुद्देश्यों से उन्त जन्तरण विवित

वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया न

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त बीधीबस्त्र के बसीन कर दोने के लक्तरक के सायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए: सीर/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सिक्ट को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियस, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, क्षात :---

 श्रीमती ग्रार० दनवाक्कियम, 70 नेहरूजी नगर दिन्डुगल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० कन्दसामि, 72-ए कालिमुत्तुपिल्लै लेन दिन्डुगल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी क्योंकितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिस्ति में किए जा सकोंगे।

श्यक्ष्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के विया भवा है है

अनुसूची

जमीन ग्रौर बिल्डिंग डोर नम्बर 40-2 नायकर न्यू स्ट्रोट, गोबिन्दापुरम (ईए८) दिन्डुगल।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज: मद्रै

तारीख: 10-2-1986 मोहर:

शक्य बाइ'.टी.एस.एस..----

जावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यांसब, सम्रायक बाबकर बाय्क्त (निर्शेक्षक)

ग्रजंन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 10/जून/85---ग्रतः मुझे एस० एस० एन०

मूर्ति बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्त बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० 2-एस० नं० 4049, पेरियकुलम है तथा जो मदुरें में स्थित है (ग्रौर इपने उपाबह अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीयती ग्रीधानरी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-एक पेरियकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के डिपत धाजार बृल्य से कम के इत्यमान विकल के लिए जन्तिरत की गई हैं और मुक्ते यह जिक्कास करने का जारण है कि राधार्गोक्त मुक्ति का निर्ण कावार बृल्य, उसके स्थमान प्रतिकल में, एखि जनगणना, पिलकत के बन्दह प्रतिशत से जिथक हैं और अंतरक (क्षांचरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तम पाया प्रतिकल निम्निसित्ति उद्देश्य में जनन अंतरण सिक्ति में वास्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रीभिनियम के रागीन कर इंग्रूट क्रांटिंग कर की दायित्व में कभी करने पा नामने उक्ते में अविष्धः के बिगः, बरि/या
- (व) एसे किसी बाय या किसी धृत या अन्य आस्तिको की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वार्थ प्रकट गहीं किया ज्या था से किया जाना चाहिए थी, जिल्लाने में सुनिष्ण के लिखे।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कें क्र में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् रू—

 श्री सी० पलनोचामी एन्ड ग्रदर्स, साउथ स्ट्रीट, तेन्करै/पेरियकुलम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० राजलक्ष्मी, वाजार स्ट्रीट, वडकरे, पेरिय-कुलम।

(ग्रन्तरिती)

को बह सुबना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के दिन

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जासेंचू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीख 45 दिन के शीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी खन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के प निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्टकेटरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्रा हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में ि स्वा हैं।

अमृसूची

जमीन ग्रौर मकान, टी० एन० नं० 4049, (डाक्रूमें नं० 845, 846¶ 847 व 848)।

> एस० एस० एन० मू सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, मर

तारीख: 10-2-1986

मूर्ति,

त्रक्ष बाह् : टी : एत : एव : -----

बाव्या मृतिग्रन् 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के वधीन द्वारा

भारत संस्का

कार्यावय, बहावक वायक र वायुक्त (विरक्षिण)

श्चर्जन रेंन, मदुरै मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० 12/जून/85--श्चतः मुझे, एस० एस० एन०

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० टी० एस० न० 2, 10-बी, तिरुच्चि कन्टोनमेंट, लावेंस रोड़, है तथा जो मदुरें में स्थित है (ग्रौर इनसे उनाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, जें० एस० ग्रार०-2, तिरुच्चि में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1998 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985

(1998 का 16) के अधान, ताराख जून, 1985 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करें, का कारण है कि संभार्जों का स्पित ा उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एम भा या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. श्रो ए १० परमेस्वरन, 22 विल्लिपमस रोड़, कन्टो-मेंट, तिरुच्चि ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० उभा ऐंड अदर्स 10 मदुरै रोड़ तिरुच्चि पलक्करै।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाकोप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए बा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

अनुसूची

खाली जमीन प्लाट सं० 2 (टी० एस० सं० 2/10-बी०) तिरुच्चि कन्टोन्मेंट लावेन्स रोड़।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

भक्त बाह .टी.एन.एड.----

बायकर बार्जानगर, 1951 (1961 का 43) के बारा 269-६ (1) के बधीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रें न मदुरै

मदुरै दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० 15/जून/85--- ग्रतः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्से अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-थ के वर्णन सक्ष्म अधिक री को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अध्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 9 वैधनाथ ग्रय्यर रोड़ मदुरै-2 है तथा जो मदुरै में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावढ़ ग्रनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में जे० एम० ग्रार०-1 मदुरै में डाकूमेंट सं० 2130/85 में भारतीय रिजस्ट्रीक्जण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रबीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती , अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरक हं हुई कि ही बाय की बावत, उक्क बिधिनयम के बगीन कर दोने के बन्धरक के बाबित्य में कमी करमें या उख्छे ब्यूने में सुविधा के (ब्यू: बार्/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य असितयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर बॉधनियम, 1922 ते 1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, सा बन-कर अधिनियम, सा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एन० चन्द्रसेकरन एंड ग्रदर्स, पावर एजेंट, ग्रार० एम० के० नटराजन, 411 नार्थ मासि स्ट्रीट, मदुरै।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० बी० डो० सुत्रमनियन एण्ड श्रदर्स, 5/210, शौकत श्रलो स्ट्रीट, परमकुडि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना अ राजनक भी गकाश्चन की तारीख क 45 दिन को जनधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर मूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, को भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंबर करित्तों के से किसी अविधत इसरा;
- (क) इस स्वना के राजपन भे प्रकाशन को तारीख है 45 दिन की अला, जावन त्यावन स्परित में । हत्वद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताजरी के पाछ विवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिभेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्यी

णमीत ग्रीर मक्कान, डोर न० 9, वैद्यनाथ ग्रय्यर स्ट्रीट, मदुरै, टी० एन० न० 107-ए।

> एन० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 22/जून/85--म्रतः मुझे, एत० ए**न०** र्गत.

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उजत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 205-बी, है, जो मेलनाप-पाल्यम' तिरुमयम, डाकुमेंट नं० 913/85 में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, अब रिजिस्ट्रार, पोन्श्र-मरावती में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

(1908 का 16) क अवान, ताराख जून, 1985
को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बालार मूरा से कम के दरसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास धरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दानार
मूल्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या
प्रविक्त निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण विविद्त में
शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्धिश के निए।

अत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री एम० एस० ए० नूर मोहम्मद, टी० एस० नं० 2034, नार्थ कार स्ट्रीट, पुदुक्कोटै।

्र (ग्रन्तरक)

2. श्री एस० मोहम्मद कासिम, मेलतलयम, तिरुमयम तालुका।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी ऋड़के पूर्वोक्त सन्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोह्स्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों ना, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में बथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

वेक्कन्ट जमीन, 53/4, सेंट श्रौर बिल्डिंग/मेलनापालयम/ तिरूमयम।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ं(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

प्रस्त नाइ, टी. हन . एस . -----

क्षावकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी पाडा 269-ध (1) के अधीप सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्शालक)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 23/जून/85-- श्रतः मुझे, एस० एस० एन० मृति,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कां इसके प्रकात 'उनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षण अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर मध्यित विश्वका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं 28, 29, 30 व 31 मैन रोड़, पोन्य-मरवित है, जो मदुरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विभित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारो के कार्यालय, पव रिनस्ट्रार, पोन्यमरावती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, गारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य ते कान के जरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधान्यभी का सम्पत्ति का जिल्हा बाजार भून्य, उसके दरवमान प्रतिकास है होते स्वामान प्रतिकास सा गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जेक्ट्स (संस्थान) और बंडी पड़ी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से निक् एसे गन्म नका मृद्रिफन निम्मिकिसित उद्युवश्य से उसत ब्रुक्टरम निक्कित से भारतिक सन् में कीच्छ नहीं सिका नमा और -

- (क) अन्तरण संह्र किली आय का वावत, उपका नियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दाफिल में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;
- (सा ग्रेस कि लो आह का किसी वन वा क्या वस्तावायों कों, निक्त माक्सीय मानकर लिपनियम, 1922 (1922 कर 11) वा उन्त अधिनियम, या धन-क्या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक्सियों अन्तिहरी द्वारा प्रकट नहीं किस वया का वा किया याना याहिए या, कियान में सुनिया के किए।

जतः जब उन्त विभिन्यमं की भाष 269-ग के सन्भवनं में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की सम्मन्त (1) हे अधीन जिल्लीनिया व्यक्तियों, बस्ति १---

- 1. श्री के० तियागराजन एन्ड ग्रदर्स, पोन्ग्रमरावती। (श्रन्तरक)
- श्री एन० रासुल बीवी, पत्नी नूर मोहम्मद, तुवर । (श्रन्तिरती)

को वह ब्रुवना बार्स कदके पृथावता नंपरित के वर्णन के जिल् कार्यनाहिकों कपका हो।

उनद अव्यन्ति के पर्वम के स्थ्यम् में कार्य भी आयोग ह—

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की हारीच से 45 हिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अनीव, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंक्त क्यरिस्तयों में से सिक्ती न्यरिक्त क्वारा;
- (ख) इस स्वान के बाजपत्र वो बन्ताधन की तारोध स 45 विण के भीसर उपत स्थानर सम्पत्ति वो दिस-स्वाभ किसी अन्य स्थानत द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का स्थान ।

स्वक्रोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याद में क्यि। गया है।

अनुबूधी

जमीन ग्रौर बिल्डिंग, डोर सं० 28, 29, 30 व 31 मैंन रोड़, पोन्ग्रमरावती।

> एम० एम० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

म हर:

प्रस्थ बाह् ही एन एक .----

जायकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

बारत सरकाड

कार्यासय, तहावक बावकड बायकत (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 25/जून/85--- म्रतः मुझे, एस० एस० एन० मृति,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डाक्क्मेंट नं० 79, नोव्चिकुलम, पलयमकाट्टै, है तथा जो मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० एक पलयमकोट्टैं/डाक्क्० नं० 1915/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया मबा प्रतिफल निम्निलिखत उव्योदय से उक्त वंतरण लिखित के वास्तिक रूप से कशित नहीं किया गया है के स्व

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) श्रेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अथोंत:—

1. श्री ऐ० ग्रार० सी० नटराजन, 3, 5वाँ, क्रास स्ट्रीट, महाराज नगर, तिरुनेल्वेलि।

(अन्तरक)

2. मैं० मेन्सन ड्रगस लिमिटेड, नं० 36, 1स्ट मैंन रोड़, इन्दिरा गाँधी नगर, मद्रास-20।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारोध है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- व्याप्त क्यों कि पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिवयन के बध्धार 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होता को उस कथ्यान में दिया गया है।

श्रनुसू वी

जमीन ग्रौर फैक्टरि बिल्डिंग डब्क् मैंट नं० 79, नोब्बि- कुप्पम पंच्यत 5वाँ वार्ड, पलयमकोट्टै तालुक।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

मोहर 🖫

प्रारुष बाह्र दी. एह. एस """

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक बायकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै,

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 27/जून/1985 -- ग्रतः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 टा 43) (जिसे एसमें इसके पत्र्यात् 'उक्त अधिनियम' नहा गण है), की धारा 269-ख के अधीन इजम प्रतिकारी को पह विस्वास करने हा कारण है कि स्थावर पंपति, जिसकार है कि स्थावर पंपति, जिसकार है कि स्थावर पंपति,

स्रौर जिसकी सं० टी० एव० नं० 6034/207/14, पृद्धुकोहैं है, जो मदुरें में स्थित है (श्रीर इतसे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीयर्ती स्रिधिवारी के कार्यालय, जे० एन० स्रार०-1, पृट्टुकोहैं डातूबेंट सं० 1250/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के छ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निसिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य में कभी करने या उसने बचने में स्विधा के जिए; और/वा
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, लिपान में स्विधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिए पिक्तकों, अर्थात है—

- 1. श्री एस॰ मनोहरन, नार्थ राजा स्ट्रीट, पुदुकोट्टै। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती ए० वदहिससा एण्ड ग्रदर्स, लक्ष्मी पुरम,
 २रा स्ट्रोट, पुदुकोहै।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की गर्भाख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरों के पास विभिन्न में किए जा कर्त्य।

स्पथ्लिकःणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पढ़ों दे। आ उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, यही अर्थ होता को उस कथ्याय में दिखः गान है:

बन्स्ची

जनीन और मक्कान टी० एव० वं० 6084/207/14, राजगोपाल पुरम, 1हला स्ट्रीट, पुढुकोट्टै।

> एय० एस० एव० मूर्ति सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

प्रस्प बाइ°.टी एन एड -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षाप्त 269-म (1) के क्रभीन प्रजा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. मदुरै

मदुरै, दिशांग 10 फरवरी 1986

निदेश स० 28/जून/1985—अनः मुझे, एप० एस० एन० मृति,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव नंव 150-4, पुदुकोट्टै है पथा जो महुरै में स्थित है (ग्रीर इसने उपाधद अनुसुनी में ग्रोप पूर्ण रूप में विणित है), किस्ट्री तो अधिकारी के कार्याल, जेव एसव आरव-एस, पुदुकोट्टै, डाक्मेंट संव 1284/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख जून, 1985

बार पूर्वीसर सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से अस के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निजिमित श्रिक्तिशों, अर्थीत् हि—
18—496 GI/85

्।. श्री ११२० मुत्तुि रुशना जायङू एन्ड अन्सी, ईरवरन कोविन स्ट्रीट, तिरुवन्तुर, पुरुकोट्टै।

(अन्तरक)

2. श्री एम० सातवाल, वि० लक्ष्मीपुरम, पुदुकोहै। (अस्परिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्ष भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित $\epsilon^{\frac{1}{2}}$, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन और विल्डिंग लर्वे नं० 150-41.

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी रहायक आयवण आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

प्रकृत नाई. टी. यन. यूच्......

भागकर सीमीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) वे सभीन स्थान

भारत सर्कार

कार्यातम, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिशांक 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० 29/जूश/1985—-अतः मुझे, एस० एस० एन० मुति,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इस्क्रें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/-कः. से अधिक है

ग्रीप जिसकी सं० टी० एस० न० 792, पुदुकोहै टाउस है तथा जो मदुरें में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है), पिलस्ट्री क्री अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आ२०-1, पुदुकोटै में, भारतीय रिजस्ट्री- उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत्त है, एवं व्यवान प्रतिकत का पंच्य शिवक है जार जनतरक (बन्तरका) बीद बन्तरिकी किनारितिया) के बीच एसे जनतरक के लिए तब पाना नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की शावत, उच्च वीपनिवन के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एकी किसी जाव या किसी भन वा जन्य प्रास्तियों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनित्तव, 1922 (१922 का 11) वा उक्त विभिनित्तव, वा भन-कर विभिनित्तव, वा भन-कर विभिनित्तव, वा भन-कर विभिनित्तव, 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए पर खिपाने में मुविभा वी सिक्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ;— श्री एपा० एम० अस्माल् शस्माल एण्ड अदर्स, टी० एस० न० ७९१ व ७९२, ईस्ट २४१ स्ट्रोट, पृद्कोट्टै।

(अन्तरक)

2. श्री अजगम्मै आच्चि, पी० अलगपुरि, हिलमेवलपट्टी पोस्ट, विरुमयम वालुका।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिखु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में अंदर्भ मी जाक्षेप :----

- (क) इस ध्रमना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्मान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्द्रभ किसी बन्ध व्यक्ति ह्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास विश्वत मों किए का अकार्य।

स्वक्रीकरण्:—-इसमें प्रवृक्त बन्कों बाँर पदाँ का, को बन्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित क हैं, कही वर्ष क्षोगा, जो तस वश्याय में दिया गवा

ग्रनसूची

जमीन और महान, टी० एस० नं० 792 ,ईस्ट 2रा स्ट्रीट, पुदुकोहै।

एस० एस० एस० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहाया आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जंग रेंज, मदुरै

नारीख: 10-2-1986

ोहर:

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनां व 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 31/जून/1985—-अनः गुझे, एस० एस० एन० मृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृह्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जितकी सं० टी० एउ० नं० 3436, पुदुकोंट्टै है, जो मदुरै में स्थित है (ग्रौर इतमें उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप ने विगित्त है), रिजिस्ट्री ति अधिकारी के वार्यालय, जो० एस० आर०-1, पुदुकोट्टै डाक्सेंट सं० 1370/85 में भारतीय रिजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, हारीख जून 1985

कां पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकृत से प्रक्षिक है और धण्यरक (क्ष्म्तरकों) मोर धण्तरिक्षे (ध्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रण्यरण के लिए तम पाया नया प्रतिकृत स्व विश्वासित उद्देश्य से उच्त धण्तरण लिखित में बास्तविकृत्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण से हुई किसी शाय की वास्ता, उपक निर्धानयम के नभीन कर दोने के नंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) प्रेची किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को; जिन्हें धारतीय धायकर प्रखिनिधमः 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनिधमः या खन-कर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती हुवाडा प्रकट नहीं किया गया वा वा विकास वानि प्राहित वानि प्रधिक के विष्

बत: अव, तक्त विभिनियम की भारा 269-म के विकृतिक (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जी० राचरेतिनम एण्ड अदर्स, कल्यानरामापुरम, पुदुकोट्टै।

(अन्तरक)

श्री जे० संकर एण्ड अदर्स, टी० एस० 2382/1,
 3, 2रा स्ट्रीट, पुदुकोट्टै।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृथमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्डिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिवयम, के वध्याय 20 के में यथा परिभागत हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याव में डिया प्या है।

ग्रनुसूची

जमीत ऋौर महान टी० एउ० सं० 3436, सौम राजा स्ट्रीट, पुदुकोट्टै।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

बक्प बाइ . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाव रेव, मदुरै

मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 32/जूर/1985—-ॐ: मुझे, ए८० एस० एस० मूर्ति,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- उ. सं अधिक है

श्रौष जिन्नी सं० प्ताट तं० 5 ५ सतुरितु, पास प्रमा , पूर्वो हैं हैं, जो सदुरों में स्थिप हैं (श्रोण इ.न उपापक प्राप्तुनों में श्रोण एक ने विभिन्न हैं), प्रजिस्ही क्यों अधि प्राप्ति के कार्यालय में जाईन्ट कव किस्ट्राप्त-1, पुरुकोई, डाक्मेंट स० 1371/85 में भारतीय प्रजिस्ट्री प्रस्ण अधि। अथम, 1908 (1903 रा. 16) क अभीत, । विश्व पूर्व, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हां और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण है लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंबिक में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया एगा है

- (क) अन्तरण सं हुए किसी बाब की बाबत, जनत बाधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा क त्रिष्ट; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन पा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक उ अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से निष्;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधी किस्मीलिय व्यक्तियों, अवित् भी एस० मन्त्रकृणास, टी० एस० नं० 355, ईस्ट 4या स्ट्रीट, पुरुकोट्टै।

(अन्तर्कः)

अो नार० जिदमबरम, अम्मन्सन्नदि, कुलिपिरै, तिरु-मयम कालु ः, पुढुकोट्टै डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिथु कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

श्याष्ट्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुचा

प्रमीत क्रोर मकान ,ध्वाट सं० 56, सतुरितुराम नगर, पुदुकोट्टै।

> एस० एस० एन० मूर्ति प्रक्षम प्राधिकारी प्रहास : आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

नारीख: 10-2-1986

मोडिंग :

अक्ष्य **बाह**े. ती. **एव**. **एव**.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन बृचना

बाइट सरका

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 34-जून-85--- श्रत: मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिनकी सं० टी॰ एम० नं० 589/1 ए सिन्दुपुन्दुरै है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिध गरी के कार्यालय, 1, तिरुनेल्वेली डाकु मेंट नं० 26/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1985

का पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के त्यु तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (ध) अन्तरण व हुई किसी नाव की वाक्त, उल्ल कंथि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक ले वाधिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/धा
- (क) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या विशासिक अस्ति आहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

बर:, बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है बधीन, निस्नीनिवृत व्यक्तियों, ज्यारि क्र--- (1) श्री राज जेगवोर राममुत्तु कुमार वेंकटेश्वर एट्टप्प नायकर ऐंय्यन, कसिल वुड बंगलो, तिस्नेत्वेलि जंणन ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स गोवल ट्रस्ट सात मंगलम श्रन्ना नगर महुरै- 20 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि. जो भी ज्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए वा सकेंगें।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का., वो उसके जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा वक्ष हैं।

अन्स्ची

वेकन्ट जमीन ग्रौर पेडों के साथ टी० एन० नं० 509/ 1 ए 97 सेन्टस।

> एउ० एउ० एउ० मूर्ति नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10→2-1986

इसम बार्ड दी , इन , एस , रक्तवसम्बद्धन

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में वधीन कुमता

HIST BEINS

कायां सय, महायक जायबार भाग्यत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० 38/जून/85---ग्रत: मुझे, एस० एस० एन० मृति,

बायकर सिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हु"), की धारा 269-ध के सधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्दित विसका उचित बाजार मुख

1,00,000/- रा. से बिधिक हैं
ग्रीर जिसकी मं० नं० 106 ई० वं१० श्रार० नगर, तिरुच्चि5 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार, श्रीरंगम डाकुमेंट नं० 116 1/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कत्र के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मक्ते यह विश्वास करने का सारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मेश्य का टीयत काला क् मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ काना स्था और क् क्य निम्नीनियत उन्देश्य से उन्दर सन्तरम लिखित में सास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियां को, चिन्हें भारतीय आयकार निर्धानिता. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिता, या धन क्य अधिनिता, या धन क्य अधिनिता, या धन क्य अधिनिता, या धन क्यांचनार्थ नन्तिती ह्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा किया काना चाहिए था, डिकार में सुविधा के लिए;

करः शव, उक्त अधिनियम का धारा 269-व के अनुजरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्रो बो॰ चेल्लिपल्लै, लाल्गुडि, तिरुच्चि डिस्ट्रिन्ट (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमतो पो० मृत्तम्मल 106 ई० वी० ग्रार० नगर, तिरुच्चि-5

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से सर्वक के किस कार्वनाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थ :---

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकामन की तारीच वें
 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा की तामीन से 30 दिन की जन्य, को भी
 वनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ष
 विकाश में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ब) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के शब विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिवा वका है।

ग्रनुसूची

जमीन श्रौर मकान टी० एस० नं• 2056 β 1 श्रौर 2056 β 0 2 श्रीरंगम, तिरुचि।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 40/जून/85--ग्रतः मुझे, एस० एस०

एन० मूर्ति,

रायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2.69-स के अभीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 1658, 1659 स्रौर 1680 श्रीरंगम, तिरुच्चि है, जो मदुरें में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, श्रीरंगम, तिरुच्चि डाकुमेंट नं० 1268/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जून 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रति- कन निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त- विक क्य से कियत वहीं किया गया है है—

- (क) बन्तर के हुई किसी बाय की बावत उक्त बाधु-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा की निए. बार्यका
- (य) देवी किसी बाब वा किसी थग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बब-कर अधिनियम, या बब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विभा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वा. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) र अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत म—

- (1) श्रीमती एर० ग्रार० ग्रमनादेवी, तिरुवल्लुवर स्ट्रोट, श्रीरंगम तिरुच्चि।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमतो राजन कंडी स्ट्रीट, श्रीरंगम, तिरुचिच-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित यें किए का सकोंगे।

स्पद्धीक रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया कवा है:

जन्सु पी

जिमोन ग्रौर मक्कान टो० एस० न० 1658, 1659 ग्रौर 1680।

एप० एस० एन० मूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, मदुरै।

तारीख: 10-2-1986

शक्य सार्' . टी . युन . सुक . -----

भाषकर अधिनियम । 1961 (19**61 का 43) की बाद्ध** े हो अधीन **स्चना**

भारत सरकार

कार्यसम, महायक बावकर आयुक्त (निर्यक्तिक)

प्रर्जन रेंग, मदुरै मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 47| जून<math>| 85 -ग्रत: मुझे, एस० एस० एन० मृति,

वानकर वांधनियन, 1961 (1961 का 43) (विषे इक्षमें इतके परनाध् 'उन्त वांधिनियम' कहा नया हैं), की बाद्य 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्रमांक करने का कारण हैं कि स्थावर शस्पीत, विसका उचित बाद्यार मुख्य 100,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जि.को सं० प्लाट न० 20/33 बहार्बोथ रोह/तिरुचि है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर

इससे उपावड अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के ार्यालय, जे/एस/आर/डाकुमेंट नं 1081/85 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उभित वाषार मृत्य से क्य के क्यशान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य; उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गितात) जा कर एक अन्तर्भ के लिए तय पाया गया शतिफ क, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तर्भ सिवित में बारतिक कर से कर्मक सामें किया गया है :---

- (क) कन्तरण सं हुइ" किसी जाय की वायर है। क्या मध्यियम के वर्णीय कर दोने के क्याइय के दारियल में क्षती करने वा क्याचे वयने में कृषिया से किस; क्योर/का
- (य) एकी किसी लाग वा किसी थम वा करन शास्तिकों को, जिक्हों आरतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती ह्यारा प्रकट नहीं विवा दश वा का का किया का वा का मिन्न की मुविधा के खिहा;

(1) श्रो एक्षा चंद्रभेकरत ग्रौर ग्रदर्स/37 मूकपिल्लै लेंड, नार्थ ग्रान्डर स्ट्रीट/तिरुच्चि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमतो_।श्रार_|योजालङ्गो श्रम्माल_| 33 मेल चितामनो ग्रगरहारम्|विष्टिच ।

(ग्रन्तरितो)

को बह बुचना बारी करको पूर्वोक्त सन्मत्ति को अर्थन के किस् कार्यवाहिको करता हैं।

स्वत सन्पत्ति के सर्पन के तंत्रंभ में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंबं

जमीन ग्रौर मक्कान प्लाट नं० 20, 33 बहुर्वोध रोड़, तिरुच्चि।

> एम० एप० एउ० सूति सक्षम प्राधितारो महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सदुरै।

हत. एव, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, मदुरै मदुरै, दिन[‡]क 10 फरवरी 1986

निदेश स० 49/जून/85—अत: मझे, एस० एस० एन० मृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी॰एस०नं० 2791 पुतुकोंट्टै है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिहारी के जार्यालय, जे॰एस०आर०एक/सूदुकोंट्टैं डाकुमैंट नं० 1488/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का खंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) श्रीनती ए० व्यवस एण्ड ने स्वं, तात्रनिष्ट्टी, विरुक्तिर तालुका

(अन्तरक्)

(2) स्री एम० लक्षमभद चेट्टीयाद टी०ए५० 3118 ईस्ट से शस्ड स्ट्रीट पुदुकोट्टै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और महान टील्एक 2791 :

एउ० एउ० एन० मूर्ति स्थम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेजि, मदुरै

मदुरै, दिलाह 10 फरवरी 1986

निदेश गं $5 \frac{1}{2}$ १5—-शहर मझे, एस० एस० एन० मृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलको सं० टो० एन० 332/3, पलनी रोड, दिन्डुगल है, जो दिन्डुगल (डाकुमेंट मं० 234/85 में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध अनमुचो में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), पितस्ट्री तो अधिपारी के प्राथित्य, जे० एस० आर० I, दिन्डुगा में गायतीय प्रतिस्ट्रीकरण प्रिविषम, 1908 (1908 ठा 18) के अधीन जो, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि गथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) ओ के बीत ाबड एण्ड अर्स 9 न्यू अग्रहारम, दिन्दुगण।

(अनारक)

(2) श्री एम० वेंग्रटविश्यत एन्ड अदर्भ न्येंसेर स्ट्रीट, दिन्हुगल

(अन्तरिती)

प्त. यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अर्स्सो

वेनक्ट जमीन टी० एस० नं० 322/3 पलिन **रो**ड़, दिन्दुगल।

> "एस० एस० एन० **मूर्ति** सक्षम प्राधिकारी सहाय १ अव्यवस्य अयुक्ति (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्**रै**

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.डी.एन.एस.----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंत $-\mathbf{I}$, ग्रहमदाबाद

मदुरै, दिभांक 10 फरवरी 1986 राम्स्य २० ५२/जस/ १५०—अतः मञ्जे एस०

ानदेश सं० 52/जून/85——अतः मझे, एस० एम० एन० मृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकं सं० टी/एस/नं० 331/2 दिन्दुगत है, जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रिक्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, के/एस/आर/I/दिन्दुगत डाकुमेंट नं० 789 ग्रीर 790/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिकार, 1968 (1968का 16) के अधीन दिसांह

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिक क न, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक क से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कागा/सरस्वती कालनी/कुशनराव स्ट्रीट/ थर्ड लेन/दिन्डुगल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० नटराजन एण्ड अवर्स कोरेयुथ सन्टमंगलम इस्ट करुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए काण्याहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से निक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के बाम लिखित में कि धे जा सकरो।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

ग्रनुसूची

वेकेन्ट जमीन टी॰एश॰नं॰ 331/2 प्लाट नं॰ 12।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्रकृष बाहाँ, ही, एन, एस, न न न न

शायकार मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांतव, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्रक)

अर्जन रेंज, मदुरै नदुरै, िनाम 10 फाबरी 1986 दिवेश सं० 54/जून/85—अतः मझे, एस० एस० न० महि.

शायकर अधिनियम. 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रोर 177की नंव टीव एनव नंव 1033 करुर है, जो में स्थित है

(सर १३० जिन्दाह ानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), तो स्ट्रीनती प्रधिकारों के वार्याणय, जे० एस० आर० I, कर्णडाकृमीय नं० 839/85 में भागतीय रुजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन जून 1985

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार नृज्य, त्राको क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल सा पंदह प्रतिकात से उधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तियक स्ट से सी सा नहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी अबत अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीतः निम्निलिखिस अधिकस्यों, जर्मात हा

- (1) श्री अमीर साहिब, कू रसिकारा स्ट्रीट, करुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० पूसारी राजम्माल कन्तम पालयम पुन्जैपुगलर पोस्ट, करुर

(अन्तरिती)

को वह ब्याना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस बुचना के रायपन को प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (च) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए चा सक्तेंचे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर डोर नं० 8. क्तरिमकार स्ट्रीट, करुर

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधि जरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 10-2-1986

प्रक्य बार्ड. टी. एन. एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकार

क्रयां लय, सहायक वायकर वायुक्त (जिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै,

मदुरै, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 58/जून/85—-श्रतः मुझे, एस० एस० एन० मृति,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जाट नं० 30 श्रार० एस० नं० 41/1 (डोर नं० 27 एच०, 10वाँ कास स्ट्रीट, है तजो मदुरैं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 4, मदुरैं डाकुमेंट नं० 2735/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन जुन 85

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, हैनम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, अधिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० न्नार० सुत्रमिनयम, 1 न्नरुनाचलन रोड़, सालै किरामम, मद्रास

(म्रन्तरक)

(2) श्री के० उडयार 509 के० के० नगर 18नां स्ट्रीट, 4था सेक्टर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान डोर सं० 27वाँ, 10वाँ स्ट्रीट, एस० एस**०** कालोनी, मदुरैं।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रैर

तारीख: 10-2-1986

प्रका वाइं.टी.एन,एस.

बावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-J, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 37/जून/85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 19, मन्नार स्वामी कोविल स्ट्रीट है जो रायपुरम, मद्राम-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिवारी वे वार्यालय, रायपुरम (६५१ सं० 1105/85) में भारतीय रिजर्ट्र देण हि दिस, 350.6 (1908 का 16) के ग्रिधीन 27-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि राथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप है कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/सा
- (ता) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा से सिक्;

अक्षत्र अव, उपल व्यविनियम की पारा 269-न में वयुवरच ता, मी उपल व्यविनियम की पारा 269-न की उपभाग (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् :--- (1) श्री कें रामवन्द्रन ।

(अन्तरक)

(2) श्री जै० ग्रर्भवन्द ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारां कारकं गुर्वाक्त सञ्चिति के नर्वन के सिए कार्यगिहियां मूक करता है।

उक्त अम्पत्ति के सर्दा में हवध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नार्कीच में 30 दिन की व्यक्ति को भी समीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति इंगास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : न्यहरूमी प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम स्थान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं यदी हुना, जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अन्सूची

भूमि श्रौर मकान--डोर मन्नार स्वामी कोविल स्ट्रीट, रायपुरम मद्राप-13 (दन सं० 1105/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी गहाबक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-2-86

प्रकृप नाह . टां. एन. एके. -----

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 1, मद्रासं

मद्रास, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 41/जून/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित जिसका उचित जाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 36, वीरास्वामी पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी वेः नार्यालय, मद्राय उत्तर (दस सं० 1833/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रिधीन, जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह विश्वास के से अपने के से अपने कि स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह विश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ।स्तिवक रूप में की की की से से से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अन्तरण से इंड्रॉ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के जीन कह दोने के अन्तरक के द्रायित्व में को जाने का कर बचने में सुविधा, के निए; और/या
- (ख) ऐसे किसी अपय या किसी धन या अत्य आस्तियों नहीं, जिल्हों क्षा र स्वार प्रिकृतिया, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, ज्या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारित प्रयोजनार्थ द्वारा काला चाहिए था, छिपाने में सृविधा खे लिए;

नतः वज् , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन , निम्निनिस्त व्यक्तियों , वर्धात :---- (1) श्री ई० पापती ग्रम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो एग० के० वेदाचलम

(अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्षन के विश्व के विश्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 औदिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकी।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका यया है।

अन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान डोर सं० 36, **बीरास्वामी पिल्लै** स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस सं० 1833/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 4-2-1986

प्ररूप गाइ . टी. एन . एस . -----

(1) श्री ग्रार० नीलाम्बाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० विजेया सरोजा।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुच्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 44/जून/85--अत: म्झे. श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 46, नैनियप्प मेस्वी स्ट्रीट, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सौकार पेट (दस० सं० 284/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं बौर बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिव एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महो किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ॿ) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान: डोंर सं० 46, नैनियण मेस्त्री स्ट्रीट, मद्रास-3 (दस० सं० 284/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

तारीख: 4-2-1986

प्रकृप बार्ड : टहे. एन . एक

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के वधीन सूजना

धारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 51/जून/85--ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० साम वेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 34, वेंगटराम ग्रयर स्ट्रीट, मद्रास-79 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (दस० सं० 335/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 28-6-85

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी आय की बाबत, उकत लियान के अधीन कर दोने के कल्लाक के दायित्व में कबी करने वा उन्त विषय में सुविधा किए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, भा ध

नशः नव, उक्त निमित्रम की भारा 269-च के निम्तरच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20—496 GI/85

- (1) श्री बी० ग्रार० बालकृश्णन ग्रौर । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स जी० के० एम० वेस्ट पेपर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकीन।

स्पष्टिमकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिशा नवा हैं।

बन्स्यी

भूमि श्रौर मकान : डोर सं० 34, वेंगटराम श्रयर स्ट्रीट, मद्रास-79 (दस० सं० 335 $_1$ 85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

प्रकृष काई^{*}.टी.एन.एस_{ं:=====}

षायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 56/जून/85—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 27, डाक्टर गुडुस्वामी रोड, मद्रास-31 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोरीयमेंट (दस० सं० 640/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में. में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री ए० माधव राव।

Annual part of the property of

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० रबीकुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाकाप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

पलैंट सं० 27, डाक्टर गुडुस्वामी रोड, मद्रास ~ 31 (दस० सं० 64/085)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

प्रकथ बाइ ं, टी. एन ु एस ु----∺॰

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जो वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० $61/\sqrt{\eta} = 1/85 - -\pi/3$: मुझे, श्रीमती एम० साम् वेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'टकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 264-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 37, तिगन्न चेटटी स्ट्रीट, चिन्टा-त्रिपेंट है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस० सं० 699/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 13-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधाननार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :— (1) श्री पी० वीसें गोपालन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ग्यानचन्द ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्की पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीं भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थमा के राजपम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभागित हैं हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यदा हैं।

नन्त्वी

भूमि और मकान: डोर सं० 37, सिग्न चेटटी स्ट्रीट चिन्हातिपेट, मद्रास-2 (दस० सं० 699/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1985

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 62/जून/85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन 'सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट ग्राउन्ड फ्लोर सं० एफ० 120, पेरियकूडल गाँव है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रण गर (दस० सं० 2016/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रुषमान प्रतिफल से, ऐसे द्रुयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एल० के० मार्कन्डेयन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रन्वर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट—ग्राउन्ड फ्लोर सं० एफ० 120, पेरियकूडल गाँव (दस० सं० 2016/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण)** ग्रर्जन रेंज~1, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

प्रक्षप्र बाह् ् ही . एवं इ एक् नन्त्रनन्त्रन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्थना

भारत सरकात

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 75/जून/85—अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 2883 ए० एल० 184, 11वां मेईन रोड़ है, जो अण्ण नगर, मद्राज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस सं० 2370/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्तिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान शितफल से, ऐसे दश्यमान शितफल का मन्द्र प्रतिकत से विधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और खंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध स्थ से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध स्थ से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध स्थ से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध स्थ से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित स्वद्ध से से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत निम्नतिवित संवद से उक्त वंतरण कि लिए तय पाया का प्रतिकत स्थ से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कै अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वी० वी० सुत्रमणियन

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रेंगराजूलू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नितः कार्यवाहियां क्षुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्जा और पदी का, जा उजल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

भूमि और मकानः प्लाट सं० 2883 ए० एल० 184, 11वां मेडन रोड़, अण्णा नगर, मद्रास (दस सं० 2370/ 85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**ायक आयकर ा**्वत (िरक्षण) अ**र्जं**न रेज-1, मदास

तारख: 7-7-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिवाक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 76/जून/85---अत: मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-श के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० प्लाट सं० 873, क्षेत्रमबेड, अण्णा नगर, मद्रास है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस सं० 2374/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल को तिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आध की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के विस्; और/का
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विस्

कह: बच, उच्छ वीपीनयन की पारा 269-ग के पनुसरण हैं, वी, उस्त वीपीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रोहम्माल

(अन्तरकः)

(2) डाक्टर एम० तुरैराजन

(अन्तरिती)

को वह स्थला बारो करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श क्षे 45 दिन की क्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मङात प्लाट सं० 873 कीयम्बे**ड गांव** अण्णा नगर, मद्रास (इ.स. सं० 2374/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सझम प्राधिकारी सहायत आयकर आयुक्ट (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

प्रक्ष बाह : टी. एत . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत रहका

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 77/जून/85—अतः मुझे, श्रीमती एम**०** सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वार करने की कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 864, अण्णा नगर वेस्टर्न पाडि, मद्राल है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्ट्रिट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस सं० 2381/85) में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 12-6-85

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत के अध्यतिक उप ये किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क्षे लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पी० आर० पार्थां तार्थी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० महादेवम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्शित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रम्सूची

भूमि श्रीर मकान: प्लाट सं० 864, अण्णा नगर वेस्टर्न एक्सटेंशन, मद्रास-101 (दस सं० 2381/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश स॰ 86/जून/85--अत: मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 11, रीर्तंड रोड़, वेपेटी, मद्रास-1 है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्री ति अधिकारी के कार्यात्र्य, पेरिपमेट (दस सं० 725/85) में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को प्रांक्ति संपत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से लिथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, हैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्री हजी अनवर अली ई० ए० करीम (अन्तरक)
- (2) श्री के॰ एस॰ अन्दुर रशीत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 11, रिर्तंडन रोड़ वेपेरी, मद्रास-7 (दस सं० 725/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

प्रक्ष आहें .टी .एन .एन .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीसय, सहायक नायकर नायक्त (निर्द्धान)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 87/जून/85—अः मुझे, श्रोमती ्म० सामुबेल,

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाण् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 11, रिर्तंडन रोड़, वेपेरी मद्रास— 7 है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसुची में कौर पूर्ण रूप ने रतिणित है), रिजिस्ट्रोज़र्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दम सं० 726/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिए तथ वास्तिक स्प से कायत वास्तिक से साम स्तिक से कायत वास्तिक से स्व से कायत वास्तिक से से कायत वास्तिक से से कायत वास्तिक से सित्तिक से सित्तिक से कायत वास्तिक से सित्तिक से सित्तिक से से कायत वास्तिक से से कायत वास्तिक से सित्तिक सित्तिक सित्तिक से सित्तिक सित्तिक से सित्तिक सित्ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शबित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः जन, उन्त जीधीनयम की धारा 269-ज के जनूसरज में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ज की जपधारा (1) के अधीन विस्तितिक व्यक्तिकाँ अधीत कर्मा 21---496 GI/85

- (1) श्री हजि अन्वर अलि एच० ए० करीम (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एल० शमीन बानु ग्रौर (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके वृजीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डबड़ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रोप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इब सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्रमक्षरी के पाड़ विशिष्त में किए जा तकोंगे!

स्वक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मकान-डोर सं० 11 में हिस्सा, रिर्तंडन रोड़, वेपेरी मद्रास-7 (दस सं० 726/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,मद्राप्त

तारीख: 4-2-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

णावकर की प्रीवस्त्र, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्याजव , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज-1मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986 निदेश सं० 39/जून/85—अत: मझे, श्रीमती एम० सामुवेल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 184, लिगी चेट्रि स्हीट, जार्जं टाऊन है, जो मद्रास-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्णं रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रोस उत्तर (दस सं० 1787/85) में भारतीय रिजस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1985

को प्रामित बंग्गित के तीयत बाजार बुस्य से काम के स्वस्थान विस्ताय के स्वस्थान के सिए तय पाया गया इतिकल, निम्नीलियित उन्देश्य से स्वस्थान के सिए तय पाया गया इतिकल, निम्नीलियित उन्देश्य से स्वस्थान के स्वस्थान के सिम्नीलिय के स्वस्थान के सिम्नीलिय के सिम्मीलिय के सि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे असने में सुक्थिश के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बत्त बब, उक्त बर्धिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की जपभारा (1) के कभीन, निम्नलिसिए व्यक्तियों, वर्षात ह (1) श्री एन० करुणाकरा मदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री नीलम राज

(ग्रन्तरिती)

ना यह मचना जारी करको पुर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेय:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुबना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा दकेंचे के

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रभुक्त कर्दों हीर उसी हा, को उक्त विश्वाधित की अध्याध 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष मी दिया गया ही।

वष सची

भिम श्रार मकान-डोर सं० 184: लिंगी चेटटी स्ट्रीट जार्ज टाऊन मद्रास (दस सं० 1787/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अजट्टन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 12-2-1986

प्रकृप बाइँ त टी व एवं व एक् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 12 फरवरी 1986 निदेश सं० 40/जून/85—अत: मुझें श्रीमतो एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं० डोर सं० 184 लिंगी चेटटी स्ट्रीट जार्ज टाऊन मद्रास-1 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस स० 1792/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कन के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निविचत उद्देश्य से उनत अन्वरण कि बिचल में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबब , स्वत्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिथाने में सुविधा के लिए;

जत: जब , उन्त जीधीनयम की धारा 269-म के अनुस्तकः में , में , उन्त जीधीनयम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन,, निम्निनिवित व्यक्तित्यों , जर्मात् झ— (1) श्री एन० करूणाकरा मदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री कौशिक पो० शा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के तिम् कार्वेताहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई श्री नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को औं अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्व व्यक्ति हुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, को उनक निधिनियम, के सभ्याय 20-क में प्रीरभाविक हीं, वही जर्थ होगा को उस अभ्याय में दिल्ला गया है।

वन्स्थी

1/3 अविभाजित भूमि——डोर सं॰ 184, लिंगी चेटटी स्ट्रीट, जाजट्ट टाऊन, मद्रास-1 (दस सं॰ 1792/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

प्रस्थ बाह्र . टी . पूर् . एक -----

बायकर विभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानयः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तण)

अर्जीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सठ० 52/जूस/85—अत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जितकी मं० डोर सं० 27, डाक्टर गुरुस्वामी रोड़, मद्रास 103 में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं), और जिसका के कार्यालय, मेरियमेट द० सं० 636/85 में भारतीय रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए जंदरित की नई है और मृष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योक्त संपत्ति का उपित वाचार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफक्ष का पत्त्रक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया इतिस्कल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्धरम् चं हृदं निक्षी काय की बन्धर, क्यक् विधिनियम् भी वशीन कर देने के बन्धरक के शिवरम् में क्रमी क्युने या उससे वसने में सुविधा के किए; बार/मा
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा एकत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्रीभा के निए;

बाद: बाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्ष- (1) श्री ए० मादव राव,

(अन्नतरक)

(2) श्री बी० आनन्द राव

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना खादी करके पृत्रों कर सम्मृत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की बन्धि या इत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीन से 30 दिन की बन्धि, को भी नम्बि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंचन व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं श्काशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसबित में किए वा सकेंगे।

स्वय्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उवत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

15681-अविभाजित भूमि-डोर सं० 27, डाक्टर गुरुस्वामी रोड़, मद्रास-31

(श्रीमती एम० सामुवेल) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन्ः एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यांतर, सहारक सराका कार्यक (दिर्गिएक)

अर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 फरवरो 1986 हैं

निर्देश सं० 53/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

अध्यकर गौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० डोर सं० 27, डाक्टर गुरुस्वामी रोड है, जो मद्राह-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ग का विशेष है). रिजिल्ट्रोजिती अधि कारी के कार्यालय पेरियमेंट द० सं० 637/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1985

को प्रांक्त सम्भित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश से उक्त अन्तरण किवित से बास्तिक स्प से किवित में

- (क) बन्तरम ते हुई किसी बाव की दावत, उत्तर बिंदिनम के बचीन कर देने की बन्तरक से दायित्व में कभी करने वा उससे कमने में सुनिधा के निए; बीर्-/या
- (ख) एसीं किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियाँ की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 को 11) या उत्त अधिनियम, का धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधां व निए।

बतः बब, उक्त बाँधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---- (1) श्रो ए० माइव राव

(अन्तरक)

(2) श्री आर० देसिकन

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जलिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

25-47-1 अविभागित भूमि डोर सं० 27, डाक्टर गुरुग्वामी रोड, मद्रास-31 (द० सं० 637/85)।

श्रीमती एम० सामुवेंल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

प्रकृष नार्क्ष टी । एन् प्रव -----

भावकर मीर्थानवम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के संभीन स्वना

भारत सहस्र

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनां रु 12 फरवरी 1986

निदेश सं० 65/जून/85—-अनः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा प्रवाह'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का टारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूट. से अधिक हैं

स्रीर जिनकी मं० प्लाट नं० 4326, मुल्लम गांव, अण्णा नगर, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर दस० सं० 2153/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है हैं—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की बायत उक्त निध-निवस के जभीज कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (का) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकल्यार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया करा का वा किस जाना जाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मन्तिकित व्यक्तियों, अधीत, हि—

(1) श्री टी० सिवप्रसत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० नागराजन

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना आडी करके पृश्वींनत सम्मिति के नर्जन के सिव् कार्यगाहियां सूक करता हुं।

तक्य बन्गरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस बुक्ता के राज्यन में त्रकाकृत की तारीकृ से 45 दिन की कविष ना तत्कान्वन्धी व्यक्तियों एव सूचना की तासीज से 30 दिन की व्यक्तियों एवं व्यक्तियों को सी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस बुक्ता के समप्त्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्बन्धि के हिसबहुध किसी मन्य स्थित ब्याग्र वधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा बुकेंगे।

स्यक्कीकरण:—इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, को उक्क जीवीनसम, के स्थाद 20-क में परिभावित ही, बहुी वर्ष होंगा जो जस अध्याय में दिया गया ही।

भनुसूची

भूमि ग्रौर मकान :— प्लाट सं० 4326 मुहलम गांव, अण्णा नागर, मद्रास, (दस० सं० 2153/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- मद्रास

तारीख: 12-2-1986

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० जगाधरी/36/85-85---अतः, मुझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार वृत्व 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लोट न० 14 इन्डस्ट्रीयल एरिया नीयर सब्जी मण्डी, यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 21 जून 1985

करे प्रवेशित सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के आवतान प्रौतफन के निए अन्तरित की नर्ष है और अने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित वाचार बृक्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का कृत्यह प्रतिकृत से विश्व है और बंतरक (वंचरकों) और बंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निक् तम् पामा दवा प्रीक-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है डि—

- (क्या) जन्मरण से हुए किसी बाव की वावस्त, उसक वीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाविश्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के हिस्सू स्रोट√मा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थव वा अन्य बास्थियों को, विन्हें भारतीय बायकर विधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधीनवन वा धनकर विधीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना शाहिए था, कियाने से सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसक्ता मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हम्म (1) मैसर्ज जमना आटो इन्डस्ट्रांजस त्रो० जमना आटो इन्डस्ट्रीजस प्रा० लि० 10वी फ्लोर फ्लोर, नं० 4 तैमनत टावर नेहरू प्लैस नई मिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज जितंन्द्रा दिम्बर इन्स्ट्रीजस इन्डस्ट्रीयल एरिया यमुनानगर द्वारा श्री दीमानाथ चन्डोक पुल श्री नंगल सैन चन्डोक

(भ्रन्तरिती)

की यह ब्यना चारी करफ पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की वर्नीच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीब से 30 दिन की वर्नीच, को भी वर्नीच वाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिन्द- वद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के शख निकार के किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनवर्ग, के बच्चाय 20-क में परिभाषिक हैं, बड़ी वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंधी

सम्पति प्लाट नं 14 जो इन्डस्ट्रीयल एरिया नजदीक सबजी मडी यमुनानगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री सख्या 1810 दिनांक 21-6-86 पर दिया है।

> बो० एस० **ख**त्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^II रोहतक

दिनांक: 21-1-1986

प्रकार बाहै. टी. एवं. एवं.

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० एन० के० आर/ 18/85-86—अतः मुझे, बी०एल० खती

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-व के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाबार मूल्य 1.00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० भूमि 33 एशल 10 मरना गाँव वीन बडलढा तहर करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप न विणय है) एजिस्ट्री क्लां अधिकारी के कार्यातय नीलोखेडी भारतीय में आयार अधिकियम 1961 के अधीन दिनांक 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान सितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुमों यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अग्यान मृत्य, उसके खयमान प्रतिफल से एोगे ध्रथमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पावा प्रवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य में उच्छ अन्तरण लिखित वे वास्तिक रूप से कांचत नहीं किया प्रधा है देन

- (क) अल्खरण वे हुद्र किसी आग की वागत उक्क अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए जरि/वा
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी भन या सन्य बास्तियः को, बिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उदत को धीन्यम, या १९६० कर बीधीनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बाद: बाद, उक्त बाँधनियम की भार 269 न के बजूनरी की, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के बादीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, बाधाँद:--

(1) श्रो बायू राम दत्तक पत्न श्री सीता राम नि॰ गांव बीर वटलवा तह॰ करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज गर्श राइस मिल्ज वीर बङ्लवा तह० रुरनाल द्वारा श्री नारायण पुत श्री भगतराम नि० गांव बीर बङ्लवा तह० करनाल

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यतिहरण शुरू करता हुई ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिंध, को भी जनिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिश्वत के किए जा सकोंने।

स्पाक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्प्रति भूमि 33 कनाल 10 मरला जो गाँव बीर वडलवा तह् ० हरनाल में स्थित है जिल्ला अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के जार्यालय नीलोखेडी में रिजस्ट्री सं० 469 दिनांक 7-6-1985 पर दियाहै।

> बी. एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक : 3-2-86

प्रकृत बार्ड .टी . एवं . एवं . -----

बायकर नाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/34/ 85-86/अत: मुझे, बी० एल० रत्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 पोरशन आफ बी० पी० नं० 3ई-30 एन० आईटी फरीदाबद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 25-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल न, निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1.922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22-496 GI/85

- (1) श्री मुकेन्द लाल पुत श्री ईश्वर दास मदान नि० 2 एम/7, न्यू टाउन शिप फरीद्राबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री चमन लाल नि० 2 ए 108 न्यू टाउन शिप फरीदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्प्यित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किये वा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होरें। को उस अध्याय में विया गया हैं।

ग्रनुसूची

सम्पति 1/2 पोरशन आफ जो बी० पी० नं० 3-ई 30 एन० आई० टी फरीदाबाद जिसका अधिक विवरण. रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीनाबद में रिजस्ट्री संख्या 3291 दिनांक 25-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक 5-2-1986 मोहर

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1986

रिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदावद/30/85-86 अत: मुझें, बी० एल० खत्री,

बायकर क्षिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त व्यथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च की अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 589 सेक्टर 22 हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फरीदाबद में स्थित हैं (ग्राँगर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 22-6-85

को गूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सससे दश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (वंतरकाँ) और अंतरिती (अंत-रितवाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुष से हुई किसी जाव की वायत, उपक विध-निवस के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (वर्) एसी किसी बाव वा किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्थिभा के स्वयू;

बार वात , उक्त विधितियम की धारा 269-म के बन्दरण में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निबिकि व्यक्तिक्यों, वर्षात ह— (1) श्री मनीश कुमार पुत्र उदेय भान नि० 1-जी० एच 13 हाउसिंग बोर्ड कालोनी अलवर (राजस्थान)

(अन्तर्क)

(2) श्री मोहम्मद इन्नाहिम श्रीमती मजनू सूलक्षाना पत्नी श्री मोहम्मद सेक्टर नि० हा०न० 589 सेक्टर 22 द्वरीबाद (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की क्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्मिति हाउस नं० 589 सेक्टर 22 जो हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फरीबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय फरीबाद में रिजस्ट्री संख्या 3042 दिनांक 22-6-85 पर दिया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम **ब्रा**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 5-2-1986 मोहर:

अक्षे बाई . टी. एन . एस ..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० गुड़गाव/39/85-86---अत: मुझे बी० एल्० खती,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 124 कनाल 12 मरला साथ में ट्यूब बैल, फर ह नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गावा भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 13-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसको बचने में स्कृतिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अनिस्तर्यों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सोमानाथ पृत्र श्रीबन्सी राम पुत्र श्री टाकीन राम ह० न० 220/21 मदन पुरी फरक नगर (गुड़नावा)

(अन्तरक)

(2) श्री हरी चन्द पुत्र श्री कालू राम पुत्र श्री पतराम नि० नाथूपुर (ह० गुड़नावा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकें पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषणत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि।, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उपक विभिन्नियम, के कंप्याक 20-क में परिशासित है, कहीं अर्थ होना वो उस कंप्याय में विधा गया है।

अनुसूची

सम्मिति भूमि 124 कनाल 12 मरला जो फरकनगर साथ में टयूववैल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय गुड़माव में रिजस्ट्री संख्या 1506 दिनांक 13-6-1985 पर दिया है।

> बीं० एल० खन्नो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-रोहतक

दिनांक 4-2-1986 मोहर:

प्रस्य कार्ड ही एन एवं .----

प्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज रोहतक

रोहतक दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० सडोरा/2/85-86---अतः मुझे बी० एल० खत्नी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 41 कनाल 15 मरला सादीक पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसुची में ग्रीर पूर्ण इस से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय साडोरा भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रक्षिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ओ वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्च बास्तियाँ करें जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया चाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शादी राम पुत श्री चेत राम नि० सादक पुर तह० नारायणगढ़।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज फैन्डस ब्रीक्स टैडनसेस सदीक पुर तह० नारायणगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

सिष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

सम्मिति भूमि 41 कनाला 15 मरला जो शादीक पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय साडोरा में रिजस्ट्री संख्या 226 दिनांक 21-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

दिनां क 3-2-1986 मोहर:

प्रस्य बाह्यं हो । एक एक -----

सानकर विभिन्दिन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक बायकड बायुक्त (निडीखप)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1986

तिर्देई सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुडगावा/106/85-86--श्रतः मुझे, बी० एक० खन्नी,

भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िंक्स इसमें इसके पश्चाद 'उक्त निधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिक रो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से निधक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 529 वर्गगज साथ में बना हुश्रा पार्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय गुडगावा में भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रधीन दिनांक 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिनिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जारू की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/श
- ्ष) एसी किसी नाम या किसी पन या सन्य नास्तियों को, चिन्हें आरतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (१०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अत: क्षत्र, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हरी दास पुत्र श्री खुशीराम पुत्र श्री जयराम दास नि० 51- ई०, कमला नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरज भान पुत्र श्री चन्दगीर,म नि० 183/4 ग्ररबन ईस्टेट गुडगावा
- (2) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण नि० 47/4702 रेगर पुरा करोल बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[#], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा **ह**ै।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3.12 विसवा जो साथ में फैक्टरी सीड, गुडगावा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगावा में रस्जिट्री संख्या 1347 दिनांक 7-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 5-2-1986 मो_र : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/51/85-86-- ग्रतः मुद्धे बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 56 कनाल गांव रानामाजरा तह० गानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपबाद ग्रनूसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ग्रमर सिंह पुत श्री ग्राशा सिंह नि० राना माजरा तह० पानीपत।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वे श्री गन्डाराम 2 गोविन्दम पुतान श्री जीवन गम 3 श्री पाला राम पुत्र श्री गन्डाराम नि० रावर तह० करनाल ।

(ग्र तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसू ची

सम्पति भूमि 56 कनाल जो गांव राना माजरा तह० पानीपत में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 2043 दिनांक 27-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती पसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

दिनांक 22-1-1986 मोहर: प्राक्ष्प बाई.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतव

रोहतक, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०फरीदाबाद/63/85-86 --म्रतः मुझे बी० एल० खत्नी,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 519 सेक्टर 15 फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी वे कार्यालय फरीदाबाद भ.रतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 8-6-85

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) में बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिशत में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी जाय की, वाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाम्पित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी थन या जन्म नास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधः कीलए;

(1) श्री पी० एस पाटल पुत्र लेट श्री कृपाल सिंह हा० नं 519 सेक्टर 15 फरीदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वदेव सहानी पुत्र लेट श्री के० ग्रार० साहनी 1 सी/131 न्यु टाउन शिप फरीटाबाद (नाव हाउस नं० 519 सेक्टर-15 फरीदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृद्धिं के. अर्डेन, अर्डेन, अर्डेन, अर्डेन,

उसत राज्यक्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षा- से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितककृष किया अवस्थित के पास निवास में किया सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

सम्पति हाउस नं 519 जो सेक्टर 15 फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजीस्ट्रीकर्ता केकार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 2465 दिनांक 5-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—→

दिनांक 10-2-1986

मक्त आरं ह टी. स्तृत सुक्तान्य

भार्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, रोहतक रोहतक दिनां रु 7 फरवरी 1986 निदेश सं ॰ आई-4ए •सीं ॰ /एक्यु ॰ /गुड़गावा / 6 3 / 85-86---अतः मझे बी॰एल० खती,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनम' कहा गया हों), की धारा 269- क के 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 745/14 350 वर्ग गज साथ में कन्द्रकान पाट में स्थित है (स्रौर इस उपाबद्ध स्ननूसुचो में स्रौर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकत्ती स्रिधिकारी के कार्यालय गुडगावा में भारतीय स्नायकर स्रिधिनियम 1961 के के स्रिधीन दिनांक 15-6-1985

भन्ने पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थमान ब्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बुक्ब,, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्मिलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तरिक स्थ से किश्यन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एती किसी नाय या किसी वन या बन्ध वास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर निधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिन्यम, या धनकर ब्रिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) श्री ज्वाहर लाल पुत्र श्री योगेश चन्दर नि० ई० /23 लाजपस नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप चन्द पुत्र श्री डी॰ नानक नि॰ टी॰-2 भ्यौरा पाली, दिल्ली कैन्ट (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त बुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंच ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु है 45 दिन की बन्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ₹ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र हिकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकें रें।

स्थळीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

ग्रनुसूची

सम्पति प्लाट नं० 745/14 जो 350 वर्ग गज साथ में कन्द्रक्सन पाट में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय गुडगांावा में रजिस्ट्री संख्या 1543 दिनांक 15-6-85 एर दिया है।

वो० एल० **ख**ती सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निराक्षण) ग्रजन रेंज रोहतक

बतः वतः, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों ह वर्धात् ॥——

दिनांक 7-2-1986 मोहर: मुक्स बार् टी.एन.एस. व-----

वानकर कर्रभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रभीन सुमना

भारत सरकार

व्यवस्थित, बहायक जायकार जावका (विर्यक्षित)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० एन० जी० आर०/ 4/85-86—अत: मुझे बी० एल० खत्नी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 11 मरला नारायण गढ़ में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अनूसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नारायण गढ में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाँक 8-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के क्लबनाने प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकाद्व मूक्य, उसके क्लयमान प्रतिकल से, एसे क्लबमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिक्ति (अंतरित्वों) के बीच एसे अंतर्ज के जिए सब पामा वया प्रतिकल कल, निम्नतिविक क्लब से उपन बन्तरण सिवित में वास्त्विक क्ष्म से कथित नहीं किला नया है क्ल

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाग की बाबत, उक्त कार्जिन्द्रक के वर्षीक कर दोने के अन्तरक के दर्शिक्ष में ककी करने ना उक्ते क्यूने में सुविधा के सिक्ष और शि
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिकों कर जिन्हों भारतीय वाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या ध्यक्तर बर्धिनियम या ध्यक्तर बर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा वा वा किया धाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23—496 GI/85

(1) श्री लज्जा राम 2 रामेश्वर दास 3 श्री राम सरूप 46 श्री सन्त राम पुजान श्री राम लाल निभारायण गढ़

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वैकुण्ड लाल पुत्र श्री राम सरूप नि० नरायणगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहिया सृष्ट कस्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीप है-

- (क) इस सुमान के राज्यन में प्रकाशन की तार्थेंस से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितब्रद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए या सकों।

स्यक्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्तर विभिन्यम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस वश्याय में दिया गया हैं॥

अनुसूची

सम्पित भूमि 13 कनाल 11 मरला जो नारायणगद में स्थित है जिएका अधिक विवरण रिजस्ट्राकर्त्ता के कार्यालय नारायणगढ़ में रिजस्ट्रो संख्या 719 दिनांक 8-6-85 पर दिया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 3-2-1986 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आज्ञास (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश स॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰ पानीपत/45/85-86-अत: मुझे बी॰ एल॰ खन्नी

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्भावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसको सं० हाउस नं० 205, 8 मरला कालोनी, पानीपत में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 19-6-1985

को पूर्वोक्त तम्पीति के उचित वाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिजों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में झूबिधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारः २०९-ग के अनुसरण पें, में, उक्त अधिनियम की धारा २०९-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ह- (1) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री बी० आ४० वनरा 627 माडल टाउन पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतपाल सिंह कपूर पुत्र मं० अमितिह ति० 205, 8 मरना कालोनी, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें सार कि स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति हाउस नं० 205 जो 8 मरला जालोनो, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीक्तों के जार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 1851 दिनां र 19-6-85 पर दिया है।

> त्री० ए**ल० खत्नी** जक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आहुत: (भिरीक्षण) अर्जन **रें**ज, रोहतक

दिनांक: 3-2-1986

प्रकृप आहु^र.टी.एन.एस.-----

थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरोक्सण)

अर्जन रेंज रोहतक रोहतक दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू० एन० के० आर०; 22/85-86--अत: मुझे बी० एल० खत्नी

कारकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभिनियम' कहा गया है), की भारा 369-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 119 कनाल 15 मरला निगाधु तह० नीलोखेड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नीलोखड़ी भारतीय आकर अधिनियम 1961 के अधीन दिशांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्बद्धान् प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिस्त से ब्रिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पावा चया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया चया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिश्तियम के स्पीन कर बने के बंदहक के वादित्य में क्राची कृतने वा उद्वर्ष नमूने में सुविधा के निष्; और/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें आरतीय उत्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का १९) या प्रकृत अधिनियम, बा धन-कह विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतनार्थ बंत्रिती इनारा प्रकृत कहीं किया गया था वा किसा जाना आहिए था, जिनाने में हुतिथा वी विदेश

बतः, तथ, उत्तर विभिनियम की भारा 269-ग के जबुसरण बं, में उक्त विभिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के बधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्धात् है— (1) श्री कदम सिंह 2 श्री मदन सिंह पुत्र श्री सपटटर सिंह पुत्र श्री नादर सिंह नि० निगधा तह० निलोखेडी जिला करनाला।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सिंह 2 श्री अमि सिंह पुतान श्री मंन्यू राम नि० कसरा डेड तह० नीलोखेड़ी

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के "अर्थ कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्त्रोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्थ नहीं का, वो समस मिनियम के मध्याल 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होना, वो उस मध्याय में दिया नवा हैं।

अन्स्या

सम्पति भूमि 119 कनाल 15 मरला जो नीगधु तह० नीलोखेडी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रो-कत्ता के कार्यालय नीलोखेडी में रजिस्ट्री संख्या 610 दिनांक 28-6-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहलक

दिनांक 3-2-1986 मोहर 🛚

प्रस्म बाह्र टी. इन्. इन्. ----

बायकार बहिन्दिमम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बचीन त्यना

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्गयक अन्यकर मायुक्त (विरोक्कि)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देई स० आई० ए० सी०/एक्यू०गुड़गावा/50/85-86-अतः मुझे, बी० एल० खती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 गांव चककर पुर (गुडगांवा) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसुची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांवा भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 28-6-1985

कों पृत्रोक्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास का कारण है कि वशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य सकते हरक्षमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितिवा) के कीच एसे अंतरण के सिए सब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवा क्या है कीचल नहीं किया प्रति है

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत,, उक्त बीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्ट्रीक्टन में कुछ कहने या स्ट्राब बाद में स्ट्रीक्टा से स्ट्रिक्ट कीह/का
- (क) क्षी किसी कार या किसी पर या क्ष्म वास्तियाँ को, ज़िक्टू नास्तीय सम्यक्त विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिनयम, या ज़क्का विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तियों ह्वास प्रकट नहीं किया क्या था का किया जाना लहिन्य था, क्रियाने में व्याशा के किस्

वस्त वस्त जनत विश्वित्रक की भारा 269-ग से वनुषरण कों है के उक्त अधिविस्त की भारा 269-म की उपभारा (1) क्षेत्रकोतः विकासिक्य व्यक्तिको । स्वीत् ह (1) श्रीमती सुमन कान्ता अरोड़ा ई-103-ए 1, डी॰ डी॰ ए॰ फ्लैट नारायणा बिहर, नई दिल्ली-110028।

(म्रन्तरक)

(2) श्री आर० के० लक्ष्मन द्वारा आई०टी० सी० सी० लिमिटेड 37 चौवरी चम्पी रोड़ कलकत्ता। (अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, से उक्त अधिनिवस, के अध्यात 20-क में परिमाधित हीं, बादी अर्थ होगा को उस सस्याध में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पति प्वाट नं० 6 जो कुतुब इनकलैब कम्पलक्स में स्थित है जित्रका अधिक विवरण रिजस्ट्रीक्तों के कार्यालय गुड़गावा में रिजस्ट्रो संख्या 1788 दिनांक 28-6-85 पर दिया गया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-2-1986

प्रकल् आर्थः ही . दन . एक . -------

भावभर विधानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से वभीन स्वना

शारत गरकाह

कार्यासय, बहायक बायकह बायका (निर्देशाण)

ग्रर्जन रेंज--रोहतक

रोहतक दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुडगावा /40/85-86---श्रतः मुझे बी०एल० खत्नी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रवाद जिस्त विधिनियम कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्ब 1,00,006/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 4 कनाल 19 मरला गांव करतार पुरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुडगावा भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दम्यमान प्रतिफल से, एसे दम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निज्वतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्तिवक कप से कवित नहीं किया बया है :---

- (क) वंतरण वे हुन् कियों काय की वासका, उच्छा विधिनयम के वधीन कर देने के वंतरक के दावित्य के कबी करणे या उन्नये वच्चये के वृधिया के जिला लोगिया
- (व) एसी किसी बाय वा किसी अभ वा बच्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवन, वा धनकर विधिनवन, वा धनकर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वंडरिसी इवारा क्रकट नहीं किया गया था वा वा वाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिल्हा

बसः जब, उक्त जीधीनयम की थारा 269-ग के बनुसरण कें, वें', उक्त बीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें अर्धान, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री ईश्वर सिंह नि॰ निहाल श्रीमती पारवती विडो निहाल नि॰ करतर पुरी

(ग्रन्तरक)

(2) (2) मेसर्ज दीप सिक्का एण्ड ईस्टेंट (प्रा०) लि॰ 115 अनराव भवन 16 कस्तुरबा गान्धी मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना बारी करने पुना निस सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख के 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वन्धि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त सब्यों बौर पतों का, को उत्तर भृष्टिनियम के निर्धाय 20-क में पहिलापित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा निया है ।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल 9 मरला जो गाँव करतार पुरी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगावा में रिजस्ट्री संख्या 1513 दिनाँक 13-6-85 पर दिया है।

(बी० एल० खदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

दिनाँक 3-2-1986 मोहर :

मक्त बार् .डी. ह्य .इत .----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा शरा 269-म (1) के क्यीन सूर्वना

शारत वरकार

कार्यात्रयः, सहायक वायकर वायकतः (विवासीकार्यः)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 4 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गावा /47/85-86 ग्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

कायकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) हिंबसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकरी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाकार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 64 कनाल 16 मरला गाँव धनकोर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय गुड़गावा में भारतीय श्रायकर ग्रिष्टिनियम 1961 के ग्रिष्टीन दिनाँक 15-6-1985

भी पूर्गोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और कन्तरक (जन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गमा प्रतिफ ल्लीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अलाइण बिखित में करसाविक रूप से कथित नहीं किया गका है :---

- (क) बन्करण वे हुई किसी बाय की बाबड़, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क सावित्य में कभी करने या उच्च बचाने में सुविधा के बिग्र; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का । या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलीवित व्यक्तियों. अभीत्:—

(1) श्रीमती रामा बाई पुत्री मेघराम नि० 3 एफ०। 202 मीरा धारी करनाल

(म्रन्तरक)

(2) श्री राम लाल 2 श्री में हर चन्द पुतान श्री वासा राम 3, श्रीमती खीवाला पत्नी राम लाल नि० धनकोर तह० गुड़गावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आसीप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए या सकोंगे।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त व्यव्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्यि; गया है।

बनसची

सम्पति भूमि 64 कनाल मरला 16 गाव धनकोर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गावा में रिजस्ट्री संख्या 1578 दिनाँक 15-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 4-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० नरवाना /26/85-86-ग्रतः मुझे बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 40 कनाल 2 मरला नरवाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नरवाना भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियजान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-म की उपनारा (1) के अभीता, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अभीत ■

- (1) श्रोमतो रवजानी पुती श्री माला नि० नरवाना (ग्रन्तररु)
- (2) श्री श्रमर सिंह 2. श्री बीर भान 3 श्री धर्मबीर 4 श्री कर्मवीर 5, श्री दक्षानन्द पुतान श्री मान सिंह नि० नरवाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य जो भी अविध्य बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यान के समप्त में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिस्क स्थावर सम्पत्ति में हिस्क स्थावर सम्पत्ति में हिस्क स्थावर स्थावर सम्पत्ति में किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभाहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंने।

क्या किएया: इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पति भूमि 40 कनाल 2 मरला जो नरवाना म में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय नरवाना में रिजस्ट्री संख्या 722 दिनाँक 10-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज,रोहतक

दिनाँक 3-2-1986 मोहर: प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26व-म (१) के बचीन स्चना

नार्व तर्कार

कार्याच्या, तहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-रोहतक रोहतक दिनाँक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०एक्यू० गुड़गावा/42/85-86--म्रतः मुझे बी० एल० खती

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 338 सैक्टर 4 गुड़गावा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुड़गावा भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 15-6-1986

को पूर्वोक्स सम्परित से उचित बाजार मृत्य से कम की दक्तजान मितफल के बिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बृत्य, उत्तक क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का बल्द्स प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिकीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-विक्य के ब्योज कड़ दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी कड़ने वा उचने कड़ने में सुविभा के जिए और/वा
- (क) श्रेडी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कार्य, चिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धन कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था का किया धाना चाडिए था, जियाने में सुविधा खें जिल्हें

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्व व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री देव राज पुत श्री प्यारे जाल 1277/17, फरीदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्य देव शर्मा पुत्र श्री हरीप्रसाद पुत्र श्री श्याम लाल हाउस नं० 1338 सेक्टर-1 गुड़गावा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकही करता हुं-।

उन्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की ब्वीच वा तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में ब्रवाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता है
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें
 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हितजूब्ध किशी भूग स्थातित व्वारा वधोहस्तासरी के
 पात सिवित में किए या सुकेंने।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उनक अधिद्वित्वन के अध्याद 20-के में गीरवाजिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उठ अध्याद में दिया। भवा हैं।

अनुसूची

सम्पति हाउस नं० 1338 जो सेक्टर 4 गुड़गावा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुडगावा में रिजस्ट्री संख्या 1519 दिनाँक 13-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

दिनाँक 4-2-1986 मोहर: प्रस्प बाईं, टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर बायुक्त (नि<u>.इ.)बाय)</u> अर्जन रेज, रोहनक

रोहता दियाँ 22 जनकरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० जीन्द/27/85-86---अतः मुझे, बी० एल० खती

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 35 कैनाल 5 मरला भूमि जीन्द में हिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय जीन्द में भारतीय आयकर अधिनिःम 1961 के अधीन दिनांक 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मश्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाषार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल किल निम्मिलिक उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वत में वास्तविक क्य में किश्वत नहीं किशा गया है:—

- (क) अन्तरण मो हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रांयल में कमी करन या उसस बचने में प्रविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोज- तर्ध अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं रिया गया था वा किया जाना वाहिए या कियाने में स्विधा
- भव. सब, उक्त विभिन्यम की भाषा 269-ग के बनुसर्ज भी, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :----28 ---496 GI/85

(1) श्रो बलबना सिंह उर्फ कुलबन्त सिंह (2) तर्वजीत जिह पुल श्री मान सिंह जित्रासी अलर्फगढ़ अहर जीन्द्र।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर िंह (2) सूरिन्दर सिंह पुत्रगण श्री बनवन्त सिंह, म० नं० 145, सुभाष नगर, नगर, जीन्द।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 4 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

अध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा है।

अनुसूची

्रम्पति 35 कैपाल 5 मरला जो भूमि जीन्द्र में स्थित है जिस्ता अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जीन्द्र में रिजिस्ट्री संख्या 1523 दिलांच 27-्-1986 पर दिया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आय*ह*र अ.युक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग, रोहतक

दिनां ह : 22-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन एस.----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्चन हेंज, होड़न इ

रोहता, दियां 28 गाउँगी 1986

ार्देश सं ाई ० सी०/एक्यू० जीन्द /41/85-86---अत: मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उथ्त अधिनियम' वहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्त रांपति जिसका उचित बाजार मूल्य

1, 00, 000/- रह से अधिक हैं।

ग्रों: जितकी सं १११ कैंगाला 7 मारल भूमि, ग्राम किनाना में स्थित है (ग्रांर इपने उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणा है) परिद्री पत्ती अधिकारी के कार्यालय, जीन्द में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 10-6-1985

को पूर्वोक्या सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की सर्व के और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यां धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६५०% के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६५०५ औं संश्**धारा (1)** फ़ें अधीन, निम्नलिरियल व्यक्तियों, अधीस् ६००० (1) श्री ऐम कुमार पुत्र श्री घाष्याम दास विवासी श्रम—िलाना, ६६० जीन्दा।

(अन्तरक)

(2.) भी सूरण मन (2) एफे (3) चांद सिंह पुनाण श्री चन्दगी राम, विवासी किनाना, नहरू जिल्हा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 तिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीधनियम, के अध्याप 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पित 111 कैनाल 7 मरला भूमि जो ग्राम किनाना में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय जीन्द में एजिस्ट्री संख्या 1211 दिनांक 10-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 28-1-1986

शक्य नाइ' दी पत् वर्ष

मायफर जिथिनियम, 1961 (1361 का 43) की धार्य 269-ध (1) के अभीन सुक्रा

भारत् वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनां रू 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/52/ 85-86---आ: मुझे बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

खौर जिसकी सं० भूमि 79 कताल 19 मरला गांव महराजा तह० पानीपत में स्थित हैं (खौर इसने उपाबद्ध अनुभूची में खौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिल्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विन 5 27-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा मूबा प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाध की दावस, अक्ट वरियानियम के स्थान कर दोने के अन्तरक के कविस्य में कृती कहने वा उपने मुख्या के हिन्दु; मार/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नव्यः नास्तिकों को, विन्हें भारतीय नावकर निधित्यन, 1922 (1922 का 11) वा उक्स निधित्यन, वा धन-कर निधित्यम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ नन्तिरती क्यारा प्रकट नृहीं किया गवा वा या किया बाना चाहिए था, क्याने में बृतिया को विक्

नतः तव, उन्त विधित्तवन की भारा 269-न के अपूछरण तो, में. उन्त विधिवयन की भारा 269-म की उपधारा (1) के नुधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् हु---

- (1) श्री जनजीत कुमार 2. श्री रणजीत सिंह पुत्रान श्री हुक्कमचन्द (3) श्रीमित सत्या पुत्री श्री हुक्कम चन्द वि० 579 माडल टाउन पानीपत। (अन्तरक)
- (2) श्री महासिंह पुत्र श्री माडा पुत्र श्री घासी नि० सिवाह तह० पानीपत।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृष्टिक्त सम्बद्धि के अर्थन के जिह कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्मति से वर्षन से सम्बन्ध में सोर्ड भी आक्षर ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख क्षं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को बी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट सिचित में किए का सकों ने।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्धे विभाव 20-क में प्रिभाधिष्ट हैं, वहीं वर्ष होया, जो उस अध्याय में दिया तया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 79 कमाल 19 मरला जो गांव महराना तहर पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कत्ती के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2052 दिशांक 27-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन रोहनक

दिनांक : 14-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

गारत सरकार

कार्यामन, सञ्चायक जावकर जान्यत (निर्धालक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं शाई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत,53/85-86— अत: मुझे, दी० एल० खत्री

गामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा⊾ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 80 जनाल 15 मरना गांव महराहा तह० पानीका में स्थित हैं (श्रीर इसो। इसबाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिल्स्ट्रीन्सी अधिमारी के जायांसय पानीका में भारतीय आयानर अधित्यम 1961 के अधीन दिनांका 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत अद्देश से उक्त अन्तरण निम्निलिखत अद्देश से उक्त अन्तरण

- (क) वंशरण से हुई किसी जाब की वावत, उनस विधानसम के अधीन कर दोने के बन्तरक की शामित्व में कमी करते वा उससे बचने में सुविधा है लिए; बॉर/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनेवधा के लिए;

क्ष: क्षत्र, क्षत्र विधिनियम की धारा 269-व को जनसर्थ हो, बँ, उन्न अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के वर्षीन, जिल्लीकृत व्यक्तियों, वर्धातः——

- (1) श्री जगजीतकुमार 2. श्री रणजीत कुमार पुत्नान श्री हुनमचन्द (3) श्रीमती सत्या पुत्नी श्री हुनमचन्द ति० 579 माडन टाउन, पानीप्त (अन्तरह)
- (2) श्री अरदार सिंह पुत्र श्री भाडा पुत्र श्री धासी गांव सिवाह नह० पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी बाध्ये :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारिश्व सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितिकारों में से फिसी व्यक्ति इतारा.
- (ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पित भूमि 80 कमाल 14 मरला जो गाव महराना तह० पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ना के ाार्यालय पानीपक में रिजस्ट्री संख्या 2053 दिमांक 27-3-1985 पर दिया है।

> बी० एक**ः ख**ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज**, रोह**तक

दिनां क : 13-1-1986

ध्रम्य बाह्र . टी . एन . एस .: ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कर्म 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-रोहतक रोहतक, दिनाँक 27 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू /कालका/ 10/85-86---अतः मुझे बी० एल० खत्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० एम० ग्राई० जी० की-42 सेक्टर 11, पंचकुला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कालका में भारतीय कायर किश्विम, 19(1 के ग्रिधीन दिनाँक 6-6-1985

को पृवांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं। आर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाए बोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यशा है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थान :---

- (1) कुमारी के० सुल्हन पुत्ती श्री एम० जी० लाल मकान नं० 259 सेक्टर 7 चण्डीगड़ (ग्रन्तरिती)
- (2) श्री अनुप बंसर्ल पुत्र श्री किशोर बंसल मकांन नं० 182/9, इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ (अन्तरक)

की यह सूचना चारी करके प्वेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपनि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सबा है है

श्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एम० ग्राई० जी० बी०-42 सेक्टर-11, पंचकुला में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालका में रिजस्ट्री संख्या 633 दिनाँक 6-6-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸रोहतक

दिनाँक :--27- 1-1986 मोहर :-- प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-रोहतक रोहनक, तिन्ँि 20 जनवरी 1986 निदेश सं. श्राई० ए० सी०/एक्यू फरीदावाद/35/85-86 श्रतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 755 सेक्टर 16 कार्यालय शहरी सम्पदा फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबछ , ग्रम्भूनी में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फरीदाबाद भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के अर्धान दिनाँक 14-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाब की बाबत, खक्ट अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए: और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धः धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्धः न्या वा दा दिवा बाना दाहिए वा, दिनार्थ में तृविधा के निष्;

नतः अव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग क बन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह मलही पुत्रश्री तेजा सिंह निवासो 755 सेक्टर 16 फरीदाबाद (ग्रन्तराँक)
- (2) श्रीमती वेद ग्रोवर विधवा स्वर्गीय श्री हरबंस लाल ग्रोवर निवासी 321 सेक्टर 15 फरीदाबाद (ग्रत्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सब्दित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्याक्तया ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ! अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका सक्ष है।

मन्सूची

सम्पत्ति मकान नं० 155 जो, सेक्टर 16 फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रिजस्ट्री संख्या 2729 दिनाँक 14-6-1985 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-रोहतक

दिनाँक: 20-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 16 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू फरीदाबाद/32/85—86—-ग्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रींर जिसकी सं० मकान नं० 1580, सेक्टर 15, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 25→6−1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित न्मिक्समों, अर्थात् — (1) श्रा किशन चन्द पुत श्री ईश्वर दाप निवासी 53-बो, भानन्द पर्वत, दिल्ली-110005

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्रो हेमराज ग्रग्न वाल (2) श्री प्रेमपाल ग्रग्नशल पुत्र गण श्रो मेलाराम ग्राम तथा डाकखाना भूटा जिला लुधियाना (पंजाब)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मिति में द्वित कथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सन्ति मकात नं ० 1580 जो सेक्टर 15 फरीदाबाद में स्थित है जि ा अधि प्रविवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रिजस्ट्री संख्या 3124दिनाँक 25 जूत, 1985।

> बी० एल० खत्नो सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी, 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु पानीपत/41/85-86---अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 48 कैनाल भूमि बबैल तह० पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 15-6-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री दलीय चन्द जयलाल उर्फ जिले जिह पुत्र गण श्री रितया निवासी बबैल, तह० पानीपत (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती सुमिला देवी पुत्री श्रो कबुल सिंह पुत्र श्री मान सिंह निवासी यवैल तह० पानीपत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

पनाति 48 कैनाल भूमि जो ग्राम बबैल तह० पानीपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानोपत में रजिस्ट्रो संख्या 1771 दिनाँक 15-6-1985 पर दिया है।

> ्बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 14-1-1986

शास्प बाइ' . टी . एन . एत . -----

बायकर बाधिनियम 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सचन

अवस् सर्भावः

कार्यासय, सहायक जायकर बाब्बत (विरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एईयू०पानीपत/32/85-86→-श्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृश्चीकत संपत्ति का उचित वाकार मृन्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 44 कैनाल 7 मरला भूमि, ग्राम बबैल तह० पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत भारतीय स्रायकर स्रधिनियम 1961 के स्रधीन, दिनाँक 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से बीधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकस, विश्वसिश्व उष्योक्षों से स्वयु व्यवस्थ सिविष्ठ में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धारम् व हुन्द निक्की काम को बावस्त, उपक वीम्हित्यम् में स्वीत कड दोने के बन्धारक के स्वित्य में क्यी कड़ने या उद्योग को स्वित्य के स्वित्रः सीर/वा
- (क) देती किसी बाव वा किसी वन वा अन्त वास्तियाँ को बिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, वा धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा खेलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—496 GI/85

- 1. (1) श्री महिन्दर।
 - (2) राजिन्दर।
 - (3) ग्रत्तरसिंह।
 - (4) महाबीर।
 - (5) सतबोर गुत्रगण श्रो धन सिंह निवासी ववैल, तह० पानीपत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रनूप सिंह पुत्र श्री मूला सिंह पुत्र श्री सावन सिंह, निवाासी ग्राम बबैल तह० पानीपत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोएं भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचे से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तात्रील से 30 दिन की नवृधि, को जी नवृधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वास्य;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनक स्थानर सम्मत्ति में हितबहुध निकडी बन्न न्यांक्त द्वारा नमोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में निक्ष्य वा सकोंचे ।

धनुसूची

सम्पत्ति 44 कैनाल 7 मरला भूमि पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक प्रैविवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 1551 दिनाँक 6-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकुत (निरीक्षके) ग्रर्जन रेंज–रोहतक

तारीख: 22-1-1986

प्रकष बाई .टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ग्रम्बाला/32/85-86 श्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 6 कैनाल 8 माला भूमि, ग्राम-सिंघा वाला तह० ग्रम्बाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 12-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मंपित्त का उचित याजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफार में. जोगं अध्यमान प्रतिफार का बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफार में. जोगं अध्यमान प्रतिफार का बन्तरक (बन्तरकों) बोर बन्तरक (बन्तरकों) बोर बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफान जिम्नीलिखत उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में सम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- कि) बादक से हुए किसी बाय की बावह, उसक विधिनियम के मुणीन कर दोने की जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसके बचने से स्विधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन मा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-अन् विधिनियम, शिक्तिया । १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जारा चाहिए था, व्यिपाने में मृतिया के लिए।

बतः अत्र उबत अधिनियम की धारा २६०-ग क जनसरण हो, मी, अवत अधिनियम की धारा २६०-व की उपधारा (१) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री करनेल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी ग्राम सिंघावाला, तह० ग्रम्बाला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोणन लाल तिरखा पुत्र पं० रामज्य निवासी बादशाही वैग, श्रम्बाला शहर (2) श्री राधे श्याम तायल पुत्र श्री पूरन मल निवासी ट्रेजरी रोड़, श्रम्बाला शहर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को हारीस सं 45 दिन की अविश्व या तरसंवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबींग, को भी अविश्व बाद में सजाक होती हो, है भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतन उक्त स्थानन नम्पति में हिनबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निवित में किए का सकीं।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय पूत-अ में परिप्राणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रनुसूची

सम्पत्ति 6 कंनाल 8 मरला भूमि ग्राम-सिघावाला, तह० ग्रम्बाला में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, ग्रम्बाला में रजिस्ट्री संट्या 1985 दिनाँक 12-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायकृत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज∼रोहतक

तारीख: 14-1-1986

प्रकृष ब्राह्म : री . एस : एव : -----

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाव 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू पानीपत/47_/85—86—— श्रत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1, ਰਹ, 000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 163 कैनाल 6 मरला भूमि, ग्राम सिवाह तह० पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्यों कत संपत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नम्म प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म मिन्निवित उद्देश से उक्त अन्तर्म बिक्ष में बाक्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संह्रू किसी बाय की बाबत, उक्त् वीधीवयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्ति में क्या करने वा उत्तर बाजने में कृतिया के निष्; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्स बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः वन, उत्तर विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अधीर, भिम्मिनिसिस व्यक्तियों, स्थान क्रिक (1) श्री फतेह सिंह पुत श्री ग्रमीर सिंह पुत मुगला (2) श्री ग्रोम प्रकाश पुत श्री फतेह सिंह निवासी ग्राम सिवाह तह० पानीपत ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री अवतार कृष्ण खन्ना पुत्र श्री राधाकृष्ण (2) श्री विनोद कुमार खन्ना पुत्र श्री अवतार कृष्ण खन्ना (3) श्री प्रमोद कुमार खन्ना पुत्र श्री अवतार कृष्ण खन्ना (4) श्री राजीव खन्ना पुत्र श्री अवतार कृष्ण खन्ना, निवासी किशनपुरा हाऊस, पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

कृते सृष्ट सूचना कारी कार्यके पूर्वोक्त संपृतित सं अर्थन के सिध् कार्यनाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस त्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताझीब से 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अनिध, को भी अनिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस श्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तार्रीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वयक्तिहरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों बीड पूर्वे का, जो हक्क अधिनियम से सम्बाद 20-क में परिकारिक है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यक्त में दिया गया है।

शकापी

सम्पत्ति 163 कैनाल 6 मरला भूमि ग्राम सिवाह, तह० पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत रिजस्ट्रो संख्या 2028 दिनाँक जून, 1985 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहृतक

तारीख: 14-1-1986

प्रकार बार्ड . दो . एन . एवं . ------

लांबकर विश्वविषय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे अभीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जानकर (निकासण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्रार्ट० ए० सी०, एक्यू करनाल | 48 | 85-86--श्रतः, मुझे, बी० एल० खत्नी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 5 बीघा 3 विश्वा भूमि करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन दिनाँक 3-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में स्विधा के लिए।

जतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) श्री नावन मल पुत्र श्री नर सिंह दास पुत श्री मक्खन लाल, निवासी सदर बाजार, करनाल (श्रन्तरक)
- (2) श्री समर सिंह पुत्र श्री पन्ना लाल पुत्र श्री रामानन्द निवासी शिव कालोनी, केथल रोड, करनाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास्तः;
- (ख) इस सूचना के राष्णित्र में प्रकाशन की तक्क्रीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उकल अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिशायिक है, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिया गया है।

समझ ची

सस्पत्ति 5 बीघा 3 बिश्वा भूमि जो शिव कालोनी, करनाल में स्थित है जिसका ब्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीफर्ती के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1035 दिनाँक 3-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14~1-1986

प्रस्त बाहें. टी. एन. एस.,-----

बाबकर विधित्तवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्याचन, तहारक आवकर आवक्त (निर्माका)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 12 जनवरी 1986

निदेश सं० अ।ई० ए० सी०/एक्यू०-फरीदाबाद/28/ 85-86--अतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

नायंकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,, 60,000/- रु. से जिभक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16-ए, एन० आई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भीयालय, फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 2-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिक्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिस्कल निम्निवित्ति उद्देश्य से उसत अन्वरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे क्यूर्य किसी बाब की बाबत, उक्त निवस के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करूने वा उक्त वचने में तृतिभा के फिए; और/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नंतन तथा, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुबन्ध में, मं-, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन. निम्नतिविद्य व्यक्तियों अधीन ह—

1. श्री विनोद कुमार, भूषिन्दर कुमार, निवासी डी-269, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

2. श्री राजेश अरोड़ा पुत्त श्री एस० के० अरोड़ा, निवासी 469, सेक्टर 16-ए, फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध , जो भी बद्धी वाद में समाप्त होता हो, के भीवर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में श्रेकाशन की तररीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्हितम, के अध्याय 20-क में परिकारिक्स हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में टिया गया है।

मनुष्यी

सम्पत्ति प्लाट नं० 16-ए जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में रिजस्ट्री सं० 2456, दिनां है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिन.क: 12-1-1986

अरुष् शाह[®]्टीं, एन्, एस्. ०००००

कायकार वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-प (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याजय, बद्दायक शायकर शायुक्त (निर्द्रोक्षण)

अर्जन रेंज, रोहत्क

रोहतक, दिनंक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-करनाल/56/85-86--अत:, मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 32 कैनाल भूमि, ग्राम डाबरकी, तहसील करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीम, दिमांक 7-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यभाष्यों क्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृषि दिव्य के क्षित्र कर दोने के बन्तरक के वाबित्य के कभी करने वा अकुई वस्त्र में पुविधा के निष्; बीड़/या
- (ज) होती किसी बाय वा किसी भव का अन्य वास्तियों को, विनहीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से बियदः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री मुसा सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी ग्राम डाबरकी अहसील करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री रसाल सिंह उर्फ रसाला पुत्र श्री चुहड़िया राम, निवासी XVII, 542/2, जलन्द्रा गेट, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कीई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निष्या है।

प्रनुषुची

सम्पत्ति 32 कैनाल भूमि जो ग्राम डाबरकी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्री सं० 1112, दिनांक 7-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, राहतक

रोहतक, दिनांक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/रोहत $\pi/13/85-86$ -अतः मझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 बीधा 4 बिस्ता भूमि, रोहतक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, दिनांक 12-6-85 को पूर्वेक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के स्थमान शिक्पत के लिए कत्तरित की गई है और मृत्रों वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, अतके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का उच्चर कियमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का उच्चर कियमान प्रतिफल से ग्रीर कंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के तिए तय वावा जवा प्रतिकल निम्नतिचित ख्वरेंच्य से उक्त बन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबसा, उनस नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कृती करने या उससे बचने में सुविधा के हिल्हु; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या बन्च ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीकवित व्यक्तियों, अर्थांच् ह श्री हुंम चन्द पुत्र सरूप सिंह, (2) श्री मांगे राम पुत्र श्री हुकम चन्द, निवासी सुखपुरा, रोहतक।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री स्रोम प्रकाश सेनी, निवासी सैनीपुरा, रोहतक।

(अन्तरिती)

3. श्री श्रोम प्रकाश सैनी पुत्त श्री अभयराम सैनी, निवासी सैनीपुरा, रोहतक। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्लू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से जिल्ली व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ तिबित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इनमें प्रयुक्त शान्यों और पर्यो का, को उपन गीधीनयम, ग्रें अध्याय 20-क में वीरभाविक ही, वहीं शर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

अनुसूची

प्रमिति 4 बीघा 4 बिस्वा भूमि जो रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहितक में रिजस्ट्री सं० 1680 दिनांक 12-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 19-1-1986

प्ररूप बार्ष टी. एन. एव.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहत ह, दिनांक 22 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/8/85-86--- अत: मुझे, बी० एल० खबी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 48 कैनाल भूषि, ग्राम देवरू, तहसील सोनी त में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्री क्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय आयहर अधिनियम, 19€1 के अधीन दिशाँक 3-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उज़ित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बाच एक उन्तरण के लिए तय गागा मया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसने बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर आंधोनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के किया किया जाना खाहिए का, डिपाने में सुनिधा के बिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीब :---

श्रीमती भूणीला देशी पत्नी ईश्वर चन्द्र, (2)
जिस्म माला पत्नी श्री मुलेख चन्द्र, (3) सन्तोष
कुमारो पत्नी रमेण चन्द्र, निवामी बडा वाजार
सोनीपत।

(अन्तरिती)

(2) श्री जिलेसिंह पुत्र श्री इन्द्ररा पुत्रगुरन दित्ता मुर्थल दरवाजा, सोनीपत

(अन्तरतक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनत सन्गरित के अर्थन के सन्गरभ में कोई भी आक्षेप पु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस्त के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किये वा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

जगरा 🌊

सम्पत्ति 48 कैनाल भूमि में जो ग्राम देवास, तह० सोनी 11 में वियत है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री सं० 1094 दिनां ह 3-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण प्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

दिनांक: 22-1-1986

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 22 जनवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-सोनीपत/23/85-86 ---म्रत, मुझे बो० एल० खन्नी

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 अध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000 / - रुठ. से अधिक हैं

और जिसका सं० 26 कनाल 15 मरला भूमि तथा जो मुर्थल में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 29-6-1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रस्तिफल को लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उस्के दृश्यमान प्रतिफल का पंस्न इतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

 श्री जागे पुत्र नयादर निवासी मुर्थल तहसील सोनीपत!

(ग्रन्तरक)

 दि जय भारत को-म्राप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी मार्फत श्र्म परमानन्द पहूजा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 26 कनाल 15 मरला भूमि जो मुर्थल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 1660 दिनांक 29-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक : 22-1-1986

प्रका नाई. टी. पुन . एत . -----

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारत सर्बद्धर

कार्यास्थ, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 30 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सं१०/एक्यू० कालका/18/85-86---ग्रत: मुझे बी० एल० खती

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० मकान नं० 436 सेक्टर- 7 पंचकुला तहसील कालका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालका में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 6-6-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति को अधित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतर्रित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्ति उद्देश्य से उक्त बंतरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की नावत, उसत विश्व-नियम के अवीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उसते बचने में मुश्लिश के लिए; वरि/का
- (क) इंसी किसी बाब जा किसी धन वा जन्त जास्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर सीधनियज, 1922 (1922 का 11) जा उकत बीधीनयम, हा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वैद्यारिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, किया में मुखिधा के चिक्

बंदः कव, उवल क्रीबिनिक्स की भारा 269-व के क्रम्परंग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मनमोहन कुमार भल्ला पुत्र श्री तीरथ राम भल्ला निवासी 436 सेक्टर 7 पंचकुला तहसील कालका।

(ग्रन्तरक)

१. लाला जगदीश राय पुत्र श्री मोहर चन्द निवासी म० नं० 1105 सेक्टर 7 पंचकुला तहसील कालका जिला ग्रम्बाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विष् हार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यागत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त बीध-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, क्यी कर्य होगा जो उस बध्याय में दिवा नवा है।

वनसची

सम्पत्ति मकान नं० 436 जो सेक्टर 7 पंचकुला तहसील कालका में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कालका में रिजस्ट्री सं० 642 दिनांक 6-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30-1-1986

प्रकप बाह'. टी. एन. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/सीनीपत/22/85-86--ग्रत: मुझे बी० एल० खती

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अगर जिसकी सं० 7 कनाल 8 मरला भूमि है तथा जो मुर्थल में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 29.6-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डाचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे वह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के ।ेसए; और∕या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंति दिनों द्वारा प्रकर नहीं लिए। यह वा या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें,, में अबत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधी निमनलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- 1. श्री जिने राम पुत्र भगवान निवासी मुर्थन । (ग्रन्तरक)
- 2. दि जय भारत को-म्राप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी ति० जी० टी० रोड़ मुर्थल (श्री परमानन्द पहुजा प्रधान के जरिए)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति इता;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्ताक्षरी ई पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित **हैं, वहीं वर्ष होगा उस वध्याय में दिका** गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 7 कनाल 8 मरला भूमि जो मुर्थल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अबिहारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 1659, दिनांक 29-6-85 पर दिया है।

> वी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहनक

दिनांक : 24- 1- 1986

इक्ष कार् दी . एन . एस . ------

बायवार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आदकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 22 जनवरी: 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सा०/एक्यू हाँसी/4/85/86— ग्रान, मुझे बी० एल० खन्ना:

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा श्या हैं), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 35 कनाल भूमि है ग्रांर जो हाँसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारा के कार्यालय हाँसा में भारताय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रिधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्धि। के बिक्; कॉर/बा
- (स) ऐसी किसी जान या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया असा बा बा किया जाना चाहिए वा कियाने से वृद्धिया वे लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन निम्मजिक्ति व्यक्तियों अधीन हिन्मजिक्ति

- (1) श्रोमतो राम बाई विधवा श्रो गुरित्ता श्रामतो द्यावन्ता पुती श्री गुरित्ता सर्व श्री श्रासकरन एवं राम प्रकाण पुत्रगण श्रा गुरित्ता निवासी हाँसी (श्रन्तरक)
 - (2) 1. श्रं राम प्रताप 1. मनोहर लाल 3. बलबीर सिंह 4. कृष्ण युमार पुताण श्री हीरा लाल निवासी धनी खुश हाल माजरा तहर भवानी खेड़ा जिला-भिवानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्बन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच स 45 दिन की अवधि या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीन से 30 दिन की व्यक्षि, जो भी सर्विष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति 35 इत्नाल भूमि जो हासी में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय हाँसी में रजिस्ट्री संख्या 681 दिनांक 3-6-1985 पर दिया है।

> वी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 22-1-1986

मं!हर:

ोक्षण •

शक्य बाइं.टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

थायाँ लय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनां ह 29 जनवरी 1986

मिर्देश सं ् आई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/44/85--86--अध: मुझे, बी० एल० खत्री,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रांट जितको सं० 28 कैमाल भूमि पानीपत में स्थित है (श्रांट इसमे उनाबढ़ अनुसूची में ग्रांट पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीनित्ती अधिकारी के वार्यालय पानीपत भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांच 19-6-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जींधनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे अचने यें सृविधा क्षे लिए: और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अरं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राज विधवा (2) सर्वश्री हरजीत सिंह (3) जगजीत सिंह (3) रिवन्दर पाल सिंह पुत्रगण (5) श्रीमती सत्तविन्दर कौर (6) देविन्दर कौर पुत्रीगण श्री गुरचरन सिंह निवासी टी० 87-1, रेलवे कालोनी, मेरठ (उ० प्र०)
- (2)श्री जगदीण चन्द धवन पुत्र श्री राम लाल मार्फत 116 सुखदेव नगर, पानीपत (अन्तरिती)

को यह स्वता चारी करको पृत्रीकत संपत्ति के अर्थन को तिह कार्यवाहियां शुरू करता हुं:

उन्त संपर् में मर्जन के संबंध में काई भी कार्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकों है।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति 28 कैनाल भूमि जो पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजिम्ट्री संख्या 1825 दिनांक 19-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 29-1-1986

प्रक्य बाह् .टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतन, दिनांक 13 जनवरी 1986

निदण म० आई० ए० सी०/एवय्० करनाल/81/85-86--अत: मुझे, बी० एल० खर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिन्नकी मं० दुकान नं० 938 पुरानी मण्डी (गुर मण्डी करनाल) में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती में स्रौर पूर्ण रूप ने विणिए है), रिजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 24-6-85

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाचाइ बृत्य से कम के स्वभान गितिफ से किए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वाध ग्रांत का कारण है कि संवाप्नों के संपत्ति का उचित बाचार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंबारिती (बंतरितियाँ) के बीच के एसे बन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित भें वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उथक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में क्यी करने वा उससे वचने में हिवधा के जिए; बाँड/वा
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाड़िए था, खिराने में सुविधा से निक्या

अतः अअ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र प्यारा लाल, (2) श्री इकबाल सिंह पुत्रान श्री प्रताप सिंह नि० 13/ 1106 अरवन इस्टेट करनाल

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मपाल पुत्र श्री जानकीदास नि० 561 माडल टाउन करमाल (2) श्री सीताराम पुत्र श्री तुलसी राम नि० 315—आर० माडल टाऊन, करमाल

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ररता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासोप:--

- (क) इब स्वां के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनींच मा तत्संबंधी व्यक्तिनों कर सूचना की तामींच से 30 दिन की वन्धि, को औं जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकी।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, को उत्वत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया

बन्स्ची

मम्पत्ति दुकान नं० 938 जो पुरानी मण्डी (गुर मण्डी) करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1414 दिनांक 24-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खही मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 13-1-1986

इस्य बार्ड दी एन एस ------

माथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

बारत बहुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० निसंग/16/85/— 86——अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,00/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी पं० 38 कैनाल 4 मारल भूमि, ग्राम निसंग में स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से चीत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निसंग भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 12−6−85

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक स्टा से किया वया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रशासनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा चे सिष् ॥

अत अब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग कै जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) अ अधीम, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात ह (1) श्री राजाः मालिक पुत्र श्री बहादुर चन्द निवासी निमंग, जिला करनाल

(ग्रन्तरक)

(2) मै० गोयल राइस मिल्स (हारा मित्तर सेन) निसंग जिला करनाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाए;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा कुछा है।

मन्स्ची

सम्पत्ति 38 कैनाल 4 मरला भूमि जो ग्राम-निसंग में स्थित है जिना अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ताके कार्यालय निसंग में रजिस्ट्री संख्या 335 दिनांक 12-6-85 पर दिया है।

> वी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-1-1986

मोहर 🛭

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं अाई ० ए० सी ० / एक्यू ० ि्सार / 33 / 85 – 86 – अत: मुझे, बी० एल ० खती,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिन्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सकेम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,000/-5. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 136 कैनाल भूमि, म्राम बालसमन्द तह० हिसार में स्थित है (म्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण का मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 19-6-85

को प्वांक्त संपत्ति के उपित वाचार मून्य सं कम के दश्यमान इतिफस के लिए बन्तरित की गई हैं बौर मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मून्य, उसके अवयान प्रतिफल से, एते अवयान प्रतिफल का पंद्रह इतिकत से बॉथक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एते बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कल निम्नितिष्त उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित्त में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाव की वावत, उन्त वीधिनियम के सभीन कर देने के बंतरक में दायित्य में कभी कडने वा उसने वचने में सुविधा के निए; सहि/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी पन या जन्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोक्नार्थ जन्तीरती स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्थिका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (॥) के अधीन विकास विकास विकास की अधीन विकास की अध

(1) श्री उत्तात (2) श्री जय देव (3) आजन्द देव (4) श्री महदेव पुत्र श्री तान्ता फतेह चन्द्र जिन्मी मोहत मण्डी, हिसार

(यन्तर्यः)

(2) श्री मेहर विह (2) श्री दाना राम (3) श्री रामा नन्द (4) श्री महाबीर प्रसाद पुल्लगण श्री गोकल चन्द निवासी वालसमन्द नहरू-हिसार

(अन्त**रि**ती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द सम्पत्तिमें हित-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यास निविद्य में किस्र वा सकेंचे।

स्यक्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शर्ग और पदों का को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

समाति 133 कैनाल भूमि जो ग्राम वालसमन्द तह०— द्विर में चित्र है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार रजिस्ट्री संख्या 1879 दिसांक 19-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खबी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, रोहनक

तारीख: 29-1-1986

<u> मोहर</u>ः

भारत सरकार

कार्याबय, राह्मयक मायकर नायकर (निरक्तिण)

८ ज ग्रर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनाँक 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/श्रम्बाला/73/85-86--श्रतः, मुझे, बी० एल० खती

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण धि कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 78 कैनाल भूमि ग्राम पंजोरवरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाँक 25-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रू

- (क) बन्दरम् थं हुई कियी बाद की बादल, इक्ट निर्माणन के निर्मा कर दोने के बन्तरक के वादित्व में कनी करने या उससे वचने में वृत्तिका के लिए; नीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तियों ने की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिएता में इस्वधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 27---496 GI/85

(1) श्री मोहिन्दर जिंह श्री गुरवक्स सिंह (3)श्री जय जिंह पुत्रगग श्री तेजा जिंह निवासी दसीली तह० राजपुरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रम्बाला बीक सेंटर पंजीरवरा तह० ग्रसवाला । (श्रन्तरिती)

की यह सुपना बारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटिनीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

सम्पत्ति 78 कैनाल भूमि जो ग्राम पंजोरवरा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ग्रद्भवाला में रिजस्ट्री संख्या 2409 दिनाँक 25-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी ससायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 30-1-1986

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/रोहनक/20/85-86--ग्रतः, मुझे, बी० एल० खली,

गायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त विधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 54 कैनाल मरला भूमि ग्राम एन्वल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधियारी के वार्यालय, रोहतक में ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 17-6-1985

को प्रचीयत संपत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास अरले का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) तोष अप्ति (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्य अन्तरण कि खित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- ंको बन्तरम मं हुए किनी मान १० पानन सर अधिनियम के बधीन मान चीने की अन्यराज की दावित्व में कभी करने या जनमें बसने में स्थिता से निक्कः और/का
- (अ) एसी किसी बाथ या किसी धन था अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तरिता द्वार प्रकट नहीं किया ध्या था या किया धाना बाहिए था, जिल्लान जो स्विधा श्री साए,

बतः शव, स्वतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— (1) श्री गारा गिंह (2) श्री जगा सिंह (3) श्री पूरन सिंह पुत्रगण श्री जादा सिंह निवासी लोहा खेड़ा जहरु टोहाना जिला हिनार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश (2) श्री गुलसन कुमार (3) श्री सुभाष चन्द्र (4) श्री राकेश कुमार (5)श्री राजेश कुमार पुतगण श्री पादीनाल निवासी एन्वल तह० रोहतक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिंध या तत्मं ती स्थितित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. मां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तित्यों के से दिन्दी व्यक्ति व्यक्ति.
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ास विदेश में किए जा हकोंगे?

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति 54 कैनाल 4 मरला भूमि जो ग्राम एन्वल तह० रोहतक में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 1814 दिनाँक 17-6-1985 पर दिया है।

बी० एल० खती समक्ष प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक

दिनाँक: 29- 1-1986

अवय बार् . टी. १९ . १६ अ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी/एक्यू जगाधरी/40/85-86--ग्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की थारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 16 कैनाल भूमि ग्रा० गन्धोला, तह० जगाधरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में स्रायकर स्रधिनियम 1961 के स्रधीन दिनांक

28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि भ्राप्नों कर सम्प्रीत का उचित दाचार गृस्त, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का नृत्य प्रतिस्ति से विभिक्त है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बंति। तियाँ) के बीच एसे बन्सरम के लिए सम पावा गवा प्रति-क्य पित्निविस्त स्वास्ति से स्वत्य बंदरम चिच्यत में सन्स्विक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- र्के अन्तरण सं हुद्ध किसी नाय की सामग्र करने वाधित नियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए कीस्ट/सा
- (क) वृत्ती निक्की नाम या निक्की धन वा सम्बं आस्तियों को, जिन्हों शास्तीय सावकार सधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उनता स्थिवियम, शाधन-कर सधिवियम, 1957 (1957 को 27) की प्रधोकनाम न्नतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा वा या किया बाजा चाहिए था, कियाने में बुल्धा को निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री प्रकाश सिंह पुत्र सुधा सिंह निवासी कैनाल रेस्ट हाउस के पास करनाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अलिग्राम मोहम्मद पुत्र श्री कुतुबद्दीन निवासी ग्राम कंतपुर तह० जगाधरी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के तिथ्य कार्यवाहिया श्रूक करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पटणोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 16 कैनाल भूमि जो ग्राम कंसपुर तह० जगाधरी में स्थित है जिनका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रोक्तों के कार्यालय, जगाधरी रजिस्ट्री सं० 1966 दिनाँक 28-5-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-रोहतक

दिनांक: 30-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू सोनीपत/21/85-86-ग्रतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 32 कनाल 13 मरला भूमि मूर्थल में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सानीपत में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 29-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री शिवनारायण पुत्र श्री हरदेव, निवासी मुर्थल तहर सोनीपत

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जय भारत को० श्रॉप० हाउस बिल्डिंग जी० टी० रोड, मूर्थल (श्री परमानन्द पाहुजा प्रधान के जिस्से)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यटोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनसूची

नम्मत्ति 32 भूमि कनाल 14 मरला भूमि जो मूर्थल में स्थित है जिनहा अधि 5 विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीयत में रजिस्ट्री संख्या 1658 दिनाँक 29-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती तक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-रो हतक

दिनाँ ह : 24-1-1986

बाहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू सोनीपत/24/85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खती,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 25 कनाल 17 मरला भूमि मूर्थल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 198 1961 के श्रधीन दिनाँक 29-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के किन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित के बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गणा है :---

- (क) वन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उबस विधिनयम के बधीन कर दोने ही अन्तरक हैं दासित्व में कमी करने वा उससे बचने ही सुविधा के बिए; बहि/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को खिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक मो, मी, उन्ता जीविनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (2) श्री मती मामकौर विधवा स्व॰ श्री करन सिंह (2) दीप चन्द (3) हजारी (4) प्रेमिसिह पुत्रगण श्री सरूप सिंह निवासी मुर्थल

(ग्रन्तरक)

(2) दो जिय भारत घो ज्ञाप हाउस बिल्डिंग सोसायटी जी दी रोड, मुर्थल मार्फत श्री परमानन्द पाहूजा प्रधान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृबॉक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख «
 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्वना की तामील से 30 दिन को अविध, जा भा
 अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबह्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के प्रस् निखित में किए दा सकीते।

स्पन्न करणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदां का, जो उक्क विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अगुन् की

सम्पत्ति 25 कनाल 17 मरला जो मूर्थल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्री संख्या 1661 दिनाँक 29-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती ्सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-रोहतक

दिनाँक: 24-1-1986

मोहरः

प्रकप बाई. टी. एत. एक. - - ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 काः 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-रोहतक

क, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू करनाल/89/85-86---ग्रतः मझे बी० एल० खती

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 78 बीधा 17 विस्वा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय करनाल भारतीय श्रायकर दिनाँक भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनाँक 25-6-1985

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान
श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नीनिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरम् ते हुई स्थिती बाद की बादत्, उस्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार्ड/या
- (बा) एसं किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तिबी को, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या पन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अग, उर्वतं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं,, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ज(1) श्रो सुरेन्द्र कुमार (2) श्रो ग्रणोक कुमार पुतान श्रो ग्राणा राम पुत्र श्रो राजा राम नि० ग्राणा राम मार्किट करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसेर्ज सुपर क्रुरबड़ इन्ट्रप्राईसिज करनाल द्वारा श्री सतीश कुमार चावला मैनेजिंग पार्टनर। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- एख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकने।

स्पष्टिशिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 8 बीघा 17 बिसवा जो करनात में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1465 दिनाँक 28-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-रोहतक

दिनाँक :-- 13- 1-1986 मोहर :- शका कार ती, एइ. एस.

श्रामकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, रोहत्तक

रोहतक, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए०सी० एक्यू/जगाधरी/30/85-86--ग्रतः मुझे, बी० एल० खती

शायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 6 विषा 14 विस्वा गाँव तेजली तह० जगाधरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषाँक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह. एंसी किमी नाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हें आरतीय बायकर विधिनयम, 1922 हार हो। जो उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. श्री पूरत पुत्र श्री पंजाबा ति० गाँव तेजली तह० जगाधरी

(ग्रन्तरक)

2. मैं० विर्धमान जैन कोपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसा-इटी लि०, यमुना नगर, तहसील जगाधरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योंकरण :—इसमें प्रयेक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त व्याधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्

नग्स्की

सम्पत्ति भूमि 6 बीघा 14 बिसवा जो गाँव तेजली तहसील जगाधरी में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री सं० 1503, दिनाँक 10-6-1985 पर दिया है।

> वो० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 13-1-1986

प्रश्य बाद्वां, टी. एन एरः . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/सोनीपत्। 12। 85—86——ग्रतः, मुझे, बी० एल० खत्नी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 12 वीघा 1 विसवा सोनीपत पता मुश्लमानन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के ग्रिधीन, दिनाँक 10-6-1985

करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार महम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह2प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसितित उद्देश्य से उन्त अंतरण निस्ति में अस्तिक है किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बीधीलयं से अधीन कर दोने से अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अव. उक्त विधिवय की भारा 269-ग के बन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- त्री तदरभानी पुन श्री खुशाल चन्द, नियासी मोहल्ला कालान, सोनीपत।

(अन्तरक)

2. श्री हन्त राज, (2) श्री ऋष्ण लाल पुतान, श्री माहल्ला राम, निवासी हाउन नं० 19, हाउसिंग कालोनी, सोनीपत।

(म्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिवस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीट वदों का, वो उच्छ विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा को उस भध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 12 बीघा 1 बिसवा जो सोनीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री सं० 1243, दिनाँक 10-6-1985 पर दिया है।

वी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 1 - 1-1986

माहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/जगाधरी/32/85— 89- - अतः मुझे बो० एल० खती बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इकः

इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया ह"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 40 कनाल 4 मरला है तथा जो डाबरा रोड़ हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुजूबी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनांक 15-76-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकृत रूप से किया गया है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28---496 GI/85

- 1. श्री लाल चन्द पुत्र श्री तेजा सिंह निवासी गांव व डाकखाना डाबर तहसील व जिला हिसार। (भ्रन्तरक)
- 2. दि विश्व श्रध्यात्मिकं संघ कोग्रापरेखि तारूप्र हालस बिल्डिंग सोसाईटी लि० ए-4 एव० ए० यू० हिसार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अगसर्वी

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल 4 भारला जो डाबरा रोड़ हिसार में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यातय हिसार में रजिस्ट्री सं० 1790 दिनांक 15 6-1985 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हिसार

हिसार, दिनांक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू० पानीपत/40/85-86-श्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि 24 कनाल है तथा जो गांव हरताली तहसील पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार के कार्यालय पानीपत में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधान तारीख 12-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के रूपजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि युषापूर्वोक्त नम्पत्ति का उाचित बाजा मृज्य, उसके स्वजान प्रतिकल से. एसे रूपमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त बीधनियम के बंधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए, बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम . या धन-कर अधिनियम . 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या वा किया जाना चाहिए था. छिपानं में नविधा के लिए:

ब्ह: बंब. उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए के ब्रह्म्प्रम मं, मं, उत्पत्त लोधिनियम की धारा २६९-ए की काम्यार (1) के अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, स्थोत् :--- श्रं(मत) कैलाश रानः पत्नः श्रः चानन दान निवासीः दिल्लः।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्रः देव, राम (2) श्रः पुरण मल (3) श्रः राज पाल पुत्रान श्रः टेक चन्द निवासः कुश्याम तहसील पानीपता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के गर्चन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

उक्त सम्मित् के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

स्थळकिरण :---इप्तमं प्रयूक्त कव्यां और पदां का, जो उत्रर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा सका है।

नम्सची

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल जो गांव हरतेली तह० पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता शिधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री मं० 1763 दिनांक 12-6-1985 पर दिया है।

> बो॰ एल॰ खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक। 13-1-1986

GATE AND LE THE THE COMMERCEMENT

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

SILL HEADS

कार्यालय सहायक बायकर बायकत (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० करनाल/57/85-86---ग्रतः मुझे बी० एल्० खर्ताः

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रुट्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसके, सं० भूमि 71 कनाल है तथा जो गांव दडबरकी तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 7-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल सं, एंसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से स्थत अन्तरण निश्चित में सास्तिबक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) नासरण संहुई किसी बाय की बाबत, उपल अधिनियम के अभीन कर पोने के बन्तरक के वामित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा असिए; बॉर/बा
- ्ड) एसी किसी जाय या जिसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनयम, 1957 (1957 रूप 27) के अयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने थं क्षित्रा की विद्या

कतः बन, उक्त विधिनियम, की भारा 269-म के बन्बहरू मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. सर्वश्री मुन्शा सिंह (१) हजूर सिंह पुतान श्री लाभ सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह निवासी गांव डबरकी तहसील करनाल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बनारसी दास (2) श्री शमशेर सिंह पुतान श्री सिन्ह राम निवासी 534/17 मिठन मोहल्ला कालान्दरी गेट करनाल।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति से अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उच्छ सम्मति के वर्षर के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबाराः
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है,

अनुस्पी

सम्पत्ति भूमि 71 कनाल जो गांव डबरकी तहसील करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजिस्ट्री सं० 1113 दिनांक 7-6-1985 पर दिया है।

> नी॰ एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 14-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/33/85-86---ग्रत: मुझे बी० एल० खती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० 571 है तथा जो माडल टाउन पान।पत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय आयक्षर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जानको नाथ पुत्र श्री तारा चन्द नि० 571 माइल टाउन पानीपत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम निवास पुत्र श्री कूड़ा राम निवासी गांव व डाकखाना छनआ का नागल (सीकर) राजस्थान। (3) सत्यनारायण पुत्र श्री फूल चन्द निवासी गांव डाकखाना छन्जा का नागल सीकर (राजस्थान)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति हाउस नं० 571 जो माडल टाउन पानीपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री सं० 1552 दिनांक 6-6-85 पर दिया है।

> बी॰ एत**॰ खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिन कि: 14-1-1986

मुख्य नार्षः दीः पुरः पुरः वरः

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-च (1) के अधीन सूत्रना

बारक सदकार

कार्यास्य, सहायक बायकार वायुवद (विरोक्ति)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ करनाल/75/85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खदी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दसर्थे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 16 मरला उचाना तहसील करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख 19-6-85

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एोसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुन्दं किसी नाम की वासत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे बचने में सुविया के जिह; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत॥ जब, उस्त बीधनियम की धारा 269-ग खे जनसरक कों, मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की त्यधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री माम राज पुत्र श्री भिरवान निवासी गाँव उचाना तहसील करनाल।

(ग्रन्तरक)

 श्री बनारसी दास पुत्र श्री रणजीतिसह ्निवासी गाँव झनझाड़ी, तहसील निलोखेड़ी।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना बादी करके प्यानित संपत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां कारता हों।

वन्त सन्परित के वर्षन के सन्वन्ध में कोई भी वाक्षपः ---

- (क) इस स्वा के एकपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन की अवधित का तत्वक्षणी व्यक्तिकों पर त्या की तासील से 30 दिन की वदिश्त, वो भी क्रिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताकरी के शक् जिसक में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची '

सम्पत्ति भूमि 14 कनाल 16 मरला जो उचाना तह० करनाल में स्थिन है जिसका ऋधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री सं० 1355, दिनाँक 19-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

दिनाँक: 14-1-1986

शक्त आहुँ हो प्रमृत एस . ----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

माह्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहत्तक रोहनक, दिनाँक 22 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० घरौन्डा/10/85-86--ग्रतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 23 कनाल 4 मरला गाँव घरौन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, घरौन्डा भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 6-6-1985

को पूर्वोंकत सपरित को उचित इ. आर मूल्य स क्षेत्र को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायल उक्क बीधीनक्य के अभीत कार दीने खें अन्तरक में शाबित्त मां कमी कारने या उससे दशने में ख़िबध के गंतए; बीर/बा
- (अ) एकी विस्ती आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के जिय;

कर: अव, उक्त अधिनियम द्वी भारा 269-ग के अनुमरण हो, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अपीन, निम्मसिधित व्यक्तियों, अभीत ह—

 श्री शिश पाल सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह, पुत्र श्री सुरजीत सिंह, गाँव घरीन्डा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रकम सिंह, (2) श्री ग्रोम पाल सिंह पुतान श्री जागु सिंह, (3) श्री कुलदीप सिंह पुत श्री धर्मवीर सिंह (4) श्री राज कुमार (5) श्री रनदीप पुतान श्री राम कुमार पुत श्री गन्डा सिंह निवासी घरौन्डा।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यों क्ति से में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁶, वहीं अधे दृश्या को उस अध्याय में दिया सवा हैं॥]

गन्त्ची

सम्पत्ति भूमि 23 कनाल 4 मरला जो गाँव घरौन्डा में स्थित है श्रौर जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय घरौंडा में, रजिस्ट्री सं० 484, दिनाँक 6-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 22-1-1986

मोहरः

प्रकल् बार्ह्, टी व् इन् व इन्ह व्याप्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 22 जनवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/38/85-86--म्य्रतः मुझे, बी० एल० खती,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-8 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 52 कनाल 13 मरला गाँव सुताना तहसील पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधन, तारीख 14-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्यपन से हुई फिसी बाद की बाबत, उन्स् विभिन्नम के विभीन कर दोने के बाबतुष्क वें राजित्म में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; बॉड/वा
- (ख) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियां की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना चाहिए था, द्विभाने ब्रें स्विधा के निक:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियमों, अर्थात् :---

 श्रो इन्द्र सिंह पुत्र श्रो श्रमीन लाल, निवासी गाँव मुताना तहसील पानीपत।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो रणधीर सिंह (2) श्रो रघवीर सिंह, (3) श्री सुभाष चन्द्र (4) श्रो सुखवीर सिंह, पुत्रान श्रो माँगे राम, निवासी कालका तहसील पानीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाशेष :--

- (क) इस त्यना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्षूण किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 52 कनाल 13 मरला जो गाँव मुताना तहसील पानीपत में स्थित है जित्तका स्रविक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री सं० 1750 दिनाँक 14-6-1985 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 22-1-1986

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० करनाल, 55/85-86--ग्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 31 कनाल, 11 मरला गाँव डबरकी तहसील करनाल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, दिनाँक 7--6-1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रित्मकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निटिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक कप में किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें शांबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविभा नहें किए:

क्रम: अब, उक्त कीधीनयम की धारा 269-ए के बन्सरण चें. में जान किधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (ि ८ अधीन िजनि**ष्ठित खितायों, अधीत**ः— श्री हजूर सिंह पुत्र श्री लाम सिंह, निवासी गाँव डबरको तहसील करनाल।

(अन्तरक)

2 श्री रिसाल सिंह उर्फ रिसाला पुत श्री चुहरियां राम ,निवासी 17/542/2, कलन्दर गेट, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, सो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्दों का, बो: उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

mare of

सम्पत्ति भूमि 31 कनाल 11 मरला जो गाँव डबरकी तह० करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री मुँबं० 1111 दिनाँक 7-6-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक 13-1-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/54/85-86 अत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 51 कनाल 14 मरला गांव डबरकी तह० करनाल में स्थित हैं (श्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण हम से वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 7-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29-496 GI/85

- (1) श्री हजूर सिंह पुत्न श्री लाभ सिंह 2. श्री खुशबिन्द्र सिंह (3) श्री ग्रंग्रेज सिंह पुतान श्री मुशी सह नि० डबरकी तह० करनाल (अन्तरक)
- (2) श्री बनारसी दास 2. श्री शमशेर सिंह पुत्रान श्री सिन्ध राम 3. श्री रिसाल सिंह उर्फ रिसाला पुत्र श्री चुहड़िया राम 4. श्री धर्म सिंह 5. पाला राम पुत्रान श्री भागीरथ 6. श्रीमती बिमला देवी विज श्री हवा सिंह नि० 554/17 मिचन मोहल्ला कलन्धरी गेट; करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काँई भी नाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-ब्रूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के शव जिल्हि में किस वा ब्रुकेंगे।

स्मब्दीकरम:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ألسرانه

सम्पत्ति भूमि 51 कनाल 14 मरला जो गांव डवरकी तह० करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1110 दिनांक 7-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह तक

तारीख: 14-1-1986

प्ररूप आर्च. ती पून. त्स.----

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बधीन सचना

धीरत करवात

कार्यालय, सहायक आयकर काय्वत (निरीक्षण)

अजन रेंज, गोहत र रोह्ग र, दियां ग २२ जातवरी, 1986 निर्देश सं० अरई० ए० सी०/एक्यू० अम्बाला/22/85-86--अत: मुझे, बी० एल० ब्रही,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्तास काम्बे का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- गर. से गाधिक हैं

स्रौर िसकी संव 168 करताल 16 माला भूमि, साम गोली िया अम्बाला में स्थित है (स्रौर इन उपात्रद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण का ने विणय है), एजिल्ट्री एको अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में भारतीय आयकर अधिक्रियम 1961 के अधीन दिनां। 3-6-85

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृज्य में कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नेंदिन सम्पत्ति का उचित वाजार सक्ते, भुमके हर्यमान प्रतिकार में नृष्य ख्यमान प्रतिकास का उच्द गानका से नृष्य ख्यमान प्रतिकास का उच्द गानका से नृष्य क्ष्यमान प्रतिकास ही जोग अन्य गा । जिस्सों और खंतरिती (बन्दिनिकाँ) के बीच एएँ जेंसरणं के निष्य तब पाम प्रयापका, निम्मिलिका स्कूलेक्य में जनत पंतरण निवित्त में अन्त प्रतिकास का में किया नहीं किया गया है

- िश्वास्त्र सं हुई किसी आए की बाबच., उक्ट. अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व य अभि करने या तमसे बजने में सुविधा के लिए; आर/धा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय बायकर अभिनियम . 19:22 110 १८ वर्ग भाषानयम . 19:23 110 १८ वर्ग भाषानयम . जिल्हा अभिनियम . 1957 (3957 का 27) वर्ष प्रतिजनार्थ जंतापती द्वारा प्रकट रही किया अम सा सा सा किया अमा साहिए सा लियाल जंगीयमा के लिया है।

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की रूपधारा (1) की अनीत, निम्नतिखित व्यक्तियों, बधात क्र- (1) श्रीनती गुस्त्रणः कीर विश्वया श्री आध् सिह (३) शीनती शिष्टी (2) श्रीनती मोहिन्दर मार पुतीयण जनार सिह ग्रास-सोलीः सहर अस्वासा

(প্ৰায়ত্ত্ব)

(2) श्री अमरजीत पुत्र भी भाग िकान (2) श्रीनती स्विविद्यार कीर स्ती श्री अमारजीत, निवासी भाग, तह० अस्वानः

(अक्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त मम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन है भीतन है । स्वाप्त के की तहर की तिहर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताधारी के पास लिखित के किस आ कर्षों ।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, बो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं. हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दया गया है।

यनुसूची

समात्ति 168 कैंगाप 15 माला भूमि जो **गोली में** जिमान अधिक विवरण रिजस्ट्री को के अपनेता, अम्बाला में रिजिस्ट्री संख्या 1577 दिल्लंग 3-1-55 पर दिया है।

> बीठ ए**ल**० ब**हो** प्यम प्राधियारी निहासिक भाषासर कास्तुला (निरीक्षण) अर्जन रेंक, रोहाह

तारीच: 22-1-1986

महत्य बाह् . टी. एत. एए.....

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

माइत सरकात

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/27/85-86--अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मून्स 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिन्नकी सं० हाउस नं० 1452 सैक्टर 15 अरबन इस्टेट फरीदाबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण का से विणा है), रजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्याजय फरीदाबाद में भारतीय आयहर अधिनियम 1961 के अधीन दिनां है 5-6-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसक उश्यमान शितफल से, एसे इश्यमान शितफल का अन्द्रह शिवशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाय की बावत उसत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा और निए, अधि-ना
- (क) एंती किसी बाय या किसी धन या अन्य आष्मतयाँ को जिन्हीं भारतीय दिश्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ने अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथाने में सुविधा ने निस्

ं जत्त अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) कि, अधीन निकासिक विकास , वर्षात्

(1) श्री जग मोहन रिखी (एस० एस० रिखी पुत डीं० डीं० रिखी (दवारका दक्ष रिखी) नि० 51 यू० ए० जवाहर नगर दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय सुद पत्नी श्री विशन् सुद पुत श्री रमेश चन्द्र सुद नि० 2 ए०-4 बी०, पी० न्य् टाउनशिप फरीदाबाद

(अन्तरिती)

की यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क कलन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया वसा है।

जन्स्ची

सप्पत्ति हाउस न० 1451 जो सैक्टर 15 अरबन इस्टेट फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रिजस्ट्री संख्या 2294 दिनांक 5-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-2-1986

इस्य बाह्यं टी ् एक् एक् एक्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

ग्रारक प्रकार

कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 जरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/31/85-86--अत: मुझे, बी० एल० खती,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वृधिनियम' कहा चवा हैं), की भारा 269-ख के वृधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृह्ये 1,00,000/- रूठ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 140 1/2 पोरणत सैनटर 15 ए फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-6-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके द्धवमान प्रतिफल से, एसे द्धयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसित एक्ट्रिय से अवत अंतरण निस्तित में वास्त्रिक रूप से किया मूली विद्या स्वाह के

- (क) कराइन वे हुई किसी बाय की बाक्त, उक्त कीप्रतिवय के बचीन कड़ देने के बन्दाक के सावित्य के काली काली वा ब्रास वसने में सुविधा के किस्; ब्राह्म/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा आहिए था, छिनाने में सुविधा के निध्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधी: , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री कंवल कृष्ण अरोड़ा पुत्र श्री बलवनः सि ह अरोड़ा निवासी हाउस नं० 140 सैक्टर् 15 र फरीदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह अरोड़ा पुत्र श्री जगत सिंह अरोड़ा निवासी हाउस नं० 140 सैक्टर 15 ए फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्ष्मिष्ट किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी का गास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

प्रनुसूची

म'पत्ति हाउस नं० 140~1/2 पोरशत जो सैंक्टर 15 ए फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री-दिनांक 22-6-85~ पर दिया है।

बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-2-1986

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद 29/ 85-86--अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० हाउस न० 5 ई/13 एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय अधिकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 21-6-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती जनक मुकरजी (2) श्री अर्जन दास नि० 5 ई/60 एन० आई० टी० फरीदाबाद (अन्तरक)
- (2) श्री मेहर चन्द पुत्र सुट श्री दौलत राम हाउस न० $5 \text{ } \frac{1}{3}$ एम० आई० टी० फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

सम्पत्ति हाउस नं० 5 ई/13 जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सख्या 2148 दिनांक 21-6-85 पर दिया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-2-1986

महर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू० रोहतक/19/85 - 86--अत: मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 153-एल० माडल टाउन, रोहनक में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहनक में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 14-6-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सूरिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितवों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री सन्तोक सिंह नि० ह० नं० 153-एल०, माडल टाउन, रोहतक (अन्तरक)
- (2) श्री सतीश कुमार शर्मा पुत श्री गंगा प्रसाद शर्मा नि० हाउस नं० 213/डव्ल्यू०-25 माडल टाउन, रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति हाउस नं० 153-एल० जो माडल टाउन रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 1751 दिनांक 14-6-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश न० एम० डी० 232/85-86--अत: मुझे, एच० आर० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 359 है तथा जो स्वामीपाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय,, मेरठ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में द्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नरेन्द्र कुमार एवं कृष्णा गुप्तार ग्रा० लडौरा रुड़की सहारमपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती होशियारी देवी पत्नी नन्द किशोर स्वामी पाडा, मेरठ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिशा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म नान नं० 359 स्वामीपाडा मेरट।

एच० आर० दास गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

The distribution and the second of pales and the second of the second of

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देण नं० एम० डी० 237/85-86—अत: मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० है तथा जो मेरठ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19)2) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती लाजवन्ती परनी मुन्नीलाल चान्दपुर भेरठ

(अनंदक)

(2) श्री संस्वपाल सिंह सर्वोदीय जालोनी नगला बद्द्र, मेरठ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह⁴, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान-मेरठ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कान**प्र**र

दिनांक · 10-2-1986

प्ररूप् भार्दं.टी.एन.. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाय्कर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1936

िर्देश सं० एम० डी० 244/85-86 ः ातः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से बंधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पंचर्शाल कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान वितकल के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है :—

- (⁷5) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थान् :------30---496 GI/85 श्रीमती राजकली पत्नी एन० सिंह सरदार नगर- बुलन्द गहर

(अन्तरक)

 श्री राकेश कुमार बन्सल पिता जगन्नाथ प्रसाद मचाना---मेरठ

(अन्तरिती)

3. (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबहुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्कत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब स्वा के रावण्य में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों , कर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बनीध कार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताश्यरी के पास विवित मों किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरा ची

मकान पंचरील कालोनी मेरट ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख • 10-2-1086 मोहर • प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, कालपुर

कानपुर, दिनांक 10 फ.वर् 1986

निर्देश सं० एम० डी०-246/85-36---यतः मुझे, एच० श्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 155, 513, 613 है तथा जो बुढ़ता में स्थित है (ऑह इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण कर से विजात है) रिल्म्ट्रिकर्ती मिक्सिरिट के बार्यालय युढ़ान में रिल्म्ट्रिकर्ता मिक्सिरिट 1908 जा 16) के स्रवीत कार्यक्ट 13 पून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित मे जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय खायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रकाम एंव अन्य रेलवे रोड रोहतक हरियाणां (अन्तरक)
- (2) चतर सिंह शेरिसंह नैन सिंहग्राम काबडोत मुजफफरनगर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि सं० 155, 513, 613, 642 स्थित ग्राम बुदाना बौगर उत्तरी मुजफफनगर

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाह्र : टी. ह्व. ह्व. : :------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायक्क (निरक्षिक) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

िर्देश सं० एम० डी०-257/85-86---अतः मुझे, एच० श्रार० दास

बायकर बिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 26 है तथा जो सरस्वती सोनी मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्व है), रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजर्स्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

बतः बंबं, उवत बिधिनियम औँ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उव अधिनियम की धार ५,89-घ की रमधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) तीरघ सिंह एवं अन्य 26 सरस्वती सोनी मार्ग देहरादून।

(म्रन्तरक)

(2) ुष्णा दास पुत्र थाना राम रामलीला बाजार देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मत्ति है)

(4) अन्तरिती ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारोध सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्यक्वींकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दां बार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

सम्पत्ति संख्या 26 सरस्वती सोनो मार्ग देहरादूर।

एच० आर० दास सक्षम हाधिकारी सहायक स्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, का पूर

दिनांक : 10-2-1986

प्रकार कार्य : दी : एवं : वक्त :- - = =---

धायफारु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

मार्स सरकार

श्रायांत्तय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० एम० डी० 256/85 · 86-- श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त किभानयम' कहा गया हैं), को भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी तं 1408, 1409 है तथा जो कांवली में स्थित है (और इससे उजाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एसे दश्यमान प्रतिफाल के बंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाका गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्वविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम संहूर किसी बाय की वावत, उक्त भाषानयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ं से में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

सतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अन्मरण को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र

(1) परिविधा कावली देहराद्वा ।

(अन्तरक)

(2) ई.न इन्जीनियर्स सहकारी आचास समिति लि० टी--15 यमूना कालोनी देहराडून द्वारा श्री श्रार० एस० गुनसोला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिर्तः।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरिर्ताः।

(यह व्यक्ति जिसके वारे में प्रवीहस्ताक्षरी <mark>जानता</mark> है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के सर्वान के निए कार्यवाहियां कारता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इकारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्यच्होकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो जस वध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

खसरा नं ० 1408, 1409, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1421, 1422 स्थित ग्राम कावर्ला देहराटूरी एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी

मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

दिनां म : 10-2-1986

मोहरः

S. . . .

ाक्ष्य बाह⁴.ट\ .एन् .एस् ु-----

भाराकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

बार्क सहस्र

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्यत रेंज, कानपुर वातपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० एम० डी० 259/85--86---श्रतः मुझे, एच० श्चार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाजार मृत्वं 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4 है तथा जो मसूरी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनाक 4.6-1985

नी पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाजाए मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चेत का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चेत प्रतिकात में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्ली निम्नलिखित उद्वेष्ट से उचन अंतरण सिखित में बास्तिवक हम में किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त बिधितियब के बधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; सौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) सुदर्णन कुमारी चीहान खड़खड़ी हरिद्वार । (अन्तरक)
- (2) यू॰पी॰ कोम्रापरेटिव यूनियन लि॰, লखनऊ (শ্লন্বিনি)
- (3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना नारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति की वर्षन के पिता कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्परित के वर्षन के सम्बग्ध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ख) १४ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

अन्स भी

जमीत स्थित देहरादूम--4 मूसूरी रोड (408.43 वर्गमीटर $^+$ 2975.57 वर्गमीटर)

एच० म्रार० दास सक्ष**म** प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आव्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरचरी 1986 निर्देश सं० एम० डीं० 262/85--86---श्रत: मुझे, एंच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32/1 है तथा जो छणा नगर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादूर में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनोंक 30-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद् रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) सुच्चा सिहं 31/1 ंष्णा नगर देहरादून । (ग्रन्तरक)
- (2) एस० सी० माथुर -3 रामपुर मन्डी रोड• देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गचा है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 32/1 ऋष्णा नगर देहरादून ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10--2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम० डी०-264/85-86---ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 58/1 है तथा जो काबली रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गवा है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थाल १—

- (1) का भार सिंह 53/1 भाषली रोड देहा दूर। (धरारक)
- (2) सुर्धार कुमार अग्रवाल 3-पुरुषोत्तम ताम टन्डन मार्ग देहरादुन ।

(अन्तरिती)

(1) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह¹, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

सं० सं० 58/1 कावली रोड, देहरादून।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

दिनांक: 10-2-1986

प्रक्य बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनिवस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन स्चना

मारद सरकार

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निराधक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिन्तंक 10 फरवरी 1986 निर्देण सं० एस० डी० 270/85--86----श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 133 है तथा जो पार्क रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-6-1985

को प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और किन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरच के लिए तय पाया वना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरच लिखिब अस्तिवन रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुए किसी नाम की नावत उक्त निध-नियम के अभीन कर देने के बन्तरक से दायित्व में सजी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन वा जन्य अस्तियों को , चिन्हें भारतीय बायकर अधितियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , वा धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विका जाना चाहिए था , छिपाने अ र विधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण हो, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन जिस्मीलिमित स्थितियों अर्थात :--

- (1) ज्ञान्त्व कुमार जप्रयाप एवं अन्य 20-मालवीय रोड, देहरादुत । (धनतरक)
- (2) श्री नरेश जिन्दल पुत्न श्री किशोरी लाल 133-11र्क रोड, देश्राद्वन ।

(अन्.सिर्ता)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पृथ् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए वा सकोंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति नं 133 (लगभग 337.41 वर्ग मीटर) पार्क रोड, लक्ष्मण चौक देहरादुन ।

> एच० श्रार० दास मक्षम पाधिकारी महायक श्रापकर भायुक्त (रिशिक्षण) युक्ती रेंज, कानपुर

दिनांक:-10-2-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

श्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम० डी० 271/85-86-- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दात्र,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 210 है तथा जो स्रादर्श नगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है) $_{\parallel}$ रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और पुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान

गित यथा पूर्वाक्त सम्पास की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शितफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित वहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरण से हुई किसी गाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपनने में सुविध के किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31-496 GI/85

(1) कुन्दन लाल कयर आफ मैं जीवन दास कुन्दन साल {रिषीकेश

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री इन्दर मोहन 76-म्रादर्शनगर ऋषिकेश । (म्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राचपण में प्रकाशन की तारीस क्ष 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया । या गवा है।

अन्सची

खसरा नं० 210 म्रादर्श नगर ऋषिकेश

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनाँक: 10-2-1986

मोहरः 🕶

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बाव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर े जानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० एम० डी० 273/85-86--ग्रतः मुझे एच० ग्रार० दास ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो रेमकोर्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 18-6-1985

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल में एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किल्ले धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपण्या (1) के अधीन, निस्तिविधित अवितयों, अर्थात् :—

- (1) भगवती स्नानन्द 66/52 गौविद नगर देहरादून (स्नन्दरक)
- (2) निर्मला तलवार डी/ग्रौ तीर्थराम तलवार 239 कानपुर देहरादू। (ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति जिपके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्यस्ति के बर्जन के निए करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कीर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि का क्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजिश में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाध्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित रेसकोर्स देहरादून

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनाँक :-10-2-1986 मोहर ; प्रक्रम बाइं टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

बार्ड बरकार

खार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम० डी० 277/85-86--म्प्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो कावली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (190 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के जस्मनान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं

है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशाप्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के हाईकरण में कमी करने या उत्तरों वचने में सुविभा के तिष्; बाँड/वा
- (व) होती किसी वाय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के स्थिए;

कतः जब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविश्व व्यक्तियों सर्वात है— (1) रघुवीर सिंह काँवली देहरादून।

(अन्तरक)

(2) इन इन्जी० को० ग्रा० हा० सोसायटी लि० टी-15 यमूना कालोनी देहरादून द्वारा श्री ग्रार० एस० गुन्सीली ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रंधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन से सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏗--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ह्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के बास निर्देश में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गणा

श्रनुसूची

सम्पत्ति स्थित ग्राम काँवली देहरादून

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, कानपुर

दिनाँक :- 10-2-1986 मोहर :- प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) में नधीन स्मना

नरस्य गुरुवानु

कार्यां नय , सहायक आधकर आध्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 द्धरवरी 1986

निदेश सं० एम० डी० 279/85-86--म्रतः मुझे, **ए**च० ग्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

तथा जो कावली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908, (1908 कि 16) के ग्रीधीन दिनाँक 21-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए स्य बाया गया प्रतिफल, निम्नितिबिद उच्छोस्य से उच्छ अन्तरण दिवित में वास्तविक इन्य से कथित नहीं किया नया है ह

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावसा, उक्त बाँग्रियम के क्वींग सक्ष दोने की बन्दाहरू के बाँग्रियम के कभी करने से उक्के दणने में सुविधा के सिंह; सूर्ट/सा
- (क) होती किन्ही बाव वा किन्दी थ्य वा बाव बास्तिवी को, जिन्ही भारतीय बाव-कर विधिनवस्, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ विधिनवस्, वा धन-कर विधिनवस्, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया बाना चाहिए था, कियाने से ब्रिविधा से सिहा;

क्ताः जब, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ग के अन्सरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) विजय सिंह कावली देहरादून

(ग्रन्तरक)

(2) दून इन्जीनियर्स को० स्राप० हाऊसिंग सो० लि० टी-15 यमूना कालोनी देहरादून

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

वह व्यक्ति जिसके बारे घ्र स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की नह नुपना नारी करके पूर्वोक्त संपृक्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

राक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ब 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः — इत्रमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्रक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा को उत्र अध्याय में दिला गया है।

वव्यूपी

जमीन स्थित मौजा कावली देहरादून

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षके) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनाँक :- 10-2- 1986 मोहर :- प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम० डी० 889/85-86---म्रतः मुझे, एच० म्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खेत है तथा जो सहारनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 15-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत∴ जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) प्रताप सिंह पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी जसौला सूबा दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) खान यूग ट्रस्ट ए० 214 न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

कुल नौ बीघा सात विस्वे पुख्ता लगानी 116-85 सालाना वाके ग्राम सालार पुर खादर परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनाँक: 10-2-1986

मोहर 3

्रक्ष पार्वः द्वीः पर्वः प्रस्

नायकर निष्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यीन त्यना

जारव दुरकार

कार्याक्य, उहारक जारकर वायुक्त (विश्वविक्र)

स्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाँक 10 फरवरो 1986

निदेश सं० एम० 900/85-86-- ग्रतः मुझे एच० भार० दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ कि से बिधक है

स्रौर जिसकी सं० 394 ब्लाक सी है तथा जो सूर्यानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रीतफास के लिए अन्तरित की गई है कि मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित खाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए विश्व ाया गया प्रतिफास, निम्निसिवत उच्चेष्य के उचित अन्तरण सिविध में बास्तविक कप से का विश्व वहीं किया ववा है —

- (क) कत्तरण ते हुइ किती बाद की शब्ध, अवस विभिन्निक के बधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में क्रमी कुरने मा उससे बजने में सुविधा में विद्युः मोह/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था किया बामा था, खियाने में सदिशा खे खिद;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) ऋजीत सिंह सापाली पत्नी श्री ऋजीत सापली नि॰ 16ई ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) जीवन लगा जैन पत्नी श्री डी० पी० जैन निवासी ए-2,/ए 148 जनक पूरी नई दिल्ली ।

(ग्रन्टरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार व थोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क बहिष्नियम्, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा स्वा है।

अनुसुची

प्लाट नं० 394 ब्लाक सी, सूर्यानगर दादरी

एव० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनाँक: 10-2-1986

ब्ररूप बाह्र टी. एन. एत.-----

बा्थकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर., दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० एम० 901/85-86--ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

कावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 413 सैक्टर 15ए है तथा जो नोएडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नोएडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 17-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के सिए तब पावा बया प्रतिफल , निक्ति विवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में व्याप्त क्षेत्र कर से कथित नहीं विवा चया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उचने वचने में सुविधा के जिने; और√या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तिकों को, खिन्ह भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिष्णः

(1) श्री मती जानकी विश्वानाथन पत्नी श्री टी० वी० विश्वानाथन निवासी ए1/8 फ्लेट नं० 5, बसत नगर मद्रास द्वारा जो सिसी कुमार वंशल श्रार/श्रौ० 4/22 रूपनगर दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सपना मित्तल पत्नी श्री ए० के० मित्तल ग्रार० ए० 16 इन्दर पुरी दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) तदैव

् (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तदव

(वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वोक्त सम्मिष्टि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपिद्धि के कर्जन के सम्बन्ध के कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकालत की तारीब सै 45 दिन की बविध या उत्स्वाणी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बविध जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उक्तेंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्स्ची

प्लाट नं० 413 सेक्टर 15-ए नोएडा

ए**घ० श्रार० दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनाँक :- 10-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

भायक स्विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ंच (1) के वभीन सुचरा

मारत बद्रका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं. एम०902/85–86--ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रशिक्तारों को का विस्तात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, विसका उनित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं. खेत नागल ग्रहीर है तथा जो सहारनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहारनपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित नाजार मून्य से सम के कायमान शिक्षण के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह जिस्तास करने का कारण है कि बजायूबोंक्त सम्पत्ति का जीवत बावार मूज्य, इसके कायमान प्रतिक्त से, एवे कायबाव प्रविक्त का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वायतः, उत्तर सचितियस के बचीन कर दोने के बंतरक हैं गावित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (वा) एसी किसी बाथ या किसी धन या बन्य तास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाबकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था छिपाने में सुदिधा के लिए;

नतः ज्व, उन्त विभिनियम की भारा 269-ज के वनुस्तक को, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हे— (1) सरदार गुरबक्श सिंह पुत्र सरदार सोहन सिंह निवासी नागल ग्रहीर सहारनपुर

। (ग्रन्तरक)

(2) कशमीरी लाल पुत्र लखमी चन्द निवासी फरोजपुर (पंजाब)

(ग्रन्तरिती)

(3) तदैव

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तदैव

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुक्का कारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए करमें ब्राह्मिं करता हुं।

वक्त संकरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी वासीय:---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अदिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

नगस्यी

खेत 38 बीघा 19 बीघा 7 बिसवा 19 बीघा गाँव नागल ग्रहीर सहारनपुर

> एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक :- 10-2-1986 मोहर प्रक्रम **बाइं. टी.** एन : एस : - - -

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म्(1) के मधीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कान्पुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम० 904/85-86→-यतः, मुझे, एच० श्रार० दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके बरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर शम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० खेत है, तथा जो लशकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारक्ष्यर में रिजर्ट्रिकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, तारीख 3 जून 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एटी ही और मंद्र विश्वत्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्सह अतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप क्य से किथत नहीं किया वार है है

- (का) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा दिल्लाचे छे सविधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्दरण में, जै, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 32--496 GI/85

1. श्रीमती प्रीतम कौर पर्ता सरदार रणजीत सिंह ग्राम लशकरपुर सहारनपुर

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्यारे लाल पुत्र गहला राम निवासी----तिलक नगर सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, में उन अध्याय में दिया सवा है को

ग्रनुसूची

खेत सं० 21, 22, 237, 239, स्थित लशकरपुर सहारनपुर।

एज० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिलांक 10 फल्बरी 1986

िर्देश सं० एम-90%, 85-86----ःतः, मुझे, **एच० ग्रार०** दास

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन एथम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्गेर विश्वर्ष पर वं(-129 है प्या जो नोएडा में स्थित हैं (और उपने प्रावद्ध उन्युर्च में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रिस्ट्रिंग्स विभागि के वार्यालय नोएडा में रिस्ट्रिंकरण अधि प्या 908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25 जुन 1985

की पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जरूके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी ज्याय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ना के अन्सरण मो, सी, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीनः निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमर्तः कैलाण कीर निवासी जे 185 साकेत मालवीय नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. जिया वेन्कटेसा पेरूथाण निवासी----12-ए_।39, **डब्ल्यू० ई० ए० करोलवाग** नई दिल्ली-110005 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचाा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलाबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

मन्स्यी

बी-129, सेक्टर 14 नोएडा---गाजियाबाद

एच० आर० दास सथम प्राधिकारी सहायक शायदा श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-7-1986

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कांगांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

िर्देश सं० एम 999_/ 85-86⊸-थतः, मुझे, एच० श्रार० दास.

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-63 सेक्टर 4 है, तथा जो नोएडा में स्थित है (और इससे उनाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिनर्स्ट्राकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, नोएडा में रिजर्स्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10 जून 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

 श्री टी० सी० जै। दिल्ली सोहत गंज तक्की मण्डी, दिल्ली:

(ानारक)

2. मैसर्स सिल्बर स्पार्क प्रा० लि० ३०८ अंच ह्याउस सी-1 नजलगर कम्यूनिटी सेन्टर, उद्दीरिटर्ल-15 (एन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ता में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-63, सेक्टर 4 नोएडा ।

एच० गर० वास संधम आधिकारी सहायक श्राप्तवार शायुक्त (विशिश्)-श्रर्जन रोंन, वर्गापुर

तारीख: 10-2-1986

प्रका बाह्यं, टी. एत . एत . : -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थान

भारत सरकार

शायीलय, बहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (विरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरचरी 1986 निर्देश सं० एम 910/85-86---थतः, मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने खा कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाधार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० साईट नं० 3 है, तथा जो डी० उ० मेरठ रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च: में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जून, 1935

को पूर्वोक्त कर्णाल के उचित वाजार मूल्य सं कम के ख्रायनात प्रतिक्षय के सिए कर्तारत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकृत सं, एसे द्रश्यमान प्रतिकृत का विश्व का पंत्रह प्रतिकृत से विश्व है और वंतरक (अंतरका) और अंतरिती (वन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरम के विश्व तय पाया ग्या प्रतिकृत का विक्रतिविद्य उस्तिक से उक्त वन्तरम की विश्व का वे समित की वाल्य-

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत समय सीध-विव्य से बनीय कर को के कन्दरक के दायित्व में सभी कार्य का क्या व्या में बृद्धिया के किए; बार/वा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन या बन्च वास्तियों की, चिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनियम, वा वृत्त कर विधिनियम, वा वृत्त कर विधिनियम, वा वृत्त कर वृधिनियम, वा वृत्त कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वृत्त था या किया जाना जाहिए था, कियाने वे वृत्तिया के विद्युद्ध

कतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकारिक किस व्यक्तियों, जर्थात् :---

- 1. मैं एम एम ० लंब्स प्रोप्राइटर मे ० यूनी डिस्ट्र्र ब्यूटर्स प्राई ० लि ० 22, भूलाइजै देसाई रोड़ बम्बई-26 (अन्तरक)
- 2. डा० प्रकाश श्रमृत मोदी चास्ते मो० यूनिकेम लेबोरटीज लि० यूनीकेम भचनः, एस० वी० रोड, नागेश्वर (पश्चिम) बम्बई-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के सिक्षु कार्यवाहिया करता हुं।

डक्त तम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों इस स्थान की तामील से 30 दिन की जनिध, को और जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड जिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जी उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस क्ष्याय में दिका सवा हैं।

धनुसूची

डी-30 साईट नं०-3 मेरठ रोड़, इंडिस्ट्रियल एरिधा।

एच० ध्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-2-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए 924/85-86--यतः, मुझ,े एच० म्रार० दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, चिसका उचित बाजार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 193/3/व 193/1 (2) है, तथा जो गणेशपुर रुड़की में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, रुड़की में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 3 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार बृंद्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिक का निश्नितियों) से वीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिक से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरम् वे हुई किसी बाय की वायस उपस् निविदन से वर्षीम् कद वंधे के सन्तरक से दारित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धून वा बुन्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण , म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) । अधीन निकारिणीयात व्यक्तियों, अधीतः :—

- 1. श्री गजेन्द्र पाल सिंह पिता ठाकुर माम रिक्षपाल सिंह निवासी--ए, 469, इन्द्रा नगर, लखनऊ (ग्रन्तरक)
- श्री हाकिम राजेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व० श्री डलेफत राय जैन, निवासी-- 50 कानूनगोयान रुड़की, सहारतपुर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टि करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नया है,

बन्स्ची

नं 193/1 (1) ग्रीर 193/1 (2) गणशपुर रहकी, सहारनपुर।

> एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज, कानपूर

तारीख : 10-2-1986

प्रकप काई.टी.एन.एस.-----

कारकर वॉचिनियम, 1961 (1961 की 43) की पारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत तरकार

कार्यक्षेत्र, ल्हातक बावकर वाय्वस (निरीक्षण)

म्रर्जंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम 925/85-86---यतः, मुझे, एच० ग्रार० दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार भूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 308 (2) है, तथा जो सिविल लाइन एड़की में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रहकी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 5 जून, 1985

को प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कन के क्ष्यमान वितिष्ठल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबस, उचस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के बिए; और/या
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जात्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अतं, उक्तं अविनियमं की भारा 269-गं के जन्सरिणः कें, कें, उक्तं विभिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) कें विभीग, निम्निसिंखित व्यक्तियों, वर्षात् रू—

- श्री जयसूरत तिन्हा पिता स्व० श्री लाडली प्रसाद तिन्हा निवासी--15, ितविल लाइन्स रूड़की, सहारनपुर (ग्रन्तरक)
- 2. डा॰ मनोहर लाल बुग्गा पुत्र स्व॰ श्री मधयुरादास बुग्गा निवासी--15 सिविल लाइन्स, रुड़की सहारनपुर (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीकों से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटकसूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए वा सकरी।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्छ बिधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा क्या हैं:

अनुसूचो

नं० 308(2) निवासी--- 15 सिनिल लाइन्स रहकी; सहानपुर ।

> एज**ः आर० दास** सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कान**पुर**

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम-927/85-86--यतः, मुझे, एच० आर• दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8,799~99 वी है, तथा जो कटैहडा में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुरन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाब वा किसी धन वा कच्य बास्तियों को, जिन्हों माजदीस बाब कार किसी तियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनयस, या धन-कर अधिनायस, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नका था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा अधिका के सिद्ध;

बतः वहः, इक्त विधिनयम की धारा 269-म के बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती मदन जी जैन पत्नी श्री लाल उजागर मल जैन निवासी मो० कम्बौहान (कटैहडा) सहारनपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रभा कपूर पत्नी विजय कपूर, निवासी---ग्रमृत बाजार, टाकी साहुब पंजाब (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सध्यत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

बन्त तम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिश, को भी बर्वाध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर वृजींकत प्रविक्त में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकते।

स्वयद्धीकरनः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का को स्वयद्ध अधिनियस को अध्याय 20-क में परिअक्तिकर है, वहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में क्रिया वया है।

अनुसूची

सं० ८,799-99वी मो० कटैहडा कम्बीहान शास्त्री बाजार

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपूर

. तारीख: 10-2-1986

प्रकप बाह्र . टी. एन. एस.----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

बारत बहुकाह

श्चार्यांतय, सहायक बायकारु त्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम 933/85-86--यतः, मुझे, एच० म्रार० दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० ज्लाट 2100 वर्ग फीट है, तथा जो हरिद्वार में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रिजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख 29 जून, 1985

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 'दृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किसी अगर्ताय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया अव्हा आहिए था, प्रियाने में स्विधा के विद्

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में अं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीन हुन्न

 श्री महेन्द्र सिंह चावला पिता सरदार भ्यारा सिंह चावला निवासी—हिरद्वार, सहारनपुर

(ग्रन्तरक)

2. वर्कंड सिनुवल स्प्रियूवल ट्रस्ट ट्रस्टी श्री रमेश नानालाल शाह, वल्द उपाधि सील्ड इन्द्रा श्रादि हरिद्वार, सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को वह बुचना जारी करके न्वॉक्त बन्दरित के बर्खन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी क्ष्मीथ बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा यो उस वध्याय के दिवा मवा है।

अनसची

प्लाट 2100 वर्ग फीट हरिद्वार।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-2-1986

मोहर ३

प्रस्त बाई .टी .एन . एस

magazinalde kommunisare (p. 6. s. igan réfer film s distances gans s'imm. Nationalement approximation com tendences approximation of the state of th

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत न्यकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० एम: 0936/85-86-अत: मुझे, एच० आर० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए से अधीन सक्षम प्रक्रिकारी को, यह विकास करने का जारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2800 वर्ग गज है तथा जो चन्द्र नगर में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 13 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और पूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्त प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यसा प्रतिकृत, निस्नतिश्वित उद्देश्य से उद्ध अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरक वे हुई कियाँ बाव की बावन, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्रा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः कव उक्त किपिनियम का धारा 269-न के अनुतरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
33—496 GI/85

(1) श्री विजेन्द्र कुमार पुत्र श्री चन्द्रभान निवासी मुकाम जोड़ कुआं, सहारनपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री महीपाल सिंह पुत्र श्री धीरज सिंह निवासी कस्बा तीतरो, डा० खास, नकुड़ सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) तदैव

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव ।

(वहं ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह स्वता वारी करके वृबोंक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्लोकरण १ — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्या गवा है।

अन सची

तादादी 2800 वर्ग गर्न, चन्द्रमगर, सहारनपुर।

एच आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-2-1986

प्ररूप बाह् , टी . एन , एस , -----

जानकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें , कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० एम०-944/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास.

गानसार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'स्वतः अधिनियम' कहा गया है), की भास 269-च के अभीन सक्षम प्रतिभक्तारी को यह विश्वनत करने का जारण है कि स्थ्यावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 20/199 है तथा जो राज गाजियाबाद में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राज नगर, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अथके क्यमान प्रीधिकल से लेके क्यमान प्रतिकल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में करियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की अध्यत, उक्त जीभीनियज के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में ककी करने या सुकत कुकत में स्वीवभः ने सिक्ष अंकिंग
- 'ता) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियः करो, जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती इ्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, जिल्हों में स्विधा के लिए;

वदः जब, **उक्त विधिनयम की धारा 269-न के अ**सूतरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्वक्तियों, बच्दी :--- (1) श्री सुभाष मलहोत्रा पुत्र स्व० श्री राम नारायण दास मलहोत्रा, निवासी 98, तेक्टर-15, फरी ग्रवाद (हिन्याणा) ।

(अन्तर्र)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार जायसवाल पुत श्री करोड़ी मल जायसवाल, 2090, रोदगरान लाल कुंआ, दिल्ली। (अन्तरिती)

(4) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में सम्मत्ति है)

(4) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनव सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अनिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनसम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, बहूी अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

ग्रनुसुची

भवन संख्या आर०-2/199, रकबई 800 वर्ग गज कवर्ड एरिया 1400 वर्ग फीट स्थित ब्ल17 सं० 2, राज नगर, गाजियाबाद ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10--2-1986

प्रस्य आई.टी.एन.एस.-----

मायक्तर गिधितस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, क्लबक जानकर नास्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० एम०-945/85-86---अतः मुझे, एच० आर० दासः

नावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्ताद् 'उस्त विधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्तात उचित वाचार मूल्य 1,00,000/~ रु. से विधिक हैं

स्रौर जिसको सं० के० एच० 99 है तथा जो कवितगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण का मे विगित है), रिजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजिस्ट्री करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जून, 1985

नेते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थवाप श्रीक्षण के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और जन्तरक (कन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत खकत अधि। निवास की अधीन कार दोने की बन्तर्क को वाबित्य में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

कतः सबं, उकत विधिनयम की धारा 269-व क अनुसरण में, मंं, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के व्योन, निम्निलिखित व्यक्तियों. सर्वात प्र— (1) श्री एस० के० भट्नागर पुत श्री एस० स्वरूप , निवासी तीनमूर्ति मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री राकेश चोपड़ा पुत्त श्री गोविन्द राम चोपड़ा, बी-7/1, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली । (अन्नरिती)
- (3) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पात विविद्य में किए या सक्तें।

ल्ष्यीकरणः --- इत्में प्रमृत्तु सन्यों और पर्यों का अवस्य व्यापितियम्, के स्थाय 20-क में परिभाषित् हैं, बही वर्ष होता औ उस स्थाय में विका प्या हैं।

धनु सूची

प्ताट नं० के० एच० 99, ब्लाक एच० कवि नगर, गाजियाबाद ।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंण; कानपुर

तारीख: 10-2-1986

प्रकम् , बाह्री , द्री , एक , एक , न न न न न

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निर्दावाण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० एम०-946/85-86--अतः मुझे एच० आर० दास,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उन्तर निधिनयम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकाड़ी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-3 है तथा जो, गाजियाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 28 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीमत बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे वह निकास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त संपृत्ति का उपित सामार मृत्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, एले अस्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बाम एस अन्तरम के लिए तम भावा गया प्रतिफल निक्तिस्तित उद्देश्य से उन्तर मन्तरण किस्ति में सामग्रीहरू एम से कामत मही किया गया है अन्तर

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्तः अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियाँ का. जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या धन कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था न्धियाने में स्विधा के लिए;

बत. हव, उच्त विधिनियम की धारा 269-व के वन्तरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अधित् हि—

(1) श्री अशो ह कुनार गुप्ता पुत श्री सी० एम० गुप्ता, निवासी 3495, गली बजरंगबली जावड़ी बाजार दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मे० गर्ग एसोसिएटस सा० वि० सहा-निर्देशक सूधीर मोहल लड्डक, नि० आर० **ग्राई**० टी/1016, राजनगर गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

- (3) तथैव (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) तथैव (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पति में हिन**बद्ध है**)

को यह श्रुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुंगू।

वक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप:-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन की राजीत रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 ्चा को राजीत से 10 दिन की सर्वीध, रो भी
 अविध बाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तितलों से से दिन्ही व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीख खं 45 दिन के भे पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्वकाकरण :---इस्कॉ प्रयुक्त शब्दों बाह्य पदों का, जो उवक विभाग्यम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी वर्ष होगा जो उत अध्याय में दिशः मुका हैं।

ग्रन्स्ची

प्लाट नं० डी०-3 झाईट नं० 3 मेरठ रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया गाजियाबाद ।

> एच० आ**र० दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आनुक्त (निरी**क्षण**) अ**जं**न रेंज, कान**प्र**

विनांच: 10-2-1986

प्रका बाहु . टी . एस . एस . -----

साधार सीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के स्थीन स्थान

भारत सहकार

कार्याच्य, रहायक वायकार नायुक्त (मिल्लीवाण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरीं 1986

निर्देश सं० एम० 947/85-86-अतः मुझे, एच० म्रार०

दास

गायकर अभिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी. 4 है, तथा जो मेरठ रोड, गाजियाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाध में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जून 1985

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विभक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वो वास्तियक रूप से कर्मित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जास की बास्ता, सक्त जिम्हित्यम के स्मीन कार दोने के अन्तरक से दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधाः से सिए; जीड़/धा
- (च) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिनाने में सुविधा के लिए;

वतः १व, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण वो, बी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वभीय, निम्नकिवित व्यांक्तकां, वभीत ह— (1) जगदीण प्रसाद श्रमवाल पुल श्री शिवचरन दास िवासी 3495 गली बजरंगवली चावड़ी बाजार दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं । गर्ग एसोसिएटस प्रा० लि । दिशिक सुधीर मोहन मित्तल पुत्र विलोक चन्ड नि । श्रार० 11/186 न्यू राजनगर गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह पूषना बारी करके पृशांकत सम्पत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिड़-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

अनुस्ची

प्लाट नं० डी० – 4 भेरठ रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया साईट नं० 3 गाजियाबाद।

> एत्र० गार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर हजायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 10-2-1986

मोहर •

प्रास्क्य बाई.टी.एन.एस.

जायकर जीभीनजन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के जभीन तुचना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, तहाबक भावकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंग, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

जाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका उड़ित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक ही

और जिसकी सं० 306 है तथा जो मालीवाडा गाजियाबाद में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 था 16) के अधीन दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओ यह विश्थास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्मनिश्चित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया
गया है किया

- (क) नन्तरण वे हुई किवी बाय की वावता, उनक निर्धानयन के बंधीन कर देने के बंधारक को दायित्व में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा के सिद्द; बार/का
- (भ) एसी किसी अय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकच अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किना जाना चाहिए था. जिना में त्विभा के बिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री भवर सिंह पुत्र श्री मवासी निवासी 306 मालीवाड़ा, दादरी, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री तेज पाल सिंह पुत्र श्री हरलाल सिंह निवासी ग्राम सरफाबाद तह० दादरी जिला गः जियाबाद (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कहुने प्रोंक्त सन्परित में नर्चन के निष्

उन्त कमित के वर्षन के सम्हत्य के कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए या वर्षों ने ते

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ हमेंगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

अन्**स्ची**

भवन संख्या 306 मालीवाडा गाजियाबाद

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-2-1986

प्रकल बाइ. टी. एव. एव. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

धारत तरकार

कार्यालय, सञ्चाबक बाबकर बाब्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, निनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं॰ एम॰ 950/85-86--अतः मुझे एच॰ आर॰ दास

नायकर जांधनियझ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त ऑधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसक रसं० के० ई० 24 है तथा जो कवि नगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ,अनुसुर्च ॣृमें श्रौर पूण कप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनां क 28−6−1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीक्षण के लिए बन्तरित की गई द बार मुक्त यह विदश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एवे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी झाय की वाधत, उकत बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाक्तियम में कनी करने या उससे बचने में स्विधा के सिष्ण बाँड/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयांज- नार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

नतः जन, उन्त निभिनियस की भारा 269-ग के जन्हरण में, में, उन्त निभनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के नभीत, निम्निसियत व्यक्तिकों, अर्थात् 8—

- (1) श्रीमती गैला रानी पत्नी श्री पी० सी० अग्रवाल निवासी 1534 कूंचा मेठ दरीवा कला दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेखा जांन पत्नी विमल कुमार जैन निवासी द्वाराश्री विजेन्द्र कुमार जैन सी०-14 एम० आई० जी० लोहिया नगर गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह बूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बुक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖅

- (क) इस सुचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किकी बन्च स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिर्वेकत में किए वा सकेंचे।

वन्सची

भवत सं० के० ई० 24 कवि नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक :-10-2-1986 मोहरः प्रकप नाइ, टी. एन. एस. -----

- If the say and to properly the property of the control of the co

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

बारत सहका

कार्यात्रय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेप रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 **फरवरी 198**6

निदेश स०एम० 956—/85—86——अत: मुझे, एच० आर० दास.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० के० एल० 78 है तथा जो कविनगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अर्थानय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 जून 1985

को पूर्वोदन अम्पित के उपित बाबार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कों गई है और मुक्तें यह विश्वास करनें का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, रिक्निलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्छ अधिनियम के बधीन कर देने के बंतरक के बहियरच में कमी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के निए; बहि/बा
- (क) शेसी किसी बान या किसी भन या बन्ध वास्तियों को. जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विभिन्यम, या भन-कर नीभनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रशांजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनैविभा के निए:

बत: बब: उबस अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण ब्रॉ, में उबल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन जिल्लीय सित व्यक्तियों, बचति १०० (1) श्री सरावाल जरोड़ा पुत्र श्री लेखराज निवासी बी० 96 पटेल जगर गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री तेजा जिह राणा पुत्र श्री हंसराज राणा निवासी एल०-92, रेलवे कोठी रेलवे कालोनी गाजियाबाद

(अन्तरिवी)

की वह सूचना बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंद ह

- (क) इस ब्यना के रायपत्र में प्रकायन की बारीय वें 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नृष्या की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी सर्वीध बाद में समस्य डोती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितवक्ष किसी जन्य स्थावत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यख्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वया हैं।

अन्सूची

भवन नं० के० एल० 78 क्षेत्रफल 200 <mark>वर्ग गज</mark> स्थित कविनगर गाजियाबाद नह० व जिला गाजियाबाद

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनां क: 10-2-1986

हरूप बाह : टी . एन . एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन मुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० के०-295/85-86-मतः मुझे एच० भार० वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूला 1,00,000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 133/229 एम० है तथा जो किदवई नगर कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 25-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, वा अनक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लपभारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 34—496 GI/85

- (1) राम ारी बेना श्रो शिन रतन सिंह व शीला सिंह एंन ग्रन्य 2/92 कृष्ण नगर कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) शकील ग्रहमद व जमील ग्रहमद पुत्र जमालूहीन 57/5 साईट नं० 1 किदवई नगर कानपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) क्रेता गया। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) केता गया। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के तम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्यं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्या हैं॥

वनसर्वी

मकान नं० 133/229 एम० ब्लाक किदवई नगर कानपुर

> एव० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; कानपुर

दिनाँक :-- 10-2-1986

कुष्ट बाह". टी. एम. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

क्रांत्र करकाह

कार्वालयः, महायक जावकर वाबुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० के० 303/85-86---श्रतः मुझे एच० श्रार**ा**दास

आयकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कर्नाए उन्हें अधिनियम कहा गया हूँ), की पादा 269-च के अधीन सभाग प्राधिकारी को. यह निकाम करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी पं० 65 ए-ज्लाक, है तथा जो किदवई नगर पें किया है (ग्रौरइनने उपाव ग्रनुसूची है ग्रौर पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिननयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 26-6-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के अजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफास के लिए अन्द्रित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के फल्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तथ पावा गया प्रतिक्ष कम निम्निलिचित तद्विषय से उत्रत अन्तरण निचित में वास्तिकक्ष एक के करिसत नामीं किया गया है :---

- (का) बतरण स हाई किती बाब को बाबत, उक्त लिंदिनिया के प्रभीन कर दोने से प्रजारक के द्यायिक लेकियों करने वा प्रमुख तथने में स्विधा के एत्स, सरि/वा
- (क) ऐसे किसी प्राप्त था किसी थन वा बन्त बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवेश्वर्षार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा का किया जाना चाहिए जा, कियाने में मृदिधा के सिए;

कतः तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को प्रतीत विकासिक स्वक्रित्यों, सर्थात :- - (1) बी छुष्णा चारी पुत्र श्री वेदान्ता चारी 65 एन ब्लाक किदवई नगर, कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) दूर्गा देवी पुत्री श्री विजय, कुमार ध्रग्रवाल 33/8 चौंक कानपुर

भ्रन्तरिती)

(3) ऋेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधियोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति जिसके बारे ग्रधोहस्ता क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का बहु सुचना कारो करके पूर्वाक्त सच्चात्त्व के अर्थन के लिए कार्यशाहिया करता हुं ।

उक्त हम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेद:----

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर द्यारा की दामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांबह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी कन व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के बाब निवत में किए वा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त कब्बों और पद्धों का, को उक्त अधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभाणित है वही पर्य दोगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिवा भया है।

वन्स्यी

म॰ नं. 65 एन॰ ब्लाक किदवई नगर कानपुर।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज- कानपुर

दिनाँक :- 10- 2- 1986

मोहर: -

प्रस्प बाई 🛭 टी 🚉 एर 🗵 एर 🗷 🚥 🚥 🕶

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुभना

भारत तरकार

भार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कान्पुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं • के ०-304/85-86-अतः मुझे, एच० आर०

दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 13/386—बी है तथा जो परमट कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है. रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1985

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान ।
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरज़ के चिए तब पाया ब्वा प्रतिक्त का विश्वविद्य द्रश्यक के विद्या विश्वविद्य के विद्या विश्वविद्य के विद्या विश्वविद्य के विद्या विश्वविद्या के विद्या विद्य

- (क) बन्तपुण सं हुई किसी बाद की बावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कुसी कुड़ने वा उससे दुवने में सुविध. के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्छ अधिनियम, 1922 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1. श्री वेद प्रशास गुप्ता पुत्र श्री क्षित राम गुप्ता 26/27, परकापुर, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री कुलदीप कुमार अग्रवाल, योगेश कुमार अग्रवाल 26/27, परकापुर, जानपुर।

(म्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋक्षागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को का कुना बारी करके पूर्वोक्स सम्बद्धि के वर्ष के कियु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सबह सम्मृतित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई श्री वास्तेष्ड-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकारी।

स्थाकरण: इसमें प्रयुक्त सन्यों बौद पर्यों का, जो उत्तर जीधीनयम के अध्याय 20 के में परिकाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसुची

म० नं० 13/386-बी, परमट, कानपुर।

एच० आए० दास ज्ञक्षम प्राधि गरी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-2-1986

प्रकार वार्ड . ही . एन . एस . न्यून्य न्यून्य

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यांबय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां ह 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-305/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 123/450, पुराना है तथा जो गडरियन पुरवा, कानपुर में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-1985

क्षे पूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातफित को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्/मा
- (य) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विधा आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिका;

नतः जन, जनत निधित्यम की धारा 269-ग के जनसरण ने, भी, उनत निधितयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती विमला मांगलिक पत्नी प्रेम मनोहर, मेंसर्स विश्रूष बदर्स, 118/307, कोशलपुरी, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मैं कौजास मोटर्स प्रा० लि०, 89/105-ए, जुगुल भवन, जी० टी० रोड, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्यूची

म० नं० 123/450, पुराना 123/704 नया, गडरियम पुरवा, फैक्टरी एरिया, फजल गंज, कान्पूर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी **महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जंग रेंज, कान्प्रर

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-306/85-86-अतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं 0 117/एल 0/89 है तथा जो का कादेव, नवीन नगर, में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में म्रीर पूर्ण रून से वर्णित है), रिन्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उनत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ज, क, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ज जधीन, निम्लोलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जे॰ एउ॰ भार पुत्र बलबना सिंह, निवासी 117/एल॰/89, जाबादेव नवीन नगर, कानपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती उमिला रानी अग्रवाल पत्नी श्री जीवन लाल अग्रवाल, एवं अन्य, 111/156, हर्ष नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हरताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

म० नं० 117/एल०/89, नवीन नगर काकादेव, कानपुर।

एच० आर० दास सझम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तुप्रीख: 10-2-1986

प्रस्य बाह्रं,टी,एव, वृत्त, -----

बायकर विभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

भारत बहुक्छू

कार्यात्रयः, बहायक जायकाद्व जायुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-308/85-86--अतः मुझे, एच० आर**०** दास्र

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चितं एसमें इसके पश्चात् 'उन्तर मिनियम' कहा नया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काउल है कि स्थावर संपरिता, विश्वका उचित बाजार मुस्स 1:00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 431-डी० है तथा जो जाजामक कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसरी जाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाकार मृष्य उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित भे बास्तविक इस में कथित नहीं किया थया है :---

- (क) बस्तरण से हुन् किसी बाय की बावल स्वक् विभिन्न के अभीन कर दोने के अस्तरक के सामित्य में कनी कड़ने ना सबसे बलने में सुविधा में सिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय बाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर विभिनयम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचन वार्थ बन्ति हिंगा प्रकट नहीं किया गया था का किया बना चाहिए का किया में बृदिभा के जिल्हा

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री मनोहर **इ**वीर 431-डी॰, जाजामऊ, कानपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री विधिन चन्द्र मिश्रा आदि, 48/32, लाठी मोहाल, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. केतागण

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केवागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-इस्ताक्षरी जानता है कि वह जम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख श्री 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुः किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्वित में किए जा सकेंगे।

स्वच्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि। हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिव वसा हैं।

प्रनुसूची

म० नं० 431-डी०, जाज मऊ, कानपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-2-1986

मोहर 🚁

प्रकप बार्व .टी . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत तरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, जानपुर कानपुर, दिनोक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-311/85-86--अतः मुझे, एच० आर०

दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार अन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 128-ए, उस्मानपुर, केशव नगर है तथा जो केशव नगर कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीज, तारीख 14-6-1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान शिक के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-त्रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीय कर दोने के अन्तरक के इतिराध हो कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए? बीक श
- (क) होती किसी बाव या किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ की जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा वै लिए।

वतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की नन्सरण हो मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ते की उपधारण (1) के क्षीत निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षातु क

- 1. श्री बाल मुकुन्द व श्याम बिहारी पुत स्व॰ श्री-निवास आदि, 27/79, विरहाना रोड, कामपुर। (अन्तरक)
- श्रीमती किशन दुलारी पत्नी स्व० श्री लल्लू राम, एवं गोविन्द प्रसाद जायसवाल, 133/38, श्रो• व्लाक, किदवाई नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(वहं ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- 3. क्रेनागण
- 4. ऋेतगण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानतां है कि वह स्मित्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष क्रिक्

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, थी उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

म॰ नं॰ 128-ए, उस्मानपुर, केशव नगर. कानपुर।

एघ० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 10-2-1986

प्रकप. बहाँ. टी. एन्. एस्⊴ = ॥ = ॥ ॥

बायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीय स्थान

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-321/85-86--अतः मुझे, ए**च० आर०** दास,

वायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जे०-2/61, विजय नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसते उगाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रिवर्ट्टी उर्ती अधिकारी के कार्यालय जानपुर में रिजर्ट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 15-6-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्शत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल कि निम्तिरों चन उद्देश्य में उचन करने ए लिक्टिंग में शानाविक क्या के महीं किया क्या है क्या मार्ग है क्या करी करी करी करी करा करा करा है क्या करा है कि करा है क्या करा है कि कर

- हैंकों बन्ताइन वे हुइं किसी बाय को बावत , सबक्ष ्थिनिया के अभीत कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कानी कारने या सहस्ये समारे में मृतिया। की बाद: बांद√वा
- (थ) प्रेसी किसी अस या किसी पर या कर कारियली सं. विन्हों भारतीय प्रााकार की ग्रीपट (१९००) (१९२२ का ११) या तकत अधिनियम, शा पत्र-कार अधिनियम, शा पत्र-कार अधिनियम, १९६७ (१५६७ का १८) के एकोजनार्थ अन्तर्रितों द्वारा प्रकट नहीं किया रहा पर वा पार्य साम की कार का शिक्या और वा प्राप्त की कार्य की वा भी कार्य की कार्य कार्य की कार्य की कार्य की कार्य की कार्य की कार्य की कार्य क

बतः बब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण है, पं', उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अवील. निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती परिन्दर कौर वेवा श्री बलवन्त सिंह, 122/ 689, शास्त्री नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती अरुणा अग्रवाल पत्नी श्री गुलाब चन्द्र, अग्रवाल, निवासी 32/101, बगिया मनी राम, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. केलागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्भत्ति है)

4. ऋेशगण

(वह काक्पि, जिसके बारे में अधी-हरा। क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को नर्जन ने मंत्रंच में कोई मी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील खे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किया व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सचना क राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्थ किसी वन्त अभित ब्वारा विशेष्ठस्ताकरी के पास जिल्हिय में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

म॰ नं॰ जे॰-2/61, विजय नगर, कानपुर।

्च० आर० दास सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा: 10-2-1986

मोहर.

प्ररूप बाद्दं हो एन एस . ------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० के०-328/85-86---अतः मुझे, एच० आर० दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16, स्कीम-II है तथा जो ब्लाक 4, किदवई भगर, काभपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काभपुर में, रजिस्ट्रीवर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, एसे इस्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से विधक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीबक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिंह व्यक्तियों, अर्थात् रू—

35-496 GI/85

 श्री मोह्न सिंह पुत्र श्री लहना सिंह, 49/89 नौधड़ा कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा एवं अन्य, 87/149 देव नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(वहं व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 16, स्कीम II, 4 वताक, किदवई नगर, कानपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपूर

तारीख : 10-2-1986

इक्य बाह्र हो, युन्, एवं,-----

नायकर अभिनियम, 1981 (1961 क 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर कामपुर, दिमांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० ए० 404/85-86—अतः मुझे. एच० आर० दास,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० — है तथा जो चौकी बाग बहादुर सिंह में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुमुची में ग्राँर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय वा निज्ञी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों आस्तीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें जैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपभारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री तारामन हरि गुष्ता, पुत श्री दाऊ प्रताप, पि॰ गऊ घाट, मथुरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रिष्मि अग्रवाल पत्नी श्री सत्य प्रकाश, निवासी तुलसी चबूतरा, मथुरा।

(अन्तरिती)

3. — तथ**ैव**—

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. **--**नथैव---

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समतल जमीन वाके चौकी बाग बहादुर सिंह मथुरा क्षेत्रफल 641.05 बर्ग मीटर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-2-1986

प्रकप जाई.टी.एन.एसं.-----

नायकर् विधित्वन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के न्यीन भूपना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 फरचरी 1986

निदेश सं० ए० 414/85-86--म्रतः मुझे, एच० स्नार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3/105 है तथा जो महावीर पार्क म्रलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय म्रलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाबार भून्य से कम् के अध्यक्षम् प्रिक्कल के लिए बन्तरित की गई हैं बौर बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाबार सून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से विश्वक हैं बौर बन्तरक (बन्तरकों) बौर बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल मिन्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्त-विक क्ष्य से कृथित नहीं किया गया हैं---

- (क) वन्ताद्रण सं दुर्च क्रिक्ती बाव की वावता, उक्त वीधानिका के वधीन कर दने के बन्ताद्रक की दावित्व में कृषी क्रुंद्रने वा उत्तक्के वजने में सुविधा के क्रिप्कः ब्राह्मिता
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धून या बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया प्रया था वा किया बाबा बाहिए था ज्यानी में सुविधा की सिद्ध;

गत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्र—

1. श्री मुभाप चन्द्र बब्बर, पुत्र श्री भगवान दास बब्बर, निवासी लाखन कम्पाउन्ड मैरिस रोड़, श्रलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमिती निर्मल मान्त चाचला पत्नी श्री किशन लाल चाचला निचासी साराय वैरागी रेलवे रोड, अलीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. →⊸র্থীঘ⊸⊷

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --तथैव---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ वा तत्संवंभी व्यक्तियों पर बूचना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति, वो जी वक्षि वाद में समाप्त होती हो, के भीतद पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में दितवर्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वार वधोहस्तासरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्यष्टिकरणः इसमें प्रवृत्ति शब्दों और पदों का, जो उथ्य अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

बन्स्ची

एक मकान नगर पालिका नं० 3/105-सी स्थित महा-वीर पार्क एक्सटेंशन, शहर श्रलीगढ़।

> एच० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज; कानपुर

तारीख: 7-2-1986 मोहर:

प्रका वार्ष हो द्रा प्रक

बाध्यार वृश्चिम्बन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निर्देशण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेण मं० जी० आई० आर० मं० 126/37-ईई/ एक्वि०---श्रत: मुझे, श्रीमती गु० कान्जी लाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिलान मंठ द्कान नंठ 23 रेजेन्मो टाचर है तथा जो 20 ए, जिवाजी मार्ग, (ई.वेट रोड), लखनऊ में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुमुर्चा में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्म्ट्रांबर्ता अधिकारी के कार्यानय, अर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्ञामन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किकान में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी काज की, वायस, डवस विधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिद्द; और/वा
- (च) होती जिली बाग या किली भन ना अन्य आरिकारों को जिल्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविभा कोलिइ;

सत: अव, उस्त जीविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की स्पथारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तिकां, नर्यात ह— 1. मैं० रेजेन्सी टावर "शारोही", ब्लाक नं० 2 कपूरथला कामशियल काम्पलैक्स, ग्रलीगंज स्कीम लखनऊ--।।

(अन्तरक)

2. श्री बर्मेन्द्र कुमार गुप्ता।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी शाकोप :--

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (घ) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति इचारा अधोहस्ताक्षरी के फंच सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्वा और पर्यों का, जो उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं व्या होना जो उस अध्याय में दिया नया है ?

श्रन्सूची

दुकान नं० 23, निचले तल पर पैमाईसी 100 वर्गफिट रेजेन्सी टाचर काम्पलैक्स में स्थित 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड) लखनऊ, करारनामा जो कि ग्रर्जन क्षेत्र क० सं० 139 पर दिनांक 13--6--1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ हारा पंजीतित किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

मोहर '

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

बायकार म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के व्योग स्थना

भारत सरकार

कार्थां नय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० आई० आर० स० 127/37-ईई/ एक्वि०---श्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उनका अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व, 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० दुकान नं० 25, रेजेन्सी टावर्स है तथा जो 20 ए, शिवाजी मार्ग (हीवेट रोड), लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, भर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, के अधीन, तारीख 13--6--1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफात को लिए बंतरित की गई है और सुक्ते वह विश्वास करने का गारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के निय तय पाया न्या प्रतिकत् निम्ननिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरम् विवित से शास्त्रविक एवं वे कवित मही किया वया हैंड-

- (क) मनाइण वं हृद' चित्रती काव की वाक्त, उक्त मिनियम के वधीन कर दोने के मन्तरक की दाशित ने कभी करने ना उद्युवं नव्यूने में बृद्धिया ने विषय कीस/पा
- (क) एसी किसी कार या किसी धन वा अन्य जास्सियों को, जिन्ही भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ययाचा वा किया वाना चाहिए था, विकार ही स्विधा के लिए;

बतक वय, उक्त विधिनियम को भारा 269-य के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. मैं० रेजेन्सी टावर्म, ''आरोही'', ब्लाक नं० 2, कामणियल काम्पलैक्स, श्रली गंज कपूरथला, स्कीम, लखनऊ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती साचित्री देवी गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकों से ।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25, निचले तल पर एरिया 100 वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स काम्पलैक्स में, स्थित 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड), लखनऊ। करारनामा जो कि म्रर्जन क्षेत्र ऋ० सं० 140 पर दिनांक 13--6--1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चका है।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकपरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986 मोहर।

प्ररूप बार्ड, दी. एन. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश म० जीं० आई० धार० सं० 128/37-ईई/ एक्वि०--श्रत मुझे, श्रीमती यु० कांजीलाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकान नं० 24 रेजेन्मी टावर में है तथा जो 20-ए, जिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़), लखनऊ में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिवारी के कार्यालय, लखनऊ में (अर्जन क्षेत्र) करारनामा. भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 13-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत छद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से किया क्या है:—

- (क) करतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचन अर्गिपनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, इक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित , अर्थात् :— मैं० रेजेन्सी टावर्स 'श्रालरोही'', ब्लाक नं० 2, कपूरथला कामिंशयल काम्पलैक्स, श्रली गंज स्कीम, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जीतेन्द्र कुमार गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

दुकान नं० 24, निचले तल पर एरिया 100 वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स काम्पलैक्स में स्थित 20-ए, फिवाजी मार्ग, (हिवेट रोड), लखनऊ। करारनामा जो कि अर्जेन क्षेत्र क० सं० 141 पर दिनांक 13-6-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती य्० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

प्रकम बाह् हो एव एक ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीन स्वना

शाउद सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 129/37-/ईई एक्वि०--श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जियत वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कमरा नं० 31 है जो रेजेन्सी टावर्स में 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड), लखनऊ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय स्राथकर स्रिधिनियम, 1961 के स्रधीन, दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरवाण हितफल के लिए अंतरित की नई है और मुख्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थापृतोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का पन्द्रह भितफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत बन्तरण निविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है :----

- (क) न्यारण से हुई किसी नाम की बावत , क्या अधिनियम के अधीन कर देने के न्याहक खें दायित्व में कभी करने या उत्तसे वयने में सुनिया स्रोतिए; बीर/या
- (क) ऐसी किती बाय वा किती थय का क्या बारितयों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में बृतिधा के किय.

अतः लव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. रेजेन्सी टावर्स "श्रारोही", ब्लाक नं० 2, कपूरथला कामिशियल काम्पलैक्स, श्रलीगंज स्कीम, लखनऊ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार श्ररोडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उचक कम्पील को अर्चन को संबंध को कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, ध्वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अमुसुची

कमरा नं० 31, निचले तल पर एरिया 100 बर्ग फिट, रेजेन्सी टावर्स काम्पलैक्स में, स्थित 20-ए, शिवाजी मार्ग (हिवेट रोड़), लखनऊ करारनामा जो कि अर्जन क्षेत्र, कम सं० 142 पर दिनाँक 13-6-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

बक्त बार् ही, एन, एस . -----

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन बुजना

बारत सरकार

कार्यासय, बह्मयक वायकर वायुक्त (विरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ए-191/एक्यू०---ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसकें परचात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुलापुर जिला बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान वित्तिक के निए बन्तिरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाकार मूल्य, उसके दरयवान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यवान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकत से निधक है बीर जंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उत्तर बंतरण जिल्लित में नाम्तिक इस से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहूइ किसी नाम की बानत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरन में कभी करने वा उस्तर वर्ग में मृतिधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा या विकास जाना काहिए था, खिलाने में मृतिधा की विद्रा

नतः वन, उनत विधिनियम को धारा 269-म के वनुसरम में, में, उनत जीधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में सधीन जिल्लीविश्व व्यक्तियों हा सथीन है—- (1) श्री सत्य पाल, (2) श्री लोचन, (3)
 श्री नन्हे (नाबा०) द्वारा माता संरक्षक श्रीमती चम्पा देवी, (4) श्री मिश्री चम्पा देवी।

(ग्रन्तरक)

 मै० ग्रमर सहकारी ग्रावास समिति लि०, बरेली द्वारा सचिव, श्री महेन्द्र प्रसाद तयाल।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संवीत के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रद्भ किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सर्कार।

स्वक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का., जो उक्त जीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय नवा हैं।

वन्त्र्य

भूमि पैमाईसी 2 बीघा 18 बिस्वा स्थित तुलापुर परगना तहसील ग्रौर जिला वरेली (जैंना फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

प्रकृष बार्ड हो. एन एक .-----

1. श्री हीरा लाल मेहरा।

(ग्रन्तरक)

अनयकार अभिनियम, 4961 (1961 का 4/3) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना (1) श्री ग्रशोक कुमार, (2) श्री दीपक कुमार,
 (3) श्रीमती सुनीता देवी।

भारत बहुकान

(ग्रन्तरिती)

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

म्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

उन्त संपत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यों करवों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ए~192/एक्य०---

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा चया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

> म्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उसत अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, पहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० च्लाट नं० 11 है तथा जो दाल नगर
मलदिह्या, वाराणसो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का. 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ख्याबाव
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मुख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित
भें वास्तिक रूप से क्रीयत नहीं किया गवा है है—

वनसम्ब

(क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या बससे बचने में सुविधा की निष्ठ; बरि/या

> बन्दोबस्ती नं० 181 ग्रौर 189, प्लाट नं० 11, पैमा-ईसी 2720 वर्गफिट स्थित दाल नगर मलदहिया, वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

(स) एती किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणानं स्विका के लिए;

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० ए-193/एक्वि०--अतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि मय मकान है तथा जो 7, तिलक मार्ग, डालीगंज, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ब्ब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. (1) श्री केवल किशोर, (2) श्री सुनील अग्रवाल (ग्रन्तरक)
- (1) श्री अखिलेश कालरा, (2) श्री अनिल कालरा, (3) चन्दा अप्रवाल, (4) श्री जी० ग्राचार्य, (5) श्री ग्रासिम बाजपेयी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान मय भूमि स्थित 7, तिलक मार्ग, डालीगंज्य लखनऊ (जैसा फार्म) 37-जी० में वर्णित है)।

श्रीमतो यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-2-1986

प्रकृत बाह् ंडी युन् पुर्य

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ए-194/एक्वि०--ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो भूमि मौजा भेलक ग्रटगवां, वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

करं पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्क संहुई विक्री नाय की वावस, सक्स अधिनियम के स्वीन कर दोने की अव्ययक के बाधित्व में सभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्थं, एसी किसी जाम का किसी भन मा जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—

1. श्री श्याम दास ।

(ग्रन्तरक)

 मै० भ्राशुतोष सहकारी भ्रावास समिति लि०, द्वारा सचिव, श्री भ्रच्यतानन्द पाण्डे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्पना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा मुखा है।

वन् स्ची

भूमि पैमाईसी 9 एकड़, स्थित मौजा भेलक, वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

कागा-ज्या अभिनायम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० ए-195/एक्वि०---अत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चातः 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- स. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पान्डेपुर, शिवपुर, वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान एतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक इप से कोथट नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए।

अत: अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निम्निलिखित अधिकतारों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री ज्वाला प्रसाद, (2) श्री शंकट प्रसाद (ग्रन्तरक)
- 2. मै० श्रजन्ता सहकारी श्रावास समिति लि०, वाराणसी, दारा सचिव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्ची

भूमि पैमाईसी 83 हैं डिसमिल जिससे 22.76 बिस्वा, स्थित पान्डेपुर, शिवपुर, वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी॰ में विणित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-2-1986

प्रकृत बाहें, ही, इब. ऐस. .-----

वायबाद वाचिनियमं, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-वं (!) के व्योप स्वांत

enza dise

कार्यालय, सहायक नायक ह नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० सी०-50/एक्वि०--म्रत: मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्राराजी खसरा नं० 101 है तथा जो खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मुन्य से कम के क्यमाय प्रतिकाल के लिए बॉन्तरित की गई है बाँर मुम्में नह विश्वास कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके क्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे क्यमान प्रतिकत्त का बन्तरित बाबार मूल्य उसके क्यमान प्रतिकत्त का बन्तरित का उचित बाबार मूल्य उसके क्यमान प्रतिकत्त का बन्तरित (बन्तरित से विश्व है बीर बन्तरित (बन्तरित) नौर बन्तरिती (बन्तरित गाँ) के बीच ऐसे बन्तरित है निए प्रव पाया ग्या प्रतिकत्त, जिम्लिखित उद्योक्त से उच्च बन्तरित कर्ण से कथित नहीं किया प्या है अ—

- (क) बन्तरण ते हुई फिटी बाय की वाबता, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को यायरण में कृती करने वा उससे न्यूने में सुविधा के खिए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी जान या किसी वन या बन्न बास्सियों को, जिन्ही भारतीय बाय कर बीधनियम, 1922 (1922 की 11) वि उन्हें अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था किपान में सुविधा के निए;

बतः बनः जनतः जनितनम की भारा 269-व की अनुस्तरभ में, गें, उस्त विभिन्नियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिविक्त व्यक्तिकों बर्भात् ह्या- 1. श्री चेतराम।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० चित्रगुप्ता कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० लखनऊ, द्वारा सचिव श्री विष्णु नरायन। (श्रन्तरिती)

का वह बुचना बारी करके प्यानित संपरित के वर्षन के सिथ, कार्यवाहियाँ गुरू करता हैं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की जुनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ क्षमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जंविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संभ्येतिए में हितबएंच किसी अच्ये व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस ध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूंची

भूमिधरी ग्राराजी खसरा नं 101, पैमाईसी 2 बीघा 7 बिस्वा स्थित खुर्रम नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू॰ कान्जीलाल सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीखं: 10-2-1986

प्ररूप बाह् ु टी. एवं. युस्ता -----

मायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के निधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० ग्रार० सं० सो०-51/एक्वि०--श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन लक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० एस- 2/631-ए है तथा जो निकरौल, पि० शिवपुर, वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्री-कर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को प्वांक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में अस्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है ॥——

- (क) अन्तरण से ट्राई किसी आय की बाबत, उक्त बरिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या नससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ कर्र जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर लिधिनियम, भा धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर रिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे किए:

सतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के बनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री प्रत्यूष कुमार हलधर, (2) श्री प्रणव, कुमार हलधर, (3) श्री प्रणाँत कुमार हलधर (4) श्रीमती कल्यानी बाला हल्धर, (5) श्री प्रबीर कुमार हलधर, (6) श्रीमती जयन्ती कुन्डू, (द्वारा ग्रटानी श्रीमती कल्यानी बाला)। (ग्र तरक)
- 2. श्री चन्द्रिका सिह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्रित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

अनुसूची

मकान नं० एस०-2/631-ए, मय भूमि पैमाईसी 384-51 वर्ग मीटर स्थित सिकरौल परगना शिवपुर वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी० में विणित है)।

श्रीमती यू० का जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 11-2-1986

प्रस्य बार् ् डी ् प्रमृत् प्रस्तुत्र व व व व व

अर्थित अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एच०⊸63/एक्वि०—-

म्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० म० नं० डी०-54/155-32-33 हैं तथा जो श्रीनगर कालोनी, रामकुन्डू, रामापुरी, वाराणसी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नसूची में श्रीर पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाबार मून्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का ग्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पावा मबा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा औ अध्यक्त आहि/आ
- (स) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक

- 1. (1) श्री ग्रारत सिंह, (2) श्री राधा सिंह। (ग्रन्तरक)
- (1) श्री हरि शंकर मोदी, (2) श्री विजय कुमार मोद्री, (3) श्री ग्रजय कुमार मोदी, (4) श्रीमती गिन्नी देवी, (5) श्रीमती कान्ता मोदी, (6) श्रीमती लिलता मोदी।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कवींथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रनुस्ची

मकान नं० डी०-54/155-32-33, स्थित श्रीनगर कालोनी, रामकुन्डु रामापुरा, वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी में विणत है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

मक्य बार्ष, ही. एवं, एवं : :----

आयक्तर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धार 269--न (1) के सधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० श्राग० श्रार० सं० जे०-84/एक्वि०---श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, काँ धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस्थ करने, का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूल्य 1,00,000/- रा.स विधिक ही

त्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो अलीनगर, खुर्द, पर० विजनौर, जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 के जुर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के निए अन्तरित की वहाँ है और मुक्के करने का कारण है कि मभम्पूर्वेक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उक्के क्यमान प्रतिफल से, एवे क्यमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिवात से विषक है बीर क्रन्तरक (बन्तरका) और वन्तरिती (बन्तरितवा) औ बीच एरे बन्तरक से लिए वन्तरित का वाजार वन्तरिती (बन्तरितवा) औ बीच एरे बन्तरक से लिए वन्तरित का वाजार वन्तरित से वासक है बीर क्रन्तरक रिज क्या वन्तरित से वासक है बीच एरे बन्तरक से लिए वन्तरित की वाजार वन्तरित से वासतिक का क्या क्या का वाजार की का वाजार का वाजार का वाजार की का वाजार का वाजार का वाजार का वाजार का वाजार की का वाजार का वाजार का वाजार का वाजार का वाजार की का वाजार का वाजार का वाजार की का वाजार की का वाजार क

- (क) बन्दरण वं हुई किसी बान की बाबस सबस आंध-रिव्हम के समीत बाद बोरे के बन्दरक के स्वित्य के सबी करने या क्याचे क्याने में वृष्टिया के जिल्; स्वीर/या
- (क) हुन्ती किसी नम का विक्री हन हा हान्य वाहरतकों को, विक्रू वास्तीय पायकर विविनयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विविनयम या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ व्यवस्थित वृक्षा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया वाना वाहिए था कियाने में सविधा के किसा.

कतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अं अधीरनः विकासिका व्यक्तियों, अपित्र हरू 1. श्री गोपाल चन्द्र सिन्हा।

(ग्रन्तरक)

 मैं० जनगणना सहकारी निर्माण समिति लि०, द्वारा सचिव श्री अजय कुमार।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्प्रत्ति है)

को बहु सूचना बारी करफे वृबोंकत सम्मारत के सर्वान के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धार्क्ष हरू

- (क) इस ब्रुपना के ज्ञापपम के प्रकारत की वारकि वे 45 दिन की वार्यीय ना तत्त्राध्यात्वी व्यक्तियों पर त्यूना की वाणील से 30 दिन की वार्यीय, जो भी जनिय बाद में ब्रुपान्त होती हो. के बीतर वृष्टेंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावत सम्मत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वार्य व्यक्तिस्ताकरी के शास तिस्ति में किए वा ककीने।

श्यक्तिकरण:----इसमें प्रमुक्त सन्तों और वर्ष का, यो स्थल वीभविषय के सभ्यास 20-क में वहित्साचित ही, तहीं वर्ष होता, यो उस सभ्यास में दिया गमा ही ।

ग्रन्सूची

भूमि वैमाईसी 16 बोघा, स्थित ग्रलीनगर, खुर्द, परगना बिजनौर: जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37—जी० में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्राबुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० जे०--85/एक्वि०--म्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्रलीनगर पर० बिजनौर जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ज्न 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ़ो यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्य-मान प्रीतफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से जीधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्त-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अञ्चलिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था कियाने को प्रिका चे सिए?

कत कथ, उथत अधिनियम की धारा ू69-ग के अर्वरक र, मं' सक्त अधिनियम की धारा ूु०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 37—496 GI/85 1. श्री गोपाल चन्द्र सिन्हा।

(भ्रन्तरक)

- 3. विऋता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितायों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिस्तवृष्ट किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पास किसी में दिस्त का सकीये।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पद्यों का, को उसके अधिनियम के अध्याय 20-के में परिकाधित हैं वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया मया है ।

ance vit

भूमि पैमाईसी 25 बोघा 19 बिस्वा, स्थित ग्रलोनगर परगना विजनौर जिला लखनऊ (जैंग फार्म 37-जी० में विणित है)।

श्रीमतो यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारोख: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० जे०- 86/एक्वि०--ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कांजीलाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्रलीनगर, परगना— बिजनौर, जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रदीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बन्धार मूच्य से कन के दश्यमान शितफत के तिए बन्तरित की गई है बार मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निकालिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बाबत उक्क बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक सै बाबित्य में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के बिष्; म्बांड∕वा
- (क) एंडी किसी बाद या किसी वृत्त या बन्द आस्टियों को, बिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वृत्कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गंवा था किया जाना चाहिए था कियाने में सरिका के विकट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

1. श्रीं मतो सरीज सिन्हा।

(अन्तरक)

2. मैं० जनगणना सहकारी निर्माण समिति लखनऊ द्वारा सचिव श्री ग्रजय कुमार।

(अन्तरिती)

3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ध्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 20 बीघा स्थित ग्रलीनगर परगना, बिजनौर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० में विणित है)।

श्रीमती यू० कांजीलालं सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-1-86

प्ररूप बार्ड. दी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

.कार्यातव, सहायक वायकर जाब्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० जे०- 87/एक्वि०---श्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

शायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से निधक है

क्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्रली नगरपरगना बिजनौर, जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान लिए अन्तरित की गई है प्रतिफल के करने का कारण मभे यह विश्वास 🏅 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से., एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बील एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुईं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिया के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वर्ग, अक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण जो, भी, अक्त विभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री गोपाल चन्द सिन्हा।

(ग्रन्तरक)

1. मै० जनगणना सहकारी निर्माण समिति, लखनऊ द्वारा सिनव श्री अजय कुमार।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिल् क प्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .--

- (क) रव स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किमी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्हितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगें को उस अध्याय में दिया गया हैं।

घन्सूची

भूमि पैमाईसी 19 बीघा, स्थित ग्रलोगना खुर्द परगना बिजनौर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

-तारी**ख: 10-2-198**6

शस्य बार्षः टी. प्र. एतः, क्यः, ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सङ्घक कार्यकर नाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० यठ० जे०-88/एक्वि०--श्रतः मुझे, श्रीमती यू० क्षांजीलाल

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्रेमिसेस नं० 3 का हिस्सा है तथा जो सप्रूमार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इसर्से उपावद्ध अनुङची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्वीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

का पृथा कत संपत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्ति निहीं किया गया है:—

- (क) बलाइम् सं हुइं किसी बाय की बाब्स्, उन्ध बिचिनियम के बचीन कर दोने के बीराफ के दायित्व में कभी करने वा उन्हों बचने में सुनिधा के निए, और/वा
- (ख) हसी किसी नाय न किसी भव ना कच्य जास्तिकों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था. छिपान में सुनिका के लिए:

बत: बब, उक्त विधिनयम की धारा 269-य के अनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वर्षात क्षे-- 1. (1) श्री उत्तम चद ग्राहूजा, (2) श्रीमती चद्र कान्ता ग्राहुजा।

(ग्रन्तरक)

 (1) श्रो जरनेल सिंह ग्ररोड़ा, (2) श्रीमती महेन्द्र कौर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके प्वॉक्त इम्पत्ति के वर्षन् के छिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के शवपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, यो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृश्येक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहरताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिकम् के अध्वाव 20-क में परिक्रायिष है, वहीं वर्ष होना जो उस अध्वाय में दिया स्वा है।

अनुसूची

प्रेमिसेस नं० 3, का हिस्सा, सप्रू मार्ग, लखनऊ, टोटल एरिया 13462 वर्ग फिट (जैसा फार्म 37-जी० में विणत है)।

> श्रोमतो यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

मारत सूरकार

कार्याक्य, सहायक जावकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० के०-167/एक्वि०---भ्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बायकर श्रीपित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसं एउने इसके परवात् 'उन्त मिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-व के अभीन स्वाम श्रीभकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित, चिसका उचित बाबार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 7 है तथा जो बिजईपुर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को प्वांक्त सम्मित के उपित बाधार मून से कन के स्वयंतान प्रतिक्षण के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य इसके स्थाना प्रतिकास से, एसे स्वयंत्रान प्रतिकास का पन्देश प्रतिकास से निधक हैं और नन्तरक (बंतरकों) और बंदरिती (बन्तरितवों) के बीच एसे बन्तरण के शिष्ट तब बाबा थ्या प्रतिकास, निम्नसिवित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से क्यिस नहीं किया गया है:----

- (क) वन्तरण से हुई किशी बाय की बाबत, उक्त विधिवयन ते वशीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में केनी करने या उससे नचने में सुविधा के सिष्; वर्ष्ट/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियाँ को जिन्ह भारतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिथाने में स्रिवधा के लिए।

वंतः वक, अक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० के० सिंह, (2) श्री रामधनी सिंह।

(म्रन्तरक)

- मै० कृष्णा सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ, (श्रन्तरिती)
- 3. विश्वेता

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी त्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के शास विश्वित में किए जा सकेंगे।

न्यस्टीकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पतों का, को अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है.

अन्स्ची

भूमि खसरा नं० 7, पैमाईसी 62197 वर्ग फिट स्थित विजतूपुर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)। श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1986

दश्य बार्: टी .हर .हर

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुमना

भारत् बर्बाङ

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

निदेश सं० जी० त्रार्व्ह ग्रार० सं० के • – 168/एक्वि० – ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचक अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका सजित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 4 (पुराना नं० 2) है तथा जो मोहल्ला याकूब गंज, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पृश्नों कत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापृषींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निखित में अस्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में तृबिधा के लिए; बीट/वा
- ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अपन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लत: बब, उक्त बाँधनियम की धारा 269-म के बनुसरम बे, मै, उक्त बाँधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मोहम्मद शमीम।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री वकील ग्रहमद, (2) श्री सईद ग्रहमद। (ग्रन्तरिती)
- (1) कल्लू, (2) मो० ग्रली, (3) मो० हफीज।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राज्यत्वि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इब क्षमा के राज्य में प्रकायन की ताड़ीन से

 48 स्थि की स्वाध्य मा तरस्वन्ती व्यक्तियों पर
 ब्बना की तामीन से 30 दिन की जबिंध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- ्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रस् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उज्जा अर्डिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

बन्स्ची

मकान नं० 4 (पुराना नं० 2 (पैमानूसी 346.10 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला याकूब गंज, इलाहाबाद (जैसा सेलडीड में वर्णित है)।

श्रीमतो यू० काँजोल सक्षम प्राधिक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10--2-1986

प्ररूप वार्द .टी .एन .एड . -----

(1) श्री गोतम प्रसाद गोयल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कलावती सिंह ।

(ग्रन्तरिती)

/।यकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरध 269-व (1) के ब्रधीम सुचना

भारह गर्भाष्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी, 1986
निद्रेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० के-169/एक्यू०→-ग्रतः
मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल
गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269क विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका डीचत बाजार मृख्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं ग्रौर जिपको सं प्रकान है तथा जो तुर्कियानपुर, जिला गपरखपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वध्स्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय

गोरखपुर में रिजस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिका है अगैर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथत वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरभ तं हुई किसी जाय की शबत, उच्च मिनियम के अधीम कर दोने के बंतरक के न्दित्व में कमी करने वा उससे ब्याने में सृविधा के जिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाम मा किसी थन वा कमा कास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायक र बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुनिशा की सिष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना चारी कार्रको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता है !

उक्त सम्पत्ति के बर्शन के सम्बन्ध में लोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस सूच्या के राज्यें में प्रकाशन की शारी है वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्ति हों पर सूच्या की लामील से 30 दिन की बनीध वा भी अवधि बाद में समाच्या होती हो के भीतर पूर्वोक्य चित्रयों में में किसी व्यक्ति इवारा.
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन को तारी है वि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितन्द्र्थ किसी बन्य स्थावित द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकेने।

स्पष्टिक रण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

मकान पैमातूसी 4718 वर्ग-फिट स्थित तुर्कियानपुर जिला-गोरखपुर जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

> श्रोमती यू० काँजीलाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 12-2-1986

प्ररूप नाइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 फरवरी, 1986

निदेश सं० एल-53/एक्यू०—-ग्रतः मुझे, श्रीमती काँजीलल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सैं० प्लाट नं० 754, से 756, 770 से 777 से 777 व 795 है तथा जो भिलावा लखनऊ में रिजस्ट्री-है (स्रौर इससे उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वित है(, रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्री-कर स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक जुन [1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियस को धारा 2:9-र वे आहरण ब्रों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (;) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो पी० टण्डन

(ग्रन्तरक)

(2) लखनऊ नगर विकास सहकारी भ्रावास, समिति, लि०, लखनऊ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अविधि बाद में समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

प्लाट मं० 754 से 656, 770 से 777 भ्रौर 795 पैमाईसी 6 बीघा, 3 बिस्वा ग्रौर 5 बिवान्मी स्थित भिलावा, लखनऊ (जो 37-जी० फार्म में विणटत है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनाँक: 11-2-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . --- ...-

आसफर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 फरवरी, 1986

निद्रेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एल-54/एक्यू०--ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थावन संपीत जिसका उचित वाजार मूला 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० खसरा नं० 10 है तथा जो खरगपुर, फरीदीनगर जिला लखनऊ में स्थित है (श्रौर इस उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 2908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जून, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हए से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएले में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन जिल्ला लियत व्यक्तियों, अर्थात्:—
38—496 GI/85

(1) श्री होली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं उर्स लखनऊ नगर विकास सहकारी स्रावास समिति लि०, द्वारा सचिव श्रो दिनेश चन्द्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितब्द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपियम, के अध्याद 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

त्राराजी खसरा नं० 10, पैमाईसी 3 बीघा, 13 बिस्वा ग्रौर 18 बिस्वान्सी, स्थित ग्राम खरगपुर फरीद्रीनगर, जिला, लखनऊ, जैसा फार्म 37-जी में विजित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल ाक्षम ग्रधिकारी महायम ग्रायकर ग्रायुख्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 11-2-1986

प्ररूप बार्च. टी, एन. एत. -----

कापकर विधित्तिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

HILL HERE

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निद्रेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० एम-261/एक्यू०/--- म्रतः श्रीमती यू० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० न० बी-1/22-सी-2-1है तथा जो मोह० डूमराव कालोनी, ग्रस्सी, वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्री-करण ग्रधियनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह तिश्वास करने के आरण है कि यथापवाँकत संपत्ति का उचित बाहार मूल्य उप्तक दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का लिख के लिए वा लिख कि तिला कि कि तिला सिंग कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित कि अस्तिक के सिंग कि तिला कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि उपसारित के सिंग कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि तिला कि अस्तिक के प्रकारित के सिंग कि तिला कि तिल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उथत जिथानियम के जभीन कर दोने की अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में श्रीविधा अंकिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आफिन्मों को, जिन्हें भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम या धनकर लिधिनियम या धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं लिखा गया था किया जाना नाहिए था किया मुस्थित के स्थिए;

मतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 259-ग औ सन्मः भ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) भी भिव नाथ उपाध्याय

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो मोहन लाल ड्रोलिया।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेत् :---

(क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोचिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाए;

(क) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगी।

ल्पच्डोंकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यागया हैं।

जनसूची

मकान नं० बी-1/122/सी-21, पैमाईसी 1800 वर्ग-फिट स्थित मोहल्ला डुमराव कालोनो ग्रस्सी वाराणसी। श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम ग्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

इक्ष बार्ड . दी , एव , एख ,- - - = ===

आयकर विधिनिय्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० जो० ातू० स्रातू० सं० एम०-262/एक्यू० स्रतः मुझे, श्रीमती कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाबार नृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाम उजिरणंव, जिला लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँ जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं का क कर्यमान अतिकाल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकाल से स्थिक ही और अन्तरक (बन्धरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उपत अन्तर्थ निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा आ स्थिए,

बतः स्थ, उत्तर अभिविषय की भारा 269-थ के अनुसरक तो, मो, उत्तर अधिनियम की भारा 269-च को अपराध्य ()) खे सभीन, विस्तितिस्त व्यक्तिस्तो, सर्वाह क्ष--- (1) श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह (2) श्री महेन्द्र प्रताप जिह

(ग्रन्तरक)

- (2) मानसरोवर सहकारी श्रावास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता। (वह व्यक्ति जितके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ग्रनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्स :---

- (क) इस त्यना के एप्यपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिंप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीश क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पारु निश्चित में किए द्या सकोंगे।

स्यब्दाकरण: ----इसमें प्रवृक्त कट्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याम में दिस्य गया है।

वन्स्क्री

भूमि पैनाईसो 2.78, 782 वर्ग-फिट स्थित ग्राम उजिरयांव जिला लखनतू (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> श्रीमतो यू० कान्जीलाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिलाँक: 10-2-1986

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरोक्षण)

श्राचीन रेंग, जाबाउँ

ल बनक, वितास 10 फलरी, 1986

निदेशमं बीक पाई। सारव मंब्र एप-26 अएनपूर - न्या मुझे, श्रीमतीः यू० टांकीनाल

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. सं अधिक है

औं जिपकें संर प्लाट नं 15//1 और 15//2 है तथा जो भीका बाजिए। सारकाय विला दानापर्का में स्थित है (और इसने उपायक लियुना में और पूर्व का ने विशिध है), जिन्हें कर्ता अजिकारी के जायीलके धा गण्सी में रिकर्ष्ट्रिकरण अधिकित्स, 908 (1908 का 16) के ग्रहीत दिनाया, जूर, 1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करां का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसकं दरयगान प्रतिफल सं, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तप पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथे अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के ीलए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मौ, उक्त विधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) में विभीन, निस्तिनिकार गर्नेकार संभाग

(1) श्री नाजेन्द्र दार्श सिंह (2) श्री गहेंद्र प्रशाप सिउ

The state of the s

(সন্তেচ)

(१) और महेर प्रसाद (१) और धैया लाउ (३) र्थं। अमेग चन्द (4) श्रीमारी भानी देही (5) श्रीमती गिका देत (6) श्रीमनी नीता दे ई∶ (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ेक्क्मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदी की, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जां उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यची

बन्दोबर्सः धारु स० १५५१ औ: १५॥३ (वर्गार पंजारुएन ए १० १०/८४) स्थित मीला-प्रदेश पालताथ जिला-बारवार्ली (जैसा फार्स अप-टी में विजित है)।

> र्भाग हैं युव उपनीतान सक्षम ग्रधिकाौ महायह प्रायकार वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जं न रेंज, लखनऊ

ितंदः 10:2-1936

माहर:

शस्य बाह् . टी. एन. एस. - - - ----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जधीन स्वना

मारत चरकार

कार्यालय, बहायक वायकर वायुक्त (रेगरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम-264/एक्यू०---यंत मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आराजी नं० 505, 506, 600 और 601 है तथा जो मौता भएलाई, पर० जिस्पुर जिला बाराणसी में स्थित है (और इससे उपावह धनुपूर्ण में और पूर्ण का ने वागत है), रिजिट्टी मती अधिकारों के बायिला, बाराणसी में रिजिस्ट्री बाराण अधिकियम, 1908 (1903 का 16) के अर्धान, दिनोंक जून, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्प, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में याइतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं., डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसिश व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अरुण कुमार गेमला

(अन्तरक)

 (2) वीसती ममात देवी (2) बुठ उचा देवी (3)
 (3) श्रीमती सुमिता देवी (4) श्रीमती सुला देवी।

(अन्तरिती)

(3) विकता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पात्रजी नं 505,506, 600 और 601, स्थित सीजा भरतदीरः किरपुर किला बात्रमधी (गैसा फार्म 37-जी) में विणित है।

> श्रीमित मू० कान्जी लाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ल

दितीस: 10-2-1986

प्ररूप वार्ड. दी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लख नऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी०श्राई० श्रार० संख्या एन-108/एक्यू०--श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ते अधिक है

और जिसकी सं० ण्लाट खसरा नं० सी-228 है तथा जो सैक्टर ए, महानगर हाउसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित है (और इसने उनावड अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास उरने का कारण है कि मथापूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित बाबार ूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत ते अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के शिष्ट तय पाजा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दूर्द किसी आय की बाधत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तर अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसर्भ भा, भं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के क्योन, निम्निविक्त व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) श्री शिव प्रकाश नारायण स्रवस्थी (स्रन्तरक)
- (2) श्री नरेवद्र कुमार अग्रवाल (2) श्री बृजेन्द्र बुमार ग्रग्रवाल (3) श्री सुशील कुमार अग्रवाल (ग्रन्तरिती)
- (3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पक्कीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

प्लाट खसरा नं० सी-228, पैमाईसी 11,813 वर्ग फिट, स्थित सेक्टर-ए महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ।

> श्रीमर्तः यू० कान्जीलाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श्रर्जन रेंज, लखनऊ**

दिनांक : 10-2-1986 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सख्या पी०-162,एक्यू----श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं 207 है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बर्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वार जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण शें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् हू--- (1) श्री मो० मतीन

(अन्तरक)

(2) प्रवर्तीय सहकारी गृह निर्माण समिति लखनऊ, द्वारा प्रेसिडेंट।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि खसरा नं० 207, पैमाईसी 2 बीघा, 15 बिख्या और 18 बिख्वानन्सी (जैसा फार्म 38-जी में वाणत है)।

> श्रीमती यू० कार्न्जालाल सक्षम श्रीधकारो महायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक • 10-2-1986 मोहर SAME BUTE . THE LET , AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PAR

Independent A fining incomplete dependent way and incompany who may be seen to the contract a second of the contract and the

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अभीन मुखना

मारत सरकार

अधानिय, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रोत. लखाऊ लखनऊ, दिनांह 10 फरवरी, 1986

निदेश मं० जी० ग्राई० गार्० संख्ता पी-163/एक्यू--श्रतः मुझे, श्रीरती यु० कार्जाकाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त उधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्ष्म प्रतिभकारी को यह विश्वास कारने का शारक है कि स्थावर सन्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और तिसकी संव भूमि स्मार तंव 353 है तथा को ईम्बाइल गंज, नवानक में क्यित है (औं) इसमे उपावद धनुपूर्वी में और पूर्ण का ने द्यापित है), एपिएहीस्त्री अविकारी ने बर्ध्यालय लखन्क में परिष्टीकाण धर्षिक्रिस, 1908 (1908 का 16) ने ग्रादी हिन्दों भूर, 1985

को पूर्वोकत संपरित के जिल्हा बाजार मृत्य से कम के दश्यमाल प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि इधापकों का संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से एसे दश्यमान प्रीतफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया स्तिफल निम्नलिकित तब्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिक हो सीचा अही किया गए ही निम्नलिक हम से सीचान अही किया गए ही नि

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय काँ बाबत, जनक अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के निष्ठ; और/या
- (का) एोसी किसी अय या िकसी यन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तन अधिनियम, या अनवार अधिनियम, या अनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ११४८ रहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था। खियाने में सविषय के सिए:

क्षा: जब, उक्त किंपिनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) है जपीन निम्नितिश्चित त्यिक्तियाँ, अर्थीन है— (i) श्री प्रमादी

(अन्तरक)

· (2) पटेल जगर महकारी गृह िर्मीण समिति लि० लखाऊ, द्वारा सचित्र, श्री राजेन्द्र कुमार सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 3-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि नं० 358. पैमाईसी 62,073 वर्ग-फिट स्थित ईम्बाइल नंत जिला जबाऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्गित है)।

> श्रीघती यू० कानजीजाल नक्षम प्रविकारी सहायक आधकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेज, लखनऊ

टिज़ीक : 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाइ टी एन एस .-----

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

वमर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या पी०-164/एक्यू०---बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसने इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पाश 269-- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भिम है तथा जो चिनहट, लखनऊ में (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ॅग्रधिनियम, 1908 कार्यालय, लखनऊ में हरिजिस्ट्रीकरण (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक जून, 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आब की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्छिपाने में सविधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--

39--496 GI/85

(1) श्री प्राग नारायन निगम

(ग्रन्तरक)

- (2) पुनीत सहकारी ग्रावास समिति लखनऊ। (अन्तरिती)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरत करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख औ 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहंस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसू ची

भूमि पैमाईसी 1 बीघा 8 बिस्वा, स्थित चिनहट लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 12-2-1986

· _ no merculation

अपन आर्थ है। वस्त सुर्वे ----

भाषक : श्रीणीनवस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वर्धीन व्यक्ता

बारत बुडकाड

कार्याजयः, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार-276/एक्यू०— ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल बाषकर कीर्णनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इत्सें इतके परवात् 'उक्त विधिनयम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ब से वधीन सक्तम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति विसका उपत वाबार मूक्त ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० म० नं० 192/174 है तथा जो वस्ती कला, दारागंज इलाहबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इलाहबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक जून, 1985 को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिपन के निए बन्तरित की गई है, बौर मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि बचाव्योंक्त संपरित का उचित् बाधार मृत्य, उद्यो जनाम प्रतिपन से प्रतिपन की निए वन्तरित से गिर्फ के बौर नंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितयों) के बौद इसे बन्तरक के लिए वन पाया अधा प्रतिपन , निम्नितित उद्योक्य से उपत कन्तरक कि ति का प्रांक्त की वार वारतिक कर से का का प्रतिपन से वारतिक कर से का प्रतिपन से वारतिक कर से का बाद की उपत कर कर की ति वारतिक कर से का का प्रतिपन से वारतिक कर से का बाद की का प्रांक्त कर से वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है कर कर कर कि वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है कर कर कर कि वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है कर कर कर कि वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है की स्वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है कर कर कर कर कि वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है की साम कर से वारतिक कर से का बन कर से वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है की साम कर से वारतिक कर से का बन कर से वारतिक कर से का बन कर से वारतिक कर से का बन नहीं किया प्रांत है कि वारतिक कर से वारतिक कर से

- (क) बन्तरण नं हुई फिमी बाय की बावत उक्त बांध-विवय को बचीप कर दोने के बन्धरक को दाजित्ल में कभी करने वा उससे वचने में सीवधा के लिए; बीए/वा
- (थ) एखी किसी जाल या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियस या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया काला चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को विधिन, निस्तिचित व्यक्तिस्यों, वर्षात क्र--- (1) श्री चन्द्रभान कपूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रघुराज सुखपतिलाल मोर्य

(अन्तरिती)

(3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त श्रम्मति के वर्जन के हैं अब् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में खोई भी बाक्रेष ह---

- (क) इस ब्युका के राजपन में प्रकारक की ताड़ीय है 45 दिन की जबीय वा स्टब्रंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी वक्षि बस्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त निचित में किए जा सक्तें ।
- शीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विश्वित हैं,
 त्व के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 त्व किथ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मकान नं० 192/174, पैमाईसी $^{\circ}600$ -68 वर्ग-मीटर स्थित बस्ती कला, दारागंज इलाहबाद (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

प्रकल बार्ड. टी. एन. एस.-----

बार्यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकार वाय्क्स (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार०-277/एक्यू--ग्रतः मुझे, श्रीमती यु० कार्न्जालाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की थाड़ा 269-च के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्राप्त सम्मति, विस्का उचित बाबार ब्रुव्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि स्रोर मकान है तथा जो दिलकुशा फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यान्तय, फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक जून, 1985

श्रं पृथि के संपत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के स्वयक्षित्र प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्वयमान प्रतिक सं एसे स्वयमान प्रतिक का निर्मत का प्रतिक का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिव्य के व्यक्ति कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तर्व क्या में वृधिया के जिये; ब्याह/या
- (क) एती किसी बाय वा किसी वन वा लम्ब बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधनियम, वा धन-कर बीधनियम, वा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया बाना चाहिए था. क्रियाने में शृविधा अं क्रिया

अतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कैं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री ग्रन्प वर्मा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम करण तिवारी

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

की वह सूचना चारी करके प्वॉक्स सम्मित्त के नचन के निष्क कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

रका बन्दित के वर्षन के बम्बन्य में कोई भी बाखेप ह-

- (क) इब स्प्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की ननिभ, को भी जबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बहुध किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी क पास निचित में किए वा सकेंचे।

स्पक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उक्त वीधनियम के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

भूमि नं० 316, 317 ग्रौर 318, पैमाईसी 16 विस्वा 10 विस्वान्सी मय गार्डन भूमि और एक विला मकान स्थित दिलकुशा, फैजाबाद (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 12-2-1986

मोहरः

गस्य बाह्'.टी एव.एड.-----

बाव्यार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाउउ 269-म (1) के वभीन स्थाना

शास स्रकार

कार्यावन, सहायक बायकर बायुक्त (विरोधक)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, दिनाँक 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस०-400/एक्यू०---ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त विधिनियम' कहा गया है), की धास 260 स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्थित नाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं प्रमान है तथा जो उदयपुर खास, बरेली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बरेली
में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्रिधीन, दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफास से, एसे दृश्यमान प्रतिफास का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिन् तब पाया यथा प्रति-कन, निम्निविश्व उद्देश्य से उभत बंदरच सिश्चित में बाला-विक क्ष्य से कथित नहीं फिका बना है है—

- (क) बन्दरण वे हुए कियी बाव की बावत, उक्त विभ-निवम के वभीन कर दोने के बन्तरक के स्वदित्व में कमी करने वा उन्नवे वभने में सूर्विभा के लिए. बॉर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्थ आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिष्टम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा से किया

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-भ की उपभास (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) यू पी० फूड प्रोड क्टस प्रा० लि० बरेली द्वारा श्री भूपेन्द्र नाथ शर्मा (मेनेजिंग ढायरेक्टर) (श्रन्सरक)
- (2) श्री सम्पत प्रसाद (2) श्रीमती नौमा देवी (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह बुचना चारी करने पूर्वीतव कुन्यरिक से अर्थन के विक् कार्यवाहिनां करता हुं:

इन्द सम्परित के वर्षन के कमान्य में कोई भी बाह्योपः--

- (क) इस ब्रुक्त के राज्यम में प्रकारण को हारीय से 45 दिन की वर्षीय ना तरकामानी कावितनों पर ब्रुक्त की वाबीय से 30 दिए की वर्षीय, को भी वर्षीय नाव में बनाय होती हो, के भीतर वृत्रीय व्यक्ति में से किसी मनीय वृत्रीय व्यक्ति
- हैंब) इस स्वयंत्र में राज्यपन में प्रध्यसन की बारीबा से 45 दिन को भीतर उपत स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्ध किसी क्ष्म व्यक्ति व्याप्त अधोहस्ताकारी के पास विश्वित में किस का क्षोंने।

स्वक्रीकरण:---इतमें प्रमुक्त कथाँ और पर्यों का, को उपत जीधीनयम के सभाव 20-क में परिशायित ही, वहीं नर्थ होगा को उस सभाव में विधा सवा ही।

= ग्राम्यी

मकान पैमाईसी 1280 वर्ग गज, स्थित उदयपुर बास बरेली (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस-----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बचीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यांक्य, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एत-401/एक्यू०---ग्रतः मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नका हैं), की धार्च 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नवादा, जोगियान, बरेली में स्थित (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार के कार्यालय, बरेली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयखर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भून या नन्य नास्तरां को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री बुध सेन (2) श्री क़ोमिल (3) श्री राम लाल (4) श्री सेवाराम

(ग्रन्तरक)

- (2) सुरेश शर्मा नगर सहकारी स्नावास समिति बरेली द्वारा श्री प्रेम प्रकाश।
- (3) विकेता

(श्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाड़ियां करता हूं।

स्वतः सम्बद्धि के अर्जुन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निविद्या में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनित्तम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्पी

भूमि पैमाईसी 1 बीघा, 2 बिस्वा, स्थित नवादा जोगि-यान बरेली (जैदा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन स्थान

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० ब्राई० ब्रार० सं० एस-402/एक्यू०--ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

100,00 €/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो चौमुखा पुल, कटरा
कटरा नाज, मुरावाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधश्रिधकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे सम्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे सम्पात्त का उचित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी शव या किसी थम या अन्य वास्तिको को, विन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यश या या किया जाना वाहिए थर, जिया श्रीका के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या

बाह्य क्य उन्तर क्यिनियम की धारा 269-म से बगुकरम की, भी, उनत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, जिल्लीन्चित व्यक्तिकों, बमाँत् हिल्ल

- (1) श्रीमती ग्यानमाला (2) श्री दीप कुमार जैन (3) कु० मधु (4) कु० श्ररचना (5) श्रीमती कुसुम (6) श्रीभती कुमुद (7) श्रीमती श्रेंशलका (8) श्रीमती सरोज
 - (अन्तरक)
- (2) श्री सुधीर चन्द्र गुप्ता (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता और किरायेदार

 1 श्री नवीत शंकर

 2 श्री हरौ शंकर

 (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुधुची

मकान पैमाईसी 246-76 वर्ग गज मीटर स्थित मोहल्ला चौमुखा पुल कटरा नाज, मुरादाबाद

> श्रीमती यू० कॉन्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

प्रस्प बार्ड .टी . एन . एस . -----

बाबकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एस-403/एक्यू०--ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाचार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 101 श्रहिबरनपुर, जिला लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्म ल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपतित का उजित बाजार मन्य उसने दृश्यमान प्रतिष्मल में, एमें दृश्यमान प्रतिष्मल का पन्यह प्रतिष्मत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नावा गया प्रतिष्मल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की, बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में भार्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, नेमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सरजू (2) श्री बदलू

(भ्रन्तरक)

- (2) संजय नगर सहकारी आवास मिनित लि० लख-नऊ द्वारा मचिव श्री एल० बी० सिंह (अन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितल्ह्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकांगे।

स्पंच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है ?

अनुसूची

भूमि ग्राराजी खतरा नं० 101, पैमासी 13 बिस्वा (17693 वर्ग फिट) स्थित ग्रहिबरनपुर परगना तह० ग्रौर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनौंक: 10-2-1986

प्रारूप आहर् टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (विरोक्तक)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एस-404/एनयू-ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 265-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तथा जो जोगापुरा बर्दाय में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय बदाँयु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के अवस्तान प्रतिफल के लिए गन्तरित की गइ और मुभी यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित तरी किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हु**ई किसी आव की बाबत,** अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (ब) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के **अन्**सरण रें. में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 📽 वधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्षांत ध—

(1) भी राम प्रकाश अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र गुन्ता

(अन्नरिती)

(3) विक्रेना

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह भूचना जारी करके प्रवेक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ये :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित जोगापुरा, बदाँयु (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रौमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आवदार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनौक: 12-2-1986

प्रक्रम बाइं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ,दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० यू-48/एक्यू०---म्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्या हैं कि श्वाबर सम्बद्ध कि कि श्वाबर सम्बद्ध कि 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो चन्दौसी जिला मुरादा-बाद में स्थित (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार श्रूष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) व्यतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत विभिन्नुब के ब्रुपीन कर दोने के बंतरक के गयित्य में कभी करन या उबसे बचने मा सुविधा के लिए: कौर/या
- (ख) एसो किसी आय या किसी थन या अन्य नास्तियाँ का, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या जनता का प्रतास का कर का प्रतास का का का का स्वास का का वा बा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मुन्शी राम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला देवी (2) श्रीमती मधु गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में दिये वा सक्षेपे।

स्पटिक रूज: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय हा धिका सक्ता हैं।

ग्रनुसूची

मकान मय 4 दुकान पैमाईसी 120 वर्ग-गज स्थित चन्द्रौसी जिला मुरादाबाद श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड में वर्णित है।

> श्रोमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० वी-193/एक्यू०→ श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिट बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ईम्झाइल गंज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ख्प से त्रिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) के अधीन, निम्निनास्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— (1) पटेल नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ द्वारा श्री शिव राज शर्मा

(ग्रन्तरक)

- (2) विजय प्रताप नगर सहकारी स्रावास सिमिति लि० लखनऊ द्वारा सचिव श्री गुरू प्रसाद (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि पैमाईसी 1,37,486 वर्ग-फिट स्थित ईस्माइल गंज, परगना, तह० ग्रौर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

बावकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या वात्-10/एक्यू०---म्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० यभूमि है तथा जो जियामऊ लखनऊ में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक जून, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है :----

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की वाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य ब्लिक्सियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री नन्हे (2) श्री गया प्रताद (3) श्री लिलता प्रसाद

(ग्रन्तरक)

- (2) युग निर्माण सहकारी श्रावास सिमिति लि॰ लखनऊ द्वारा सिचव श्री जी॰ एल॰ यादव (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्डीकरण : —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

भूमि पैमातूसी 12 बीघा 11 बिस्वा स्थित जियामऊ लखनऊ (जो आ फार्म 37-जी में वर्णित)है)

> श्रीमती यू० कान्जीलाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

धाहर :

प्रसम नाइं. दी. एन. एक ------

हाबक्ष विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायक (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

वम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार संख्या। -26/ए क्यू०--ग्रतः मुझे श्रीमती यु० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर थजसकी सं ं मं ने ने ए ने 20/51-3ए है तथा जो मोहल्ला वहना बृज, वाराणसी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपानद ग्रानुसूचो में ग्रीर पूर्ण कृप में विणत हैं), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रिधिन कारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 12-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रित्मक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरण के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (स) हैंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय राप्तकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियी द्वारा प्रजट नहीं किया स्था या या किया जनना चाहिए था, छिपाने साम्यास्य के निए.

जतः जब, उक्तः जिनिषयम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं सर्स फेंडा इन्टरप्राइजेस राम कटोरा, वाराणसी द्वारा पार्टनर श्री विजय बहादुर सिह (ग्रन्तरक)
- (2) मैं पर्स श्राइडियल कार्पेट्म इण्डस्ट्रीज लोहडा स्माल, सोफ़ी गंज, वाराणसी, द्वारा श्री लल्ला राम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया कारा हु।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रताधन की तारीस से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यक्ति शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से अस विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

ग्रनुसूची

महान नं० एस-20/51/3ए, स्थित बन्दोबस्ती नं० 4/1 ग्रोर 4/2 पैमाइसी 7000 र्ग फिट स्थित मोहल्ला वहना त्रिज वाराणसी।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक: 10-2-1986

मोहरः

प्रस्प बाइ'.टी. एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धाव 269-व (1) के बधीन सुवना

मास्य सर्कार

भागीवन, सद्दायक कायकर कायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्वि०/37-ईई/332/85-86→-ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

हावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाषार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० व्लाट नं० है तथा जो फराह इस्टेट मसूरा-बाट विलेज, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्-मूचो में ग्रौर पूर्ण का मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यांलय निरीक्षीय. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय, ग्रजन रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाँक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का खारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक स से, एसे असमान प्रतिक ल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्वरूप के सिए तम पान प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुए किसी काथ की वावसा, स्वयत अहीपीयय से संधीन कर दर्ज के अन्तरण के दावित्य के कनी करने वा उससे बहुने के सुविधा से बिह; बरि/का
- (य) एसी किसी बाय या किसी वन या बच्च बास्तियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकासकों बन्धिकी द्वारा प्रकट गहीं किया प्रवा वा वा किया की विका की विकास की विका की विकास की विकास

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स फणहा इस्टेट. 16-4-355, चंचलगुडा हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रामफुल खाडा 168पए, ग्राजमपुरा, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

सक्त तम्मृतित के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाखांच:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विवृक्षी व्यक्तियां दर सूचना की तागील से 30 दिन की व्यक्तियां दर सूचना की तागील से 30 दिन की व्यक्तियां में से विश्वी व्यक्तिय हुं हों. के भीतर प्रजीवत व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्तिय हुं देश;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय सं 45 दिन के भाशर उक्त स्थावर सम्मित्य में हितवबूध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के पात लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वाकरणः--इसमें प्रयूक्ष सन्तां की पूर्वों का, को सक्क महिन्दिक्ष, के ब्याय 20-क में प्रिशाविक हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्माय में दिवा समाही।

अन् स्ची

पत्रैट नं० 61 तर्वे नं० 56/1, विस्तीर्ण 105 चौ० गम मसूरा बाद विलेज, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3103/85 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी आइ०ए०सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन जञ्जम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 10-2-1986

प्ररूप बाई. टी. एन एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 10 फरवरी, 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/37-ईई/333/85-86---ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00.,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो फराह इस्टेट, ∰सन्सूराबाद विलेज, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त के कार्यालय श्रर्जन रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 3/85

अतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैंसर्स फराह इस्टेट, 16-4-455, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) कु० नजोबा रीझवाना, 16-6-596, उस्मानपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजा ने में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 21 विस्तीर्ण 207 चौ० गज, मसुरा बाद विलेज, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1104/85, रजिस्ट्रोक्ती मोधिकारो माइ०एसो एक्वि० रोंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,हैदराबाद

दिनांक: 10-2-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस्.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के बचीन स्थना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जभ रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अक्वि/37ईई/334/85-86 --अत: मझे, एम० जगत मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० प्लाट है तथा जो फराह इस्टेट, मसूराबाद विलेज हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय निरीक्षी व सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय अर्जन रेंज हैदराबाद है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्क दृष्ट्वस्य से उक्त बंदरण निकित कें बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है द

- (क) शन्तरण से हुई किसी बाग की बावत, उक्स विश्वित्व की श्रुपीन कर दोने के अन्तरक को सारित्व में कनी करने ना उक्के क्यां में सुविधा के लिए; बांद्र/बा
- (ख) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियं था, ख्रिपानं में अधिका के लिए;

बता बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स् फराह् इस्टेट. 16-3-355. चंचलगूडा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) कुमारी रियाबा हबसेना 16-6-596, ऊस्मानपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्मित्ति के दर्शन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ..

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ का उत्सन्त्र-भी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 50 दिन की सर्वाथ, वां भी सन्धि नाम की क्षणप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्थना के राजधभ में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुक् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद्ध मिखित में किए वा सकतें।

स्वच्छीकरणः इतमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, को उक्त वीचीनवव के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, दही वर्ष होगा, को उस मध्याय में दिवस नवा है।

ग्रनुसुची

प्लाट नं० 24 सर्वे नं० 56/1, मसूराबाद विलेज, हैदराबाद, विस्तीर्ण—चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1105/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० रेंज हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाज्य आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक: 10-2-1986

प्रकृष बार्षं. टी. एन. एस. -----

बायकर नाधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां । 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी/अक्वि/ 37ईई/ 335/85-86--अतः मुझे, एम० जगनमोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्ब 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जितकी सं० प्लाट है जो आमृत अपार्टमेंटस्, ग्रॅबॅन्क स्ट्रीट हैदराबाद में स्थित है.) (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौरपूर्ण का मे बर्णित है). रजिस्ट्रीरर्ता अधिकारी के कार्यालय निरीक्षीय सहायक आयकर आयक्त कार्यालय अर्जन रेंज, हैदराबाद रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधील दिनां उ मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुरुयमान प्रतिफल सं, एसे दुरुयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🦸 :---

- (क) बृंधर्म सं हुई किसी बाव की बाबस, उक्स अधिनियम के कथीन कर दोने के बन्तरक बी शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा अहे लिए: बरीर 'या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिकाध । 11922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की भ्यांचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया श वा किवा जाना नाहिए था, किपाने में सुविधा हे विष:

बत: कत, उक्त वधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण ्रदे, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) ु १८९ । विकासिक्षित व्यक्तियों 🖛 वर्षा 🗫

(1) ने तर्स्, अमृद अपार्ट मेंट्स, 4-3-336, अबन्क स्ट्रीट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रा मतो शहाँजान बेगम पति सयद मुमताज हणन गड्डी आनारम, सहरनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिग कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की ब्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बढ़ाया, जो औ बविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्हीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

फ्लेट नं० 304, विस्तीर्ण 990 चौ० फुट: अमृत अपार्टमेंटम्, घर नं० 4-3-336, बॅन्क स्ट्रीट, हैदराबाद, रजिम्ट्री हुन विलेख नं० 1085/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाय । आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदगबाद

दिशंक: 10-2-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयक्त (निरीक्षण) मेंअर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ये० सी० नं० 874/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एतर ग्राफ लंग्ड, है तथा जो नेरुडुपाली विलेज, वाट्ला तालुए, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप ते विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के जार्यात्रय वापट्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविद्य रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत: डब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--41—496 GI/85

(1) श्री डी० व्ही० सुद्धाराजू पिता डी० वेंकटा राजू मंटेनावारी पालेम, बापट्ला तालुका जिला गुन्टूर । (अन्तरक)

(2) श्री एमे नागराजु और अन्य एक पिता एमे नारायणा राजू, मारीपूडी विलेज, वापट्ला, तालुक, जिला गुटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि विस्तीर्ण एकर 16-17 सेंटस्, नेरूडूपाली विलेज, वापाट्या, तालूक,जिला गुंटूर, सर्वे नं० 105, 106, 136, 140, 135, 104, और 106, रिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1376/85 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी बापाट्या।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायाज अक्षमणार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1986

प्रक्य वाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

शारत बरकार

कार्यासन, बहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अरा० ए० सी० नं० 875/85—86——अतः मुझे, एम० जगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रौर इमारत है जो लिख्विपेट, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसुचो में ग्रौर पूर्ण रुप से) विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के छ्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि बधा पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दूरममाण प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- [का] बन्तहरू से हुई कि खीं शाय की बाबत ; उनल बिगिनबन के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/वा
- (क) एसी किनी बाब वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ बोधनियम, अस्थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इस्केडनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया बना था वा निका बाना चाहिए था डिनार्ट में सुनियम के लिए;

शतः वर्ग, समतः विधित्यम की धारा 269-य के वज्रहरू में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ≰ अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, वर्धात ः— (1) श्रीमती पि० लक्ष्मी सरस्वतो बाईपित कोटेश्वर राव, लिक्विपेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकट रत्नम पिता व्हा, क्रीप्णाय्या, लिवपेट विजय वाडा।

ं (अन्तरि**तौ**) :

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनतिहम् करका हुं।

उक्त सन्तरित को कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस बुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जबीध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामीन से 30 दिन की नविध, वो बी जबीच वाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशित की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के याद निवित में किए वा तकोंने।

स्वक्षतीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूयी

भूमि ग्रौर इमारत नं० 30-12-10 लिखिपेट विजय वाडा, विस्तीर्ण 378 चौ० गज०. रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3877/85, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रश्विकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांज: 7-2-1986

में हर :

प्रकृष मार्ड / ही . एन . एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

बारत बरकार

कार्यासक, तहावक बावकर बाब्यत (निरोधण)

ग्रर्जन रेंज-, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्र.र० ये० सी०/8762/85-86---ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो माणिक शंडार आरमार रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्योलय आरमर रोड निजामाबाद में भारतीय रिजर्स्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के चिष्ट क्य पाना गया प्रतिकास, निम्मिसिश्च स्मानिम से उन्हा बंदनम हिनस्तिन में बास्यविक कम से कीचन नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-लियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्की करने या उक्का यान में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य कास्तियों को बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, डियाने में स्नीवधा के निए;

बक्त: जम, उम्ब नीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उमत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारत (1) में सभीन, शिम्मनिधित न्यस्तिस्थों, समस्य क्र-ा (1) श्री वाइ सदानंद गौड पिता वाइ हानमा गौड मुबारक नगर क्लिमाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मेसमं सुखजीत स्टार्च केमीकल लि० हेड आफिस पववारा पंजाब स्टेट बाइ प्रोडक्शन मैनेजर श्री शंकर लाल पटेल घर नं० 11-1-183, कंटेस्वर निज्ञामाबाद

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवसची

विस्तौण एकर 2-13 सेंटस् सर्वे नं० 23, 28 से 39 मणिक भंडार विलेज आरमूर रोड निज्ञामाबाद जिला रिजस्ट्रीटित विलेख नं० 3545/85 रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी निज्ञामाबा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1986

मोहर :--

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदरावाद

हैदराबाद दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं०87.7/85/86—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० कार्यालय का परीसर है तथा जो प्रमाती इमर्रनीयन काँम्पलेक्य वसीरवाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रीमती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक जुन 19865

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंदृह भीतवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण बिहा में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबब , उक्का नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कक्षः जव, उक्त मीधीनयम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा॰ राम भोपाल घर नं॰ 3-6-416/3 हीमायत नगर, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ुष्णा भोपाल घर नं० 3-6-416/3 हामायत नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिध, जो भी जिल्ही बाद में समाप्त होता हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र म अकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

50% कार्यालय का परीसर नं० 4 प्रशांती कमरसीयल कौष्पनेक्ष बदीरवाग हैदराबाद विग्नीर्ग 1650 ची० फूट रिजस्ट्रोंबेत बिलेख नं० 3756/85 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-1-1986 मोहर: प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

बःयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

िर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं० 878/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर िसकी सं० प्लाट नं० हैं जो धरमकरण रोड अमीर पेट में स्थित हैं) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराजाद में रिजस्ट्रीकर्ण अजिन्यम 1908 (1908 का 16) के अजीन दिलंक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्विक में बास्तरिक रूप से किट्या नहीं किया पता है

- (क) जन्तरण ने हुई कि सी बाय की बायस, बक्छ विधिनियद के वधीन कर देने के बंदरक के बहिदल में कमी करने या उत्तते वचने में सुनिधा के विष्शु कोट्र/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन वा बन्त जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जन्तरण में, में उक्त जिपिनयम की धारा 269-म की उपमारा (1) को अधीन, निम्निसिन व्यक्तियों, अधीत हुन्न

- (1) मैंसर्स रघुनाथ राव आसोसिएटस 7-1-70 धरम करण रोड, अमीरपेट, हैदराबाद-16 (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स इंडो स्त्रींग लि० वंद श्री वाइ० रामशर्मा नरसारपूर रोड, वालानगर, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उच्छ बम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वासेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद मंसमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां इसारा

स्वव्यक्तिरण:---- इसमें प्रवृक्त कव्यों वीर वर्षों का, को उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7-1-70 78 धर**म**करण रोड, ग्रमीर पेट हैदराबाद विस्तीर्ण 3076 चौ० गज० रजिल्ट्रीकृत विलेख नं० 3599/85 रजिस्ट्रीकर्ना प्रविकारी हैरदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

दिनांक:-12-2-1986

प्रकार नार्दा, टी. एर., रूप . ४ - - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

HEST STATES

कार्याचन, बहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदरावाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 879/85-86---ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर का भाग है जी हुमायून नगर हैदराबाद स्थित है (और इसने उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप में विशा है) कि दी कि अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद है रिजिस्ट्री स्था कि कार्यालय खैरताबाद है रिजिस्ट्री स्था कि कार्यालय खैरताबाद है रिजिस्ट्री स्था कि कार्यालय कि स्थीन दि

कां पूर्वोक्त संप्राचिक कर कार्यार मृत्य सं कम कं दश्यान नितफल के लिए बन्तरित की गई है बार मृत्रे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार क्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से क्षिक है बीर अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शांतफल, निम्नीसीयत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किविद भे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब की वाबत, उज्ज्ञ अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दावित्य में कानी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बार्डि/वा
- (स) एसी किसी जाच वा किसी धन या जन्म बास्तिवों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हा

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भास 269-म के बनुसरण अ, मैं बवहः जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से राभीन, दिननिविधिय व्यक्तियों अ अर्थाद अ---

(1) श्री मोहम्मद फर्नाजम्मा अनुसारी पिता लेट केंग्टन मोहपद जनिरजम्मा और अन्य 10--3-278 हुत्रायून नगरः हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ अब्दुल सत्तार पिता मोहम्मद असीर गफार और अन्य 10-3-278 हुमायून नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं [1]

डक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्वध िकसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त खब्दों बाँदु पदों का, बां उरुध अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया गुरा है।

बन्स्ची

घर का भाग घर नं० 10-3-278 हुमायून नगर हैदराबाद विस्तीर्ण 486 चौ० गज० रजिस्ट्रीइन विलेख नं० 1549/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदरावाद

दिनांक: 12-2-1986

मोहर 🛭

प्रस्थ बार्च्_य टी. एन्. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 880/85-86--मझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही की भारा 269-च के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,00,0 र. में अधिक ही

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट है जो वृन्दाबन अपार्टमेंटस्, रेंड हीलस् हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में क्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वार्यालय खैरताबाट में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुइ किसी त्राम्की नावतः, उक्त बीधीन्यम् के त्रधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कमी करने वा उब्बं अपने में सुविधा के जिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी ज्याय या किसी धन मा जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया नय। बा वा किया नाम चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् (1) मैं सर्स भाग्यनगर सीमेंटस को० बाइ पार्टनर श्री सुदलाल ग्रागरवाल, 11-4-656/1, रेड हीलस, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती ए० गंगा कुमारी प्लेट नं० जी०-। ब्लाक ए, बृन्दावन श्रपार्टमैंटस्, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लेट नं० जी-1, जो ब्लाक ए, ब्रिटावन ग्रपार्टमैंटस्, रेड हीलस् नामपत्ली, लेन, विस्तीर्ण 847, चौ० फुट, विलेख नं० 1579 ग्रौर 1580/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिवारी हैदराबाट।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुवत (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-2- 1986

प्रक्य बार्ड .टी. एन. एस . ----

आयकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीत कृषना

मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) र इ.जीन रेंअ, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 881/85-96--मुझे, एम जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० घर है जो सिद्धार्थ नगर, काथीपेट जागीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 वा 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के वीच एसे अन्तरण के बिए तय शवा गया प्रतिफल, निम्नितियात उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विविवय के व्यक्ति कर दोने के जन्तरक के दावित्व के कमी करने वा उदसे क्वने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी बाब वा बिस्सी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भार की उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिक्ट अधिनामों, वर्धात हु--- (I) श्री के० वेनुप्रसाद पिता जानकी रामाराव, बाइ जीपिए श्री वी० बालिकशन राव, हानम्कोंडा, वरंगल।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्री रामा ग्राइस वर्कस प्रोपः श्री श्रार० सदानंदम, पिता रामा नारायाणः, काझीपेट, जिला वरंगल। (ग्रन्तरक)

की यह स्थान बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िरिया मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

नन्स्यी

घर नं० 1/1-1-2ए, सिद्धार्थ नगर, काझीपेट, वरंगल विस्तीर्ण 720 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1197/85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-12-2-1986

प्रकृत सार्^क्टी, एन्, एस् _{व न न न न}

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के विभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यानव, सहायक नायकर नावृक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 882-85-86--,ग्रत: मुझे एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है राजेशम करण रोड, श्रमी-पेट, स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैटराबाट में रिजस्ट्रीकरण भारतीय श्रधिनियम 1908, (1908 क 16) के श्रधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रेरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिख्शि में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उक्त वीधीनका के वधीन कर देने के बन्तरक से दायित्व में क्यों कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

(1) श्री मती मंगल थाथाचारी पित व्ही जी० के० थाथाचारी प्लेट नं० बी-1, समस्थी नगर, नियाग:रह, मूलुंड ईस्ट, वाम्बे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री माधव सिंह पिता भानु सिंग ग्रीर ग्रन्य एक, घर नं० 7-1-48/1, राज शामकरणे रोड, श्रमीरपेट हैंदराबाद-16

(श्रन्तरिती)

को वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात जिनकित में किए का सकती।

स्विद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् श्री

घर नं० 7-1-48/1, राजा शंकरन रोड, श्रमीरपेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 991 चौं०, गज०, र्राजस्ट्रीकृत विलेख सं० 3722/85 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक:-12-2-19**8**6 मोहर:- प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986 निदेश सं• ग्रार० ये० सी० नं० 883-85-86--

तः मुझे एम० जगन मोहन

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० घर है तथा जजो नइमनगर हानमाकोडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय वरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 क. 16) के भ्रधीन दिनांक जून 1985

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (स) एंसी किसीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ :--- (1) श्री मती मार० शारदा देवी पति नारायणा राव, घर नं० 5-11-979 नहम नगर, हानमकोंडा वरंगल।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री शामथोश चकवर्ती पिता श्राशोतोश, श्रीर अन्य एक राजानुजापुर, मूलूग तालूक, जिला वरंगल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर नं० 5-11-97, नइम नगर, हानुमकोंडा, वरंगल विस्तीर्ण 384, चौ० गज०, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० नं० 1308/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरंगल

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-12-2-1986

प्रस्प बाईं.टी.एन.एस:----

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 12 फरवंरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 884/85-86--अतः मझे एम० जगन मोहन

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त रिधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट है जो अरूण अपार्टसेंटस् रेड हीलस् स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूर्धिकथा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192... (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स् सन राइज बिल्डर्स् 11-5-348 रेड हीलस् हैदराबाद-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० अरसुया देखि, 1-1-384/बि, गांधीमगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 509 अरुण अभार्टमेंटस्, रेड हीतस्, हैदराबाद प्लीय यरीया 1180 चौ० फू० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3607/85 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक:- 12-2-1986

प्रकम् बाद्दे. टी. एन. एवं . ------

बावकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयवह आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरो 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 885-85-86--अत: मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० क्लेट है जो अरुण अपार्टमेंटस्, रेड, हीलस् स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनाँक जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिकम के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का क्लारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का क्लारण के दिए तथा क्लारण के लिए तथ पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण किन्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुड किसी बाय की बाबत, उक्त बीध-नियम के बधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आए या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) मेसर्स सन राइज बिल्डर्स 11-5-348, रेड होलस् हैदराबाद-4

(अन्तरक)

(2) श्री एम० व्ही आर० सुव्वाराव, फ्लेट नं० 605, ग्राहण ग्रापार्टमेंट, रेड हील्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन की संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

सम्बद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा वया है।

प्रमुस्ची

फ्लेट नं० 605 अरुण अक्तर्टमेंटज, रेड हीलस् हैदराबाद प्लीथ यरीया 875 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृतः विलेखानं० 3885/ 85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी **हैद**राबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक: 12-2-1986

मोहरः-

प्ररूप आई.टी.एन:एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 886/85-86--अत: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट है जो आरुण अपार्टमेंटस् रेड हीलस् स्थित है (स्रौर इत्तमे उनाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स सन राइज बिल्डर्स 11-5-348, रेड होलस्, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री वाइ० के० देशमुख फ्लेट नं० 408, अरुण अपार्टमेंटस्, रेड, हीलस् हैदराबाद-4, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं॰ 408, अरुण अनार्टमेंटस्, रोड, हीलस् हैदराबाद विस्तीर्ण 875 चौ॰ फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3886 |85-86 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-12-2-1986

मोहर :--

प्रक्य नार्रं, टी. एवं , एवं , -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1951 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

मारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक अध्यकर बाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 887/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले ध्युवी इसके परचात् 'उक्त अधिनिष्म' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट है जो अफ्ण अपार्टमेंटस् होलस् स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रुप मे वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनां र जून 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रहंप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कॅ, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीय, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

(1) मेसर्स् सन राइन बिल्डर्स् 11-5-348 रेड होलस्, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० का० मस्वरी, फ्लेट नं० 602, अरुण अपार्टमेंटस्, रेड हीलस् हैदराबाद-4 (अन्तरिती)

की वह स्वना वाडी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनव सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवां हैं।

वन्स्यी

क्लेट नं ० 602 अरूण अपार्टमेंटस्, रेड हीलस् हैदराबाद विस्तीर्ण चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3884/85. रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

尾有布 :-12-2-1985

नोहर :

रक्ष सार्'ं दी प्रश्न हर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षमा

जारत सरकार

कार्वालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षय)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 888/85-86⊸-यत , मुझे, एम० जगन मोहनं,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 69-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० है, तथा जो धर्मकरण रोड़, प्रमीरपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

तो प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने वह विश्वास रने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार त्या, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का इह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती गंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिनल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त बंतरण निम्नित में वास्तिक म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाम की बावत अथवा अधि-नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए: अदि/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

नतः त्रव, उक्त विधिनियव की धारा 269-व के बनुसरण ों, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) दे वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् के व्य 1. मैसर्स रघुनाथ राव एसोसिएट्स 7-1-70 धर्मकरण रोड़ भ्रमीरपेट हैदराबाद-16

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स इंडो स्वींग लि० वाई श्री चाई० रामशर्मा नरसापुर रोड़ वालानगर हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृक्षांक्य सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यनाहियां सूर्य करता हूं।

एक्ट्र स्मार्ट के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद कें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकति।

भ्यक्किंग्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, दो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गथा हैं।

मन्स्ची

गैरीज नं० 7, 8 और 9 ग्राऊंड फ्लोर विस्तर्ण 501 को० फुट रघुनाथराव एसोसिएट्स धर्म करण रोड़ हैदराबाद रजिस्ट्री अंत विलेख नं० 3740/85 रजिस्ट्री कर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक स्रा**यकर <mark>स्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1986

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-भ (1) से अभीन सुमन

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर जः प्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 12 फरचरी 1986 नर्देण सं० श्रार० ए० सी० 889/85-86----यत∵ मुझे ्म० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट है तथा फेरीलेक अपार्टमेंट्स राज भवन रोड़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्णेरूप से वाणत है) रस्ट्रिंकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान अतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान अतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान अतिफल का पन्द्रह अतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अंतरिती (बन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तविक क्यं से काँचड नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम को बधीन कर देने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/वा
- (ख) ए'सी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना पाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत: बच, उक्त विधानियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🗈 — मैंसर्स एच० एच० सचदेव प्रोप० एच० एच० सचदेव 6-3-907 फेरी लेक, अपार्टमेंट्स राज भवत रोड़ सोमा जीगुडा, हैदराबाद

(ग्रन्नरक)

श्री एत० फरनांडीस पिता श्रलेक्स फरनांडीज, और अन्य
 6-3-680/9, पंजानुद्रा हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

रिश्रर फ्लैंट 2-बी फेरी लेक श्रपार्टमेंट घर नं• 6-3-907/912 राज भवन रोड़ सोमाजीगुड़ा हैदराबाद विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट रजिस्ट्री ंत विलेख नं• 3645/85 रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी. हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृंभ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1986 मोहर •ॄ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इ. धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 फरवबी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 890/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो फेरी लेक अपार्टमेंट्स राज भवन रोड़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूर्च: में और पूर्ण रूप मे विणित है) रिजिष्ट्रिक्ती हिश्वारी से वार्यालथ हैदराबाद में रिजिष्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास कुरने का कारण है कि

प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल ते, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिर्तियों) के बीच होते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृदिधा के तिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. व्यिपानं में म्यिधा के लिए:

बसः बदः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुवरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) दे अर्थन जिस्तिविसत व्यक्तियों, वर्थात है—— 43—496 GI/85 मैसर्स एच० एच० सब्बेय प्रान्त एप० एच० सब्बेय 6-3-907 फेरी लेक, ग्रापार्टमेंटर्स, राज भवन रोड़, सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. डा० भोज राज, 4 ए, फेरी लोक प्रशादमेंट्स राज भवा रोड़, सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्णेक्त सम्पत्ति के वर्जन के सि। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर श्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्विध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वता हैं।

अन्सूची

रिश्वर प्लैट फेरं। लेड श्रवार्टमंट, घर नं० 6-3-907/ 912, राजभवनरोड़, मोमाजींगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1400 वो० फुड रिजिप्ट्रिन नित्रेब नं० 3644/85, रिजिस्ट्रांशर्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जग:मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाय रुआयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-3-1986 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० मी० 891/85-86---यतः, मुझे. एम० जगनमोहन,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो कांती रिजामा अधार्टमेंट्स, पंजागुट्टा में स्थित है (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वार्यालय हैदरावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनिधम, 1908 (2908 का 16) अधीन, तारीख जन 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात क्ष्म

श्रीमर्तः आजिमा हुसः पित गुलाम हुमः,
 8-2-392, बंजारा हील्म, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० सत्यवती पति पी० नारायणा राव, 3-4-728. लिंगमथल्ली, हैदराबाद (श्रन्तरिती)-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं'

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्रैट नं० 51 दूसरी मजिल कॉतीशिकारा श्रपार्टमंट्स पंजापुट्टो हैदराबाद, विस्तीर्ण 60 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3623/35, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1986

प्रका बाई. टी. एन. एस.-----

बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्**चना**

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1936

निर्देश सं० श्रार० ए० सी.० 892/85-86 -- धतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं िष्मूमि है, तथ जो लाल गहु।मलका पेट, विलेज, मेडवेल तालूक में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय को बामत, उक्त बाँधनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिधा के किए, कोर्या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रियी इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री जी ० अमरेन्द्र रेड्डी,
 6--3-1219/1/12, ऊमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद (अन्तरक)
- 2. मैसर्स प्रब्दुल रजाक फमीली ट्रस्ट, पर ट्रस्टी श्रो श्रब्दुल श्रब्दुल रजाक, 6-3-629/1, रिवन्द्र नगर, खैरताबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के व्यंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकांव

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की ताजील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविधि बाद में दमान्य होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

ल्यच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्क विधिनयम - के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में डिय; गया है।

अनुसूची

ृषि भूमि सर्वे नं० 625 और पोरशन सर्वे नं० 629 विस्तीर्ण एका 14.27 गूटास लालगड्डी मलकापेट विलेख भेडचेल तालूक जिल रंग रेड्डी खेत के घर के साथ रिजस्टी-ंत चिलेख नं० 4028/85 रिजर्स्टीकर्ती श्रधिक री रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्र.धिकःरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-2-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

प्रजीत में जे, हैदराबाद

हैदा, बाद, दिनांब 12 फरवरी 1986

बिर्देश मंद्यारः एव सीव 893/85-86 व्याः मुझे, एमव्याग्रहारः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं किए है तथा जो जुबिली हिल्म वंजाना हील्म में नियत है (और इसने उपबढ़ अनुसूची में और पूर्ण कर ने विजित है) रिक्षिणी अधिकारी के कार्यात्रा हैदराबाद में रिक्ष्म्ट्री-वाल अधिकाम 1903 (1903 वा 16) के अधिक सार्राख जुन 1935

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उषित बाबार मूल्य से कम के दश्यभान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरो दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विद्यत में नास्तविक स्प से कथित नहीं विद्या यहा है :---

- (क) बन्तरण संहुइं किसी अाय की बाबत, इन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृथिय। अधिनए, बौर/या
- (६ विकिसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री एत० एस० कोटेण्वर राघ पिता एन० नागभूषतम
 265 जुविली हिल्स हैदराबाद

Angel Company of the Company of the

(भ्रन्तरका)

2. श्रांसती: के० मालिती लसका: कुमारी पति डा० पी० इ० प्रभाकर, एस० श्रार० नगर, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गस निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है को

अनुसूची

घर नं ० $8 \cdot 2 - 29 \Im / 32 / \Box / 265$, जुबिली हिल्स, हैदराबाद, विष्यीर्ग 1044 चौक ० गर्न, रिम्ह्रीकृत चिलेख नं ० 3661/85, रिम्ह्रीकृती प्रिक्ति रोने करो, हैस्राबाद ।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुषा (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्सबाद

तारीकः : 12-2-1936

प्ररूपः वा**र**ं, टी. **एन**. **एव**. - = - = -

बायकड न्धिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-व् (1) के वधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नास्कत (निरीक्षण)

व्यर्भन रेंज, हैदराबाद

हैश्राबाश, दिनौरा 13 फरवरी 1986

िर्देश नं पाए० ए० सी० नं 894/85-83 - धतः, मुझे, एम० अंश सोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

अं ि निमर्का सं० फ्लैट है, तथा जो सनराइज बिल्डर्न, अन्य अगटेमेंटस, रेड हिल्म, हैदराबाद में स्थित है (अंग इमरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यांना, हैदराबाद में रिजस्ट्रेक ण अधिकिया, 1908 (1903 का 16) के अञ्चेत, तारीख जून 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ख्यमान अप्रेक्त तम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के ख्यमान अप्रेक्त तम्मित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तारात्यां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास परस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरक् से हुई किसी अग्य की बग्धत, तकत अभिनियम के अभीन कर देने के खुन्सडुक के दायित्व में कभी करने वा उसने वृक्षे पें सुविधा के लिए; और/या
- (था) ध्रेसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में स्विधा स्त्रे सिए;

कतः वर उक्त विभिन्यम की धारा 269-म के अगृहरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वर्षण, रिम्निजिवित व्यक्तियों, वर्षाह :--- मैसर्स सनराइय बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्स, हैदरावाद-4 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जीव वीव देवी, फ्लैट नंव 7, कार्तीशिकारी श्रवार्टमेंट्स, पंजागट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के दिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य स्थित द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए ना सकोंगे।

स्वष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 609 अरूण अपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1180 से ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3606/85, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

मोहर ।

वस्त भार'. टी. एन. एत.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के नधीन क्छना

मारत वरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्तत रेंज, हैदराबाद हें साबाद, दिन्तंक 13 फरवरी 1986

िर्देश रिंश पार्टिंग निंश किन कि 895/85-36---यतः, मुझे, एम० जगर मोहर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ओर जिस है। तं अपनैद है, तथा जो साराइज बिल्डर्स, श्ररूण श्राही-तंदा, एउ ोक्ता, देवा वर्ष किया है (और इसने उसवद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के प्रतित है व्यापाद में जिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रजीत, तारील जन, 1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रंब, उसके द्वयमान प्रतिफल हो, एसे द्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्वरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (म्) वन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिथ-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यः क्तियों, वर्षात क्ष- मैसर्स सनराइज विल्डर्स, 11-5 · 348, रेड हिल्स, हैदरावाद-4

(अन्तरक)

2. श्री एस० आ२० धर्मा और अन्य, फ्लैंट नं० 502, अरूण अपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद -4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्वत समिति ने मूर्वन् में स्वाप्त में मोर्च ही नार्वाप्त--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्टित में किए जा सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों जोर पदों का, वो उथक अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं जर्थ होगा वो उस सध्याय कें दिया नवा हैं।

मन्स्ची

पतेंट नं 502 ग्ररूण ातार्टमेंट्स, रेड हिन्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 875 चौ फुट रजस्ट्रीकृत विलेख नं 3658/85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज है बाद

तारीख : 12-2-1986

प्रक्रम बाह्" ही. एन् , एहं 🗷 🖦 🖦

शायकर निष्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा %-२० के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक आयकर वायुक्त (निरोक्क)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरचरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 896/85-86---यत, मुझे: एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो सनराइज विल्डर्स ग्ररूण अपार्टमेंट्स रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल को कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से हैं और वंतरका अंतरित वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तम पावा प्रया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किबित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त आँध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/वा
- (क) एसी किसी जान वा किसी धन वा कन्य अस्तियों को, चिन्हें नारतीय नायकार अधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उस्तः अधिनियन, वा धूर्यः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे लिए:

मत नथ. उत्तर विधिनयम की भारा 269-य वी सन्धरम मों, मों, उत्तर विधिनयम की भारा 269-य की उपभारा (1) के नभीन, निम्निवित्त स्पक्तियों, नर्भात्:— मैसर्ग माराइज विल्डर्स 11--5--348 रेड हिल्म हैदरावाद-4

(अन्तरक)

2. श्री स्नारं वी० युवबय्या फ्लैट नं० 203 श्ररूण श्रथार्टमेंट्स रेड हिल्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त एम्पीत के वर्षत् के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

डक्ट सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नास्त्रेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीब से 30 दिन की जविभ, को भी जबिभ बाद में सजारा होती हो, के भीतर प्रांकिश व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभरितत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन् सूची

फ्लैट नं० 203 ग्ररूण ग्रापार्टमेंट्स रेड हिल्म हैदराबाद-विस्तीर्ण 30 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3659/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस .----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 769-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० आए० ए० सी० नं० 897/85-86 - अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

- (क) बन्तरण सं हुई किसी साय की साथत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वामित्व में कमी करने या उससे अच्यों में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन था अन्य आस्तिको को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान जे स्विधा के लिए।

अतः अतः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण गें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की लपधारा (1) जे अधीन, रैनस्त्रीलिखत व्यक्तियों, अर्थात क्रिस्ट मैसर्स सनराईज बिल्डर्स 11-5-348, रेड हील्स, हैदरायाद।

(.44.44.2)

2. श्रं मही बीठ गान्ता देशे फ्लैट नं ० 204, अस्य अपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरिर्तः)

4: यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबंध में कांई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेवस श्यक्तियों में स विक्ती व्यक्ति दवार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 तस निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होरा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, श्ररूण श्रपार्टमेंट्स, रेड हिल्म, हैदराबाद विस्तीर्ण 30 चौ० गज रिनस्ट्रंं ने विलेख नं० 3726/85 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंन, हैदराबाद

तारीख : 13-2-1986

मोहर '

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 898/85-86--ग्रतः एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो ग्ररूण ग्रपार्टमेंट्स रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जन 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 44—496 GI/85 1. मैसर्स सनराइज ग्रार्थिट्स रेड हिल्स घर नं० 11~5-348, हैदरावाद

(अन्तरच)

- 2. (1) श्रीः वीरु सुत्रमन्यः शर्मा
 - (2) श्रीवीर मुरली विष्णा गर्मा श्रक्ण श्रपार्टमेंट्स फ्लैट नं० 601 रेड हिल्स हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601 श्ररूण श्रपार्टमेंट्स रेड हिल्स हैदराबाद विस्तीण 80.36 चाँ० फुट मी० रजिस्ट्री इंत विलेख नं० 3522/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख ' 13-2-1986

वायन्दर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा २६५-६ (1) है बर्धन सम्बन्ध

भाग्त नरकार 🦈

कार्यालय, महाथक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

. . े . े , ir खाल

हैं इस्पर्का, कि पेर्ट १६ कि वर्ष १९५३ ।

िर्देश में हो हो एक वे र हर १९०० ५८-५५ हो हो हो । एम० एकः व

आसदार क्षां अभिक्षा १००० १०० १०० १०० १ (१ वक्ष क्यां के काला का प्राप्त का प्राप्त का का का का का का का का का 269 अ के लधीन सक्षम प्राधिकारी ऋषे यह विश्वास करने का कारण के कि स्थाधा (हाती), जा र जैसित केबल है हुने 1 (0),000 जा जापा कड

और ज़िसती संवक्ती है तथा को यात्र महितिस रेड विवस हैदराबाद से जिला है। (अलाहमाँ, अपनार अलाखी के और उर्ण मध में बिशिन है। अतिधने भागि करिया है है हिस्सीना देखान स में प्राचित्रामा कि शिक्ष 1908 1905 के अर्थाः, भरीम एकः 1985

को प्रवृतित संगीत के श्रीमत सर्गार जन्म स कम् के स्वयमान प्रतिषाच के लिए अंतरित भी गर्ड और सभे यह विश्वास करने क्सा बहारण के रिकारणया १ कि.च. व.च. विकास है कि.च. प्रसावे क्ष्यासाम अर्थका । एक प्रशासका प्रतिकार का प्रवाह अतिकात में अधिक हैं। लोग अध्यक्त राष्ट्रकों। और अस्तारती (अन्तरिक्तियों) के बोच गाँध अन्तरमा है किए तय पान मबा प्रतिफल, निभ्निविधित उद्देश्य में उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने किया गरा है ---

- (क) अंतरण सं हर्ड किसी याग की वज्जल. उक्त अधि-भी । नाम के लागि नाम पूर्व है विश्वास के विश्वास को कार्य मान्यों भा एक्यों बन्दें । स्थाप की अप अरि:/बा
- (क) एनि किया गण त किये पर भावत आदिस्वा को, जिल्ले भारतीय भगनात सिंधितम, 1922 ्या करूर रहे । र ्याचिम्पिटार सा छन्न सर अधिनेत्रक १६७ । १५७७ को १७ € प्रयोजनार्थ अंतरिही प्रवास प्रकर नहीं किए। स्था था, या किया तथा सरीया भा, हिलाने में महिला बी निवार ।

mar मार्ग वा विभिन्नियम स्त्री भाषा १६० न **की सानसारण** में चक्रन पश्चिषियाय की धारा २४६ ए ही उपधारा (1) है अधीर, रिक्सिविरित स्विज्ञियों, अर्थात र

- प्रस्त आहें. टी.एन. इंट्रेंटिंग, घर नंश
 - 11 5-340 CATT

(भ्रत्यक्त)

 श्री १० में निर्मा प्रतिर में अप के क्षण प्रवार्यमें इस ो्च रोका, दर राज

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पर्योक्त सर्व्यास के वर्षन के लिए कार्यदाहियां करता हो।

सकत सम्परित के हार्चन के सरकाश सं कोड़" भी वार्धाय :---

- (क) इस सवता की गलपण में अनाबन्दी सारील से क्षा कि की अवस्था शहरसम्बन्धी व्यक्तियाँ **पर** गुकरा को नामील से 30 दिन की बनिध, जो जी अर्थां श्राद भी सरात होती हो, के भीतर पर्वोक्त काल्किक में में किया विकाद बाय:
- (%) इस सुचना के एकएक मा प्रकासन की तारीस से 45 दिन व्हें भीतर उपता स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी शृद्य व्यापा न्यायः अवाहस्ता**धरी के पास** English to the many that

शास्त्रोकरण: --इसमे प्रयुक्त कर्ता और पर्दो का, **जो जबत** अधिनियम के उधाय १०-क में परिभाषित डी, नहीं अर्थ की गा. तो उस अध्याय भी दिया सदा हुँ ।

ग्रन्ध्ची

फ्लैंग तंत ३०३ व्याप १ १५६ हेंग्रेस, रेड फिप, हैदरावाद िमारिके 1180 लीक फूक हैंक जी मुक्तिक विलेख संव अपञ्चात्र पतिसर्के कृती वर्ग पूर्ण वैकार हुन्।

> एमा र जगा । मोहन नकाम प्रविद्यारी - 5 का गणार के जायका (निरीक्षण) ार्डन है

TTFT : 13-0-1986 T 17

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 900/85-86--ग्रतः

म्झे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रिंग्स से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो ग्ररूमा ग्रपार्टमेंट्स, रेड हील्म, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदरात्राद में रिजम्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, '1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित या उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं बर्स जन राइज विल्र्झ. रेड हिल्म. घर नं० 11-5-348 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती महरुत्रिसा 11-5-339 रेड हिल्म (फ्लैट नं० 703) हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को गह स्चना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आर्ज ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविक साद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजगंध में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमं प्रयक्त शब्दों और पदौ का, जां है, वही क्षर्य होगा से उस अध्याय में अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

बन्स् भी

फ्लैट नं० 703 अरुणा अपार्टमेंट्स रेज हिल्स हैद**राबाद** विस्तीर्ग 1180 चाँ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 85 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी बहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4. वम्बई

भत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माहर:

तारीख : 13-2-1986

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपधारा (1) 🛊 अभी ।, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थांत 🖫

प्रस्प बाइं.टी.एन.एइ.-----

नायकर नीभिग्रिन, 1961 (1961 का 43) की भक्त 269 ग (1) ने नभीत कुम्मा

भारत सरकार

नार्वातव, तक्कावक आवकर आकृत्वस (मि:रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज् हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ए० सी० /901/85-86--म्रातः मुझे, एम० जगन मोहन

बानकार मिश्निवस 1961 (1961 का 43) (हैंचरी इसके इसके पश्चात् (स्वतः मिश्निकम् का मका ही), की भारत 269-स के मधीन तकान प्राधिकार्यों की यह मिकास करने का कारण ही कि स्थावर दल्लीतर, विकास जीवत बाबार मुख्य 1,00,000/- क. ते मिथक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो विन्द्रावन ग्रपार्टमेंट्स, नामपल्ली लेन रेड हिल्स, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप संविणत है).रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्णोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के बिए अंसरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का क्रम्स प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में इाक्टिक ध्य से किया नहां किया नवा है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्स विधिनयम के अधीन कर दोने के बंसरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) इसी निन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में तृतिभा को सिए;

ज्तः अज, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, बाँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च उपभारा (1) की वभीत, निम्नितिसित व्यक्तिस्तां, वचित डिस्स

(1) मैसर्स भाग्य नगर कन्स्ट्रक्शनन्स को०, बाइ पार्टनर श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे॰ रिवकाँत राव पिता
श्री जे॰ वी॰ राव, 98
हिरिगटन रोड चंतपूट मद्रास-31।
(ग्रन्तरिती)

को यह सङ्खना आ स्त्री कासको पूर्वों क्त संवित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहिकां कास्ता हुं।

उनत बम्पीता के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के अज़बन मों प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्स्र ज्यानीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इत स्वता, के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 किय के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च कियी कच्च व्यक्ति व्यास अधोहत्ताक्षरी के साथ निवित में किए वा सकती।

स्थव्यक्तिरणः:—इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदों का, वो उन्त-अधिनियम् के बध्याव 20-क में परिमाणित हैं, यहीं नर्ष होना को जन्म बध्याद के दिसा मना हैं।

गग्स्ची

फ्लॅंट नं० 205 विद्राबन ग्रपार्टमेंट्स रेड हिल्स हैदराबाद विस्तीर्ण 1050 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1592/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्रकप बाई .टी.एन एस

भागकर अभिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

शारत सरकार

फार्यांसय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०/902/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ऑधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो विद्राबन भ्रपार्टमेंट्स, नामपल्ली लेन, रेड हिल्स, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिस्त्यों करे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा श्री खिड़ा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ दी उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) मैंसर्स भाग्य नगर कन्स्ट्रक्शन को०, बातू पार्टनर श्री मुकुंद लाल ग्रग्नवाल, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० माधव राव पिता श्री एम० वी० रमन्ना राव फ्लैट नं० 711 विद्रावन ग्रपार्टमेंट्स नामपल्ली लेन हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनूसची

फ्लेंट नं० 711-बी विन्द्राबन ग्रपार्टमेंट्स रेड हिल्स हैदराबाद विस्तीर्ण 1218 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1662/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खैरताबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

实, 那,这一次加工实

मायकार अधिनिधः १४५६ (१३६५) त्रिक्ष १३। व्यक्ति पास्त

अस्ति। सर्वधार

कार्यालयः, सहायकः अध्यक्तः आयुक्तः (निरक्षिणः) ग्राजीन रेज हिद्यानातः

हेइराजाद दिनौए 13 हावरा 1986

निर्देश सं० स्रोरः ए० मी० न० 993/85-86---स्रतः मुझे एम० जगत पोहन

बायकर अधिनितम, 196! (1961 का 43) (मसे इसुमें इसके पश्चात जिल्ला अधिनितमां कहा गया है). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधनारों को, यह विश्वाम र रने का कारत हा कि रणावर सन्ति . जिसका अधित बाजार जून्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

त्रीर जिसकी सं ० फरीट ह तथे । विद्यावन स्नार्टमेंट्र नामगल्ली लेन र हिंदर पंजिय । (बीर इसमें उपाबड़ सन्सूचन म ब्रोट पूर्व स्वर राजिय है) र्विस्कृत्वी स्रधिकारों के कार्यालय विद्यावन पर लोट् र नाम त्या ते। र हिंदर में स्थल है (बीर इन्से अपावड़ अपन्दी में सार पूर्ण इस से विणित है), रिस्ट्रोशियां स्विभागी है गायिलन, धैरताबाद में रिजिस्ट्रोकरण स्विजियन, 1908 (1908 ला. 16) है स्वीन लारीख जुन, 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधान करने का कारण है कि प्रधान करने का जीवत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिपाल से एसे दश्यमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के जिए तथ पाया गया प्रतिकत्त , निम्नितिश्वित उद्देश्य से उकत अन्तरण निश्वत में वास्त-धिक क्ष्य से क्षित नहीं गोक्या गया है:---

- हुँक) सन्तरक सहुई किहा साथ की बावत, उक्त सभिनियम को बजीन कर दोन की अन्तरक की दायित्ज में कानी कारने या उसमें बजने में सुविधा कामण सार्थना।
- (क) ऐसी किसी आप या किसी थन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ति अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत , उग्न अधिरियम को धाम १००-ए को अनुसरण ब , मैं , बक्ट निकासण्ड को धार २०७-४ को उपभारा (।) को सभीन, निम्नोसाँकत स्थानक्ष्मां , असी द (1) मैनर्भ भाग्यकार सस्द्रक्णनत को०, बा**इ** पार्टनर श्री मुक्दे लाल अग्रवाल, का-4-656/1, रेड हिल्म, हेदराबाद ।

(अन्परक)

(2) को जित्रानंह साहित्व िता थी **हनुमंत रात**. 6- 1- 126/3, वौरताबाद, हैद**राबाद**। (अन्तरिती)

को यह सुबहा बारा करक वृबोंक्त संपत्ति के अर्जन के लि**ए** रूपीबाहियां करता हा ।

उपत् संपरित के शवन के भंगम में काई भी वार्कण :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की उपमिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि कर में समाज होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र के शकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अप्य व्यक्ति ग्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास जिस्कित में किए का सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः --- समे प्रयूवत सब्दी कोर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्रत्मनी

क्लीड **नं०** 103, विशासन जपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हेदराबार, विस्तीर्ण १४८१ ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1663/85, रिजन्ट्रीकृतो अधिकारी: खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह।यक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-2-1986

प्रक्य आई. ही. एन. एक. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांट 13 फरहरी 1986

निदेश सं० आ२० ए० मी० 904/85-86-36:, मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रीयकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट एण्ड गैरेज है, जो लैन्डमार्क विल इस् शिवास लेन, कपाडियनेन, स्रोमान्तिगुड, में स्थित है (स्रौर इसमे उपावड अनुसूची में स्रोप पूर्ण रूप विश्व विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, हैट्यायाय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1902 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अप्य या किसी भन या अप्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भ ने इवारा प्रकट नहीं किया गया था या विषय गरा विषय भारा विषय से स्विधा के लिए;

कत: शब; उक्त अि वस्य की धरा ३८०-य के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन: निरमितिया स्वीकारों, सम्मेतः 1. मैंपर्भ लैन्ड मार्क विल्डर्प, 6-2-930, खैरताबाद हेदरावाद-4।

(अन्तरक)

2. (1) र्था भूजीए राखरा, (1) श्रीमती रेवा राखरा, 36, मोतीताल नगर, वेगमपेट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

काँ यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपन्ति को सर्जन के संबंध याँ कोई भी बार्शिय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया यका है।

CE WE

अपार्टमेंट्स नं० 501, यौर गैरेज नं० 3, लैन्ड मार्क विल्ड्सं, त्राराडिया लेता. सोमाजीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट यौर 150 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3634/85, रियस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी यहास व अगमहा आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

मोहर .

प्रस्य बार्च, दी, प्रनः, एस, ======

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-ध (1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयल्डर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ए० मी० 905/85-86--अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

ग्रायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करके 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो राभवन रोड , पंजागुट्टा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्त से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच उसे, अंतरण के निए तय पाया गया कित्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ के किए तथा है से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) शासरण संहुई किसी बाय की बायत उसत बाँध-निवम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कासी करने या उससे बचने में स्विधा महे सिये; हौर/मा
- [क] एसी किसी बाब या किसी धन बन्च बास्तियाँ की, बिन्हें भारतीं बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती जनारा प्रकट नहीं किया स्था था किया बाना बाहिए था क्रिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ४ ए 269-घ की उपधारा (1) के क्थीन. निम्निविश्वित व्यक्तिस्वां. बंधीत ह—

 मै० विरगो कन्स्ट्रक्शन्स, 6-1-1063/बि/3, राज भवन रोड , पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री यस० राममूर्ति पिता लेट यस० बी० भूव्याराव, पत्रैट नं० 26, कांतिशिकारा काम्पलैक्स, पंजा-गुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुते।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप 🛌

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए वा सकी

श्यक्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

गगरा पर

फ्लैट नं० 26, कांतिशिकारा काम्पलैंक्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 60 चौ० मीटर, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख मं० 3702/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

रक्ष बार'ं ही. प्र. एड.

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व्य (1) के बचीर सुचना

BISS SEVER

कार्यालय, सहामक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० 903/85-86-अत: मुझे, एम० जगत मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं प्रलैट है, जो कोंगर असार्टमेंट्स, हील, सोमालीगृडा में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर ने विणिश है), एजिल्ही तो अधिनियम, के कार्याचय, हैइसाबाद में एजिल्ही रूण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/1985

को द्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मून्य उसके ध्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे क्तरण के लिए तय पाया गढ़ प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण हे हुइ' फिल्सी बाय की बाबत उक्त बिधिनियस के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उसने सचने में सविधा के लिए; भीर/मा
- (क) श्रेमी किसी बाव वा किसी धन वा बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के जवाजनाथ बन्दरियों रुगरा प्रकट नहीं किया बवा था वा किया बाना पाहिए था, खियाने के सिर्धा के स्विध,

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को. की, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कड़ीन जिल्लीकीलन अधिकार्यों, अ**धित क्ष**—

45-496 GI/85

1. मेत्रर्थ तमरसियन पनैट्स, विल्डिंग कार्पोरेशन; अतिकत ऐट ए-102, तत्या अपार्टमेंट्स, मासान टैन्क, हैदराबाद-26।

(अन्तरक)

2. श्री ई० जीतेंदर रेड्डी, घर नं० 5-10-218, विजयाविलेकार, कीशनपुरा, हानमकोंडा, वरंगल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्स कम्पील के अर्थन के सम्बन्ध में कोई ही बाक्से :---

- (क) इस स्वना के राष्ट्रम के प्रकार की साहीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कृता की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सक्दीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मन्स्**ची**

फ्लैंट नं० 202, कोंकरडे अपार्टमेंट्स, येरा मंजिल, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, निस्तीर्ण 1500 चौ० फुट, रिजस्ट्री- क्रित बिलेख नं० 3757/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्राख्य आहें.टी.एन.एस.-----

कार जा विश्वस 1961 (19**61** व्य **43) की** पटन 1969-इ.(1) के अधार क्षान

FRE FINE

कार्यालयः, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज, हैरराबाद

हैइराबाट, दिमांच 13 फरवरी 1986

सिदेश एक १८० के बीठ 90./85-36--अतः, मझे, एक १८१ कीएर,

आधकर अभिनया. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रम के प्रकार अक्षा कि कि स्थान कहा गया है), की धारा 269-ख क्ष अनीय उद्धा पर पर कि विकास करने का कारण कि स्थान प्रकार प्रकार कि क्षा पर प्रकार कि कारण कि क्षा पर प्रकार कि कारण कि क्षा पर प्रकार कि कारण कि कार

श्रीत रिएडी सं घर हे, सो गरंगत में स्थित है (श्रीर इसे उपवड़ शुम्मी से श्रीर पूर्ण का रिविश है), रिश्वेशी के स्थानिक, वार्रण में भारतीय रिविश्वेशिय कारिया, १९०३ (१९०८ का १७) जं अश्रीत मिलि में 1935

बार की कार कर कर के से खार भाषार मूल्य से कम को ख्यमान अतिकान की एए अस्टीरन की गई हैं और मुम्में यह विश्वाम का कर तर राज्य हैं कि प्रकार किस नम्मील का स सित बाधार मूखा, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकाल में जीधान हैं और उत्तरक (शंतरकों) और शंतरिती (अंसारितितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का निम्लिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिश्वित में बास्त-

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनाय के यधीन कर जैने के अंतरक के दायित्व में तमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गर/बा
- (ख) एंटा किसी आज या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, किस्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा भन्कर कियों किया, 1957 (1957 का 27) की प्रयोक्षा की म्हारियों द्वारा प्रकट नहीं किया का प्रकट नहीं किया का प्रकट नहीं किया स्वाप के लिखा की स्विभा के लिखा

हात त्या हात अधितयम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, गाँ, एक जिलीयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जावित विकासिकत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एम० बसंतकुमार किंत राजलिंगम, कांयावाडाः घर नं० 11-25-355, वरंगल।

(अन्तर्र्ः)

2. श्री जी० जनसायम पिता श्रीशैलम, दुर्गेस्वर। आस्या स्ट्रीट, 8-12-135, वरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

इक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ हमें गेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर नं ।1-25-35 (गया) वरंगता, विस्तीर्ण 325 चौ॰ गरा, रिजस्ट्रीकृत दिलेख नं ।061/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरंगल।

> ाष्ट्राव जान गोहन सक्षम आविकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदसवाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० 908/85-86-ग्रतः सुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो यस० वी० एन० रोड, वरंगल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिसीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्रीमती सी० एच० जयतक्ष्मी पति राजिलगम,
 घर नं० 16-4-139/2, यस० वी० एन० रोड, वरंगल।

(भ्रन्तरः)

2. श्री के॰ ग्रत्मा लिंगम पिता विरह्मा, घर नं॰ 12-1-1-36, यस० व्ही॰ एन॰ रोड, वरंगल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्ीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मूं दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12-1-18, श्रौर 12-1-20 यस० व्ही० यन० रोड़, वरंगल, विस्तीर्ण भूमि 70-37, चौ० गण, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1160/85; रिजिस्ट्रीकृत श्रिधिदारी वरंगल।

एम० जगन गोहन प्रक्रम प्राप्य पर्ना सहायक आयत्तर श्राप्तुका (भिर्मारूप) ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1986

प्रास्त्य बाइं.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ं भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 909/85-86-ग्रसः मृझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी घर है, जो हैइरगुडा, नियर ग्रोल्ड एम० एल० ए० क्वाटर्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के का पीलय, चीवकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख 6/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सूकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. श्रीमती ए० थयुमान पति डा० थयुमन, 10−2− 110, मारेडपल्नी, सिकंदराबाद।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती रत्ना गनेरी पति यस० रामचंदर राव, 3-6-293/1, हैदरगूडक, हैदराबाद। (अन्तरिती)

की मह स्थना जारी करके प्वोबत मम्परित के मुर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ज्याध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिजित के किए जा सकेगे।

स्पर्ध्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-293/1 स्रीर घर नं० 3-6-292/1 ग्रीर 1, हैदरगृडा, विस्तीर्ण 235 चौ० गज, रजिस्द्वीकत विलेख नं० 804/85, रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी, चीवव डपल्ली।

> एम० जगन गोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

The second secon

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, निांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० 910/85-86-- प्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 👣 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,0∪,000/- रत. से अधिक हैं

भ्रीर जिस्की सं० घर है, जो ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, मा रेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 6/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एेसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के निए;

कलः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण शं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें बाधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, बर्थात :---

1. श्रीं जे॰ पुरुषत्तम शास्त्री, 10-3-121, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संपतराज पिता शषमलजी जैन ग्रौर ग्रन्य, 3-3-805, जनरल बाजार, सिकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🕏 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुसूची

घर नं० 10-3-121, ट्रस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 420 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1883/ 85, रिक्रजस्ट्रीनर्ता श्रधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम जाधिकारी सहायक श्रापकर आयुक्त (निर्कक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांस 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० 911/85-86-ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो विद्यानगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उण्याद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण इप से बणित है), रिवर्ट्रावर्ता ग्रीधनारी के नार्यालय, चिवर इ-पल्ली में भारतीय रिवर्ट्रावरण ग्रीधनारी के ग्रीधन (1506 का 16) के ग्रीधन, तारीख 7/1985.

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बागर मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बी० कौशल राव पिता लेट बी० नर्समा राव और अन्य, चीतापुर विलेग, मेटपल्ली तालुक, लरीमनगर, जिला।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती ए० पस्परमली पांत ए० कांता राव श्रीर श्रन्य दो, तनपुर, श्ररमुर तालुक, जिला निजामा-बाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में राज्ञान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-9-297/1, विद्यानगर, हैदराबाद, विस्तीणं 667 चौ० गत्र, रिनस्ट्रोउन विलेख नं० 1004/85, रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिनारी चीवन डपल्ली।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी तहात्रक आवकर प्रापुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाह

तारीख: 13-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

भागकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांतः 13 फ़रवरी 1986

निदेश सं० ग्राट० थे० सी० 912/85-86--ग्रत:, मझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पणि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो नहल वेटा, हैदर कद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजाट्रील ती श्रीधार री वेट यहिए विश्व है। रही भारतीय रिजार्ट्रील एण श्रीधित म, 1908 (1908 व) 16) के श्रधीन, टारीस 6/1985

को न्वांक्त सम्मान्त के लाचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथानुवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हुए से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी त्राम की शक्त सकत अपि नियम क अधीन कर दाने के अस्तरक के द्वायत्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स.) एती किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ही नारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वर उक्त अधिनियम, ए. अल-कर अधिनियम, अल-कर अधिन्यम, अल-लार्टी इतारा अल-ट नहीं किया आया या या किया जाना जाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथीत क्र

- 1. कुमारी एम० जी० शकुंतला पिता एम० ए० गुर-स्वामी, 2-1-164, नल्लाकुंटा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री कृष्णा स्वामी स्विता लेट नारायण स्वामी,
 मैनेजिंग डायरेक्टर मेसर्स सत्या बिल्डस बाई
 श्री किष्णा स्वामी, 52/ए, शेबेस्टीयन रोड,
 सिकन्दराबाद।

(अन्तरितौ)

की वह सुचना अप्रां करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसंघ १---

- (क) इस स्चना ए राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बदाध बाद में समाप्त होती हो, ते भीतर पूर्वीकर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-६५५ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धाः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिल पदा है।

अनुसूची

घर नं० 2-1-164, नल्लाकुंटा, हैइरावाद विस्ताणं 521 चौ० गज, रजिस्ट्रीइत विलेख सं० 937/85, रजिस्ट्रा-कर्ता ग्रधिकारी चौक्कडपल्ला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणा) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13--2-1986

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भार 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाइ

कार्यात्रव, ब्रह्मायक आवकार वाव्यव (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदरावाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० आर॰ य० सी० नं० 913/85-86--- अदः मुझे एम० जगन मोहनः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्भ जिभिनयम' वहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन काम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,00/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० घर है तथा जो ची ह कड़ क्ला है राबाद में स्थित हैं (ग्रार इसमें उपाबड़ अनुसुनी में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री तो ग्रिधियारा के वायिलय है दर बाद में रिजिस्ट्री एण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के स्रधींन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिपत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके उपमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिशत से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक का कर है हिश्न ही किया गया है :--

- (क) अव्यवस्था से हुई किसी आख की वानता, सकत अभिनित्तमंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे नमने में स्विधा ने जिला कौर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अभिनियम, आधनकर अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम,

अन्तः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- 1. श्रीमतो पो० सुशीला पति छेट पी० सत्यनारायण 1-8-41/2 चोवः छन्नली. हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सी० प्रेमकुमार पिता लेट वेंकट कीष्णाय्या श्रीर श्रन्य, 17-7-434, याकृतपुरा, न्नामणवाडी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

काँ यह सूचना बारी करके पूर्वोज्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :-

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (क) इस सुपमा के राजपण में प्रकाबन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सवृध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्तासाड़ी के पास रिजनित में किए वा सकों ने !

स्वाधीकरण:--इसमें अयुक्त कब्दा और वर्षों का, वा उपक विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही वर्ष होया को उस अध्याय में दिवा बना हैं।

प्रनुसुची

घर नं 1-8-41/2, चीवक्र उपब्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ग 400.16 ची० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3597/85, रजिस्ट्रीकृती भ्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी जहायक आयकर आपुना (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

वारीख: 13-2-1986

मोहर

प्रस्य बाहाँ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्सण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सो० न० 914/85-86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

'.00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है जो गोल,पूडी विलेज विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोच्या सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिक्रल के सिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने वह विश्वनाल करने का कारण है कि द्यापृबंकित सम्पत्ति का उचित बाजार प्रन्थ, अम्के द्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकाॉ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) काउरण में हुई किसी आब की बावते, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय अध्यक्तर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ. ग अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा खे किए;

कतः अव. उक्त किभिनियम की धारा 269-व के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 46—496 GI/85 श्री सी० एच० रामगोहन राव पिता लेट नागेस्वर राव गूंटःपल्ली विलेज, माइलावरम तालूक, जिला क्रीष्णा।

(ग्रन्तरक)

2. दि विजयवाडा होलसेल बमरिसयेल काम्पलैक्स, मैसर्स वेलफ़ेयर सोसायटी, बाइ प्रेसीडेंट, जे० रामस्वामी गृप्ता, विजयवाडा

(ग्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूबे कित सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी धार्मण :--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस में किसे कर सकरें।

स्वक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्ले का, जो उक्त क्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

खाली जमीन, एकर 1.12 सेंटम्, गोलापूडी विलेज, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3922/85, रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, हैदरखाद

वारीख : 13-2-1986

मोहरः

श्रक्ष आर्ड ्टी ्एन ्एस .-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 822/85—86——ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल करवात् 'उक्स निधित्तयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो कोिन्यावाडा विलेज, भीम।वरमतालूक के वेस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिक री के वार्यालय, गुडीवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उचके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का कन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुन्द िकसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के व्यक्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा से बिक्;

नतः सब, उन्त निधिनयम की धारा 269-न के ननुसरण वें, में, उन्त निधिनयम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निध्नतिविक व्यक्तियों, नर्थात् क्रेस्स 1. (1) श्रीमती टी॰ सुसीलाबाई पति टी॰ रामचन्द्रा जगन्नाधराव, श्रीर श्रन्य एक, (माइनर) श्रार्यप्रम विलेज, राजुर्मुड्डी जिला ईस्ट गोदावरी।

(ग्रन्तरक)

 (1) श्री नागर जू वेंकटारामराजू पिता रामताष्णम र जूं ग्रीर ग्रन्य एक कोनोत वाडा भामावरम तालुक जिला वेस्ट गोदावरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कक्षों और पदों का, जो उक्त अर्टिश्वियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

नपुष्

कृषि भूमि कोकोनट ट्रांज, एकर 9.84 सेंटस (एकर 4.92 सेंडस), इंच कोनिटांवाडा, विलेज भामावरम तालक, जिला वस्ट गोदावरी, रजिस्ट्रोकृत दिलेख नं० 1371 ग्रीर 137कृ2/85 रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी गडीवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रोज, हैदराबाद

तारी**ख** 12-2-1986

प्रक्य बाइं. टी. एम. एस. 🖢 - - ---

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वंभीन सुचना

माइत बहुकाड

कार्यानय्, सहायक नायकर नायक्त् (निर्धाण)

ग्रजंन रेंज-। हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०नं० 830/85-86—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), के भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं घर है जो सेंट जैन रोड, सिकन्दराबाद में स्थित (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूच) में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रक्तजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मारेडल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून 1985

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथगपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिब में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्क बचने हैं सुविधा से सिए; ब्राइ/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया के हिस्स के लिए;

 श्रीमती एम० कमलाब।ई 6-1-134, पदमाराव-नगर, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

कु 2. श्रीमती के० मंजुला, 21/बी० सेंट जॉन रोड सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां क<u>रता ह</u>ूं।

ड ब्रस्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई श्री बासोर 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क ६ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध को औ नविध नाद में समाप्त होती हो, के भन्दर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वींगे।

स्वच्छीकर्ण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्हितम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

ममुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर, घर नं० 10-3-185/1, सेंट जॉन रोड़, सिकंदराबाद, विश्तीर्ण 272 बौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1331/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मारेडपल्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राभिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः लन्, उनत विभिनियम की भारा 269-ग् वा बनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जै नधीन, निस्नविचित्र व्यक्तित्वकी, श्रेयति ह——

तारोख: 7-2-1986

प्ररूप बाइ", टी. एव. एस. ------

जाधकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनां 7 फरवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 836/85-86--- म्रतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो राजश्री ग्रासटमेंटस वेस्ट मारेडनल्ली, निवन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर एर्ण का में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के लायांत्रियः मारेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विए;
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; गौर/या

1. मैं ० गीतांजिल क्नस्ट्रक्शन्स, 225/ए, वेस्ट मारेड-पल्ली, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नवशा नोशीर जालानावाला, फ्लैट नं० 3 राजश्री ग्रपार्टमेंटस, वेस्ट, मारेडपल्ली, सिकन्दरा-वाद।

(ग्रन्3रिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के निष् नार्यबाहियां करता हुं।

उन्त तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिभिनियम के जभ्याय 20-क में निरभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनसूची

फ्लैट नं० 3, राजश्री श्रपार्टमेंटस, वेस्ट मारेडपल्ली सिन्दराबाद, विस्तीर्ण 1330 चौ० फुट, रजिस्ट्रीशृत विलेख नं० 1386/85, रजिस्ट्रीलर्ता ऋधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

वारीख : 7-2-1986

प्रक्ष बाह'. टी. एन. एस.-----

बाबकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के वधीन सुवना

शारत सरकार

कार्यास्य, स्हावक वायकर वायक्त (निर्क्षिक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० ये० सीं० नं० 837/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। क स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार भृस्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

म्रार जिसकी सं० दुइ न है, जो मायूर दाम्पलैंक्स फाउण्ड्री में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यात्र, हेदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीध नियम 1908 (1908 : 16) के ग्रीधन, हारीख 6/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिपिण्ल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उद्यत अन्तरण किसित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काम की वावता, उक्त विश्वित्वम् के स्थीत कार दोने के विदास के वायित्व में कामी कारने या उससे वचने में सुविधा के निए; बहुर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा से जिए।

 मेसर्स मयूर कम्यलैक्स, बाइ श्री ग्रार० रामदेव राव, 8→2-616/1/ए, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्त्रक)

2. श्री सुरेश कुमार पिता इंदर पाल, 15-1-503/ बि०/13, श्रगोत मार्केट, श्रोल्ड फीलखाना, हैदराबाद।

(अन् तरिती)

को यह स्ववा बारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध हैं कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हो? में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विद्या किसी क्यक्ति ब्यारा, त्रभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उल्ले अधिनियम के बध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं कर्ध होगा, जो उस कथ्याय औ दिया गया है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० बी-108, मयूर कामण्लैक्त, गनफाउण्ड्री, हैदराबाद विस्तीर्ण 413 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3828/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, खक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 7-2-1986 मोन्स:

मोहर '

म्रच्य बार्च हो. एन. एवं.

बारकर वर्षित्यम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के स्वीन क्यान

बारत स्टब्स्ट

कार्यात्र , बहायक वायकर वायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 838/85-86--श्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली सं फ्लैंट हैं, तथा जो चापल रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इन्से उनाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित्र है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिध कारी के तार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6/1985

को मुर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और शुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसका दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मसिचित स्थूबेस्य से उस्त अन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त वीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी चर्त मा उद्यक्त वचने में सूबिधा के लिए, प्रोप्त का
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधनियम, या धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना थाहिए था, जियाने में तृतिथा के तिवह;

 मेसर्स सफ़ारी बिल्डर्स, फ्लैंट नं० 47, क्रांति णिकारा ग्रगर्टमेंटस, पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(ग्रन्धरक)

2. श्रीमती जी० मुनीता पति जी० जनार्दन रेड्डी, प्लाट नं० 8, श्रारोरा विलोनी, रोड नं० 3, बंजारा हिल्स, हैदराबंद।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारी करके प्वोंक्त संपृत्ति के बर्चन कै निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पृतित में अर्जन के सम्बन्ध में खोद भी बाखोद:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि को भी स्वृधि बाद में सम्मन्त होती हो, के नीतर प्रविक्त स्वृक्तियों में से फिसी स्वनित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रबृतत शब्दों और पदों का, जो उत्तर जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

बन्स्चीं

फ्लैट नं० डी० प्रेमिसेम नं० 5-9-88/1 ग्रीर 2 चायल रोड हैदशबाद विस्तीर्ण 1127 चो० फुट; रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3860/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

बत बब, उक्त निधिनियम, की भारा 269-म में बम्बरम , में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपपारा (1) अधीय नियमिलिखित व्यक्तियों, वस्ति ■—

वारीख: 7-2-1986

्मोहरः

प्रकार प्रार्थित है हुन् हुन् हुन् । - ---

शरपकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के विभीन सुपना

बारत सरकाह

कार्यासन, सञ्चानक नामकर नाम्कत (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद. दिनांक 7 फरवरी 1986

िदेश सं० श्रार० ये० सी० 839/85-86--शतः मुझें, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्वा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट है जो चापल रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण की से बिनित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकिम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1935

को पुनोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्षयमान इतिफल के लिए कन्तरित की गई हैं जार मुम्हे यह विकास करने का कारण है कि युवापुनोंक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से कथिक है और वन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देक्य है उक्त अन्तरक निचित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं दिक्या गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विश्वित्रण के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्वित्रधा के लिए; बार/श
- (क) पांची किसी थाय या किसी थन वा बन्य जास्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम्, या धन-कर व्योधनिक्य, 1957 (1957 का 27) वे प्रक्रेशनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना नाहिए था, जिमाने में सुनिधा वे तिहा।

बकः अव, उक्तं विधिनियम की धारा 269-म के ववसरक वें, वें, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स् सफारी बिल्डर्स फ्लेट नं० 47, कार्ता कांती णिकारा अपार्टमेंटस् पंजागूट्टा हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री जी० जर्नाधन रेड्डी प्लाट नं० 8, श्ररोड़ा कॉलनी रोड, नं० 3, बंचारा हीलस् हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्य सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वक्त सम्मति के वर्षन के बन्धनम में बादि भी सम्मेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किमी व्यक्ति द्वास,
- (च) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यष्टीकरण —-इसमें प्रमृत्यन गन्दों और पदी का, जो उतक विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं:

प्रनुसूची

फ्लेट नं० मीं० प्रेमीमेस नं० 5-9-88/1 और 2, चापल रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 1109 चीं० फुट, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 7-- 2-- 1986 ४३: मो-

प्रस्प बार्'. टी. एन. एस.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

यर्जन रेंन, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवर्रः 1986 निर्देश सं०ग्नार० ये० सी०नं० 840/85→86-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है

और जिमकी संव फ्लेट हैं जो वेंकटकुन, आ, टीमेंटम् दोमलकूड, में स्थित है इसने उपायह अनुसूची में और पूर्ण रूप ये बीलत है, रिक्ट्रीकर्ता मंद्रिकारी के बार्यालय चिकरड पल्ली में भारतीय रिक्ट्रीकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वम्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया अतिफल निकारिनीबत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खिल में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बाबत, शक्स बिधिनवस के जधीन कर दोने के शन्तरक के वासित्य में कभी करने या उत्तर बच्चे ने स्थिता के सिए; कार्ड/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किशी धन या जन्य आफितयां को जिल्हों भारतीय आयकार अधिनयम 1922 (1922 का 11) या उन्का अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आवा याहिए था, छिपाने सं सुविधा वे शिष्ट;

शत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण वं, का, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) छ अधीर, जिम्लिखित व्यक्तियाँ, अर्थांद क्र— (1) श्री संसर्भ येस्के श्रसोसियटस्, वाइ पॉर्टाल श्री एस० एस० कामन 1-2-24 दोमनवूडा हैदरावाद।

(धन्तरक)

(2) मेसर्स् फेब्ररडील नं 101 वेंकट अपा अपार्टमेंटम् दोमल गूडा हैदराबाद

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कंजन के लिए अर्थवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन-की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शहर में समाप्त हाती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्थव्दीकरणः--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियस, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा वो उस अध्याब में दिशा नवा हैं।

अनुसूची

फ्लॅंट नं० 101 प्रेमीनिस 1--2-24 वेंकह ापा ध्रपार्टमेंटस् दोमलगुडा हैदराबाद विस्तं र्ण 960 ची० फुट रिजिस्ट्रीकित विलेख मं० 962/85 जिस्ट्रीकर्ता इक्षिक्ररी, हैदरावाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद-

दिनांक: 7-2-1986

प्रस्प बार् . टी. एन. एवं .-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सूचना

aira araiz

कार्यातव, सञ्जयक वायकर वायकत (निद्वालक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० श्रार. ये. सी० नं० 841/85 स्86---ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंबसे इसमें इसके प्रध्वात (उन्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैंट है जो वेंकटा जिस अशिटमेंटम् दोमल-गुड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से बाजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कड पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

की पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रतिकटा के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते '

म्ह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डोबत वाजार मूल्य, उसके क्ययमान प्रतिकल ते, एसे व्ययमान वितिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) को बीच एसे अन्तरण को लिए इस पाया भारतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निखत में वास्तिकक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए।

बंद , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— 47—496 GI/85

- (1) भेतर्ज् एस०के असोसिए टस् बाई पार्टनर श्री एस यन० कामय 1--2-24 दोमल गुडा-हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स् श्राखीत फारमा (प्रा०) लि० फ्लैंट नं० 102° वेंकट छ्या श्र्यार्टमेंटस् 1-2-24 दोमल- गुड़ा हैदरावाद।

(म्रन्तरिती)

को बह सुचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी वर्वीध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की वार्रींच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी वो पास लिखित में किए वा सकती।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में यभा परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102 प्रेमीिनेस नं० 1-2-24 वेंकटा कृपा ग्रनार्टमेंटस् दोमल गुडा हैदराबाद विस्तीर्ण 960 चौ० फुट रिजस्ट्री तेत विलेख नं० 963/85 रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विककड परली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) स्रजैन रेंज, हैदराज्ञार

दिनांक :-- 7-- 2-- 1986 मोहर:

प्रकप बांड्, टी.एन .एस .-----

बाय्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

हारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 842/85-86---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है जो वेंकट छपा अपार्टमेंटस् दोमल गुड़ा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ो विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कड पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर दिनांक जुन 1985

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह जिक्कास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण तं हुई किसी त्राय की बाबत उक्त किंध-नियम के संधीन कार दोने के मन्तरक के दाबित्य में कानी कारने या उससे त्याने में सजिधा के लिए:
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 192? (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ सन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा न्दे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, :--

- (1) मेसर्स् एस०के असीसियटस् वाह पार्टनर श्री एस० एन० कामथ 1--2--24 दोमल गुडा हैदरावाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० विजया रानो पति जी वेंबट रमना केर ऑफ मेसर्स जी० राम लिगय्या और ब्रदर्स महब्रुवनगर

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके प्यांक्त सभ्याति के अजन के लिए कार्यवाहियां करका हुँ।

उक्त सम्पित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 205 प्रेमीसेस 1--2-24 वेंकट हुपा ग्रपार्टमेंटम् दोमल गुड़ा हैक्सवाद विस्तीर्ण 600 चौ० फुट रजिस्ट्री त विलेख नं० 981/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चिक्काड पल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जल रेंज हैदराबाद

दिनांक: 7--2--1986

मोहर:--

प्रकृत बार्'.डी. एत्.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के नुभीत सूच्या

श्राच्या सरमग्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० श्रार० ये. सी० नं० 843/85-86-- अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट है जो वेंकट कृपा ग्रपार्टमेंटस्, दोमज गुड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय चीवकड पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के रवयमान प्रतिपन्न के सिए, अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विव्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रवयमान प्रति-कल सो, एसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अंतरिल के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्वर्षण से उक्त अंतरण सिचित में वास्त्रिक कम से किथव नहीं हैं कम वा हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावत, अवस जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुमने में सुविधा के लिए; और/बा
- (व) एसी किसी बाग वा किसी धन मा अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ क्निया बाग वाहिए था, किया में बृदिया की बिहर;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमुचरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ओ स्थीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्र-

- (1) मेंसर्स एस० के० ग्रसोसियटस् बाइ पार्टनर श्री एस० एन० कामत, 1-2-24, दोमल गुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जी ॰ लक्ष्मन 4-3-51, रामनगर, महबूब नगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित सै अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्र के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बार्शन :---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीब से 45 विक् की बबधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीन से 30 दिन की नवीं , को भी वर्ग वाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वहुभ विक्षी अन्य व्यक्ति इत्तरा अमोह्स्ताक्षणी के वास सिविश में किए वा सक्षेप ।

रक्ष्यां कर व .— इसमें प्रमुक्त बच्यां गौर पर्यों कर, को उपस् अधिगृत्यम् के मध्याय 20-क में परिभावित ही, मही वर्ष होगा को उस बध्याय में क्रिका गया ही।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 204, प्रेमीसेस 1-2-24वेंकटा कृपा अपार्टमेंटस्, दोनल गुंडा हैदराबाद, विस्तीर्ण 1015 चौ० फुट बिलेख नं० 989/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कड पल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्टत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; हैदराबाद

दिनाँक: 7-2-1986

मोहरः

प्रकृष आई.डी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर नायकत (निर्देशक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 844-85-86-- श्रत मुझे, एम० जनन मोहन,

बायकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (विसते इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फलैंट है तथा जो चापल रोड, हैदराबाद स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक जून 1985

के वृशेंकत बज्यित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमाध्य दिक्का के लिए अस्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बंधा वृशेंकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मृख्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अंतरिती (अंकरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणिवित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिचित में बास्तीयक क्य से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, डक्क विधिनियम के नधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (बा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेसर्स सफारी विल्डर्स, वाइ पार्टनर श्री ए० दीवाकर फ्लैट नं० 47, क्रांती शिकारा श्रपार्टमेंटर्स हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० रामा चैतन्या वाइ जीपिए जी० जन रोड्डी प्लाट नं० 8, श्रराड़ा कालनी रो नं० 3, बंजारा हीलस् हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

न्हें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के किए कि कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संगाप्त हमती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, श्रो उपक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिश गवा है।

and of

फ्लैंट नं० ए, घर नं० 5-9-88/1 भीर 2 चापल रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ग 1063, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विले खनं० 3865/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगनभोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, हैटराबाद

तन: श्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-स में बनुसरण हो, में उक्त विधिनियम की धारा 269-स की उपेधारा (1) के बधीन, निकासिधत व्यक्तियों, वर्धात हम्म

दिनांक :- 7-2- 1986 मोहर :- प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुख्ना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 845/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनिंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र. सं अधिक हां

स्रौर जित्तको सं० फ्तैंट है जो चान्त रोड, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के स्रधीनं दिनाँक जून 1585

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- (1) मैसर्स सफारी विल्डर्स, बाई पार्टनर श्री ए० दिवाकर फलैंट नं० 47, क्रांती शिकारा अपार्टमेंटस् हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री जी० गौत्तम बाइ जीपिए श्री जी० जनार्धन रेड्डी, प्लाट नं० 8, ग्रारीड़ा कांलनी, बंजारा हीलस् रोड, नं० 3, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कीई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4% दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शल्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॅट नं० घर नं० 5-9-88/1, ग्रौर 2, चापल रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1109 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3861/85, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

बतः स्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—

दिनाँक: 7-2-1986

महोर:

प्ररूप बार्ड् टी . एन . एस . =---=

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 846/85-86---,ग्रतः मुझें, एम० जगन् मोहन

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत विभिन्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के वभीन तलम प्राधिकारी की, यह निर्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार जूस्य

1,00,000/- फ. से बांध्य हैं ग्रीर जिनकी मं० फ्लैट है तथा जी चापल रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1903 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक जून 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिप्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से दृक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धर या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मे तर्स् सफारी विल्डर्स, बाइ पाँटेनर श्री ए०, द्रीवाकर फ्लैट नं. 47, क्रांती शिकारा ऋपार्टमेंटस् हैदराबाद।

🛂 (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सूब्बा प्रधा पित जी राम मोहन रेड्डी, 8-2-331/2, रोड, नं० 3 बंजारा हीलस हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

कां यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्ट्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूर्ना

फ्लैंट नं. डी० घर नं० 5-9-881, ग्रीर 2, चापल रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1127, चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3890/85, रजीस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्रः के अनुकरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाँ क : 7-2-1986

रस्य बार्: ्टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश मं. ग्र.र० ये० सी० नं० 847/85-86---ग्रत। मुझे एम० जगन मोहन

बायकर श्रांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पार्विट है तथा जो घटपल रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ति ग्रधिक री के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के धीन दिनाक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—-

- हिंकी बंतरण से हुई किसी बाय करी बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से निए; बरि√या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुबिशा के लिए;

कतः विष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थादा:—— (1) मेसमें सफारी बिल्डमें बाइ पार्टन र श्री ए, दीवाक फंलेंट नं० 47, श्रीही शिकारा ग्राप्तार्भेटणे, हैदर.ब.द।

(ग्रन्तरक)

(2) की जीव राम मोहन रेडडी, 8-2-331/2, रोड, नंव बंजारा हीलस. हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलॅट नं० 2, प्रेमिसेस 5-9-88/1 और 2, चापाल रोड, हैदराबाद विस्तीर्फ 995 चौ० फूट, रजेस्ट्रीकर्ता बिलेख नं० 3867/85, रजीस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी है।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राध्निक.री सह.यक म्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 1--7--2-1988 मोहर:--

प्रकथ बार्ड , टी . एव . एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-स (१) के सधीन स्वका

भारत बरकार

कार्याक्षयः, बद्यायक गायकर बाव्यतः (पिरीवय)

ग्रर्भन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 फरवरा 1986

निदेश सं० ग्रास्थ क्षे० सी० नं० 848/85-86---श्रदः मुझे एम० अक्षत मोहन

बायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकार्यों को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट है जो चानल रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रेप से वर्णित है), रर्ज.स्ट्रीकर्ता अधिकार, के कार्यालय हैदराबाद में है रर्ज.स्ट्रीकरण अधि नियम 1908, (1908 क 16) के अधीन दिनांक जुन 1985

करें पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये वह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, उस्के क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्वभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाना बना प्रति-फल दिस्सीनिक उद्देश्व ते स्वक अन्तरण विश्वित में बादशीयक कल ने कवित नहीं विज्ञा कहा है है—

- (का) सम्बद्ध वं हुई किसी बाव की बावस्, त्रवस्त विधिवद्ध के प्रधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य वे काली करने वा लखसे बचने वे स्विधा के क्रिक्ट वरि/का
- (था) एसी किसी जान या किसी धन या सन्य आफ्तियों करें, जिन्हों भारतीन आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया प्रका न वा किया जाना चाहिए था, कियाने में धाँवधा के किया;

चवड अब उक्त बॉधनियम की धारा 269-म वी सन्तरण में, में, उक्त बॉधनियम की बारा 269-म की उपचारा (1) के बधीन, निकालिसिस कवित्यों, वर्षात :---- (1) मेराने सफारा बिल्डमें बाइ पार्टनर ए, दोवाकर फंलॅंट नं० 47 क्रांतो शिकारा अपार्टमेंटस', पंजागृट'टा हैदराबाद।

(ग्रन्त२कः)

(2) श्री जी० राम मोहन रे'डी, 8-2-331/2, रोड, नं० 3, बंजारा हीलस', हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्पति के बर्बन के तम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए का सकरों।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-र में परिभाषित है, वहीं कर्य होंगा जो उस सध्यात में दिना

are di

फलैंट नं० 1, पहीसेस 5-9-88/1 और 2, चापाल रोड हैदराबाद, विस्तीर्ण 110 चौ० फुट०, रजीस्ट्रांकर्ता विलेख नं० 3868/85, रजीस्ट्रांकर्ता स्रिधिकारी हैदराबाद।

एन० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज; हैरराबाद

दिनांक: 7-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवर: 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सः० नं० 849/85-86---ग्रत . मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका सं० फलॅट है जो चापाल रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण म्प से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान ग्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण निस्कित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया नहां है

- 'क' बजरक में हुई किसी बाम की बाबत, उक्ट बीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने की क्टिंड के लिए; बौर/या
- (का) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-व के बन्सरण भें, में. उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---- 48--496 GI/85

(1) मेसर्सं सफा । बिल्डर्स बाइ पार्टनरश्चः ए, दावाकर फलॅट नं० 47, क्रांतः शिकारा श्रपार्टमेंटसं पंजागुंटा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा जा. राम मोहन रेडडा 8-2-331/2, रोड नं० 3, बंजारा होलसं, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिथ कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, वो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेबिड ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

नन्स्या

फलॅट नं० बा० प्रेमींसेस 5-9-88/1 और 2, चापाल रोड, हैदराबाद विस्तं $^{(0)}$ 1009, चौ० पुट०, र्जं,स्ट्राकृत विलेख गं० नं० 3869/85, रजं,स्ट्राकर्ता श्रिधिक राहे हैदराबाद।

एम० जगन भोहन सक्षम प्राधिकांरी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1986

मोहरः

प्रस्था कार्याः वीतिका तीवतः

आयकर आयाः 1961 (1961 का 43) की गाद 268-% (1) के अधीर स्पनः

म रत मन्यार

गरना, स्युजिक गम्बर नायुक्त (विरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 7 फरवर 1986

निदेश में० ऋ ए० थे० स.० नं० $850/85 - 8\epsilon -$ ुश्रत: मुझे एम० जगन बोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एकसे इमके प्रथान 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), हो धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को । यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका छोटन ग्रहार गृह्ण 1.60 (00/- रा.स केथिक हैं।

और जिसकः मं० फंलैंट सी है जो चापल रोड, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूच में और पर्ण रप में वर्णित है), रजिस्ट्रंकर्ता अधिकार के वार्यालय हैउराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908. (1908 का 16) के अर्थान दिनंक जन 1985

हा प्रकृतिम स्वास्ति के एपिन बाजार मृत्य से अब के द्रश्यमान अतिफल के लिए स्तारित की गई है और मृत्रों यह विद्यास अरने का जारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके रहश्यमार एपिए के से ए हैं द्रश्यमार प्रिश्तन के स्वरूप प्रतिकार से अधिक है और अंतरहा (अनुस्कों) और अविरित्ते (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त से वापत विक मृण से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरक है कि हुई किसी जाक की बाबत उसते मिनियम के नधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने वा उससे दक्षणे में स्किधा के जिल्हा और / या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, खिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, १७४३ (1923 का 11) या जनत अधिनियम, ६०४३ अप-कर अधिनियम, १३ अप-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गम। थे, या गिया बाना नाहिए था, गिलाने ख्विभा के लिए

नक्षर कर, शक्त विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, में अनत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मेमर्स सफार, वित्रस, पहाट न० 4 कार्र विकास अपार्टमेंटर्स, पंजागुट'टा, हैदराव (स्रात
 - (2) था महान रेट्डा (मानी) गाडायन पिता थी भाग महिन रेडडा, 8-2-231/2, रोड, 3. वंशरा होलसं. हैदराबाद।

(ग्रन्ति

को यह स्थार कारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के वर्षन के कार्यवाहियां करता हो।

तक्य सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में संदर्भ सी साधरेप:--

- (क) इस सूचना के राक्या में कावन की तार 45 दिन की अर्था शाका गांची व्यक्ति सूचना की तामील ें 10 दिने की अंग्रिश अरुपि काद में समन्देत हरेतें हों; के पीतर प्रकृषि को से पितर प्रकृषि को से पितर प्रकृषि को से प्रकृषि को से प्रकृषि को सित्र प्रकृषि को से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी । जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो बिधिन्यम्, के अध्याय 20-क में प्रिः है, वहीं बर्ध होगा जो उस वध्याय में ग्या है ॥

यन् म् ची

फर्नेट नं० मी० घर नं० *5-9-88/1 और 2, ह रोड, हैद ाबाद, वितार्फ 1109 चौ० भुट०, रजिस विभेख नं० 3863/85, रनास्ट्रीकर्ता ग्रिधकार, हैदर

> एम० जगन सञ्जम प्राधि सहायक स्रायुक्त स्रायुक्त (निर प्रजीन रेज, हैद

दिनांक: 7-2-1986

प्रकार बाह्-दी : एका एस ! किंह---

नायकर निप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धीरा 269-व (1) के नेधीन स्वना

STREET, PARTY

काथालय, सहायक वायक र नायुक्त (सिर्धाक)

स्रज न रज, हेदराबाद हैंदुरोबीद, दिनाँकी फरवरी 1986

र्देश सं ग्राइ० ए० सी०ःनं० 85ग/85-86-+श्रतः मुझे, एम० न मोहर्मः

र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'ज्वत अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा -स के अधीत सक्षम प्राधिकारी का सह जिल्लास करूने गरण हैं कि स्थानर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृस्य),000/-रु से अधिक हैं

जिसकी संख्या फ्लैट ए है, जो चायल रोड, हैदराबाद में स्थित ग्रीर इससे उपावद अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-ग ग्रिधिनिंग्रम, 1908 (1908 का 16) के ग्रुधीन, हिंना क

श्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान जल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित । इं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान ज्ले से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित श्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया हैं

- (क) अनुतुरण से हुई मिक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९४७) को १ कि वा ११०० वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोक्षनार्थ जन्म स्वाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

तः बन्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) धील, निम्निक्षित व्यक्तिवाँ, वर्धात् हे—

 मैशर्स यकारीः श्विल्डर्स, एक्ट ट नं व - 47% कांतीशिकारा अपार्टमेंट्य; पंजाणुट्टा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 मास्टर जी० निरुप रेड्डी (माइनर) गांडियन और पिता श्री जी० सम मोहन रेड्डी, 8-2-231/2, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की सारिश हैं। 45 दिन की अविधि था नित्तसम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसि में किस वास करेंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभक्तिक हैं, वहीं कर्ष होगा जो तक अध्याय में दिया।

वंगसची

प्लैट नं ० ए घर नं ० 5-9-88/ा और े2, चौफत रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1063 चौ० कुट, रिनस्ट्रीसंती विलेख नं ० 3866/85, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रंधिकारी हैंदैरावाद र्

> एम० जगन मीहन सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 7-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

श्रार० ए० सी० नं० 852/85- 86- -श्रतः मुझे, एम० जगन

मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 11 है, जो कोझी हाउस, द्रोमलगुडा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक 6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखत उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय क'। बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स जगजीवन एंटरप्राइजेस, बाइ पार्टनर श्री जी० एस० गसु 1- 2- 593/52, दोमलगूडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मोहिंदर कौर पति श्री दिलीप सिंह. ग्रीर ग्रन्य एक फ्लैंट नं० 11 कोझी हाऊस दोमलगूडा, हैंदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस कध्याय में दिया गया है।

मन्स्षी

फ्लैंट नं० 11, कोझै हाऊस, दोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3750/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 853/85-86--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं.० फ्लैं 303 है. जो एयर बस श्रपार्टमेंन्टस हिमायतनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 $\int 1908$ का 16) के श्रधीन 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त मर्पात का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किया गया है है—

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- बतः वर्ग, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की. वन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् क्रे—

- (1) मैं पर्स विनायक एंटरप्राइजेन वाइ मैं नेजिंग पार्टनर एम० विनायक 3-4-536 बरकतपूरा हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पो० म्रार० ज्योजी पित पो० म्रार० गुप्ता ला नं० 143 श्रीनगर कालोनी: हैदराबाद-873।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्याटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

पलैं नं० 303 ए, एयर वस ग्रंपार्टमें $_{\sim}$ स, हीमायतनगर, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1187, चौ० फु० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 883/85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी हैंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

महेर :

प्रकृष बाद . दी . एव . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भा<u>रत इंडस्प्रह</u> क्यर्यालय, सङ्घयक वायकर वायक्त (नि<u>ड</u>ीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 8 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 854/85-86--ग्रतः मझे. एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो भानू विल्डर्स, गोगलराजपूरम स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6/85

न्त्रे पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान के लिए **अन्त**रित की गइ करने कारण है विश्वास का मुभ्ते यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्दुरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) क्लार्य वे हुई किसी बाद की वादत, अवस विधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाम् या किसी वन् या बन्य वास्तियों की, बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1१) या उन्हें अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तिरती ध्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाना वाहिए था, कियाने में बृतिधा के लिए;

अप अबं उक्त अधिनियम को भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीगे, निम्मृतिकित व्यक्तिकों, निर्माह केन (1) मैनर्स भानू बिल्डर्स, बाइ श्री के० दूर्गा प्रसाद राव, गोगलाजपूरम, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० बी० नारायण चौधरी पिता वेंक्ट क्रुष्णय्या, ए फ्लैट मैसर्स भानू बिल्डर्स, गोमल-राजपूरम, विज्यवाडा

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

उस्त संवत्ति के अर्थन के संबंध थे काई भी गार्कीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धाराः
- (ख) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिस्ति में किए का सर्हिंगे!

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लक्त जिथिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट न० — भानू बिल्डर्स, विजयवाडा विस्तीर्ण 1170 चौ० फु $_{c}$, र्राजस्ट्रीकृत विलेख न० 319/85, र्राजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2- 1986

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रारिं ए० सी० नं० 855/85-86-ग्रत : मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञाम करने का का कारण हैं कि, यथापर्वेक्त संपरित का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं फ्लैट है, जो भानू विल्डर्स, गोगलराजपूरम् में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिज्स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजय-वाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6/85

का पूर्वोका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम क दश्यमान शितफल को लिए अन्तिरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वा कत संपत्ति का उचित बाजार ल्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का इंद्र प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्क अिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कशी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐंधी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्थिए।

नतः अब, उद्भत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बभीन, नियमिशिक्ट क्या अत्यों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्स भानू बिल्डर्स, याइ श्री के० दूर्गा फ्रमादः राव, गोगलराजपूरम, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) डा० डी० वी० पूरना कुट्म्बा राव पिता वेंकट रत्नम, पेयेरु विलेज, गूडीवाडा, तालूक कृष्णा जिला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिलाएं, कार्यवाहियां करता हु।

जिक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त वर्शक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, ते अध्याय 20-क में परिभाषितः है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिख्या गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी- 4, भानू बिल्डर्स, गोगलर्गुजपूरम, विजय-वाडा, विस्तीर्ण 1170 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4321/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, द्वैदराबाट

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप बाईं.टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 856/85-86- ग्रन: मझे, एम० जगन मोहन,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें रहकात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो भानू विल्डर्स, गोगलराजपूरम में स्थित है (ग्रौर इासे उत्तबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है). रिजरहा कि ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजर्हीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार शितफल के दिए अंतीरित की गई ही आर मुक्ते यह विश्वास कर प्रें पन्द्र प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का राज्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दृश्यमा श्रातफल कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया ही:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मरि/या
- (ख) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अस्टिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, बी. अक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं सर्स भानू विल्डर्म, बाइ श्री के० दूर्गा प्रसाद राव, गोगलराजपूरम, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) मैं पर्स आई० बो० पी० को०, लि० बाइ श्री एउ० राघवन, 10, स्पीन टेंक रोड़, चेटपेट, मद्रास

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त हैं कि के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० ए-32 भानू बिल्डर्स, गोगलराजपूरम, विजय-वाडा, विस्तीर्ण 920 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4310/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्रकपः, बाह्र', टी. प्रनः, एकः, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकाह

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

य्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी $^{^{^{\prime}}}1986$

निदेश सं० ग्रार० मे ० सी० नं० 857/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट है, जो पटामाटा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण हिए से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधवारी के कार्यालय, विष्यवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) श्रीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया श्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निम्नलिखित मं वास्तिक रूप से किथा गया है :--

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिक्टिन्द्रक के बुनीम कुड दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के खिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था. छिपाने में विकास के बिए;

कतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अपीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 49-496 Gi/85

(1) श्रीमतो वी० शेषमम्बा पति व्ही० सूब्बाराव, पाटामाटा, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० ग्रन्नपूरनम्मा पति भास्कर राव, गव्हरनरपेट, विजयवाडा-21

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा खक्क विधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिणा गया है।

अनुसुची

ए० फलैट पाटामाटा, विजयवाडा नियर सिल्या प्रपार्ट-मेंटस, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4241/85, रजिस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी विजयवाडा।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-2-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के विधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 858/85→86→⊸ग्रत: मझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाचित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट है, जो पाटामाटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 6/85

को ्बॉक्त नम्बित के उच्चित बाबार भल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एमें स्वयमान प्रतिकल का गंवह प्रतिक्षत से अभिक हैं और अन्तरक (वंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पास बाब प्रतिकल, निम्नीनिस्त उद्विश्य से उन्तर अन्तरण जिनिक के बीच एसे स्वयमान प्रतिकल का बाक कि स्वयमान प्रतिकल को बाक विश्व स्वयमान प्रतिकल का बाक कि स्वयमान प्रतिकल का बाक कि स्वयमान कि स्वयमा

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के दागित एर दोने के अंतरक के दागित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री एम० वेंकटेश्वर राव पिता राघवय्या, पेनामलू विजयवाडा तालूक,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० गंगावई पिन राधािकशन कंडूलावारी स्ट्रीट, विजयवा ा−1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुम्ची

पलैट पाटामाटा, प्रेमीमेस, सील्पा श्रपार्टमेंटस, विजयवाडा विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3937/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधि।, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख: 7-2-1986

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एव.----

अगयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाट हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सो० नं० 859/85-86--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो श्रारिवदा बिब्डर्स, लिबब्बपेट स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6/85,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिक्षणों) के बीच एचे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सविधा औ सिद्ध;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैत्तर्स भ्रारविंद बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्रो पी० जनार्धन राव, लब्बिपेट, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती टो० वेंकटसूब्बम्मापित श्री नागेंद्रम (गूटूर) ए फ्लैट इन ग्रारविदा विल्डर्स, लब्बिपेट विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

अन्स्यी

ए फ्लैट ग्रार्शवंदा विल्डर्स, लब्बिपेष्ट, विजयवाडा, विस्तीणं 750 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4231/85, रिजस्ट्रीकितां ग्रिधकारी विजयवाडा

एम० जगन मोहन सक्षम, प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्रक्ष बाइं.टी.पुन.पुन. "-----

बावकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वाम्कत (निर्दाकक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाँक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 860,85-86--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाय 269- के अधीन गक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिनकी सं० फ्लैंट है, जो गोगलराजपूरम, काँचना काम्प्लेक्य में स्थित है (स्रौर इसमें उपावद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण कर में विश्व है), रिजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारों के कार्यालय. विजयवाडा में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनों रु जून 85

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास ... रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंधिक (अंतरिका) और बंतिरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्ध के लिए तथ पाया गया मितिफल, निम्नोलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नोलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल क्य से किथा नहीं किया गया एँ है

- एक) सन्तरण संहुई किसी शाय की वाबत, उक्त विश्वास के अधीन कर दोने के जन्तरक की दावित्व में कभी करने या उससे दवने में स्विधा के सिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी का या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय बायक आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सविधा से जिए;

बदा: शब, उपत जीभीनयम की भारा 269-त के जनुसरण हो, में उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे अभीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, अर्थीस है—

- (1) मैसर्स ग्राहणा विल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्रो वी० एस० पो० राजू, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० क्रुपा विजया पति विजयनारायणा, काँचना काम्प्लेक्प, गोगनराजपूरम, विजय-वाडा ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सं/भी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोदक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।रा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकारत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किए जा सकां।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुण ही।

अनुसूची

प्लैंट काँचना काम्प्लेक्स, गोगलरा पूरम विजय-वाडा, विस्तीर्ण 615 चौ० फुट, रिजस्ट्रोक्टन विलेख नं० 3964/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजय-वाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन **रें**ज, हैदराबाद

तारोख: 7-2-1986

मोहर 🛊

प्रम् बार'. टी. एन. एवं.....

आयकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर प्रायुक्त **(निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 861/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाः 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० एकड़ श्राफ लैन्ड है, जो येनिकेपाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, विजयवड़ाा में भारतोय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनॉक जून 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित के बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्र--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खींबत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविक्षा के लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म वी बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

(1) श्रीमती बी० पून्नम्मा पति लैंट लक्ष्मारेड्डी, जी० पो० ए०, श्री जी० राघवा रेड्डी, माचावरम, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० मधुसुदन रेड़ी यिता राघवारेड़ी माचावरम विजयवाङा

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्मत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास विवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें युवत शब्दा कर् पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

विस्तीर्ण एकड़ भूमि एकड़ 7.63 1/2, सेंटस, येनीकी-पाडू, विलेज, विजयवाडा, ग्रार० एस० नं० 15/2, ग्रौर ग्रार० एस० नं० 16, रजिस्ट्रीकृत विद्भाख नं० 4425/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 7-2-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराभाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० भी० नं० 862/85-86--ग्रत:

मझे एमः जगन मोहन

भागकर अधिनियम 1961 († 961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्म्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्धानर समित जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,006/- न्ड. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं ज्ज़ा जिमीन हे जो पुचम्मा थोटा नब्जिपेट में स्थित है (प्रोर इपंत उपावड अन्युची में प्रोर पूर्ण का स वर्षियत है) एजिन्हो हर्ना यद्यिकारों के कार्यालय विजयवाडा मे भारतीय रिनिन्दीकरम ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान दिनाँ। जुन 85

का प्रवाकत सम्मति के जीचल बाचार मृत्य में कम के दश्यमान पितफल को लिए अन्तरित की गर्ड और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिवल, निम्नलिखि उद्भस्य सं उका अन्तरण ोलखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (म्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।
- अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वाई० वी० रत्नम पिता ग्राप्पय्या ग्रीर ग्रन्य एक पुत्रम्मा थोटा लिखियेट विजयवाडा । (अन्तरक)
- (2) मैससं ग्रारुणा डेवल्पर्स वाइ श्रीमती वी० ग्रारुणा ग्राशोकनगर विजयवाडा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को उर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में एथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीत, जिप्तीमं 880 ची० गज.. (430 चौ० गज, ग्रौर 450 चौ० गज) पुत्रमायोष्टा, लब्बिनेट, विजय-वाडा, एत० टो० एन० नं० 381/1, रजिस्ट्रोज्ञन विलेख नं 3 4092 ग्रीर 4118/85, रजिस्ट्रोकर्ता ग्रविकारी विजय-वाडा।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महावक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

यस्य बाह्' ही. एन. प्र

बायकर विश्वितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

HITE BEARS

आयां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० स्रार० ए० सी० नं० 863/85-86- —यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लिख बाकार मृत्य 1,,00,000/- रुट से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० इमारत है तथा जो कन् रू विलेज प्रतीपाडू तालू क में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिलारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून 1985

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दिख एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से क्षीधत मुद्रा किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [क] ऐसी किसी श्राय वा किसी घन वा सन्य वास्तिकों करें. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविशा से सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंखत व्यक्तियों, अधित्:— 1. श्रीमती पी० बेबी सरोजिनी पित कृष्णा मूतीं ऊयूरू जिला कृष्णा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सी० एच० राजश्री पति डा० एम० कोंडया ग्रंलेत्स्वरम प्रतीपाडू तालूक, जिला ईस्ट गोदावरी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचन। बारी करके प्वाँक्त अंपत्ति से नर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के मंगंध में कोर्ड भी गाओंच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेकत स्विक्यों में से किसी त्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी बन्य व्यक्ति दुनारा अधेहस्ताक्षरी के पाड़ निवित में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त अब्दाः और पदां का, वा उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय ये दिया गक्षा

अनुसूची

इमारत, कोनुरू विलेज, विजयवाड़ा, डी० नं० 292/3, विस्तीर्ण 296 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4336/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आधकर आधृक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निर्द्रेण सं० श्चार० ए० सी० न० 864/85-86⊸-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्गात्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संबद्दमारत है, तथा जो वनूक विलेज, प्रतीपाडू नालूक में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्री फर्ता ग्रिधिकारों के कार्यास्य, विजयगड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 15) के ग्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रा, मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण ही कि यथा पूर्वोक्त संपति का उचित गजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, उस द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही जीर अंतरिक (अंतरिका) की बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित गर्वी किया गया ही हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, भक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक भे दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिह;

बत: बब, उक्त बीधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— श्रीमती पी० बेबी सरोजिनी पति क्रकृष्णामूतहं ऊय्क जिला क्षणा

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ मी॰ एच॰ मोला कोंडय्या पिता कोंडया एलेस्वरम प्रतीपाडू तालूक. जिला ईस्ट गोदावरी (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संशीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पाद्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

इमारत, कोन्रू विलेज, विजयवाड़ा, डी० नं० 292/3, विस्तीर्ण 296 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4335/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रविकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगत मोहत मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंग् हैदराबाद

नारीख: 7-2-1986

प्रस्य बाह् ु टी. युव्ह एक..-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वा

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्रार० ए०सी० नं० 865/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० इमारत है, तथा जो गाँधीनगर, घंटावारी स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्तां ग्रिधकारी के कार्यालय, तेनाली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बार्गिक है अरे किया गर्वी किया वारा है :—

- (क) मन्तरण सं हुई किसी जाब की बावत, उन्हर बिधिनयम के बधीन कर दोने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉप/मा
- (क) एसो किसी आब या किसी धन मा अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए।

बत: नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के शधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 50—496 GI/85 श्रीमती जे० तुलसम्मा पति सूर्या, गाँधीनगर, तेनाली, गुंदूर जिला

(म्रन्तरक)

2. डा० वी० नगेश्वर राव एफ० ग्रार० सी०. एस० रामिलगेश्वर पेट, तेनाली, गुंटूर जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 4 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के हाब्यन में प्रकारन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

इमारत नं० $2-15-48_l$ 2_l 3, गाँधीनगर, घंटावयरी स्ट्री ट तेनाली, जिला गुंटूर, विस्तीर्ण 314 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2730_l 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी गुंटूर ।

एम० जगनमोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1986 मोहर: प्ररूप वार्द .टी .एन .एस . -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचन.

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरो 1986 निर्द्वों सं० श्रार०ए०सी०नं० 866/85-86--थतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इमरत है तथा जो गाँधीनगर घंटावारी स्ट्रीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वउणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तेनाली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए श्रंतरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दासित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अव्यान्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः विवा विका की भारा 269-म के अनुसरण में, भें तस्तर अधिनियम की भारा 269-च की तपधारा (1) के प्रधीन निकासित. व्यक्तियों, अधित :----

1.श्रोमती जे० लितम्मा पति सूर्या, गाँधीनगर, तेनाली, गुंदूर जिला

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ (श्रीमती) तो॰ सुमतो पित डा॰ वी॰ नाग एवर रात्र रामिलगेण्वर पेट तेनाली गुंटूर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचर, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 किं। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्हा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

इमारत नं० 2-15-48/2/3. गाँधीनगर, घंटावारी स्ट्रीट, जिला गुंट्र, विस्तीर्ण 322 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2729/85, रजिस्ट्रीकृती ब्रधिकारी गुंट्र।

एम० जगन मोहन ज्ञक्षम प्राप्तिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज, हैऽराबाट

दिनांक: 7-2-1986

मुक्ष बार्ष . ही . युव . एवा . -------

माथकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

श्रार्थालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज. हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 867/85-3व---धतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,90,090/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत है, तथा जो पाटामाटा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूर, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कृतने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (बा) एसो किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की; जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जीधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुद्विया के किए;

कतः वव उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1] में वधीन, निम्नविधित व्यक्तित्वों स्थापि च—

- 1. मैसर्स राम मोहत इंडस्ट्रीज बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री नालप सीता राम जन्द्रमूर्ती गह्वरनपेट, विजयवाड़ा-2 (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स संत्ना श्राईस और कोल्ड स्टेरेज, बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री मोतीलाल शिवाजी शाहा, शिवालयम स्ट्रीट, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सन्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किय वा सकोंगे।

स्थविकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा 'गया है।

अनुसूची

इमारत विस्तीर्ण 951 ची० गण, पाटामा, इंडर्स्ट्रीयल इस्टेट, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीशत विलेख नं० 422280/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1986

माहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एत. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० धार० ए० सं१० नं० ४६८/४५-४६८:, मुझे. एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी और इमारत है, तथा जो चीतलपूर्ड दिलेज, जिला वेस्ट गोदावरी में स्थित है (और इसने उपावद अनुभूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती शिधकारी के कार्यालय चीतलपूर्डी, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनियम, 1908 (1963 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित को गई है और मुमाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाकत सर्पात्त का अंचत गजार मूल्य, उसकी इश्यमान प्रतिकल रो, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिकं है और बंतरिक (अंतरितयों) के शैष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत शही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

करः जन, अब्दः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण करें, करें, उक्त अधिनियम की भारा १६९-घ की उपधारा (1) कुँ अधीन निम्नतिस्तत रुपिनयों, अर्थारा :--- (1) श्री के० जारूगंलू पिता सुब्रमन्द्रम, घर नं० 11-46. चं भित्रपुड़ा, जिला-वेस्ट गोदावर्ग ।

(भन्दरका)

(2) श्री बी० रामकृष्णा राच पिता श्रण्पाराव, मल्लया गुडम, चीतलपूडी, जिलावेस्ट, गोवावरी। (धन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/4, शेर भूमि और इमारत, श्रार II स नं० 918/1, गोपाल-इष्गा थियेटर, चीतलपूडी, विलेज, जिला वेस्ट गोदावरी, रिजस्ट्री-इत विलेख सं० 14/25/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चीतलपूडी।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेरें ज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्रार० ए० मी० नं० 869/85-86--- श्रतः मुझे, एम० जगत मोहनः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० शेड है, तथा जो हनुमान पेट, गर्वनमेंट हार्स्याटल रोड, में रियत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वाँजित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमिति पी० पुरुषा समा प्रति वेवट रामाराष और शन्य, हनुसान पेट, गर्वेनमेंट हार्स्पाटल रोड, विजयबाड़ा। (ग्रन्तरक)
- (2) एम० व्ही० गोपाल कृष्णा पिता लेट एम० व्ही० वीरभद्रया, तेनाटीचारी स्ट्रीट, हनुमान पेट, विजय-वाडा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टीन शेष्ठ विस्तीर्ण 136 ची० गज, हनुमान पेट, गर्वनमेंट हास्पीटल रोड, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 4435/ 85 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरें ज हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269(म) (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

मर्जनरेज हैदराबाद

हैदराबाद. दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 870/85-86---- श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा _39-8 के अधीन सक्ष्म प्राधिवाली को पह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं शिष्ठ है तथा जो हनुमान पेट गर्व मिंट हास्पी-टल रोड विजयवाड़ा में स्थित है (और इसने उपाबद प्रमुख्दी में और पूर्णेख्य ने वागा है) रिनिस्ट्रें(कर्ता विकारी के कार्याल्य विजयवाड़ा में रिनिस्ट्रें(करण अधिक्तिम, 1908 (1908 का 18) के अर्थान, तारीख जून, 19935

'भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाव श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कंरने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिद्वित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी शाय की शावत, उक्त बृधिनियम् से बचीव कर दोने से बन्तरक से सनिदम् से कनी करने या उससे धचने में सुविधा के सिक्ट; बॉर/या
- (स) एसं किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तिन्। को किन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा धन-, कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिरा !

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमितिपी० जुन्धारम्या पति वेंकट रामाराव और धन्य, हतुमात पेट, गर्वनमेंट हास्पीटल रोड, विजयवाडा । (अस्तरक)
- (2) एम० व्हा० भुजमन्या प्रसाद पिता लेट एम० व्हा० वीर भद्रा तेनाटी स्ट्रीट, हनुमान पेट, विजयवाडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अंत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सृचन। की तामील से 30 दिन की अंत्रिध, को भी अंतरिष्ठ प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

टीत शेड विस्तीण 97, चौ० गज, हनुमान पेट, गर्वनमेंट हास्पीटल रोड, विजयवाडा, रजिस्ट्री तंत विलेख मं० 4433/85 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जगतं मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप् , आई., टी. एन् , युद्ध , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदर।बाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 871/85-86-म्प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ग्रेड है, जो हनुमानपेट गवनमेंट हास्पीटल रोड, स्थित है (श्रौर इससे उप बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन, दिनांक 6-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रॉस्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती पी० सुब्बाराम्मा पित वेंदर रामाश्य मीर प्रन्य
 हनुमानपेट, गवर्नमेंट हास्पीटल रोड, विजयवाडा ।

(भतंरक)

 श्री एम० व्ही० शिवशंकर पिता लेट एम० व्ही० भद्रया, तेनेटी स्ट्रीट, हनुमानपेट, विजयवाड़ा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अक्षे होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

टीन शेड विस्तीर्ण 122 चौ० गज, हनुमानमेट, गवर्नभेंट हास्पीटल रोड, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4434,85, रिजस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सह,यक ग्रायकर ग्र:युक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-2-1986 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 फरवरी 1986

म्रार० ए० सी० नं० 872/85—86—म्प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-2 के बधीन सक्षव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या दुशान है जो दुगंय्या स्ट्रीट गवरनरपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री तो श्रिधनारी के वार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री रण श्रिधनियम, 1908 (1908 ला 16) के श्रिधीन, दिनांक 6-85

क्यों पर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार कृष्य से कम के द्रम्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संस्पत्ति का उपित बाजार कृष्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, इसे व्यवमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरिधियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब गावा यथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से जन्तरण जिल्हित में अस्तिक रूप से काशित वहाँ विकास स्था है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावत, उक्त सिंपित्यस के अधीन कांद्र दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन वा बन्य बास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय अध्यकार अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, ग्राप्रशांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, ७६। अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री ए० ग्रन्नमराज् शर्मा पिता वेंवटा विजय रामब्रह्म, 1/13, ब्रोडीपेट, गुटुर,

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० ऊमादेवी पति विस्वेस्रराव, मार्फत एस०के०पी० टेडर्स, हार्डवेयर मरचेंट, विजयवाड़ा-1।

(ग्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीख है 45 दिन की जबिप या तत्वंबें के व्यक्तियों पृष्ट स्वना की तामील से 30 दिन की वबिप, सो सी अविप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (ख) द्रश्च स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयं कि रण: --- बतमें प्रश्वतः कव्यों कीर वर्षों का, जी प्रवस् विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, नहीं वर्ष होंगा को उस वश्याय में विवा क्या हैं।

अनुसूची

दुकान विस्तीर्ण 247 जी० गज, दुर्गाय्या स्ट्रीट, गवरनमेंट विजयवाड़ा, घर नं० 23-136 ए० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3880/85-रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1986

प्रकृष बाह् .टी. एन. एस. ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश अई-/37-ईई/20256/8-86---अत: सं०

मझे, लक्ष्मण दास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्ब 1.00.000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या दुकान है, जो दुर्गय्या स्ट्रीट, गवरनरण्ट में स्थित है (ग्रौर इस से उवाबद्ध ग्रनसची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता स्रधि हारी वे कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री हरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपिट बाजार मृत्य से कम के क्रयमान व्यक्तिकाल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथायुवाँक्त संयत्ति का उचित बाबार मुख्य, उभके अध्यमान प्रतिकास वे होते अध्यमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिक्रत ने बर्धिक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्त-रिती (जन्तरितिकाँ) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाया पता प्रविकलं, निम्मलिखिल उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में गस्त विक रूप से कथित नहीं किया नवा है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीय कर देने के बन्तरम क वार्वित्व में कमी करने या उससे नवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी बाव या किसी पन या बन्द बास्तिकों का, जिन्हें भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनवम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया कांना चाहिए या, कियाने में स्विधा के निष्:

बक्क: वय, उन्ह विधिभवन की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उन्हा अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--51-496 GI/85

1. श्री ए० गोपाला कृष्णा राव पिता व्ही० विजयरामद्रह्म. क्वाटर नं० 15 डी, सेक्टर 4, भिलाई, मध्य प्रदेश।

(ग्रतरक)

2. श्री के ० विश्वेश्वर राव पिता शषाराव, मार्फत एस०के०पी० ट्रेडर्स, हार्डवेग्रर मरचेंटस, मेन बाजार, विजयवाडा-1।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा सकरो।

ल्लाब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिशाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया। गया है।

अनुसूची

दुकान विस्तीर्ण 214 चौ० गज, दुर्गाय्या स्ट्रीट, गवरनरण्ट, विजयवाडा, घर नं० 23-136 ए, रिजस्ट्रीकृत विरेख नं० 3879–85, रजिस्ट्रीक्र्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-2-1986 मोहर '

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) बी धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराज।द, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेण सं० म्रार० ए० सी० नं० 915/85-86--म्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिया इसकें इसकें पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या घर है जो वार्ड नं० 6, बास रोड, तेनाली में स्थित है (ग्रीरइससे उप.बड़ अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-85

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दह मान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से बर्धा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) एरे है किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के **बज्रकरण** थें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उक्सारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्— श्री टी० ह्वी० सुब्बाराव पिछा श्रीरामुलु, बोस रोड, तेनाली, गुटुर जिला,

(अंदरक)

 श्रीमती एम० राम्मा पति एम० ह्वी० सुब्बाराव इंट्रर पोस्ट टालवा, तेनाली, जिला गृट्र,

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रप्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनसुची

बर वार्ड नं० 6, ब्लू नं० 2, टीयस नं० 121, विस्तीर्ण 0.5 सेंट्ट्रस, और 61 चौ० गज, तोनाली, गुटूर जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3012/85, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी तेनाली।

एम० जगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज; हैदराबाद

दिनांक : 7-2-1986 मोहर :

प्रक्ष बाहुं हो. प्रस् प्रस्

बाधकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शारत सहकाड

कार्बास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज⊸II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्राई० 065/II/8-86:--ग्रत: मुझ, पी० डी० खण्डे लवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये खे अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या बंगला नं० 91, सुमुल डेरी रोडं, है तथा जो सूरत में स्थित हैं(श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, तारीख 26-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बाह्र/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खिट व्यक्तियों अर्थीन :—

- (1) श्री रा० रामय्या श्री सत्यनारायण और म्रन्य 5, पिड्मुराला, मृंदूर जिला ।
- (2) श्री टी० येला मंडा रेसु, पिता वेंकटराम रे ग्राँर अन्य तीन नरसापर पेट, गूंटूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िश्रष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की बविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गवा हैं।

बनसची

एकड़, भूमि, कोंनंकी विलेज विस्तीर्ण 6.34 एकड़, पिड्मेराला, नरसा राव पेट तालूक, जिला गूटूर, रजिस्ट्री- कृत विलेख नं० 1287/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पिड्मू- राला।

्रम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

सारीख: 13-2-1986

मीहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निद्रेश सं० आ२० ए० सी० 917/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर निज्ञी सं० कृषिभूमि है, जो कोनाट वाडा विलेज, भीमावरम में रिश्रत है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्व ६५ मे विणा है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. गूडीवाडा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का पृन्द्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण है लिख में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (क) अन्तरण सहुई किसी आय की बाबत., उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने दा उसते बचने में सुविधा के बिए; बार्./या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य बाल्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृदिधा के सिए;

क त्लए;

बतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण क्षें, मैं, उक्त जाधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नालीखत व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) श्रीमती टी० सुसीला बाइ पति टी० रामचंद्रा जगतायराव, आर्थपूरम, राजमूंड्री जिला इस्ट गोदावरी

(अन्तरक)

(2) श्री एन० बी० रामराजू विता रामकृष्णम राजू, कोनीटीवाडा विलेज, भीमावरम तालूक जिला बेस्ट गोदावरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष 2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उनक निधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

बन्स्ची

भूमि ए हड़ 8.44, सेटस, कोकोनट ट्रीज, कोनी-टीवाडा, विलेज. भीमावरम, तालूक, बेस्ट गोदावरी जलास, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1370/85, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुडीवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंः, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० 918/85-86---अत: मुझे, एम० जंगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

न्नार जिसकी सं० घर है, जो शे कपेट, हैदराबाद में स्थित है (न्नार इससे उपाबड़ अनुसूची में न्नार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रिवर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, हैदराबाद में भारतीय रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के अधीन तारीख 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1.) के अधीन, नियनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ए० के० चेलवाराज निवा ए० कृष्णा स्वामी राव, 3231, राष्ट्रपति रोड़, सिकंदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जी० शामसुंदर रड्डी पिता जी० चीना कृष्ण रेड्डी, प्ताट नं० 40, जूबिली हील्प, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवह विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

घर नं॰ 8-2-293/82/ए/451, रोड़ नं० 19, शेक्पेट, जूबिली हील्स, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 831 चाँ० गज,. रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० २872/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जनन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्रकृष बाइ . टी. एन. एस.-----

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदरावाद, दिनाम 13 करवरी 1986

निर्देश सं० आप० ए० सी० 919/85-86—-अतः : मुझे, एम० असन मोहन,

बावन विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं० घर है, जो तिलाल रोड़, हैदराबाद में लियत है (श्रीर इनसे उनाबढ़ अनुमूची में स्रीर पूर्ण इन से विणित है), रिजस्ट्री एनी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री एनी अधिकास, 1908 (1908 का 16) के अबीन, ठारीख 6/85

को पृशीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम के द्वामान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बार मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रोतशत से प्रधिक है बार अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) कराइण से हुई किसी जाय की बावत उक्त वीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिष्टु करेंद्र/या
- (w) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्त व्यक्तियाँ को जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें स्विधा के सिए;

बत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिम्प्लें अर्थान :--- (1) श्रीमती जी० जेव टाटा, जी० पी० ए०, श्री पेस्टोंजी जिला दोलगाईवनीगा, 1-1-538/1, गांबीजगर, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० शापूर प्रकाश, 4-1-912/1 पारसीगली, विलक रोड़, हैदराबाद

(अन्तरित)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकादन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

प्यक्कीक रूप: — इसमें प्रयुक्त बन्दों कीर पदों का, को उक्ते विभावत हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

घर नं० 4-1-912/1, और 912/1, तिलक रोड़, हैदराबाद, विस्तीणं 525 चाँ० गज., रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4858/85, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारों हैदराबाद।

ए० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां रु 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 920/85—86——अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० इमारत है, जो रेंट मोरी रोड़, रिटंबराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ण अधिनारी के कार्याक्य, मारेंड-पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6/85

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती फहमीदा ए८० तूरक्लू परि घरपूर डी० तूरक्लू, 62, घमा अपार्वमेंटस्, पेंडरघास्ट रोड, जिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोमीवाई श्रोर अन्य 4, 4-9-90/1, श्रोल्ड भोडग्डा, सिकंदरावाद ।

(अन्यशिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 9-1-192 (ब्रोल्ड नं० 60) सेंट मोरी रोड, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 3262 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1899/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 921/85—86——अतः, मुझे, एम० जगन मोहस, ष

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो पीलर चीतूर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अन्भुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधि कारी के ार्यालय, पिलर, में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के इक्तिए के कमी करने या उक्से वजने में दृषिणा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अब्दुल ण्कूर जिला शेक सायेदणीर राहेब, जण्यंच, पिलर, चीतूर जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री भूमीरेड्डी हारीनाथ रेड्डी पिता बीठ पापी रेड्डी ग्रांर अन्य, भूमीरेड्डी गारी पाले पीठ ग्रोठ पितर ताल्क, जिला चीतूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्स्ची

भ्मि, विस्तीर्ण 13 एकड़, पिलर विलेज, चीतूर जिला, सर्वे नं० 26, 28 ग्राँर 29, रजिस्ट्रीकृत दिलेख नं० 2002/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पिलर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

मोहर

प्रकृप बार्च. टी. एन. एस.----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

तिर्देण सं० आर० ए००सी० नं० 922/85—86—— अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस्की मं० भूमि है, जो सर्वे नं० 74/6, इस्ट मारेड-पल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), रिप्स्ट्रीयर्ता अधियारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रिपस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के क्षीन, 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिअनिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिसित्त को बास्तिक रूप से कार्यक को बास्तिक रूप से कार्यक नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तुरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के सावित्य में कबी करने वा उससे ब्यने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा औ लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात ध— 52—496 GI/85

(1) श्री ई० चीतरंजन पिता लेट डॉ० ई० एन० दास, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं अर्स वालमराइ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बाइ प्रेसीडेंट श्री एम० कोमरथ्या, 53, द्विपम्तिनगर, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की बर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो औ वर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति के पान किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त बृधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बहुती अर्थ होगा को उस अध्याय में दियः गत्रा है।

जन्स ची

विस्तीर्ण 3-34-गूंटास, सर्वे नं० 74/6, इस्ट मारेड-पल्ली, सिकंदरावाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1878/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

म्हण नाइ ॰ टी॰ एन॰ एस॰----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंग, हैदगवाद

हैदराबाद, दिनां ह 13 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० आः ए० मी० नं० 923/85--86---अतः, मुझे, एम० जगा मोहन,

नाथकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पक्चाल 'उक्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की घरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर का एग हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जि.की सं वस है, जी प्रत्मान्ट्टा, तैयावाद में स्थित है (स्रोर इससे उपावद तस्मूची में स्रोतपूर्ण एक के विष्त है), रिक्ट्रिज़ी अधिवारी के वार्यालय, चीन डपल्ली में भारतीय रिक्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा ता कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंड्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प स किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त विधि-नियम के अभीन कार दोने के अनारक के दायित्व में कामी कारने या उससे बकते में सुविधा के जिल् और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का जिल्हों शारतीय जा कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, दा अल्कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयापनार्थ अन्तर्शित्यम, अल्ला प्रकट नहीं किया बदा या किया, अल्ला चाहिए था. जिलाने में सृतिका के लिए;

*त अर्थ, इंदर्श श्राभानमम को धारा 269-ए के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी।, जिल्लिकित व्यक्तिमों, अर्थात (1) श्री राजा भदरी प्रशाद पिता लेट श्री भजरंग प्रशाद श्रीर अन्य, 2-1-438/ए, नल्लाकूटा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के प्रमीला पति श्री के रामुल् ग्रार अन्य, गल्लाकूंट्टा, दयानंदनगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपन में प्राध्यत का तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबारथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बर नं ० 2-1-438/ए, नत्नाजूंटा हैदराबाद, बिन्तीर्ण 707 चो० गन, पिन्युंकित बिलेख नं ० 980/85, पिनस्ट्री-कत्तो अधिकारी चीवकड्नस्ली। ।

> एम० जगनवोहन चादम प्रायचारी सहायाः आयन्त्रर आपुदाः (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदसबार

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1986

निद्रेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 924/85-86--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया ξ "), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िश्श्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि ग्रीर इमारत है, जो नियर वस स्टैन्ड, बाप्टला में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बाप्टला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय स्वाप्टला स्

नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6/85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० श्यामुबेल पिता विरय्या ग्रौर ग्रन्य, सीमेंटनगर (धोमें), धोने द्रोनाचलम तालूक, जिला करनुल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सब इनेनी सावित्री पति गाँधीप्रसाद, टीचर, डी० नं० 666/4, नियर बस स्टेंड, बाप्टला, जिला गुंटूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 666/4, नियर बस स्टेंड, बापट्ला गूटूर जिला, विस्तीर्ण 269 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1534/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी, बाप्टला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें धारा 269-व (1) के वधीन सूचना भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर गायुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निद्रेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 925/85-86--ग्रतः, मुक्षे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं अभूमि स्रौर इमारत है, जो गुडाला विलेज में स्थित है (स्रौर इससे उपावड स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विजयवााडा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 6/85

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बन्डार मूल्य, असके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरुष वं हुई किसीं बाय की बाबक, उक्क वृधिनिवस के वधीन कर दोने के कन्तरुक के कवित्य में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; वरि/मा
- (T) एसी किसी आब या किसी धन या जन्य अस्तियों को चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

भतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की ६ 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :---

(1) श्रीमती पी० पुष्पालिलावती पित भास्कर राव गुरु, कृष्णा लंका, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो टी० के० एस० मेथूमाधव शर्मा पिता टो० वी० पी० रामचन्द्राराव, मारूतोनगर, विजय-वाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकंप

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिल्ला का गर्ने का

ह्माडिकेट्र :---इममी अन्त नवर्षे और पदां का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाधित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा मया हैं।

प्रनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 449.1/9 चौ० गज., ग्रार० एस० नं० 386/2ए, गनादला विलेज, एम० नं० 4676 डी० नं० 11/421, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4383/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 13-2-1986

प्रसम् बाइं.टी. एन एस ----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यानय, सहासक जायकर बायुक्त (निरीक्रण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार०ए० सी० नं० 926/85-86--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो चंद्रमौलीपूरम, विजय-वाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 6/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिन्दास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्स्टू प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंधरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत निविचन के बंधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उसके दचने में शृतिका के सिहर; और/बा
- (क) एसि किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा बा बाहिए था, कियाने से कृषियों के लिए;

सतः शव, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-न से बन्द्रारण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) का .. निम्मसिक्ति व्यक्तियों, तथाँत ह—

(1) श्रो एम० ए० मनान पिता हाजी एम० ए० रहीम, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० स्रारुणा पिता मत्यनारायणा, तियर बेंझ की० विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों वर्षि पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा नया हैं।

क्ष्यची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 418 चौ० गज., चंद्रमौलीनगर नियर बेंझ को० विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4412/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जॅगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

मोहरः

ज्ञाच्य बा**इं**. टी. एत. **एस. - -** -

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याःयः, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 927/85-86--म्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर लिधिटियम, 1961 (.361 का 43) (जिस इसमें इसके प्रक्षात् 'उबत अधिनियमं ताहा गया हाँ), की धारा २69-च के अपीत अक्षय प्रभिक्षारी असं, यह विकास कारन का ठाक हो कि स्थावर सापिक, जिसका छीचत बाखार मृल्य 1.06,000/- रु. सं.अधिक हो

ग्रौर जिलको सं भूमि है, जो इतिकीपाडू विलेज, विजयवाडा में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजय है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 6/85

को प्वांश्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का फारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिशत में अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विचित्त में वास्तीवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे दक्ते में मृदिधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय लाय-जर अधिक्रियम 1929 (1922 का 11) या उपन अधिक्रियम प्रमानकर अधिक्रियम, 1547 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुदिया के लिए;

बत: ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती कोनेष पूरनाचंद्रम्मा पति वेंकटा कृष्णा राव कारवेल।मुडी स्ट्रीट, सूर्यरावपेट विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० पूरनाचंद्राराव पिता सत्यनारायणा, येडूपूगालूविलेज, जिला कृष्णा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जा के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र यें प्रकाशन की तारांख है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों हो से जिसी कात्रित हतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगे।

स्थार्खान्तरणः स्थान्य द्वार्याः अपितास्य प्राप्तः । प्राप्तः प्राप्तः । प्राप्तः । प्राप्तः विभिन्ने स्थान्य विभिन्ने स्थान्य । प्राप्तः । प्रापः ।

अनुसूची

विस्तीर्ण 0.70 1/4 एकड़, ग्रार० एस० नं० 181/7, ग्रौर 182/9, यनिकीपाडे विलेज, विजयवाडा तालूक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2643/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, विजयवाडा

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-2-1986

काषकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुबना

बार्ड सरकार

कार्यलय, यह यक झासकार कार्यक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए. सी० नं० 928/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर धिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसक्ता उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्राँर जिनकी मं० भूमि है, जो येनिकीपाडू विलेज, विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजय है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का-16) के ग्रिधीन 6/85

को प्योंकन सम्पत्ति के उचित बाजार अस्य से कम के उपयमान तिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति क्या उचित बाजार मुक्ब, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण किंगित में वास्तविक रूप से किथट नहीं किया गया है:—

- (क) अ-तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अभीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृतिधा की लिए: और/या
- (श) एसी किसी जाय या किसी वन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों बारतीय जाय-कार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) दा उत्तर अधिनियस, का धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकाट नहीं कि ला करा भा या किया जाना चर्णहुल था, स्थियाने वो पर्वेषका के किए।

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरस में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्र्व र्ततं देः पूरकाचद्रग्गा परिः ग्र्हः हम्णा रात्र, क्रोवेलामुडो, स्ट्रीट सुर्यारावमेट, विजय वाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० धन वेंक्टेंश्वर राव पिता सत्यनारायण, येडुपुगोलु, विजयवाडा तालुक । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हा वर्षा स्व है वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 चिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी ल्यक्ति ब्याराः
 - (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त संपन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिलित में किए जा सकोंगे।

वन्स्वी

विस्तीर्ण 0.71 1/4, एकड़ येनिकीबाडू विलेज, श्रार० एस० नं० 186/7 श्रौर 187/9, विजयवाडा तालूक 4 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3644/85, रिजस्ट्रीवर्ती ग्रिधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोह न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैराहाह

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अयिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 797/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं घर है, जो येलुरु ग्राग्रहारम स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, युलुरु में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8/85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा में लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमती मदुमबाइ वेंकतारा नरिशम्हा चारया पिता शेषाचारया, गाँधीनगरम, येलुरु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० विरा राजू पिता सीतारामध्या, पादमारा विधी, येलुरु, जिला वेस्टगोदावरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी गविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति डोर नं० 4-14-14, श्राग्रहारम. येलुरु, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3304/85, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी येलुरू।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंच, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधील सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निद्रेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 798/85-86--ग्रत:, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो गुंटूरवारी थोटा कोथापेट में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का एंस् दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-च की उप्धासर (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्थांत ध— 53—496GI/S5

- (1) श्री पी० श्रीनिवासा राव पिता श्रचुतराव 2. श्री पी० कृष्णामूर्ति (ग्रलीयास : रामकृष्णा) पिता ग्रचुतराव, रामचंद्रपुरा श्रग्रहारम, गुंटूर, (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती के० लक्ष्मी तुलसी पित वेंकट सूब्बा राव 2. श्रीमती के० सूरेश कुमार पिता वेंकट सूब्बाराव, कोथापेट, गुंटूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पटिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

घर नं० 13-4-19 गुंटूर वारी थोटा, तीसरी लेन कोथापेट, गुंटूर, विस्तीर्ण भूमि 149 चौ० गज, रिजिस्ट्री- कृत विलेख नं० 5871/85 रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, गुंटूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज; हैदराबाद

दिनांक: 4-2-1986

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ब्रार० ए० सी० नं० 799/85-86---- ब्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है जो स्रार० स्राग्रहारम, गुंटूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निकासित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती तुलसी ग्रारुणा पति रामचंन्द्र प्रभू, ग्रार० ग्राग्रहारम, गुंटूर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री डुंगरचंद पिता वंसागी
 - 2. श्री ग्रालोक कुमार पिता जसराजवंकाली
 - आर० आग्रहारम, गुंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

घर नया घर नं० 24-11-143 स्नार० स्नाग्रहारम, गुंटूर, विस्तीर्ण भूमि 293 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7658/85 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, गुंटूर ।

एम० जगन मोहन सक्ष**म प्रा**धिकारी महायक **प्रा**यकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें**ज**, हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1986

प्रारूप बाई .टी .एन .एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालयः. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांज 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर येसी न० 800/85-86 अतः मुझे, एम० जगन मोहभ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है जो इस्लाम पेट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णि। है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिनिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है ;—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँट/या
- (ख) एसी किसी काय या किसी बन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या राक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कं धारा 269-ग के अनुसरण भे, मे, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती यस० वेंकट सुब्बम्मापित लेट रंगाराव इस्लामपेट विजयवाडा-1,

(अन्तरक)

(2) श्रीमित पि० सीता महालक्ष्मी पित विरभद्राराव, कोथापेट विजयवाडा

(अन्तरिती)

की बृह सूचना बारी करके पृशीकत सम्पत्ति के वर्षण के जिल्ला कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई वाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस मुख्या के राज्यन में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी जन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए वा सकों।

स्वक्टीकरक्:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो टक्ट बीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में विश स्वा हूं ध

वन्स्यी

घर नं० 11-6-15, 16 इस्तान पेट, विजयवाडा विक्तीर्ण भूमि 86 चौ० गज०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंग 3923/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जनत मोहत स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर अधुन: (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-2-1986

मं हर:

प्रकार बाहें, टी. एन. एस.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सङ्घायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैद'राबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 801/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा बता हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी स5० घर है जो विद्याधरपुरम, विजयवाडा, में स्थित है (ग्राँर इसमे उपायद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विजयवाडा में रजास्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देष्ण्य से उक्ष्य अन्तरण जिसित में वास्विक रूप सं कांश्रत नहीं कि या गया है.

- (क) अन्तरक स हुए किसी बाय की बायल, उस्त मीश्रीवयक की अधीन कह दोने के अन्तरक की धावित्य को कवी कहन या उसस वस्तों के सुविधा के बिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी अन या किसी अस्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिकियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाला वारी ए वा, जिन्नारे से सुद्धा के सिए;

बत: बब्, उक्त अधिनयम को भारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजिबित ज्यक्तियों, अर्थात् ৮ - (1) श्रीमित टी० लक्ष्मी पति कन्नय्या, कोथापेट विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति पि० सीता महालक्ष्मी पित वेंक्टेस्वरेलू कोंडमरा जूवारी स्ट्रीट, विजयवाडा ।

(अन्तरितो)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्धन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा के अविदयों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त दिशासियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिश यस है।

अनुसूची

घर विद्याधरपूरम, विजयवाडा, विस्तीर्ण भूमि 347, चो० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3508/85, रजिस्ट्रोक्तां अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-2-1986

हरूप बार्ष हो . एष . एष .

बाधकर विधितियस, 196% (33)61 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 802/85-86--अत: मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० इमारत है जो ऊयूर जमीनदार के स्ट्रीट, गांधी नगर स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजीस्ट्री करण अधिमियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनां क जून 1985 का पूर्वों कत संपत्ति के जीवत बाबार मून्य से कम के अवकाश शतिफल के लिए बंतरित की वर्ड हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उनित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अर्थण के लिए तय पाया ग्री प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देह से उद्धत अन्तरण निम्नलिखत उद्देह से उद्धत अन्तरण निम्नलिखत उद्देह से उद्धत अन्तरण निम्नलिखत उद्देह से उद्धत अन्तरण

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आप की वाबत, उस्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कभी करणे वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय शायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मित ए०, रजेस्वरी पित साइ बाबू० दूर्गा पूरम विजयवाडा। 2. श्री मित सीयच धन लक्ष्मी पित विजयसारथी भवानीपूरम विजय वाडा। (अन्तरक)
- (2) श्री यस० दूर्गा प्रसाद पति पेरय्या और दो, मेन बाजार विजयवाडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारनेख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सक्ये।

स्पष्टीकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

श्रनुसूची

इमारत घर नं० 26-16-25, गांधीनगर विजयवाडा निस्तीर्ण भूमि 216 चौं० गर्ज०, र्जास्ट्रीकृत विलेख नं० 4226/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

वानोख: 29-1-1986

मोधुर :

प्रकार नार्षे, टर्स, एन, एस् , न न न न

बायकर जिथिनियम, 1961 (15% का 43) की बारा 269-म (1) के नभीत स्वता

भारत सहस्राह

धार्यानयः, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षम)

श्चर्णन रेंज--2, हैदरादाबाद हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 803/85-86--अत: मुझे एम० जगन मोहन

धायकर की धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० इमारत है जो नल्लापाडू विलेज, गूंटूर स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में भारतीय रजीस्ट्रीक्रण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाबार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कृप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आप की बाबत, उक्त का, जिन्ह भारतीय विकास अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, विकास के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जी० राम स्वामी पिता रामकोटी रेड्डी, कीष्णा नगर, गूटूर, 2 श्री जी० रामकोटी रेड्डी पिता रामस्वामी रेड्डी विजय नगर, कॉलनी, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० रामाराव पिता नरसीम्हा राव ग्राँर अन्य एक कृष्णा नगर, गूंटूर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एट्टेंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पारः लिखित में किए क सकेंगे।

स्वव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों को पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा में उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

इमारत नं० 41-10, प्रशापाङ्क, गूंट्य जिस्तीर्ण 302 चंक गज०, शौर 398 चंक गज, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 6017 और 6018/85-86 रजिस्ट्रीकर्गा अधिकारी गूंट्र

ाम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिना क:-6-2-1986 गोहर:- प्रस्त बार्ड ाटी. एन. एड :=====

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

STATE OF THE

कार्यां बर्ग, सहायक नायकर वागुक्त (रिनरीक्रण)

श्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं०804/85-86--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उच्छि वाद्यार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो विरावासरम भीभावरम तालुक जिला-वेस्ट गोदावरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विरावासपुरम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीक जून, 1985

को प्रशेष्ट संपत्ति के उपित वाचर मृत्य सं का के कावाय प्रतिपद्ध के निए अन्तर्भरत की भई है और मृत्रे वह विश्वाय करने का कारण है कि वणापूर्वीयत कामति का दिवस वाचार मृत्य उसके करवान प्रतिपद्ध से, एसे कावाय प्रतिपद्ध का स्टूड प्रतिपद्ध से विश्वा है और मंतरक (अन्तर्कों) नीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए सथ पाणा क्या शिवप्र विविध्य का विश्वास का विविद्ध से विश्व से स्वयं संतर्क विश्वास के विश्व स्वयं विविद्ध का विविद्ध से स्वयं विविद्ध का विविद्ध स्वयं विविद्ध का विविद्ध स्वयं है विविद्ध स्वयं स्वय

- (%) मन्तरण से हुई किवी बाय की वायतः, स्वस् समितियस के समीन कर दोने के ब्यन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में वृतिका से नित्तः सीर/वा
- को, जिन्ही सारतीय नाककर निविधन, 1922 (1922 का 11) वा उचत जीवनिधन, वा धनकर कों पनिकः 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्ति स्ती दवारा प्रकट नहीं किया गया या किया क्ष्मा वाहित का क्षियों के सुविधा ने सिक्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमित एम० रामकी ल्पम्मा पिता बी० तातय्या (ग्रलीयाम वेंकन्ना) (एडोपटेड फादर), विरावास-रम भीमावरम तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स श्री एम० रामकीणाकीम्मा एज्केशनल ट्रस्ट, विरावासरम, भीमावरम ताल्क, जिला-वेस्ट गोदावरी। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके व्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक क्रका हुँ।

जनद सन्तरि छे वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालीय अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर कृषका की समीत से 30 दिन की समीत, को शी क्यी वास में कमान्य होती हो, के शीवर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इड बुक्का के राज्यम में प्रकाशन की सारीय में 45 दिन के मीतर उनक स्थापर सम्प्रीत में हित-नव्य किसी बन्न व्यक्ति द्वारा, सक्त स्तालरी के नाम विधित में किए था सक्षेत्रे।

स्वाकित्यः -- इत्वे अनुक्त सव्योगिर पदां आ, को उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याद में दिका गया है।

मन्स्ची

एकर भूमि ए०सी० 33.36 सेंटस, विरावासरम, भीमा-वरम, तालूक जिला-वेस्ट गोदावरी रजिस्ट्रीकृन विलेख सं० 1259/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विरावासरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रें ज, हैटराबाद

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

आयक्तर अधियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूजना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 805/85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रवेर जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो दाल्टीयर वार्ड वैझाक में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबछ म्रनुसुची में म्रौर पूणरूप से विणत है), रिजस्ट्रीयर्जा म्रिधियारी वे वार्यालय, वैझाक में भार-तीय रिजस्ट्रीयर्ण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एमें द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है वार संतरिक (अंतरिकों) को संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्डिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आप की बाबत, लक्त अधिनियक के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तक बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आब का किसी भन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आध-कर उधिनियम, 10 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युक्थिय के किए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिलों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रमा गोगाल, 11-2-18, वाल्डरनेस ड्राइव, विशाखापटनम ।

(ऋन्तरक)

(2) 1. श्री एमन० श्रीवानी पति विजयकुमार श्रौर ग्रन्य, चार, घर नं० 9-19-11/12, सी०बी०एम०, कम्पाउण्ड, विशाखापटनाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (स) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में जितः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंगियत में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीण 600 चौ० गज, टीयस नं० 1207 वाल्टीयर वाड, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकत विलेख सं० 6737/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, वैझाक ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1986

प्रकप बार्च . ही . यून . वृत्त . ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 806/85-86--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,00€/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है जो स्रालीपुरन वार्ड वैझाक में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय वैझाक में भारतीय रजीस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक जुन 1985

श्री पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के स्वए

भे के अधीन के अधीन व्यक्तियम की धारा 269-ग के अनुसरणी में , गें , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---- 54--496/85

(1) श्री एम० कामेस्वर राव पिता गोपालन भूवाटे 49-26-10, स्रालीपुरम विशाखापष्टनम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा मती व्ही पद्मावती पति श्री व्हीयस यन मूर्ती 43-3-4/1, न्यू काननी, विशाखापटनम-

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब हुम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदौं का, को उपन निधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्य

घर नं० 49-26-10, ग्रालीपुरम वार्ड वैझाक विस्तीर्ण 200 चौ० गज०, रजीस्ट्रीकृत (विलेख नं० 6836/85-, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी वैझाक

एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 6-2-1986

प्रकम आर्ह्य. टी. एत. एस. -------

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन स्थन।

भारत चरकार

सार्याजय, त्रहायक वायकर वाय्क्त (निर्द्रीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 807/85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

श्रौर जिसकी मं० घर है जो डाबा गार्डनम, वैझाक में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वैझाक में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनाँक जून 1985

को पूर्वोक्च सम्बक्ति के उपित बाकार सूच्च से कम के दहसजान प्राप्तिक को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ए से द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए से अन्तरण के सिए तम बाया गया प्रतिक्षक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में नास्तिकिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उन्नसे ब्याने में सृविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किबी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, पिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या वा किया जाना चाहिए था, छिपानं ज्ञा सविभा के सिए:

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सबत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

ा थंट ज र वेंटट **घोट्य**ा पिता सं**जीव नायडू,** जर्मान अस्ताताबाल्डनाम न16,

(ग्रन्तरक)

(2) मारक राज्ञाने नेहम् श्रीर सरव्हीस वाड मीनेजीन पार्टनार, श्री डी० गोपाल कृष्णम राजू, 28 · 2~4. प्रकाशम पेट, विशाखापटनम, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के ल्या कार्यवाहियां अरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्तना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया अथोहस्ताक्षरी के पास निष्वित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर नं० 30-11-13 डाबा गार्डन विशा**खापटनम,** विस्तीर्ण 29-1 चौ० गज०, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 66/8 5/85, रजीस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी वैझाक

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी पहाबय स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 6-2 1986

प्रस्य बाह् टी ात. एस.

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बधीन स्वन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैइ सबाद

हैदराबाद दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आए० ए० सी० नं० 808/85-86----श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत है, जो महेस्टीयारी स्ट्रीट गांधी नगर में स्थित है (और इसं। ज्ञानद अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से बाणत है) रिजर्टी, बार्ती अधिकारी के नार्यालय विजय-वाड़ा में भारतीय रिस्ट्रीकरण अधि यम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख ून 1985

को पूर्वोकत संपन्ति के उचित बाजार यन्य हो कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुई किन्सं अव्या शाहर, उक्त अधिनियम को अधित तर एक । अन्य के दावित्व में कमी करने या उत्तसं बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नक्त नांधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकरा प्राची विद्या अधिन अधिन भी सुविधा के किए:

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री जी० नरेंन्द्र राघ पिता दृष्णा मूर्ती और ग्रन्थ दो। केश्वर श्राफ कल्याणा ट्रेडर्स ज्युट मरचंदस विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

 श्री ऊगमचंद भंडारी पिता निहाचंद भंडारो 21 थोलासींगम स्ट्रीट मद्रास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रेष ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्वन्धी स्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राध से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकी।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँड पूर्वों का, जो उक्त बायकर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया वसा है।

बन्स्ची

घर तं 26-21-20 मंजेटीवारी स्ट्रीट गावीनगरमः विभयवाड़ा विस्तीण 224 1/3 चौ० गज रजिस्ट्रींत विलेख मं 4259/85 रजिस्ट्रीकर्ता यधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज हैदराबाद

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 फदग्दरी 1986

निर्देश मं० श्रार० ए० सी० नं० 809/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है जो कोशापेट में स्थित है (और (और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्ण हम में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजिस्ट्रवरण श्रीधनियम 1903 (1908 का 16) के श्रीटीन विनाक जून 1985

को पूर्णिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्रं जी० मल्लेस्वर राव जिता अप्यालास्वामी ओर प्रत्य दो यादवी पुरम स्ट्रेंट कोथापेट विजयवाड़ा। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती जी० राजेस्वरी पति मधूसूदत राच औन्स एक कोथापेट वजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

घर नं० 9-2-19/1 परमु रामय्या स्ट्रीट कोथापेट विजयवाड़ा विस्तीर्ण 240 ची० गज रिजस्ट्री त विलेख नं० 4243/35 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख: 6-2-1986

प्रस्प ्र बाइ ् डी ् इन ्य प्रस् -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्थनः

बारत बुरकाइ

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी०नं० 810/85-86-- श्रतः मझे एम० जगन मोहन

आवकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० घर है जो बंगारय्याकोटा स्ट्रीट, कोथापेट में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूर्वी में ओर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ϵ जूर 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया निया प्रतिफल निम्निविद्य उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में सितिक कर से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निक्नितित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमर्तः एम० अनीकीली पति एम० श्रय्थायूराइ कोथापेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्री जी० प्रसाद राव और अन्य एक विता पेरय्या, कोथापेट, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाइए ह-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के गुजपत्र भें प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्था अन्य पदौ का अने वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिशा गया है।

श्रनुसुची

घर विस्तीर्ग 325 वीं गज, बंगा-स्था स्ट्रीट, ब्लाक 8, कोथापेट, बिजयबाइम, रिजर्स्ट, त विलेप नं 3786/85, रिजर्स्ट, बर्जी अधिकारी विशयघाडा।

(एम० जगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सायक आ ा पानन (निरक्षपा) अर्थन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंच, हैदराबाद

हैर जाद, दिला ह 6 फरवरी, 1986

निर्देश मं० चार० ए० सी० नं० 811/85-86→-म्रतः मुझे, एम० अगन पोहत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं इसारत है, जो न्यू कालानी में स्थित है (और इसने उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्री-वर्ती अधिकारों के कार्यालय श्रीकाकूलम में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख जून, 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती श्री० सुभद्रा पति साम्बन्ना, ङी० नं० 7-15-19. त्यू कालोनी (गाधीनगर), श्रीकाकृतम ।
 - (2) श्रीमती बंभवी एसन एसन स्वापति रामा नरमिम्हा राव, ताटीचेटवा पालम, वास्टीयर आर० एम० पोस्ट, विज्ञाक्षात्त्वम ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती टी० सुकत्या पति मीत् राव. 12-2-6/2, कुमारा कुंग्ला स्ट्रीट, श्रीकाकूलम, जिला श्राकाकुलम।

(शन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः----इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घः त० 7-15-19, 7-15-20 ऑस. 7-15-20-1 न्यू कालांना श्री बार्ज्यम, धिस्तीर्ग 426 चो० गज, रिस्ट्री इ.त. विलेख चं० 2025/85, पिस्ट्राकर्ता ग्रिधियार: श्री काकूलम।

> एन० अगन मोहन स्थाम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1986

प्ररूप गई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जर रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश मं० प्रार० ये० मं/० नं० 82/85--86--- अतः मझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00:000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव जुनी अभीत है जो कोरीटीपाडू में स्थित है (ब्रीट इससे उपावद्ध ब्रानुसूची में ब्रीट पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के आर्यालय गुटूर में मारतीय विजय जुनाई 1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परियमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री िक स्पार्यस्य चारीययुल्पित भावता चारीयुल् ओर श्रन्य, कोरीर्टभाडू यूट्र (श्रन्यरक)
- (2) श्री की श्रवाकृमार पिता मानेस्वर राव और श्रव्य तीन, माइनरस परमिडीयन और फादर श्री जी मानेस्वर राव कोरीटीपाडू, गुटूर।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन विस्तीर्ण भूमि एकर 0.50, सेंटम् कोरीटी पाडू गूट्र, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5581/85, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी गुट्र ।

> एम० जजगत मोहर्स सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांवः : ·6--2--1**9**86

मोहर 🖫

the state of the the commencement

भारकर समिन्शिक, 1961 (1961 वर्ष 43) की । १९ १८०३ । १. के अधीन मुखन

To the Conference of the Confe

शारत स्रकाव

काबाहर , क्यांक आयंकर कायुक्त (निरक्षिण)

ग्रहीं रेंग्र. हैरणबाद

हैदराबाद, दिनाश 6 फश्वरी 1986

निदेश गं० शाय० ये० भी० नं० 813-85-86---श्रतः मुझे, एम० जगत शोहल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विक्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव खुली जमीन है जो कीरीटीपालू स्थित है (और इससे उपावड अनुभूकी में और एणे करा ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती छितियारी के कार्याप्य गूंट्य में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

कार पूर्वा कर संपत्ति अवित वाकार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित वाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्निखिखत उद्देश्य से उन्त करारण लिखित के वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया की

- (क) बन्तरण स हुई किसो अध की बाबत, उक्त अधितयम अ अर्था कर वार के बन्ताक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियः कर्ते विजन्ते भारतीय जाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया स्था था था किया जाना परिकृष था, कियाने में एपिका के किया

प्रतः वश उक्त को धौरवस का धारा 269न के बन्सरण के को एका को परित्रक का परि 26% व का उपधारा (1) के कर्मात विकासिक व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) थें ि नर्यास्त चारीयुलू पिता भाषता चारीयुलू और शन्य गोरीटीपाडू, गूट्रा (अन्तरक)
- (2) की टील कीता राधवरुता पिना वेंग्टेस्वरलू, और अल्ड एक, बाकुमानुवारी थोटा, गूटूरा (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बुवन के सिद्द कार्थवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बास्रोय --

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की शामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त करिन एकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) हम सूचना के रायपण में प्रकाशन की सारीय से 45 किम के झीत्र क्यत स्थान्त सम्मत्ति में हितयहम् हैक्सी कृष्य महिन्द स्थान स्थाहस्तावाडी में पास जिसाद में किए वा सुक्ति ।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्श अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया मृशा हैं।

ग्रन्युची

वूली जमीन विस्तीर्ण भूमि एकर 0.25, सेंटम् गारलावारी पालेम, कोरीटी तडू, गृहूर, रजिस्ट्रीहित विलेख नं० 6940/ 85, वजीस्ट्रीहित श्रविकारी गृहूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

faits: 6-2-1986

प्रक्ष बाह'.टी.एन.एस. -----

जावभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेण सं० थारं० ये० सी० नं० 814/85--86---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० खूर्ल जमीन गोरलावरी पालेम, कोरीटीपाडू स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गृंटूर में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

की प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफ क के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ते यह विक्वास करने की कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफ स से एसे दश्यमान प्रतिफ स के क्लाइ प्रतिकति से अधिक है और अंतरक (बंदरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिष्ट तय पाया नया प्रतिफ स, मिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिष्ट तय पाया नया प्रतिफ स, मिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिष्ट तय पाया नया प्रतिफ स, मिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिष्ट तमें वास्तविक कम से कि सिष्ट तक्षीं किया नवा है क्ला

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाब की बाबब, अक्त अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तरक में दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: श्रीर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, ख्रियाने में सुविधा के निष्

ेअतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ का, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--55--496 GI/85

(1) श्री पि० तरगीएः चारीयृतू पिता भावता चारीयृतू और श्रम्य कोरीटीपाड्क, गृहूर।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमति व्ही विजया शीला टी० पति टी० घालेक्झंडर राजभूषतम और श्रन्थ, कीपापेट गूटूर। (श्रन्सर्पिती)

को यह तुषना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पण्डि के वर्षन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हत्ने, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जांहस्ताक्षरी के जास लिखित में किये का सकर्ने:

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्यम है अध्याप 2(1-क से विरिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिया स्या है।

ग्रन्ल्यी

खुर्ती जमीन विस्तीर्ण भूमि 1310 चाँ० गडाँ०. गोरलावारी पालेम, कोरोटीपाडू, गेंटूर, रजीस्ट्रीका विलेख नं० 6597/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुटूर।

> एपः जगः सोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंच, हैदाबाट

दिनांक :- •6 -2 •1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय . सहायक वायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० प्रार० ये० मी० नं० 815/85--86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एकर आँफ लँग्ड है जो दोरिक हिलेज कोऊह तालूक स्थित है (और इसरी उणाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण हम ने वर्णित है), रचीरही बाती हा कि को के कार्यालय कोऊह में भारतीय रजीरही करण हाधिनियम 1908, (1908 का 16) के झधीन दिनांक जूर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गड़ें हो और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एपे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिखत में बास्तविक रूप में किथत नहीं क्या गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयटिं कर अधिनियण. 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सविध- के लिए:

अतः अव, उक्त बाधिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण रो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन. जिम्बीलिखत र किएकी, अर्थात् क्ष्म- (1) श्री दें। नंद्या भाषा पिता भारतार र्थामा राजू युलुक, जीत्वा नेस्ट, मादोधरी,

(शहतरहा)

(2) १. माम्बर के. सिंह जाय चींदर, जाइनए)
2. सम्बर के. परेंद्रनाथ चींदरी (प्राइनए)
पिता थीं के. बेंदर याव, डीकिंक विलेश कोऊर तालूब, जीला वेस्ट मोदावरी।

(धनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरूक्षिशी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

एकर भ्मि विस्तीण, 13.46 सेंटम् (एकर 6.73 सेंटम्) आर० यस० नं० 618/०, होमेरु विलेख, नोऊस् तालुक जील बेस्ट, गोदावरी, रानीस्ट्रीं त विलेख नं० 1363 और 1364/85, रानीस्टीकर्ती अधिकारी नोऊष।

> एम० जगन मोहन स्थम प्राधिकारी महासक श्रायकर बायक्त (निरीक्षण) प्रांधित, हैदस्या

दिनांक: 10-2·1986

प्रकृष बाइ ं ु टी ु एवं ु एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन स्थना

भारत श्रद्धकाड

क्रायांतव, बहायक बायकर बायकत (विरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दितां रु 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० आग० ए० सी० नं० 316/85-86---अनः मुझे एम० यगा मोहन

बार्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट है जो आर्रावदाल्डर्शलव्विषेट में स्थित है (स्रौर इतमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इर्ता अधि गरी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1985

को पूर्वोकः संपत्ति के उचित बाजाः मृत्य मं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

हैं और मुझं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक इप से किथत नहीं किया पया हैं:—

- (क) बन्तरण स हुइं किसी बाम की बाबका, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दामित्य माँ कमी करने या उससे तचन मो सुविधा क्रांत्रिण, अंदर/या
- (७) इसी किसी बाध या किसी धन या बन्ध आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना. जाहिए था, जियाने में सुविधा खें। लाए;

कत. ६४, उक्त अधिनियम की धार 269-म के बम्बरण हो, मी. उक्त अधिनियम की भार 269-इ की उधार (1) के अधीन, निम्निसिस स्पिस्तियों, अधृति क्र--- 1. मेसर्स आविदा बिल्डर्स बाई मैनेजीग पार्टनर श्री पी० जनार्धन रावलव्बिपेट, विजयवाड़ा।

. (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० प्रमीला देवी पति साम्बशिव राव ए० फ्लेट आरविंदा बिल्डर्स, लब्बिपेट, विजयव।डा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेश्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (च) इस सूचना क राजयत्र में प्रकाशन की तारी । 4 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल चिक्ति में किए जा सकों।

स्वध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. नवा है।

अमुसूची

फ्लेट आविदाबिल्डर्स, लिब्बपेट विजयवाड़ा, विस्तीणं 750 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4230/85 रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम**ं जगन मोहन** प्रक्षम **प्राधिकारी** सहाय र आयुक्त (**निरीक्षण)** अर्जन रेंज**, हैदरा**बाद

तारीख: 10-2-1986

प्रका बाई.टी. एन : एस------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के वधील सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1986

तिर्देश मं० योप्र ए० मी० 817/85-86---अतः मुझे, ए ० जगम मोहा

अधिकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्था प्रकार प्रकार प्रकार अभिनियम' कहा गमा हैं), की भाव 269-व के अभीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्भौत, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीत जिल्ली गंड फलेट है. एकं आर्थिया विल्डमें तिब्बपेट, में नियत है (श्रीत इंटा उजावड़ अनुसूची में श्रीत पूर्ण म्य में वर्णि। है). विल्डी जो अधिकारी के अर्थालय विजयवाड़ा में भारतीय विल्डी जान अधिकारी के अर्थालय विजयवाड़ा के अर्थीन, नारीस जुन, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत्त क जिए अपित की गई है और मुके यह विश्वास करने का अपूरण ही कि यथ। पृयाकत संपत्ति का उचित जान हिन्द , पत्के द्रश्यमान प्रतिकल ग, द्रश्यमान प्रतिकल ग, द्रश्यमान प्रतिकल ग, द्रश्यमान प्रतिकल में अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रम प्रशिक्षण १३५७ (1957 का 27) शं क्योंक्रमधं अस्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना चाहिए श्रा, खिपाने में सुविधा के लिए:

बस. बच, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्दरण को, हो, उस्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) विधिनियम किम्मिन किम्

- मेसर्स अ।विदा विरुड्स, बाई मनेजीग पार्टन श्री पी० जनीधन राव, लब्बिपेट, विजयवाड़ा। (अन्तरक)
- 2. डा० वी० कृष्णा मुर्ती िका लक्ष्मीमारायणा, फ्लेट इन आरविंदा बिल्डर्स, लब्बिपेट, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पृष्ठित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी अबिंध बाद में समाप्त होती हो, के शीलर प्रविक्त व्यक्तियों में ते किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टार्ग्स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य म्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास निक्रित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स विधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट आर्रावद बिल्डर्म लब्बिपेट, विजयवाड़ा, विस्तीण 750 चो० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4233/85 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन ालम अधि तरी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख:10-2-1986

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.-----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन स्चना

ब्रास्त वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 818/85-80---अतः मुझे, एम० जगत मोहन

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्क विधिनियम' बद्धा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रीर जिल्ला सं० फ्लेट है, जो आर्गिया विरुद्धमं लब्बिकेट में स्थित है (स्रीप इत्तरे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है), एजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिक्स्ट्रीयकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के रहयमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिकृत से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से क्षिक है और अन्तरक अन्तरण के निष् तय बाया गया प्रतिकल, निय्निलिखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण कि चिष्क है से किया गया की स्वास्त्र कर से क्षिक की से विश्वास स्वास्त्र की स्वास्त्र कर से किया स्था है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सविधा के लिए; औह/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी वन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त किसीनवम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरक मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपधाना (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेर्सर्ग आरविंदा विल्डर्स, बाई मनेक्सिंग पार्टः रही पी० जर्नाधन राव, लब्बिपेट, विजयवाड़ा। (अन्तरका)
- श्रीभती जी० आनिता लक्ष्मी पिना वें उट कृष्णा राव, गूंटूर।

(अन्तरिती)

की बह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीक से 14 कि दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मण्ड की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी दर मुस्तिया वास में स्वाप्त होती हो, के भी दर मुस्तिया व्यक्तियों में से किसी का किस सुकारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की क्षारी में हिन्-45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्-बद्ध किसी मन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षण के वास निवित में किए आ स्कान

स्वक्टीकरण:----इसमें प्रमृत्यः शब्दा और पदौ ला, अने उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस उध्याय में 124 स्वा हैं।

अनुसूची

फ्लेट आरविंदा विल्डर्स, लिंब्बिपेट, विजयवाड़ा, विस्तर्ण 750 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4232/85 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एन० जगा मोत्। स्रभम अधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **ग्रजन रेंज, हैदराबाद**

तारीख: 10-2-1-86

प्रारूप आर्ड. ट्री. एन . एस . -----

बायकर श्रीपाध्यम, १५६१ (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक बायकर जाबुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद हैदरावाद, दिसांक 10 फरवरी 1986

िर्देश सं० अ.र० ए० सी० नं० 819/85-86--अनः

मुले एम० नगाः संहित श्रापका भागपित्रमाः 1961 1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियमं कहा गया हैं), की भार 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं ेट हमाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000'- रहे. से अधिक ही

शार जिस्ती कं परित है जो अधिका बिल्डर्स सन्विपेट में निया है (बार इस र प्राप्यक पहुसूची में और पूर्ण रूप से बॉगा है). रिविकी ली अधिकारी के स्वयंत्य विजयवाड़ा में जारतीय प्रिक्ट्रिंग्स्य अधिक्यम, 1908 (1908 का 10) क जबंदि, स्रिविड जून, 1985

के विकासित संस्थित के उपित नाजार मूल्य से कम के व्ययमध्य प्रात्ति सं के कि विश्वास प्रात्ति सं कि विश्वास करन का नात्ति है कि समान्य समित का उचित नाजार सुद्ध उम्मति का उचित नाजार सुद्ध उम्मति को अध्यान गात्ति सं स्वाप्ति के व्ययमान प्रतिफाल का प्रत्यक्ति सं अध्यान गात्ति है जी कि (अन्तरका) और अन्तरिक है जी कि विश्वास स्वाप्ति के जिल्ला का प्राप्ति के कि विश्वास प्राप्ति के कि विश्वास स्वाप्ति के कि विष्ठ के कि विश्वास स्वाप्ति के कि वि विष्ति के कि विष्ति के कि विष्ति के कि विष्ति के कि विष्ति के कि

- (क) अन्यारण म हुई किशी साम की बावता, उक्त का शंग्यम के अधीन कार दोने के बंतरक क बांबरव के कबी करने वा उक्तते कचने में सुनिधा को रात्ता, अन्य व.

ह : अब, जनत अधिनियम की भाष 269-ग के जनसरण के ही जनत विधिनियम की नाग 269-व की उपभाग (1) ो बधीन, निम्महिष्यित व्यक्तियों, वर्धात :— मेसर्स जार्रावदा बिल्डर्स वाई मनेजीग पार्टनर श्री पी० जनार्धन राव, लिब्बिपेट, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

 श्री ए० ज्ञष्या मोहप पिता वेटकटेस्वर राव, न्यू देहला।

(अन्त रिती)

का यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्ट सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहिया करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनीय वा द्रस्पन्यनथी व्यक्तियों पर मृजना की तामीन से 30 दिन की जनीय, जो भी अग्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्स व्यक्तिक्षों मों से किसी व्यक्ति इकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्मास में हितनपूष किसी जन्म व्यक्ति वृद्यारा, अभोहस्ताकारी के पास निस्ति में किस वा सकेंगे।

स्थव्यक्रिक्ट :-- इसमा प्रमुक्त कव्यों काँद पदों का, वा उक्त अधिनियम, को जध्याय 20-क मो परिभाषित हैं.. वहीं कर्ष कोगा को नस कथ्याय में दिया क्या हैं!

बन्स्ची

फ्लेट ारिविद लिव्विपेट, विजयवाड़ा, विस्तीण 750 चौ० फुट रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4296/85 रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1986

प्रकल . बाई . टी . एन . एस . ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्ट (विरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरधरी 1986

तिर्देण मं० धार० ए० मी० 820/85-86----श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त निधिनयम' कहा नया हैं), कौ धारा ∠69-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्सि, जिसका उच्छित नायक मृत्य 1.00,000/- का से नधिक है

और जिसकी सं ० फ्लेट हैं. जो मार्गड़ियार घपार्टमेंट्स, वसीरवाग, में स्थित है (और इसने जणावद अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्थालय चौक्कडपल्ली में भारतीय उजिस्ट्रीकरण श्विविध्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित राजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एडं है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यॉक्त संपित्ति का उचित राजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, मिम्बीसीचत उद्देश्य के उक्त बन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु-

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोने के श्रान्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में स्वीवधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए.

कतः चन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग से अनुसरक है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेचर्न पंछितीय बिल्डने, काई की रादा मुलातेन, 3-6-309. वसीरवाग, हैयराबाद।

(ध्रांकर पर

2. श्रीर्पाः सत्। अया पिता पीत जिल्लामा स्थाम है। पीत अगर, विकायराङ्गा।

(****(*********)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सक करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील थे 45 दिन की जनिए या तत्संबंधी व्यक्ति हैं। १९ सूचना की तामील में 30 दिन को अवधि, भे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो। है धीनार प्रवीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति रहा
- (क) इस सुचरा के राजपत्र मां प्रकाशन की हारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मां हित्सक्ष किसी जन्म क्येक्ति द्वारा अधेष्ठरूपकारी के एक तिसित मां किए भ मकार्थ।

. त्यव्यक्तिकरणः--इसमा । युवस शब्दों और पदों का, जा उक्त बीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिश्वित्य है, वहीं अर्थ कृष्या 'जां उस अवस्था के हाका सक्ष्य है

अनुसूची

फ्लेट नं० 4. प्रथम तल, यक्ताईलार्क धालार्टमेंटस, वसीर बाग, हैदराबाद, विफ्तीर्ण 1095 ची० फुट, विपर्दात व विलेख नं० 915/85. एजिस्ट्रीकार्टी प्रतिगरी चरीनकडणस्ट्रे,

> एप० समस में पूर सक्षम शासिकारी महायक आयकर भागुक्त (शिरीक्षण) शर्ली जेंग, हैद प्रवाद

नारीख: 7-2-1986

रक्षण आहे हो एवं एसं. -----

भारा 269-व (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

भाषां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरचरी 1986

निर्देश संव हारव एवं सीव नंव 821/85-86---श्रतः मुझे, एमव हारा मोहन,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास कर्गे का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्रे नियकी संव फ्लैंट है, जो वेक्टकीपा श्रपार्टमेंट्स, तोषवपूरा स स्थित है जिए इससे उपाबह श्रनुसूची में और पूर्ण करों। विताहित, विस्कृतिकी श्रविकारी के कार्यालय नीव्हड पर्व में जा विता स्विष्टृत्वरण श्रविविधम, 1908 (1903 है 13) के किस्ता करीब जुन, 1985

को प्योंबन सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करते का यादा है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्मये वृक्षमान प्रिक्ति से, ऐसे वृक्षमान प्रिक्ति का प्रमाह के विश्वास के विश्वस के विश्वस के विश्वस के विश्वस के विश्वस के विश्वस के विश

- (क) जन्तरण से हुई किती जाय की बाबस, डक्स अधिनियम के जधीन कर दोने वी जन्तरक में शीयत्व में कभी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में मिविधा की लिए; और/वा

ात: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— नेसर्व येन्के प्यामियट्स वाई पार्टनर श्रं एस० एन० कामथ, 1-2-24, दोमलगृडा, हैदरायाद।

(अन्तरका)

 श्रं। मीर शम्मुद्दीन सहमद खान, 16-6-71, उस्मान-पुरा, हैदराबाद-24।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्बक्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुवान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सूध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20- के में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अन्सूची

फ्लैट नं 201 वेंकटकीपा श्रपार्टमेंट्स, दोमलगूडा, हैदराबाट, विस्तीर्ण 960 चौं फुट विजिस्ट्रीकृत विलेख नं 964/85: रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारों चिक्कडपल्ली।

> एमं ज्यान मोहन सक्षम प्राधिकारी सहापक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुकेन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-2-1986

377

प्रक्ष्य बाई', टी. एव. एव.....

भावकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यास्थ, सहायक बावकर बावकर (विश्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 823/85-86→-श्रत: मुझं एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित् वाजार अक्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० दुलात है, जो सयुर काय्य्लेक्स, गनफाऊंड़ा, में स्थित है (और इसने उपावद्व धनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिष्ट्रिक्स धिकार्रा के वार्यालय हैदराबाद में रिजिंग्ट्रीयरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जून, 1985

को पर्वोबन सम्पत्ति के उचित बाहार मृत्य से कम के दश्रमाल हित्कल के लिए बन्हरित की गर्ड है बौर मृत्र टह विश्ववास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति को उचित वाद्यार कृत्य, उसके कथ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह बित्वास से बिधक है बौर बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया च्या बितिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि कि

- वित्री क्रम्बरण में हुए किसी बाब की कालत वक्त वर्षणीवक्य पर प्रभीन कर को से कान्यक व्य वापित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बांदु/का
- ि ऐसी दिसी हाल वह किसी धन या अन्य अस्तियाँ तहें, चिन्हें भारतीय शाद-कर कीर्याण्यक, 1022 हा 922 का 11) वा उक्त अधिनियम, का जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया हवा या वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

तक तक एक्स क्रिकिटिक की धारा 269 न के अवस्था के प्रकल लोधील्यात की धारा 269 म की व्याधारा (1)

56-496 GI/85

- ा मेसर्स भयूर काम्प्लेक्स वाई श्री श्रार० रामदेव राव 3-2-616/1/ए वंजात हीलस, हैदरावाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एसः वसंता पति रामकृष्णा रेड्डो 6-99, मलकाजर्गारी, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुखना बारी करके पूर्वोक्त तन्त्रतित के वर्षन के "सम् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मिति के वर्षत के नम्बन्ध में खेड' भी लाहोंग :--

- (क) इस सुमना के राज्यत् में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिस की जयिश वा तत्सम्बन्धी न्यभिष्यों पर सुमना की सामील से 30 दिन की अयोध, जो भी अविध बाद में राज्या होती हो, के नीतर प्रांचल स्वित्रारों में से किसी व्यक्ति स्वास;
- (का) इस स्थान के समयत में प्रकाशन की शारील सं 45 डिन के शंक्षण उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी बन्ध व्याप्तित स्थान अवाहक्ताकारी के लख लिखित में किए जा सकरेंगे।

रूप्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रन्सूची

दुकान नं ॰ डी/12, 13 मयुर काम्प्लेक्स, गनफाऊंड्री, हैदराबाद विस्तीर्ण 434 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रीहत विलेख नं ॰ 3825/85, रिजस्ट्रीकर्ती स्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

बायकर का कामना । 1961 (1961 का 43) की जार 129 के 111 है स्टीप मुख्या

भारत रूप्य ।

कार्यमय सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्थन रेंच, हैरनावाद

ਫ਼ੈਟਰਾਵਰ, ਜਿਹਿਆਂ ਨੂੰ **ਸ਼**ਹਰ 1988

विदेश कोड कार्याड एउ की 3 82 **3/85-86**---कार्य **मुझे,** एकड लगा भराव

बायकर अधिनिया : (195) (196) का (3) शिवसे इसमें इसमें इसके प्रभात उसके अधिनियम कहा एया हैं), की भारा 269-स के अधिन एक प्रशास करने का कारण हैं कि एएक अधिन अधिक हैं कि एएक उर्जाल किया है कि एएक से अधिक हैं

और जिपके एक दूनके हैं है पासूर राष्ट्रवेस्स सम्प्राइंड्रिं, में मिन्ह हैं (चीट इसी प्रावा प्राप्तिकों में और एपें इस है पर्णित है), प्रिट्टी भी परिवासी के कार्यक्रिय हैंदनहास में भारतीय प्रिट्टीय न प्रतिस्थित 1908 (1903 का 16) के सबीय पर्णित पूर्व 1935

हा वृज्ञीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार श्रुत्य सं कम के इश्यमान प्रतिकान के पान करिया है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्या, एक्ट क्यान प्रतिकाल मं, प्रामे स्थ्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवास में अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एरें अन्तरण के लिए सम वामा प्राम प्रतिकाल, निम्निजिस्त अध्यक्ष स उक्त बन्तरण निश्चित में बामाधिक क्या में शिशत नहीं किया गया है .——

- (क) नत्तरण लंहाक्षं किर्मा काय को बाग्स, उपस विधि-दिसम को उपभीन कार होने को अस्पन्य को बाणित्य को नमी कालाई का पानम समारों यो महिल्ला को निस्ता, तो हा।
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-नार अधिनियम, 1961 (1861 कि 18 43) या नक्त अधिनियम, या रक्षण अधिनियम, या रक्षण अधिनियम, 1057 (1957 का रह) अधिनाम, 1057 (1957 का रह) अधिनाम, विद्या प्रकट नहीं किया लगा ला, या किया असा पाहिए था, किया के किया
- े जन शीधीन्यम की धाम 269-व **सं सन्सरण** में, इ. उपन कोणीनमा की धाम 269-प की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्व भागुर काळलेक्स वार्ड श्री झार० रामदेव राच ६-2-616/1/ए बंशारा हाल्स, हैदराबाद । (अनारक)
- श्री पी० धीरेंदर रेड्डी 3-6-96/1 हीमागतनगर हैश्सवाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए मार्जनगढ़ियाँ भाराको मुंगि।

इक्त सम्पर्तिः के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस भूचन। के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीब धें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाधि बाद में समाप्त हातां हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक के प्रकाशन की तर्रीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति इवारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्होकरण -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

दुकार नं० 28 सयुर काल्प्लेक्स, गनफाऊंड्री हैदराबाद किस्तीर्ण 254 ची० फुट किस्ट्रीकि विलेख नं० 3640/85 राजिस्ट्रीकर्ता काधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षय पाधकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (िरीक्षण) सर्जे केंद्र, हैदराबाद

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बाधकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा े269-छ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1936

निर्देश सं० धार० ए० सी० 825/85-86---ध्रतः मुझे. एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने ना करण हैं कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है, जो गा रोक एत्स्लेव को-पाए-रेटिव हा सिंग गोसालर्ट थोतरा विलेज में स्थित है (और इसने उपायद्ध पानुसूर्य में और पूर्ण रूप ने विगत है), रिजर्ट्र मर्ता अधिवार्य के बार्यालय मारेड्यल्ली में भारतीय रिजर्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख जून, 1935

को प्वोक्त संस्पत्ति के उचित वाजार मृत्य ए कह की द्यममान मिफल के लिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूख, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का अदह प्रतिचत से विधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिकी (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाआ भया अविकास, निम्मिविद्या उस्तरियों से उपन अन्तरण किवित के काराविक का से किवत नहीं किया पता है

- (क) अन्तरण से हुई फिली बाय की बावक उनत नीथ-जियम के अभीच कर दोने के बन्तरक के दायिस्य के ककी कहने या उपने बचने ये सुविधा के लिए: और /थ।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना चाहिए था. जिया में सविधा के लिए;

का नव, उपत विधिनयम की थारा 269-म के बन्यास मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारत (०) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकार्णे अर्थात् क्र 1. डा० (श्रीनती) रियमता श्रीनस, 101, श्रीतीयण, हैदराबाद ।

and the state of t

(धर प्रा)

2. श्री ए २० ए २० कार, 18:, वेस्ट मारेड (स्ली), सिर्वेदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्ष्यवाहियों करका है।

• **रक्त सम्पत्ति के जर्जन के स**म्बन्ध में कीएँ भी बाध्नेय

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्द्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिवत में किए जा सक्ती।

स्पष्टिक रण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पढ़ों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं क्यों होता. को उस प्रश्याय में विका स्था ::

अन्स्ची

प्लाट भूमि विस्तीर्ण 517 बीठ पर प्लाट नंठ 79, थोकाटा विलेज, तिर्हेदराबाद, कंन्टोटमेंट जिस्ट्रीकृत दिलेख नंठ 2001/85, रिक्स्ट्रीकर्सी अधिकारी मारेडलली ।

> एम० जगः मोहरा सक्षम प्राप्तिकार्य सहायक श्रायकर प्रायुक्त (िर्दक्षिण) धर्जन रेंग, ीदराबाध

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप वाह". तो एम एख......

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ए (1) के अधीन सवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्राए० ए० नी० 826/85-86--- श्रतः मुझे, एम० जगा मोहत.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से आधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट है, जो मातश्री भारार्टमेंट्स, हैशल्डा में स्थित है (और इसने अनत्त जनुूची में और पूर्ण €प रे विणा है), रिवस्ट्रेकर्ता यविकारी के नायोंका विकाद स्ली: में भारतीय शिवस्ट्रीकाण अविधियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तार्रहर ातूर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित का गई है और अझे यह विस्तास करों का कारण है कि क्षित्रांत उम्मीय का उचित वाजार मुल्य, उसके क्रमभान प्रविधन न, एंडे द्रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितिको) के काच नृष्ट का ए ए ए ए अपना समा विकास, निम्नसिक्षित उद्देश्य सं उदत अन्तर्य गिल्लिक के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण ए हुए "कसी कार का बाबन, उसर अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दाबिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में निय, बीद/वा
- (क) ऐसी किसी अाय था किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वर एक अधिनयम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहि। या, अवत्य पा सुविधा ने विए:

बत: बद, उदत विधिनिधम, की धारा 269-ध के बन्धरण बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपभावा (1) 🛋 प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🦫 🗝

1. मेसर्स भातुर्था इंं निसर्स और बिल्डर्न, (प्राट) लि० 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद-1 ।

(अस्त (का)

2 तीं १ एच० ऊषा रानी, 9-29-20, सी० बी० एन० नामनाऊंड, श्रीपूरम कालोनी, दैझाग-३।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

भवत स्वतानि स्थानम्। सा त्यामा र । ता यो सामा

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील स 45 दिन की स्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को श्वीध जो भी अविधि वाथ मा नमारन हा है। है के कानर उद्योक्त
- < **व) इस सूचना** के राजपत्र मा अवाहान की तारीस स 45 दिन भ भीता एक्त स्थावन सम्मादन में इहतनहरू किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के एक तिमित = । सर्था सा गारीन

स्वयोजरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उद्ध मिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उरु उध्याय में दिया नया है।

भ्रनुसूची

फ्लेट नं ० 605, मातृश्री धापार्टमें द्रा हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तार्ग 985 चौ० फुट रजिस्ट्री 🕏 िलेख नं० 954/85, रिजस्दीकर्ता घविकारी चिक्कड्पल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षः प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

ग्रह्म जाहें हो एन जन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 827/85-86--श्रतः मुर्झे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उन्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जोर जिसकी सं० फलेट है, जो महानानियेट, घार्ड, बुधवारपू, गार्डन में रियत है (और डमसे उपाबद्ध अनुसूर्वत में और पूर्ण का ने विभान है), पित्र्यं पानी प्रश्निकारी के वार्यालय देशाम में आर्याण प्रीविद्ध एक प्रविद्धिम, 1908 (1903 का 16) के अवीत, पारीक चुलाई, 1935

का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार अन्य, अस्त्रे दश्यमान श्रीतफर से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म कन, निम्नलिक्ति उद्धारेश से उक्त बन्तरण निक्ति में वास्त्रिक क्ष्म से अधिक गर्मी किला गया हैं हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिनश्य में कसी करन या उसके स्वाह्म के क्ष्मिक क्षी अध्यासिक

बतः व ब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की वनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की वधीन निम्मिनिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् :---

 मेसर्स पेरानाऊन्ट कुन्स्ट्रक्यन्स बाई मनेजींगपार्टनर श्रीमती बीव लक्ष्मी, जीव पीव एव, श्री बीव प्रभात कुमार कान्ट्रक्टर, दासपल्ला हिल्स, विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० एच० शिवा सृत्रमन्यगुप्ता पिता लेट सी० एच० चेलमच्या, स्टील टाऊन शीप, विशाखापटनम ।

का यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कामवाहियां करता हों!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपण में प्रकाशन की तारीध वं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों वर सचना की मामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

चक्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विधा गया हैं।

मन्स्यी

पलेट नं० डी० 16-1-16/एफ०2, माहाराणीपेण, वार्ड ब्लाक नं० 7, विशाखापटनम, विस्तीर्ण 900 ची० फुट, रिजिस्ट्रीकत विलेख नं० 7569/35, रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी वैसाक।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

वारीख: 6-2-1986

मोह्रर:

प्रकप बाई. टी. एन. एस. - - - ---

बायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद्य 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानम, सहायक नायकर नाम्बत (निरीक्षण)

श्रतंन रेंन, हैदराबाद

हैइराबाद, दिनांक 7 फरचरी 1986

निर्देश सं० प्रार० ए० वी० 828/35-86 मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बो : निवर्ता संबद्धान है, जो रानी तंत्र सिहंदरावाद में स्थित है (और इसने उराबद्ध जनुमूर्नी में और पूर्ण कर ने विगत है), रितर्फ्ट्रां अधिकारी के नायीता हैद तबाद में भारतीय रितर्फ्ट्रां अधिकारी के नायीता हैद तबाद में भारतीय रितर्फ्ट्रां अधिकार, 1903 (1908 का 16) के अधीत, तारीख जून, 1935

को पृथोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्ष के बास्तिक रूप से कांचित कहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुए विश्वी आय की वायता, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आफ़/या
- (च) एसी किसी आय था किसी पन वा बन्ब जास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिएड

जतः सम, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसर्ख में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) से अधीत के निम्निस्तित व्यक्तियों अभारा छ--- मेसर्व बाब्युनान विल्डर्त, 5-4-36 से 92, रानी गंज, सिकंदराबाद ।

(ध्रनारक)

2. श्रीमती पी० बी० गोविद्यमा पति पी० बी० चारी, 18-3-14, छत्रीताका, हैदराबाद ।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके भूवेंक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियों शुरु करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशाए:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुस्ची

दुशान नं० 42, ग्राऊंड फ्लोर, 5-4-86 से 92, रानी-गंज, सिकंदराबाद, दिस्तीर्ण 293 चौ० फुट, रजिस्ट्रीशित विलेख नं० 3642/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी महाधक श्राधकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, दैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

मोहर: 🖁

बरूप बाइं. टी. एन. एत.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) जो अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर जायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 829/85-86--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पजैट नं० है, जो स्वायलार्क स्रपार्टमेंट्स कसीरबाग में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड स्नुसुची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्य क्ली स्थित है। रिजर्टी क्ली स्थित है। रिजर्टी क्ली स्थित स्थि

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीत कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा क लिए; बीर/यक
- विश् एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आसिकों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाथ जन्तरिर्ता इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूरारण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखतः व्यक्तयों, अर्थात् :— मेंसस प्रोग्नेसिव बिल्डर्स, बाई श्री कादर सुलतान,
 3-6-309, बसीरवाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती चीतानलीनी पित सी० बी० कृष्णा फ्लैट नं० 42-बी०, स्काय लार्क ग्रपार्टमेंट्स, बसीरबाग, हैटराबाट।

(म्रन्तिरती)

की 'यह सुचना' जारी करकी 'पूर्वोक्त' सम्पत्ति के अर्जन' के तिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तिक्षें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों मा सं किसी व्यक्ति दुवररा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 के के पारक्ष के व हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम्सूची '

पलैट नं० 42-बी, स्कायलार्क ग्रपार्टमेंट्स, बसीर बाग हैदराबाद, विस्तीर्ण 1635 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 818/85, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिवारी चीवव उपली।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1988

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कर्यांचय, सहायक कायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 831/85-86--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट है, तथा जो मातृश्री ग्रपार्टमेंट्स, हैदरगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड ग्रनुसृची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीन्ती श्रीधनारी के वायिलयं, चिक्व डपल्ली में भारतीय रिनस्ट्रीन रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 6/1985

का पुर्वे कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के दिया करतीया को गई है और मझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रशिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीट एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिम्मोर्जिवन उद्देश्य में उन्तर अन्तरण निवित के अस्तरण के स्मार्थ किया गया है:---

- (क) अल्डम में हुई जिस्सी बाद को बाबल, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्भ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

कतः नव, उक्त किंपिनियम की धारा 269-म को अनुसरक को, भी, उक्त किंपिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेर्स मातृश्रो इंजीनियर्स ग्रौर बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाट-1।

(प्रन्तरक)

2. श्री बी शंघर राव पलैंट नं० 704, ए० टाल •लाक, मातृश्री श्रपाटमेंट्स, हैदरगृक्षा, हैटराबाद। (श्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करकं प्रॉक्त सम्पत्ति को वर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हो।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की क्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 705-ए, मातृश्री ग्रपार्टमेंट्स हैटरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 985 चौ० फुट, रिष्ट्रिकृत विलेख नं० 831/85, रिजिस्ट्रोकती ग्रिधिकारो, चिक्कडपरली।

> एम० जगन मोहन क्ष्मम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

मोहरः

प्रकम बाद्द , टाँ , एव , एव , ॥ - - ----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 832/85-86-ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्री. जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो राजेश्री श्रपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेडपर्ल, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के बार्यालय, मारेडपर्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) वे श्रधीन, तारीख 6/1985

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उत्वित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से काथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावता, उक्त अधिरियम के आहि कर दोने के अन्तरक के दार्थिक में कमी करने या उससे बचने में जनिका के लिए गरिया
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

 मेसर्स गीतांजिल कन्स्ट्रक्शन्स, 225/ए, वेस्ट मारेड-पल्ली, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतो पि० सरोजिनी , फ्लैंट नं० 6, राजेश्री ग्रपार्टमेंट्स, 225/ए, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदरा-

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के दर्बन के जिए कार्ववाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना छे राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनाए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन क्व्य किसी बन्य व्यक्ति द्वास मधोहरताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्कटीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पलैंट नं० 6, राजश्री ग्रपार्टमेंट्स, 4 वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1350 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1385/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 57—496 GI/85

तारीख: 7-2-1986

मोहर 🙎

प्रक्ष बाई .ठी . एन . शस . -----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निटेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 833/85-86-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्की सं० पलैट है, तथा जो मातृश्री श्रपार्टमेंट्स, हैदरगुड़ा में स्थित है (और इससे उाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चिक्क डपल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्र के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को. जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिमित स्वक्तियों, वर्षीय क्

- 1. मेसर्स मानृश्री इंजीनियर्स भीर बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद-1। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० विवेदानंदा राव, बी-3/22, सेंचुरी रेयोन्स कालोनी, शाहाब पोस्ट प्राफिस, थाना जिला-421103।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाद्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सपी

फ्लैंट नं० ए-504, मातृश्री श्रपार्टमेंट्स **हैदरगुडा**, हैदराबाद, विस्तीर्ण 915 चौ० फुट, रजिस्ट्रीक्त विलेख नं० 923/85, रजिस्ट्रीयर्ता श्रधियारी चिक्वडपल्ली।

> एम० जगन मोहन स्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्रक्ष बाह् टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के विधीन सुमना

गाउँ स्टब्स

कार्यासय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० आर० ये० सी० : ० 834/85-86--अत: मझे, एम० जगन मोहनन

सम्बक्तः विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो मेहरा टावर्स, अशोक नगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क्षे लिए; बार/या
- (थ) एसे किसी बाय या किसी धन था बन्य ब्रास्तियों को, विन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स मेहता टावर्स, बाई श्री महेन्द्रा मेहता, 2-4-65; एम० जी० रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बी० शरद चंद्रमोहन पिता वी० सूब्बा राव, 405, मेहला टावर्स, अशोक नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की वर्वाध या तत्सवंधीः व्यक्तियों पर स्वनाः की तामीक से 30 दिन की वर्वाध, जो भी वर्षाध वाक में स्वाध होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय काला;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्की

फ्लैंट नं० 405, मेहता टावर्स अशोक नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1174, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 914/ 8कृ5, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्वडपत्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि हारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

दिनांक: 7-2-1986

प्रकथ नाहाँ.टी.एन.एस.,---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 835/85-86--अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट, जो राजेश्री अपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कि भित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स गीतांजलि कन्स्ट्रकशन्स, 225/ए, वेस्ट मारेड-पल्ली, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

अभिती आर० चंद्रिका ,फ्लैट नं० 2, राजेश्री अपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी बाक्रोप ह---

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लैट नं० 2, राजश्री अपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद विस्तीर्ण 886.75 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1833/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकाी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एव, एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुमना

भारत ब्रक्स

कार्गात्तव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/301/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार मृत्य अ,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो प्रोग्नेसिव विल्डर्स, वसीरबाग में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से वृणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, अर्जन रेज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1/1985

को गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराभ (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेप्सर्स प्रोग्नेसिव बिल्डर्स, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री यस० पी० राव पिता सुर्यनारायण, $1-2-41\ 2\ /$ 6/2, वाल्मीकीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 64, प्रोग्नेसिव बिल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1384 चौं० फट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1024/ 85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आइ० ए०सी० अविव० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/302/85-86---अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो लेक ग्राँर राक इंडिया प्रा० लि०, सोमाजीगूडा में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में ग्राँए पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, अर्जन रेज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के । लए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया बाना बाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए?

बतः कव, उक्त कथिनियम की धारा 269-ग के बन्स्रण मो, मो, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (६) के गथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह ं--- 1 मेमर्स लेह और रॉह इंडिया प्रा० लि०, 6-3-1099/ 1100, सोमाजीगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक) 2. श्री शौकत राजा पिता लेट अहमद हुसैन, 16-8-75, चंचलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ंडने सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप ह—्

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम् के जध्याय 20-क में परिभाषितः ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 10, मेसर्म ले π और रॉक इंडिया प्रा० लि०, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 283, चाँ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 1034/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हेदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रारूप आईं.टी एन एस .-----

----- अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश मं० आई० ए०सी०/एक्विंग्/37-ईई/303/

85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बाबकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसवे इसके) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का करण हैं कि स्थावर संपीत्त. विस्ता उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पालिंग प्लेस है, जो बाबूखान कन्स्ट्रकशन्स बसीरबाग में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ग का । ब्रॉगा है). रिजिस्ट्री क्रिकारी के कार्यालय, आए० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्री करंग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अगो।, रिजेब $2\sqrt{1985}$

को वृषोंक्स सम्बद्धित के उपित बाजार मृत्य से कव के अवधान प्रतिस्तन के निए अन्तरित की गई है और मृत्रे, यह विश्वाध करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्बद्धित का उपित्र बाजाए वृष्य, उसके ध्रवमान प्रतिकल से, एसे ध्रवमान प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल के प्रतिकल से प्रतिकल के प्रतिकल के प्रतिकल से विश्व में अन्तरण के लिए तम वामा नमा विकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त म्तरण निस्ति में वास्तिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त म्तरण निस्तित में वास्तिकल हुव से कथित नहीं किया गया है राप्त

- (क) अन्तरण स हुई किसी आग्र की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक औ बारियल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिस; कोड़/बा
- (स) देती किसी बास वा किसी वन वा बन्य वाहितकों नवे, विन्हें भारतीय बाय-कर बीधनिवस, 1922 को ११ को ११ के एक्स अधिनिवस, या धन-कर बीधनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया हटा था या किया जाना चाहिए था, कियाने वे वृत्तिका के विवस

बन अपनियम की धारा 269-व के बन्बरब में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्निबित व्यक्तियों, वर्षात् मे तर्स बाब्खान कन्स्ट्रक्शनस, 5-9-5 5/1/1 वसीरवाग, हैदराबाद।

(अन्तरक

2. मेसर्स अटंटल सेल्स कार्पोरेशन बाई श्री श्यामसुन्दर अटंटल, 3-6-504/v/1, हीमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृष्टि के अर्थन के टिन्ड्

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध वें कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस ब्याग के स्वयंत्र में प्रकारण की ताड़ीय ही 45 जिन की समीत ना उत्तरम्मणी म्युनियमों एड ब्याग की तामीन से 30 दिन की स्विध, जो भी स्विध वाद में बनाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्युनियमों में वे किसी म्युनिय सुवाराः
- (क) इस क्षमा के शावपन में प्रकारण की वारीय से 45 किन के और उपन स्थापर स्थापित में विश्वप्रकृत विश्वी कृत न्यतित द्वारा वभोड्स्टाक्षड़ी से वास विश्वित में किए वा स्कृति !

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रवृत्त कच्छों और पदों का, जो उक्क जिथिनवस, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं वर्ष होता, जो उस अभ्याय में विका पका हैं।

अम्स्ची

पाकिंग प्लेस नं० 80-5ा, बाबुखान कन्स्ट्रेक्शन्स, बसीर-याग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 120 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1035/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अविव० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

भ्रास्त्र काह[®]् टी. एन. एस. - - -

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-ध (1) के कभीन सचना

गार्थ सरकाह

कार्यानय, सहायक वायकर बाय्क्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलांग 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्विन०/37-ईई/304/ 85-86--अतः मुझे, एम० ज्यास मोहस,

बायकर क्रिपिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से विधिक हैं

स्रोर जित्तकी पं० भ्मि है तथा जो बेगमपेट में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबढ़ अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्री जो अधिकारी के आर्यालय, निरीक्षीय महायक आयकर आयुक्त आर्यालय में अर्जा केंड, हैंदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोजित सम्पर्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एोसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप चे किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्सरण से हुई किसी अंध की बाबत, उक्स बिधितयम के अधीन कर बोने के सन्तरक बी बाबित में कड़ी करने या उससे बचन में सुविधा के जिल्हा और/जा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त बाधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निआक्रीलेखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्री जहीहहीन खान ग्रोर अन्य, 22-2-230; शाहागंज, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मेशमं मोगन विल्डमं ग्रांग, प्लानमं वाई श्री नसीर-दीन बाबुखान, 5-9-58/1-15, बसीरवाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिए कार्यवाहियां करता हूं

अनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेष हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिग्त गया है।

ननसची

भूमि पर्वे नं० 194/11, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 753 चो० फु $_{\rm F}$, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1036/85, रिजस्ट्रीकिर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

्षमः जगत मोहत ्श्वम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1986

प्रकार आहं. टी. एन. एस.-----

बायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/305/ 85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो बाबुखान कन्स्ट्रक्यान्स, बसीरबाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्विं०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

की पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसाब प्रतिफल के लिए **अ**न्तरित की गइँ और विश्वास करन का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और क्न्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एखें वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देश्य हे उक्स बन्दरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के रूधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/गा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की. जिन्हों भारतीय जाय-कर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मिन्यम या धन-कर जिभिनियम, 1957 (19 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट प्रभि किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा की लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनिगम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय निरामित व्यक्तियों, अर्थात:—— 58—496 GI/85 1. मेससं बाबुखाम कन्स्ट्रवशन्स, 5-9-55/1/15, वसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नुसरात बान् पति हाफिजुदीन शेक इमाम, 8-2-624/ए०/बि०/1, रोड नं० 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्यन के सम्बन्ध में केहर भी वाकोप 🖙

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिनेख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नया है।

ग्रनुषुची

कार्यालय का परिसर नं० 129 से 132 बाबुबुखान कन्स्ट्रवशन्स, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1431 चौ० कुई, क्षिन्ट्रीकृतियो के 1037/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन यक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रका बाइ'.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुबना

गाउन स्टब्स

कार्यां तथ, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्विव०/37-ईई/306/ 85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसवे इसके पश्चात् 'उक्त संधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्तम प्राधिकारों को वह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका जीवत बाबार मुख्य 1,00,000 - रा. पे अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो फराह इस्टेंट, मसुरा बाद विलेज, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, अर्जन रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुथ, उसके खबमान प्रतिफल सें, एसे खबमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रति-क्या विश्वासित उद्वोच के उक्त बन्तरण विधित में बास्तविक क्य से का किस कहीं खिला क्या हैंड---

- (क) अन्तरण से बुड़ी किसी आव का बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के जन्तरक के ताकित्व में कभी करने वा उक्तवे वचने में सुविधा के सिए; व्यक्ति/का
- को प्रेक्त कियो जाव वा किसी पर वा वन्य वास्तियों को विन्हें बारतीय वाच-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह---

1. मै० फराह इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रहीमुनिसा बेगम पति रसुल खान, नं० 144, बी-क्लास, न्य मलकपेट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तक्वित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है-

- (क) इस स्था के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों धर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी व्यक्तियों से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति स्वार:
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाषन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्चारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए वा सकेंगे।

स्वयाकरणः - इतने प्रयुक्त सन्धी और एको का, को उपक् अधिवासका हो स्थान 20-क में शीरनापित ही यही वर्ष क्षेत्र को उस स्थान में दिना स्वा ही।

वन्स्यी

प्लाट नं० 59, सर्वे नं० 5641, मसूराबाद विलेज, हैदराबाद, विस्तीर्ण 945 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 1038/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि०, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्जबालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई एसी श्रविध, 37ईई, 307 85-86-स्रतः मझे, एम जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके द्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फीलेट नं० है जो तीवेणी बिल्डर्स रामोकोटप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रू से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय में निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अर्जन-रेंज हैदराबाद

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) घोषी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती क्वाच प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, कियाने में बुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

 मेसर्स त्रिवेणी बिल्डर्स, 4-2-1069, रामकोट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शिरोमणी महेश, 3-6-735, हीमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरितीं)

कां वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भे अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० जी -5ए, वैभव अपार्टमेंट्स, रामकोट, हैदराबाद विस्तीर्ण 238 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1039/ 85. जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेंज हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** 4-2-1986 मोहर प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37—ईई/308/ 85—86——अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

ग्री जिसकी सं पलैंट है, जो रुद्रागजु बिल्डर्स, ए० गार्डस में स्थित है (ग्राँर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सो० एक्वि० हैदराबाद भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः व्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखन व्यक्तिकों, अर्थात् ध--- मसर्स स्द्राराजु विल्डर्स, 10-2-6, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सारदः चन्द्रा, 6-3-2, रोड नं० 1, बंजारा हिला, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं 1/बी० मद्राराजु बिल्डर्स, ए० सी० गार्ड्स हैदरावाद, बिल्तीर्ण 306.11 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं 1040/85. रजिस्ड्रीमर्ता अधिकारी, आई० ए०सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन स**क्षा**म प्रााधकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

महिर,

प्रकृष वार्ष .टी .एन .एस : -----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिना ह 10 फरवरो 1986 निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37—ईई/309/ 85—86——अन: मुझे एम० जगन मोहा,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जिथिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो घ्रद्राराजू बिल्डर्स, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्याजय, ग्राई० ए० सी० एकिंग हैदारबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और वन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया यया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया यया है क्ष्र-

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त ब्रोधिनियम के बधीन कड़ दोने के बन्तर्क वे बायिएव में कमी करने मा इससे क्याने में सुविष्ण के सिष्, ब्रोडिं/या
- (च) एसी किसी नाय या भन या नन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मात या भन-कड़ क्रिविक्त, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती इनाय प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, जिना में स्वित्य के जिल्हें।

कतः वय, उक्त विधिनयम की धारा 269-न की अनुसरक ं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिस्टिक व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. मेसर्स रुद्राराजू विल्डर्स 10-2-6, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद।
- 2. श्री जोन येडमोंड पोटर कुचीपुडी, 4-4-569, सूलनान बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्यानित सम्पत्ति से स्वंत के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध् में कोई भी वाखेद्ध--

- (क) इस स्वर, जे राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बनीभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविष् बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पृत्रों के व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुनाराह
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्मत्ति में हितवहृत्र किसी क्या व्यक्ति द्वास अभाईस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकीने।

न्यख्डीकरणः — इसमें प्रयानन बान्दों और पदों का, जो उनके जिल्हा कि शिनियम के अध्याय 20-के में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 2, रुद्राराजू विल्डर्स, सी० गार्डस, हैदराबाद, प्रथम तल, विस्तीर्ण 1163 चाँ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख तं० 1046/85, रिज हीकर्ता अधिकारी, आई० ए० सी० एक्वि रेंज, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर्आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1986

प्रका बाह् ु टी, एन्, एवं -----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सुभवा

नारत सहकार

कार्यात्तव, सहायक नाथकार नायुक्त (निर्दाक्तिक)

अर्जन रेंज, है: राबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/310/85-86--अत मुझे, एम० जगभ मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की वाख 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो रुद्राराजू बिल्डर्स, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्या प्रमा प्रतिकल निम्नीलिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण विशिष्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्दरण वे हुई किसी नाय की वावत उक्क सिथा हैन्द्र के व्यक्ति कर देने के बन्दरक के दासित्य में क्रमी कहने वा उससे वजने में स्विभार्क विष्; बाँग्र/मा
- (ख) एंसी किसी वाद वा किसी वाद वा क्या कारितवाँ को जिन्हुं भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या वाद कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए वा, स्थिपने में सुविधा ने जिहा;

 मेसर्स रुद्राराजू विल्डर्स, 10-2-6, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद।

(अन्तरकः)

2. (1) श्री ई० जोसूलू परमया शास्त्री, (2) ई० सुर्यं कांतम, 6-3-609/18/2, आनंदनगर कालोनी हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह स्थमा बारी क्रारके पूर्वोक्त सञ्चरित के वर्धन औं हिनए कार्यवाहियां करता हूं ।

उच्य संपरित के बुर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तारीश से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानित मों से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति च्वारा, अभोहस्ताक्षरी के साव विश्वित में किए वा क्केंगे।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-दिसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 3, रुद्राराजू बिल्डसं, ए० सी० गार्डंस, हैदराबाद, प्रथम तल, बस्तीणं 1111 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1047/85, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारो, आई० ए० सी० म्रक्ति से हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

क्त: अब उक्त मिनियम की धारा 269-न के जमस्यक में, में, सक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) में मधीन, निम्नतियस व्यक्तियों, वर्षास् ह—

तारीख: 10--2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्केक्क) ग्रर्जन रेंज

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० म्रई०ए०सी०/37-ईई5/11/85-86---म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसको इसको परचात 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 9 पलेंट पार्किंग है तथा जो ए० सी०, गार्डंड हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में ग्राई० ए० सी० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के अवजान जीतफल के लिए अन्तिन्त की गई अन्य मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्या, उसके दश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल निम्नीविद्य उप्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कांच्य नहीं फिला गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की वायत , उक्स विधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; औड/बा
- (क) एसी किसी नाप या किसी धन या अन्य जास्तियों की, ध्रिनह आरतीच जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मेसर्स राज् बिल्डर्स, 10-2- ए० सी० गार्डस हैदराबाद।

(ग्रन्तरकः)

श्री ई० जे० पेरथ्या शास्त्री, श्रीमती ई० सुयकांतम,
 6-3-6/18-2, ग्रानंद नगर कालोनी,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को वह तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्ववाहियां सुरू करता हूं।

उपते संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त इच्छों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय से दिका गवा है।

बनुसूची

पार्किंग प्रिमायसिर्स प लैंट नं० 9, रुद्रचाराजू बिल्डर्स, ए०सी० गार्डेस, हैदराबाद, प्रथम तल, विस्तीण 25263 ची० फुट, रिजस्ट्रीत विलेख सं० 1048/85, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भ्राइ० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बाइ े टी. इन. एस

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 20 प के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां क 10 फरवरी 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैंट है, जो ब्रिदावन ग्रपार्टमेंट्स, लकड़ी का पुल, हैदरादाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयार्त ग्रिधिकारी के कार्यालय, निरीक्षीणय सहायक ग्राययार ग्रायुक्त कार्यालय ग्रजंन रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 2/1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दरवान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य अमस्तियों को जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ३ ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- श्री जे० दें झटेस्वर राव, नं० ए/205, ब्रिदावन श्रपार्ट मेंट्स, लकड़ी या पुल, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री के० भगवानदास बंगाडीया, 3-4-34012, बरकतपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तिरती)

को यह युचना चारी करके पूर्वोच्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयात शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

ग्रनुसूची

एच० ग्राई० जी० वलैंट नं० 16, तीसरा मंजिला; जिंदावन ग्रपाटमेंट्स, लकडी का पुल, हैदराबाद, विस्तीण 1100ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 101/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, ग्राई० ए० सी० एक्वि०रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/313/ 85-86--- ग्रत. मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो मसुराबाद विलेज, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, निरीक्षीणय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त कार्यालय, ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भारतीय ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-1985

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्यूड्स्समं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--59—496 GI/85

 मेसर्स कराहा इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुडा, हैटराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती टी॰ जी॰ सुसीला पति बी॰ रामचद्रन, ए॰ 732-बी, एन॰ जी॰ श्रोज॰ कालोनी, वनस्थली-पूरम, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

प्लाट नं० 49, सर्वे सं० 56/1, मसुराबाद विलेज, हैदराबाद, विस्तीण 117 चौ० गज, रजिस्ट्रीश्चस विलेख सं० 1054/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ग्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बार्ष: दी. एव. एव. ॥ = =

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चा

भारत सरकाड

कार्यातय, रहायक वायकर वायुक्त (निर्वेक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एविव०/37-ईई/314/85-86--- प्रतः मुझे, एम० जगत मोहत, अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्में इस्के पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० है तथा जो मसुराबाद विलेज, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (कार्यालय ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारींख 2/1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंवरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित वे वास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है क्रमा

- (क) बनारण वे हुई किसी बाप को समय, उन्हा बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में ब्रुविधा के लिए; बार्ड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, चिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिस्ती द्वारं प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः भव उन्त विधिनियम कौ भारा 269-ग के जनुतरण में, में, खन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— मेसर्स कराहा इस्टेट, 16-4-355, कु चंचलगूडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीम्ती जहीदा शहायार, पति वहीदुद्दीन, 16-4-245, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरितो)

को बृह सृचना चा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति</u> के सूर्वन के विश् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

ठकत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूकना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टौकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विवाह ॥

धनुसूची

प्लाट नं० 34,35 सर्वे न० 56/1, मसुराबाद विलेज हैदराबाद वितीर्ण 366.66 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1055/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, श्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

7----

THE RESERVE TO SERVE THE PROPERTY OF THE PROPE

धारकर विचित्रकर, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वचीन क्षमा

THE SERVE

कार्याख्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश संब्य ग्राइ० ए० पो०/एक्नी०/37-ई ई/315/85-86— यतः, स्इो, एम० जगन मोहन,

बारकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे झायें इसके परपात् 'उन्द्र व्यविषयन' कहा गया है), की भारा 269-च के वधीन तकान शांविकारी को वह विकास करने का खाड़ण है कि स्थानर सम्पत्ति विश्वका उचित् वस्त्राह मुख्य 1,00,000/-रा. से विभिक्त है

स्रोर जिसकी सं० ज्लाट है तथा जो मसुराबाद विलेज हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूण रूप में दिशत है), रिस्ट्रिवर्ता अधिवारी के कार्यालय, निरीक्षय सहायक श्रायुवत कार्यालय में रिजस्ट्रीवरण स्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के स्रधीन, तारीख फरदरी, 1985 सर्जन रेज, हैदराबाद

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाबार मूक्य से कम के दश्यमान शिक्कत के सिए बन्तरित की नई है और मुके यह विश्वास सहने का कार्य है कि यथम्पूर्वेक्त सम्मित का उपित बाबार मूक्य, सदके स्थ्यमान प्रतिकत से ए से क्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिश्च विश्वों के नीर बन्तरिती (अन्तरिती) के नीप ए से बन्तरित के सिए तय पाया गया शिक्कत, विम्नितिबित क्यूबेश्य से उन्त बन्तर्म बिक्कित में बार्यनिक रूप से क्यित नहीं किया वया है है—

- (क) कर/क्य हे हुन कि ही बाव की कार ह, उसक व्यक्तियन के बचीप कर दोने के बन्तरक के खरित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्दर/या
- को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रकोश मार्च कर दुनी कुछ हा अध्यय कहीं किया बना वा विवास जाना अहिए था. जिन्हों के सुविवा के दिए;

भेयर्भ फराहा इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2 धीमती यूसुफ सजीना पिता सयद क्रलीमुद्दीन 'हुशनी, 16-6-391, ऋस्मानपुरा, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्ट संपरित के अर्जुन के हैं. कार्यवाहियां करता॥ हूं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभास्ति ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ण्लाय नं० 73 सर्वे नं० 56/1; मसुराबाद, विलेज, हैदराबाद विस्तीण 111.11 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1056/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी ग्राउ० ए० सी० एक्टी रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स्हायकक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैटराबाद

नतः जब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अभीत्:---

मारीख: 10-2-1986

मोहर ।

शक्य बार्'ं दीं प्रमृत प्रस्तु-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मधीन स्पना

बारव चरकार

कार्यालय, सहायक नायकत नायकत (निर्वेशक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वो/37-ई ई/316/85-86---यत:, मक्रे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं प्लाट है, तथा जो कराह इस्टेट, मसूराबाद विलेज, हैदराबाद में स्पित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध क्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रीकारी वे कार्यालय, श्राई० ए० ली० एववी, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रीन, तारीख फरवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पण्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचिश में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें वर्धान :——

- 1. मैसर्थ फराइ इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद (भ्रन्तरह)
- 2. श्रीमती नझमा बेगम, पति एम० ए० वाहाब, 20-7-243/ए/3, शेकर गंज, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेष :~

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि बित में किए का मकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

्लाट नं० 74 सर्वे नं० 56/1, मसुराबाद विले ज, हैदराबाट, विस्तीर्ण 111 11 या 999 99 चौ० गज चौ धृट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1058/95, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 10-2-1986

मुख्य बाह् . टी. एन. एड.

.भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वभीन स्थान

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/37-ईई/317/85-86 अतः मुझे, एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिव्ही इस्भें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के व्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है जो फराह इसट्ट मसुरावाद विलेज स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से रूप से वीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार्र के वार्यालय, आइ-ए० सी० एक्वी० हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1085

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्दित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मृत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विविश्व में बास्तविक स्व से कृथित नहीं किया गया है हि——

- (क) नन्तरम् सं हुई किसी बाद् की वादरः, उक्ष वीपनियम् के ब्रुपीय कर दोने के बन्दुरक से दायित्य में क्वी करने या उक्स वचने में सुविधा के लिए; स्टिंग
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की बिन्हें आरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृत्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव क्र--- ा. मैंसर्स फराह इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुड़ा, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद सीराज ग्रहमाद सिद्दीकी, 17-5-350, डिबरपुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पाड़ी करके पूर्वोक्त सम्परित के न्वन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ज़ब्दीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्थष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रनुसूची

लाटज न्, 78/ए मसुराबाद विलेज, हैदराबाद, विस्तीर्ण 183.33 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0 1059/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्राई ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रस्प नाहं, टी, एन, एवं,------

बायकर ग्रिन्सन, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के न्थीन क्वना

साइत बहुकान

कार्यां तय्, सञ्चयक वायकर वायुक्त (विडीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/318/ 85-86--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कालकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्यात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का करण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उपित नासार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसक़ी सं० दुकान जो 116 है, तथा जो मयुर काम्प-लैक्स, ग्रबिट्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, निरीक्षीण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त कार्या-लय, ग्रजन रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्दह बृतिशत से विभक्त है और वन्तरक (वन्तरकों) और वंतरिती (कन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पावा प्रता प्रति-क्य विश्वासित्व उद्देश से उक्त बन्यरण विकित के बादतिक्य रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) मन्तरूप वं दूरं जिसी बाम की नाग्छ_ा उपस स्वित्रुप्त के स्थीन कर दोने के सन्तरक के स्वित्य में कभी करने या उससे वयने में सुविश्य के सिद्युः होट्र/वा
- (वा) ध्रेती किसी बाबू या किसी धनु मा कन्य बास्तिमें का, बिनह भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षप्त अप उपल मिथियम की शास 269-म में स्वृहरूम मैं औ, उसत बीधीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन के किस्तिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ध— मेसर्स मयुर काम्पलैक्स, कुशल शापिंग, 5-9-279, ग्रबिट्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री गुलाम महम्मद पिता गुलाम महम्मद, खैरताबाद फ्लैट नं० 508, शहाजांन अपार्टमेंट्स, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मत्ति के नवीन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र की व्यक्ति वा इस्त्रव्यन्थी व्यक्तिकों पूड सूचना की वाबीज से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी बंबीय बाद में बजान्त होती हो, के भीवर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिव के भीतर उन्त स्थानर क्ष्मित में हितृबद्ध कि की जन्म व्यक्ति द्वारा नधोह स्ताक्री के पास निवित में किए या क्षोंने ।

स्वाकरणः—इसमें म्यून्य वन्ते बीत एसी साहा श्री तथा सीधीनवन्, से वध्यात 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिवा वस ही।

ग्रनुसूची

दुकान सी-116, विस्तीर्ण 416 चौ० फुट, मयुर कास्पलैक्स, ग्रबट्स हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1063/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रकप वार्ड .टी . एन . एड . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/37—ईई/319/ 85—86—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंबसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो भाग्य नगर, कन्स्ट्रवशन्स, रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्मृसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, निरीक्षीय सहायक स्रायकर स्रायक्त कर्यालय, श्रर्जन रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 2/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की मर्च है और मुक्ते यह विश्वास करने स्टरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मृश्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतर्क (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया नवा है है

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाग की बावत , उपत बीयगियम में बचीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे व्यन में बुविधा ने लिए; ब्रीट्र/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्थास क्र== मेसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन्स, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री जि० ग्रार० के० राव, 98, हारीस्टन रोड, मद्रास-31।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षण हू---

- (क) इस स्वता के हाचपण में प्रकादन की तारीय से 45 दिन की जनिय या तत्सक्त्यों व्यक्त स्वतिस्था पद स्वता की तामील से 30 दिन की जनिय, जो और अविध बाद में स्वाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांध निरवत में किए वा सकेंगे।

स्पत्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्तों और पक्षों का, को उद्याप विभिनियम दे वध्याव 20-क में परिभाषित्र है, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिशाणका है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 205, भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन्स, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1193 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1064/85, रजिस्ट्रीवर्ता ऋधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रक्रम बाहै . टी. इन. एत.-----

आव्धार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-म (1) के अधीन स्थना

हास्य ब्राह्म

कार्यक्रव, तक्षवक वायकर नाम्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्विव०/37-ईई/320/ 85-86 ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्वे इसर्वे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार जून्य 1:90,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय का परींमर है, जो बाबूखान कन्स्ट्रवशन्स, बसीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 2/85

कां व्योंकत सम्मति के उचित नाजार मृत्य से नाम के दश्यमार प्रतिपत्त के लिए जन्तरित की नद्दं हैं वर्तन मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्मत्ति का जियस करनार मृत्य उत्तके दश्यमान प्रतिपत्त की नार वंतरक (जंतरका) और जंबरित (वंतरितयाँ) को बीच एसे अंतरण के सिए इस समा नवा प्रतिपत्त, निक्निसित उद्वेष्ट से उच्च वंदरण विविद्य के वास्तविक क्य से कीश्य नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरम् से हुई फिसी नाय की बाब्स, डब्ब बीपविष्य के संपीत कर दोने के बन्दरक के खरित्य में कती करने या उद्यमें बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एंधी कियी आवं या किसी धन या अस्थ आस्तियों को, किहाँ धारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निवस्स, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थन्यः— 1. मेसर्स बाबुखान कन्स्ट्रक्शन्स, 5-9-58, 1-15, बसीर बाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जी॰ जग्गाराव, ग्रीर ग्रन्य एक, पिता जी॰ बी॰ ग्रम्मका चौधरी, बिकाग्रोलु, जिला ईस्ट गोदावरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के शास निवित में किस वा सकोंगे।

स्यण्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त कच्चों तीर पर्वो का, वो उपल विभिन्नियम के क्ष्यान 20-क में परिभावित ही, वही वर्ष होता वो उस क्ष्माय में दिया नवा है।

बन्स्ची

कार्यालय का परिसर नं० 405, बाबुखान कन्स्ट्रक्शन्स, वाबुखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तींण 1623 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1065/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, ग्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रकप बाइ .टी. एन. एस------

बारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (जिरीक्षण)

श्चर्जा रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986 विदेंग सं० श्चाई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/321/ 85-86---श्चतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव कार्यालय का परिसर है, जो बाबुखांन कन्स्ट्रक्शन, बसारवाग हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनूसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख फरचरी 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गर्विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गर्विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गर्विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गर्विफल कर्ण में किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्त आस्त्रियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरित देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--60-496 G1/85

 भसर्म वाबुखान कस्ट्रक्शन्स, 5-9⋅58/1-15, बर्सारवाग, हैदरावाद।

(श्रन्तरक)

 श्रीभती ास० पारवती देवी पता यस० रामचन्द्रा-राघ, 5-19 185/बि० चापल रोड़, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिला बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कार्यालयं का परिसर नं० 406, बाबुखानं कन्स्ट्रवसन्म, बाबुखानं इस्टेट, बसीरबागं, हैदनाबादं, विस्तीर्गं 1581 चौं० पुश्च, रिजस्ट्रं कि विलेख नं० 1066/85, रिलस्ट्रं वर्ता श्रिधकारी, श्राई० ए० सीं०, एक्विं० रेंड, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई322/ 85--86---ग्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट तथा जो यनराल्ड बिल्डर्स, अबिट्स हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अविकारी के कार्योलय, िरीक्षीय सहायक आधकर आयुक्त कार्यीलय, अर्जन रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स धमगल्ड बिल्डर्स, 4-1-968, अबिट्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स ए० पी० इलेक्ट्रिकल्स इक्यूपमेंट, कारपोरेशन, मनानगर, इडस्ट्रियल ऐरिया, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, सागर श्रधार्टमेंट्स, हैदराबाद, विस्तर्ण 1325 ची० फुट, रिजस्ट्रींंत विलेख नं० 1069/85, रिजस्ट्रीवर्ता श्रविकारी शाई० ए० सी० एक्वि० रेज, हैदरावाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जे: रेंज, टैदराबाब

नारोहा: 10-3 ·1986

क्षण बार्ड, टी. एवं, एकं, -----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के वधीन क्षना

ब्राप्ट बरकार

कार्वासय, सहायक सायकार वावृक्त (निर्द्रोक्सण)

ग्रर्जनक रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रारः /सी० नं० ग्राइ ए सी० /एक्वि/37ईई/ 323/85-86- ग्रसः मुझे, एम० जगन मीहन

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके बश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 31, है जो फराह इस्टेट, मसुरा बाद विलेज हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसुची में स्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय निरीक्षी सहायक स्रायकर स्रायक्त के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908, (1908 का 16 के स्रधीन दिनांक फरवरी 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के कावमान शीतकाल के लिए जंतरित की नहीं है और मुक्ते वह विश्वास कारने का कारक है कि क्यापूर्वोक्त बज्यित का जीवत बासार मृत्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का शम्ब प्रतिकत से विश्वक है और बंतरक (वंतरकों) और वंत-रिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतरक के लिए तय पाया वैवा प्रतिकत निक्तिवास उद्योग से उसत बंतरक निष्क में गरस्तिका कम से कृषिक नहीं विश्वा गया है

- (क) बंगप्रण वं हुई किसी शाय की बावस, उक्स मधिनियम के सधीन कर देने के अंतरक के दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे लिए, मॉर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

ज्तः अच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स फकाह इस्टेट, 16-4-355 चचलगुडा हैक्राबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पि० धीरा नारायणा, नं० 11/84, पि० ग्राँन्ड टी० कालोनी, हैदराबाद (ग्रन्सरिती)

को मूह शुक्रमा आही करके पृत्रीयस प्रमास्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन क्ट्री अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किरिकृत के किए जा सके थे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्नुस्ची

ण्लाट नं० 31 सर्बे नं० 56 1, मसुराबाद विलेज हैदराबाद विस्तीर्ण 206.94 चौ० फुट०, र्राजस्ट्रीकृत प्रधिकारी ग्राइ ए० सी० एक्वि रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैदराकाट

दिनांक: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाईं. टी. 'एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वि०/37-ईई/324/85-86 श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो फराह स्ट्रीट, मसूदाबाद विलेज में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रशिकारी के ार्यालय आई० ए० सीं० एक्वि हैंदराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत स अिक् है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बच्च ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाक की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः दब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, के उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ﴿ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- मेसर्स फराह इस्टेट, 16-4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्पक)

2. श्रीमती महमूद कादरी पति एम० ए० हामीद, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(ग्र तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

ण्लाट नं० 62,63 सर्थे नं० 56/1, मसुराबाद विलेज हैदराबाद, विस्तीर्ण 348 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1077/85, रिजस्ट्रीकर्सी स्रधिकारी स्राई० ए० सी० एक्षिक रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्वरेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्रारूप बाई. दी. एन. ग्रास.

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यांसर, सहारक आवकार मान्यस (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

हैदराबाद दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए०सी ०/एक्व०/37—ईई/325/85-86 --म्रतः मझे एम० जगन मोहन

बायकर यणिनियम, 1961 (1961 का 43) हींक्ये इसमें इसमें

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो नटराज कन्स्ट्रक्शनस, पार्कलेन, सिकदंराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, निरीक्षीय तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त कार्यालय में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1998 का 16) के ग्रिधीन, 2-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूक्य से कम के क्रयमान वेरिकक के जिए अन्तिक्ति की नई है और मुझे वह विश्वास निर्म का कारण है कि स्थाप्तोंक्त संपरित का उचित बाजार निर्म , उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, एसे व्यवसन प्रतिक्रम का निष्म प्रतिकत से विभिन्न है और अन्तरक (विश्वकों) भीर वंश्वीरती (जन्तिसित्यों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तम पाया स्था प्रति-क्रम निम्मितिक्ति उद्देश्य से उस्त बन्तरण निक्ति में वास्त्-निक्त क्य के कथित नहीं कि बा गया है:—

- (क्क्ष्र्) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बायक, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करूने या उससे क्यमें में स्विधा के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आव या किसी भन या बन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय वाय-कर वीधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उनता वीधिनयन, मा अनकर अधिनियन, मा अनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया वाना वाहिए था कियान से विधियों के लिखा

जेल: अथ, उपत विधिनियम की धारा 269-न के, बनुबरण थ, में उदत विधिनियम की पारा 269-च की उपधार्य (1) के बधीन जिल्लासिका व्यक्तियों बधीत ह— 1 मेसर्स नटराजः कन्स्ट्रकसनस, को० 116 पार्कलेन सिकंदराबाद

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्राली खान, घर नं \circ 10-5-3/2/2, मासाब टून्क हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाएी करके पूर्वोक्य सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करवा हुं।

उक्क सम्बक्ति के अर्जन के रूम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूपना की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस नक्ष किसी स्थावित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

मन्सूची

कार्यालय का परिसर नं० 178 से 180, नटराज कन्स्ट्रवशन्स को० पार्के लेन, सिवंदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1078/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी श्राई० ए० सी० एविव० रेंज, हैकराबाद।

> एम० जगन गोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-2-1986 मोहर to the state of the state of

प्रकप वाई.दी.एन.एस.-----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांः 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई०ए० सी०/एविव०/37-ईई/326/ 85-86- ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलट है, जो राजू बिल्डर्स, ए० सी० गार्ड्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है,) रिजस्ट्रीती ग्रधियारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1985

कां पूर्णेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्त-रिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-नियम के जधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एखें। किसी आध या किसी धन या बन्य जास्तियों को, धिनहीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा खें लिए;

अतः अव, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिल्खित व्यक्तियों अर्थात् :---

 मेवर्स राजू बिल्डर्स, 10-2-6, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चिरंजीनीलात जैन, घर नं० 11-5-30 बाजार घाट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, राज् बिन्डर्स, ए० सी० गाडर्स, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1244 चौ० फुट, रजिस्ट्री विलेख नं० 1081/85, रजिस्ट्रीवार्ता ग्रधिकारी ग्राई०ए०सी० एक्वि०, रेंज, हैदराबाद :

> एम० जान मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांवः 10 फरवरी 1986

निर्देश सं ग्राई० ए० सी ०/एक्वि/ 37इइ/327/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह', की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मुख्य

1,09,000/- रा. से **ज्**धिक ही

ग्रीर जिसकी सं० स्टोग्रर नं० 91 है तथा जो बाबु खान कत्स्ट्रवशनस बसीर बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिवारी के कार्यालय ग्राइ ए सी, एक्वि, हैदराबाद में रजिस्द्रीव रण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985 को प्रतिका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कंस निम्योतिहात उद्वरेय से उक्त अन्तरण शिश्वित में बास्तविक में वाध्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई निस्ती नाय की वाबत, उक्त निधितियस के नधीन कर दोने के बन्धरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में तिबधा के लिए; बौर/बा
- 💩) एमं किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 11922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ा किए। अला चाहिए था, सियान मा स्विधा के लिए:

वतः वधः, उक्त विधिनियम की धारा 269-गृ के बनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्ख़ खान कन्स्ट्रवशनस्, 5-9-55/1/15, बसीर बाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स यल० बंजरंग परशाद ग्रीर को० बाइ श्री नरेश कुमार संधी, काकला कमान हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

की वह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सध्यत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५र स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पोह लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीक रण:--इसमें प्रम्वत शब्दों और पदों का, वो उबत अधि-निवम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ वर्ष होना, को उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्टोग्नर नं० 91, बाबुखान कन्स्ट्रक्शनस्, बसीर बाग, **है**दराबाद, विस्तीर्ण 440, चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत वि<mark>लेख</mark> नं० 0191/85, रजिस्ट्री वर्ता श्रधिकारी श्राई ए सी श्रक्ति. रेंज, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-2-1986

शास्त्र वार्दे ही प्रवास्त्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

पारत परकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्राइ ए मी०/ग्रक्वि/ 37इइ[|]328/85-86---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यान करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विष्वित्रक के सभीन कर दोने के बन्तरक के श्रीवत्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिष्; सरि/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हुं धारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ॐ प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा दिल्ला;

अत: इब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-व के जनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) मेसर्स फराहा इस्टेट 16-4-355, चंचगूड हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहमद भ्रब्दूर रहीम, 16-5-104, फतेह नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

बा वह वृक्षना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

अन्सुची

फ्लॅट नं० 7, सर्वे नं० 56/1, विस्तीर्ण 204, चौ० गज, मसुराबाद विलेज, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1095/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्राइ एसी, ग्रक्वि, रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन उक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ैदराबाद

दिनांक :-10-2-1986 मोहर प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

कायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

ग्रीर जिसकी सं० गेरियज नं० 11, है जो नटराज, व न्सट्रक्शन्स पार्क लेन, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त जार्यालय भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च 1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा बवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- [क) बनाइय सं हुई किसी बाय की बाबत उपके विधिविषय से बचीन कर्द वाने में बन्तरक ले स्वियत में कभी करने या उससे बचने में स्विधा से जिए; सोह/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बब, उक्त श्रीभीनयम को धारा 269-१ के अनुसरण हैं. बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (१) के अधीन, जिस्तीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---61---496 GI/85

(1) मेसर्स नटराज, कन्स्ट्रक्शनस्, को० 116,पार्क लेन सिकंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मती संतोष अग्रवाल पति सत्य प्रकाश, 503, महाबीर अपाटमेंटस्, 3-5-7896, कींग कोठी रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उपत प्रच्यक्ति के वर्षन के सम्बद्ध में कोर्स ही जासेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अविष, सो भी अविष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रह्म;
- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकारन की तारीय है 45 दिन के प्रीवर उक्त स्थायर सम्मास्य में हित्यकृथ किसी मृत्य क्षित इंगास क्षोहस्ताकड़ी के शब्द सिक्त में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ह्हार्गे प्रवृक्षः बन्दों बहि पृष्टों का, वो क्षत्रः वीधित्वम के वध्याय 20-क में परिशादित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा नवा है।

ममस्

गेरियज नं 11, विस्तीण 170 चौ० फूट, नटराज कन्स्ट्रवशनस्, 116, पार्क लेन, मिकंदराबाद रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1097/85, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी ग्राइएसी/ ग्रक्वि, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैटराबाड

दिनांक: 10-2-1986

-गेहर :

प्रकल-बार्ड , टी., एन., एस: -----

बाक्कार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्यः 269क्काः (1) के वशीन सूचनाः

भारत सरकाड

कार्यावय, सहायक बायकारु बायकत (विराक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० ग्राड ए० सी० /ग्रकिव 37इइ/330/85-86----श्रतः मुझे, एम॰ जगन मोहनः, बायकर बीधनियमः, 196:1 (1961:का 43) (किंद्रों इसमें इसके वस्थात् 'उसतः वस्थिनियम' कक्षः गया हैं), की धार 269-य के स्थानः समाय प्राधिकारी को वह निष्कार करने का कारण है कि स्थावर कम्बितः, विस्ता उपितः वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से बिधक हैं

स्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 21 है जो मेट्रो बिल्डर्स बसीर बाग में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त कार्यालय में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908, (1908 का 16) के स्राधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि वभानुबोंका संपर्तिः कम उचित बाजार मूल्य, उसके कावनाम प्रतिफल से एन्से क्यामान प्रतिकत का बन्दह प्रतिकत से विभक्त है और वह कि बंदरक (बंदरकाँ) बीर वंतरिती रिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एने बन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिकत, निम्नितिवित उद्देश्य के उन्त बन्तरण लिवित के वास्तिवक रूप से कावत नहीं किया गया है अ—

- (क) बन्तरक ते हुई किनी बाब की बाबह, उक्त वीधनियम के बचीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिथा के निष्; बांद्र/का
- कि) एकि किसी भार का किसी भनः का बन्कः स्विक्याँ कर्ते, जिस्हाँ भारतीय नाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किस्स बाना वाहिए वा स्थिनने में सविधा के लिए;

सतः सव, उक्त काँभीनयम की भारा 269-न के बनुसरण कों, में, उक्त करिकनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीत, निम्नोसियन व्यक्तियों, वर्षात् (1) मेसर्स मेट्रो बिल्डर्स, 5-9-30/26, बसीर बांग हैदराबाद।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्री खाजा मोही ऊद्दीन, पिता खाजा मोही उद्दीन 10-3-313/9, पि० यस० नगर, व्ही यन० कॉलनी, हैदरबााद (अन्तरिती)

को यह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुए ।

बनक सम्मरितः के कर्षान के सम्बन्ध में: कोड़ां भी बार्खन ह—

- (क) इस स्वता के रावपन में प्रकावन की वारीय है 45 दिन की नवीं या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की वारीस से 30 दिन की नवीं , को भी नवीं नार में समान्य होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी: व्यक्ति हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी: व्यक्ति ह्या है:
- (व) इस सूचना के ग्राचपन में प्रकाशन की वारीहर वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्य स्थिति द्वारा बभाहस्ताक्षरी के पास विविधा में किस का सर्वेंगे।

अवसी

यूनिट न० 21, क्स्तीणं 390 ची० फूट, मेट्रो बिल्डसं, घर नं० 5-9-30/26, बसीर बाग, हैदराबाद, रजीस्ट्रीक्स विलेख नं० 1099/85, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्राइएसी ग्रिक्व, रेंज, हैदराबाट।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-2-1986

THE RE P. 180 .----

न्वांसक्ट विधिनियम, 1961 (1961 मा प्रति) की भारत 208-म (1) के जभीन सम्बद्ध

शारह सफार

बाबाबर, बहायक बायकर कार्यक (निर्याक्त)

ग्रर्जन रेज, हैंचराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० श्राई ए० सी०/श्रक्वि/ 37ईई/331/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बानकर बीधानवल, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके प्रशाद 'उनस निधिवन' कहा हुन, की पास 269-स के नधीन समय अधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रू. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है जो सोनी बिल्डर्स हीमायत नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उणाबद्ध अनुसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से वैर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालयं निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908, 1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च 1985 ग्रर्जन रेंज, हैदाराबाद

को पूर्वोश्यत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों सम्भीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, विम्नीचीशत उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में वास्तिविक इप से कियान नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी शाद्ध की वाबत , उक्त अधिनियम के असील कर दोने के असर्दक के दायित्व में कमी करने या उसने बचाने में तृतिया के सिक्; और/वा
- (वं) होती किसी क्या या किसी जन या सम्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (19/ / का 27) के प्रयोधनार्थ (अन्तिरिती क्कार प्रकट नहीं किया गया था वा किया विकास क्यांक्ष था, विकास की क्ष्रिया के क्या

(1) मैसर्स तोनी जिल्ला, 3-6-389, हीमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नूर जहां पति मोहमद आखतर धालम 1 6-1 7, कृष्णा कम्प्लेक्स्, हैदराबाद । (ग्रन्सरिती)

को यह स्वशारकारी अस्ति पृथीयत केलीसं के वर्षन के निष् कर्षवाष्ट्रियां-सुक करता हो ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ब) इस स्थित के राज्यन में प्रवेशन की तारींब बें 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्बंदित में हितबबुंद किती जन्म व्यक्ति स्थाय मजिहस्तांबारी के पास सिवित में किए वा सकें

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्षा है।

ममुस्ची

फ्लैंट नं० 7, सोनी बिल्डर्स, हीमायत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1555, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1101/ 85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइ एसी एक्वि, रेंज, हैदराबाद ।

> एमं े जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायकं मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणं) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक। 10-2-1986 मोक्षर।

प्रस्प बाइ .टी . एन . एस . -----

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बधीन क्षता

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायक्त (निद्रक्तिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 11 फरवरी 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 48065/85-86--म्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बायकर कांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14 श्रौर 14/1 है, तथा जो 18, मेन, 4 टी० ब्लाक, जयनगर बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जयनगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5~6~1985

की पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नासिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किचत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, चिन्हें भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् विधिनयम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में वे विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री के० एन० मोहन गुप्ता, (2) श्री के० एम० स्वरूप, (3) श्री के० एन० रामनाथ, नं० 460/4, श्रीर हाउस, II ब्लाक जयनगर, (अशोका पिल्लर के नजदीक) बेंगलूर-11। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री एम० के० सुरेश बाबू, (2) श्रीमती एम० एस० रामामणि, (3) श्री एम० के० श्री धर, नं० 98 ग्रीर 99, 7ए मैन, IV ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उनके अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 598/85-86 ता० 5-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 14 ग्रीर 14/1 जो 18, मैन रोड़, 4 टो० ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, बेंगलूर

तारीख: 11-2-1986

मोहर 1

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 14th January 1986

No. A-32014/1/85-Admn.III.--The President is pleased to appoint Shri Rajinder Singh a regular Section Officer of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Desk Ocer on ad-hoc basis w.e.f. 18-12-1985 to 14-1-1986 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Rajinder Singh shall draw a special pay @ Rs. 75/p.m. in terms of Deptt. of Personnel and ARs. OM No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

The 30th January 1986

A-12023/1/85-Admn.II.—In continuation No. A-12023/1/85-Adm.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 17-7-85, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S/Shri B. N. Arora, I. P. Tuli and K. L. Suri, Permanent Section Officers in the CSS cade of Union Public Service Commission as Dputy Directors Group 'A' Gazetted in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 on ad-hoc basis for a period from 1-1-1986 to 28-2-1986 or until further orders which ever is earlier.

2. Their appointment to the post of Deputy Directors is on deputation terms and will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.I (II)-E,III(B)/75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

The 31st January 1986

No. A-32014/1/85-Admn.III.—In supersession of this office Notification No. A-32014/1/85-Admn.III Dated 26th December, 1985 the President is pleased to appoint Shri C. L. Bhat a regular Assistant of the CSS Cadre of UPSC to officiate as Section Officer on Ad-hoc basis w.e.f. 17th December, 1985 to 30th January, 1986.

No. A-32014/1/85-Admh. III—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Section Officer on an-hoc basis for the period indicaed against each or until further o ders which-ever is earlier :-

Sl. Name No.						Period
S/Shri 1. C.L. Bhat .					•	31-1-86 to 28-2-86
2. K.S. Kochar	•	•	•	•		15-1-86 to 28-2-86
3. P. Joshi	•	•	•	•	•	15-1-86 to 28-2-86

No. A-32014/1/85-Admn. III-The President is pleased to appoint the following regular Section Officers of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Desk officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or unitl further orders whichever is earlier :-

Sl. Name No.	 			 Period
S/Shri 1. Rajinder Singh				 15-1-86 to
2. Hukam Chand				28-2-86 3-2-86 to
	 			 28-2-86

^{2.} The above noted officers shall draw a special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and ARs OM No. 12/1/74-CS-I dated 11-32-75.

M.P. JAIN Under Secy. (Per Admn.) n Union Public Service Commissio.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMN. REFORMS, PUBLIC GREVANCIES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

No. 3/7/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. Balaji, IPS (UP: 1977) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 31st January 1986 and until further orders.

The 19th February 1986

No. A-19014/1/82-AD.V.—Consequent up on his selection for appointment on deputation basis as Deputy Development Commissioner for Cement Industry at New Delhi under the Deptt, of Industrial Development, Sri R. S. Nagpal, Administrative Officer (E)/Central Bureau of Investigation (Gr. I of CSS) are placed at the disposal of Cement Industry with effect from the forenoon of 10th February, 1986.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Dir. (Admn.) CBI

New Deihi, the 24th February 1986

No. S/22/74/AD.V—On his repatriation from the Special Investigation Team (MHA/New Delhi) Shri S. R. Gupta, an officer of Maharashtra State Police on deputation to CBI, joined CBI as Dy. Supdt. of Police in the forenoon of 4th February, 1986 and posted in CIU(C).

No. A-19036/17/79-AD.V.—The services of Shri Y. N. Prasad, Deputy Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from 31st January, 1986 afternoon on superannuation.

No. A-19036/22/79-AD.V.—The services of Shri V. M. Pandit, Deputy Supdt. of Police/CBI are placed at the disposal of Special Investigation Team (MHA) with effect from 3rd February, 1986 afternoon on deputation.

> Sd/- Illegible Admn. Officer(E) Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 17th February 1986

No. O.II-900/76-Adm-3.—Shri B. S. Rana, Section Officer, of this Dte. Who is on deputation to National Security Guard as Team Commander has been granted proforma officiating promotion to the grade of Joint Assistant Director (Accts)/Audit Officer with effect from the Forenoon of 30th Sep. 1985 in the CRPF.

No. O.II-903/77-Adm-3.—Shri Umrao Singh, Section Officer of the CRPF, has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts)/Audit Officer, with effect from 1st August, 1985.

The 18th February 1986

No. O.II-145980-Adm-3.—Shri G. C. Sharma, Section Officer, who is on deputation to National Security Guards as Team Commander has been granted proforma officiating proformation. motion as Joint Assistant Director (Accts)/Audit Officer, with effect from 5th Dec. 1985, in the CRPF.

> KISHAN LAL, Dy. Director (Adm.).

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 20th February 1986

No. E-16013(2)/1/83-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to State Cadre and posting as Deputy Commissioner of Police (Admn.) Hyderabad Shri M. A. Basith, IPS (AP:

70) relinquished charge in CISF with effect from the forenoon of 11th February, 1986.

> Sd./- ILLEGIBLE Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110 011, the 21st February 1986

No. 7/6/85-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. N. G. Nag who is presently officiating on the post of Deputy Registrar General (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, on the same post with effect from the 14th April, 1985.

V. S. VERMA, Registrar General, India.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR DEPARTMENT

(LABOUR BUREAU)

Shimla-171 004, the 7th March 1986

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 stands at 629 (Six hundred twenty nine) for the month of January, 1986. Converted to base: 1949=100 the index for the month of January, 1986 works out to 764 (Seven hundred sixty four).

A. K. MALHOTRA, Deputy Director,

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas-455 003, the 19th February 1986

F. No. BNP/C/5/86.—Shri Alok Kumar Rastogi, a permanent Hindi Translator, is appointed to officiate on regular basis as Hindi Officer in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) w.e.f. 22-2-85 (FN), until further orders.

M. V. CHAR, General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPITROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 17th February 1986

No. 274CA.I/10970.—On his attaining the age of superannuation Shri C. L. Tuli, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi-2 has retired from service with effect from 31-1-1986 (AN).

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 20th February 1986

No. Admn.I/O.O. No. 397.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints the following permanent Section Officers (now Assistant Audit Officers) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 18-2-1986 until further orders:—

- S. No. and Name
- 1. Shri V. P. Sharma.
- 2. Shri R. L. Chopra.
- 3. Shri Madan Mohan Gupta III.
- 4. Shri G. N. Pant.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I: KARNATAKA

Bangalore, the 31st January 1986

No. AG(Audit-I)/Admn I/A1/85-86/598.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-TB-40-1040 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge as Assistant Audit Officers.

S/Shri

- (1) V. G. Jayaraman.
- (2) A. Mallikarjunaïah.
- (3) S. Krishnaswamy.

Consequent on their promotion as Assistant Audit Officers the option for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22(C) Swamy's Compilation (VII Edition) (GIMHA Department of Personnel & A.R. OM No. F. 7-1-80 Estt PI dated 26th September 1981) should be exercised by them within one month from the date of promotion.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 14th February 1986

No. A.G.(A)-I/Admn./63-7/2554.—Shri Nivas Agrawal, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit)-II, Uttar Pradesh Allahabad has retired from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from 31st January 1986 (AN).

B. K. CHATTOPADHYAY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N. F. RAILWAY

Maligaon, the 12th February 1986

No. Admn./5-16/79/35A/10658.—Shri N. K. Das, Asstt. Audit Officer is promoted to officiate until further orders as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/with effect from the 1st June, 1985 and posted at Hd.Qrs., Meligaon.

(Sd.) ILLEGIBLE Director of Audit.

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 17th February 1986

No. 01/86/A/M—The President is pleased to appoint the following Senior Medical Officers to Principal Medical Officers with effect from the date mentioned against each until further orders :-

Sic Name No.	Posted at	Date
1. Dr. M.K. Dam .	. Gun & Shell Factory Cossi-	02-11-85
2. Dr. (Miss) K. Subaiya	pore Ammunition Factory, Kirkee.	22-11-85

C.M. MATHUR Addl. DGOF/Member/Personnel)

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 14th February 1986

No. 11/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Sengupta Offg. Asstt. Director (Subst. & Permt Foreman) retired from service with effect from 31st Jan. 1986 (AN).

> V. K. MEHTA, DDG/Establishment.

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 4th February 1986

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1166/77-Admn(G)/1209.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Bassi, Grade 'B' of CSSS of this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January 1986.

SHANKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th January 1986

No. 3(5)86/Cotton.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)73-74/CLB-II dated 19th December, 1974. I here by direct that no manufacturer shall have at any time in his possession, a quantity of Indian Cotton required for consumption on his own spindles whether held by himself or held on his behalf by any other person and including quantities to be delivered against outstanding contracts, in excess of his six months' average consumption.

The above limit shall be subject to the following exemptions:

(i), In the case of manufacturer who is required to execute orders for defence purposes, the Textile Commissioner may, on an application made to him in this behalf, permit such manufacturer to keep stocks of Indian Cotton in excess of the above limit to the extent of requirement of cotton for executing the contract.

- (ii) In the case of a manufacturer who has exported in the preceding calendar year ending on 31st December, a part or whole of his packed production, the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf accompanied by necessary particulars, permit such manufacturer to keep Indian Cotton upto the limits indicated below:
 - (a) Manufacturer who has exported upto and including 10 per cent of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December.

Quantity equivalent to half months' average consumption over and above the applicable stock limits specified above.

- (b) Manufacturer who has exported more than 10 per cent but upto and including 25 of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December.
 - Quantity equivalent to one month's average consumption over and above the applicable stock limits specified above.
- (c) Manufacturer who has exported more than 25 per cent of his packed production in the preceding year ending on 31st December.

Quantity equivalent to one and half month's average consumption over and above the applicable stock limits specified above.

- (iii) The quantity of Indian Cotton which can be held in the possession of a manufacturer who has been using wholly or mainly foreign cotton, shall be as specified by the Textile Commissioner from time to time on application made to him by the said manufacturer in this behalf.
- (iv) The cases of mills which were closed and have been restarted recently either by the National Textile Corporation or private parties will be considered on merit on submission of application to the Textile Commissioner.

It should be noted that-

- (i) The average monthly consumption will be computed on the basis of the figures reported by the manufacturer to the Textile Commissioner in Form CST-H (M 0 2 revised) for preceding cotton year ending on 31st day of August.
- (ii) The average consumption will be computed on the basis of full working months during the preceding cotton year without taking into consideration the strike period, if any.

This Notification comes into effect from 17th January 1986.

ARUN KUMAR Textile Commission

Bombay-20, the 11th February 1986

No. CER/2/86/2.—In exercise of the powers conferred on me by clause 20 of the Cotton Textiles (Control), Order 1948. I hereby add following provisio to the clause 5 of the Notification No. CER/2/77 dated 15th April 1977 as extended upto 31st Merch 1987 vide Notification No. CER/2/ 82/4 dated 23rd March 1982.

'Nothing in this clause shall apply to the production of controlled sarees required to be produced under the direction of the Textile Commissioner from time to time under clause 21(A) of the above said order'.

No. CER/24/86/3.—In exercise of the powers conferred on me by clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order 1948, I hereby add following provisio to the clause 3 of the

Notification No. CER/24/77 dated 15th April 1977 as extended upto 31st March 1987 vide Notification No. CER/24/82/5 dated 23-3-1982.

"Nothing in this clause shall apply to the production of controlled sarees required to be produced under the direction of the Textile Commissioner from time to time under Clause 21(A) of the above said order.

S. R. RAY Jt. Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 13th February 1986

No. 12(551)/67-Admn.(G)Vol.II.—The Development Commissioner (Smale Scale Industries) is pleased to permit Shri S. Chinnadurai, Asstt. Director (Gr. II) General Administrative Division Central Footwear Training Centre, Madras under Small Industries Service Institute, Madras to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-10-1985.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th February 1986

No. 971B/A-32014(2-AG(I)/81/19B.—Shri Ram Krishna Bhowmik, STA (Geophysical Workshop). Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.S.I. as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200]-in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-12-1985, until further orders.

No. 984B/A-19012(SPD) /85/19A.—Shri S. P. Dhasmana is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27-12-1985, until further orders.

The 18th February 1986

No. 1115B/A-19012(2-BS)/85/19B.—Dr. Baldan Singh, S.T.A. (Geophysics), G.S.I., is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30-10-1985, until further orders.

No. 1156B/A-32013/1-Geol.(Sr.)/84-19A(6).—The President is pleased to appoint Shri J. K. Nanda, Geologist (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Geologist (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7-8-1985.

The above promotion to the post of Geologist (Sr.) in GSI is on ad-hoc basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F.M.A.T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Single Judge on 1-2-1985 and 18-2-1985 in the Writ Petition filed by Shri Tridib Laskar and others togainst Union of India and others subject to the result of the Writ Petition.

No. 1163B/A-19011(1-KPG)/64-79/19A.—Shri K. P. Gopalakrishnan, Geologist (Senior), Geological Survey of India, relinquished charge of the post of Geologist (Senior) in the G.S.I., on the afternoon of 3rd October, 1985 for joining the post of Deputy Secretary in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines), New Delhi on deputation for a period of one year initially on the normal terms and conditions of deputation.

The 19th February 1986

No. 1172B/A-19011(1-YRD)/75-19A.—On his permanent absorption in the Indian School of Mines, Dhanbad, Shri Y. R. Dhar, Geologist (Junior) has resigned from service in the Geological Survey of India with effect from 1-9-1984 (F/N).

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

Calcutta-700 016, the 18th February 1986

No. 1125B/A-12011(4)/79-19A.—The President is pleased to appoint Mrs. Leelabati Bhattacharjee, Mineralogist (Sr.), Geological Survey of India on promotion as Director (Mineral Physics) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in the same department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30-12-85, until further orders.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. D. G. (Oprn.), Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd January 1986

No. A-19011(238) /78-Estt.A.—The President is pleased to appoint, on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri D. K. Kundu, Senior Mining Geologist to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th December, 1985, until further orders.

The 28th January 1986

No. A-19011(385)/85-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation or the Union Public Service Commission Shri Ranjeet Singh to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-12-85 until further orders.

The 30th January 1986

No. A-19011(96)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Dr. R. Chakravarty, permanent Senior Mining Geologist to the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 21st January, 1986 until further orders.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 31st January 1986

No. A.19011(375)/85-Estt, A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri B. P. Ravi has been appointed to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of, 23-12-85.

The 20th February 1986

No. A-19011(188)/81-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri N. M. Sangode, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the

Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the afternoon of 7th February, 1986 until further orders.

> G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th February 1986

No. 4/1/84-S.II.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's Gazette Notification No. 4/1/84-S.II, dated the 18-1-1985, the Director General All India Radio is pleased to extend the appointment of Shri A. V. Sharma 'Saroj'. Sr. Hindi Translator. Andaman and Nicobar, Administration Secretariat. Port Blair who is working on deputation as Hindi Officer, AIR, on an ad hoc basis in the pay scale of Es. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period of one year wef 27-1-1986.

The 21st February 1986

No. 15/4/72-Vig.SII.—Shri Charanjit Singh, Extension Officer, All India Radio, Jalandhar has been compulsorily retired under FR 56(j) (i) from Government service with effect from 30-1-1986 (AN).

> MOHAN FRANCIS Dy. Director Administration for Director General

New Delhi-1, the 20th February 1986

F. No. 6(121)/63-SI.—Shri D. D. Chatterjee, Programme Executive, All India Radio, Calcutta, retired from Government service on superannuation with effect from 'he afternoon of 31st January, 1986.

I. L. BHATIA Dy. Director of Administration (WL) for Director General

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 18th February 1986

No. A.12025/3/84-CGHS.I(Pt).—The Director of Health Services is pleased to appoint Shri Sardar Singh, Office Superintendent, Central Government of Health Scheme Delhi to the post of Administrative Officer in Central Govern-

ment Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 28th January, 1986.

No. A.12025/3/84-CGHS.I(Pt).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. S. Sethi to the post of Administrative Officer in Central Government Health Scheme, Delhi on temporary basis, with effect from the forenoon of 28th January, 1986.

Dy Director Admn. (CGHS)

New Delhi-110011, the 21st February 1986

No. A.12025/3/85-NICD/PH(CDL).—The President is

pleased to appoint Shri J. Sundara Rao to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st January, 1986 and until further orders.

> JESSIE FRANCIS Deputy Director Administration (PH)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 20th February 1986

No. PA/73(18)/85/R-IV/263.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Jaisree Subrao 62-496GI/85

Kokate as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 3, 1986 for a period of three years.

N. L. VENKITESWARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 14th February 1986

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm./1278.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy torate of Purchase and Stores, Department of Assert appoints Smt. K. A. Raheja, a permanent Upper Division Clerk and officiating Asstt. Accountant to officiate as an Asstt. Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of 250 20 740 25-880-FR-40-960 from 2-9-85 (F.N.) to Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 2: 31-12-85 (A.N.) in the same Directorate Shaikh promoted as Accounts Officer II. vice Shri A. A.

> B. G. KULKARNI Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th February 1986

No. AMD-16/8/85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. S. Gupta, a permanent Upper Division Clerk and officiate ing Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from December 27, 1985.

> S. PADMANABHAN Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 3rd October 1985

No. GN: 023.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri Jemson Leonard D'Souza as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 1st October 1985 and until further orders.

No. GN: 024.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri K. Jayaram as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 1st October 1985 and until further orders.

The 8th October 1985

No. GN: 025.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri S. N. Satyanarayana as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Satyanarayana as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 4th October 1985 until further orders.

No. GN:026.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project. Department of Space is pleased to appoint Shri P. Aravinda Prakash as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-4 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 4th October 1985 and until further orders.

No. GN:027.—Project Director, INSAT-1 Space Project, Department of Space is pleased to appoint Shri K. Rathnakar as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 7th October 1985 and until further orders.

> V. GOPALA RAO Manager for Project Director

Hassan-573 201, the 29th July 1985

No. GN:022.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri P. Achuthan as Assistant Purchase Officer in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 29th July 1985 and until further orders.

VPD NAMBIAR Administrative Officer-II for Project Director

Hassan-573 201, the 7th February 1986

No. GN:028.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri T. E. John a permanent employee in the Department of Space, as Assistant Purchase Officer in the INSAT-1 Master Control Facility with effect from the forenoon of 6th February 1986.

VK NAIR Administrative Officer-II for Project Director

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 17th February 1986

No. E(I)06271.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 6-11-1985 of Shri Yash Pal Singh, an officer of Indian Meteorological Service Group 'B' (Gazetted) posted as Assistant Meteorologist in the Office of the Director General of Meteorology, Lodi Road, New Delhi.

The 18th February 1986

No. A.38019/11/83-E.I.—Dr. A. A. Ramasastry, Deputy Director General of Meteorology (Weather Forecasting) Pune, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from 31-1-1986 (Afternoon) on attaining the age of superannuation.

The 20th February 1986

No. E(1)00969.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 15-1-1986 of Shri Pulak Bhattacharya, an officer of India Meteorological Service Group 'A' (Gazetted), posted as Meteorologist Grade I at Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)04330.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 14-12-1984 of Shri S. K. Saha, an officer of Indian Meteorological Service Group 'B' (Gazetted), posted as Assistant Meteorologist at Regional Meteorological Centre, Nagpur.

K. MUKHERIEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th February 1985

No. A. 32013/7/83-EC - In continuation of this Department's Gazette Notification No. A. 32013/7/83-EC dated the 26th Nov. 1984, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant a

Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period indicated against each:—

Sl. No. Name					Period		
					From	То	
1	2			A	3	4	
S/Sh	ri						
1. N.S	. Khaira .				1-3-85	31-3-86	
2. T.N	. Viswanathan				30-12-84	31-3-86	
3. C.S.	Ahluwalia				29-12-84	31-3-86	
4. Balb	oir Singh .				29-12-84	31-3-86	
5. K.L	. Kapoor .				28-12-84	31-3-86	
	Grewal .				16-1-86	31-3-86	
7. J.D.	Rastogi .				20-10- 85	31-3-86	
8. K.K	. Sandilya		•		28-12-84	31-3-86	
	.S. Lota .				28-12-84	313-86	
10. K.K	. Gandotra				28-12-84	31-3-86	
11. P.K	. Sarkar (SC)				30-12-84	31-3-86	
12. G.N	I. Saha (SC)				30-12-84	31-3-86	
13. D.E). Patil .				9-1-85	31-3-86	
	. Bhasin .				21-1-85	31-3-86	
	. Sengupta				30-12- 84	30-9-85	
	. Randhawa				20-1-85	31-3-86	
	. Kulshreshta				30-12-85	31-3-86	
	wanath Dutta				30-12-84	31-3-86	
	. Ghosh .				30-12-84	31-3-86	
20. P.T.	M ujarati				30-12-84	31-3-86	
21. M.V	. Nambiar			•	30-12-84	31-3-86	
22. Y.P	. Kaushik .				30-12-84	31-3-86	
-	oal Misra .				12-1-8 <i>5</i>	31-3-86	
	1. Suryanarayan	an			30-12-84	31-3-86	
	layaram (SC)				30-12-84	31-3-86	
26. R.K	Hazra (SC)				30-12-84	31-3-86	
27. M.I					18-1-1985	31-3-86	
	. Bhanot .	• '			9-1-85	31-3-8	
29. S.V.				•	30-12-84	31-3-8	
30. V.S.	. Nanda				30-12-84	31-3-86	
	. Ghoshal				30-12-84	31-3-86	
32. K.L					31-1-85	31-3-8	
	. Warrier				30-12-84	31-3-86	
34. T.S					30-12-84	31-3-86	
	. Motwancy				30-12-84	31-3-86	
36. J.A.	N. Murthy				6-1-85	31-3-86	
	. Verma .				3-1-85	31-3-86	
38. S.K	. Nayyar .				27-1-85	31-3-86	
39. K.L	. Bhatia				31-12-84	31-3-86	
40. K. V	Venkataraman				30-12-84	31-3-8	
41. N.N	I. Singh .				2-1-85	31-3-86	
42. M.S	. Chauhan				28-12-84	31-3-86	
43. D.S	. Jahagirdar				4-1-85	31-3-86	
44. Jagj	it Singh .				28-12-8‡	31-3-86	
	. Khuman .				29-12-84	31-3-86	
46. K .C	C. Goswamy				24-1-85	31-3-86	
	alendu Dutta				30-12-84	31-3-86	
48. D.F	C. Taneja .				30-12-84	31-3-86	
49. Ha	bajan .				29-12-84	31-3-80	
50 Tax	man Ram (SC)				30-12-84	31-3-86	

2. The extension of period of ad-hoc appointment of the above officers shall not bestow on them a claim for regular appointment as Technical Officer and service so rendered on a 1-toe basis shall neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade,

No. A.32013/14/84-EC(.).—The President is pleased to appoint the following officers in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from January 20, 1986 and until further orders:—

- 1. Shri S. K. Govilkar-Senior Technical Officer.
- 2. Shri Arun Talwar-Senior Communication Officer.

The 17th February 1986

No. A. 32014/1/84-EC (Pt-II)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Communication Officer in the scale of pay of Rs. 650-1,200/- on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date shown against each or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier and to post them to the station indicated against each:—

SI. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over
S/	Shri			
1. V	inod Kumar	Bombay	Bhopal	1-7-85 (FN)
2. M	I. Kadiresan	Madras	Madras	10-3-85 (FN)
3. I.	. Saldhana	Bombay	Bombay	16-3-85 (FN
4. N	I.K. Roy	Patna	Patna	31-3-85 (FN)
	.C. Bhatta- narjee	Lilabari	Gauhati	20-4-85 (F N
6. S	K. Sengupta	Panagarh	Gauhati	31-3-85 (FN)
7. N	ti nal Sen	Calcutta	Calcutta	30-5-8 (FN)5
8. P.	VK. Rao	Hyderabad	Hyderabad	30-3-8 5 (FN)
9. M	.K. Rattan	Khajuraho	Amritsaı	31-8-85 (FN)
10. A	.H. Baxi	Rajkot	Ahmedabad	30-3-85 (FN
11. N	.R. Bardhan	Belgaum	Nagpur	28-3-85 (FN)
12. B	.K. Nair	Bombay	Bombay	1-6-85 (FN)

2. The ad-hoc appointment of the above officers in the grade of Assistant Communication Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the same grade and the service so rendered on ad-hoc basis will not count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN,

Deputy Director of Administration

New Delhi, the 17th February 1986

No. A. 32014/2/85-ES-The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the continuance of ad-hoc appointment of the following Superintendents to the post of Administrative Officer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-1000-EB-40-1200, at the station of posting cnot)

b e low, for a period indicated against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

Sl. Name No.	Period of ac appointment	Station of posting as Ad-		
-	From	To	Officer (ad- hoc)	
S/Shri				
1. S.R. Verma	6-9-85	31-3-86	O/o Dircc Delhi	,
2. M.L. Bhasin	15-12-85	31-3-86	O/o Direc Delhi	•
3. S.K. Saha	30-12-85	31-3-8 6	O/o Direc Madr	,
4. M.D. Sharma	6-1-86	31-3-86	O/o Direc Delhi	•

The 20th February 1986

No. A.38014/1/84-ES.—Shri G. L. Jutshi, Store Officer, relinquished charge of the post of Store Officer in the office of Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi in the afternoon of the 30th September 1985 on attaining the age of supertannuation.

The 21st February 1986

No. A.32014/1/84-ES.—Shri M. Chakraborty, Administrative Officer (ad hoc) (Group 'B' post) in the office of Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st December 1985, on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE Deputy Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 13th February 1986

No. 1/86.—Shri M. R. Shirlekar, Assistant Collector of Central Excise Group 'A' of this Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31-1-1986 (A.N.).

R. K. AUDIM Deputy Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 21st February 1986

No. 2/86 (C. No. 1092/8/85.—On his retirement on superannuation, Shri Damodar Prasad relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection, Customs and Central Excise in the Directorate General of Inspection (C&CE), New Delhi w.e.f. 31-1-1986 (AN).

B. K. AGARWAL Director General of Inspection

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 20th February 1986

No. 3-735/86-CH(Estt.).—Shri Binoy Ranjan is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis, in the Central Ground Water Board, w.e.f. 29-1-1986 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 16th January 1986

No. 62/86-F. No. 7/1/83-Adm. I(B)—The Chairman, Ce tral Electricity Authority hereby appoints the undermentioned officers to the Central Power Engineering (Group B) Service in the grade of Extra Asstt. Director in the CEA in a substantive permanent capacity with effect from the dates shown against their names:—

SI. Name & Designation No.				Date of ap- pointment as EAD in subs- tantive capacity
S/Shri 1. S.S. Yatri, A.D. 2. K. Santhanam, Dy. Director	•	•	•	16-3-81 27-9-82

R. SESHADRI Under Secy.

MINISTRY OF TRANSPORT DEPARTMENT OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 30th January 1986

No. 85/M(W)/964/98.—It is hereby notified for general information that the Department of Railways, Railway Board, have set up a new organisation for the project for manufacturing rail coaches, under the charge of an Officer on Special Duty with headquarters at Kapurthala, Punjab. The name of the new project is 'Rail Coach Factory'.

The 13th February 1986

No. 85/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted section of 'Western Railway' that the overhead traction wires on these lines will be energised at 25000 volts AC on or after the dates specified against the section below. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of said overhead lines.

Section and Date

Dahod to Meghnagar/SP (from Km 542 to 577)—31-12-1985.

A. N. WANCHOO Secy., Railway Board

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apex Bearing Private Limited

Jalandhar, the 14th February 1986

No. G/Stat/560/9326.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Apex Bearing Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 17th February 1986

No. F. 71-Ad(AT)/86.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Incometax (Appellate Tribunal) Rules, 1963:

- These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1986 and shall come into force with immediate effect.
- 2. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963 Rule 17-A shall be substituted by the following:
 - "Dress regulations for the Members and for the representatives of the parties
 - Summer dress for the Members shall be white pant with black coat and a black tie or a buttonedup black coat.

In winter, striped or black trousers may be worn in place of white trousers.

In the case of female Members, however, the dress shall be black coat over white saree.

- (ii) Dress for the authorised representatives of the parties (other than a relative or regular employee of the assessee) appearing before the Tribunal shall be the following:
 - (a) In the case of male, a suit with a tie or buttoned-up coat over a pant or national dress, i.e. a long buttoned-up coat on dhoti or churidar pyjama. The colour of the coat shall, preferably, be black.
 - (b) In the case of female, black coat over white or any other sober coloured saree.

Where, however, the authorised representatives belong to a profession like that of lawyers or Chartered Accountants and they have been prescribed a dress for appearing in their professional capacity before any Court, Tribunal or other such authority, they may, at their option, appear in that dress, in lieu of the dress mentioned above.

(iii) All other persons appearing before the Tribunal shall be properly dressed."

By order of the Appellate Tribunal
G. P. BAJPAI
Registrar
Income Tax Appellate Tribunal

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th February 1986 CORRIGENDUM

Notice under Section 269-D(I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

A.P. Nos. 5958 to 5968

In the Notice u/s 269-D(I) of Income Tax Act 1961 (43 of 1961) of dated 7-2-1986 the names of Servshri Amritpal

Singh, Paramjit Singh and Tejinder Singh ss/o Shri Gurgopal Singh (Transferors) may be read in Col. No. 1 instead of Shri Amritpal Singh, Paramjit Singh ss/o Gurgopal Singh.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated: 10-2-1986

(Scal)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. Ramabhadran No. 82 'B' 2nd Block, Rajaji Nagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri Nasiruddin Shaik & Zakia Mohamed Saleh—Al-Kunhi by P.A. Holder M.A. Hameed 29, Heerachand layout. Cox Town, Bangalore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th February 1986

C.R. No. 62/47742/85-86/ACQ/B.--Whereas, I F. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1069, situated at H.A.L. II Stage Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 742/85-86 on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestic decreased the apparent consideration therefore by more than taid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 742/85-86 Dated 6-6-85]

All that property bearing No. 1069 situated H.A.L. 2nd stage extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-2-86

(1) M/s. The Citizens Co-operative Housing Society Ltd., Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri H. Ebrahim, No. 302, 39th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th February 1986

C.R. No. 62/48066/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 32 in Sy. No. 5 situated at Byrasandra, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar under document No. 599/85-86 on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

[Registered Document No. 599/85-86 Dated 5-6-85]

All that property bearing No. 32 in Sy. No. 5 situated at Byrasandra, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-86

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 29h January 1986

AR-I/37EE/6894/85-86.--Whereas, I. Ref. No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office Premises No. 126, 12th floor, Plot No. 215, Free Press
House, Nariman Point, Bombay-400 021
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which emaht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Aesthetic Builders Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) M/s. Ashok Commercial Interprises

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 126 on the 12th floor, Plot No. 215, Free Press House, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6465/85-86 on 12-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 29-1-1986

(1) Arun P. Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6972/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 interest in Flat No. 16, 1st floor, Chandralok B Bldg., Many Mandir Road, Walkeshwar, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Manav Mandir Road, Walkeshwar, Bombay-6 has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-63-496GI/85

(2) Meena Pramod Parikh

(Transferee)

(3) Pramod P. Parikh (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 interest in flat No. 16, 1st floor, Chandralok B Bldg., Manav Mandir Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6539/85-86 on 18-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 7-2-1986

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 29th January 1986

has been transferred and the agreement is registered under NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 48, 5th floor, Geeta Bhavan B, Warden Road, Pornhay 400,006

Bombay-400 026

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jayaben Jethalal Kapadia & Saryuben R. Kapadia (Transferor)

(2) Smt. Indira Kirti Desai, Master Tejas K. Desai Master Ashih K. Desai.

(Transferee:

(3) Transferees

(Person in occupation of the property) THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days

 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 5th floor, Geeta Bhavan 'B', Warden Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6291/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-1-1986

- (1) Smt. Jankibai Ramchandra Dewoolker.
 - (Transferor)
- (2) Jaysukhlal Girdharlal Vora.
- (3) Tenants 3.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21949/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Ramkunj, Plot No. 126, Dr. M. B. Raut Road, Shivaji

Park, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ramkunj Plot No. 126, Dr. M. B. Raut Road, Shivaji Park, under G Ward Nos. 4836 (I) & St. No. 51, Bombay-

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21949/85-86, on 21-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Dated: 12-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986 Ref. No. AR.II/37EE/20837/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. S. No. 1/160, Cadell' Road, Mahim Division, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kantilal Jerambhai Patel.

(Transferor)

- (2) M/s. Bhayana Construction Co.
- (3) Tenants. (Transferee) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Cadell Road, Veer Savarkar Marg, S. No. 1/160 & Cadestral S. No. 106-107 Mahim Division.

Authority, Bombay under No. AR-II¹/37EE/20837/85-86 on 1-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II Bombay

Dated: 12-2-1986.

(1) Prince Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Popatlal Lalji Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR.III/37.EE/21856/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. flat No. 603, 6th floor, Prince Apartments, Gopal Lanc. Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

petent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Prince Apartments, Gopal Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37FE/21856/85-86 on Competent 1-6-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under generation (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-2-1986,

(1) Dr. Amish R. Doshi.

(2) Mr. Nilesh R. Doshi.

(3) Transferee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7052/85-86.—Whereas, I, MIS-IR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to 3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Office No. 109, Maker Bhavan No. 3. 21, New Marine

Lines, Bombay-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property are secured.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferee) (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 109, Maker Bhavan No. 3, 21, New Marine Lines, Bombay-20.

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6617/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Dated: 13-2-1986.

(1) Turner Morrison & Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) CITIBANK NA.

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6810/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Apartment No. 302, 3rd floor, Garage No. 11, Belsoot, 37,
L. Jagmohandas Marg, Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11, 37, L. Jagmohandas Marg, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6268/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 13-2-1986.

The second secon FORM ITNS-

(1) Asha Shankar Chavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Godavari Shewakramani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6784/85-86.—Whereas. I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 8. 1st floor, Navyug Niwas, 167 Lamington Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacreys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 8, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6250/85-86 on 1-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 13-2-1986.

(1). Asha Shankar Chavan

(Transferor)

(2) Ghansham Shewakramani Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6787/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Room No. 10 (I & II) Navyug Niwas, Lamington Road,

Bombay-7

Rombay-/
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, II any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a-are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE.

Room No. 10 (I & II), 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6190/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-496GI/85

Date: 13-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt Asha Shankar Chavan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jamnomal Shewakramani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6785/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 9, 1st floor, Navyug Niwas, 167 Lamington Road Bombay-7 (and more fully described in the Schadule was a second and more fully described in the Schadule was a second and more fully described in the Schadule was a second and more fully described in the Schadule was a second as a second and more fully described in the Schadule was a second and more fully described in the Schadule was a second and more fully described in the Schadule was a second as a second and the second and th

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 4-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in income arising from the transfer: respect of any and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 9, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington

Road, Bombay 7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6188/85-86 on 4-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 13-2-1986

(1) Asha Shankar Chavan

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jamnomal Family Private Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No.AR-I/37EE/6786/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Room No. 10(II) 1st floor, Navyug Niwas, Lamington
Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fish of the transferor to pay tax under the said Ass respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove property, within 45 days from the date of the pu-cution of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 10(II) 1st floor, Navyug Niwas, 107 Lamington Road, Bombay 7

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6189/85-86 on 4-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1986

(1) Smt. Kantaben Somehand Jiwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahesh Chandra Bagrodia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 13th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6820/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 2, A-Wing, 7th floor with Garage, at Altamount Road, Pritavi Apartments, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazètte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the :iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, A-Wing, 7th floor with Garage, at Alamount Road. Prithvi Apartments, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under No. AR-I/37EE/6277/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authoriy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1986

FORM UTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1986

Ref. No. ASR/85-86/84.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A property situated at Anand Avenue, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitairs are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (*) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Iqbal Kaur w/o Shri Harcharan Singh, Vill. Meherpur, Teh: Nakodar, Distt. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Sh. Amarjit Singh s/o Sh. Malla Singh, Smt. Daljit Kaur w/o Sh. Amarjit Singh, resident of Kapur Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the propety)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows ot be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property No. 18 Anand Avenue, Scheme No. Amritsar, as mentoined in sale deed No. 2871 dated 7-6-85 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

-Date: 6-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1986

Ref. No. ASR/85-86/65.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Vill. Dhilwan, Dera Baba Nanak (and more fully described in the schedule annexed hereto),

Act, 1908 (16 of Act, 1908 (16 of at S.R. Dera Baba 1908) in the Office of R.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sud/ec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Mangal Singh, Vill. Dhilwan, Dera Baba Nanak, Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Sajan Singh, Balwinder Singh & Lakhwinder Singh Ss/o Sh. Santokh Singh, Vill. Dhilwan, P.O. Kotli Surat Malhi, Dera Baba Nanak, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the propety)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 K-2 M, situated in Vill. Dhilwan, Dera Baba Nanak, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 330 dated 18-6-85 of registering authority, Dera Baba Nanak, Amritsar.

J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th February 1986

Ref. No. ASR/85-86/66.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural land

No. Agricultural land situated at vill. Khani Khui, Teh. Pathankot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Gurdaspur on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Shri Kuldip Singh s/o Shri Punjab Singh, Vill. Khani Khui, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Darbara Singh s/o Sh. Gopal Singh, Vill. Chak Raje, Distt. Gurdaspur.
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the propety)

 (4) Any other
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

· Agriculutral land measuring 56 Kanal, 8 Marla, situated in Vill. Khani Khui, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed executed on 11-6-85, of Registering Authority, Gurdaspur.

J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th February 1986

Ref. No. ASR/85-86/67.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agricultural land situated at Vill. Umranangal, Teh. Baba Bakala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Baba Bakala on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Gurdit Singh, Vill. Dhaliwal Bate. Distt. Kapurthala.

(2) S/Shri Jagir Singh, Karam Singh, Jarnail Singh, Ss/o Sh. Lal Singh, Smt. Jagiro d/o Shri Lal Singh, Vill. Cheema Baath, Teh. Baba Bakala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the propety)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 K—9 M, situated in Vill. Umranangal, Teh. Baba Bakala, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1849 dt. 28-6-85 of registering authority Baba Bakala.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th February 1986

Ref. No. A.P. No. 5970.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hreeto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1985

on June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—496GI/85

(1) Shri Sudhir Kumar s/o Murari Lal R/o S-57, Industrial Area, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Amrik Singh S/o Hira Singh r/o Ghumaran Masjid, Ladowali Road, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interseted in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period emptres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. EF-363 situated in Chowk Ghumaran Wali Masjid, Jalnadhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1619 dated June, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE|Def. 925|1984-85|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing

as the said Act) have reason to believe that the inhadyable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No. Immovable property bearing Flat No. 20 on 2nd floor of Vishwa Co-operative Housing Soc. Ltd. situated on Plot No. 26-A, Sector 9-A, Vashi, New Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Cincer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sakharam S. Yewle, Bhatwadi, Barve Nagar, Ghatkopar, Bombay.
 - (Transeror)
- (2) Mrs. Indravati H. Singh, Plot No. 198, Sector No. 8, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 on 2nd floor of Vishwa Co-operative Housing Society Ltd. situated on Plot No. 26A, Sector 9A, Vashi, New Bombay.
(Area 910 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pane, under document No. Def. 925/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/952/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, on first floor, in "New Survodaya" at plot No. 29-H, Sector No. 4, Vashi, New Bombay situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Ghruh Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Shivamani, 15/164 Guru Krupa, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, on first floor, in "NEW SARVODAYA" at Plot No. 29-B, Sector No. 4, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 952/1985-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Pune

Date: 13-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2775/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/5 in Survey No. 155|1A|1A|1|1|1|2 of Mouja,

Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985 I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vastu Sundar Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, C/o Walchandnagar Industries Ltd., 16 M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. V. B. Nadgauda, B-23/A Main Colony, Walchandnagar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/5 in Survey No. 155|1A|1A|1|1|1|2 of Mouje. Aundh, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2775/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 10-1-1986

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/1445/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Cottage No. 26A at Lalco Cottages, Tungarli Road, situated at Longvala

ta Lonavara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn Range, Pune on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. K. Lalco Pvt. Ltd. 1017/1018, Dalamal Tower, Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Rohidas Nago Perekar & Mrs. A. A. Shivkar, F/13, Kripanagar,
S. V. Road, Vile Parle (W), Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 26A at Lalco Cottages Tungarli Road, Lona-vala.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 1445/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 17-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961);

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/349/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that the inimovation property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Ground Floor in Building named Divyalok Apartments Off Gangapur Road, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Parittering Officer of

of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Thakker & Thakker 1516,, Bhadrakali, Nasik.

(Transferor)

(2) Mr. Laxman Sahdeo Sarode Ashok Bhuvan, Dindyal Cross Road, Dombivali (W), Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harely are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, in building named Divyalok Apartments, off. Gangapur Road, Nasik. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 349/1985-86 in the month of Sept., 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 10th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2778/1985-86.-Whereas, I ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/3 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/2 of Mouje situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Vastu Sunder Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit C/o Walchandnagar Industries Ltd. C/o Walchandnaga 16, M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. V. M. Shriram J-2/B, Post Colony, Walchandnagar, Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Fla. No. B/3, in Survey No. 155/1A/1A/1/1/1/2 of Mouje, Aundh, Pune.

(Area 785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune under document No. 2778/1985-86 in the month of Sept. 1985.

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pone

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Vastu Sunder Sahakari Griha Rachana, Sanstha Maryadit, C/o Walchandnagar Industries Ltd. 16, M. G. Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Rajan K. Bhemde "Shriniwas", 7 A/1, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2772/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A 1/4 in Survey No. 155/1A/1A/11/1/2 of Mouje Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 1/4 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/1/2 of Mouje, Aundh, Pune.

(Property as described in the arrangement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2772/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1986

(1) Vastu Sunder Sahakari Grih Rachana Sanstha Maryadit, Walchandnagar Industries Ltd.

16, M. G. Road, Pune-1.

(2) Mr. M. V. Kulkarni 1303, Kasba Peth, Pawale Chowk, Pune.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Pune, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2780/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR, Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C/6 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/2 of Mouje, Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the usid instrument of transfer with the chief of the consideration.

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- lb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

66-496GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/6 in Survey No. 155/1A/1A/1/112 of Mouje Aundh, Pune.

(Area 580 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2780/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2782/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have respond to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Al/3 in Survey No. 155|1A|1A|1|1|2 of Mouje, Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Vastu Sunder Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, C/o Walchandnagar Industries Ltd. 16, M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Shah "Surashree" Flat 1A, 1146-B/C, Lakaki Road, Shivajinagar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A1/3 in Survey No. 155|1A|1A|1|1|1|2 of Mouje,

Aundh, Pune.
Aundh, Pune. (Area 1396 sq. ft.)
(Property as described in the arrangement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2782/185-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2781/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A/8 in Survey No. 155/1A/1A/1|1|1|2 of Mouje Aundh, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at at IAC., Acqn Range Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Vastu Sunder Sahakar Griha Rachna Sanstha Maryadit, C/o Walchandnagar Industries Ltd. 16 M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. M. U. Shahani Mrs, R. C. Hodiwalla, B-6, Harikunj Apartments, 428 Gokhale Road,

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/8 in Survey No. 155/1A/1A/1|1|1|2 of Mouje Aundh, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2781/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.
Competent Authority

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/2777/37EE/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C/3 in Survey No. 155/1A/1A/1|1|1|2 of Mouje Aundh, Pune District situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC., Acqn Range Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Vastu Sunder Sahakar Griha Rachna Sanstha Maryadit, C/o Walchandnagar Industries Ltd. 16 M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Rosy Borges, 2039 B West Street, Camp, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/3 in Survey No. 155/1A/1A/1|1|1|2 of Mouje Aundh, Pune District. (Area 580 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2777/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Vitthal Ravaji Khutwad, Cfflo Somanath Jagannath Deshmankar, Tupsakhare Enterprises, 37 Meghdoot Shopping Centre, Nasik Dist. Nasik.

(2) Shri Somanath J. Deshmankar, C/o Tupsakhare Enterprises, 37 Meghdoot Shopping Centre, Nasik, Dist. Nasik.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 30th January 1986

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Ref. No. IAC,ACQ/CA/5/37G/245|1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 724/1/1 College Road, T. P. Scheme No. 2, Nasik, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Nasik on Sept. 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

S. No. 724/1/1 College Road, T. P. Scheme No. 2, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 245/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Digambar Bapuji Kale & Others, 1796 Juni Tambat Ali, Nasik, Dist. Nasik. (Transferor)

(2) Smt. Charushila Prakashrao Sangale, Mandar Ganesh Housing Society, Near Bytco Salkies, Nasik Road, Dist. Nasik.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 30th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/244|1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at Nasik S. No. 883/1 Plot No. 5 situated at

Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Nasik on Sept. 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afercanid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nasik S. No. 883/1 Plot No. 5.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. .244/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Dagubai N. Sonawane, At & Post Morwadi, Nasik, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Prakash D. Wagaskar, C/o MISA, Satpur, Nasik,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 27th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/175|1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Out of S. No. 904/1/2 on Bombay Agra Road, Tal. and Dist. Nasik. Dist. Nasik. stuated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Nasik on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Out of S. No. 904/1/2 on Bombay Agra Road, Tal. & Nasik.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 175/ 1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Pune.

Date: 27-1-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CGMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 27th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/212/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveble property having a foir market value evention movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 137, S. No. 31, 34, 35, 36 village Navghar, Vasai Road (W) Dist. Thana, situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred under the Recipitation. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shah Meghji Ranshi & Co. S. V. Road, Opp. Khira Nagar, Santacruz (W), Bombay.

(Transferor)

(2) V. S. Enterprises, Court Chambers, New Marine Lines, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 137, S. No. 31, 34, 35, 36 village Navghar, Vasai Road, (W) Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 212/85-86 July 1985)

> ANIL KUMAF.
> Competent Authority Acquisition Range, Pune.

Date: 27-1-1986.

il i com altilogramu e

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 27th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/209/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 6, Survey No. 30, 31 part 35, 36 Part, Navghar Tal. Vasai, situated at Vasai. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at S. R. Vasai on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-67—496GI/85

Shri Dasrath Baburao Jadhav and Shri Vinayak Govind Choudhari. At Vasai, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Chandravijay Associates, 2 Jagriti, 141 Senapati Bapat Marg, Matunga, (W) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Survey No. 30, 31 Part, 35, 36 Part Navghar, Tal. Vasai, Dist Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 209/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date : 27-1-1986 Sael :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/424/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C.T.S. No. 1314 Ahmednagar situated at Ahmednagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Ahmednagar on Nov. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to betveen the parties has not been truly stated in the said instrurit of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Tijabai Zumberlal Malani, Opp. Bhagat Building, Bhikar Bazar, Old Dane Dabara, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Smt. Shantabai Nemichand Khinvasara, Bhikar Bazar, Opp. Bhagat Building, Old Dane Dabara, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1314, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 424/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL UMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 31-1-1986

 Shri Sandu Pundlik Dhande, 435/4 New Agra Road. Nasik.

(Transferor)

 Shri Mohamed Hussain Abdullabhai Umarelwala, C/o Shri Sandu Pundlik Dhande, 435/4 New Agra Road, Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/423 1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 435/3-1 & 435/2 Nasik situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

S. No. 435/3-1 and 435/2 Nasik.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 423/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 31-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/450/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2 at plot No. 60, M.S.E.B. Road, Pimpri, Poona
cityoted at Pure.

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1985 at I.A.C., Acqui. Range, Fine on Julie 1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sukhwani Constructions. 159/1 Rajendra Prasad Road, Pimpri Colony, Pune-17.

(Transferor)

(2) Miss Asha T. Mulchandani, P.W.D. Block 23/6, Pimpri Colony, Pune-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 at Plot No. 60, M.S.E.B. Road, Pimpri, Poona. (Area 855 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 450/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-1-86

(1) Mrs. Neela Deepak Pradhan, 495 Shaniwar Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hemant Laxman Potnis, 96 Mangalwar Peth, Bhor.. Dist. Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/568/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2B/5, Second floor at Plot Nos. 13 to 19 S. No.
634/3A+5A=5B, Bibavewadi, Pune, situated at Pune
tand more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqu. Range, Pune on June 1985

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 2B/5 Second floor, in property at Plot Nos. 13 to 19 S. No. 634/3A-5A-5B, Bibavewadi. Pune.

(Area 710 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 568/1985-86 in the month of June 1985). Date: 31-1-1986

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 28-1-1986

(1) Smt. Saraswati Gajanan Bhome, 615 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Chaphalkar Ladha & Hublikar, 215, Parvati, Pune-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1461/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 615, Narayan Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 615, Narayan Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1461/1985-86 in the month of July 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/994/1985-86.—Whereas, 1, ANIL KUMAR.

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 9 Sarosh Bhavan, 16 B-1 Dr. Ambedkar situated at Pune

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceedss the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sarosh Apartment 16 B-1 Dr. Ambedkar Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Kum. Umme Aymen A. Kalimuddin, (Minor) Father & Natural Guardian Mr. A. Kalimuddin, Al Aghar, Saifee Mahal, A.G. Bell Marg, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sand immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 9 on second floor, Sarosh Bhavan, 16 B-1 Dr. Ambedkar Road, Pune-1.

(Area 852 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 994/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 28-1-1986.

N() FICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Western India Trustee & Executor Co. Ltd. Satara (for Rakhamabai Dixit Trust).

(Transferor)

(2) Sh. S. S. Deodhar (HUF) 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th January 1986

ACQ/CA-5/37EE/456/1985-86.—Whereas, Ref. No. IAC I, ANIL KUMAR,

1, ANIL KUMAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1299 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at

Pune

rune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

1299 Sadashiv Peth, Pune-30, (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 456/1985-86 in the month of June 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Dated: 28-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2692/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land is situated at Sangamwadi and the Survey

No. is 21/5A/1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

 Navasphurti Co-operative Society Ltd. Sub Plot No. B-1 F.P. No. 28, S. No. 21/5A/1 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Girisons Sales Corporation,
 (Division of Girisons Fabrics P. Ltd.),
 535 Meghdoot, Linking Road, Khar, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n.eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Sangamwadi and the Survey No. is 21/5A/1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2692/1985-86 in the month of Sep. 1985).

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) cf Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—496GI/85

Dated: 29-1-1986.

FORM ITNS----

(1) M/s. Vishal Builders & Promoters, 459 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE HASPICTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/461/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269AB of the Lecome-tax Act 1961 (43 of 1961) (pereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1.00,000/- and beating No. Godown No. 5 at Vaishali Apartments,

459 Narayan Peth, Pune-30.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the na resaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of immeder with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to the transferor to pay tax under the said Act is properly of one imposes seising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any which cushe to be disclosed by the transferee for the surpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I harchy critiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the usua of this notice under subsection (1) of Section 259D of the mid Act, to the following nersous namely:---

(2) Mehta Trust, "Chandrakanta" 1202/15-8 Apte Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 5, at Vaishali Apartments, 459 Narayan Peth, Pune-30.

(Area---

(Property as described in the agreement to sae registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 461/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 28-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5577/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land at Tungarli Tal. Mayal, Dist. Pune bearing

sub plot No. 1 in final plot No. 77 of Lonavala, City Scheme No. 1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lineality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any more or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomposax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Madhuri A. Kotwał & Mrs. Gulabhai R. Nayak,
 103 Sugan, 6 Cumballa Hill Road, Bombay.
 (Transferor)

(2) Dinyar D. Bhatina & K. D. Bhatina, Mehr Dab. Flat No. 151, 15th floor Cuffe Parade, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land at Tungarli Tal. Maval, Dist. Pune, bearing Sub Plot No. 1, in final plot No. 77 of Lonavala, City Scheme No. 1.

Scheme No. 1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5577/1985-86 in the month of Oct. 1985).

ANIL KUMAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 29-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6487/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the "income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Survey No. 14, Hissa No. 1 situated at Village
Chikanghar, Tal. Kalyan, Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons persons. ing persons, namely:-

(1) Sh. Avinash Alias Shriram Ambadas Dohale, Shani Road, Savda, Post-Savda, Tal. Raver, Dist. Jalgaon:

(Transferor)

(2) Alguj Constructions and Estates (P) Ltd. 219 Sai-Vihar, Shivaji Path, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 14, Hissa No. 1 situated at Village Chikanghar, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6487/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 29-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Uday Land Developers, 168/13 Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Harsukhlal R. Shah, A/8 Neminath Apartment, Simpoli Road, Borivli (W), Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5195/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property at Village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane
bearing Survey No. 71 (Part)
situated at Thane

situated at Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at i.A.C., I.A.C., Acqn. Range, Pune in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27. et .1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Village Achole, Tal. Vasai, Dist, Thana, bearing Survey No. 71 (Part).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, Pune under document No. 5195/1985-86 in the month of Oct. 1985).

> ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 29-1-1986. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4493/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property recognised as 31 Shukrawar Peth, Pune-2 in Bhaumaharaj Boal, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1985

of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Tukaram Shivram Caikwad, 31 Shukrawar Peth, Pune-2,

(Transferor)

(2) Ashwamegh Promoters & Builders, Prop. Anand Dattatreys Olkar, 88/1 Geetgovind Apartments, Sahakar Nagar No. 2, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires nater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property recognised as 31 Shukrawar Peth, Pune-2 in Bhaumaharaj Boal, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4493/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 29-1-1986.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2694/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land is situated at Sangamwadi and the Survey No. 1321/5-A/1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfe of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Navasphurti Co-operative Society Ltd. Sub Plot No. B-1 F.P. No. 28, S. No. 21/5A/1 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor) (2) Girisons Traders (Division of Girisons Fabrics Pvt. Ltd.) 535 Meghdoot, Linking Road, Khar, Bombay-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Sangamwadi and the Survey No. is 21/ 5A/1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2694/1985-86 in the month of Sep. 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Poona.

Dated: 29-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Joshi Promoters, 217 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1986

(2) Sh. Sudhir Mahadeo Gokhale, 635 Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2704/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground plus fourth floor on back side wing of the building in East-South corner of the property at

building in East-South corner of the property at 1265 (New) 716 (Old) Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C, Acqn. Range. Pune on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferormalion.
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground plus fourth floor on back side wing of the building in East-South corner of the property at 1265 (New) 716 (Old) Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2704/1985-86 in the month of Sep. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 29-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/180/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 283, Main Street, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acap Pange Pune on Sep. 1985 Acqn. Range, Pune on Sep. 1985

Acqn, Range, Pune on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

 (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 69—496GI/85

(1) Mr. Sharif Abdul Gani & Others. Block No. 21, Indralok Society, 340 Tadiwala Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Sh. Pratik P. Anjaria, 16 Queen's Garden Road, Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:~~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Situated at House No. 283, Main Street, Pune-1. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 180/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 28-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kaveri Builders 80 Market Road, Kirkee, Pune-3.

(Transferor)

(2) Sh. C. P. Varghese, 3 Bombay Pune Road, Kirkee, Pune.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/979/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on ground floor, C.T.S. No. 3157 at Bopodi, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acan Range, Pune on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on ground floor, C.T.S. No. 3157 at Bopodi. Tal. Haveli, Dist. Pune. (Area 700 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 979/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1611/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000ffl- and bearing No. Flat No. 32, in H 2 Wing on third floor of Mahavir Nagar Complex on land bearing S. Nos. 15/1, 2, 3, 4, 5 and S. No. 12/7 at Manpada Road, Dombivli (E) Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jain Builders, Chheda Bhuwan, 5th floor, 98 Surat Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Namdev R. Sawant, B.I.T. Block No. 1, 1st floor, Room No. 90, Mazagaon, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 in H 2 Wing on third floor of Mahavir Nagar Complex on land bearing S. Nos. 15/1, 2, 3, 4, 5 and S. No. 12/7 at Manpada Road, Dombivli (E) Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1611/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition range, Poona

Date: 10-2-1986

FORM LTNS.-

(1) Shri S. R. Thakur, C/o M/s Amba Construction, Yashawati Building, Ram Maruti Road, Cross Lane No. 4, Naupada,

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti H. Sampura, 11 Krishna Niwas, M.G. Road, Naupada, Thane.

(Transferee)

YOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1491/1985-86.-

whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 4, 2nd floor, at C.S. No. 16-A-2B T. No. 22, situated at Vishnu Nagar, Naupada, Thane,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.I. is respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the mid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, at C.S. No. 16-A-2B-T No. 22 Vishnu Nagar, Naupada, Thane.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1491/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

Scal:

(1) M/s. Bajranbali Engg. Pvt. Ltd.—246 (66) G.T. Road Liluah, Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shil Chandra Subhash Chandra—65, G.T. Road, Liluah Howrah. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. AC-34/Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 246 (86) situated at G.T. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. (Cal.) on 3-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fitteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: Flat 6000 sq. ft. Address: 246 (66) Grand Trunk Road, Luluah, Howrah. Deed No. 8079 of 1985.
Date: 14-2-1986.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Calcutta
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

PUKM ITNS

(1) Jayant Kripalani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Mrs. Kamlakumar and Mrs. Sajni Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 3/85-86/SI.1162 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8/1A, situated at Chowrnighee Lane, Calcutta-16,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred unnder the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering officer at
I.A.C., Acquisition Rangel-, Calcutta on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided proportionate share of land together with a flat measuring 753 sft. being flat No. 1 on the second floor in Chowringhee Apartments at 8/1A, Chowringhee Lane, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 3 dated 1-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date: 14-2-1986 Seal:

(1) M/s Sujan Viniyoge Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Miss Sudesh Khosla and Miss Dr. Aneeta Khosla.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 4/85-86/Sl, 1163 I.A.C./Acq. R-I/Cal.— Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 18A, situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. R-I, Calcutta on 3-6-1985 for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided share or interest on the roof of 5th floor of preinterest on the roof of 5th floor of premises No. 18A, Park Street, Calcutta, comprising in flat No. 5-H. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 4 dated 3-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1986

LETE BLEET TO THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

FORM ITNS----

(1) Kanhaiyalal Agarwal and Jagdish Prasad Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hari Krishna Chaughary and Smt. Sushama Chaudhury and Master Anil Kumai Chaudhary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 7/85-86/Sl. 1164/I.A.C./Acq. R-I/Cal.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acq. R-I, Calcutta on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/er
- (3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 601 on Sixth Floor of 6/1A, Moira Street, Calcutta-17. Area: 1988 sq. ft. Registered bofere the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 7 dated 13-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-2-1986

Seal.

(1) Delite Properties Private Limited and Eastern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Calcutta Teachest and Fibre Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 5A/85-86/Sl.1165 I.A.C./Acq.R-I/Cal. Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Acharya J.C. Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at I.A.C., Acquisition Range-I, on 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 70-496GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Eastern portion of the 7th floor of the building containing an area of 3083 sft. together with undivided proportional interest in the land and other common portion and open parking space for one car at premises No. 8, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 5A, dated 7-6-1985,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 14-2-1986

(1) Smt. Padmini Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Biman Chandra Ray.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **CALCUTTA**

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-143/85-86/Sl. 1166/I.A.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 121, situated at Lenin Sarani, Calcutta-13, (and more fully described in the Schedule anaexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

S.R.A., Calcutta on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or tis. Wearth-to Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 11 cottahs 1 chittack 30 sq. ft. of land together with two separate two storeyed buildings and partly one and two storeyed structures thereon at 121, Lenin Sarani, Calcutta. (Undivided \(\frac{1}{2}\) share). Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-9209 dated 26-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 14-2-1986

(1) M/s Sycotta Tea Co. Limited.

(Transferor)

(2) M/s Annapurna Commercial Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A.17/85-86/Sl. 1167 I.A.C./Acq. R-I/Cal.— SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 28/1, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ' IAC., Acq. R-I, Calcutta on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that Flat Nos. 1, 2, 3 and 4 on the Ground floor with open 6 Car Parking Space—at 28/1, Shakespeare Sarani, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 17 dated 24-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-2-1986

(1) Sri Giriraj Ratan Sadani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mahendra Kumar Agarwal
C/o M/s Ramjum Bonds & Holdings Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 15/85-86/Sl. 1168/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Calcutta on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

All that Flat No. 1-C (Block-C) at 10, Lord Sinha Road, Calcutta together with one servant quarter and open car parking space. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 15 dated 25-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Delite Properties Private Limited and Eastern Builders.

(Transferor)

(2) Andaman Timber Industries Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 6A/85-86/Sl. 1169/I.A.C.IAcq. R-I/Cal.— Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Acharya J.C. Bose Road, Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. R-I, Cal. on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transfered for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of th Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Western portion of the 7th floor of the building containing a super built area of 4740 sft. including the area of open space and terrace appertment to the flat and individual proportionate interest in the land and other common portion and open parking space for one car at premises No. 8, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta 17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 6A, Dated 7-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 14-2-1986

(1) Calcutta Credit Corporation Limited.

(Transferor)

(2) United National Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A. 12/85-86/Sl. 1170/I.A.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

As. 1,00,000 and bearing No.

24, situated at Park Street, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acq. R-I, Calcutta on 22-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; EDI /OI

THE SCHEDULE

All that Shop room No. 6, measuring 340 sft. on ground floor in the building Park Center at 24, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range I, Calcutta vide Serial No. C.A. 12 dated 22-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1986

FORM TINE

(1) Kundan N. Indani and Others.

(Transferor)

(2) Roopchand Chhajer and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A.14/85-86/Sl. 1171/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/1 situated at Lord Sinha Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Calcutta on 24-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- fine facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Baplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 7D measuring 1453 Sft. on 7th Floor of building known as Nataraj of premises No. 1/1, Lord Sinha Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 14 dated 24-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, it hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following part one namely:—

Date: 14-2-1986

(1) Delite Properties Private Limited and Eastern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S.G.S. Investments Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A.13/85-86/Sl.1172/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Acharya J. C. Bose Road, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at IAC., Acq. R-I, Calcutta on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHI DULE

One office room on the 8th floor of the building containing an area of 615 sft. together with undivided proportional interest in the land and other common portion at premises No. 8, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 13 dated 24-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

- (1) Smt. Padmabati Suchanti.
- (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Chandak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A.18/85-86/Sl.1173/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35/1 situated at Chowringhee Road, Calcutta-700071 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. R-I, Calcutta on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of

ellitating the reduction or eve deror to pay tax us ect of any booses, erising

(b) facilitating the concentrate of any income or moneys or other assets which have not been or w ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslits-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person incressed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 2(I) on 2nd floor 'Kailash' 35/1, Chowringhee Road Calcutta-700 071. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 18 dated 27-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Att, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-71-496GI/85

Date: 14-2-1986

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. J. B. Marketing & Services Limited. (Transferor)

(2) M/s Janapriya Finance & Industrial Investment (India) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. C.A.10/85-86/SI.1174/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 113, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acq.R-I/Calcutta on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 1) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Unit No. A on the 7th floor of the building at premises No. 113, Park Street, Calcutta. Area: 6500 Sft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 10 dated 21-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-2-1986

FORM ITNS-(1) Sri Birendra Kinkar Partra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bejoy Krishna Dey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-156/85-86/Sl.1175/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2E situated at Harala Dey Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-8938 on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration No. 1-8938 on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Spjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2 Cottahs of land together with two storied building thereon at 2E, Harala Dey Street, Calcutta, Registered before the Registering Officer at Calcutta, vide Deed No. I-8338 dated 19-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) 1. Jaga Bandhu Deb,2. Pranab Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-151/85-86/Sl.1176/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000—and bearing
No. 112 situated at Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-8336 dated 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the second the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the unit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2)1. Narayan Prasad Agarwal. 2. Aruna Agarwal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the nutice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—First to new and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that themes.

THE SCHEDULE

All that 2 Cottahs 8 Chettaks of Lind more or less together with building thereon at 117, Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta. Registered before the Registering Officer at Calcutta, vide Deed No. I-8336 dated 7-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmel Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-2-1986

(1) Birendra Chandra Goopta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Anudarsh Properties Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-139/85-86/Sl.1177/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11 situated at Sarajini Naidu Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-8693 dated 15-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- 4b) facilitating the concealment of any income or any woncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7 Cottahs 4 Chittaks with building thereon being premises No. 11, Sarajini Naidu Sarani, Calcutta. Registered before the Registering Officer at Calcutta, vide Deed No. 8693 dated 15-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely:—

Date: 14-2-1986

Sear :

FORM I.T.N.S.-

(1) Soumendra Chandra Goopta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Promode Kumar Khaitan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-153/85-86/Sl.1178/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11 situated at Rawdon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-8725 on 15-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fasilitating the reduction or evalent of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any ignores arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

All that 6 Cottah 12 Chittaks of land together with building thereon at 11, Rawdon Street, Calcutta. Registered before Registering Officer at Calcutta, vide Deed No. 1-8725 dated 15-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-2-1986

(1) Smt. Chhabi Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Pravat Kr. Ray.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-142/85-86/Sl.1179/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 121 situated at Lenin Sarani, Calcutta-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

All that undivided ½ share of a property comprising 11 Cottahs 1 Chittack 30 sft. of land together with partly one storied and partly two storied buildings thereon at 121 Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-9208 dated 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Subhadra Dhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surya Kanta Mehra & Smt. Shalini Mehra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 14th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-140/85-86/Sl.1180/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Auckland Square, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Bigha 1 chittack 6 sq. ft. of land together with buildings Bigha 1 chittack 6 sq. ft. of land together with building thereon at 1, Auckland Square, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-8067 dated 1-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any racneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

FORM FINS

(1) Sri Binoy Lal Ghosh & Smt. Lila Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Kumari Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref.. No. C.A.16/85-86/Sl.1182/I.A.C./Acq.R-I/Cal,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 83 situated at Durga Charan Doctor Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range-I, Calcutta on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that two storeyed brick built building together with rent paying land containing an area of 1 Cottah 14 Chittacks 30 Sq. ft. lying at 83, Durga Charan Doctor Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 16 dt. 25-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---72-496GI/85

Date: 14-2-1986

FORM ITN'S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. TR-150/85-86/St. 1181/I.A.C./Acq. R-I/Cal.— Ref. No. TR-150/85-86/Si. 1181/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Wherea; I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. 23 situated at Radha Madhav Saha Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 8-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri Sri Lakshmi Narayan Jew Thakur

Sri Sri Laksimi Narayan Jew Inakt
 Sri Sri Gopal Jew Thakur
 Sri Sri Giridhari Jew Thakur
 Sri Sri Radhashyam Jew Thakur
 Sri Sri Radharani Jew Thakur
 Presented by their Sebait
 Smt Kanak Prova Sen.

(Transferor)

(2) 1. Sri Lakshmi Prasad Shaw
2. Sri Ganesh Prasad Shaw
3. Sri Mahesh Prasad Shaw &
4. Sri Rajendra Prasad Shaw.

(Transferee)

(3) Persons in Occupation: Purchasers.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2 Cottahs 14 Chittacks of land together with a two storeyed building thereon at 23, Radha Madhab Saha Lane, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-8349 dated 8-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Calcutta 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800-001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1156/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S.P. No. 16146, Khata No. 439, Plot No. 21 situated at Mauza Shahzadpur, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration with the object of the consideration of transfer with the object of the consideration with the object of the consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration with the object of the consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the transfer with the object of the consideration and the considerati

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Patna Ucha Nayayalay Yuva Adhibakta Grih Nirman Sahyog Samity Ltd. through Pashupati Nath Jha Secretary.

(Transferor)

 Dr. Sadanand Jha Advocate
 S/o Kapileshwar Jha Patna High Court, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4719 sft. situated at Mauza Shahzadpur P.S. Danapur Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9387 dated 28-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rani Laxmi Bai Mahila Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Kadamkuan. Patna.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1157/Acq/85-86.--Whereas I.

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Tauzi No. 5236, Khata No. 129, Plot No. 1229 situated at Saristabad, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (2) Rameshwar Prasad Singh S/o Late R, Singh Chiraiyatar P.S. Kankarbagh, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and te expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULL

Land measuring 4200 sft. situated at Saristabad P.S. Gardanibagh Dist. Patna and morefully described in deed No. 9449 dt. 21-6-1985 registered with the Registrar of Assurance at Calcutta,

> DURGA PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Ram Autar Mahto of Jaipur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna,

(2) Menka Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.
Patna
through R. J. Singh Secretary.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1158/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing

Plot No. 1381, Khata No. 132 situated at Chandpur P.S. Sultanganj, Dist Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrition Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4½ decimals situated at Chandpur P.S. Suitangani, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9058 dated 24-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patra 800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1159/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 11, Tauzi No. 303, Khata No. 285, Khesra No. 751 situated at Village Sandalpur, P.S. Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen, percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Arun Kumar Mehta
S/o Sri Jaggu Mahto of Sandalpur,
P.S. Sultanganj,
P.O. Mahendru,
Dist. Patna.

(Transferor

(2) Sultanganj Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Regd. No. 73, Pat of 1980 through its Secretary Md. Sagir Ahmad of Dargah Road, Mahendru, P.O. Mahendru, P.S. Sultanganj, Patna.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 3/4 decimals situated at Sandalpur, P.S. Sultanganj Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9212 dt. 26-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1160/Acq./85-86.—Whereas. I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana No. 11, Tauzi No. 303, Khata No. 285, Khesra No. 751 situated at Sandalpur, P. S. Sultangani, Dist Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 26-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not occar or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mithilesh Kumar S/o Sri Sita Ram Mahto of Sandalpur, P.S. Sultangani, P.O. Mahendru, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sultanganj Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.
Patna
Regd. No. 73/Part of 1980
through Secretary
Md. Sagir Ahmad of Dargah Road,
Mahendru, P.O. Mahendru,
P.S. Sultanganj,
Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the foats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said of Act, shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kathas, 18 dhurs, 8 dhurki situated at village Sandalpur, P.S. Sultangani, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9213 dt. 26-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date 112-2-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramlakhan Rai of Shahjadpur, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

 Janakpuri Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Danapur, Pana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1161/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Tauzi No. 5400, P.S. No. 21, Khata No. 331, Kheshra No. 1610, Plot No. 1614, 1615, 1616, 1617, 1625 and 1626 situated at Danapur, Shahzadpur, P.S. Danapur, Dist, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-6-1985

for an apparent consideration which is ltss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 decimals situated at Danapur, Shahzadpur, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-8841 dated 7-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar Patna

Dato : 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th February 1986

Ref. No. III-1162/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 2520, Khata No. 1436 situated at Dho P.S. Digha,
Muktapur, Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registrition Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 24-6-1985
for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 73-496GI/85

(1) 1. Shri Sepahi Rai 2. S. Roy, R/o Ramjichak, Digha, Patna.

(Transferor)

(2) Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -- The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 khatha, 3 dhur & 4 dhurki situated at Dho P.S. Digha, Muktapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9084 dt. 24-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar Patna

Date: 11-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1163/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 279, Katha No. 296, Tauzi No. 303, Thana No. 11 situated at Mauza Sandalpur, P.S. Sultangani, Dist. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, i respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taj Act, 1957 (27 of 1957);

rlow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Shri Sakaldeo Prasad
 Smt. Sudha Mehta of Mauza Sandalpur, P.S. Sultanganj,

Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Kasturba Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. of Durga Bhawan, Chaudhry Total, P.S. Sultangani, Dist, Patna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 decimals situated at Mauza Sandalpur, P.S. Sultangani, Dist. Patna and more fully described in deed No. I-8499 dt. 12-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range Bihar Patna

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR **BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1164/Acq./85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Thana No. 14 Tauzi No. 5281, Khata No. 151 and plot No. 503 situated at Mauza Paharpur P. S. Gardanibagh, Dist.

Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said netrument of transfer with the abject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er h ought to be distinced by the transferor erposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Laxmi Rai s/o Sri Kali Rai and Kali Rai s/o Late Swarath Mahto and Ram Narain Rai s/o Sri Kali Rai all resident of Saristabad P.S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Vashistha Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna through its Secretary Grish Mishra of Vill. Phulgain P.O. Thawai Dist. Gopalganj

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 decimals situated at Mauza Paharpur, P. S. Gardanibagh, Dist. Patna and more fully described in deed No. I-9054 dated 24-6-85 registered with the Register of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 12-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th February 1986

Ref. No. III-1165/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

burga Prasad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 14, Tauzi No. 528I Khata No. 151 Plot No. 503 situated at Mauza Paharpur, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and control fully described in the Schedule verse fully described in the Schedule verse.

Thana No. 14, Tauzi No. 5281 Khata No. 151 Plot No. 503 situated at Mauza Paharpur, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration about the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bishun Dayal Rai s/o Late Tribeni Rai for self and constituted attorney for Seeta Devi w/o Late Tribeni Rai and Meena Devi w/o Late Surya Nath Prasad all of Saristabad, P.S. Gardanibagh, Patna. (Transferor)
- (2) Vashisth Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna through its Secretary Grish Mishra Vill. Fulugain, P.S. Thawai, Dist. Gopalganj.
 (Transferred)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 decimal situated at Mauza Paharpur. P.S. Paharpur Dist. Fatna and morefully described in deed No. I 9053 dated 24-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-2-1986

(1) Shri Janki Sharan Singh of Ranipur Chakia, P.S. Chowk Patna, Dist. Patna (Transferor)

(2) 1. Shri Rabindra Narain Singh; 2. Shri Shailendra Narayan Singh. Sandalpur, Sultanganj, Patna. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1166/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4896 Khata No. 738 situated at Ranipur, P.S. Chowk

Patna, Dist. Patna

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-85

Calcutta on 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the relia rer to pay tak under the s of the tran
- (b) facilitating the conceanment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land measuring 36½ decimals situated at Ranipur, P.S. Chowk Patna Dist. Patna and more fully described in deed No. 9396 dated 28-6-85 registered with the Registrar

THE SCHEDULE

of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persuase processes. ing persons, namely :-

Date . 11-2-1986

(1) Shri Janki Sharan Singh of Ranipur Chakia, P.S. Chowk Patna, Dist. Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Randhir Kumar of Sultanganj, Patna. (Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1167/Acq./85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4896 Khata No. 738 situated at Ranipur P.S. Chowk Pana Diet Patra

Patna Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 demicals situated at Ranipur, P.S. Chowk Patna Dist Patna and more fully described in deed No. 9400 dated 29-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1986

The second secon FORM ITNS

(1) Shri Chetnalay Sahkari Grih Nirman Samity Ltd., Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1168/Acq./85-86.—Whereas,I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 358 Khata No. 101 situated at Kumbhrar, P.S. Sultanganj, Dist. Patna (and more fully described in the Salada).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 21-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Jotindra Kumar of Bokre, P.O. Boghari.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3397 sq. ft. situated at Kumbhrar P.S. Sultanganj, Dist. Patna and more fully described in deed No. I-9001 dated 21-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ajanta Niketan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Nehru Nagar, Patna through its Secretary Sri Hazari Pd. Bhagat s/o Late P. C. Bhagat, Rajiv Nagar, Patna-13.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

persons, whichever period expires later;

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. R. Singh, Patna.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1169/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5296 Khata No. 224 situated at Digha P.S. Digha Dist. Better in

Dist. Patna j

(and more fully described in the Schedule annexed kerete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan interest value of the property as another said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 3154 sq. ft. situated at Digha P.S. Digha Dist. Patna and more fully described in deed No. I 9292 dated 27-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcuita.

> **DURGA PRASAD** Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 12-2-1986

(1) Shri Bishwanath Pd. s/o Sri Ram Bhajju Mahto, Moh-Gur-ki-Mandi, P.S. Alamganj, Dist. Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Bina Devi D/o Sri Sukdeo Das, Vill. & P.O. Sangrampur, Dist. Munger.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1170/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 303 thana No. 11, khata No. 903, Khesra No. 1652, Municipality plot No. 3134 situated at mouza Sandalpur, P.S. Alamganj, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 14-6-85

for an apparent consideration which is less than the fider market value of the afercoald property and I have remon to believe that the fair market value of the property as afercand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

74-496GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Counts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kathas 15 dhur situated at mouza Sandalpur, P.S. Alamganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 2868 dated 14-6-85 registered with S.R. Patna City.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1171/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana No. 12, touzi No. 26, Khata No. 37, Khesra No. 1308 situated at Mouza Kumharar, P.S. Sultanganj, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patnacity on 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

- (1) (1) Mos. Nathia Devi w/o Late Bkan Mahto,
 - (2) Mos. Piyari Devi w/o Late Lakhan Mehto, Vill. Jamunapur, P.S. Malsalami, Patna.
 (3) Smt. Kamla Devi w/o Sri Lalan Mahto.
 - Vill. Danapur-Beltar, P.S. Danapur, Dist. Patna.
 - (4) Smt. Sona Devi w/o Sri Sital Mahto, Vill, Shahganj, P.S. Sultanganj, Dist. Potna.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) M/s. Adarsh Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., Patna through its Secretary, Shri Sanjah Kumar, Lane No. 1, Salimpur Ahra, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna. Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, h' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period > 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas 5 dhur situated at mouza Kumharar, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3205 dated 28-6-85 registered with S.R. Patnacity.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1172/Acq/85-86.—Whereas, 1, DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 5070, Khata No. 13, Khesra No. 5414 situated at Mouza Hamidpur-Digha, P.S. Digha, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 1-6-85

Patna on 1-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nathmal Jalan S/o Babu Lal Jalan, At & P.S. Motihari, Dist. Champaran.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Pd. Rathi and Sri Hari Pd. Rathi, sons of Sri Nandlal Rathi, At & P.S. Barauni, Dist. Begusarai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used brein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 6 1/3 decimal situated at mouza Hamidpur-Digha, P.S. Digha and Dist. Patna and morefully described in deed No. 3859 dated 1-6-85 registered with D.S.R.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1173/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,(000/- and bearing Ward No. 12, Circle No. 29A, Municipal plot No. 126 B, holding No. 91 situated at Rajendra Nagar, Kadamkuan, Diet Patra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 10-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: between the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt. Chintamani Sharma w/o

Late Chandeshwar Pd. Sharma.

2. Shrikant Sharma alias C.P. Sharma S/o Chandeshwar Sharma.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kesharichandra Agarwal S/o

Late Sri Gouri Shankar Agarwal.
2. Smt. Jiwani Devi Agarwal,
Jagat Narain Lal Road, Kadamkuan. Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 625 sq. yd. situated at Rajendra Nagar, Kadamkuan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4092 dated 10-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

Annual control of the control of the

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1174/Acq/85-86.—Whereas, I,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing thana No. 137, plot No. 762, sheet No. 31, Circle No. 6, ward No. 2, holding No. 567/401 situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

Patna on 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sardar Amrik Singh, S/o Late Sardar Labh Singh of New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Jagadamba Shah S/o Sri Bishambhar Lal Sah of Moh-Saraiyagani, P.S. & Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 840 sq. ft. situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4187 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-86

sal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1175/Acq/85-86.--Whereas, I,

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Thana No. 137, plot No. 762, sheet No. 31. ward No. 2, Circle No. 6, holding No. 567/401 situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-6.85

Patna on 13-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Sardar Amrik Singh, S/o Late Sardar Labh Singh of New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Bishambhar Lal Sah, S/o Late Ramkishun Das Shah of Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 840 sq. ft. situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 418 8 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1176/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 762, and holding No. 722/401 (new) and 316 (old), Ward No. 2, Circle No. 6 situated at Exhibition Road, P.S. Gardhi Moiden Potto.

Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Gagan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., Patna through its Secretary Md. Reyazuddin Khan resident of Hotel Gran Premises, P.S. Kotwali, DList. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Anjan Kumar Harlalka S/o Shri Ramanand Harlalka, resident of Ramna, P.S. Kotwali, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 facing south being part of ground floor of "Gagan Apartments" measuring 224.5 sq. ft. situated Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4348 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna. the 12th February 1986 Ref. No. III-1177/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 762, holding No. 722/401, Ward No. 2, Circle No. 6 situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-6-85

Patna on 26-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Gagan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secretary Md. Reyazuddin Khan, resident of Grand Hotel, Frazer Road.

(Transferor)

(2) Shri Amar Chand Agarwala S/o Late Shri Gauri Shankar Agarwala of Boring Road, P.S. Shrikrishnapuri, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 307 on the 3rd floor of "Gagan Apartments" measuring 1112 sq. ft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4355 dated 26-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1178/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 11, Survey plot No. 304, 306 part khata No. 23,
57, touzi No. 303, 40, alloted plot No. 36 situated at mouza
Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 22-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—496GI/85

(1) M/s. Jai Mahabir Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. Patna through its Secretary Sri Ram Nath Singh, of Jai Mahavir Colany, Sultanganj, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Rachal Setth, c/o Dr. Harideo Pd. Seth, Hasanpur Road, Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 41654 sq. ft. situated at mouza Sandalpur P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully and morefully described in deed No. 4423 dated 22-6-85 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1179/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,009/- and bearing
Touzi No. 320, Khata No. 301, Khesra No. 517, Municipal plot No. 1721, 1722 situated at Saidpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patne

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patent on 22.6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe must the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(1) Shri Khem Arora, s/o Sri Hansraj Arora,
Bright Hosiery No. 17, Lalji Market,
"Builed "ISIQ "unnymepsy "S'd "emed
(Transferor)

(2) Shri Nourang Rai Banka s/o Late Arjun Das Banka, Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas situated at mouza Saidapur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4427 dated 22-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forested property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1180/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5164, thana No. 40, Khata No. 320 & Khesra No. 2499 situated at mouza Bhusawal-Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or waich ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Mo. Raisa Khatoon w/o Md. Basi Alam, natural guradian of Samsad Alam, Nazahat Parbin (Minor).

- Md. Samim Alam,
 Md. Nousad Alam, S/o Md. Basi Alam,
 Bibi Jahana Parbin w/o Anwarool Haque,
- 5. Bibi Rouksana Prabin w/o Abdul Hanan, 6. Bibi Sahina Parbin w/o Khursid Alam & 7. Bibi Nikhat Parbin w/o Shamim Hussain,
 - At Karori-Chak, P.S. Fulwari, Dist. Patna.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Mabika Rai, s/o Sri Haridwar Rai,
2. Smt. Chandeshwari Devi w/o Sri Ambika Rai,
At Karori-Chak, P.S. Fulwari, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.98 decimal situated at Bhusawal-Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4526 dated 25-6-85 registered with D.S.R. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1181/Acq/85-86.---Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100,000 / 2014 heaving

Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 65, Khata No. 286, plot No. 1036 situated at Mouza Belwa, Katihar, P.S. & Dist. Katihar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Katihar on 17-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunil Chandra Saha and Subodh Chandra Saha sons of Sri Gopal Chandra Saha, At Amla Tola, Katihar, P.S. & Dist. Katihar.

(Transferor)

(2) Md. Minhajuddin s/o Md. Phakhruddin of Kulipara, Katihar, P.S. & Dist. Katihar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6.71 decimal situated at Belwa, Katihar, P.S. & Dist. Katihar and morefully described in deed No. 8704 dated 17-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1182/Acq/85-86.---Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ward No. 518, holding No. 62, plot No. 858/1 situated at Madhubani, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed here!o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 7-6-85

for an apparent consieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Laxmi Sinha w/o Saryu Sinha of Bilasi, P.S. Birganj, Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Smt. Dayamanti Singh w/o Dr. H. B. Singh, At Madhubani, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 18 dhur situated at Madhuwani, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6159 dated 7-6-85 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, we well:

Date: 10-2-86

 Smt. Laxmi Sinha w/o Saryu Sinha of Bilashi, P.S. Birganj, Dist. Purnea.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Damayanti Singh w/o Dr. Har Bijay Singh, of Rupouli, P.S. Rupouli, Dist. Purnea. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1183/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Aethority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Ward No. 518, holding No. 62, plot No. 858/1 situated at Madhylori Littor Photos P. Kainachi Hott Diet Paperer

Ward No. 518, holding No. 62, plot No. 858/1 situated at Madhubani Uttar Bhatta, P.S. Kajanchi Hatt, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 10-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 18 dhur situated at Madhuwani Uttar Bhatta, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6106 dated 10-6-85 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Auhority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoregaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-II84/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Ward No. 8115 Holding No. 10, plot No. 302 situated at mouza Madhubani Bhatta, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at

Table 1 State |

1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 19-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been set which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhagat Singh S/o Late Chhohara Singh of Bhatta, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea (Transferer)

(2) Smt. Chandmani Devi W/o Nathuni Pd. Bhagat, of Baisi, P.S. Baisi, Dist. Purnea. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at mouza Madhubani Bhatta, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6340 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Purnea.

> DURGA PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:-

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sita Ram Singh S/o Shaudagar Mall & Others, Patna.

(Transferor)

(2) Minakshipuram Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna Vide Regd. No. 50/83.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th February 1986

Ref. No. III-1185/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Not mentioned in the 37G form situated at Not mentioned in

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 27-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: esect / or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (4) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring (not mentioned in the 37G form) situated at (not mentioned in the 37G form) Patna and morefully described in deed No. I 9291 dated 27-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority
> Inspecting Assistant Corumissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, a nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subliction (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowanz persons, namely :--

Date: 10-2-86

(1) Minakshi Puram Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna Vide its Regd. No. 50/83.

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

(2) Sita Ram Singh of Nala Road, Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **BIHAR** BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1186/Acq/85-86.—Whereas. I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Khata No. 43 Plot No. 290 situated at Patna,
P.S. Phulwari Sharif, Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8132 sqft. situated at Patna, P.S. Phulwari Sharif Dist. Patna and morefully described in deed No. I 9424 dt. June 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1187/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having

nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Plot No. 5176 Party of Survey Plot No. (S)2652, Khata No. 1090 situated at Not mentioned in the 37G form (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Karpoor Chandra Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. of Patna.
- (2) Smt. Saba Amir of Sultanganj, Patna-6.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4004 sqft. situated at (not mentioned in 37G form) Dist. Patna and morefully described in deed No. I 8437 dated 10-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 12-2-1986

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1188/Acq/85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 423 Tauzi No. 26, Khata No. 91 Thana No. 12 situated at (not mentioned in the 37G form) (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Vikramaditya Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

Dr. Sarayug Prasad.

(Transferor)

(Transferee)

1907

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3061 sqft. situated at (Not mentioned in the 37G form) Patna and morefully described in deed No. I 8796 dated 17-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th February 1986

Ref. No. III-1189/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Plot No. 2053 P, Khata No. 506, Tauzi No. 16, Thana No. 40 situated at (not mentioned in the 37G form) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 17-6-1985 Calcutta on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an#/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Prekha Paswan, Gosai Matha Nawadah, Phulwari Shri, Patna.

(Transferor)

(2) Adhunik Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Belly Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17.5 decimals situated at (not mentioned in the 37G form) Patna and morefully described in deed No. I 8767 dated 17-6-1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcuta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-626 002, the 10th February 1986

Ref. No. 5/June/85.—Whereas, I, S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 426 situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Woriyur in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nmaely:—

Shri S. Chandrasekaran,
 Slliven Garden St.,
 Craywalla Avenue, Madras-4.

(Transferer)

(2) Smt. S. Ayeesa Ammal, 8, Mettu St., Varaganeri, Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. New Block E-20 TS No. 27, Woraiyur.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

(1) Shri R. Kumar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smf. Sivakami, W/o Shri Arunachalam Pillai, C/o 37, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 10th February 1986

Ref. No. 6/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 52 situated at Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Woraiyur, (Doc. No. 2042/85) in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Vacant Site, S. No. 202, Ward D Block No. 15 T.S. No. 52.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, m pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-626 002, the 10th February 1986

Ref. No. 7/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and TS No. 1578 to 1582, 1591, 1592, 1594,, 1597 & 1598 situated at Puthur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar. Woriyur (Doc. No. 2080/85) in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. R. Karpagam, No. 9, Ganam Colony, Ramalinganagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Shri K. N. K. Asath and others No. 9, Ganam Colony, Ramalinganagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. T.S. No. 1578 to 1582, 1591, 1592, 1594, 1597 & 1598.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-626 002, the 10th February 1986

Ref. No. 8/June/85.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 1 situated at Silappadi Village, Dindigul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
JSR-I Dindigul (Doc. No. 825/85) in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration thereof by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Manoharan Gandhi Nagar, Trichy Road, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri K. Ganesan, Gandhi Nagar, Trichy Road, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. I, Silappadi Village, Dindigul

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shrimathy R. Dhanapakkiam, 70, Nehruji Nagar, Dindigul.

(Transferor)

Shri V. Kandasamy,
 Kalimuthupillai Lane,
 Dindigul.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 5th February 1986

Ref. No. 9/Jun/85.—Whereas, I,
S. S. N. MOORTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
dD-2 Naiker New St. Dindigul situated at Dindigul
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
JSR I, Dindigul (Doc. No. 864,85) in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building Door No. 4D-2, Naiker New St., Govindapuram, (East) Dindigul.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77—496GI/85

Date: 5-2-1986

FORM I.T.N.S.-

TO THE PERSON OF THE PERSON OF

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNITERS OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADURAI-625 002

Medurai-625 002, the 10th February 1986

Ref. No. 10/June/85.—Whereas, J. S. S. M. MOORTHY.

5. 5. 17. MOON 1117.
Seing the Composition Authority under Section 269B of the mount ax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing.
TS No. 4039 situated at Porivakulam (and more fully described in the schedule approved basets).

(and more fully described in the schedule annexed heucto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at ISE. I. Periyakulam in fune 1985. It ar apparent consideration which is less than the fair ray ket value of the effectival property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid and the fair control of the property as aforesaid property.

exactly the approval of order and determine more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration. The second of the assignment to between the courtes are in the control of the confidence of the confidenc

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

is the repeateror to pay tax under the said Act is
to over of any income arising from the transfer; ama Rei

(b) Lecilitating the conceament of any income or any the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 of 1922) of the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1: - 1/3 initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) Shri C. Palanichamy and others, South St., Thenkarai, Periyakulam.

(Transferor)

(2) Smt M. Rajalakshmi, Bazar St., Vadakarai, Periyakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, "hicheve" period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THL SCHEDULE

Land and Building, T.S. No. 4049 (Document No. 845, 846, 847 & 848).

> S. S. MOORTHY Computer. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Accuisition Range-I Mad rai-625 002

Date: 10-2-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. Parameswaran, 22, Williams Road, Contenment, Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. M. Usha and others, 10, Madurai Road, Trichy, (Palakarai).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 10th February 1986

Ref. No. 12/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property basing a few reasons.

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 2/10B situated at Trichy Contennent Lawance Rd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR II, Trichy in June 1985 for an apparent consideration which is transferred.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Site. Plot No. 2 (T.S. No. 2/10B) Trichy Contenment Lawence Road.

> S. S. MCORTHY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 10th February 1986

Ref. No. 15/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

9. Vaidwanaths liver Road situated at Madurai-2

Rs. 1,00,000/- and

9, Vaidyanatha lyer Road, situated at Madurai-2
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
JSR I, Madurai (Doc. No. 2130/85) in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri N. Chandrasekaran & others, Power Agent RMK Natarajan, 411, North Masi St., Madurai.

(Transferor)

(2) Shri A V. B. Subramaniam & others, 5/210, Soukath Ali St. Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. Door No. 9, Vaidianatha Iyer St., Madurai. (T.S. No. 107/A).

> S. S. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 22/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 205-B situated at Melanapalayam, Thirumayam (Doc. No. 913/85) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Ponnamaravathy on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfr with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. S. A. Noor Mohamed, T.S. No. 2034, North Car St., Pudukottai.

(Transferor)

 Shri S. Mohamed Kassim, Melathalayam, Thirumayam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site 5 3/4 cents and Building Melanapalyam, mayam TK.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

(1) Shri K. Thiagarajan & others. Ponnamaravathy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

And the second s

(2) Smt. N. Rasool Bivi W/o Noor Mohd. Thuvar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 23/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00.0000/- and bearing No. 28, 29, 30 & 31, Main Road situated at Ponnamaravathy (and more fully described in the rather the enterty). (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Poonamaravathy (Doc. No. 966/85 on June, 1985 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building Door No. 28, 29, 30 & 31, Main Road, Ponnamaravathy.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 25/June/85.—Whereas, I,
S. S. N. MOORTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
D. No. 79, Nochikulam Panchyat situated at Palayamkottai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
JSR I, Palayamkottai (Doc. No. 1915/85) on June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. R. C. Natarajan, 3, 5th cross St., Maharaja Nagar, Tirunelyeli-11.

(Transferor)

(2) M/s. Manson Drugs Ltd., No. 36. 1st Main Road, Indira Nagar, Madras-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Factory Building D. No. 79, Nochikuppam Panchayat 5th Ward, Palayamkottai TK.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 27/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,0000/- and bearing No.
T.S. No. 6084/207/14 situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR. I, Pudukottai (Doc. No. 1250/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Manoharan, North Raja Street. Pudukottai.

(Transferor)

(2) Smt. A. Badrunnissha & others, Lakshmipuram 2nd Street, Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 6084/2Q7/14, Rajagopalapuram I Street, Pudukottai.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 28/June/85.—Whereas, I,

Ref. No. 20/June/03.—vynereas, 1,

S. S. N. MOORTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0000/- and bearing No. S. No. 150-4 situated at Pudukottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. I, Pudukottai (Doc. No. 1284/85) on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

78-496 GI/85

(1) Shri R. Muthukrishnan Naidu & others. Eswaran Kovil Street. Thiruvappur, Pudukottai.

(Transferor)

(2) Shri M. Saravanan, V. Lakshmipuram, Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Survey No. 150-4.

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OF BRINMENT OF INDIA

(1) Smt. N. Ammalu Ammal & others, TS. No. 791 & 792, East 2nd Street, Pudukottai.

(Transferor)

 Smt. Alagammai Achi, P. Alagapuri, Keelasevalpatty Post, Thirumayam TK.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 29/june/85,—Whereas, I, S. S. N. MCORTHY,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 75, 150 000 - and bearing No.

T.S. No. 79°, Pudiakotai situated at Pudukottai Town

T.S. No. 79°, Publikonal situated at Pudukottal Town for been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JCR! Pudukottal (Doc. No. 1291/85) on June 1985

In an apparent consideration which is less than the fair purish value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforement of the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration apparent the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to the safer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the francferor to pay tax under the said Act, in test, of any income arising from the transfer tractor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building TS. No. 792, East 2nd Street, Pudukotta

S. S. N. MOORTH
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-te
Acquisition RangeMadurai-62500

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hareby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this inotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following patrone, parely:—

Date: 10-2-1986

(1) Shri G. Rajarethinam and others, Kalyanaramapuram, Pudukottai.

(Transferor)

(2) Shri J. Sekar and others, T.S. No. 2382/1, 2, 3, 2nd Street, Pudukottai.

(Transferee)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 31/June/85.—Whereas, I, S. N. MOORTHY,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding

s. 1,00,0000/- and bearing No.

S. No. 3436 situated at Pudukottai and more fully described in the schedule annexed hereto), is been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at R I, Pudukottai Doc. No. 1370/85

I June 1985
r an apparent consideration which is less than the fair inket value of the aforesaid property and I have reason to have that the fair market value of the property as aforesaid teeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sand property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 3436, South Raja Street, Pudukottai.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the easil property by the issue of this notice under subon (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons. **tamely:---

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 32/June/85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,0000/- and bearing No.
Plot No. 56, Sathurithu Ram Nagar, Pudukottai situated at Pudukottai

(and more fully described in the schedule annexed herero), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar I, Pudukottai

(Doc. No. 1371/85)

on June 1985

on the 1933 of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. Balakrishnan, TS No. 355, East 4th Street, Pudukottai.

(Transferor)

(2) Shri R. Chidambaram, Shri Ammansannathi, Shri Kulipirai, Thirumayam TK. Pudukottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. 56, Sathurithuram Nagar, Pudikottai.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
> Acquisition Range-I Madurai-62500%

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 10-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Rajajegaveera Ramamuthukumara, Venkateswara Ettappanaiker Iyyan, Kasil Wood Bungalow, Tirunelveli Junction.

(Transferor)

(2) M/s. Goval Trust, Sathamangalam, Annanagar, Madurai-20.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 34/June/85.—Whereas, I,
S. S. N. MOORTHY,
being the Competent Auhtority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
T.S. No. 589/1A situated at Sindupundurai Village
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
JSR I, Tirucelveli (Doc. No. 26/85) in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of tarusfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site and trees (TS. No. 589/1A) 97 Cents.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

FORM PINS-

(1) Shri V. Chellapillai, Lalgudi, Trichy Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Muthammal, 106, E. V. R. Nagar, Trichy-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 38/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 3H, 3rd floor Sharon Apartments, Eksar village,
106, E.V.R. Nagar situated at Trichy-5
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar. Srirangam (Doc. No. 1161/85) on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 2056/B1 & 2056/B2 (Srirangam, Trichy).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) R. Arunadevi, Thiruvalluar St., Srirangam, Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. Rajan, Kandi St., Srirangam, Trichy-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 40/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1658, 1659 & 1680 situated at Srirangam, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Srirangam, Trichy (Doc. No. 1268/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acı, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and Building. T.S. No. 1658, 1659 & 1680.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 47/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 20, 33 Butterworth Road, Trichy situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRIII, Trichy (Doc. No. 1081/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri S. Chandrasekaran and others, 37, Mookapillai lane, North Andar St., Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. R. Seethaiammal, 33, Melachindamani Agraharam, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building.
Plot No. 20, 33, Butterworth Road, Triehy.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

FURM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Lakshmanan Chettiar, TS No. 3118, East 2nd St., Pudukottai.

(1) Smt. A. Kamalam & others, Avanipatty, Thirupathur TK.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 49/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 8s. 1,00,000/- and bearing 8s. 1,00,000/- and bearing 8s. No. 2791 situated at Pudukottai and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 8st I, Pudukottai (Doc. No. 1488/85) on June 1985 or an apparent ionsideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid

or an apparent ionsideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to receive that the fair market value of the property as aforesaid speeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the possideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of martier with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

496 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. T.S. 2791.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

مناه المناه المناهد المنطقة فيم المنطقة فتنظ المنتقة المناه المن

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 65/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4326, Mullam Village situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uncer the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2153/85) in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. Sivaprasad, Represented by P.A. Sri R. Koteeswara Rao, No. 119, Kamaraj Avenue, Adayar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri S. Nagarajan. D-8/1, Jalnidhi Housing Society, Bankur Nagar, Goregaon, Bombay-400 090.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 4326, Mullam Village, Anna Nagar, Madras. (Doct. No. 2153/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 52/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
T.S. No. 331/2 situated at Dindigul

T.S. No. 331/2 situated at Dindigul (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1, Dindigul (Doc. No. 789 & 790/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and second the apparent consideration therefor by more afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any racilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Smt. S. Kanaga, Saraswathy Colony, Krishnarao St., 3rd Lane, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri K. Natarajan & others, Koraiyuth Senthamangalam East, Karnr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site. T.S. No. 331/2, Plot No. 12.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Madurai-625 002

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri E. Ameer Shaib, Kootharasikara St., Karur.

(2) Smt. K. Poosari Rajammal,

(Transfer

Karur.

(Transfero

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 54/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, Rs. 1,00,000/- and bearing being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1033 situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Karur (Doc. No. 839/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 45 days for the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said / shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building. Door No. 8, Kootharasikara St., Karur.

> S. S. N. MOORT Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Ran Madurai-625

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

FORM ITNS-

(1) Shri P. R. Subramaniam, 1, Arunachalam Road, Salaikiraman, Madras.

(Transferor)

(2) Shri K. Udayar, 509, K. K. Nagar, 18th St., 4th Sector, Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADURAI-625002

Madurai-625002, the 10th February 1986

Ref. No. 58/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 30 RS. No. 41/1 (Door No. 27H, S. S. Colony, 10th Cross St., situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR IV, Madurai (Doc. No. 2735/85) on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building. Door No. 27H, 10th St., S. S. Colony, Madurai.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 7th February 1986

Ref. No. 37/June/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, heing the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 19, Mannarswamy Koil St.. Royapuram, situated

at Madras-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doct. No. 1105/85) on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly standard instance. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which cought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

(1) Sri K. Ramachandran & 4 Others, 19, Mannarswamy Koil Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) Sri J. Amarchand, 37, East Kalmandapam Road, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 19, Mannarswamy Koil St.. Royapuram, Madras-13. (Doct. No. 1105/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-I(I/C) Madras-600 006

Date: 10-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 41/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at

Door No. 36, Veeraswami Pillai Street, Madras-1

Door No. 36, Veeraswami Pillai Street, Madras-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1833/85) on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(1) E. Papathiammal, No. 36, Veeraswami Pillai Street, George Town, Madras.

(2) S. K. Vedachalam, 29, Perumal Mudali Street, Kondithope, Madras. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land an l Biulding at Door No. 36, Veeraswami Pillai Street, Madras-1.
(Doct. No. 1833/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 44/June/85.—Whereas. I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Door No. 46, Nyniappa Maistry Street, Madras-3

Door No. 46, Nyniappa Maistry Street, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doct. No. 284/85) on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said net. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Neelambal & Others, 45, Muthumari Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) N. Vijaya Saroja, 128, Varada Muthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 46, Nyniappa Maistry Street, Madras-3.
(Doct. No. 284/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 4-2-86

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 51/June/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 34, Venkatarama Iyer Street, Kondithope,

34,

Madras-79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doct. No. 335/85) on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the markets has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ne erising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (77 of 1957):

(1) Sri B. R. Balakrishnan & Others, No. 18, Rajarathinam Street, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. M. Waste Paper Company, Reptd. by its partner K. Natarajan, 20, Venkier Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 34, Venkatarama Iyer Street, Madras-79. (Doct. No. 335/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 80—496 GM/85

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 56/June/85.—Whereas. I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Guruswamy Road. Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 640/85) on 21 5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. Madh: va Rao, No. 27 (Old 19A). Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Sri V. Ravikumar & Other, Flet No. 10, 29/21, Cesa Major Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Door No. 27, Dr. Guruswamy Road, Madras-31. (Doct. No. 640/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madras-600 906

Date: 7-2-86

WYFICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri M. Gyanchand & Others, No. 37, Singanna Chetty Street,

sy be made in writing to the undersigned :-

Sri P. V. Gopalan, S/o Sri P. A. Venkateswara Iyer, No. 37, Singanna Chetty Street,

Chintadripet, Madras-600 002

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 61/June/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Emmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Door No. 37, Singanna Chetty Street, situated at Chintadripet,

Madras-2

Madras-2 rand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 699/85) on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the sald immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscerne arising from the trans
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 37, Singanna Chetty Street, Chintadripet, Madras-2. (Document No. 699/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 62/June/85.--Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat in Ground Floor at Door No. F. 120 situated at

Periakuddal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anna Magar (Doct. No. 2016/85) on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of aransfer with the object of f-

- (a) facilitating the reduction or systion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer respect of any income and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any seconers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri L. K. Markendayan, No. F-77, Ama Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Sri S. Anwar, Plot No. 2452, AH-61 Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and exxpressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat in Ground Floor at D. No. F-120, Periakudal Village. (Document No. 2016/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri V. V. Subramanian, S/o N. Viswanatha Iyer, No. 4, Rukmani Street, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

Sri R. Rengarajulu,
 S/o Sri V. Rajagopal,
 No. 19, V. R. Pillai Street II Lane,
 Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 75/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2883, AL 184, 11th Main Road, situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anna Nagar (Doct. No. 2370/85) on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by

of transfer with the object of :-

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 2883, AL 184, 11th Main Road, Anna Nagar, Madras.
(Document No. 2370/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 76/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 873, Koyambedu, Anna Nagar situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2374/85) on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has red been trub stated in the said instrument of the spicet of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rosamal, W/o K. Krishnan, No. W.75, Arignar Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Dr. N. Dorairajan, S/o M. D. Natarajan, No. F. 94, Anna Nagar East, Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gezette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 873, Koyambedu Village, Anna Nagar, Madras.

(Document No. 2374/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 4-2-86

namanagaa adandagan into nga nga nga na na 18 18 na naga na nataban na na na naga na nataban na na nataban na na nataban na nataban

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 77/June/85.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing Plot No. 864, Anna Nagar Wester Extension, Padi situated at

Madras-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2381/85) on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Sri P. R. Parthasarathy, S/o P. R. Ramaswamy, No. W-463, Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.

(Transferor)

(2) Sri S. Mahadevan, S/o M. Subramanya Iyer, No. 864, Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 864, Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.

(Document No. 2381/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 005

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Haji Anwar Ali H. A. Kareem, No. 68, E. V. K. Sampath Road, Veperv, Madras-600 007.

(Transferor)

(2) K. S. Abdur Rasheed, No. 3, Swami Mudali Street, Periamet, Madras-600 003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 86/June/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing 11, Ritherdon Road, Vepery, situated at Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 725/85) in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to phy tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer sad/or

(h) facilitating the concesiment of any income or any maneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 11, Ritherdon Road, Vepery, Madras-600 007.

(Document No. 725/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Haji Anwar Ali H. A. Kareem, No. 68, E. V. K. Sampath Road, Vepery, Madras-600 007.

(Transferor)

(2) Mrs. L. Shameen Banu & Other, No. 9, Swami Mudali Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 87/June/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 11, Ritherdon Road, Vepery situated at Madras-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Periamet (Doct. No. 726/85) in May, 1985
for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

sgreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (n) facilitating the reduction or eve of the transferer to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A portion of the House at Door No. 11, Hitherdon Road, Vepery, Madras-7.

(Document No. 726/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 he said Act to the following persons, namely:—81—496 GI/85

Date: 4-2-86 Seal:

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 39/June/85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing

Door No. 184, Linghi Chetty Street, situated at George Town, Madras-1

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madres North (Doct. No. 1787/85) in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen recent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- er socilerating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri N. Karunakara Mudaliar, S/o Subramania Mudaliar, Thambu Chetty Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Sri Neelam Raj, 237, Govindappa Naicken Street, Madras- 600 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 184, Linghi Chetty Street, George Towh, Madras-1.

(Doct. No. 1787/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commisioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 40/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 184. Linghi Chetty Street situated at George Town, Madras-1.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (oDct. No. 1792/85) in June, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri N. Karunakara Mudaliar, S/o Subramania Mudaliar, Thambu Chetty Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Sri Kaushik P. Shah,S/o Pratap L. Shah,17, Kesav Perumal Puram,Greenways Road, Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in land together with building (Ist Floor) at Door No. 184, Linghi Chetty Street, George Town, Madras-1.

(Document No. 1792/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 52/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 27, Dr. Guruswamy Road, Madras-31 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 636/85) on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri A. Madhava Road, No. 27, Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Sri B. Ananthrao, B8 Prabhat Apartments, No. 1, Kamala Bai Street. T. Nagar, Madras-600 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aspressid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garetie

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.68% of undivided interest in land at Door No. 27, Dr. Guruswamy Road, Madras-31. (Document No. 636/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 53/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 27, Dr. Guruswamy Street situated at Madras-31 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 637/85) on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. Madhava Roa, No. 27, Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Sri R. Desikan, 8, Audiappa Mudali Street, Madras-600 084.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.47% of undivided land interest in land at Door No. 27, Dr. Guruswamy Road, Madras-31. (Document No. 637/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dindigul.

(1) Shri K. Seetharaman & others.

9, New agraharam,

(Transferor)

(2) Shri M. Venkatavijayan & others, Spenser St., Dindigul.

(final, (2)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625062, the 10th February 1986

Ref. No. 51/June/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T, S. No. 322/3 Palani Road, Dindigul situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (Doc. No. 764/85)

(Doc. No. 764/85) JSR I, Dindigul on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site TS. No. 322/3. Palani Road, Dindigul.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 31st January 1986

Ref. No. IAC/Acq./JDR/36/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 14, situated at Industrial Area near Subzi Mandi, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari under Registration No. 1810 dated 21-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jamna Auto Industries
Prop. Jamna Auto Industries Pvt. Ltd.
10th Floor, Flat No. 4 Hemkunt Tower,
Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jitendra Timber Industries, Industrial Area, Yamunanagar through Sh. Dinanath Chandok S/o Shri Mangal Sain Chandok.

(Transferee)

Objections, if any: to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 14 Industrial Area near Shubzi Mandi Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1810 dated 21-6-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 31-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC./Acq./NKR 18/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 33 kanals 10 marlas situated at Vill. Bir Bada-

lwa Teh, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Milokheri under Registration No. 469 dated 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid extends the apparent consideration therefore has a property and the same and the same and the same apparent consideration therefore has a property and the same an suid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely : -

(1) Shri Babu Ram adopted son of Shri Sita Ram R/o Vill. Bir Badalwa Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) M/S Garg Rice Mills, Bir Badalwa through Sh. Narayan S/o Shri Bhagat Ram R/o Vill. Bir Badiwa Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) h, any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 33 kanals 10 marlas vill. Bir Badalwa Teh. Karnal and as more mentioned in the sale

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 3/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mukand Lal S/o Shri Ishwar Dass Madan Rrio 2M/7, New Township, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohan LalS/o Shri Chaman Lal2A/108, New Township, Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. IAC./Acq./FBD//34/85-86.—Whereas, I; B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 1/2 portion of B. P. No. 3E-30 situated at NIT, Faridabad

bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

et Faridabad under Registration No. 3291 dated 25-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the rese pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pro-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—82—496 GI/85

THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of B. P. No. 3E 30 NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3291 dated 25-6-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 54/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Munish Kumar S/o Shri Udey Bhan 1-GH-13, Housing Fourd Colony, Alwar (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Saeed S/h Shri Mohmmed Ibrahim, 2. Smt. Nazueen Sultana W/o Shri Mohammed Saeed R/o H. No. 598, Sector 22, Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. IAC./Acq./FBD/30/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Au(hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing

H. No. 589 situated at Sector 22, Housing Board Colony, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridabad under Registration No. 3042 dated 22-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 589 Sector 22, Housing Board Colony. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3042 dated 22-6-85 with the Sub Registrar. Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, against :—

Date: 5-2-1986

(1) Shri Som Nath S/o Shri Bansi Ram S/o Shri Takin Ram H. No. 220/21, Madanpuri, Paush Nagar (Gurgaon).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

(2) Shri Hari Chand S/o Shri Kale Ram S/o Shri Pat Ram R/o Nathupur, Teh. Gurgaon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1986

Ref. No. IAC./Acq./GRG/39/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 124 kanals 2 marlas with tubewell situated at

Farukhanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Gurgaon under Registration No. 1506 dated 13-6-85 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1997 (27 of 1997):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 124 kanals 12 marlas w h tubewell situated at Farukhnagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1506 dated 13-6-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Rohtak, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC:/Acq./Sadhora/2/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 41 kanals 15 marlas situated at Sadikpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sadhora under Registration No. 226 dated 21-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shadi Ram S/o Shri Chet Ram R/o Sadakpur Teh, Naraingarh.

(Transferor)

(2) M/S Friends Brick Traders, Sadikpur, Teh. Naraingarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 41 kanals 15 marlas situated at Sadikpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 226 dated 21-6-85 with the Sub Registrar, Sadhora.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-2-86

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. IAC./Acq./GAG/106/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

land measuring 529 sq. yd. with constructed part situated

land measuring 529 sq. yd. with constructed part situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oce of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1347 dated 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hari Dass So Shri Khushi Ram So Shri Jairam Dass R/o 15-E, Kamla Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan S/o Shri Chandgi Ram Ri/o 183/4, Urban Estate, Gurgaon,
2. Shri Om Parkash
S/o Shri Lakshmi Narayan
R/o 47/4702, Ragerpura, Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3.12 biswas with foctory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1347 dated 7-6-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. BHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act/100 the following person, namely:-

Date : 5-2-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC:/Acq./PNP/51/85-86.—Whereas, I, E. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No.

land measuring 56 kanals situated at Vill. Rana Majra Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), but been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oce of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2043 dated 27-6-85 fee an apparent consideration which is less than the fair

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the collection of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Singh S/o Shri Assa Singh R/o Vill. Rana Majra Teh, Panipat.

(Transferor)

1. S/Shri Ganda Ram
 2. Gobind Ram
 SS o Shri Jeewan Ram
 3. Shri Pala Ram
 S/o Shri Ganda Ram
 R/o Rawar
 Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 56 kanals situated at Vill. Rana Majra Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2043 dated 27-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 22/1/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th February 1986

Ref. No. IAC./Acq./FBD/63/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
H. No. 519, Sector 15 situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oce of the Registering Officer of Faridabad under Registration No. 2465 dated 8-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfersaid/or
- (b) facilitation, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. S. Pental S/o Late Shri Kirpal Singh H. No. 519, Sector 15, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Sehney
Sho late Shri K. R. Sahney,
1-C/131, New Township Faridabad
(Now H. No. 519, Sector 15, Faridabad),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 519, Sector 15 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2465 dated 5-6-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rehtak

Date: 10/2/86

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1986

Ref. No. IAC,/Acq./GRG/45/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 745/14 measuring 350 sq. yds. with construction part

situated at (iurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 1543 dated 15-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:-

(1) Shri Jawahar Lal Shri Yogesh Chander R/o E-1/23, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Partap Chand S/o Shri D. Nanak R/o T-2, Bayora Pali, Delhi Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 745/14 measuring 350 sq. yds. with constructed part situated at Gurgaon and as more mentic red in the sale deed registered at Sr. No. 1543 dated 15-6-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7/2/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC./Acq!/NGR/5/85-86.—Whereas, L. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 13 kanals 11 marlas situated at Narayangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Navayangarh under Registration No. 719 dated 8-6-85

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pauties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (lu) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--83-496 GIV85

(1) Shri Lajja Ram 2. Shri Rameshwar Das, 3. Shri Ram Sarup, 4. Shri Sant Ram SSo Shri Ram Lal, R/o Narayangarh.

M 2 1 3 1 4 2

(Transferor)

(2) Shri Baikunth Lal S/o Shri Ram Sarup R/o Narayangarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals 11 marlas situated at Narayangarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 719 dated 8-6-85 with the Sub Registrar, Narayangarh.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 3/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Parkash Shri V. R. Batra, 627, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Pritpal Singh Kapoor 9 'o Shri S. Karam Singh R/o 205, 8 marla colony, Panipat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1986

No. IAC./Acq./PNP/45/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
H. No. 205 situated at 8 marla Colony, Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

thas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1851 dated 19-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 205 situated at 8 r caripat and as more mentioned in the sale deed St. No. 1851 dated 19-6-85 with the Sub Registrar, Pampat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 159D of the wide Act, to the following persons, namely:—

Date: 3/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./NKR/22/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 119 kanals 15 marlas situated at Nigdhu Teh.

Nilokheri

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at KNR under Registration No. 610 of Income-tax Rules, 1962 dated 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Kadam Singh; 2. Sh. Madan Singh ss/o Sh. Sapatter Singh s/o Sh. Nyadar Singh r/o Nigdhu Teh. Nilokheri Distt. Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ram Singh; 2. Sh. Bhim Singh ss/o Sh. Maggu Ram r/o Karsa Dod Teh. Nilokheri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 119 kanals 15 marlas situated at Nigdhu Teh. Nilokheri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 610 dated 28-6-85 with the Sub-Registrar, Nilokheri.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-2-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/50/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHAIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. plot No. 6 situated at Vill. Chakarpur (Gurgaon) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1 of 1908) in the office of Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1788 dated 28-6-85 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:— (1) Smt. Suman Kanta Arora, E-103A/1, D.D.A. Flats, Naraina Vihar, New Delhi-110028.

(Transferor)

(2) Sh. R. K. Lakshman c/o I.T.C.C. Ltd., 37, Chowringhee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 6, Qutab Enclave Complex, Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1788 dated 28-6-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Competent Authority Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 31d February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/40/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Jand measuring 4 kanals 19 marlas situated at vill. Kartarpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gurgaon under Registration No. 1513 dated 13-6-85 dated 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Ishwar Singh r/o Nihala; Smt. Parbati wd/o Sh. Nihala, r/o Kartarpuri.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Sikha & Estate (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grande

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals 19 marlas situated at village Kartarpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1513 dated 13-6-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Competent Authority
> Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rama Bai d/o Meghram

r/o F/202, Meera Ghatee, Karnal.

(2) 1. Sh. Ram Lal; 2. Sh. Mehar Chand ss/o Sh. Vasaram; 3. Smt. Khiwala w/o Sh. Ram Lal r/o Dhankot Teh. Gurgaon.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/47/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. land measuring 64 kanals 16 marlas situated at Vill. Dhankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No 1578 dated 15-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 64 kanals 16 mails situated at vill. Dhankot and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1578 dated 15-6-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1986

Ref. No. I.A.C /Acq./NRW/26/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/2 and bearing No

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 40 kanals 2 marlas situated at Narwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Narwana under Registration No. 722 dated 10-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance o' Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khazani d/o Sh. Mala

(Transferor)
(2) 1. Sh. Ajmir Singh; 2. Sh. Birbhan; 3. Sh. Dharam-veer; 4. Sh. Karamveer; 5. Sh. Daya Nand ss/o Sh. Man Singh, r/o Narwana.

The second of th

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being land measuring 40 kanals 2 marlas situated at Narwana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 722 dated 10-6-85 with the Sub-Registrar, Narwana.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-2-86

(1) Sh. Dev Raj s/o Sh. Piare Lal, 1277/17, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Saty Dev Sharma s/o Sh. Hari Parshad s/o Sh. Shyam Lal, H. No. 1338, Sector 4, Gurgaon.

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Roptak, the 4th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/42/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. House No. 1338 situated at Sector 4, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1519 dated 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unbersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1338, Sector 4, Gurgaon and as more mentioned in the Sale deed registered at Sr. No. 1519 dated 13-6-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./JMD/27/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 35 kanals 5 marlas situated at Jind

land measuring 35 kanals 5 marlas situated at Jind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jind under Registration No. 1523 dated 27-6-85

Jind under Registration No. 1523 dated 27-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facelitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84—496 GI/85

Sh. Balwant Singh uraf Kulwant Singh;
 Sarvjit Singh s/o
 Man Singh r/o
 Asrafgarh Teh. Jind.

(Transferor)

1. Sh. Mohinder Singh;
 2. Surinder Singh ss/o
 Sh. Balwant Singh, H. No. 145,
 Subhash Nagar,
 Jind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective passons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 35 kanals 5 marlas situated at Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1523 dated 27-6-85 with the Sub-Registrar, Jind.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-1-86

CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PARTY

FORM ITNS-

(1) Sh. Prem Kumar s/o Sh. Ghanshyam Dass r/o vill. Kinana Teh. Jind. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sh. Suraj Mal; 2. Naphe; 3. Chand Singh 88/0 Sh. Chandgi Ram r/o Kinana Teh. Jind.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th January 1986

Ref. No. I.A C. / Acq. /JND/41/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No. Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Land measuring it kanals 7 marlas situated at vill. Kinana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jind under Registration No. 1211 dated 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exercises the apparent consideration therefore by more

said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated it are said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 111 kanals 7 marlas situated at village Kinana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1211 dated 10-6-85 with the Sub-Registrar, Jind.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:-

Date : 28-1-1986

PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/52/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 79 kanals 19 marlas situated at village Maharana Teh. Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2052 dated 27-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- the farmating the concentiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sh. Jagjeet Kumar; Sh. Ranjeet Kumar ss/o Sh. Hukam Chand; Smt. Satya d/o Sh. Hukam Chand r/o 579, Model Town, Panipat. (Transferor)
- (2) Sh. Maha Singh s/o Sh. Mada s/o Sh. Ghasi r/o Siwah Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said image. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals 19 marlas situated at village Maharana Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2052 dated 27-6-85 with the Sub-Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-1-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./PNP/53/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 86 kanals 14 marlas situated at village Maharana Tab. Papingt

rana Teh. Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of Panipat under Registration No. 2053 dated 27-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sh. Jagjit Kumar; 2. Sh. Ranjeet Kumar ss/o Sh. Hukam Chand; 3. Smt. Satya d/o Sh. Hukam Chand, r/o 579, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Sh. Sardar Singh s/o Sh. Mada s/o Sh. Ghasi r/o village Siwah Teh. Panipat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period excites has
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 80 kanals 14 marlas situated at village Maharana Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2053 dated 27-6-85 with the Sub-Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-1-1986

and the second of the second o

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/10/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. MIG B-42 situated at Sector 11, Panchkula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 633 dated 6-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari K. Sulhan d/o Sh. Ramji Lal, H. No. 259, Sector 7, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Anup Bansal s/o Sh. Kishore Bansal, H. No. 182/9, Industrial Area, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. MIG, B-42 Sector 11, Panchkula and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 633 dated 6-6-85 with the Sub-Registrar, Kalka.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/35/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- ang bearing House No. 755 situated at Sector 16, Urban Estate, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2729 dated 14-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohinder Singh Malhi s/o Sh. Teja Singh r/o 755, Sector-16, Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ved Grover wd/o Late Sh. Harbans Lal Grover, r/o 321. Sector 15, Faridabad. (Transferee)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 755, Sector-16, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2729 dated 14-6-85 with the Sub-Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 20-1-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th January 1986

Ref. No. I.A.C.IAcq./FBD/32/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. I.A.C.IAcq./FBD/32/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1580 situated at Sector 15, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3124 on 25-6-85

of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3124 on 25-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Kishan Chand s/o Sh. Ishwar Dass r/o 53-B, Anand Parwat Delhi-110005.
- (Transferor) (2) S/Sh. Hem Raj Aggarwal 2. Sh. Prem Pal Aggarwal Ss/o Sh. Mela Ram vill. & P.O. Bhuta Distt. Ludhiana (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1580 Sector 15, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3124 dated 25-6-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-1-86

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) 61 42.4 INCOME-TAX ACT, 1961 43 (17 1961)

(1) Sh. Dailp Chand 2. Jal Lal uraf Zile Singh Ss/o Sh. Rat.a r/o Babail Teh. Panipat.

(Transferor) (2) Smt. Samitra Devi w/o Sh. Kabool Singh s/o Sh. Man Singh r/o Babail Teh. Panipat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/PNP/41/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1931 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 48 kanels

situated at Baball Teh. Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Pan pat under Registration No. 1771 on 15-6-35

at ran pat under Registration No. 17/1 on 13-6-65 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to row far under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; erad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not be n or which ought to be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in rursuance of Service 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this patice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION - The street and expressions used berein as are defined in Compter Ale of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 kanals situated at vill. Babail Teh. Pan put and as more menitoned in the sale deed registered at Sr. No. 1771 dated 15-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-1-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/PNP/32/85-86.—Whereas, I B. I. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 44 kanals 7 marlas situated at Vill. Babail Teh. Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Panipat under Registration No. 1551 on 6-6-85

at Panipat under Registration No. 1551 on 6-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of : .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rusons namely :-

85-496 GI/85

Sh. Mahinder 2. Rajinder 3. Attar Singh 4. Mahabir
 Satbir sons of Sh. Dhan Singh r/o Babail Teh. Panipat.

(Transferor) (2) Sh. Anoop Singh s/o Sh. Moola Singh s/o Sh. Sawan Singh r/o vill. Babail Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as 2000 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 7 marlas and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1551 dated 6-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-1-86

(I) Sh. Karnarl Cach e o Shri Partap Singh vallee Singhawala Jeh. Ambala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 t)F 1961)

Rostan Lal Tirkha see Pandit Ramias Anbala City
Sh. Cashey Shyam Tayal (o Sh. Puran Mal 270 Treasury Road, Ambala City,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/32/85-86.—Whereas [, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 6 kanals 8 marlas
situated at village Singhawala Teh. Ambala
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

at Ambala under Registration No. 1985 on 12-6-85

for an apparent consideration No. 1985 on 12-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being land measuring 6 kanals 8 marlas situated at village Singhawala Teh. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at St. No. 1985 dated 12-6-85 with the Sub Registrar, Ambala,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-86

Soul :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/48/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI.
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 163 kanals 6 marlas situated at Village Siwah Teh, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2028 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Fatch Singh s/o Sh. Amir Singh s/o Mugla 2. Sh. Om Parkash s/o Sh. Fatch Singh r/o vill. Siwah Teh. Panipat. (Transferor)

(2) Sh. Avtar Krishan Khanna s/o Radha Krishan 2. Sh. Vinod Kumar Khanna s/o Sh. Avtar Krishan Khanna 3. Sh. Parmod Khanna s/o Sh. Avtar Krishan Khanna 4. Rajiv Khanna s/o Sh. Avtar Krishan Khanna r/o Kishanpura House, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 163 kanals 6 marlas situated at village Siwah Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2028 dated June, 1986 with the Sub Registrar. Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF I'VE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq/KNL/48/85-86.—Whereas I, B. I. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 5 bighes 3 biswas

situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Rem tration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1035 on 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to be converted to the property as aforesaid property and I have property as aforesaid property and I have reason to be converted to the property as aforesaid property and I have property and I have property as aforesaid property and I have property as aforesaid property and I have property as aforesaid property and I have property and I have property as aforesaid property and I have property as aforesaid property and I have property and I have property and I have property as aforesaid property and I have property as aforesaid property and I have property as a foresaid property and I have property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal h-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Sawan Mal s/o Sh. Nar Singh Dass s/o Sh. Makhan Lal r/o Sadar Bazar, Karnal.

(Transferor) (2) Sh. Samar Singh s/o Sh. Panna Lal s/o Sh. Rama Nand r/o Shiv Colony, Kaithal Road, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 3 biswas situated at Shiv Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1035 dated 3-6-85 with the Sub Registrar, Karnal,

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 14-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th January 1986

Ref. Mo. I.A.C./FBD/28/85-86.—Whereas, I B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 16-A, No. Plot No. 16-A, situated at NIT, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2456 on 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansles and the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Vinod Kumar Bhupindre Kumar r/o D-269, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Rajesh Arora s/o Sh. S. K. Arora 1/0 469, Section 16-A, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 16-A NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2456 dated 7-6-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rehtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-1-86 Seal:

Dabarki Teh. Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rasal Singh uraf Rasala s/o Sh. Chuharia Ram r/o KVII, 542/2, Kalandra Gate, Karnal.

(1) Munsa Singh s/o Sh. Labh Singh r/o vill.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. 1.A C./Acq./KNL/56/85-86.—Whereas I, B. 1. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)-and bearing No.

land measuring 32 kanals

land measuring 32 kanals situated at village Dabarki Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1112 on 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offeresid presents and L have research.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(h) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals situated at village Dabarki and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1112 dated 7-6-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-1-86

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/RTK/13|85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 4 biswas

situated at Rohtak
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 1680 on 12-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trady stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforecase property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following THE namely :--

(1) Sh. Hukam Chand s/o Sarup Singh 2. Sh. Mange Ram s/o Sh. Hukam Chand 1/o Sukhpura, Robtak.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi w/o Sh. Om Parkash Saini r/o Samipura, Rohtak,

(3) Sh. Om Parkash Saini s/o Sh. Abhey Ram Saini, r/o Sainipura, Rohtak. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 4 biswas situated at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1680 dated 12-6-85 with the Sub Registrar,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-1-86

Seal.

(1) Smt. Shushila Devi w/o Ishwar Chander 2. Kiran Mala w/o Sh. Sulekh Chander 3. Santosh Kumari w/o Rameth Chander, r/o Bara Bagar, Sonepat. (Transferor)

(2) Sh Zile Singh s/o Sh. Indraj s/o Guran Dita Murthal Darwaja, Sonepat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/8/85-86,—Whereas, I B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 at the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. land measuring 48 kanals situated at vill. Devru Tehsil Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 1094 on 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per can of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 kanals situated at village Devru Teh. Sonepat and as more mentionde in sale deed registered at Sr. No. 1094 dated 3-6-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-1-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Jage s/o Nayadar r/o Murthal Teh. Sonepat.

(Transferor)

(2) The Jai Bharat Co.Op. House Building Society, through Sh. Parmanand Pahuja, G.T. Roda, Murthal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/23/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 26 kanals 15 marlas

situated at Murthal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sonepat under Registration No. 1660 on 29-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of: with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-86-496 GI·/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals 15 marlas situated at Murthal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1660 dated 29-6-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/KLK/18/85-86.—Whereas, I B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 436 situated at Sector 7 Panchkula Teh. Kalka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 642 of Income Tax Rules 1962 on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Ch. Manmohan Kumar Bhalla s/o Sh. Tirath Ram Bhalla r/o 436 Sector 7, Panchkula Teh. Kalka. (Transferor)
- (2) Lala Jagdish Rai s/o Sh. Mohar Chand r/o H. No. 1105, Sector 7 Panchkula Teh. Kalka Distt. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 436 situated at Sector 7, Panchkula Teh. Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 642 dated 6-6-85 with the Sub Registrar, Kalka.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Rohtak

Date: 30-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/SPT/22/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at Sonepat under Registration No. 1659 of Income-tax Rules, property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/c and hearing No.

at Soliepat under Registration No. 1659 of Income-tax Rules, property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 7 kanals 8 marlas situated at Murthal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at at Sonepat under Registration No. 1659 of Income-tax Rules, 1962 on dated 29-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name³:—

(1) Shri Zile Ram S/o Bhagwana r/o Murthal.

(Transferor)

(2) The Jai Bharat Co-op. House & Building Society
Ltd. G. T. Road, Murthal
(Through Shri Parma Nand Pahuja, Pardhan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanal 8 marlas situated at Murthal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1659 dated 29-6-85 with the sub-Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-1-1986

(1) Smt. Rambai wd/o Sh. Gurditta Smt. Dayawanti d/o Sh. Gurditta S/Sh. Asskaran & Ram Parkash ss/o Sh. Gurditta r/o Hansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION **269D** (1) OF **THE** INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Partap, Manohar Lal Balbir Singh
 Krishan Kumar

ss/o Sh. Hira Lal r/o Dhani Khush Hal Majra Teh. Bawanikhera Dist. Bhiwani.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE **ROHTAK**

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq/HNS/4/85-86.--Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 35 kanals situated at Hansi (and more fully described in the Schedule approach to the schedule approach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the otice of the Registering Officer the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985 at Hansi under Registration No. 681 of Income-tax Rules. 1962 dated 3-6-1985

for an apparent consideration which is less than, the fair ma et value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/a

THE SCHEDULE

Property being land measuring 35 kanals at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 681 dated 3-6-85 with the Sub Registrar, Hansi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak. the 29th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/PNP/44/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Panipat under Registration No. 1825 of Income-tax Rules, 1962 dated 19-6-1985

1962 dated 19-6-1985

for- an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

(1) 1. Smt. Raj wd/o

- 2. S/Sh. Hardeet Singh
- 3. Jagjeet Singh
- 4. Ravinder Pal Singh sons

- Smt. Satvinder Kaur
 Devinder Kaur ds/o Shri Gurcharan Singh r/o T-87-I, Railway Colony, Meeruth (U.P.). (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chand Dhawan S/o Sh. Ram Lal C/o 116 Sukhdev Nagar, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 1825 dated 19-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 29-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq/KNL/81/85-86,—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 938 Purani Mandi (Gur Mandi) situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1414 of Income-tax, Rules,

1962 dated 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely.-

(1) Shri Mohinder Singh S/o Piara Lal, Shri Iqbal Singh Soo Shri Partap Singh, r/o XIII/1106, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

- 1. Dharam Pal S/o Sh, Janki Dass r/o 561 Model Town. Karnal
 2. Shri Sita Ram S/o Shri Tulsi Ram r/o 315-R, Model Town, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 938, Purani Mandi (Gur Mandi), Karnal and as more mentioned in the sale deed registered, Sr. No. 1414, dated 24-6-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 13-1-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1851)

GOVERNMENT- OF INDIA

Shri Rajan Malik S/o Shri Bahadur Chand r/o Nissang Distt. Karnal.

(Transferor)

(2) M/s, Goel Rice Mills (through Mittar Sain) r/o Nissang Distt. Karnal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 28th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/NSG/16/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 38 kanals 4 marlas situated at village Nissang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Nissang under Registration No. 335 of Income-tax Rules, 1962 dated 12-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals 4 marlas situated at village Nissang and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 335 dated 12-6-1985 with the sub Registrar, Nissang.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak.

Date: 28-1-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 29th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/HSR/33/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 136 kanals situated at village Balsmand Teh. Hissar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hissar under Registration No. 1879 dated 19-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income

(1) 1. Sh. Sat Pal

 Shri Jai Dev
 Shri Anand Dev
 Shri Sahdev ss/o Shri Lala Fateh Chand r o Mohan Mandi, Hissar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohar Singh
2. Sh. Dana Ram
3. Shri Rama Nand
4. Shri Mahabir Parshad ss/o Shri Gokal Chand r/o Balsmand Teh. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 136 kanals situated at village Balsmand Teh. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1879 dated 19-6-1985 with the sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Mohinder Singh

Shri Guroan Singh
 Shri Jai Singh ss/o Sh. Teja Singh r/o Dasauli Teh. Rajpura.

(Transferor)

(2) Ambala Beak Centre Panjokhara Teh. Ambala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **ROHTAK**

Rohtak, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/ABM/73/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 78 kanals situated at village Panjokhara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ambala under Registration No. 2409 of Income tax Rules,

1962 dated 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HE SCHEDULE

Property being land measuring 78 kanals situated at village Property being land measuring 78 kanals situated at village at Sr. No. 2409 dated 25-6-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subSection (1) of Section 2600 at the said Act, to the following persons, namely :- 87-496 GI/85

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 29th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/RTK/20/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing land measuring 54 kanals 4 marlas situated at vill. Anwal Teh Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rohtak and a Registration No. 1814 dated 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

a fer with the object of :-

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons,

(1) 1. Sh. Tara Singh

 Sh. Jaga Sinfih
 Sh. Puran Singh ss/o Sh. Sada Singh r/o Lakha Khera Teh. Tohana Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) 2. Sh. Om Parkash2. Eh. Gulshan Kumar3. Sh. Subhash Chander

4. Sh. Rakesh Kumar 5. Sh. Rajesh Gumar ssoo Sh. Shadi Lal ro Anwal Teh. Rohtak.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be trude in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuringng 54 kanals 4 marlas situated at village Anwal Teh. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1814 dated 17-6-85 with the Sub Registrar. Rohtak.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-1-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 30th January 1986

Ref. No. I.A.C. Acq. JDR 40 85-86 Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 26913 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 16 kanals situated at village Chandigarh Teh Lagadhari

Teh. Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at under Registration No. 1966 dated 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been of rought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:— (1) 1. Sh. Jeginder Singh so Shri Parkash Singh so Sudha Singh r/o near Canal Rest House. Karnal. (Transferor)

(2) Sh. Alias Mohmad s/o Sh. Kutbudin r/o vill. Kansapur Teh. Jagadhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals situated at village Kansapur Teh. Jagahdari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1966 dated 28-6-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range, Robink.

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/SPT/21/85-86.—Whereas, I.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
Land measuring 32 kanals 13 marlas situated at Murthal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sonepat under Registration No. 1658 dated 29-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Shri Shiv Narayan S/o Shri Hardeva r/o Murthal Teh. Sonepat.

(Transferor)

(2) The Jai Bharat Co-op. House Building Society, G. T. Road, Murthal (through Shri Parma Nand Pahuja, Pardhan).

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Property being land measuring 32 kanals 13 marlas situated at Murthal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1658 dated 29-6-85 with the Sub-Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 24-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/SPT/24/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 25 kanals 17 marlas situated at Murthal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 1661 of Income-tax Rules, 1962 dated 29-6-85

1962 dated 29-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt Mam Kaur wd/o late Sh. Karan Singh
 - 2. Deep Chand
 - 3. Hazari
 - 4. Prem Singh ss/o Sh.. Sarup Singh r/o Murthal.

(Transferor)

(2) The Jai Bharat Co.op House Building Society, G. T. Road, Murthal (through Shri Parma Nand Pahuja, Pardhan).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 25 kanals 17 marlas situated at Murthal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1661 dated 29-6-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/KNL/89/85-86.—Whereas, I.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 8 bighas 17 biswas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1465 dated 25-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sh. Surinder Kumar 2. Sh. Ashok Kumar ss/o Sh. Asa Ram S/o Sh. Raja Ram r/o Asra Ram Market, Karnal. (Transferor)

(2) M/s Super Rubber Enterprises, Karnal through Sh. Satish Kumar Chawla, Managing Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bighas 17 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1465 dated 28-6-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/30/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 6 bighas 14 biswas situated at Vill.

Tejli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jagadhari under Registration No. 1503 of the Income Tax Rules 1962 dated 10-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair warket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ~ transfer with the object of :-

- tal facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Puran S/o. Shri Panjaba r/o village Tejli, Yamunanagar,
- (Transferor) (2) Vardhman Jain Co-op. House Building Society Ltd., Jamunanagar, Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 baghas 14 biswas situated at village Tejli Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1503 dated 10-6-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 13-1-86. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/12/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 12 bighas 1 Biswas situated at Sonepat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 1243 dated 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Shri Rudermani S/o. Shri Khushal Chand, r/o Mohala Kalan, Sonepat

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj (2) Shri Krishan Lal sons of Shri Mahala Ram r/o H. No. 19, Housing Colony, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 18 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the timesteror to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 bighas 1 biswas situated at Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1243 dated 10-6-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquastion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-86.

Scal :

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/32/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 40 kanais 4 marlas situated at Dabra Road Hisson

Road, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Hissar under Registration No. 1790 dated 15-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said &ct, to the following persons, namely :--

88-496 GI/85

- (1) Shri Lal Chand S/o. Shri Teja Singh Jat R/O V & P.O. Dabra Teh. & Distt. Hissar. (Transferor)
- (2) The Vishva Adhyatmik Sangh, Co-op. Group House Building Society Ltd., A-4, H.A.U., Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanals 4 marlas situated at Dabra Road Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1790 dated 15-9-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Robtak

Date: 13-1-86,

(1) Smt. Kailash Rani w/o. Shri Chanan Dass, r/o Delhi.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Davi Rom (2) Shri Puran Mal (3) Shri Raj P.J 85/0. Shri Tek Chand, r.o Kursyan, Teh. Panipat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/40/85-86.—Whereas. I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 24 kanals situated at village Hartali

Teh. Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (In of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1763 dated 12-0-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals situated at village Hartali Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1763 dated 12-6-85 with the Sub Register, Panipat

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robiak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 13-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/57/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. land measuring 71 kanals situated at village Dabarki, Teh Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal under Registration No. 1113 dated 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:

(1) S/Shri Mansha Singh (2) Hazur Singh ss/o. Shri Labh Singh s/o. Shri Grumukh Singh r/o village Dabarki, Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Dass (2) Shri Shamsher Singh ss/o. Shri Singh Ram r/o 554/17, Mithan Mohalla Kalandri Gate, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability all the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the transfer; and/er
- (h) acilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 71 kanals situated at village Dabarki Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1113 dated 7-6-85 with the Sub Registrar, Karnal.

THE SCHEDULE

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 14-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Janki Nath S/o. Shri Tara Chand r/o '571, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Niwas S/o. Shri Kura Ram r/o V. & P.O. Chhaja Ka Nagal (Sikar).
(2) Sat Narayan s/o. Shri Phool Chand r/o V. & P.O. Chhaja Ka Nagal (Sikar) (Rajasthan).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/33/85-86,—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. House No. 571 situated at Model Town, Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Panipat under Registration No. 1552 dated 6-6-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 571, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1552 dated 6-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 14-1-86

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Ac./KNL/75/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 14 kanals 16 marlas situated at Uchana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1355 dated 19.6-35 for an apparent consideration which is less than the fair market vlaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions namely :-

(1) Mam Raj s/o. Shri Bhikhan r/o village Uchana, Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Dass s/o Shri Ranjeet Singh r/o village Jhanjhari, Teh. Nilokheri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 16 marlas situated at Uchana, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1355 dated 19-6-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 14-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **ROHTAK**

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./ Acq./GHD/10/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing

No. land measuring 23 kanals 4 marlas situated at village

Gharonda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gharonda under Registration No. 484 dated 6-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Shish Pal Singh s/o. Shri Arjun Singh s/o. Shri Surjeet Singh, village Gharonda. (Transferor)
- (2) Shri Rakam Singh (2) Shri Ompal Singh ss/o. Shri Jasu Singh (3) Shri Kuldeep Singh s/o. Shri Dharambir (4) Shri Raj Kumar (5) Shri Randeep ss/o. Shri Ram Kumar s/o. Shri Gainda Singh r/o Gharonda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 kanals 4 marlas situated at village Gharonda and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 484 dated 6-6-85 with the Sub Registrar, Gharonda,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

Date: 22-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/38/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 52 kanals 13 marlas situated at village Sutana, Teh. Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1750 dated 14-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Inder Singh s/o Shri Amin Lal r/o Village Sutana, Teh. Panipat

(Transferor)

(2) 1. Shri Randhir Singh (2) Shri Raghbir Singh Singh (3) Shri Subhash Chander (4) Shri Sukhbir Singh ss/o. Shri Mange Ram r/o Kalkha, Teh. Panipat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 52 kanals 13 marlas situated at village Sutana, Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1750 dated 14-6-85 with the Sub Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 22-1-86. Seal:

(1) Shri Hazur Singh s/o. Shri Labh Singh, r/o village Dabarki. Teh. Karnal.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ONCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rashal Singh uraf Rasala s/o. Shri Chuharia Ram r/o XVII/542/2, Kalander Gate, Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th January 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./KNL/55/85-86.—Whereas, 1, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 31 kanals 11 marlas situated at village Dabarki, Tehsil Karnal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Karnal under Registration No. 1111 dated 7-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor. by more than fifton per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being land measuring 31 kanals 11 marlas situated at village Dabarki Tehsil Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1111, dated 7-6-85 with the Sub Registrar. Karnal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the. Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. KHATRI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I largely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/54/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 51 kanals 14 marlas situated at village Dabarki, Tehsil Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal under Registration No. 1110 dated 7-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. m/mely:— 89—496 GI/85

- Shri Hazur Singh s/o. Shri Labh Singh (2) Shri Sukhvinder Singh (3) Shri Angrej Singh ss/o. Shri Munshi Singh r/o Dabarki, Tehsil Karnal.
- (Transferor)
 (2) Shri Banarsi Dass (2) Shri Shamsher Singh ss/o.
 Shri Singh Ram (3) Shri Rishal Singh uraf Rishala s/o. Shri Chuharia Ram (4) Shri Dharm Singh Bimla Devi wd/o. Shri Sewa Singh r/o 554/17, Mithan Mohalla, Kalandri Gate, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 51 kanals 14 marlas situated at village Dabarki, Teh. Karnal and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 1110 dated 7-6-85 with the Sub Registrar, Karnal,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 22-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/22/85-86.--Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 168 kanals 16 marlas situated at village Goli, Distt. Ambala

Goli, Distt. Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 1577 dated 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the six market value of the property by aforesaid expects the apparent consideration, therefor, by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to besween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

 Smt. Gurcharan Kaur wd/o. Shri Sadhu Singh s/o. (2) Smt. Chindo (3) Smt. Mohinder Kaur d/o. Chaman Singh village Goli, Tehsil Ambala.

(2) Shri Amarjit 8/0. Shri Ram Kishan (2) Smt. Sukhyinder Kaur w/o. Shri Amarje t r/o Nagal, Tehsil Ambala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 168 kanals 16 marlas situated at Goli and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1577 dated 3-6-85 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 14-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/27/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1452 Sector 15 situated at Urban Estate, Faridabad

House No. 1452 Sector 15 situated at Urban Estate, Faridadad (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridadad under Registration No. 2294 on 5-6-1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid are said to apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BING / OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sast Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (†) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Jagmohan Rikhi (S. S. Rikhi), s/o D. D. Rikhi (Dwarka Dass (Rikhi), r/o 51 U.A. Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Sood w/o Shri Visnu Sood. s/o Shri Ramesh Chander Sood, r/o 2A-4B. P. New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1451 Sector 15, Urban Estate. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2294 dated 5-6-85 with the Sub-Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/31/85-86.—Whereas, 1.

Ref. No. 1.A.C./Acq./FBD/31/85-86.—Whereas, 1, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 portion of H. o. 140 situated at Sector 15-A, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pocietration Act. 1908. (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3046 on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration derefor by macze than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration apparen

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Kanwal Krishan Arora, s/o Shri Balwant Singh Arora, r/o H. No. 140, Sector 15-A, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh Arora. s/o Shri Jagat Singh Arora, r/o H. No. 140 Sector 15-A, Faridabad.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being (1/2 portion) of House No. 140 Sector 15-A. Faridabad and a more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3046 dated 22-6-1985 with the sub-Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Janak Mukarji 2. Shri Arian Dass

2. Shri Arjan Dass, 5E/60, NIT Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Mehar Chand,s/o late Shri Daulat Ram,H. No. 5E/13 NIT, Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/29/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 5E/13 situated at NIT, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2148 on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being House No. 5E/13 NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2148 dated 21-6-1985 with the Sub Registrar, Faridabad.

THE SCHEDULE

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/RTK/19/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 153-L situated at Model Town, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 1751 on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, metefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Partap Singh,
 s/o Shri Santokh Singh,
 r/o H. No. 153-L, Model Town,
 Rohtak.

(Transferor)

 Shri Satish Kumar Sharma, s/o Shri Ganga Parshad Sharma, H. No. 213/W 25, Model Town, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 153-L, Model Town, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1751 dated 14-6-1985 with the Sub-Registrar, Rohtak.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-2-1986

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-232/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No 359 situated at Swamipada, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 13700 on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Narendra Kumar and Shri Krishna Kumar, S/o Shri Balwant Singh, Village Laraura, Roorkie, Saharanpur.

 Smt. Hosiyari Devi, W/o Shri Nand Kishore, Swamipara, Meerut.

(Transferee)

(Transferor)

(3) —Do—
(Persons in occupation of the property.)

(4). —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 359, Swamipara, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

Seal

FORM ITNS...

THE FICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-237/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovwhile property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Property situated at Meerut

situated at Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut

under registration No. 12905 on 11-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lajjawati, W/o Shri Munni Lal, Chandpura, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Singh, Ss/o Shri Chhotey Lat, Sarvodaya Colony Noglabadu, Meeruit.

(Transferee)

(3) -Do-

(Persons in occupation of the property.)

(4) -- Do--

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-244/85-85.Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Nil situated at Panch Sheel Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 13658 on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—
90—496 GI/85

 Smt. Raj Kali, W/o N. Singh, Sardar Nagar, Khas Bulaundsahar.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar Bansal, S/o Shri Jagan Nath Pd., Mawana, Meerut.

(Transferee)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property.)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Panchsheel Colony, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-246/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. MD-246/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, Long the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable proceedy having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 155, 313, 613 situated at Budhona (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buthona under registration No. 3023 on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mar-kut value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tea under the said Act. in and for
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any noneys or other assets which have not been or much cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Act, i herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby invitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following BOTHOWS, DESTROYS :--

(1) Shri Om Prakash and others, Railway Road, Rohtak, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Chatar Singh and others, Kabarot, Muzaffiarnagar.

(Transferee)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property.)

(4) -- Do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective Decreons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 155, 513, 613 and 642 Budhana Bangar Uttari, Muzaffarnagar.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpui

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-257/85-86.—Whereas, I,

ment of transfer with the object of :-

Ref. No. MD-25//85-00.—whereas, 2, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26 situated at Saraswati Soni Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5172 on 3-6-1985

for an apparent consideration No. 51/2 on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Tirath Singh and others. 26, Saraswati Soni Marg, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Das, S/o Shri Thana Ŕam, Ram Lila Bazar, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property.)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imatovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

26, Saraswati Soni Marg, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Kan 1

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-256/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. No. Nil situated at Kanwali (and more fully described in the Schedule analysed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5164 on 3-3-1903 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property actions the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not free, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Peerdia, Village Kanwal, Dehradun.

(Transferor)

 M/s Doon Engi, Co-op. Housing Society Ltd., T-15 Yamuna Colony, Dehradun. Through R. S. Gunsola.

(3) —Do—

(4) —Do—

(Persons in occupation of the property.)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the pro-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1408 to 1415 and 1421, 1422 at Village Kanwali, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, K

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-259/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Section 269B of movable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4 situated at Massorei Road-

No. 4 situated at Massorei Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at at Dehradun under registration No. 5206 on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer Smt. Thakar Hiraben Jayantilal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sudarshan Kumari Chauhan, Kharkhari, Haridwar.

(Transferer)

(2) M/s U.P. Co-op. Union Ltd.,

(Transferee)

(3) -Do-

(Persons in occupation of the property.)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 4 Masuri Road, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I, he by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-262/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 32/1 situated at Kr.shna Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 89 on 30-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee 101 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sucha Singh, S/o Shri Bachan Singh, 32/1 Krishna Nagar, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri S. C. Mathur, S/o K. D. Mathur, Rampur Mandi, Dehradun.

(Transferee)

(3) --Do--

(Person in occupation of the property)

(4) —Do— (Person whom the undersigned knows to be be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 32/1, Krishna Nagar, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-264/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 58/1 situate dat Kanwali Road

No. 58/1 situate dat Kanwali Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5839 dated 28/6, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh, 58/1, Kanwli Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar Agarwal, 3-Purshottam Tandan Road, Dehradun,

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 58/1 Kanwali Road, Dehradun,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106.282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Pef. No. MD-270 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property hiving a fair market value exceeding Rs, 1.00 000/- and beaung situated at Park Road, Laxman Chowk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehraden under registration No. 5715 dated 24/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestial exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sari Anand Kumar Agrawal,
 Others, S/o Lala Om Prakash
 Malviya Road,
 Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Jindal S/o Shri Kishori Lal, 133, Park Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do—
(4) —Do—

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 133, Park Road, Laxman Chowk, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Kanpur

Pate: 10/2/86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208-012, the 10th Februray 1986

Ref. No. 271/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 210 situated at Adarsh Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5718 dated 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any image arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
91—496 GI/85

(1) Shri Kundan Lal C/o M/s Jeevan Das Kundan Lal, Rishikesh.

(Transferor)

(2) Shri Indar Mohan, 6, Adarsh Nagar, Rishikesh,

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 210 Adarsh Nagar, Rishikesh (Dehradun).

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-273/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at Race Course (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 A. B of the Income-tax Act in the Office of the Compatent Authority et the Competent Authority at

or Dehradun under registration No. 5572 dated 18/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration can be the such apparent consideration and that the consideration can be the such apparent consideration and that the consideration can be the such apparent consideration and that the consideration can be the such apparent consideration that the consideration can be the such apparent consideration that the consideration can be the such apparent consideration that the consideration can be the such apparent consideration that the consideration can be such apparent consideration that the suc and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Bhagwanti Anand W/o Shri Chuni Lal Anand, 66/52, Gobind Nagar, Dehradun.

(Transferor)

Dehradun. (2) Smt. Nirmala Padwar D/o Shri Tirath Ram Talwar, 239, Karanpur, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at Race Course, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-277/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Kawati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Dehradun on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

a. Dehradun under registration No. 5668 dated 24/6/85

(1) Shri Raghu Bir Singh, Vill. Kanwati, Dehradun.

(Transferor)

(2) Doon Engi. Co-op. Housing So. Ltd., T-15, Yamuna Colony Through R. S. Gunsola, Dehradun.

(Transferee) (3) --- Do--

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:-The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Vill. Kanwali, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/2/86

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. MD-279/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Kawali fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Dehradun under registration No. 5667 dated 21/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vijai Singh, Vill, Kanwali, Dehradun,

(Transferor)

- (2) Doon Engi Co. op. Housing Co. Ltd., T-15, Yamuna Colony,
- Dehradun. (3) —Do-

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the multication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vill. Kanwali, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpui

Date: 10-2-85

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-889/85-86.—Whereas, I,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agri. situated at Salarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 4940 dated 15/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Shri Pratap Singh
 Sho Shri Harish Chandra,
 R/o Jasaula,
 Suba Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Khanyoug Trust, AO. 214, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —**Do**—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nine Bhigha Seven Vishwa, Lagani, 116-85 Village, Salarpur, Dadari. G.Bad,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

4CQUISITION RANGE 196/282, KANCHAN BHAWAN PANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-900/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 394 Block 'C' situated at Surya Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registra io.
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 5216 dated 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. at of our income ori from the trees
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Aiait Singh Sapali W/o Shri Ajait Sapali, R/o 16-E, 29 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jeevan Lata Jain W/o Shri D. P. Jain, R/o A-2/A148, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

(3) —**Do**—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 394 Block-C, Surya Nagar, Dadari,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-901/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 413 Sector 15-A, situated at NOIDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and registered under the registration

Plot No. 413 Sector 15-A, situated at NOIDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Noida under registration No. 1979 date 17/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer

the said instrument of transfer with the object of-

- (*) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Janki Vishwa Nathan
 W. o Shri T. V. Vishwa Na:han,
 R/o A1/8, Flat No. 5, Basant Nagar,
 Madras through Rishi Kumar Bansal.

(Transferor)

(2) Smt, Sadhna Mittal, W/o Shri A. K. Mittal, R-A-16, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

(3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons withfu a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 413 Sector-15A, NOIDA.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 10-2-1986

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-9021/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agri. situated at Nagal Ahir
(and more fully described in the scheduled annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Saharanpur under registration No. 6395 date 13/6/85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
extends the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
regusfer with the ebject of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sardar Gurbax Singh, S/o Shri Sohan Singh, Reo Nagal Ahir, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kashmiri Lal, S/o Shri Lakhmi Chand, R/o Firojpur, Punjab.

(Transferee)

(3) —**Do**—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —**Do**— (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property(

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ã EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 38 Bighas 7 Biswa, 19 Bigha, 7 Biswa. 19 Bigha village Nagal Ahir Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK **KANPUR**

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-904/85-86.--Whereas, I,

A. R. DAS, eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said' Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding to 1,00,000/- and bearing No.

Agri. situated at Laskarpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer it Saharanpur under registration No. 598/85 dated 3-6-85 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 or 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
92—496 GI/85 (1) Smt. Preetam Kaur W/o Sardar Ranjeet Singh, Village Laskarpur, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Pyara Lal S/o Shri Gahla Ram, R/o Tilak Nagar, Sahranpur.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation o the proper .)

(4) —**Do**— (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 21, 22, 237, 239 vilage Laskarpur, Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

THE RESERVE THE PROPERTY OF TH

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. M-908/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B-129 situated at NOIDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at NOIDA under registration No. 2075 dated 25-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration for such transfer as agreed to have mentally the consideration the consideration the consideration the consideration the consideration that the consideration the cons No. B-129 situated at NOIDA the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kailash Kaur, R/o J-185, Saket, Malviya Nagar Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Tilla Venkatesa Perumal, 12A/39, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whome the undersigned knows to be interested in the proper)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

B-129 Sector-XIV NOIDA, Ghaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-2-1986 Seal :

FORM I.T N.S

(1) T. C. Jain R/o Sahawganj Subji Mandi, Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Silver Spark Pvt. Ltd., 108 Kanchan House C-1, Najafgarh Community Centre New Delhi-15.

(Transferee)

(3) M/s. Silver Spark Pvt. Ltd. 108 Kanchan House C-1 Najafgarh Community Centre New Delhi-15.

(4) M/s. Silver Spark Pvt. Ltd.,
108 Kanchan House C-1, Najafgarh Community
Centre New Delhi-15.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M. 909/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-63, Sector-IV situated at NOIDA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been t ansferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer NOIDA under registration No. 1872 on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ex- ANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

C-63, Sector-IV, Noida.

H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M-910/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS.

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000/- and

bearing No. Site No. 3 situated at D-30 Meerut Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 28233 on 15-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s M. M. Labs Proprietor
 M/s. Uni Distributors Pvt. Ltd., 2/D,
 at 22, Bhuabjai Desai Road, Bombay-26.
 (Transferor)
- (2) M/s. Unichem Laboratories at Unishem Bhavan S.V. Road Bombay-12 through Dr. Prakash Amit Moday. (Transferee)
- (4) M/s. Unichem Laboratories Ltd.
 at Unishem Lhavan S.V. Road
 Bombay-12 through Dr. Prakash Amit Moday.
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-30 Site No. 3 Meerut Read Industrial Area.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208012, the 10th February 1986

Ref. No. M-924/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 193/1(1) & 193/1(2) situated at

Ganeshpur Roorkee

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee under registration No. 382 on 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cave of such supercess consideration and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the isability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and/un

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Gajendrapal Singh S/o Thakur Mamrichpal Singh R/o A, 469 Indra Nagar, Lucknow.

(Transferor)

(2) Hakim Rajendra Kumar Jain S/o Late Sh. Ulfat Rai Jain, R/o 50 Kanongoyan Roorkee Shaharanpur.

(Transferee)

(3) Hakim Rajendra Kumar Jain S/o Late Sh. Ulfat Rai Jain, Roorkee Shaharanpur.

(4) Hakim Rajendra Kumar Jain, S/o Late Sh. Ulfat Rai Jain, R/o 50 Kanongoyan Roorkee Shaharanpur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

193/1(1) and 193/1(2) Ganeshpur, No. Roorkee. Sahranpur.

> H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208012, the 10th February 1986

Ref. No. M-925/85-86.—Whereas, I, Ref. No. M-925/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 Civil Lines 308(2) situated at C.vil Lines Roorkee No. 15 Civil Lines 308(2) situated at Cavil Lines Roorkee (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee under registration No. 2868 on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

- (1) Jainwant Sinha S/o Late Sh. Ladali Prasad Sinha, R/o 15, Civil Lines, Roorkee Saharanpur. (Transferor)
- (2) Dr. Manchar Lal Eugga S/o Late Sh. Mathura Das Bugga R/o 15, Civil Lines, Roorkee Saharanpur (Transferee)
- (3) Dr. Manohar Lal Bugga S/o
 Late Sh. Mathura Das Bugga
 R/o 15, Civil Lines, Roorkee Saharanpur.
 (Person(s) in occupation of the property)
 (4) Dr. Manohar Lal Bugga S/o
 Late Sh. Mathura Das Bugga,
 R/o 15, Civil Lines, Roorkee Saharanpur.
 (Person whom the undersigned know to pe
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 308(2) 15, Civil Lines, Roorkee Saharanpur.

H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M/927/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No. 6700 situated at Kataihra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (Kataihra) Sahranpur under registration No. 6700 dated

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-197 Act. 1957 (27 of 1957);

Smt. Madan Shri Jain, W/o Sh. Lal Ujagar Mal Jain R/o Mohalla Kataihra Sahranpur.

(Transferor)

Prabha Kapoor W/o Vijay Kapoor R/o Amrit Bazar Tali Sahab, Punjab.

(Transferee)

 (3) Prabha Kapoor W/o Vijay Kapoor R/o Amrit Bazar Tali Sahab, Punjab.
 (Person(s) in occupation of the property)
 (4) Prabha Kapoor W/o Vijay Kapoor R/o Amrit Bazar Tali Sahab, Punjab.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the ressective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 8799-99 B. R/o Katihara Kabwhan Shastri Nagar, Bazar.

> H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following sersons namely :-

Dated: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M. 933/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

h. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and

movable property having a ran market value of the Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 2100 sq. ft. situated at Haridwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 1890 dated 29-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 /27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahandra Singh Chawala S/o Late Sh. Sardar Pyara Singh Chawala, R/o Haridwar, Sahranpur.

(Transferor)

(2) Word Sinwal Spichural Trust Trasti Shri Ramesh Hanalal Seeth Biaham Yenoni Sheel Indra etc.

(Transferee)

- (3) Word Sinwal Spichural Trust
 Trasti Shri Ramesh Hanalal Seeth
 Braham Yenani Sheel Indra etc.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Word Sinwal Spichural Trust
 Trasti Shri Ramesh Hanalal Seeth
 Braham Yenani Sheel Indra etc.
 (Persons whom the undersigned knows to be
 interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2100 sq. ft. Haridwar.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1985

Ref. No. M-936/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 200 sq. ft. situated at Chandra Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sahranpur under registration No. 6355 dated 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nanafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ' 93-496 GI/85

(1) Sh. Vijendra Kumar S/o Lala Sh. Chandra Bhan R/o Jora Kunwa, Sahranpur

(Transferor)

(Transferec)

(2) Mahipal Singh S/o Dhiraj Singh R/o Titro, Tah. Nakui, Sahranpur.

(3) Mahipal Singh S/o Dhiraj Singh R/o Titro, Tah. Nakur, Sahranpur.

(Person(s) in occupation of the property)
(4) Mahipal Singh S/o Dhiraj Singh R/o Titro, Tah. Nakur, Sahranpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ac are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2800 Sq. ft. Chandra Nagar, Sahranpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Dated: 10-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1985

Ref. No. M-944/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property, lawing a fair market value exceeding

property, laying a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. R-2/199 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration A-1 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer: the Ghaziyabad under registration No. 29018 dated 18-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa 1 property by the issue of this notice under subici 1) of Section 260D of the said Act, to the following periods, namely:—

(1) Subash Malhotra S/o Sh. Ram Narayan Das R/o 98, Sector-15 Faridabad, (Haryana).

(Transferor)

1

(2) Rajendra Kumar Jaiswal S/o Kirorimal, R/o Rodgran, Lal Kunwa Delhi.

(Transferce)

(3) Rajendra Kumar Jaiswai S/o Kirorimal, R/o Rodgran, Lal Kunwa Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Rajendra Kumar Jaiswal S/o Kitorimal, R/o Rodgran, Lal Kunwa Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. R-2/199 Raj Nagar Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208012, the 10th February 1986

Ref. No. M-945/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. KH-99 situated at Kavi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Ghaziyabad under registration No. 28990 dated 18-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. K. Bhatnagar S/o Sh. L. Swarup R/o Teenmurti Marg. New Delhi,

(Transferor)

(2) Rakesh Chopra S/o Sh. Govind Ram Chopra R/o B-7/1 Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

- (3) Rakesh Chopra S/o Sh.
 Govind Ram Chopra R/o B-7/1
 Safdarjang Enclave, New Delhi.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Rakesh Chopra S/o Sh.
 Govind Ram Chopra R/o B-7/1
 Safdarjang Enclave, New Delhi,
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said issumer, able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. KH-99 Block-H. Kavi Nagar Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-2-1986.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208012, the 10th February 1986

Ref. No. M-946/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. M-940/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
bearing No. Plot No. D-3 situated at Raj Nagar
Ghaziwabad

Ghaziyabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under registration No. 29868 dated 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ashoka Kumar Gupta S/o Sh. C. M. Gupta R/o 3495 Gali Bajrangbali Chavari Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Garg Associate Pvt. Ltd. Through Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o R-11/186, Raj Nagar, Gaziabad.

(Transferee)

- (3) Garg Associate Pvt. Ltd. Through Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o R-11/186. Raj Nagar, Gaziabad. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Garg Associate Pvt. Ltd. Through Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o R-11/186, Raj Nagar, Gaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-3 Site No.-3

Plot No. D-3, Site 3, situated at Meerut Road Industrial Area. Ghaziyabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Fef. No. M-947/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as The 'said Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. D-4 situated at Meerut Road,

Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 29873 dated 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Jagdish Pd. Agarwal S/o Sh. Shiv Charan Das R/o 3495 Gali Bajrang Bali Chhavari Bazar, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Garg Associates Pvt. Ltd. through Sh. Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o 11/186 New Raj Nagar, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) M/s Garg Associates Pvt. Ltd. through Sh. Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o 11/186 New Raj Nagar, Ghaziabad. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) M/s Garg Associates Pvt. Ltd. through Sh. Sudhir Mohan Mittal S/o Trilok Chandra Mittal R/o 11/186 New Raj Nagar, Ghaziabad. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D.4 Meerut Road Industria Area Site No. 3. Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M-948/85-86.--Whereas, I, H.R. DAS, kel. No. M-948, 83-86.—Whereas, I, H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 306 situated at Maliwara. Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been troopferred and registered under the registration. has been transferred and registered under the registration Act has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under registration No. 29233 dated 21-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Bhawar Singh S/o Sh. Mawasi R/o 306, Maiwara, Dadari Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) Tej Pal Singh S/o Sh. Har Lal Singh R/o Village Sarfabad Dadari Ghaziyabad.

(Transferee)

(3) Tej Pal Singh S/o Sh. Har Lal Singh R/o Village Sarfabad Dadari Ghaziyabad.

(4) Tej Pal Singh S/o Sh. Har
Lal Singh R/o Village Sarfabad
Dadari Ghaziyabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 306 Maliwara, Ghaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpu:.

Dated: 10-2-1986.

(3) —Do—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE Kanpur-208 012, the 10th February 1986 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Ret. No. M-950/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. KE-24 situated at Kavi Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Ghaziyabad under registration No. 29837 dated
28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- shops facilitating the concealment of any income or any shops or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shaila Rani, W/o Shri P. C. Agarwal R/o 1534 Kuncha Seth Dariba Kalan, Delhi-6. (Transferor)

(2) Smt. Rekha Jain W/o Shri Vimal Kumar Jain R/o Bara Bazar Tah. Bagpat, Meerut.

(Transferce)
(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K.E.-24 Kavi Nagar, Ghaziyabad.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

sear.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th February 1986

Ref. No. M-956/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. KL 78 situated at Kavi Nagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under registration No. 26574-75 dated

30-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:--

Shri Satpal Arora,
 S/o Shri Lekh Raj
 R/o B-96, Patel Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Teja Singh Rana S/o Hans Raj Rana R/o L-92, Rly Colony Ghaziyabad.

(3) ---Do---

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K.I. 701 Kavi Nagar, Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-295/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 133/229 M. Block, situated at Kidwai Nagar, 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration

No. 133/229 M. Block, situated at kidwai Nagar, 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 14044 dated 25-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Ram Pyari and Wd/o Shri Ratan Singh & Bhola Singh & others.
 2/92, Krishna Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shakeel Ahmad and Jameel Ahmad, S/o Jamaluddin 5715 site No. 1 Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be unde in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 133/229, M-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

94—496 GI/85

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. K-303/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 65, N-Block situated at Kidwai Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur under registration No. 14090 dated 26-6-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habibay of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons (1) Shri B. Krishnachari, S/o Shri Vedantachari, 65, N, Block Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Durga Devi W/o Shri Viay Kumar, Agarwal, 33/8, Chowk Kanpur.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) (4) —Do--

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 65 N Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

> Kanpur-208 012, the 10th February 1986

Ref. No. K-304/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 13/386-B situated at Pormat Ktnpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 13032 dated 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Ved Prakash Gupta S/o Shri Tale Ram Gupta, 26/27 Patkapur Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kuldeep Kumar Agarwal. Yogesh Kumar Agarwal, 26 J27 Patkapur, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do— (4) -- Do--

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 13/386-B Pormat, Kanpur.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-305/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 123/450 Old situated at Godrian Purwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 13238 dated 12-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pastices has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any noome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vimla Manglik W/o Prem Manohar, M/s Peyash Brothers, 118/307 Kaushal puri, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s Kailash Motors Pvt. Ltd. 84/105A Jugal Bhawan G.T. Road, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) -- Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 123/450 Old 123/704 New Gadrian Purwa Factory Area, Fuzalguni, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-306/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/2, and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 117/L/89 situated at Kakadeo Kanpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kanpur under registration No. 13451 dated 15-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
saceeds the apparent consideration therefor by more than
inteer per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

(1) Shri J. P. Bhar S/o Balwant Singh R/o 117|L|89, Kakadeo Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Rani Agarwal W/o Shri Jeewan Lal Agarwal & others, 111/156 Harsh Nagar, Kanpur.

((Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) --Do--

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 117/2/89 Hancen Nagar, Kakadeo Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

PORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF THE STONE OF THE THE STONE OF THE OFFICE OFFIC ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NACIAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-308/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 431-D situated at Japroo, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 13235 on 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concentment of any income or any ots which have not been or sich ought to be disclosed by the transferse for e surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(T) Shri Manohar Dabeer 431-D Japrow, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Vipin Chandra Misaq, & others, 48/32 Lathi Mahal, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, so the acquisition may be made in writing to the unders n of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from s service of motice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 431-D, Japrow, Kanpur,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-311/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 128-A situated at Usmannur Kashav Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kanpur under registration No. 13433 dated 14-6-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922:11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Balmukand & Shyam Behari S/o Lakshi Shri Niwas 27/79 Bustang Road, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Kishan Dulari W/o Late Lalloo Ram & Govind Prasad Jaiswal, 133/38 O Block Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferee)
- (3) —Do— (Person in occupation of the property)
- (4) -Do-(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 128A Usmanpur Keshav Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in surrunnee of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) and the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter in a subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sa

Dute: 10-2-1986 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-321/85-86.—Whereas, I,

And the second section of the section

No. K-321/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-2/61 situnted at Vijay Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 13483 dated 15-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

(1) Shri Narender Kaul Widow of Shri Balwant Singh 122/689 Shastri Nagar, Kanpur.

(Trausferer)

- (2) Smt. Aruna Agarwal W/o Shri Gulab Chand Agarwal, R/o 32/101 Bagia Maniram, Kanpur. (Transferee)
- (3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) ---Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. J-2/61 Vijay Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

> Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. K-328/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-No. Plot No. 16 Sec. II Y Block Kidwai Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Kanpur under registration No. 12513 dated 1-6-85,

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to se disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Last 1957 (27 of 1957)!

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons magnety:

95---496 GI /85

(1) Shri Mohan Singh S/o Shri Lahma Singh, 49/89 Nanghra, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar Mishra & others. 87/149, Dev Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) -- Do---

(Person in occupation of the property)

(4) ---Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 Scheme II, Y Block Kidwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Dtate: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th February 1986

No. A-404/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Chauki Bagh, Bahadur Singh

Mothura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und registered under the registration Act, 1908 216 of 1908) in the office of the Registering Mathura under registration No. 5717 dated 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Taraman Hari Gupta S/o Shri Bav Pratap R/o Gaughat Mathura. (Transferor)

(2) Smt. Rashnil Agrawal W/o Sri Satya Prakash R/o Chabutara, Mathura.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot situated at Chauki Bahadur Singh Mathura area 641.05 sq. mt.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 7th February 1986

Ref. No. A-414/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 3/105 situated at House No. 3/105 Mahaveer Park (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 4848 date 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chandra Babbar, S/o Sri Bhagwan Das Babbar, R/o Lakhan Compd. Mairis Road, Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kant Chawala W/o Sri Kishan Lal Chawala R/o Rarain Bairagi Raiway Road, Aligarh.

(Transferee)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) -do-

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 3/105C situated at Mahaveer Park Extent Aligarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-2-86

(1) M/s. Regency Towers. "AARCHI". Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharmendra Kumar Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. 126/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANIILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 23 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Shop No. 23 on lower ground floor, measuring 100 sq. ft. in the Regency Towers Complex, situated in 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under SI. No. 139, dated 13-6-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. 127/37EE/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 25 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) M/s. Regency Towers, "AARCHI", Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Gupta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25 on lower ground floor, area 100 sq. ft. in the Regency Towers Complex, situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 140, dated 13-6-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. 128/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/- and bearing
Shop No. 24 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji

Marg (Hewett Road), Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the freir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Regency Towers, "AAROHI".
Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex,
Aligani Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kumar Gupta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 24 on lower ground floor, area 100 sq. ft. in the Regency Towers Complex, situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 141 dated 13-6-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. 129/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 31 in Regency Towers situated at 20-A, Shivaji

Marg (Hewett Road), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 13-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Regency Towers, "AAROHI".
Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj Scheme, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Arora

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 31 on lower ground floor, area 100 sq. ft. in the Regency Towers Complex, situated at 20-A, Shivaji Marg (Hewett Road), Lucknow. The agreement has been registered by the Complex of the comple tered by the Competent Authority Lucknow, under Sl. No. 142, dated 13-6-1985

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-2-1986

Sael :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SICNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. A-191/Acq..—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Tulapur. Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Registrar at

Bareilly on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeby said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unesely:—

(1) Shri Hira Lal Mehra.

Shri Lochan
 Shri Nanhe (Minor)

Through Guardian & Mother, Smt. Champa Devi

4. Shri Mishri

(Transferor)

(2) M/s. Amar Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly. Through Secretary. Shri Mahendra Prasad Tayal (Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 18 Biswas, situated at Tulapur, Pargana, Tehsil and Distt. Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, I ucknow

Date: 10-2-1986

(1) Shri Hira Lal Mhra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ashok Kumar 2. Shri Deepak Kumar 3. Smt. Sunita Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. A-192/Acq.—Whereas, I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No.11 situated at Dasnagar, Maldahiya, Varanasi Varanasi on June, 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Bareilly in June, 1985

Bareilly in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-96-496 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectve persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bandobasti No. 181 and 189, Plot No. 11, measuring 2720 sq. ft. situated at Dasnagar, Maldahiya, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Kewal Kıshore 2. Shri Sunil Agarwal

(Transferor)

(2) 1. Shri Akhilesh Kalra 2. Shri Anil Kalra

 Indra Agarwal
 Shri G. Acharya. 4. Shri Asim Bajpai

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th February 1986

G.I.R. No. A-193/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House with land situated at 7. Tilak Marg, Daliganj, Lucknow (and marge fully described in the Schedule property)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

real appearent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House with open land situated at 7, Tilak Marg, Daliganj, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Lucknow

" refore, in pursuance of Section 269C of the said initiate proceedings for the acquisition of the the issue of this notice under sub-section the said Act. to the following persons,

Date: 12-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Shyam Das

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th February 1986

G.I.R. No. A-194/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Mauza-Bhelakh Athgawa, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Registrar at Varanasi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transies with the object or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following · · · · · namely · ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s. Ashutosh Sahkari Avas Samiti Ltd., Varanasi Through Secretary, Shri Achutanand Pandey.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 acres, situated at Mauza-Bhelakh. Athgawa, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Jwala Prasad 2. Shri Shankata Prasad

(Transferor)

(2) Ajanta Sahkari Avas Samiti Ltd., Varanasi Through its Secretary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th February 1986

G.I.R. No. A-195/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Pandeypur, Shivpur, Varanasi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Varanasi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 83 2/3 decimals out of which 22.76 Biswa, situated at Pandeypur. Shivpur, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice, worder subaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Date: 12-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Chetram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chitragupta Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow, through Secretary, Shri Vishnu Narayan (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. C-50/Acq.—Whereas, I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Arazi Khasra No. 101 situated at Khurram Nagar, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at the Competent Authority at

Lucknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income trising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhumidhari Arazi Khasra No. 101, measuring 2 Bighas 7 Biswas, situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 11th February 1986

G.I.R. No. C-51/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'smid Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. S-2/631-A situated at Sikrol, Pargana-Shivpur,

Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Varanasi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Pratyush Kumar Halder.

- Shri Pranab Kumar Halder
- 3. Shri Prasant Kumar Halder
- 4. Smt. Kalyani Bala Halder
- 5. Shri Prabir Kumar Halder 6. Smt. Jayanti Kundu

Through attorney, Smt. Kalyani Bala.

(Transferor)

(2) Shri Chandrika Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S-2/631-A, with land measuring 384-51 sq. mtrs. situated at Sikrol, Pargana-Shippur, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-2-1986

FORM I.T.N.S.

(1) 1. Shri Arat Singh

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. H-63/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market yellor exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. D-54/155-32-33 situated at Srinagar Colony,

Ramkund, Ramapura, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985 Varanasi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2. Shri Radha Singh

(Transferor)

Shri Hari Shanker Modi
 Shri Vijai Kumar Modi
 Shri Ajai Kumar Modi
 Smt. Ginni Devi
 Smt. Kanta Modi

6. Smt. Lalita Modi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-54/155-32-33, situated at Srinagar Colony, Ramkund, Ramapura, Varanasi (as mentioned in 37G) Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-2-1986

(1) Shri Gopal Chandra Sinha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Jangarna Sahkari Nirman Samiti, Lucknow Through Secretary, Shri Ajay Kumar (Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. J-84/Acq --- Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Alinagar, Khurd, Parg. Bijnore. Distt.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-

at Lucknow in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the aid instea-ment of transfer with the object of transfer. apparent consideration which is less than the fair

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 16 Bighas, situated at Alinagar, Pargana-Bijnore, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. J-85/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Alinagar, Pargana-Bijnore, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hersto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

at Lucknow on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Ctransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

97-496 GI/85

(1) Shri Gopal Chandra Sinha.

(Transferor)

(2) Jangarna Sahkari Nieman Samiti, Lucknow. Through Secretary, Shri Ajay Kumar.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 Bighas 19 Biswas, situated at Alinagar, Pargana-Bijnore, Distt, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-2-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref No. G.I.R. No. J-86/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Alinagar, Pargana-Bijnore, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-

Registrar at at Lucknow on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopal Chandra Sinha.

(Transferor)

(2) Jangarna Sahkari Nirman Samiti, Lucknow Through Secretary, Shii Ajay Kumar.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas, situated at Alinagar, Pargana—Biinote. Diett Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 1 ucknow.

Date: 10-2-1986

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. J-87/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Alinagar, Pargana-Bijnore, Distt. Lucknow has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Gopal Chandra Sinha.

(Transferor)

(2) Jangarna Sahkari Nirman Samiti, Lucknow Through Secretary, Shri Ajay Kumar.

(3) Seller. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Bighas, situated at Alinagar. Khurd, Pargana—Bijnore Dist. Lucknow (as mentioned in 37G Form)

MRS. U. KANJ!LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-2-1986

- (1) 1. Shri Uttam Chand Ahuja 2. Smt. Chandra Kanta Ahuja.
- (Transferor)
- (2) 1. Shri Jarnail Singh Arora 2. Smt. Mahendra Kaur.

(Transferee.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. J-88/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of Premises No. 3 situated at Sapru Marg, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

at Lucknow on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the trensfer. andler

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of fiction oil the pespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No 3, Sapru Marg, Lucknow total area 13462 sq. ft. (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 10-2-1986

Scal:

FORM FINS

- (1) 1. Shri A. K. Singh.
 - 2. Shri Ram Dhani Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. (Transferce)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. K-167/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Khasra No. 7 situated at Bijaipur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

THE SCHEDULE

Land Khasra No 7, measuring 62197 sq. ft. situated at Bijaipur, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subSection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

(1) Shri Mohd. Shamim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kafeel Ahmad.2. Shri Sayed Ahmad.

(Transferee)

(3) 1. Kalloo 2. Mohd. Ali 3. Mohd. Hafeez.

Tenants

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. K-168/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 4 (Old No. 2) situated at Mohalla—Yakutganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 10-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 4 (old No. 2), measuring 346.10 sq mtrs. situated at Mohalla-Yakutgani, Allahabad (as mentioned in sale deed).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

FORM ITNS .--

(1) Shri Gautam Prasad Goel.

(Transferor)

(2) Smt. Kalawati Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later whichever period expires later.

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MORG LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 10th February 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No. GI.R. No. K-169/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few reason to believe that the

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Turkiyanpur, Distt. Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; d/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): House measuring 4718 sq. ft. situated at Turkiyanpur, Dist Gorakhpur (as mentioned in 37G Form).

THE SCHEDULE

MRS. U. KANJILAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—486 GI/85

Date: 10-2-1986

FORM ITNS....

(1) Shri P Tandon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lucknow Nagar Vikas Sahkari Avas Samiti Ltd. Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MORG LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.A. No. L-53/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot Nos. 754 to 756, 770 to 777 & 795 situated at
Bhilawan, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 754 to 756, 770 to 777 and 795, measuring 6 Bighas, 3 Biswas and 5 Biswansis, situated at Bhilawan, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJII ALCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

}eal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. L-54/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Khasra No. 10 situated at Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 'he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

98-496 G1/85

(1) Shri Holi.

(Transferor)

(2) M/s. Lucknow Nagar Vikas Sahkari Avas Samiti Ltd. Through Secretary, Shri Dinesh Chandra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 10, measuring 3 Bighas, 13 Biswas and 18 Biswansis, situated at Village Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-2-1986

(1) Shri Shiv Nath Upadhyay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Lal Droliya.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-261/Acq.—Whereas, I, MRS, U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. B-1/122-C-2-1 situated at Moh. Dumrao Colony, Assi, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oce of the Registering Officer at Lucknow on 21st June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. B-1/122-C-2-1, measuring 1800 sq. ft. situated at Moh. Dumrao Colony, Assi, Varanasi,

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

(1) 1. Shri Rajendra Pratap Singh. 2. Shri Mahendra Pratap Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Man Sarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. Through Secretary, Shri Dhyan Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-262/Acq.-Whereas, I,

Ref. No. G.I.R. No. M-262/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. Land situated at Village, Ujariyawn, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoormable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2.78,782 sq. ft. situated at Village Ujariyawn Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.

(1) 1. Shri Wahaj Ahmad.2. Shri Zaiauddin Ahmad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Mahesh Prasad

2. Shri Bhaiya Lal 3. Shri Ramesh Chand

Smt. Rani Devi
 Smt. Girja Devi
 Smt. Geeta Devi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-263/Acq.—Whereas, I,

Ref. No. G.I.R. No. M-263/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 151/I and 151/2 situated at Mauza-Baraipur Sarnath, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule appeared bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax uncer the said Act, in sespect of any income arising free, the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Settlement Plot No. 151/1 and 151/2 (NMP No. SN. 10/ 85) situated at Mauza-Baraipur Sarnath, Dist. Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

(1) Shri Arun Kumar Goenka.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mamta Devi - 2. Km. Usha Devi 3. Smt. Sumitra Singh 4. Smt. Surja Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-264/Acq.—Whereas, I, Ref. No. G.I.R. No. M-264/Acq.—Whereas, I, 4RS. U. KANJILAL, eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding ts. 1.00,000/- and bearing No. 4721 Nos. 505, 506, 600 and 601 situated at 4auza Bharlayee, Parg. Shivpur, Distt. Varanasi and more fully described in the Schedule annexed hereto), as heen transferred under the Registration Act 1908 (16 of

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at ucknow on June, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument in transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property av be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Nos. 505, 506, 600 and 601, situated at Mauza Bharlayee, Pargana Shivpur, Distt. Varanasi (as mentioned in

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. N-108/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and baring No.
Plot Khasra No. C-228 situated at Sector-A. Mahanagar
Housing Scheme, Lucknow
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985

Lucknow on June. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Sheo Prakash Narain Awasthi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narendra Kumar Agarwal
 2. Shri Brijendra Kumar Agarwal
 3. Shri Sushil Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piot Khasra No. C-228, measuring 11,813 sq. ft. situated at Sector-A. Mahanagar Housing Scheme, Lucknow.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

(1) Shri Mohd. Matin.

(Transferor)

(2) M/s. Parvatiya Sahkari Grih Nirman Samiti, Lucknow, through President.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-162/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. Land Khasra No. 207 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11:of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Land Khasra No. 207, measuring 2 Bighas, 15 Biswas and 18 Biswansis (as mentioned in 37G Form).

THE SCHEDULE

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :-

Date: 10-2-1986

FORM ITNS

(1) Shri Parsadi.

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Patel Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Lte Lucknow through Secretary, Shri Rajendra Kumar Singh,

(Transfered

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this nti in the official Gazette or a period of 30 days fro the service of ntice on the respective persons, whic ever period expires later;

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immo able property within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazett

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-163/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No.

Land Khasra No. 358 situated at Ismailgani, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land Khasra No. 358, measuring 62,073 sq. ft. situated Ismailganj, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILA Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range, Luckno

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Prag Narain Nigam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Puneet Sahkari Avas Samiti, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-164/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. Land situated at Chinhat, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property—and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which step to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1967 (27 of 1957);

Land measuring 1 Bigha 8 Biswa situated at Chinhat, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
99—496 GI 25 Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-2-1986

Seal:

99-496 GI/85

(1) Shri Chandra Bhan Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghuraj Sukhpatilal Maurya

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. C.I.R. No. R-276/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income 'ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 144 195 Seid Act.), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and baring No. House No. 192/174 situated at Basti Kala, Daragani,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Luknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afgresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 192/174, measuring 600-68 sq. mtrs. situated at Basti Kala, Daragani, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ersons, namely :-

Date: 10-2-1986

The state of the s

FORM ITNS

(1) 1. Shri Anoop Verma 2. Shri Anand Kumar Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Karan Tiwari.

.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. R-277//Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. Land and house situated at Dilkhusha, Faizabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985 section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(is) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
—: possissopers out of Surples of Augus

And the first process the control of the second sec

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 316, 317 and 318, measuring 16 Biswas 10 Biswansis including garden land and a house situated at Dilkhusha Faizabad (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1986 Seal:

(1) M/s. U.P. Food Products Pvt. Ltd., Bareilly through Managing Director, Shri Bhupendra Nath Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sampat Prasad 2. Smt. Nauma Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-400/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 2695 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No.

House situated at Udaipur Khas, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oce of the Registering Officer at Lucknow on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this no ice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192. (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); House measuring 1280 sq. yards situated at Udaipur Khas, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-401/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding excedeing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Nawada, Jogiyan, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Jogiyan, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land measuring 1 Bigha, 2 Biswa situated at Nawada,

MRS. U. KANJILAL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Budh Sen,

Shri Komil,
 Shri Ram Lal,
 Shri Sewa Ram.

(Transferor)

(2) M/s Suresh Sharma Nagar Sahkari Avas Samiti, Bareilly, Through Secretary, Shri Prem Prakash.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property.)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-402/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Chaurhukha Pool, Katra Naj Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Moradabad on 15-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) 1. Smt. Gyan Mala,

- 2. Shri Deep Kumar Jain,
- 3. Km. Archna,
- 4. Km. Madhu,
- 6. Smt. Kusum.
- 6. Smt. Kumud, 7. Smt. Alka 8. Smt. Saroj.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Chandra Gupta.

(Transferee)

(3) Sellers and Tenants:

1. Shri Naveen Shanker,

2. Shri Hari Shanker.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:-

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

House measuring 246-76 sq. mtrs. situated at Mohalla Chaumukha Pool, Katra Naj, Moradabad.

THE SCHEDULE

MRS. U. KANIII.AL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

(1) 1. Shri Sarju, 2. Shri Badlu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-403/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land Khasra No. 101 situated at Ahibaranpur, District

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Sanjay Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri S. P. Singh.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Arazi Khasra No. 101, measuring 13 Biswa (17693 sq. ft.) situated at Ahibaranpur, Pargana (Tehsil and District Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

The same and the same of the s FORM ITNS---

(1) Shri Ram Prakash Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE No. 18 X ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Chandra Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(3) Seller.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property.)

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-404/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, No. 5-404/Acq.—whereas, 1, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (4) of 1961) therematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A double storeyed house situated at Jogipura, Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Budaun in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and a same assess to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evesion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; asid /ca

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A double storeyed house situated at Jogipura, Budaun (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons samely :---

Date: 10-2-1986

(1) Shri Munshi Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Urmila Devi, 2. Smt. Madhu Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. U-48/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Chanduasi, District Moradabad (and more fully described in the schedule approved hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Chandausi in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House including 4 shops measuring 120 sq. yards situated at Chandausi, District Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

100-496 GI/85

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. V-93/Acq.-Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Ismailgani, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pateinagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow. Through Secretary Shri Sheo Raj Sharma.

(Transferor)

(2) M/s. Vijai Pratap Nagar Sahkari Avas Samiti I.td., Through Secretary, Shri Guru Prasad. (Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1,37,486 sq. ft. situated at Ismailganj, Pargana, Tehsil and District Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 10-2-1986

Seal ·

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ASSISTANT COMMIS-57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

Ref. No. G.I.R. No. Y-10/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Jiamau, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Nanhe, 2. Shri Gaya Prasad, 3. Shri Lalta Prasad.

(Transferee)

(2) M/s. Yug Nirman Sahkari Avas Samiti Ltd., Through Secretary, Shri B. L. Yadav.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas 11 Biswas, situated at Jiamau. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1986

G.I.R. No. I-26/Acq.—Whereas, I. Mrs. U. KANJILAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to beliee that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. S-20/51-3A situated at Mohalla-Varuna Bridge, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income consumption moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for that purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to th following persons, namely :---

(1) M/s. Friends Enterprises, Ram Katra, Varanasi, Through Partners. Shri Vijai Bahadur Singh.

(Transferor) (2) M/s. Ideal Carpet Industries Lohra Khas, Gopigani, Varanasi, Through Shri Lalla Ram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S-20/51-3A. situated on Bandobasti No. 4/1 and -4,/2 measuring 7000 sq. ft. situated at Mohalla Varuna Bridge, Varanasi.

> Mrs. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Lucknow

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(2) Shri Arful Khada 168A, Azampura, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/332/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 2s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot situated at Farah Estates, Masoorabad village, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad on 3/85 for an annarent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 61 in Sy. No. 56/1, Farah Estates, Masoorabad village, Hyderabad, admeasuring 105 s.yds vide Agreement of Sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1103/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

POPM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF WEY ENSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EF/333/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke: value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke: value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Rs. 1,00,000 and bearing
Plot situated at Farah Estates. Massorabad village, Hyd., (and more fully described in the Senedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1°C Acq. Barke. Hyderabad on 3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such massive as agreed to between the parties has not been traity stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any because arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the radian hadomestax Act, 1922 (11 of 1922) or the Suid Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Najeeba Rizwana, 16-6-596, Osmanpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property of made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21, admeasuring 207 s. yds at Masoorabad village, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range. Hyderabad, at S. No. 1104/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/334/85-86.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') having a fair market value exceeding

movable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at Farah Estates, Masoorabad village, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad on 3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Riyyaba Rubcena, 16-6-596, Osmanpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsitie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 at Masoorabad village, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1105/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 10-2-1986

(1) M/s. Amrit Apartments, 4-3-336, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shahiehan Begum W/o Shri Syed Mumtaz Hussain, Gaddi Annaram, Saroor Nagar, Hyderabad.

(Transferte)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/335/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Amrut Apartments, Bank Street, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afortaid property and I have reason to market value of the aforting properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, admmeasuring 990 s. ft. in Amrit Apartments, H. No. 4-3-336, Bank Street, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC.. Acqu. Range. Hyderabad at S. No. 1085/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 10-2-86 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 874/85-86.—Whereas, I.

Ref. RAC. No. 874/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Acres of land situated at Nerudupalli village, Bapatla tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla in 6/85

at Bapatla in 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Mr. Dantuluri Venkata Subbaraju S/o Shri D. Venkataraju, Mantenavari palem, Bapatla Tq., Guntur Dist.

(Transferor)

 (2) 1. Mr. Mantena Nagraju,
 2. Mr. Mantena Ramakrishmna Raju,
 Sons of Shri M. Narayana Raju, Marripudi village, Bapatla Tq., Guntur Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands Acres of lands Ac. 16-17 cents at Nerudupalli village, Bapatla Tq., Guntur dist., in Sy. Nos. 105, 106, 136, 140, 135 & 106 registered by the SRO. Bapatla vide Document No. 1376/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
101—496 GI/85

Date: 7/2/86

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 875/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Site & building situated at Labbipet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par coast of such apparent consideration conditions and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Parvathaneni Laxmim Saraswathi Bai W/o Shri Koteswara Rao, Labbipet, Vijayawada.

(2) Mr. Mummineni Venkataratnam S/o Shri Venkata Krishnaiah, Labbipet. Vijayáwada.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land & building No. 39-12-10, at Labbipet, Vijayawada, admeasuring 378 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3877/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 876/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

Acre of land situated at Manik Bhandar, Armoor Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad in June, 1985 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 88 agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely .-

(1) Mr. Y. Sadanand Gowd S/o Shri Y. Manma Goud. Mubarak Nagar, Nizamabad.

(Transferor) (2) M/s. The Sukhjeet Starch Chemicals Ltd., (Head office at Paghwara, Punjab State). rep: by its Production Manager Mr. Shankerlal Patel, H. No. 11-1-83, Kanteswar, Nizamahad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land Ac. 2-13 guntas in Sy. No. 23, 28 to 39 situated at Manik Bhandar village, Armoor Road, Nizamabad Dist. registered by the SRO., Nizamabad vide Document No. 3545/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7/2/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 877/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises situated at Prashanti Commercial Complex.

Office premises situated at Prashanti Commercial Complex, Bashir bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Dr. Ram Bhopal H. No. 3-6-416/3, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor) (2) Mr. Krishna Bhopal, H. No. 3-6-416/3, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

50% of the office premises No. 4 in Prashanti Commercial Complex, Bashir bagh, Hyderabad, admeasuring 1650 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3756/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7/2/86

- - 14 - 10 Statement Street in the second street with the second

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Raghunadhan Rao Associates, 7-1-70 Dharam Karam Road, Ameerpet, Hyderabad-16.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Swing Ltd., rep: by Mr. Y. Rama Sarma, Balanagar, Narsapur Road, Hyderabad.

(Transferee)

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 878, 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Dharam Karam Road, Amerpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by many than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which there are presented overlines between whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 78, at 7-1-70, Dharam Karam Road, Ameerpet, the terabad, area of land 3076 s. yds. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3599/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 879/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Portion of House situated at Humayun Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khairatabad in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Md. Fasizzama Ansari, S/o late Capt. Md. Zahiruzamma & others, 10-3-278, Humayun Nagar, Hyderabad.

 Dr. Abdul Satar S/o Md. Asif Gaffar & others, 10-3-278, Humayun Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

(Trasnferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. 10-2-278, Humayun Nagar, Hyderabad, admeasuring 486 s. yds. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1549/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12/2/86

(1) M/s Bhagyanagar Construction Company, rep: by its partner Mr. Musudlal Agarwal, 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. A. Gangakumari, Flat No. G-1, Block-A, Brindavan Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

HE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 880/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Fla situated at Brindavan apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair Ref. RAC. No. 880/85-86.—Whereas, I,

at Khairatabad in 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) fazilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Block-A in Brindavan Apartments, Red Hills, Nampally lane, area 847 s. ft. registered by the SRO, Khairatabad, vide Document Nos. 1579 & 1580/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. K. Venuprasad Si, o Shri Janaki Ramarao, rep: by GPA Mr. V. Balakishan Rao, Hanumakonda, Warangal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 881/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

and the second s

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Rs. 1.00.000/- and bearing House situated at Siddartha Nagar, Kazipet Zagir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in June, 1985

at Warangal in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Srirama Ice Works, Prop: Sri R. Sadanandam S/o Shri Ram Narayana, Kazipet, Warangal dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-1-2A, Siddartha Nagar, Kazipet, Warangal, area 720 s. yds. registered by the SRO, Warangal vide Document No. 1197/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 12-2-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 882/85-86 .-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Rajasham karan Road, Ameerpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rapsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
102—496 GI/85 (1) Mrs. Mangala Thathachary W/o VGK Thata chary, Flat No. B-1, Samruthi Sanagaru Nagar, Niagarh, Malund East, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Madhau Singh S/o Shri Bhanu Singh, 2. Mrs. Mahtap Kanwar W/o Shri Madhav Singh H. No. 7-1-48/1, Raja Shamkaran Road, Ameerpet, Hyderabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-1-48/1, Raja Shankaran Road, Ameerpet, Hyderabad, admeasuring 991 s. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3732/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

\COUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 883, 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 1.00.000/- and bearing No. House situated at Naim nagar, Hanumakonda cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office.

Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ta) (actilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. ! hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Mrs. R. Charda Devi W/o Shri Narayana Rao, H. No. 5-11-97, Nayem nagar, Hanumakonda, Warangal.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Shyamthosh Chakravarthi S/o Shri Ashotosh,
W/o Shri Shyamtosh, 2. Mrs. Swapna Chakravarthi Ramanujapoor, Mulug Ttq., Warangal Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-11-97, Naim Nagar, Hanumakonda, Warangal admeasuring 384 s. vds. registered by the SRO, Warangal vide Document No. 1308/85,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1986

FORM ITNS.

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) On THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. Anasuya Devi, 1-1-384/B, Gandhi Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 884/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat situated at Arun apartments, Red Hills

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyde abad in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said bestument of transfer with the obest of: instrument of transfer with the obect of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 509 in Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad plinth area 1180 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3607/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :--

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferor)

(2) Mr M. V. R. Subba Rao, Flat No. 605, Arun Apartments Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th February 1986

Ref. No. 885/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN Ref. No. 885/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Arun Apartments, Red Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, plinty area 875 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3885/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-86

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Y. K. Deshmukh, Flat No. 408, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 886/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills,

and more fully described in the Schedule annexed hereto, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 875 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3886/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Kameswari Flat No. 602, Arun apratments, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.) the 12th February 1986

Ref. RAC No. 887/85-86.—Wheeras I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat situated at Rrun aparaments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 602 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 875 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3884/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :: 12-2-86

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 888/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MCHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Plot No. 78, situated at Dharam Karam Road, Ameerpet (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

situated at Dharam Karam Road, Ameerpet (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Raghunadha Rao Associates, 7-1-70, Dharam Karam Road, Amirpet, Hyderabad-16.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Swing Ltd., rep. by Mr. Y. Ramasarma, Narsapur Road, Balanagar, Hyderabad.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage Nos. 7, 8 & 9 on Ground floor, admeasuring 501 s.ft in Raghunadha Rao Associates Dharam Karam Road, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3740/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th February 1986

Ref. RAC No. 889/85-86,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Fairy Lake Apartments, Raj Bhavan

Road, Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Hariram Hotchand Sachdev Prop. Mr. Hariram Hotchand Sachdev, 6-3-907, Fairy Lake Apartments, Raj Bhavan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Ladislaus FernandesS/o late Alex Fernandes & 2 others,6-3-680/9, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear flat No. 2-B in Fairy Lake apartments, H. No. 6-3-907/912, Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, area of 1400 s.ft., registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3645/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-86

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 890/85-86.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Fairy lake apartments, Raj Bhavan Road,

No. Flat situated at Fairy lake apartments, Raj Bhavan Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oright to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act to the following persons, namely:—
103—496 GI/85

(1) Mr. H. H. Sachdev, Fairy lake apartments, 3rd floor, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Bhoj Raj, 4-A,
Fairy lake apartments, Raj Bhavan Road,
Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Fairy lake apartments, Raj Bhavan Road, Hyderabad, area 1400 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3644/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 891/85-86.—Whereas I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

No. Flat situated at Kantisikhara apartments, Punjagulta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered undre the Indian Registraiton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Azima Hussain W/o Gulam Hussain, 8-2-392, Bapiara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. P. Satyavathi W/o P. Narayana Rao, 3-4-728, Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

For No. 51 on 2nd floor in Kantisikhara apartments, Punjagutta. Hyderabad, area 60 sq. mtrs. registered by the SEC Hyderabad vide Document No. 3628/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-86

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. G. Amarender Reddy, 6-3-1219/1/12, Uma Nagar, Begum pet, Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s. Abdul Razack Family Trust, per Mg. Trustee Mr. Abdul Razack, Begumpet, Hyderabad. Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th February 1986

Ref. RAC. No. 892, 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agril. lands

situated at Lalgaddi malkapat village, Medchal Tq., RR Dist. has been transferred as per deed registered under the Indian Registraiton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dist. in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Sy. No. 625 and portion in Sy. No. 629, total admeasuring Ac 14-27 guntas at Lalgaddi malkapat village, Medchal Tq., RR Dist. with farm house, registered by the SRO, RR Dist., vide Document No. 4028/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1986

(1) Mr. N. S. Koteswara Rao S/o N. Nagabhushnam, 265, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. K. Malini Lavanya Kumari, W/o Dr P. E. Prabhakar, S.R. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 893/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at Jubilee Hills, Banjara Hills, and more fully described in the Schedule annexed has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-293/82/A/265, Jubilee Hills, Hyderabad, area 1044 s. yds registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3661/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

(1) M/s. Sunrise Builders. 11-5-348, Red Hills Hyderabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. C. B. Devi, Flat No. 7, Kantisikhara Apartments, Panjagutta, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 13th February 1986

Ref. RAC No. 894/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Sunrise Builders, Arun apartments,

Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interestd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 609 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 1180 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3606/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

(1) M/s Sunrise Buildres, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. S. R. Varma & others, Flat No. 502, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 895/85-86,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad in June 1985

Registering Officer at Hyderabad in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfeoror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad area 875 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3658/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1986

(1) M/s Sunrise Buildres, 11-5-348, Red Hills, Hvderabad-4.

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S₁i R. V. Subbaiah, Flat No. 203, Arun apartments, Rod Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC. No. 896/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad form more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

that parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 30 sq.yds registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3659/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the active section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1986

FORM TINS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. B. Sarada Devi, Flat No. 204, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 897/85-86.—Whereas, I. M. IEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

for an apparen' consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the satisfied shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 204, in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 30 s. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3726/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-86.

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri V. Subbaramayya Sarma,2. V. Murali Krishna Sarma, Arun Apartments, Flat No. 601, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 898/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- tal) racattating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 80.36 sq. mtrs. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3522/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 104-496 GI /85

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1N' OMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 893/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN LYOHAN

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have teason to believe that the immovable property having a first market value exceeding

property having a four market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing No Flat situated at Atun apartments, Red Hills, Hyderabad faul more city of scribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Regist along Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hydrabad in June, 1985 for an amore a rensideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- in) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any raches or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax than 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor

(Transferee

(2) Dr. P. Ravindra. Flat No. 304, Arun apartments, Red Hills. Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 in Arun apartments. Red Hills, Hyderaba area 1180 s. ft. registered by the SRO. Hyderabad vic Document No. 3725/85.

M. JEGAN MOHAI
Competent Authorn
Inspecting Assistant Commissioner of Income-te
Accusisition Rang
Hyderabad (A.P.

Date: 13-2-86.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 900/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,
eing the Competent Authority under Section 269B of the
neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
o as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

o as the 'said Act') have reason to believe that the immov-ble property, having a fair market value exceeding 8s. 1,00,000/- and bearing 9o. Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred as per deed registered under the ndian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tyderabad in June, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-mid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. काराजी / कार

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 40% 1957 (27 of 1957):

and, merenore, in pursuance of Section 269C of the said nsa, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:-

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Meher-Unissa, 11-5-339, Red Hills, (Flat No. 703), Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said or perty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 1180 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3657/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 901/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat situated at Brindavan apartments, Nampally Lane, Red Hills.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., rep. by Partners Mr. Laxmi Prasad & Mr. Mukundlal, 11-4-656/1, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Mr. J. Ravikanth Rao, S/o J. V. Rao. 98, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 in Brindavan Apartments, Red Hills, Nampally Lane, Hyderabad, area 1050 s.ft. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1592/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 902/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Brindavan apartments, Nampally Lane,

Red Hills.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Khairatabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the insideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27-of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., rep. by partner Mr. Mukundlal Agarwal, 11-4-656/1, Red Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. M. Madhav Rao, S/o. M. V. Ramana Rao. Flat No. 711 in Brindavan apartments, Nampally Lane, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 711-B in Brindavan apartments, Nampally lane, Hyderabad, area 1218 s. ft, registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1662/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., rep. by partner Mr. Mukundlal, 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Shivaji Patil, S/o. Hanumanth Rao. 6-1-126/3, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 903/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Flat situated at Brindavan apartments, Nampally Lane,

Red Hills,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 6/85

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other and the which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad, area 1181 s. ft. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1663/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Landmark builders, 6-2-930. Kharratabad, Hyderabad-4.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Sudhir Rakhra, 2. Mrs. Reva Rakhra, 36, Motilal nagar, Begumper, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 904/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Admortty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat and garage situated at Landmark Builders, Shibas Glen,
Kapadia Lane, Somajuguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 501 and Garage No. 3 in Landmark builders, Shibas Glen, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderbad, area 1400 s. ft. and 150 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3634/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-2-86.

 M/s. Virgo Constructions, 6-1-1063/B/3, Raj Bhavan Road, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. S. Ramamurthy, S/o. late S. V. Subha Rao, Flat No. 26, Kantisikhara Complex, Punjagutta, Hyderabad-4.

(Transferee)

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 905/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat situated at Raj Bhavan Road. Punjagutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 6/85
for an apparent consideration, which is less than the fair

Hyderabad on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 26 in Kantisikhara complex, Punjagutta, Hyderabad, area 60 s. mtrs. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3702/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. TEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-86.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 906/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No Flat situated at Concorde Apartments 'Errum Manzil'

No. Flat situated at Concorde Apartments, 'Errum Manzil'

Somajiguda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

105-496 GI/85

(1) M/s. Commercial Flats Building Corpn., reg. Office: at A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad-26.

(Transferor)

(2) Mr. E. Jitender Reddy, H. No. 5-10-218, Vijaya Vikas, Kishenpura. Hanumakonda, Warangal dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in 'Concorde Apartments', Irrum Manzil, Somajiguda, Hyderabad, area 1500 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No 3757/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Maduri Vasanth Kumar s/o Rajlingam, Kothawada H. No. 11-25-355, Warangal.

(Transferor)

(2) Mr. Gunda Jagannadham s/o Sri Shylam, Durgeshwara Alaya Str., 8-12-135, Warangal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 907 '85-86 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing House situated at H. No. 11-25-35 (New). Warangal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House No. 11-25-35 (new), Warangal, area 325 sq. yds. registered by the SRO, Wartngal vide Document No. 1061/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 908/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at SVN Road, H. No. 12-1-18 & 20, Warangal (2014) more fully described in the schedule, approved begrets)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in June, 1985 for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in the pact of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Ch. Jayalaxmi w/o Rajalingam, H. No. 16-4-139/2, SVN Road, Warangal.

(Transferor)

(2) Mr. K. Atmalingam, s/o Veeranna, H. No. 12-1-36, SVN Road, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-1-18 and 12-1-20, SVN Road, Warangal, area of land 70-37 sq. yds. registered by the SRO, Warangal vide Document No. 1160/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 909/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Hyderabad near Old MLA Quarters (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the distering Officer at Chikkadpally in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Angeline Thayuman w/o Dr. Tayuman, 10-2-110, Marredpalli, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Ratna Gannerri w/o S. Ramachandra Rao 3-6-293/1. Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

H. No. 3-6-293/1 & H. No. 3-6-293/1 & 1, Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 235 sq. yds. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 804/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, named :-

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 910/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at H. No. 10-3-121, East Marredpally, Secun-

derabad

(and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Mr. J. Purushottam Sastry, 10-3-121, East Marredpally, Secunderabad.

(2) Sri Sampath Raj s/o Seshmalji Jain & other, 3-3-805, General Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-121, East Marredpally, Secunderabad, admeasuring 420 sq. yds. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1883/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 911/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
House situated at Vidya Nagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
hegistering Officer at
Chikkadpally in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. B. Kishan Rao s/o late B. Narsing Rao & others, Chittapur village, Metpally Tq., Karimnagar Dist.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Pushparmala w/o A. Kantĥa Rao & 2 others, Tanapur, Armoor Tq. Nizamabad dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-9-297/1, at Vidyanagar, Hyderabad, area 667 sq. yds. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1004/85.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authorit
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore. In pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 912/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
House situated at Nallakunta. Hyderabad
(and more fully described in the Schedule appexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Pegistering Officer at Chikkadpally on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than Nitern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss M. G. Shakuntala d/o M. A. Guruswamy, 2-1-164, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Krishna Swamy s/o late Narayanaswami, Mg. Partner of M/s. Satya Builders, 1ep. by Krishnaswamy, 52/A, Sebastian Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-1-164, Nallakunta, Hyderabad, area 521 sq. yds. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 937/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th February 1986

Ref. RAC No. 913/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing

House situated at Chikkadpally, H. No. 1-8-41/2, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. P. Susheela w/o late P. Satyanarayana, 1-8-41/2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Premkumar s/o late C. Venkata Kishtaiah & others, 17-7-434, Yakutpura, Brahamanwadi, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-8-41/2, Chikkadpally, Hyderabad, area 400.16 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 359/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 914/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Gollapud Village, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ricw, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-106-496GI/86

(1) Mr. Chigurupati Ramamohan Rao s/o late Nageswara Rao, Guntupalli village, Mylavaram Tq., Krishna dist.

(Transferor)

(2) The Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, 12p. by its President Sri Javvadi Ramaswamy Gupta, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Acres of land Ac 1-12 cents at Gollapudi village, near : Bhavanipuram, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3922/6/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 822/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'scid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Agricultural lands situated at Konithawada village. Bhimavaram Tq., WG Dist.
(and more fully described in the Sciedule annexed heroto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gudivada in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Mrs. Taduri Susilabai;

w/o T. Ramachandra Jagannada Rao; Master Srirama Bhanu Venkoji Kira Venkoji Kiran (minor (adopted sen).
rep.: by Guardian & mother
Mrs. T. Susilabai,

Aryapuram village, Rajahmundiy. EG Dist.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Nagaraju Venkataramaraju o Ramakrishnam Raju,

2. Mr. Nagaraju Ramakrishnam Raju s/o Krishnam Raju, Konitha Wada Bhimavaram Tq., W G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land—Coconut trees Ac 9.84 cents (i.e. Ac 4-92 cents each) at Konitiwada village, Bhimavaram Tq., WG Dist registered by the SRO, Gudivada, Krishna dist. vide Document Nos 1371/85 and 1372/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 830/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at St. John Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Reg stration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Marredpally on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. M. Kamalabai 6-1-134, Padmarao Nagar, Secundérabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Manjula, 21/B, St. John Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charater.

THE SCHEDULE

Ground floor of H. No. 10-3-185/1, St. John Road, Secunderabad, admeasuring 272 sq. yds. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1331/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally, Secunderabad

(Transferor)

(2) Mrs. Nawsha Noshir Jalnawala, Flat No. 3 in Rajasri Appts., West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. RAC No. 836/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Rajasri apartments, West Marredpally, Secun-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Marredpally on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vante of the aferesaid property and I have reason to believe that we fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

Flat No. 3 in Rajasri Apartments, West Marredpally, Secunderabad, admeasuring 1330 sq. ft. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1386/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Mayur Complex, rep.: by its partner R. Ramdev Rao, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Kumar s/o Inder Pal, 15-1-503/B/13, Ashok Market, Old Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th February 1986

Ref. RAC No. 837/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the gistering Officer at Hyderabad on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of prodication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-108 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad, admeasuring 413 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3828/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 838/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Chapel Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(1) M/s. Saphire Builders, Flat No. 47, Kranti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Suneetha W/o G. Janardhana Reddy, Plot No. 8, Arora Colony, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aca, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D in the premises 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1127 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3860/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date :7-2-1986 Scal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. 839/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat situated at Chapel Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydrabad on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome arising from the transfer and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) M/s. Saphire Builders, Rep: by its Partner, Flat No. 47, Kranti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. G. Janardhan Reddy Plot No. 8. Arora Colony, Road No. 3, Banjara Hills.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D in the premises 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1109 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Decument No. 3864/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyde:abad, the 7th February 1986

RAC No. 840/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.

Flat situated at Venkata Krupa Apartments, Domalguda (and, more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calkadpally on June 1985

for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Eskay Associates Rep: by Partner Mr. S. N. Kamath 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s. Fair Deal Corporation Flat No. 101, Venkata Krupa Aptts., Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in the premises of 1-2-24, Venkata Krupa Apartments. Domalguda. Hyderabad, admeasuring 960 sq. 11. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 962/85

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 841/85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing Flat situated at Venkata Krura Apartments. Domalguda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice u nder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--107-496 GI/85

(1) M/s. Eskay Associates Rep: by Partner Mr. S. N. Kamath 1-2-24, Domalguda. Hyderabad.

-

(Transferor)

(2) M/s. Akhil Farma (P) Ltd., Flat No. 102, Venkata Krupa Appts., 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in the premises of 1-2-24, Venkata Krupa Apartments, Domalguda, Hyderabad, admeasuring 960 sq. ft. registered by the SRO. Chikkadpally vide Document No. 963/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

AND THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TRYOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M.s. Eskay Associates Rep: by its Partner, Mr. S. N. Kamath 2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Vijaya Rani, W/o G. Venkata Ramanna, C/o M/s. G. Ramo Lingaiah & Bios. Mahboobnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. No. 842/85-86.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being he competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the archaecter having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and pearing No.

Rs. 100 000/- and searing No. Flat stunted at Venkata Krupa Apartments, Domalguda tand more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Register on Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chik adpall, on June, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the limit market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen are cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not reen truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the omblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or splich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 205 in Venkata Krupa Apartments, Domalguda, Hyderabad, admeastring 600 sq. ft. registered by the SRO. Chikkadpally vide Document No. 981/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now Corefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the folly ring persons, namely

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Eskay Associates Rep.: by its Partner, Mr. S. N. Kamath 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. G. Laxman 4-3-51, Ram Nagar, Mahboob Nagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. No. 843/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Venkata Krupa Apartments, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

congraphing on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period @ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning re given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in the premises of 1-2-24, Venkata Krupa Apartments, Domalguda, Hyderabad, admeasuring 1015 sq. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 980/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A,P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. No. 84+/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective beginning of the property beginning of the property beginning of the property beginning of the property beginning.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Chapel Road, Hyde abad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair marker value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Saphire Builders, rep: by its Mg: Partner, Flat No. 47, Kranti Shikara Apartments, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. G. Rama Chaitanya Rep: by GPA G. Janardhan Reddy. Plot No. 8, Arora Colony, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A in H. No. 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1063 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3865/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 845/85-86.—Whereas, I,

1. JEGAN MOHAN,
eing the Competent Authority under Section 269B of the
ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
is the 'Said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding
ts. 1,00,000/- and bearing
lat situated at Chapel Road, Hyderabad
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
tegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
tegistering Officer at
Hyderabad on June, 1985
or an apparent consideration which is less than the fair
narket value of the aroresaid property, and I have reason
o believe that the fair market value of the property as
iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
national that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said
nstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Saphire Buildings rep: by Mg: Partner, Flat No. 47, Krapti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. G. Gontham, Rep : by GPA Mr. G. Janardhan reddy Plot No. 8, Arora Colony, Banjara Hills, Road No. 3, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B in H. No. 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1109 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3861/6/85.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under outsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following reens, menely :-

Date: 7-2-1986

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 846/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Chapel Koad, Hyderabad
Hyderabad on June, 1985
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trans erred as per deed registered under the Indian

has been trans erred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the mid Act, it respect of any material arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Saphire Builders, rep: by its Mg. Partner M.A. Divaker, Flat No. 47, Kranti S'khara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

age and a contract a street of a state of the contract of the state of the contract of the con

(Transferor)

(2) Mrs. G. Subha Pradha W/o G. Ramamohan Reddy 8-2-331/2, Road No. 3, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D in the promises 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1127 sq. ft, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3890/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore he pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX (AC) 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. CUMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANCE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 847/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Chapel Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid respective ad I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the forms deration for such the fifteen per consideration for such the fifteen per life. The said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said sec, to the following jersons, namely :--

 M/s. Saphire Builders, rep: by its Mg. Partner A. Divaker, Flat No. 47. Kranti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. G. Ram Mohan Reddy 8-2-331/2, Road No. 3, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLAN TION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. D in the premises 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 995 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3867/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

A CONTROL OF THE PROPERTY OF T

.....

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERAGAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 848/85-86 — Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority ander Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable under Section 269B of the property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat situated at Chapel Road, Hyde abad

(and more fully described in the chedule annexed hereto), has been transcened as per deed registered under the Indian Registration Act, 1508 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value is the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trans the transfert
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or uter assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the tadian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Appear the Weark-har Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Saphire Builders, rep: by its Mg. Partner, Flat No. 47, Kranti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transfero)

(2) Mr. G. Ram Mohan Reddy 8-2-331/2, Road No. 3, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Govette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I in H. No. 5-9-88/1 & 2, Chapel Road, Hyderabad admeasuring 1101 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad Document No. 3868/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a neereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest. Operty by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 849/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN M2HAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Chapel Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad in June, 1985

Hyderabad in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any next and the containing the containi (1) M/s. Saphire Builders, Flat No. 47, Kranti Sikhara Apartments. Punjagutta,

(Transferor)

(2) Mr. G. Ram Mohan Reddy 8-2-331/2, Road No. Banjara Hills, Hyderabad.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B in H. No. 5-9-88/1 & 2, Chapel Read, Hyderabad, admeasuring 1109 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3869/85.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
108—496 GI/85

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 850/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

and bearing
No. Flat-C situated at Chapel Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) M/s Saphire Builders. Flat No. 47, Kranti Sikhara Appts., Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Nuveen Reddy (minor) m/per guardian & father Mr. C. Ram Mohan Reddy, 8-2-231/2, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transfere'e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat-C in H. No. 5-9-88/1&2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1109 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3863/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderaba 1 (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 851/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat-A situated at Chapel Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Saphire Builders, Flat No. 47, Kranti Sikhara Appts., Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master G. Nirup Reddy (minor) m/per guardian and father Mr. G. Rama Mohan Reddy 8-2-231/2, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A in H. No. 5-9-88/1&2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 1063 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3866/85,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 852/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat-II situated at Cozy House, Domalguda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ni jely :-

(1) M/s Jagiivan Enterprises, rep. by partner Mr. G. S. Wasu, 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Mrs. Mohinder Kaur, W/o Mr. Dilip Singh
 Mrs. Rajinder Kaur, W/o Gurdeep Singh,
 Flat No. 11, Cozy House, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 in Cozy house, Domalguda, Hyderabad, admeasuring 1400 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3750/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Vinayak Enterprises, rep. by Mg. partner M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(2) Mrs. P. R. Jyothi, W/o P.R. Gupta, Plot No. 143, Srinagar Colony, Hyderabad-873.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 853/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat-303, situated at Air bus Apartments, Himayat Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 1600 of the Said Act to the following persons, namely :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303A in Air bus apartments, Himayat Nagar, Hyderabad, admeasuring 1187 s. ft. registered by the SRO. Chikkadpally vide Document No. 883/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE **ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s Bhanu Builders, rep. by Mr. K. Durga Prasad Rao, Mogalrajpuram, Vijaywada.

(2) Mr. M. Venkata Narayana Choudary,

S/o Venkata Krishnaiah, A flat in M/s Bhanu Builders, (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 854/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Mogalraipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijaywada in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mogalrajpuram, Vijaywada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in M/s Bhanu builders, Mogalrajpuram, Vijaywada, area 1170 s. ft, registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4319/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 15 the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Bhanu Builders, rep. by Mr. Durga Prasad Rao, Mogalrajpuram, Vijaywada.

(Transferor)

(2) Dr. D. V. Poorna Kutumba Rao S/o Venkata ratnam. PEYYERU village, Gudivada Tq., Krishna Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 855/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Bhanu builders, Mogalrajpuram, (and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at Vijaywada in June 1985,

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds therefore by more than fifteen therefore by more than fifteen per cent of such apparent sensideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4 in Bhanu builders, Mogalrajpuram, Vijaywada, admeasuring 1470 s. ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4321/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 856/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

No. Flat situated at Bhanu builders, Mogalrajpuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac', 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vilonymada in June 1985 Vijaywada in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-far act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bhanu Builders, rep. by Mr. K. Durga Prasad Rao, Mogalrajouram. Vijaywada.

(Transferor

(2) M/s. I.B.P. Co. Ltd., rep. by Mr. S. Raghavan, 10, Spin Tank Road, CHET PET, MADRAS.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-32 in Bhanu builders, Mogalrajpuram, Vijaywada, admeasuring 920 s. ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document 140. 4310/85.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

The state of the anticolorisation of the state of the sta FORM ITNS-

(1) M1s. Veeramachaneni Seshamamba W/o V. Subba Rao, Patamata, Vijaywada.

The state of the s

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Mrs. Kovelamudi Annapurnamma W/o Bhaskara Rao, Governorpet, Vijaywada-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 857/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Patamata,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada in June 1985

Vijaywada in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat at Patamata near: Silpa apartments, Vijaywada, admeasuring 1000 s. ft. registered by the SRO₄ Vijaywada vide Document No 4241/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

109-496 GI/86

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Mandava Venkateswara Rao S/o Raghavaiah, PENAMALURU, Vijaywada Tq.,

(Transferor)

(2) Mrs. Ladda Gangabai W /o Radhakishan. Kandulavari Street. Vijavwada-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 858/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No Flat situated at Patamata, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijaywada in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that th fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fraindity of the transferor to pay tax under the said Act, in map of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Patamata in the premises of Silpa Apartments, Vijaywada, admeasuring 1100 s. ft. registered by the SRO, Vijaywada, vide Documen' No 3937/85.

M. JECAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Aravinda Builders, rep. by Mg. Par.ner Mr. Potti Janardhan Rao, Labbinet, Vijaywada,

(Transferor)

(2) Mrs. Tatavarthi Venkata Subbamma W/o Sri Nagendram, (Guntur), A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijaywada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 859/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat situated at Aravinda Builders, Labbipet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijaywada in June 1985,

Vijaywada in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Aravinda builders, Labbipet, Vijaywada, admeasuring 750 s. ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4231/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

THE TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1761 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 860/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Flat situated at Mogalrajpuram, Kanchana Complex, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is afore said exceeds the apparent consideration therefor by more can fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Aruna Builders, rep. by Mg. Partner Mr. VSP Raju, Vijaywada.

(Transferor)

(2) Mrs. Kuttiyathi Krupa Vijaya W/o Vijayanarayana, Kanchana Complex, Mogalrajpuram, Vijaywada.

(Transferee,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Kanchana Complex, Mogalrajpuram, Vijaywada, admeasuring 615 s. ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 3964/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 861/85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Acres of land situated at Enikepadu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijaywada in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Bommareddy Punnamma, W/o late Laxma Reddy, GPA: Sri Gorrepati Raghava Reddy, MACHAVARAM, Vijaywada.

(Transferor)

(2) Mr. Gorreypati Madhusudhana Reddy S/o Raghava Reddy, MACHAVARAM, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 7.63 1/2 cents at Enikipadu village, Vijaywada in RS No. 15/2 and RS No. 16, registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4425/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb; initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 862/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Vacant site situated at Punnama Thota, Labbipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other seeds which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nervous, namely :-

- (1) 1. Mr. Y. Venkata Ratnam,
 - S/o Appayya, 2. Mr. Y. Vara Prasad Radhakrishna Baburao, Punnamma Thota, Labbipet, Vijayawada.

(Transferor)

 M/s. Aruna Developers, Rep. by Mrs. V. Aruna, Ashok Nagar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 880 sq. yds. (i.e. 430 sq. yds. and 450 sq. yds.) at Punnamma Thota, Labbipet, Vijayawada in NTS No. 381/1, registered by the SRO, Vijayawada vide Document Nos. 4092/85 and 4118/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. 863/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building situated at Kanuru village, Prathipadu Tq.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vijayawada in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesau exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Mrs. Pinnamaneni Bebi Sarojini, W/o Krishna Murthy, Vuyyuru, Krishna District.

(Transferor)

(2) Mrs. Chebrolu Rajyasree, W/o Dr. Mala Kondayya, Eleswaram, Prathipadu Tq., EG District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immorpable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Kanuru village, Vijayawada, Door No. 292/3, admeasuring 296 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4336/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following organs, namely:

Date: 7-2-1986

PORM Illiam - ---

 Mrs. Pinnamaneni Bebi Sarojini, W/o Krishna Murthy, Vuyyuru, Krishna District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 864/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing Pro.

Rs. 1.00 000/- and bearing No.
Building situated at Kanuru, near Patamata
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Vijayawada in June. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax of 1957 (27 of 1957):

(2) Dr. Chebrolu Mala Kondayya, S/o Kondayya, Eleswaram, Prathipadu Tq.,

EG District.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Thapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Building No. 292/3, at Kanuru, near Patamata, Vijayawada admeasuring 296 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4335/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-fifteen per cent of such apparent consideration and that the persons, namely:—

Date: 7-2-1986

eal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 865/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the manovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building situated at Gandhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed here!o). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

110-496 GI/85

(1) Mrs. Jasti Tulasamma, W/o Suraiah, Gandhi Nagar. Tenali. Guntur District.

(Transferor)

(2) Dr. V. Nageswara Rao, F.R.C.S., Ramalingeswara Pet, Tenali. Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imassow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the safe Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D. No. 2-15-48(2)/3, Gandhi Nagar, Tenali, Guntur District, admeasuring 314 sq. yds. registered by the SRO, Tenali vide Document No. 2730/6/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITTION PANGE, HYDERABAD (A.P.)

Huderabad, the 7th February 1986

Ref. 110. RAC No. 866/85-86—Whereas, I, M. JEVIAN MOHAN, being the Concern Authority under Section 269B of the Information & A. f. 195. (13 of 1961) (hereinafter referred to be the cold to the cold

and the line of so lied in the Schedule annexed hereto), but here than land under the Registration Act, 1908 (16 of 1907) in the office of the Registering Officer at Tanali I June, 1985

market with a fit aforesaid property, and I have reason to take the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the fitted the consideration for such apparent consideration are that the consideration for such transfer as agreed to be the the parties has not been truly stated in the said the mark it of transfer with the object of:—

river to the reduction of evasion of the liability of the transferont of pay tax under the said Act in come, or any income arising from the transfer;

provide concealment of any income or any provided to the disclosed by the transferee for the outlooks of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax (1937) (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said her I hereby init are proceedings for the acquisition of the forested processes by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Jasti Tulasamma, W/o Suraiah, Gandhi Nagar, Tenali, Guntur District.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Vadlamudi Sumati, W/o Dr. V. Nageswara Rao, Ramalingeswara Pet, Tenali, Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building No. 2-15-48//2/3, at Gandhi Nagar, Ghantavari Street, Tenali, Guntur District admeasuring 322 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 2-29/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Of 1981)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 867/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. building property bearing situated at Patamata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Aca, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shri Rammohan Industries, Rep. by Mg. Partner Mr. Neelam Sitaramachandramurty, Governorpet, Vijyawada-2,

(Transferor)

(2) M/s. Silpa Ice & Cold Storage, Rep. by Mg. Partner Mr. Mothilal Sivaji Shah, Sivalayam Street, Viiavawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons summ a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Building in the area of 591 sq. yds. at Patamata, Industrial Estate, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4280/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, mrsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid (property by the issue of this notice under subscene (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 868/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
seing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land and building situated at Chintalapudi village, WG Distt.
(and, more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer
at Chintalapudi in June, 1985
fair market value of the aforesaid property, and I have

fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Kollipara Jarugulu, S/o Subrahmanyam, H. No. 11-46 Chinthalapudi, WG District.

(Transferor)

(2) Mr. Ravi Ramakrishna Rao, S/o Apparao, Mallaya Gudem, Chintalapudi Tq., WG District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in RS No. 918/1 and 918/2, Gopalakrishna theatre, Chintalapudi village, W.G. District, registered by the SRO, Chintalapudi vide Document No. 1425/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER: OF 'INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 869/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed situated at Hanumanpet, Govt. Hospital Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada in June, 1985

Vijayawada in June, 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for said transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ounder subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Smf. Pilla Subbaramamma, W/o Venkata Ramarao and 5 others, Hanuman pet, Govt. Hospital Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Musti Venkata Gopalakrishna, S/o late M. V. Veerabhadrayya, Tennetivari Street, Hanuman pet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tin shed admeasuring 136 sq. yds. at Hanumannet, Govt. Hospital Road, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4435/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 870/85-86.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shed situated at Hanumanpet, Govt. Hospital Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair smarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tratufer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in poet of any income arising from the trans and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Pilla Subbaramamma. W/o Venkata Rama Rao and 5 others, Hanumanpet, Govt. Hospital Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Musti Venkata Subrahmanya Prasad, S/o late M. V. Veerabhadrayya, Tenneti Street, Hanumanpet, Vijayawada.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tin shed admeasuring 97 sq. yds. at Hanumanpet, Govt. Hospital Road, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4433/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 871/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Shed situated at Hanumannet, Govt. Hospital Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the sai dAct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—486 GI/85

 Mrs. Pilla Subbramanya, W/o Venkata Rama Rao and 5 others, Hanumanpet, Govt. Hospital Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Musti Venkata Viswasankar S/o late M. V. Veera Bhadrayya, Tenneti Street, Hanumanpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tin shed admeasuring 122 sq. yds. at Hanumanpet, Govt. Hospital Road, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4434/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 872/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop situated at Durgaiah Street, Governorpet

Shop situated at Durgaiah Street, Governorpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) incilitating the reduction or evenion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfertent for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Aachanta Annamraju Sarma, S/o Venkata Vijay Ramabrahmam, 1/13 Brodiepet, Guntur.

(Transferor)

(2) Mrs. Kurnala Umadevi, W/o Visweswara Rao, C/o SKP Traders, Hardware Merchants, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop admeasuring 247 sq. yds. at Durgaiah Street, Governorpet, Vijayawada, under Door No. 23-136A, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3880-85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 873/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop situated at Durgaiah Street, Governorpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Vijayawada in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

111-496 GI /85

- Mr. Aachanta Gopala Krishna Rao
 S/o Venkata Vijay Ramabrahmam,
 Qr. No. 15D, Sector 4, Bhilai Madhya Pradesh. (Transferor)
- (2) Mrs. Kurnala Visweswara Rao W/o Sesha Rao, C/o SKP Traders, Hardware Merchants, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop admeasuring 214 sq. yds. at Durgaiah Street, Governorpet, Vijayawada under Door No. 23-136A, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3879/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P)

Date: 7-2-1986

(Transferor)

(Transfered)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Ref. No. RAC No. 815/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 1981 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Ward-6, Bosu Road, Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeto believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-Hyderabad, the 13th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) Mr. Tota Venkata Subba Rao,

W/o M. Venkata Subbarao,

Tenali Tq., Guntur District.

S/o Sriramulu, Bosu Road, Tenali,

Guntur District.

Inturu Post,

(2) Mrs. Morra Ramamma,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

House at Ward-6, Block-2 TS No. 121, area of land 0-05 cents or 61 sq. yds. at Tenali, Guntur District, registered by the SRO. Tenali Vide Document No. 3012/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC No. 916/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Konanti, Guntur Distt., Narasraopet

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Piduguralla, Guntur District in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hte transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) 1. Mr. Alaparthi Ramaiah, 2. Mr. Satyanarayana and 6 others, Piduguralla, Guntur District.

(2) Mr. Talla Yella Manda Reddy, S/o Venaktrami Reddy and 3 others, Narasarao Pet. Guntur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 6-34 cents at Konanki village, Piduguralla, Narasaraopet Tq., Guntur District, in DN No. 584/4, 584/5 and 584/6A, registered by the SRO, Piduguralla vide Document No. 1287/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC No. 917/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearing No.
Agricultural lands situated at Konitiwada village, Bhimava-

ram Tq. WG District

ram Tq. WG District tand more fully described in the Schedule annexed hereto), ras been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid entereds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Taduri Susila Bai, W/o T. Ramachandra Jagannadha Rao, Aryapuram, Rajahmundry, FG District.

(Transferor)

(2) Mr. Nagaraju Venkata Ramaraju, S/o Ramakrishna Raju, Konitiwada village, Bhimavaram Tq., WG District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 8-44 cents, coconut trees at Konitiward village, Bhimavaram Tq., WG District, registered by the SRO, Gudivada vide Document No. 1370/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC 918/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Shaik pet, Jubilee Hills, Road No. 19,

Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fisteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. A. K. Chelvaraj , S/o A. Krishnaswamy Rao, 3231, Rashtrapathi Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2.) Mr. G. Shamsunder Reddy, S/o G. Chenna Krishna Reddy, Plot No. 40, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-293/82/A/451, Road No. 19, Shaeik pet, Jubilee Hills, Hyderabad, area 731 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3872/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.F.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC No. 919/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
House situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer
at Hyderabad in June, 1985
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen percent of such apparent
consideration and the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Goal Gev Tata,
 GPA: Mr. Pestonji,
 S/o Dossabhai Dania,
 1-1-538/1, Gandhi Nagar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Jeroo Shapoor Parakh, 4-1-912/1, Parsi galli, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-912/ and 912/2, at Tilak Road Hyderabad, area 525 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4858/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

. Ref. No. RAC No. 920/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Building situated at St. Mary Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the tree iiid/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Fehmida S. Toorklu, W/o Shapoor D. Toorkey, 62, Shama Apartments, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Gomibai and 4 others, 4-90/1, Old Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9-1-192 (old No. 60) St. Mary Road, Secunderabad area 3262 sq. ft. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1899/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC No. 921/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Acres of land situated at Piler, Chittoor District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Piler Chittoor District in June 1985

at Piler Chittoor District in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Abdul Shukoor S/o Shaik Sayebpear Saheb, Sarpanch, Piler Chittor District.

(Transferor)

(2) Mr. Bhumireddy Harinatha Reddy, S/o B. Papi Reddy and others, Bhumireddy Gari Palle P.O., Piler Tq., Chittor District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 13-90 cents at Piler village Chittor district, in Sy. Nos. 26, 28 and 29, registered by the SRO, Piler vide Document No. 2002/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC 922/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Acres of land situated at Survey No. 74/6, East Marredpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

112—496 GI/85

(1) Mr. E. Chitharanjan, S/o late Dr. E. N. Dass, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Balamrai Co-op. Housing Society Ltd., Rep. by its President Mr. M. Komariah. 53, Trimurthy Nagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 3-34 guntas in Sy. No. 74/6 at East Marredpally, Secunderabad, registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1878/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

Ref. No. RAC 923/85-86.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Nallagunta, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the soncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 % 1957);

 Mr. Raja Bhadri Pershad, S/o late Sri Bhajrang Pershad & others, 2-1-438/A, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Prameela W/o Sri K. Ramulu & others, Nallakunta, Dayanand Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-1-438/A, Nallakunta, Hyderabad, area 707 sq. yds. registered by the SRO, Chikkadpally vide document No. 960/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-2-86.

FORM DINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

RAC No. 924/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land & building situated at near: Bus stand, Bapatla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957; 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. M. Samuel S/o Veeraiah & others, Cement Nagar (DHONE), DHONE, DRONACHALAM Tq., Kurnool Dist.

(Transferor)

(2) Mrs. Sab-ineni Savitri W/o Gandhi Prasad, Teacher, D. No. 666/4, near: Bus stand, BAPATLA Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House D. No. 666/4, near: Bus stand, Bapatla, Guntur, area of land 269 sq. yds registered by the SRO, Bapatla vide Document No. 1534/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

RAC No. 925/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

RAC No. 925/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, Rs. 1,00,000/- and bearing No. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land & building situated at D. No. 11/421, Gunadala village (and more fully described in the Schedule, approved herets)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mrs. Pathuri Pushpa Leelavathi W/o Bhaskara Rao Garu, Krishna Lanka. Vijayawada.

(Transferor) (2) Tadepalli Kalyana Sundara Sethumadhava Sarma, S/o TVP Ramachandra Rao, Maruthi Nagar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area of 449-1/9 sq. yds site with a building RS No. 386/2A of Gunadala village, M. No. 4676, D. No. 11/421, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4383/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Ahmedabad-380009, the 13th February 1986

Ref. No. RAC 926/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding

No. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land situated at Chandramoulipuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 /16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85 Vijayawada on 6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: inil/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri M. A. Mannan S/o Hazi M. A. Raheem, Viiavawada.

(Transferor)

(2) Tummala Aruna D/o Satyanarayana, near: Benz Co., Viiavawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 418 sq. yds at Chandramouli Nagar, near: Benz Co., Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 4412/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Kovelamudi Street, Suryaraopet, Vijayawada. (2) Mr. Koneru Purnachandra Rao S/o Satyanarayana,

(Transferor)

Edupugallu village, Krishna dist.

Mrs. Koneru Purnachandramma

W/o Venkata Krishna Rao,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

RAC No. 927/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Enikipadu village, Vijayawada Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair RAC No. 927/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Vijayawada on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Acres of land Ac 0-70 1/4 cents in RS No. S. 181/7 and 182/9, at Enikipadu village, Vijayawada Tq., registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 2643/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-86.

10713

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th February 1986

RAC No. 928/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Enikipadu village, Vijayawada Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Koneru Purnachandramma W/o Venkata Krishna Rao, Kovelamudi Street, Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Koneru Dhana Koteswara Rao S/o Satyanarayana, Edupugallu, Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 0-71 1/4 cents at Enikipadu village, in RS No. S. 186/7 & 187/9, Vijayawada Tq., registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3644/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-2-86.

Mudumbai Venkatara Narasimhacyarya, S/o Seshacharya, Gandhinagaram, Eluru.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

(2) Dintakurthi Veera Raju S/o Seetharamayya Padamara Veedhi, Eluru, W.G. Dt.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. Chambel W. William

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- PUNE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1986

RAC No. 797/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. House situated at Agraharam, Eluru
No. House situated at Agraharam, Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 8/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or

(b) racilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 4-14-14 situated at Agraharam, Eluru, registered with Sub-Registrar's Office videdocument No. 3304/8/1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely '--

Date: 4-2-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1986

RAC No. 798/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Gunturvari thota, Kothapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair RAC No. 798/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(1) Sri Pabbisetty Srinivasa Rao S/o Atchuta Rao
2. Sri Pabbisetty Krishnamurthy
(alias: Ramakrishna),
S/o Atuchuta Rao,
Ramachandrapura Agraharam, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Kethuri Laxmi Tulasi W/o Venkata Subbao Rao2. Smt. Kothuri Suresh Kumar S/o Venkata Subba Rao, Kothapet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 13-4-19. Gunturvari Thota, 3rd lane, Kothapet, Guntur, area of land 149 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 5871/6/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-1986

Seal:

113---496 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tulasi Aruna W/o Ramachandra Prabhu, R. Agraharam. Guntur.

(Transferor)

 (2) 1. Sri Dungarchand S/o Vansagi
 2. Sri Ashok Kumar S/o Jaisraj Vankali,
 R. Agraharam, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

RAC No. 799/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at R. Agraharam, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 7/1985 for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

House New D. No. 24-11-143, at R. Agraharam, Guntur, total area of the land 293 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 7658/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oursons, namely :-

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

RAC No. 800/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Islampet,
(and more fully described in the Schedule, annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfera
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Smt. Salamkayala Venkata Subbamma W/o late Rangarao, Islampet, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Smt. Puvvada Sitha Mahalaxmi W/o Veerabhadra Rao, Kothapet, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 11-6-15, 16 at Islampet, Vijayawada, area of nd 86 so. vds registered by the SRO, Vijayawada vide land 86 sq. yds registered by the SRO, Document No. 3923/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

RAC No. 801/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Vidyadharapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; facility
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following presons, namely:—

 Smt. Tanubuddi Laxmi W/o Kannayya, Kothapet, Vijayawada.

(Transferor)

 Smt. Pokuri Sitha Mahalaxmamma W/o Venkateswarlu, Kondam Rajuvari Street, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Vidyadhara puram, Vijayawada, area of land 347 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3508/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

RAC No. 802/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, RAC No. 802/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000! and bearing Building situated at Vuyyuru Zamindar Street, Gandhinagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in. respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons. manacly :---

- Smt. Alapati Rajeswari W/o Sai babu Durgapuram, Vijayawada.
 Smt. Chandaluru Dhanalaxmi, W/o Vijaya Sarathi,
 - Bhavanipuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Sanka Durga Prasad, S/o Peraiah & 2 others, Main Bazar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 26-16-25, Gandhinagar, Vijayawada, area of land 216 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4256/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Sri Ganapa Ramaswamy Reddy S/o G. Ramakoti Reddy, Krishna Nagar, Guntur. 2. Sri Ganapa Rama Koti Reddy S/o Ramswami Reddy, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sri Madala Rama Rao S/o Narasimha Rao 2. Smt. Madala Anantha Parvathi W/o Ramarao, Krishna Nagar, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. 803/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building situated at Nallapadu village, Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Guntur on 6/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tall Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows. ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 41-1A, Nallapadu, Guntur admeasuring 302 sq yds. and 398 sq. yds registered by the SRO, Guntur vide Document Nos. 6017/6/85 and 6018/68 / .5

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. 804/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Veeravasaram, Bhimavaram Tq. WG Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veeravasaram WG Dist on 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets with have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Maddala Ramkrishnamma, D/o Bulli Thathaiah (alias: Venkanna), (Adopted father), Veeravasaram, Bhimavaram Tq., WG Dist. (Transferor)
- M/s. Sri Maddala Ramakrishnamma Educational Trust, Veeravasaram, Bhimavaram Tq, WG Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in witing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Acres of land Ac 33-36 cents at Veeravasaram, Bhimavaram tq. WG Dist. registered by the SRO, Veeravasaram, vide document No 1259/6/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

Séal :

MOTICI. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 805/85-86.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Vacant site situated at Waltair Ward, Vizag
(and more fully described in the Schedule connexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Vizag on 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Kurma Gopal 11-2-18, Wilderness Drive, Visakhapatnam.

(Transferor)

- Smt. Nimmagadda Srivani W/o Vijayakumar,
 Mr. N. Vijay Kumar S/o Venkata Narayana.
 Smt. Koganti Rupa W/o Sudhir
 Mr. K. Sudir S/o Venkateswarlu,
 Smt. Atluri Annie,
 H. No. 9-19-11/12, CBM Compound, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 600 sq. yds. in TS No. 1027, Waltair Ward, Visakhapatnam, registered by the SRO, Vizag vide document No. 6737/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Page 1711 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Manda Kameswara Rao

Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. Vedula Padmavathi, W/o Sri VSN Murthy, 43-3-4/1, New Colony, Visakhapatnam-16.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC 806/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Allipuram Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on June 1985 Vizag on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Door No. 49-26-10, Allipuram Ward, Vizag, admeasuring 200 sq. yds. registered by the SRO, Vizag vide Document No. 6836/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-114-496 GI/85

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Ganta Venkata Seshayya S/o Sanjeeva Naidu, Gajuvaka, Visakhapatnam-16.

(Transferor)

(2) M/s. Rajco Sales & Services, rep. by its Mg: Partner Sri Dantuluri Gopala Krishnam Raju. 28-2-4, Prakasam pet, Visakhapatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC 807/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Daba gardents Vizag (and more fully described in the Schedule annexed herefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Door No. 30-11-13 Daba gardens, Visakhapatnam, admeasuring 294 sq. yds. registered by the SRO, Vizag vide Document No. 6685/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1986

(1) Mr Gelli Narendra Rao S/o Krishna Murthy & 2 others, C/o Kalyani Traders, Jute merchants, Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Mr. Ugamchand Bhandari S/o Nihalchand Bhandari, 21, Tholasingam Street, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 808/85-86.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Building situated at Majetivari Street, Gandhinagaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Vijayawada on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to itselieve that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter EXPLANATION: -The terms and expressions in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 26-21-20, Majetivari Street Gandhinagaram, Vija-yawada, admeasuring 224.1/3 sq. yds registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4259/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC 809/85-86,-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Kothapet. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration
to be a consideration of the consideration of the consideration of the consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumt of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Mr. Gudey Malleswara Rao, S/o Appara Swamy

 Mr. G. Rama Rao S/o Appala Swamy
 Mr. G. Dharma Rao S/o Appala Swamy, Yadavi puram Street, Kothapet, Vijaywada.

(Transferor)

 (2) 1. Mrs. Gujjari Rajeswari W/o Madhusudhana Rao,
 2. Mrs. Kumari W/o Gujjari Ananda Rao, Kothapet, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No 9-2-19/1, Parasu ramaiah Street, Kothapet, Vijayawada admeasuring 240 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4243/85

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 810/85-86.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Bangaraiah Kota street, Kothapet,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mrs. M. Annikkili W/o M. Ayyanthurai, Kothapet, Vijayawada.

(Transferor)

Mr. Goli Prasada Rao
 Mr. G. Nageswara Rao Ss/o Peraiah; Kothapet, Vijayawada

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House admeasuring 325 sq. yds. Bangariah Kota Street, Block-8, Kothapet, Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada vide document No. 3786/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 811/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Building situated at New Colony
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Srikakulam June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

to, facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Mrs Racherla Subhadra W/o Sambanna D. No. 7-15-19, New Colony (Gandhi Nagar Srikakulam.

2. Mrs. Barasula Venkata S. S. Kala W/o Rama Narasimha Rao Tatichetla Palam, Waltair R. S. (Post) Visakhapatnam,

(Transferor) (2) Mrs. Taylada SukanyaW/o Mohan Rao,12-2-6/2, Kummara Kundala Street,

Srikakulam, Srikakulam dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or asperiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettε.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning to in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 7-15-19, 7-15-20 & 7-15-20/1, New Colony, Srikakulam, admeasuring 426 sq. yds. registered by the SRO, Srikakulam vide document No. 2025/6/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 812/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Vacant site situated at Koritipadu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 7/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acc, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(1) Sri Peddinti Narasimha Charyulu S/o Bhavana Charyulu & others, Koritipadu, Guntur. (Transferor)

(2) 1. Mr. Gajula Sravana Kumar S/o Manneswara Rao

Kumari G. Maideli (mizor),
 Kumar Marhuri (minor),

4. Kumari G. Mamatha (minor) minors per guardian & other Mr. G. Manneswara Rao, Koritipadu, Guntur.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same n caning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site area of land Ac 0-50 cents at Koritipadu. Guntur, registered by the SRO. Guntur vide Document No. 5581/85.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC No. 813/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Keritipadu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax - 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Peddinti Narasimha charvulu S/o Bhavana Charyulu & Others, Koritipadu, Guntur.

(2) Mr. Tanneru Veera Raghavaiah S/o Venkateswarlu, 2. Chunchu Narasaiah. Kakumanuvari thota,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site area of land Ac 0-25 cents at Garlavari Palem, Koritipadu. Guntur registered by the SRO Guntur vide Document No, 6940/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1986

Ref. No. RAC 814/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Vacant site situated at Gorlavari Palem, Koritipadu,
(and more fully described in the Schedule approved haveto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 115-496 GI/85

(1) Mr. Peddinti Narasimha Charvulu /o Bhavana Charyulu & Others, Koritipadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Mrs. Vinjamuri Vijayaseela T. W/o Tommandru Alexander Rajabhushnam & other, Kothapeta Guntur-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chanter

THE SCHEDULE

Vacant site: area of land 1210 sq yds at Gorlavari Palem. Koritipadu, Guntur, registered by the SRO, Guntur vide Document No. 6597/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-2-1986

Sael:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. RAC 815/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Acres of land situated at Dommeru village, Kovvuru Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kovvur WG Dist. on 6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties is not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesard property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Tallapragada Subba Rao S/o Bhaskara Thimma Raju, ELURU, WG Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Master Kalagara Nagendranath Choudhary (minor).
 - 2. Master Kalagara Surendranath Choudhary (minor).
 minors per guardian & Father
 Sri K, Venkata Rao,
 Dommeru Village, Kovvur Tq. WG Dist.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Acres of land, total area Ac 13.46 (i.e. AC 6-73 cents each) in RS No. 618/2 at Dommeru Village, Kovvur Tq., WG Dist. registered by the SRO, Kovvur vide Document Nos. 1363/85 and 1364/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. RAC 816/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Aravinda Builders, Labbipet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incomic arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

(1) M/s. Aravinda Builders, rep: by its Mg. partner Sri Potti Janardhan Rao, Labbipet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Ramineni Pramila Devi W/o Sri Sambasiva Rao, A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijayawada admeasuring 750 s.ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4230/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. RAC 817/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Aravinda Builders, Labbipet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Aravinda Builders, rep: by its Mg. partner Sri Potti Janardhan Rao, Labbipet, Vijaywada.

(Transferor)

 Dr. V. Krishna Murthy, S/o Sri Laxminarayana, A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijaywada admeasuring 750 s.ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4233/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. RAC 818/85-86.—Whereas, I, Ref. No. RAC 818/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Aravinda Builders, Labbipet,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Vijayawada on 6/85
for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Aravinda Builders, rep: by Mg: Partner Sri Potti Janardhan Rao, Labbipet, Vijaywada.

(Transferor)

(2) Smt. Garlapati Anita Laxmi D/o Venkata Krishna Rao, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijaywada admeasuring 750 s.ft. registered by the SRO, Viajywada vide Document No. 4232/85.

I JEGAN MOHAN Competent Authority M Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Aravinda Builders, rep: by its Mg. partner Sri Potti Janardhan Rao, Labbipet, Vijaywada.

(Transferor)

Sri Alapati Krishna Mohan S/o Sri Venkateswara Rao, New Delhi.

(Transferee)

JFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. RAC/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Aravinda Builders, Labbipet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par control such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Aravinda Builders, Labbipet, Vijaywada admeasuring 750 s.ft. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4296/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-2-1986

 M/s. Progressive Builders, 3-6-309, Bashir Bagh, Hyderabad.

(2) Mr. P. Satya Nadh, S/o P. Sivaram Prasad, K.P. Nagar, Vijaywada. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC 820/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Skylark Apartments, Bashir bagh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Chikkadpally on 6/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

THE SCHEDULE

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

Flat No. 4 in I Floor in Skylark Apartments, Bashir Bagh, Hyderabad. admeasuring 1095 s. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 915/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, as a said to

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 821/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat situated at Venkata Kripa Apartments, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Eskay Associates, rep: by Partner Mr. S. N. Kamath, 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Meer Shamshuddin Ahmed Khan, 16-6-71, Osmanpura, Hyderabad-24.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Venkata Kripa Apartments, Domalguda, Hyderabad, admeasuring 960 s.ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 964/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

(1) M/s. Mayur Complex, rep: by Mr. R. Ramdev Rao, 8-2-616/1/A, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Vasantha, W/o Sri Ramakrishna Reddy, 6-99, Malkajigiri, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 823/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of ** cransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

116-496 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chepter.

THE SCHEDULE

Shop No. D-12, 13 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad, admeasuring 434 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3825/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF !NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC. No. 824/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
Deing the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mayur Complex, rep: by Mr. R. Ramdev Rao, 8-2-616/1/A, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. P. Dhirender Reddy, 3-6-96/1, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 28, B. No. A in Mayur Complex. Gunfoundry Hyderabad, admeasuring 254 s.ft. registered by the SRC Hyderabad vide Document No. 3640/85.

M. JEGAN MOHA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-te
Acquisition Rane
Hyderabad (A.P.

Date: 7-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. (Mrs.) Nirmala Thomas, 101, Shanti Nagar, Hyderabad

(Transferor)

(2) Mr. N. N. Cama, 187, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. No. 825/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot situated at Gun Rock Enclave Co-op Housing Society,

Thokatta Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the said instrum

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 517 sq. yds, Plot No. 79, at Thokatta Village, Secunderabad Cantonment, registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 2001/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC. No. 826/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing. Flat situated at Metrusri Apartments, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been 'cannferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Chikkadpally, in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- c) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

 M/s. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd. 3-5-873. Hyderguda, Hyderabad-1.

(Transferor)

(2) Ch. Usha Rani, 9-29-20, CBM Compound, Siripuram Colony, Vizag-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605 in Matrusi Apartments, Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 985 s. ft. registered by the SRO, Chikkad-pally vide Department No. 951/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Paramount Constructions
rep: by Mg: Partner Smt. B. Laxmi,
GPA: Mr. B. Prabhat Kumar, Contractor,
Dasapalla Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Mr. Ch. Siva Subramanya Gupta S/o Late Ch. Chalamaiah, Steel Township, Visakhapatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th February 1986

Rcf. No. RAC 827/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Maharanipet Ward, Buddavarapu Gardens, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in July 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 tays from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

A flat in D. No. 16-1-16/F2, Maharanipet Ward, Block No. 7, Visakhapatnam, admeasuring 900 s. ft. registered by the SRO, Vizag vide Document No. 7569/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986

10744

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 828/85-86.Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Shop situated at Ranigunj, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
maket value of the aforesaid property and I have reason to
betheve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
patties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, 5-4-86 to 92, Rani Gunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. P. B. Govindamma W/o P. B. Chary, 18-3-14, Chatrinaka, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as three defined in Chapter XXA of the said Act, shell base the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 42 in Ground Floor in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad, admeasuring 293 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3642/85.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-2-1986.

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 829/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat situated at Skylark apartments, Bashir Bagh,

trand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1°37 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:—

(1) M/s. Progressive Builders, Rep: by Mr. Qader Sultan, 3-6-309, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Chinta Nalini, W/o C. V. Krishna, Flat No. 42/B, Sky Lark Apartments, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42/B in Skylark Apartments, Bashir Bagh, Hyderabad, admeasuring 1635 s. ft. registered by the SRO, Chikkedpally vide Document No. 818/85.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-2-1986.

ga to mention of the control of the FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd., 3-5-873, Hyderguda Hyderabad-1.

(Transferor)

(2) Mr. B. Sankar Rao, Flat No. 704, A, Tall Block, Matrusri Appts., Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 831/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. RAC No. 851/85-80.—whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Matrusri Apartments,

Hyderguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the link of the transferor to pay tax under the said Ast respect of any income arising from the trust and for

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, bereby untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period appires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 1 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704A in Matrusri Apartments, Hyderguda, Hydera bad, admeasuring 985 s. ft. registered by the SRO, Chikkad pally vide Document No. 831/85-86.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-2-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. P. Sarojini, Flat No. 6, in Rajeshree Appts., 225/A, West Marredpally, Secunderabad-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 832/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Rajashree
Apartments, West Marredpalli,
land more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Marredpally, in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

117 -496 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Rajashree Apartments, West Marredpally, Secunderabad, admeasuring 1350 s, ft. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1385/85.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 833/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 and bearing No. Flat situated at Matrusri

as the said Act, have least to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 and bearing No. Flat situated at Matrusri Apartments, Hyderguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadgally in 'une 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the transfer as agreed to between the parties has not been in a fifth in the find instrument of transfer with the orders of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(e) facilitating the concealment of any income or any micropius of white makes which is a rectiven as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4vt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad-1.

(Transferor)

(2) Mr. M. Vivekananda Rao, 13-3/22, Century Rayon Colony, SHAHAD P.O., Thana Dist., PIN: 421 103.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F' & No. A-504, Tall block in Matrushri Apartments, Hydergoda, Hyderabad, admeasuring 915 s, ft. registered by the SRC. Chikkad ally, vide Document No. 923/85.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authoriy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.?.).

Date: 7-2-1986.

Seal a

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Mehta Towers, Rep: by Mr. Mahendra Mehta, 2-4-65, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. B. Sarat Chandra Mohan, S/o B. V. Subba Rao, 405, Mehta Towers, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. RAC No. 834/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
Flat situated at Mehta Towers, Ashok Nagar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1.08) in the office of the
Registering Officer at Chikkadptsty in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, in Mehta Towers, Ashok Nagar, Hyderabad, admeasuring 1174 s. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 914/85.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: trockeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-2-1986.

(1) M/s, Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. Chandrika, Flat No. 2, Rajasri Appts.. West Marredpally, Secunderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1986

Ref. No. RAC No. 835/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Flat in Rajasree Apartments,

West Marredpally,

West Marredpally, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Rajasri Apartments, West Marredpally Secunderabad, admeasuring 886.75 sq. ft. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 1833/85.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986.

(1) M/s. Progressive Builders, 3-6-309, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. P. Rao S/o Suryanarayana, 1-2-412/6/2, Vaimiki Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/301/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible that the impossible that the information of the competence property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. Flat situated at Progressive

Buiders, Bashirbagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 1/1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the time named without or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons archever period employs likes.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamer

THE SCHEDULE

Flat No. 64 in Progressive builders, Bashir bagh, Hyderabad, area 1384 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC.. Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1024/85.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Dated: 10-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/302/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Compe ent Authority under Section 269B of the become as Act, 1951 (43 of 1961) (hereinalter referred to a the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at

Lake & Rock India (P) Ltd., Somajiguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted as per deed registered under the he Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office control of the the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Kange. Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afterward properly and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) M/s. Lake & Rock India (P) Ltd., 6-3-1099/1100, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Shoukat Raza S/o Late Ahmed Hussain, 16-8-75, Chanchalguda, Hvderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restant pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Au shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 in M/s. Lake & Rock India (P) Ltd., Somajiguda, Hyderabad, area 283.4 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAS., Acqn. Range. Hyderabad at S. No. 1034/85.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferer)

(2) M/s. Attal Sales Corporation, re; by Mr. Shyamsunder Attal, 3-6-504/A/1, Himayath Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/303/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Parking Place situated at Rubuk han Constructions Reshirhagh

Babukhan Constructions, Bashirbagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is repect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957); Parking place No. 80G in Babukhan Estates, Bashir bagh Hyderabad, area 120 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1035/85.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Pated: 10-2-1986.

್ರೂ ಕ್ರಿಸಿಕಿಸಿಕ ಈ ವಿಶಾರಣದ ವರ್ಷಗಳ ವಿಧಾನ ಮಾಡುವುದು ಮುಂದು ಪ್ರತಿಕ್ಷಾಗಳು ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರಾಥಿಕಿಸಿಕ ಮುಂದು ಸಂಪುರ್ವ ಅನೇಕ ಕಾರ ಕರಣಕ್ಕೆ ಸಂಪುರ್ಧ ಸಂಪುರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪುರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರಿಕ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961-(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqa/37EE/304/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent (although under Section 269B of the Income-tax Act. 1721 (43 of 1261) (hereinofter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated the Begummet,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
LA.C. Acqn. Range, Hyderabad on 2/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid aropetty, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the appreent consideration therefor by
more than first an idea tion for such transfer as agreed to between the pages has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

(1) M1. Zaheruddin Khan & others, 22-2-230, Shah Gunj, Hyderabad.

The factors and the common was first transmit always

(Transferor)

(2) M/s. Mogal Builders & Planners, 5-9-58/1-15, Bashir Bagh, ityderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The term: and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Sy. No. 194/11 at Begumpet, Hyderabad, area 753 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1036/85.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyder bad (A.P.)

Dated: 10-2-1986. Seal:

n pursuance of Section 269C of the said you, dierefore, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scalion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1986

Reg. No. IAC/Acqn./37EE/305/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tair Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at

Babukhan Constructions, Bashir bagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sartise has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-ten Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afossaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

118—496 GI/85 (1) M/s. Babukhan Constructions, 5-9-55/1/15, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nusrat Banu, W/o Hafeezuddin Shaiek Imam, 8-2-624/A/B/1, Road, No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space Nos. 129 to 132, in Babukhan Constructions, Bashir bagh, Hyderabad, area 1431 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Hyderabad at S. No.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-1986.

FORM LT.N.S----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/306/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Sheing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat situated at Farah Estates, Chanchalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert ind/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957):

 M/s. Farah Estates. Rep. by Sri Sped Chabaddin, 16-4-355. Chescholauda. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Raheemunnisa Begum, Wo Resoct Khan, No. 144, B-Class. New Malakpet, Hyderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. Whener regiod expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Symanticum - The terras and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 59 in S. No. 56/1, Mansoorabad, Hyderabad area 945 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1038/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(1) M/s. Triveni Builders, 4-2-1069, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shiromani Mahesh, 3-6-735, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/307/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Triveni Builders. Ramkote

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-5A in Vaibhav Apartments, Ramkote, Hyderabad area 238 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1039/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

> > Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/308/98-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Rudraraju Builders, A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Chandra, 6-3-2, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION : - I'm bine and expressions used herein and me dofined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I B in Rudraraju Builders. A.C. Guards, Hyderabad, area 306.11 sq. ft. vide Agreement of Sale registered by the IAC. Avqn. Range, Hyderabad at S. No. 1040/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

FORM UTNS-

(1) M/s. Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. John Edmond Peter Kuchipudi. 4-4-569, Sultan Bazaar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn., 37EE/309/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Rudra Builders, A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the schedule approved hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparatus consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitairs are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2 in Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad in I Floor, area 1163 sq ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acquisition Range, Hyderabad at \$1.046/85 S. No. 1046/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

NGTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

·Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/310/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1.00,000% and bearing No. Flat situated at Rudra Builders, A.C. Guards, Hyderabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985

I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Ella Josyulu Peraiah Sastry.
 E. Suryakantam.
 6-3-609/18/2,
 Anand Nagar Colony,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and concessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, in Rudraraju Builders, A.C. Guards, Hyderabad in I Floor, area 1111 sq. ft. vide Agreement for sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1047/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ellajosyulu Peraiah Sastry 2. Smt. E. Suryakantam, 6-3-609/18/2, Anand Nagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/311/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Parking premises situated at Rudraraju Builders, A.C. Guards,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inference by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for

Parking premises No. 9 in Rudraraju Builders, A.C. Guards, Hyderabad, area 252.63 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad, at S. No. 1048/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

Scal:

CONTRACTOR FOR THE CONTRACTOR CON

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. J. Venkateswara Rao, No. A/205, Brindavan Apartments, Lakdi-ka-pool, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Kantilal Bhagwandas Bangadia, 3-4-340/2, ·Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/312/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat situated at Brindavan Aptts., Lakdi-ka-pool, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than

I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) on Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

THE SCHEDULE

HIG Flat No. 16, in 3rd floor of Brindavan Apartments, Lakdi-ka-pool, Hyderabad, area 1100 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1051/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/313/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable represents beging a four market value exceeding.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at Masoorabad village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not neer truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

119-496 GI /85

(1) M/s. Farah Estates, Rep. by Sri Syed Shabuddin, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. T. G. Suseela W/o B. Ramachandran, 732-B, NGO's Colony, Vanasthali Puram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49 in Sy. No. 56/1, Masoorabad Village, Hyderabad, admeasuring 117 sq. yards vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1054/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Farah Estates, Rep. by Mr. Syed Shabuddin, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Zubaida Shaharyar W/o Waheeduddin, 16-4-245, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC No. IAC/Acqn./37EE/314/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot situated at Masoorabad village, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the swd Act, in respect of any income arising from the transfer:

noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the spide Act. I cereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34 & 35 in Sy. No. 56/1, Masoorabad village, Hyderabad, area 366.66 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC.. Acquisition Range, Hyderabad, at S. No. 1055/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(2) Mrs. Yousuff Sabina D/o Syed Alcemuddin Hussaini, 16-6-391, Osmanpura, Hyderabad

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/315/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot situated at Masoorabad village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property are the property as aforesaid property as a server to be a constant to property as a foresaid property as a foresa exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if arry, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person historested in the said himoved property, within 45 days from the date of the pull cation of this notice in the Official Children.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 73 in Sy. No. 56/1, Masoorabad village, Hyderabad, admeasuring 111.11 sq. yards vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1056/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(2) Mrs. Nazma Begum, W/o M. A. Wahab, 20-7-243/A/3 Shakerganj, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/316/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Masoorabad village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 74 in Sy. No. 56/1, Masoorabad village, Hyderabad, admeasuring 111.11 sq. yards or 999.99 sq ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad, at S. No. 1058/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following namedy: persons, namely :-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Md. Siraj Ahmad Siddiqui, 17-5-530, Daberpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/317/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Conjectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and bearing No.

Plot situated at Masoorabad village, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
LAC. Acqn. Range, Hyderabad on February 1985

for an exercise consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Plot No. 74/A, at Masoorabad village, Hyderabad admeasuring 183.33 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1059/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/318/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop C-116 situated at Mayur complex, Abids, Hyd'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at at IAC. Acq. Range, Hyderabad in 2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mys. Mayur Complex, 'Kushal Shopping', 5-9-279, Abids, Hyderabad.

(2) Mr. Gulam Mohammad S/o Shri Gulam Mahd., Khairatabad, Flat No. 508, Shajahan Apts., Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop C-116, admeasuring 416 s. ft. at Mayur Complex, Abids, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1063/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/86

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF BEST

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/319/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Bhagyanagar Constructions, Red Hills, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range, Hyderabad on 285 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/er

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment

(1) M/s. Bhagyanagar Constructions, 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. JRK Rao, 98, Harington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 in Bhagyanagar Constructions, Red Hills, Hyderabad, admeasuring 1193 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1064/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10/21/86

The same of the sa

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Mr. G. Jaggarao,2. Mr. G. Srinivas,Sons of G. B. Ammanna Choudary, Bikkavolu, EG Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/320/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing No.

Office premises situated at Babukhan constructions, Bashir bagh, Hyderabad

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Hyderabad on 285

IAC. Acq. Range, Hyderabad on 285 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property ana, be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXFIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 405 in Babukhan Constructions, Babukhan Estates, Bashir bagh, Hyderabad, admeasuring 1623 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC.. Acqu Range, Hyderabad, at S. No. 1065/85.

> M. ! ¿GAN MOHAN-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 10/2/86

(1) M/s. Babukhan Constructions, 5-9-58. 1-15. Babukhan Estates, Bashir Bagh, Hyderabad.

(2) Mrs. S. Pravathi Devi S/o Shri S. Ramchandra Rao, 5-9-85/B, Chapel Road,

Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqu/37EE/321/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office premises situated at Babukhan Estates, Bashir bagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Office premises situated at Babukhan Estates, Bashir bagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Hyd. in 2/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 406 in Babukhan Estates, Bashir Bagh, Hyderabad, admeasuring 1581 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1066/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

120-496 GI/85

Date: 10/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37FE/322/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a last market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat situated at Emerald Builders, Abids (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC., Acqn. Range, Hyderabad in 2/85 IAC., Acqn. Range, Hyderabad in 2/85 for an apparent consideration. Which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than falcon powers of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the red scient of evalues of the fransferor to pay tax under the said Act, in support of any income arising from the transfer: 501 /OF
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to me disclosed by the transferee for the purposes of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said dorn or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Emerald Builders, 4-1-968, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. A. P. Electrical Equipment Corpn., Sanath Nagar, I.E., Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of tae publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that harter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Sagar apartments, Hyderabad, admeasuring \$325 s. ft. vide Agreement of sale regis ered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1069/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/86

Scal:

FORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF IAX ACT. 1961 (43 OF 1961) / INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/323/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing No.

Plot No. 31 situated at Farah Estates, Chanchalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 19.38 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqu. Range, Hyderabad in 2/85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(2) Mr. P. Dheera Narayana, No. 11/84, P&T Colony, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition or the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31 in Sy. No. 56/1, admeasuring 206.94 s. ft. in Farah Estates, Masoorabad village, Hyderabad vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad a: S. No. 1076/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Farah Estates. 16-4-335, Chanchalguda. Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Mahmood Quadri W/o Shri M. A. Hameed. Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/324/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot situated at Farah Estates, Masoorabad village

(and more fully acscribed in the Schemile annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Hyderabad in 2/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovableproperty within 45 Jays from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 62 & 63 in Sy. No. 56/1, at Masoorabad village, Hyderabad, admeasuring 348 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at 9. No. 10077/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10/2/86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/325/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office premises situated at Nataraj Construction Co.,

Parklane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

121—496 GI85

(1) M/s. Nataraj Construction Co., 116, Parklane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Ali Khan. H. No. 10-5-3/2/2, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperts, may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 178 to 180, in Nataraj Construction Co., Parklane, Secunderabad, admeasuring 1000 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad, at S. No. 1078/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10776

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/326/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat situated at Rudraraju Builders, A.C. Guards, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1 Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Chiranjinilal Jain, H. No. 11-5-30, Bazar Ghat, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Rudraraju Builders, A.C. Guards, Hyderabad, admeasuring 1244 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1081/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Babukhan Constructions, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s. Bajrang Pershad & Co., Rep. by Mr. Naresh Kumar Sanghi, Kalakaman, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/327/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Store No. 91 situated at Babukhan Estates, Bashir Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Store No. 91 in Babukhan Estates, Bashir Bagh, Hyderabad, admeasuring 440 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1091/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Farah Estates, Chanchalguda. Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(2) Mr. Mohd Abdur Raheem, 16-5-104, Fathenagar, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferée)

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/328/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot situated at Farah Estates, Masoorabad village (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a

persons, whichever period expires later;

- EX. LINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said; Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 in Sy. No. 56/1. admeasuring 204 sq. yards at Masoorabad village, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1095/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date: 10-2-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/329/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Garage No. 11, situated at Nataraj Constructions, Parklane, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Hyderabad on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said idstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Nataraj Construction Co., 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Agarwal W/o Satya Prakash, 503, Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 11. admeasuring 170 s. ft. in Nataraj Constructions, 116, Parklane, Secunderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1097/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10780

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acon/37EE/330/85-86,—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 21, situated at Metro Builders, Bashir Bagh,
(und more fully described in the schedule encayed beart)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC., Acq. Range, Hyderabad in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer azıd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Metro Builders, 5-9-30/26, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Mr. Khaja Mohiuddin S/o Mr. Khaja Mohiuddin, 10-3-313/9, P.S. Nagar, V. N. Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 21, admeasuring 390 sq. ft. in Metro Builders, H. No. 5-9-30/26, Bashir Bagh, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC. Acquisition Range, Hyderabad at S. No. 1099/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Sony Builders, 3-6-389, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Noor Jehan, W/o Md. Akhtar Alam, 16-17, Krishna Complex, Hyderabad.

(Transferee)

AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1986

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/331/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat Sony Builders, Himayat Nagar (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be receded the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

THE SCHEDULE

Flat No. 7, in Sony Builders, Himayatnagar, Hyderabad admeasuring 1555 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acquisition Range, Hyderabad, at S. No. 1101/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th February 1986

C.R. No. 62/48065/85·86,ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 14 & 14/1 situated at 18th Main, IV T Block, Jayanagar,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 598/85-86 on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) 1. Shri K. N. Mohan Gupta

2. Sri K. M. Swaroop 3. Sri K. N. Ramanath

No. 460/4 Out house, H Block, Jayanagar, (Near Ashoka Pillar), Bangalore-11.

(Transferor)

(2) 1. Sri M. K. Suresh Babu
2. Smt. M. S. Rama Mani
3. Sri M. K. Sridhar, No. 98 & 99, 7th Main III Block, Jayanagar Bangalore-11.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 598/85-86 Dated 5-6-85]. All that property bearing No. 14 & 14/1 situated at 18th Main Road IV T. Block, Jayanagar, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-2-86